प्रतियोगिता दर्पण

नवम्बर 2009 मूल्य रु. 50.00

हिन्दी मासिक

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

हल प्रश्न-पत्र

- यूनाइटेड इण्डिया इन्श्योरेन्स कम्पनी प्रशासनिक अधिकारी, 09
- हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्रा), 09
- एस.एस.सी. सी.पी.ओ. सब-इंस्पेक्टर, 09
- पी.एन.बी. कृषि अधिकारी, 09
- उत्तराखण्ड पी.सी.एस. (प्रा.), 06
- आर.ए.एस./आर.टी.एस. (प्रा.), 08
- झारखण्ड लोक सेवा आयोग (मुख्य), 06
- स्टेट बैंक ऑफ़ इण्डिया विशेषज्ञ अधिकारी, 09
- गुड़गाँव ग्रामीण बैंक (पी.ओ.), 09
- आन्ध्रा बैंक मार्केटिंग एसोशिएट, 09

—वैभव श्रीवास्तव
सिविल सेवा परीक्षा, 2008

—श्रीमती चंचल वर्मा
आर.ए.एस. परीक्षा, 2007

- जी-20 का पिट्सबर्ग शिखर सम्मेलन
- ओशनसैट-2 का प्रक्षेपण
- साक्षर भारत मिशन
- अमरीकी ओपन टेनिस-2009
- चन्द्रमा की सतह पर पानी की खोज
- 55वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, आई.सी.सी. क्रिकेट पुरस्कार (2008-09), शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार (2009)

प्रतियोगिता दर्पण हिन्दी मासिक के पाठकों से

प्रिय पाठको !

आपकी लोकप्रिय एवं सर्वाग्रगण्य पत्रिका **'प्रतियोगिता दर्पण'** का नवम्बर अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष हो रहा है. इस अंक को भी, अन्य अंकों की भाँति, अधिकाधिक परीक्षोपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. हमें विश्वास है कि प्रस्तुत अंक आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप उपादेय होगा.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में लाभदायक होने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों का विश्लेषणात्मक निबन्धों के रूप में अध्ययन कराया गया है. इनमें से कुछ निबन्ध इस प्रकार हैं–वैश्विक वित्तीय संकट से त्रस्त निर्धन देश, विश्व में महिला अधिकारों की स्थिति, पर्यावरण प्रबन्धन आदि.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं–

सामान्य अध्ययन–आगामी भारतीय सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2009 हेतु विशेष मॉडल हल प्रश्न-पत्र.

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान–(i) यूनाइटेड इण्डिया इंश्योरेंस कम्पनी प्रशासनिक अधिकारी परीक्षा, 2009, (ii) हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2009, (iii) एस.एस.सी. सी.पी.ओ. सब-इंस्पेक्टर परीक्षा, 2009, (iv) पी.एन.बी. कृषि अधिकारी परीक्षा, 2009.

ऐच्छिक विषय : (i) **विधि**–उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2006, (ii) आर.ए.एस./आर.टी.एस. (प्रा.) परीक्षा, 2008, (iii) **सामान्य हिन्दी**–झारखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, 2006.

तर्कक्षमता परीक्षा–(i) यूनाइटेड इण्डिया इंश्योरेंस कम्पनी प्रशासनिक अधिकारी परीक्षा, 2009, (iii) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विशेषज्ञ अधिकारी परीक्षा, 2009.

संख्यात्मक अभियोग्यता–गुड़गाँव ग्रामीण बैंक ऑफीसर्स परीक्षा, 2009.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के टॉपर्स एवं अन्य सफल अभ्यर्थियों के निरन्तर सम्पर्क में रहने से प्राप्त सफलता-रहस्यों/मंत्रों को हम आपके साथ बाँटना चाहते हैं. सर्वनिष्ठ रूप से यह तथ्य सामने आया है कि सफलता के लिए **योजनाबद्ध कठिन परिश्रम, आत्म-विश्वास एवं सही मार्गदर्शन अपरिहार्य हैं. इनके बिना सफलता की केवल कल्पना ही की जा सकती है, उसका वरण नहीं.** हम चेतावनी के रूप में आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि केवल मन-मोदक फोड़ने से काम नहीं चलेगा. सफलता प्राप्त करने के लिए उपर्युक्त के अतिरिक्त कोई अन्य मार्ग नहीं है. **आप प्रयास कीजिए 'प्रतियोगिता दर्पण' आपका मार्गदर्शन करेगी तथा अन्य उपयुक्त सामग्री प्रस्तुत करेगी.**

नियमित रूप से समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए. यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

महेन्द्र जैन
(सम्पादक)

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2009

11 अक्टूबर–भारतीय रिजर्व बैंक बी ग्रेड अधिकारियों की भर्ती परीक्षा (प्रथम चरण)
22 अक्टूबर–सिविल सर्विसेज मुख्य परीक्षा, 2009
25 अक्टूबर–न्यू इंडिया एश्योरेंस कम्पनी प्रशासनिक अधिकारियों की भर्ती परीक्षा
25 अक्टूबर–गुड़गाँव ग्रामीण बैंक अधिकारी स्केल-I भर्ती परीक्षा
25 अक्टूबर–उ. प्र. में सिंडीकेट बैंक द्वारा प्रथमा बैंक में अधिकारियों (स्केल-I) की भर्ती परीक्षा
1 नवम्बर–श्रेयस ग्रामीण बैंक विशेषज्ञ अधिकारियों की भर्ती परीक्षा
1 नवम्बर–उत्तरांचल ग्रामीण बैंक लिपिक सह-रोकड़िया भर्ती परीक्षा
1 नवम्बर–गुड़गाँव ग्रामीण बैंक लिपिक-सह-रोकड़िया भर्ती परीक्षा
1 नवम्बर–उ. प्र. में सिंडीकेट बैंक द्वारा प्रथमा बैंक में कार्यालय सहायकों/लिपिकों की भर्ती परीक्षा
8 नवम्बर–श्रेयस ग्रामीण बैंक लिपिक सह-रोकड़िया भर्ती परीक्षा
8 नवम्बर–मध्य प्रदेश सिविल न्यायाधीश (वर्ग-2) मुख्य परीक्षा
8 नवम्बर–राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, 2009 (कक्षा VIII में पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए)
8 नवम्बर–म. प्र. नेशनल मीन्स-कम-मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा–2009-10
8 एवं 15 नवम्बर–भारतीय स्टेट बैंक लिपिकीय संवर्ग भर्ती परीक्षा, 2009
15 नवम्बर–एस.एस.सी. ऑडीटर्स एण्ड एकाउन्टेंटस् परीक्षा (भारतीय अंकेक्षण एवं लेखा विभाग)
16 नवम्बर–म. प्र. राज्य सेवा मुख्य परीक्षा–2008
21 नवम्बर–भारतीय आर्थिक सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा परीक्षा, 2009
22 नवम्बर–राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा (SET), 2009
22 नवम्बर–राजस्थान ग्रामीण बैंक अधिकारी स्केल-I भर्ती परीक्षा
22 नवम्बर–कॉर्पोरेशन बैंक प्रोबेशनरी ऑफीसर्स परीक्षा
22 नवम्बर–त्रिवेणी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफीसर स्केल-I परीक्षा
29 नवम्बर–राजस्थान ग्रामीण बैंक लिपिक-सह-रोकड़िया भर्ती परीक्षा
29 नवम्बर–कॉर्पोरेशन बैंक क्लेरीकल कैडर परीक्षा
29 नवम्बर–त्रिवेणी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिस असिस्टेंट परीक्षा
नवम्बर–भारतीय वायुसेना में ग्रुप 'X' तकनीकी ट्रेड्स में एयरमैनों की भर्ती परीक्षा
13 दिसम्बर–ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स प्रोबेशनरी ऑफीसर्स परीक्षा
(**ऑनलाइन अन्तिम तिथि**–31 अक्टूबर, 2009)
13 दिसम्बर–एस.एस.सी. कर सहायक परीक्षा–2009
(**अन्तिम तिथि**–30 अक्टूबर, 2009)
20 दिसम्बर–राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल 'कॉमन एंट्रेंस टेस्ट' (कक्षा 6)
20 दिसम्बर–सी.एस.आई.आर. यू.जी.सी. NET परीक्षा, 2009 (विज्ञान विषयों में)
20 दिसम्बर–विजया बैंक प्रोबेशनरी क्लर्क भर्ती परीक्षा
26 दिसम्बर–केन्द्रीय विद्यालय संगठन पीजीटी भर्ती परीक्षा
(**अन्तिम तिथि**–12 अक्टूबर, 2009)
27 दिसम्बर–जयपुर थार ग्रामीण बैंक कार्यालय सहायकों की भर्ती परीक्षा
27 दिसम्बर–केन्द्रीय विद्यालय संगठन टीजीटी भर्ती परीक्षा
(**अन्तिम तिथि**–12 अक्टूबर, 2009)
28 दिसम्बर–केन्द्रीय विद्यालय संगठन प्राइमरी टीचर भर्ती परीक्षा
(**अन्तिम तिथि**–12 अक्टूबर, 2009)

2010

10 जनवरी–यूनियन बैंक क्लेरीकल कैडर परीक्षा
(**ऑनलाइन अन्तिम तिथि**–31 अक्टूबर, 2009)
14 फरवरी–संघ लोक सेवा आयोग सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (I), 2010
(**अन्तिम तिथि**–26 अक्टूबर, 2009)

376वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 32 चतुर्थ अंक नवम्बर 2009

इस अंक में

645 सम्पादकीय
646 राष्ट्रीय घटनाक्रम
652 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
657 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य
662 नवीनतम सामान्य ज्ञान
668 खेलकूद
673 रोजगार समाचार
679 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
681 अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं
686 स्मरणीय तथ्य
688 विश्व परिदृश्य
691 आर्थिक लेख–(i) वैश्विक वित्तीय संकट से त्रस्त निर्धन देश
693 (ii) खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें, सूखा और समावेशी विकास
695 अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध लेख–संयुक्त राष्ट्र संघ : संगठन एवं कार्य
701 सामाजिक लेख–विश्व में महिला अधिकारों की स्थिति
706 कैरियर लेख–एम. बी. ए. : एक प्रतिष्ठित पेशा
708 आन्तरिक सुरक्षा सम्बन्धी लेख–नक्सलवाद : आन्तरिक सुरक्षा को चुनौती : छत्तीसगढ़ के विशेष सन्दर्भ में
711 राजनीतिक लेख–भारतीय राष्ट्रवादी चिन्तन
713 साहित्यिक लेख–अमीर खुसरो का हिन्दी के विकास में योगदान
714 भौगोलिक लेख–पर्यावरण प्रबन्धन
716 समसामयिक लेख–(i) प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की येकाटेरिनबर्ग यात्रा
720 (ii) जी-8 एवं जी-5 में भारत की भूमिका
724 सैन्य कैरियर लेख–सैन्य सेवाओं के प्रति बढ़ती उदासीनता : कारण एवं समाधान
728 सार संग्रह
732 सामान्य अध्ययन–(i) आगामी भारतीय सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2009 हेतु विशेष मॉडल हल प्रश्न-पत्र
740 (ii) आगामी भारतीय सिविल सेवा मुख्य परीक्षा, 2009 हेतु विशेष मॉडल हल प्रश्न-पत्र
749 वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान–(i) यूनाइटेड इण्डिया इन्श्योरेन्स कम्पनी प्रशासनिक अधिकारी परीक्षा, 2009
750 (ii) हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2009
755 (iii) एस.एस.सी. सी.पी.ओ. सब-इन्स्पेक्टर परीक्षा, 2009
759 (iv) पी.एन.बी. कृषि अधिकारी परीक्षा, 2009
762 उद्योग व्यापार जगत्
764 ऐच्छिक विषय–(i) विधि–उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2006
772 (ii) आर.ए.एस./आर.टी.एस. (प्रा.) परीक्षा, 2008
779 (iii) सामान्य हिन्दी–झारखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, 2006
782 विविध तथ्य एवं सामान्य जानकारी–(i) नागर विमानन सेवाएं : नई ऊँचाइयों की ओर–मुख्य-मुख्य बातें
784 तर्कक्षमता–(i) यूनाइटेड इण्डिया इन्श्योरेन्स कम्पनी प्रशासनिक अधिकारी परीक्षा, 2009
791 (ii) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विशेषज्ञ अधिकारी परीक्षा, 2009
796 संख्यात्मक अभियोग्यता–गुड़गाँव ग्रामीण बैंक ऑफीसर्स परीक्षा, 2009
800 क्या आप जानते हैं ?
801 अपना ज्ञान बढ़ाइए
802 प्रश्न आपके उत्तर हमारे
803 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध–21वीं सदी का विश्व
806 सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक 135
809 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक 366 का परिणाम
810 English Language—Andhra Bank Marketing Associates Exam., 2009

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. –सम्पादक

अमृतवचन

☆ आशा उत्तम जलपान है, किन्तु रात्रि का निकृष्ट भोजन. —*बेकन*

☆ कायरों और संशयशील व्यक्तियों के लिए प्रत्येक वस्तु असम्भव है, क्योंकि उन्हें ऐसा ही प्रतीत होता है. —*वाल्टर स्कॉट*

☆ आत्महत्या करना कायरता है. —*नेपोलियन*

☆ गुरुजनों का अनादर ही उनका वध कहलाता है. —*भगवान् कृष्ण (महाभारत)*

☆ युवाकाल की आशा पुआल की आग है जिसके जलने और बुझने में देर नहीं लगती. —*प्रेमचन्द*

☆ धूल स्वयं अपमान सह लेती है और बदले में फूलों का उपहार देती है. —*रबीन्द्रनाथ टैगोर*

☆ धनी को अपने धन का मद रहता है, अहंकार रहता है, परन्तु गरीब की झोंपड़ी में मद और अहंकार के लिए स्थान नहीं रहता. —*प्रेमचन्द*

☆ कृतज्ञता मित्रता को चिरस्थायी रखती है और नए मित्र बनाती है. —*कहावत*

☆ अनासक्ति की कसौटी यह है कि फिर उस वस्तु के अभाव में हम कष्ट का अनुभव न करें. —*हरिभाऊ उपाध्याय*

☆ जीवन का आनन्द गौरव के साथ, सम्मान के साथ, स्वाभिमान के साथ जीने में है. —*श्रीराम शर्मा आचार्य*

स्मरण प्रतियोगिता

(Memory Retention Contest)

आकर्षक पुरस्कार जीतिए

क्या आप यू.जी.सी. (नेट), पी.जी.टी., टी.जी.टी., बैंकिंग सेवा परीक्षा, भारतीय जीवन बीमा निगम-प्रशासनिक अधिकारी परीक्षा, वन सेवा परीक्षा, उप-निरीक्षक पुलिस, एम. बी. ए., सी. पी.एम.टी., सी.बी.एस.ई., बी.एड. प्रवेश परीक्षा, रेलवे आदि परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे हैं? यदि हाँ, तो आप एक आकर्षक पुरस्कार प्राप्त कर सकते हैं.

आपको करना सिर्फ इतना है कि वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्रों में पूछे गए प्रश्न आप अपनी स्मृति के आधार पर बहुवैकल्पिक प्रश्नों सहित हमें लिखकर भिजवा दें. हम सभी प्रविष्टियों को प्रतियोगिता में शामिल करेंगे और सर्वाधिक सही प्रश्न भेजने वाले को पुरस्कृत करेंगे.

पुरस्कार

(i) सर्वाधिक सही प्रश्न भेजने पर प्रथम तीन को क्रमशः 200, 100 व 60 रु. पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे.

(ii) 75% प्रश्न से कम पर कोई पुरस्कार देय नहीं होगा.

स्मरण प्रतियोगिता

प्रतियोगिता दर्पण 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—जलवायु परिवर्तन पर विश्व की चिन्ताएं.

अन्तिम तिथि—28 नवम्बर, 2009

शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

(1) निबन्ध कागज के एक ओर ही टंकित अथवा स्व-हस्तलिखित होना चाहिए.

(2) निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजें. प्रथम तीन निबन्धों पर हम क्रमशः 500, 400 व 250 रुपए मूल्य की उपकार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तकें व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में देंगे. अन्य 10 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की 100 रुपए मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी.

चन्दे की नई दरें

(1 नवम्बर, 2008 से लागू)

प्रतियोगिता दर्पण

	हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति मूल्य	50·00	50.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	455·00	450·00
रजिस्टर्ड डाक से	685·00	680·00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	815·00	810·00
रजिस्टर्ड डाक से	1265·00	1260·00

सामान्य ज्ञान दर्पण

एक प्रति मूल्य	35·00
वार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	320·00
रजिस्टर्ड डाक से	545·00
द्विवार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	575·00
रजिस्टर्ड डाक से	1025·00

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चैक स्वीकार नहीं होंगे.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट **'प्रतियोगिता दर्पण'** के नाम से ही स्वीकार किए जाएंगे.

ऑर्डर फार्म

मैं प्रतियोगिता दर्पण/सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी मासिक) का वार्षिक/द्विवार्षिक नियमित ग्राहक बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ, कृपया मेरी प्रति मुझे निम्नांकित पते पर प्रेषित करने की कृपा करें.

नाम _____

पता _____

_____

पिन ☐☐☐☐☐☐

मैं..... रु. मनीऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रेषित कर रहा हूँ/रही हूँ.

दिनांक _____ प्रेषक का नाम _____

प्रतियोगिता दर्पण

2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, **आगरा**—282 002

सम्पादकीय

जीने की कला सूर्य से सीखिए

सूर्य समस्त प्रकाश का स्रोत है साथ ही अत्यन्त विस्तृत और विशाल है. वह प्राणदायक और मूर्तिमंत जीवन है. सूर्य दिन भर तपने के पश्चात् रात्रि को विश्राम करता है तथा प्रातःकाल अरुण रूप होकर उदय होता है. उसका दर्शन आशा, स्फूर्ति एवं आनन्द का हेतु होता है. हम भी सूर्य की भाँति नित्य नवीन उत्साह एवं स्फूर्ति लेकर उदय हो सकते हैं, दिन भर कार्य करते हुए हमारी कोशिकाओं का क्षय होता है तथा रात्रि में विश्राम काल में कोशिकाओं का पुनः निर्माण हो जाता है. इस प्रकार प्रकृति हमें नित्य नया रूप प्रदान करती है. जीवन और अमरता का रहस्य यही है, परन्तु हम इस तथ्य के प्रति जागरूक नहीं होते. डॉ. राधाकृष्णन ने ठीक ही कहा है 'आदि से अन्त तक हमारा जीवन एक प्रकार की मृत्यु है जिसका अर्थ है–नित्य नए जीवन की प्राप्ति'. इसी बात को दार्शनिक प्लेटो ने इस प्रकार कहा है कि 'यह महत्वपूर्ण नहीं है कि हम कितने दिन जीवित रहते हैं, महत्वपूर्ण यह है कि हम किस प्रकार जीवित रहते हैं.' हम जीवन में नया प्रकाश तभी प्रदान कर सकते हैं, जब सूर्य की भाँति चिर नवीन स्फूर्ति के साथ निरन्तर तपते हुए कार्यरत बने रहें. जीवन का उद्देश्य सत्य की साधना है और प्रकाश सत्य का प्रतीक है.

गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर ने एक स्थान पर लिखा है कि प्रातः उगते हुए सूर्य ने चारों ओर अपना प्रकाश-पुंज विकीर्ण कर दिया. ऐसा करते हुए उसने किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया. उस दृश्य ने मेरे हृदय में एक विचित्र प्रकार की पीड़ा उत्पन्न कर दी और मैं समानता की भावना द्वारा अभिभूत हो उठा. समानता की भावना ने मुझे विश्व-मानव की कल्पना प्रदान कर दी और मैं विश्व-वेदना का गायक बन गया.

कवीन्द्र के कथन का अभिप्रायः स्पष्ट है कि जब बाहर का प्रकाश भीतर का प्रकाश बन जाता है, तब रबीन्द्र नाथ सदृश विश्व कवि एवं अमर गायक का निर्माण होता है. आन्तरिक प्रकाश के अभाव में बाह्य प्रकाश व्यर्थ रहता है. मन की आँखें न खुलें, तो मस्तक की आँखें मात्र मोर पंख की आँखें बनी रहती हैं. गोपियों ने ज्ञानी उद्धव से यही कहा था कि, 'ऊधो! श्रीकृष्ण-दर्शन के लिए अखियाँ चहैं, न मोर अखियाँ चहैं.'

सर्व्यव्यापी प्रकाश ही सार्थक होता है. वह बाह्य हो अथवा आन्तरिक. वह सर्वग्राही एवं सर्वग्राही होना चाहिए.

एक राजा के तीन लड़के थे. उसने प्रत्येक को एक निश्चित धनराशि देकर कहा–'इस धन से जो ऐसी वस्तु लाएगा, जो पूरे घर में समा जाए, उसको मैं अपना उत्तराधिकारी बना दूँगा.' राजा की आज्ञा सुनकर और मन में राज्य-प्राप्ति की इच्छा लेकर तीनों लड़के वहाँ से चले गए. पहला लड़का एक बड़ा गलीचा ले आया, परन्तु वह छोटा पड़ गया. दूसरा लड़का एक बहुत बड़ा दर्पण लेकर लौटा, उसमें पूरे घर का प्रतिबिम्ब आ गया, परन्तु वह दस मिनट बाद ही टूट गया. तीसरा लड़का जब लौटा, तब उसके हाथ में एक मोमबत्ती थी. मोमबत्ती ने पूरे घर को प्रकाशित कर दिया और वह निरन्तर प्रकाशमान रही. राजा ने इसी लड़के को उत्तराधिकारी घोषित कर दिया, क्योंकि उसने घर को प्रकाशित करने की संकल्पना की थी. जीवन की सार्थकता यही है कि हम प्रकाश फैलाएं, जिससे अंधकार का नाश हो और रास्ते दिखाई देने लगें. एक पुरानी कहानी के अनुसार–एक अंधा व्यक्ति सदैव अपने हाथ में जलती हुई लालटेन रखता था. इससे दो लाभ होते थे. राहगीर अंधे को देख लेते थे और अंधा व्यक्ति सुरक्षित बना रहता था. साथ ही राहगीरों को अंधेरे में अपना रास्ता देखने में सहायता प्रदान करता था.

उक्त कहानी का निष्कर्ष यह ठहरता है कि विस्तार भावना के प्रति जागरूक बालक राज्य का अधिकारी बनता है. स्वामी विवेकानन्द ने इसी जीवन-सूत्र को लक्ष्य करते हुए कहा है कि, ''जीवन का पहला और स्पष्ट लक्षण है–विस्तार. यदि तुम जीवित रहना चाहते हो, तो तुम्हें फैलना होगा. जिस समय तुम जीवन का विस्तार बन्द कर दोगे, उसी क्षण जान लेना कि विपत्तियाँ तुम्हारे सामने हैं.' विपत्तियाँ ही क्यों, मृत्यु तुम्हारे सामने है, क्योंकि विकास जीवन का लक्षण है और इसका अभाव मृत्यु का परिचायक है.

सूर्य निरन्तर चलता रहता है, उसके साथ समय भी व्यतीत होता जाता है. सूर्य न पीछे की ओर देखता है और न बीता हुआ समय ही वापस आता है. यदि हम सूर्य की भाँति नित्य नवीन लक्ष्य लेकर जीवन में अग्रसर होना चाहते हैं, तो हमें किर्के गार्ड (Kierke Gaard) का यह कथन याद रखना चाहिए कि–"Life can only be understood backwards, but it must be lived forwards." जीवन में सफल होने के लिए व्यक्ति को सदैव यह सोचना चाहिए कि उसे कल क्या करना है ? इसके लिए वह बीते हुए कल से शिक्षा ले सकता है, परन्तु उससे चिपके रहना, उसके लिए कभी भी लाभदायक सिद्ध नहीं होगा. अधिकांश व्यक्ति यही नहीं समझ पाते हैं कि इस अल्पजीवन में वे क्या करें, परन्तु साथ ही वह यह भी संकल्पना करते हैं कि उनका अगला जीवन बहुत बड़ा होगा. वे कभी यह नहीं सोचते कि प्रकृति का कोई पदार्थ अपने वर्तमान जीवन को तुच्छ नहीं समझता है, क्योंकि उसका अगला जीवन बहुत उपयोगी एवं मूल्यवान होगा. उदाहरण के लिए, गुलाब का फूल यद्यपि अल्पकाल तक खिलता है, तथापि वह समस्त वायुमण्डल को सुरभित कर देता है. गुलाब की प्रत्येक कली की यही कहानी है कि वह वर्तमान को सुरभित करके अपना जीवन सार्थक करती है. गुलाब यदि अपने जीवन की स्वल्पता को तुच्छता समझ बैठे, तो उसका खिलना एवं वायुमण्डल का सुरभित होना समाप्त हो जाए. विश्व प्रपंच का एक कण भी यदि अपनी तुच्छता की अनुभूति द्वारा अभिभूत होकर निष्क्रिय हो जाए, तो विश्व की परमाणु शृंखला खण्डित हो जाए और प्रलय का दृश्य उपस्थित हो जाए. जो व्यक्ति प्रकृति के इस नियम के अनुसार जीवन को उत्साहपूर्वक नहीं जीते हैं, वे मानो नए जन्म की तमन्ना में खुदकुशी कर लेते हैं.

सूर्य रक्तिमवर्ण उदित होता है और रक्तिमवर्ण ही अस्त होता है. वह विश्व को देना जानता है, उससे लेना नहीं, क्योंकि आदि से अन्त तक एकसा बना रहता है. उसके जीवन का प्रत्येक क्षण उत्साह और विस्तार-भावना द्वारा पूरित बना रहता है. विचारक सैमुअल जॉन्सन ने ठीक ही कहा है कि, ''सम्पन्न होकर मरने की अपेक्षा सम्पन्न जीवन व्यतीत करना कहीं अधिक श्रेष्ठ है'' (It is better to live rich than to die rich.)

व्यावहारिक जीवन का यह सूत्र मनन करने योग्य है कि महत्वपूर्ण यह नहीं है कि हम किसी सिद्धान्त के लिए प्राण त्यागते हैं, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि हम किसी सिद्धान्त के लिए जीवित रहते हैं. सूर्योदय में जो नाटक भरा है, सौन्दर्य भरा है जो लीला भरी है, वह हमारे जीवन की प्रेरणा होनी चाहिए कि जिन्दगी भोर है, सूरज से निकलते रहिए. ●●●

- पीएसएलवी-सी 14 द्वारा समुद्र निगरानी उपग्रह ओशनसैट-2 का सफल प्रक्षेपण
- चन्द्रमा की सतह पर पानी की खोज : चन्द्रयान-1 की बड़ी उपलब्धि
- साक्षर भारत मिशन
- आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस आर रेड्डी का हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन
- सामान्य से 20-21 प्रतिशत कम रही इस वर्ष मानसूनी वर्षा
- नौ नए एनआईटी स्थापित करने की योजना
- सीबीएसई की दसवीं कक्षा की परीक्षा वैकल्पिक हुई
- जम्मू कश्मीर में आईआईएम की स्थापना की योजना रद्द : दो केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना होगी राज्य में
- क्वात्रोच्चि के विरुद्ध मामले की वापसी से बंद होगा बोफोर्स दलाली मामला
- संक्षिप्तकी

पीएसएलवी-सी14 द्वारा समुद्र निगरानी उपग्रह ओशनसैट-2 का सफल प्रक्षेपण

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक और उपलब्धि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने 23 सितम्बर, 2009 को उस समय प्राप्त की जब सामुद्रिक अनुसंधानों के लिए अत्याधुनिक उपग्रह ओशनसैट-2 (Ocean sat-2) का सफल प्रक्षेपण किया गया. 960 किग्रा वजन वाले इस सामुद्रिक निगरानी उपग्रह को पृथ्वी की लगभग 720 किमी ऊँची ध्रुवीय कक्षा में स्थापित किया गया है. यह प्रक्षेपण पोलर सैटेलाइट लॉंच व्हीकल (PSLV-C14) के द्वारा आन्ध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से किया गया.

सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से पीएसएलवी-सी14 की उड़ान

'इसरो' प्रमुख जी. माधवन नायर व अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों के अतिरिक्त उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे. 20 सितम्बर, 1993 को पीएसएलवी की पहली विफल उड़ान के पश्चात् इस प्रक्षेपण यान की यह लगातार 15 वीं सफल उड़ान थी. इससे पूर्व 22 अक्टूबर, 2008 को पीएसएलवी-सी-11 द्वारा चन्द्रयान-1 का तथा 20 अप्रैल, 2009 को पीएसएलवी-सी-12 द्वारा रिसैट-2 का प्रक्षेपण किया गया था. पीएसएलवी-सी-14 की इस उड़ान द्वारा 6 अन्य नैनो उपग्रहों को भी ध्रुवीय कक्षा में स्थापित किया गया है. लगभग 8-8 किग्रा वजन के लक्जेमबर्ग व जर्मनी के दो रुबिन (Rubin) सैटेलाइट्स के अतिरिक्त 1-1 किग्रा. वजन के 4 अन्य क्यूबसैट्स विभिन्न यूरोपीय विश्वविद्यालयों द्वारा निर्मित हैं.

ज्ञातव्य है कि प्रायः उपग्रह की लागत से कहीं अधिक खर्च उसके प्रक्षेपण पर आता है. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रति एक किग्रा. वजन की 500-700 किमी. ऊँचाई वाली कक्षा में प्रक्षेपण का मूल्य लगभग 10 हजार डॉलर है, जबकि 36000 किमी की ऊँचाई वाली भू-स्थैतिक कक्षा में प्रक्षेपण का खर्च लगभग 25 हजार डॉलर प्रति किग्रा. बैठता है.

पीएसएलवी की उड़ानें

पीएसएलवी-डी1	20 सितम्बर, 1993 (विफल)
पीएसएलवी-डी2	15 अक्टूबर, 1994
पीएसएलवी-डी3	21 मार्च, 1996
पीएसएलवी-सी1	29 सितम्बर, 1997
पीएसएलवी-सी2	26 मई, 1999
पीएसएलवी-सी3	22 अक्टूबर, 2001
पीएसएलवी-सी4	12 सितम्बर, 2002
पीएसएलवी-सी5	17 अक्टूबर, 2003
पीएसएलवी-सी6	5 मई, 2005
पीएसएलवी-सी7	10 जनवरी, 2007
पीएसएलवी-सी8	23 अप्रैल, 2007
पीएसएलवी-सी10	23 जनवरी, 2008
पीएसएलवी-सी9	28 अप्रैल, 2008
पीएसएलवी-सी11	22 अक्टूबर, 2008
पीएसएलवी-सी12	20 अप्रैल, 2009
पीएसएलवी-सी14	23 सितम्बर, 2009

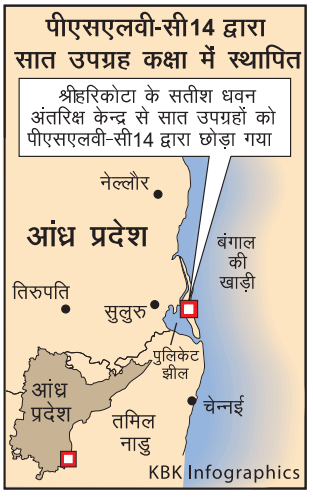

ओशनसैट-2 भारत का 16वाँ दूर संवेदी उपग्रह है जो मत्स्य बहुल क्षेत्रों की पहचान करने, समुद्र में ज्वार भाटा की स्थिति का अनुमान, तटीय क्षेत्र के अध्ययन के अलावा मौसम संबंधी पूर्वानुमान लगाने के लिए आँकड़े उपलब्ध कराएगा. इस उपग्रह ने अपनी कक्षा में पहुँचकर ओशनसैट-1 का स्थान लिया है. समुद्री विज्ञान के भौतिक और जैविक पहलुओं के अध्ययन के लिए मई 1999 में प्रक्षेपित

ओशनसैट-1 उपग्रह अंतरिक्ष में अपनी दस वर्ष की अवधि पूरी कर चुका है. ओशनसैट-2 का जीवनकाल पाँच वर्ष आकलित किया गया है.

ओशनसैट-2 के सफल प्रक्षेपण के पश्चात् 'इसरो' द्वारा संचार उपग्रह **जी-सैट4** का प्रक्षेपण दिसम्बर 2009 में किया जाएगा. यह प्रक्षेपण जीएसएलवी-डी3 द्वारा किया जाएगा. इससे पूर्व पीएसएलवी-सी15 द्वारा **कार्टासैट-2 बी** का प्रक्षेपण भी सम्भावित है.

ओशनसैट-2 के सफल प्रक्षेपण के लिए राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 'इसरो' की टीम को बधाई दी है. अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि वैज्ञानिकों ने सफलतापूर्वक उपग्रहों का प्रक्षेपण किया है और यह समूचे देश के लिए गर्व का क्षण है. अपने बधाई संदेश में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि पीएसएलवी के सफल प्रक्षेपण से 'इसरो' ने एक बार पुनः अपनी बहुमुखी क्षमता और विश्वसनीयता साबित कर दी है. उन्होंने कहा कि ओशनसैट-2 समुद्र विज्ञान के बारे में हमारी समझ की एक नई शुरूआत करेगा.

चन्द्रमा की सतह पर पानी की खोज : चन्द्रयान-1 की बड़ी उपलब्धि

22 अक्टूबर 2008 को प्रक्षेपित चन्द्रयान-1 से 'इसरो' (ISRO) का सम्पर्क यद्यपि लक्षित समय सीमा से एक वर्ष पूर्व ही समाप्त हो गया है तथा 'इसरो' ने औपचारिक रूप से इस मिशन के समापन की घोषणा 29 अगस्त, 2009 को कर दी थी, तथापि इस मिशन की उपलब्धियाँ अत्यन्त महत्वपूर्ण रही हैं. 'इसरो' के प्रमुख जी. माधवन नायर ने इस मिशन को 90-95 प्रतिशत सफल पहले करार दिया था किन्तु इससे मिली ताजा जानकारियों के बाद अब इस मिशन को 110 प्रतिशत सफल उन्होंने कहा है. चन्द्रयान-1 के साथ भेजे गए 11 वैज्ञानिक उपकरणों में से एक **मून मिनरोलॉजी मैपर** (M_3) ने चन्द्रमा की सतह पर जल की मौजूदगी की पुष्टि की है. 'नासा' के उपकरण M_3 से प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण के पश्चात् विज्ञान पत्रिका 'साइंस' के सितम्बर 2009 के एक अंक में प्रकाशित सी. पीटर्स (M_3 के आंकड़ों का विश्लेषण करने वाले प्रमुख वैज्ञानिक) के एक शोध पत्र में चन्द्रमा की सतह पर पानी की मौजूदगी की पुष्टि की गई है. 'इसरो' प्रमुख नायर के अनुसार चन्द्रयान-1 के साथ भेजे गए एक अन्य उपकरण **मून इम्पैक्ट प्रोब** (MIP), जिसे चन्द्रमा की सतह पर उतारा गया था, से प्राप्त आँकड़ों द्वारा भी चन्द्रमा की सतह पर पानी की मौजूदगी के साक्ष्य प्राप्त हुए थे. इस प्रकार चन्द्रमा की सतह पर पानी की खोज का श्रेय श्री नायर ने चन्द्रयान-1 मिशन को दिया है. श्री नायर ने कहा है कि चन्द्रमा पर पानी की मौजूदगी का पता लगाकर देश के पहले चन्द्रयान ने एक 'महत्वपूर्ण' और 'वास्तविक' खोज की है. उन्होंने बताया है कि **चन्द्रमा की सतह पर खोजा गया पानी समुद्र, झील या बूँदों के रूप में नहीं है तथा इसे यूँ ही एकत्र नहीं किया जा सकता. वहाँ खोजा गया पानी चट्टानों, मिट्टी व खनिजों में है तथा उन्नत प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर एक टन मिट्टी से आधा लीटर तक पानी प्राप्त हो सकता है. चन्द्रमा की सतह से पानी की खुदाई के लिए 2013 में भेजे जाने वाले चन्द्रयान-2 के साथ दो रोवर भेजने की 'इसरो' की योजना है. इनमें एक रूसी रोवर के साथ ही रोवर का एक स्वदेश निर्मित छोटा संस्करण भी होगा.** चन्द्रयान 2 का प्रक्षेपण 2012-13 में सम्भावित है.

साक्षर भारत मिशन

देश में साक्षरता की स्थिति में प्रभावी सुधार के लिए पूर्व घोषित 'साक्षर भारत मिशन' का शुभारम्भ प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 8 सितम्बर 2009 को अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर किया. केन्द्र व राज्य सरकारों की भागीदारी वाले इस मिशन का जमीनी तौर पर क्रियान्वयन पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से होगा. 50 प्रतिशत से कम महिला साक्षरता वाले 365 जिलों में यह लागू होगा तथा इन लक्षित 365 जिलों में 1·70 लाख गाँव पंचायतों के माध्यम से इसे कार्यान्वित किया जायेगा. ग्रामीण भारत में मुख्यतः निरक्षर महिलाओं को साक्षर बनाने पर फोकस इस मिशन के तहत् किया जायेगा.

कुल सात करोड़ निरक्षरों को साक्षर बनाने के लक्ष्य वाले इस मिशन में 6 करोड़ महिलाओं को लक्षित किया जायेगा. इससे साक्षरता दर को 64 प्रतिशत (2001 की स्थिति) से बढ़ाकर 80 प्रतिशत तथा 'जैंडर गैप' को 21 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत किया जा सकेगा. *मिशन की कुल अनुमानित लागत 6502 करोड़ रुपए आकलित की गई है जिसमें केन्द्र की हिस्सेदारी 4993 करोड़ रुपए होगी. कुल लागत का 75 प्रतिशत केन्द्र द्वारा व शेष 25 प्रतिशत राज्यों द्वारा वहन किया जाएगा. पूर्वोत्तर राज्यों के मामले में केन्द्र व राज्यों की इस लागत में हिस्सेदारी क्रमशः 90 व 10 प्रतिशत निर्धारित की गई है.*

नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर महिला साक्षरता के लिए साक्षर भारत मिशन के शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री कपिल सिब्बल, लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार व मानव संसाधन राज्य मंत्री डी पुरन्देश्वरी

आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस आर रेड्डी का हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन

द. भारत की राजनीति को एक अपूरणीय क्षति सितम्बर 2009 में उस समय हुई जब आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. राजशेखर रेड्डी का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया. लगातार दो विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को शानदार विजय दिलाने वाले करिश्माई मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी 2 सितम्बर को प्रातः साढ़े आठ बजे हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर द्वारा चित्तूर के लिए रवाना हुए थे तथा 10·40 पर उन्हें चित्तूर पहुँचना था, किन्तु उड़ान के एक घण्टे बाद ही हेलीकॉप्टर का रेडियो सम्पर्क टूट गया. बैल –430 (Bell-430) श्रेणी का उनका यह हेलीकॉप्टर कुन्नूर के निकट नल्लामाला पर्वत शृंखला की एक पहाड़ी से जा टकराया था जिससे उस पर सवार मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी का निधन हो गया. मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव पी. सुब्रमण्यम व मुख्य सुरक्षा अधिकारी ए. एस. सी. वेस्ली इस हेलीकॉप्टर पर सवार थे तथा इसके पायलट ग्रुप कैप्टेन एस. के. भाटिया व सह पायलट एम. एस. रेड्डी थे. ये सभी चार भी इस दुखद दुर्घटना में मारे गए. हेलीकॉप्टर का मलवा व इन पाँचों के शव 3 सितम्बर को खोजे जा सके. मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी के निधन पर दो दिन का राजकीय शोक केन्द्र सरकार ने भी घोषित किया. इसी के चलते नई दिल्ली में 4 सितम्बर को डब्ल्यू. टी. ओ. के व्यापार मंत्रियों के लिए आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रद्द कर दिया गया था. श्री रेड्डी के असामयिक निधन पर प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, विपक्ष के नेता लालकृष्ण आडवाणी व यू.पी.ए. अध्यक्ष सोनिया गांधी सहित विभिन्न राजनीतिक

वाई एस आर रेड्डी

दलों के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है.

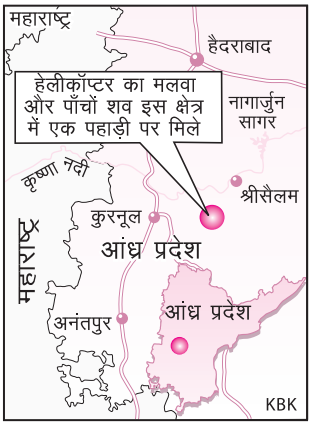

वाई. एस. राजशेखर रेड्डी के निधन के पश्चात् राज्य में नए मुख्यमंत्री के चुनाव के लिए सरगर्मियाँ तेज हो गई है. नए नेता के विधिवत् चुनाव तक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व रेड्डी मंत्रिमण्डल के नम्बर दो की हैसियत रखने वाले 77 वर्षीय के. रोसैया (K. Rosaiah) को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ 3 सितम्बर को दिलाई गई है. संवैधानिक आवश्यकता के चलते वाई. एस. आर. मंत्रिपरिषद् के सभी मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ 6 सितम्बर, 2009 को पुनः ग्रहण की है. वाई. एस. आर. रेड्डी की स्मृति में उनके गृह जनपद कडप्पा (Kadappa) का नामकरण उनके नाम पर करने की घोषणा नए मुख्यमंत्री रोसैया ने की है.

सामान्य से 20-21 प्रतिशत कम रही इस वर्ष मानसूनी वर्षा

मानसून की स्थिति की दृष्टि से चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 की गणना अति खराब वर्षों में की जाएगी. दक्षिण पश्चिम मानसून (जून-सितम्बर) जो देश में मानसूनी वर्षा के लिए उत्तरदायी है की पूर्ण वापसी अब हो चुकी है. भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने अप्रैल 2009 में अपने पूर्वानुमानों के तहत् इस मानसून में वर्षा 'दीर्घकालिक औसत' (Long Period Average-LPA) का 96 प्रतिशत रहने की भविष्यवाणी की थी. आईएमडी ने अपने इस पूर्वानुमान को घटाकर जुलाई 2009 में 93 प्रतिशत व अगस्त 2009 में 87 प्रतिशत कर दिया था. सितम्बर 2009 के मध्य तक उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार इस वर्ष वर्षा दीर्घकालिक औसत का 79 प्रतिशत ही थी. (सितम्बर की शेष अवधि में इस स्थिति में एकाध प्रतिशत का परिवर्तन संभावित था) इस प्रकार सन्दर्भित वर्ष में कुल वर्षा सामान्य से 20-21 प्रतिशत कम रही है.

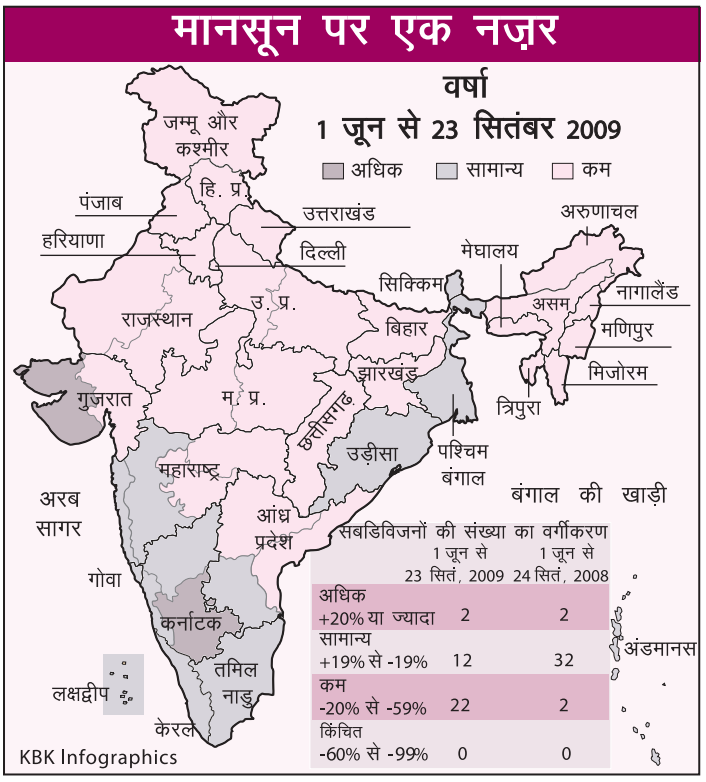

सितम्बर 2009 के मध्य तक की स्थिति के अनुसार देश के कुल 533 मौसम उपखण्डों (Meteorological Sub-Divisions) में से 38 उपखण्डों में (लगभग 7 प्रतिशत) वर्षा अति न्यून (Scanty) रही जहाँ 60 प्रतिशत से अधिक की कमी (Deficiency) दर्ज की गई, जबकि 260 उपखण्ड (लगभग 50 प्रतिशत) में वर्षा 'न्यून' (Deficient) रही जहाँ 20 से 59 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है.

देश के कुल 35 राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों में से केवल 14 में वर्षा इस वर्ष 'सामान्य' या 'सामान्य से अधिक' रही है. इनमें तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, प. बंगाल, उड़ीसा, असम, त्रिपुरा, दादरा एवं नगर हवेली, दमन और दीव, लक्षद्वीप तथा अंडमान निकोबार द्वीप समूह शामिल हैं.

नौ नए एनआईटी स्थापित करने की योजना

ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में देश में नौ नए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (National Institutes of Technology-NITs) की स्थापना की केन्द्र सरकार की योजना है. इस प्रस्ताव को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने 18 सितम्बर, 2009 की बैठक में मंजूरी प्रदान की है. **इससे देश में NITs की कुल संख्या 29 हो जाएगी.** नए एनआईटी उन राज्यों में स्थापित किए जांएगे जहाँ वर्तमान में कोई एनआईटी नहीं है. इनमें मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैण्ड, गोवा, पुदुचेरी, सिक्किम, दिल्ली व उत्तराखण्ड शामिल हैं. गोवा में स्थापित किया जाने वाला एन आई टी दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली व लक्षद्वीप की जरूरतों को भी पूरा करेगा, जबकि पुदुचेरी एन आई टी अंडमान-निकोबार द्वीप समूह को तथा दिल्ली एनआईटी चंडीगढ़ को साथ में कवर करेगा. दिल्ली व उत्तराखण्ड में इन संस्थानों की अनुमानित लागत 300-300 करोड़ रुपए व अन्य राज्यों में यह 250-250 करोड़ रुपए आकलित की गई है. इन सभी संस्थानों में कक्षाएं आगामी शैक्षणिक सत्र 2010-11 में ही शुरू करने का सरकार का इरादा है. इनके भवन तैयार न हो पाने की स्थिति में यह कक्षाएँ इनके मेंटर संस्थानों में शुरू कर दी जाएंगी.

उल्लेखनीय है कि जो 20 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) वर्तमान में देश में कार्यरत् हैं इनमें से 17 पहले क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज (REC) कहलाते थे तथा 2003 में इन्हें केन्द्र सरकार के संस्थानों के रूप में मान्यता देकर डीम्ड यूनीवर्सिटी का दर्जा प्रदान करते हुए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) नाम दिया गया था.

सीबीएसई की दसवीं कक्षा की परीक्षा वैकल्पिक हुई

माध्यमिक शिक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए केन्द्र

सरकार ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् (CBSE) से सम्बद्ध विद्यालयों में दसवीं कक्षा की परीक्षा को 2010-11 से वैकल्पिक कर दिया है. इंटरनल एसेसमेंट के आधार पर ही विद्यार्थियों को ग्रेड प्रदान किए जाएंगे. 2009-10 सत्र में दसवीं कक्षा में पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए परीक्षा देना अनिवार्य होगा, किन्तु ग्रेडिंग प्रणाली इस सत्र से ही शुरू हो जाएगी. नई प्रस्तावित कंटीन्यूअस एण्ड कॉम्प्रिहेंसिव इवैल्यूशन (CCE) पर आधारित ग्रेडिंग व्यवस्था कक्षा 9 से ही शुरू होगी तथा इसके तहत् ए-1 से ई-2 तक कुल 9 ग्रेड विद्यार्थियों को दिए जाएंगे.

माध्यमिक विद्यालयों में जहाँ कक्षा XI व XII विद्यमान हैं, दसवीं की परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं होगी तथा दसवीं के सभी छात्र परीक्षा के बिना ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश पा सकेंगे. दसवीं के पश्चात् किसी दूसरे स्कूल/राज्य में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को यह परीक्षा देना अनिवार्य होगा. ऐसे विद्यार्थियों के लिए 'माँग पर' (On Demand) ही परीक्षा सी.बी.एस.ई. द्वारा आयोजित की जाएगी.

जम्मू कश्मीर में आईआईएम की स्थापना की योजना रद्द : दो केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना होगी राज्य में

आगामी दो वर्षों में जिन सात राज्यों में भारतीय प्रबन्धन संस्थानों (IIMs) की स्थापना के प्रस्ताव को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 27 अगस्त, 2009 की बैठक में अनुमोदित किया गया था, उनमें से एक राज्य जम्मू कश्मीर भी था. राज्य सरकार के अनुरोध पर वहाँ अब आईआईएम की बजाय केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी. यह घोषणा केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल ने गत 25 सितम्बर को की है. जम्मू कश्मीर में एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव सेन्ट्रल यूनीवर्सिटीज एक्ट 2009 में पहले ही विद्यमान है. आईआईएम के स्थान पर वहाँ अब एक और केन्द्रीय विश्वविद्यालय ही स्थापित किया जाएगा. इससे वहाँ स्थापित किए जाने वाले नए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की संख्या 2 हो जाएगी. इसके लिए सेंट्रल यूनिवर्सिटीज एक्ट, 2009 में संशोधन सरकार द्वारा किया जाएगा. प्रस्तावित दो नए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में से एक जम्मू में व दूसरा श्रीनगर में स्थापित किया जाएगा.

ज्ञातव्य है कि जम्मू कश्मीर में एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय व एक आईआईएम की स्थापना की घोषणा प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2007 में की थी.

क्वात्रोच्चि के विरुद्ध मामले की वापसी से बंद होगा बोफोर्स दलाली मामला

केन्द्र सरकार ने दो दशक पुराने बोफोर्स दलाली के एकमात्र शेष आरोपी ओतावियो क्वात्रोच्चि (Ottavio Quattrocchi) के विरुद्ध मामला वापस लेकर इस मामले को पूरी तरह बंद करने का फैसला किया है. 29 सितम्बर, 2009 को सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि इटली के व्यापारी ओतावियो क्वात्रोच्चि के खिलाफ केस को वापस लेने का निर्णय किया गया है. सॉलिसिटर जनरल गोपाल सुब्रह्मण्यम ने मुख्य न्यायाधीश के. जी. बालकृष्णन की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा कि होवित्जर सौदे में 64 करोड़ रुपए की दलाली के भुगतान मामले के आरोपी क्वात्रोच्चि को प्रत्यर्पित करने

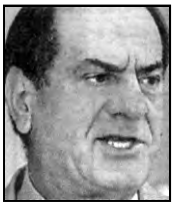

ओतावियो क्वात्रोच्चि

शेष पृष्ठ 661 पर

दृष्टि The Vision
I.A.S. / P.C.S.
सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी को समर्पित देश भर में हिन्दी माध्यम का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
दर्शनशास्त्र
द्वारा
डॉ. विकास दिव्यकीर्ति
बैच प्रारंभ:
4th नवंबर
दोपहर 12:15 बजे
निःशुल्क परिचर्चा के साथ
हिन्दी साहित्य
द्वारा
डॉ. विकास दिव्यकीर्ति
बैच प्रारंभ:
5th नवंबर
सायं 4:15 बजे
निःशुल्क परिचर्चा के साथ
641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-9.
फोन: 011-27604128, 27601583, 0-9313988616, 0-9810316396

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल की रूस व ताजिकिस्तान यात्रा
- नामीबिया के राष्ट्रपति पोहाम्बा की भारत यात्रा
- मंगोलिया भी भारत को यूरेनियम आपूर्ति को सहमत : मंगोलियाई राष्ट्रपति एल्बेगदोर्ज की भारत यात्रा के दौरान समझौता
- फिजी का राष्ट्रमण्डल से पुनः निलम्बन
- जापान में संसदीय चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी को भारी बहुमत : यूकियो हतोयामा नए प्रधानमंत्री बने
- इंटरनेट के जन्म के 40 वर्ष पूर्ण : उपयोग करने वालों की संख्या अब डेढ़ अरब से अधिक
- जर्मनी में संसदीय चुनाव : एंजेला मर्केल के पुनः चांसलर बनने को मार्ग प्रशस्त
- सर्वाधिक कमाऊ क्रिकेटरों की फोर्ब्स सूची में धोनी का शीर्ष स्थान
- सुरक्षा परिषद् के सर्वसम्मत प्रस्ताव में एनपीटी व सीटीबीटी पर हस्ताक्षर का आह्वान
- संक्षिप्तकी

राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल की रूस व ताजिकिस्तान यात्रा

अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमण्डल के साथ भारत की राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने 2-9 सितम्बर, 2009 को रूस व ताजिकिस्तान की यात्रा की. पेट्रोलियम मंत्री मुरली देवड़ा, कपड़ा राज्य मंत्री पी. लक्ष्मी एवं विदेश सचिव निरुपमा राव सात दिन की उनकी इस यात्रा पर साथ गए शिष्टमण्डल में शामिल थे. राष्ट्रपति के रूप में श्रीमती प्रतिभा पाटिल की रूस की जहाँ यह पहली ही यात्रा थी. वहीं ताजिकिस्तान की किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की यह पहली ही यात्रा थी, 2 सितम्बर को नई दिल्ली के हवाई अड्डे पर श्रीमती प्रतिभा पाटिल को विदाई देने वालों में उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अतिरिक्त वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री शामिल थे. रूस की उनकी यात्रा के उद्देश्यों में द्विपक्षीय सम्बन्धों में प्रगाढ़ता लाने के साथ-साथ **रूस में भारत के वर्ष** (Year of India in Russia) का शुभारम्भ करना भी शामिल था. इससे पूर्व 2008 में **भारत में रूस का वर्ष** (Year of Russia in India) मनाया गया था. इसका औपचारिक समापन रूसी राष्ट्रपति दमित्रि मेदवेदेव ने दिसम्बर 2008 में किया था.

क्रेमलिन में रूसी राष्ट्रपति मेदवेदेव के साथ भारतीय राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल

मॉस्को में भारतीय राष्ट्रपति का औपचारिक स्वागत करते हुए रूसी राष्ट्रपति दमित्रि मेदवेदेव ने क्रेमलिन में कहा कि भारत व रूस का विशेष रणनीतिक रिश्ता परिस्थितियों पर आधारित नहीं है तथा यह प्रगाढ़ रिश्ता राजनीति के बदलते सत्रों में बदलने वाला नहीं है. उन्होंने बताया कि वैश्विक मंदी के बावजूद भारत व रूस के व्यापार में वृद्धि दर्ज की गई है. ऊर्जा, उच्च प्रौद्योगिकी, ज्ञान आधारित उद्योग व धातु परिशोधन विशेषतः कुडानकुलम परियोजना आदि में दोनों देशों के बीच पारस्परिक सहयोग तथा साखलिन–I परियोजना में ओएनजीसी की सहभागिता आदि का उल्लेख करते हुए रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल की रूस यात्रा से दोनों देशों के रिश्ते में नया अध्याय जुड़ेगा. विभिन्न द्विपक्षी मुद्दों पर सहयोग सम्वर्द्धन पर विस्तृत चर्चा बाद में दोनों राष्ट्रपतियों की आपसी वार्ता में की गई. शान्तिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा के इस्तेमाल के साथ-साथ सैन्य प्रौद्योगिकी सहयोग के मौजूदा स्तर को आगे बढ़ाने पर सहमति इस वार्ता में दोनों पक्षों ने व्यक्त की. दोनों पक्षों ने स्वीकार किया कि सम्बन्धों को और बढ़ाने के पर्याप्त अवसर विद्यमान हैं. अगले वर्ष तक द्विपक्षीय व्यापार के 10 अरब डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दोनों पक्षों द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भारतीय राष्ट्रपति ने संतोष व्यक्त किया. 20 प्रतिशत वृद्धि के साथ यह व्यापार 2009 में 8·4 अरब डॉलर हो जाने की सम्भावना है. मॉस्को में व्यस्त कार्यक्रमों के पश्चात् राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल के कुछ कार्यक्रम सेंटपीटर्सबर्ग में भी निर्धारित थे.

दुशांबे में ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमाम अली राख्मोनोव के साथ राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल

एक सप्ताह की अपनी इस यात्रा के दूसरे चरण में श्रीमती पाटिल 6 सितम्बर को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशाम्बे (Dushambe) पहुँचीं. ताजिकिस्तान की यात्रा करने वाली वह भारत की पहली राष्ट्रपति हैं. भौगोलिक दृष्टि से चीन, अफगानिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान के साथ सीमाओं वाला ताजिकिस्तान व पाक अधिकृत कश्मीर के बीच अफगानिस्तान का कुछ भू-भाग है. सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थिति वाला ताजिकिस्तान ने मुस्लिम बहुल होने के बावजूद स्वयं को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया हुआ है तथा अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद, कट्टरवाद व मादक पदार्थों की अन्तर्राष्ट्रीय तस्करी के विरुद्ध वह आवाज उठाता रहा है. दुशाम्बे में औपचारिक स्वागत के पश्चात् मेजबान राष्ट्रपति इमाम अली राख्मोनोव के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों पर उनकी वार्ता हुई. भारत व ताजिकिस्तान के बीच आर्थिक व सामरिक सहयोग के अतिरिक्त विज्ञान, सूचना व संचार के क्षेत्रों में कारगर सहयोग बढ़ाने पर ठोस सहमति इस वार्ता में हुई.

ज्ञातव्य है कि दुशाम्बे के निकट ऐनी एयरबेस का निर्माण भारत के सहयोग से किया गया है तथा वहाँ सड़कों के निर्माण में तकनीकी सहायता भी भारत ने उपलब्ध कराई है. ताजा बातचीत में ताजिक राष्ट्रपति ने भारत को अपने देश में यूरेनियम उत्खनन, ऊर्जा, कपास, दवा, टेक्सटाइल्स के अतिरिक्त सूचना एवं संचार के क्षेत्रों में ढाँचागत सुविधाएं विकसित करने को आमंत्रित किया है. द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् दोनों राष्ट्रपतियों की उपस्थिति में दो आर्थिक समझौतों पर हस्ताक्षर भी 8 सितम्बर को किए गए, द्विपक्षीय व्यापार सम्वर्द्धन समझौते के अतिरिक्त दोहरे करारोपण से बचाव का समझौता इनमें शामिल था. बाद में स्वदेश रवाना होने से पूर्व 8 सितम्बर को ताजिकिस्तान के 19वें स्वतन्त्रता दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने दर्ज की. ताजिकिस्तान के स्वतन्त्रता दिवस पर यह सम्मान पाने वाली वह पहली व एकमात्र विदेशी हैं. इस कार्यक्रम में भागीदारी के पश्चात् श्रीमती पाटिल की स्वदेश वापसी 8 सितम्बर को ही हुई.

नामीबिया के राष्ट्रपति पोहाम्बा की भारत यात्रा

अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमण्डल के साथ नामीबिया के राष्ट्रपति हिफिकेपुन्ये पोहाम्बा (Hifikepunye Pohamba) ने अगस्त-सितम्बर 2009 में भारत की यात्रा की. 5 दिन की इस यात्रा पर उनके साथ आए 43 सदस्यीय शिष्टमण्डल में उनकी पत्नी भी शामिल थीं. नामीबिया के ऊर्जा, रक्षा, खनन व संचार मंत्री व उनके विभागीय अधिकारी उनके इस शिष्टमण्डल में शामिल थे. 31 अगस्त को राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत के पश्चात् मेहमान राष्ट्रपति पोहाम्बा की भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह व अन्य प्रमुख नेताओं के साथ द्विपक्षीय व अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर बातचीत हुई. जिसके पश्चात् जिन द्विपक्षीय समझौतों/सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए, उनमें भारत को यूरेनियम आपूर्ति का समझौता शामिल है. संचार, खनन, ऊर्जा व रक्षा क्षेत्रों में सहयोग सम्वर्द्धन के साथ-साथ राजनयिक व आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीज़ा की अनिवार्यता समाप्त करने के लिए भी सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के विस्तार की भारत की माँग का पुरजोर समर्थन भी नामीबिया ने द्विपक्षीय वार्ता में किया.

राष्ट्रपति भवन में नामीबिया के राष्ट्रपति हिफिकेपुन्ये पोहाम्बा और उनकी पत्नी का स्वागत करतीं राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल. साथ में हैं प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह

नई दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अतिरिक्त उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी, विपक्ष के नेता लालकृष्ण आडवाणी व यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात की. बाद में उसी दिन भारतीय उद्यमियों की एक बैठक को सम्बोधित करते हुए नामीबियाई राष्ट्रपति पोहाम्बा ने उन्हें नामीबिया में निवेश के लिए प्रोत्साहित करते हुए बताया कि भूगर्भ एवं खनिज संसाधनों को लेकर जिस सहमति पत्र पर हस्ताक्षर दोनों देशों के बीच किए गए हैं, उसके चलते भारतीय उद्यमियों को नामीबिया के खनिज क्षेत्रों में संयुक्त उद्यम स्थापित

PUBLIC ADMINISTRATION

हिन्दी माध्यम में लोक प्रशासन की कहानी टॉपर्स की जुबानी

भारतीय प्रशासनिक सेवा (CSE-08)

प्रतियोगिता दर्पण : आप अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगे।

पी. दयानन्द : **मेरे गुरू श्री एस.एन. उनियाल** (Uniyal's IAS Delhi) जिन्होंने मुख्य परीक्षा में लोकप्रशासन विषय में अमूल्य मार्गदर्शन दिया।

प्रतियोगिता दर्पण;सितम्बर 2006

भारतीय विदेश सेवा (CSE-07)

प्र.द. : आप अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगे।

श्री गौरव : **श्री उनियाल सर** को देना चाहूंगा, लोक प्रशासन में अवधारणात्मक व विश्लेषणात्मक समझ को विकसित करने में उनियाल सर का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा।

प्रतियोगिता दर्पण;जनवरी 2009

भारतीय पुलिस सेवा (CSE-08)

प्र.द. : सफलता के लिए कोचिंग की क्या भूमिका है?

श्री अतुल शर्मा : योग्य शिक्षक का निरन्तर मार्गदर्शन निर्णायक भूमिका निभा सकता है। मेरी सफलता में **श्री एस. एन. उनियाल** (उनियाल आई.ए.एस. के कुशल मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मेरे सार्वधिक अंक लोक प्रशासन (354) एवं निबंध (सुशासन-लोकप्रशासन से संबंधित) में ही हैं।

सिविल सर्विस क्रॉनिकल अक्टूबर 2009

भारतीय राजस्व सेवा (CSE-07)

प्र.द. : सफलता के लिए कोचिंग की क्या भूमिका है?

श्री राजेन्द्र सिंह शेखावत : व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने वाले सभी कोचिंग संस्थान बेहतर हैं, दिल्ली स्थित **उनियाल आई.ए.एस.** के निदेशक श्री एस. एन. उनियाल का व्यक्तिगत मार्गदर्शन मुझे सदैव मिलता रहा।

सिविल सर्विस क्रॉनिकल अक्टूबर 2008

भारतीय प्रशासनिक सेवा (CSE-08)

प्र.द. : क्या आपने किसी कोचिंग संस्थान की सहायता ली?

श्री राजकुमार यादव : उनियाल सर का व्यक्तिगत मार्गदर्शन मिलने के कारण मुझे यह सफलता मिल पाई। **उनियाल आई.ए.एस.** के मार्गदर्शन के कारण 'प्रारंभिकी' में बहुत ज्यादा लाभ मिला।

सिविल सर्विस क्रॉनिकल सितम्बर 2009

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु राजकुमार यादव IAS (CES-08) के हस्तनिर्मित (Handmade pointwise Notes) नोट्स व मुख्य परीक्षा के मॉडल टेस्ट (359) कापी उपलब्ध

UNIYAL'S IAS

FREE INTRO CLASS 22-23 OCTOBER 09
हिन्दी माध्यम में प्रातः 9:30 In English 5.00 P.M. (Ev.)

304, Flat 40-41, Ansal Building, Comm. Complex, Near UCO Bank, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-9
Ph.: 27653824, 9899419255

करने का मौका मिलेगा. 'फिक्की', 'ऐसोचैम' व सीआईआई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस बैठक में नामीबियाई राष्ट्रपति ने बताया कि नामीबिया में खनन, संचार, ऊर्जा व पर्यटन क्षेत्रों में निवेश की व्यापक सम्भावनाएं विद्यमान हैं. नई दिल्ली में एक दिन के प्रवास के पश्चात् नामीबियाई राष्ट्रपति स्वदेश वापसी से पूर्व आगरा व बंगलुरु भी गए.

उल्लेखनीय है कि 45 सदस्यीय नाभिकीय आपूर्तिकर्ता समूह (NSG) द्वारा भारत पर से प्रतिबन्ध हटाए जाने के बाद भारत ने उन देशों से घनिष्ठता बढ़ाई है जिनके पास परमाणु संयन्त्रों को चलाने के लिए ईंधन उपलब्ध है. इसी दिशा में कजाखस्तान के राष्ट्रपति नूर सुल्तान नजरबायेव को भी इस वर्ष गणन्त्रत दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था तथा कजाखस्तान से यूरेनियम प्राप्त करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर भी उस समय किए गए थे. इसी परिप्रेक्ष्य में अब नामीबिया व मंगोलिया के साथ भी समझौते भारत ने किए हैं. यूरेनियम सम्पदा के मामले में नामीबिया का विश्व में छठा स्थान है तथा आने वाले वर्षों में इसकी यह क्षमता और बढ़ने की सम्भावना है.

मंगोलिया भी भारत को यूरेनियम आपूर्ति को सहमत : मंगोलियाई राष्ट्रपति एल्बेगदोर्ज की भारत यात्रा के दौरान समझौता

शान्तिपूर्ण उपयोग के लिए नाभिकीय संयन्त्रों के लिए यूरेनियम आपूर्ति के लिए नामीबिया के बाद अब मंगोलिया के साथ भी समझौता भारत ने सितम्बर 2009 में किया है. यूरेनियम आपूर्ति समझौता उन पाँच समझौतों में शामिल था जिन पर भारत व मंगोलिया के बीच हस्ताक्षर मंगोलियाई राष्ट्रपति साखियाजिन एल्बेगदोर्ज (Tsakhiagin Elbegdorj) की सितम्बर 2009 की भारत यात्रा के दौरान किए गए हैं. यह समझौते ऋण सहायता स्टेबलाइज़ेशन, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान, सांख्यिकीय मामलों में सहयोग व 2009-12 के दौरान सांस्कृतिक आदान-प्रदान से सम्बन्धित हैं. वैश्विक वित्तीय संकट के परिप्रेक्ष्य में अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाए रखने के लिए मदद के तौर पर मंगोलिया को 25 मिलियन डॉलर का रियायती ऋण उपलब्ध कराने को सहमति भारत ने प्रदान की है. 45 सदस्यीय नाभिकीय आपूर्तिकर्ता समूह (NSG) द्वारा प्रतिबन्ध हटाए जाने के पश्चात् **फ्रांस, अमरीका, रूस, कजाखस्तान व नामीबिया के बाद मंगोलिया ऐसा छठा देश है जिसके साथ नाभिकीय सहयोग समझौता भारत ने किया है.**

विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने को सहमति दोनों प्रधानमन्त्रियों की द्विपक्षीय वार्ता में हुई है. भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने मंगोलिया की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 2·5 करोड़ डॉलर की सहायता देने तथा तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत्

राष्ट्रपति भवन में मंगोलिया के राष्ट्रपति साखियाजिन एल्बेगदोर्ज व उनकी पत्नी श्रीमती बोलोरमा खाजिदसुरेन की अगवानी करतीं भारत की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल व भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह

मंगोलिया के छात्रों का कोटा 60 से बढ़ाकर 120 करने के साथ-साथ मंगोलिया में सूचना प्रौद्योगिकी का एक केन्द्र स्थापित करने की भी घोषणा की. दोनों देशों के क्षेत्र में अस्थिरता और आतंकवाद के खतरे के मद्देनजर नियमित सैनिक अभ्यास करने का भी फैसला किया है. क्षेत्रीय और विश्व मामलों पर निकट सहयोग का भी संकल्प लिया गया. मंगोलियाई राष्ट्रपति एल्बेगदोर्ज ने अपने सम्बोधन में भारत के साथ मंगोलिया के लम्बे ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक सम्बन्धों का उल्लेख किया तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में भारत के स्थायी सदस्यता के दावे का भी समर्थन किया.

मंगोलिया के साथ उपर्युक्त समझौते वहाँ के राष्ट्रपति एल्बेगदोर्ज की सितम्बर 2009 की यात्रा के दौरान नई दिल्ली में किए गए. जून 2009 के चुनावों के पश्चात् एल्बेगदोर्ज की यह पहली ही विदेश यात्रा थी. चार दिन भारत की इस यात्रा के दौरान नई दिल्ली के अतिरिक्त बोधगया भी वह गए, जहाँ महाबोधि मन्दिर का अवलोकन उन्होंने किया.

फिजी का राष्ट्रमण्डल से पुनः निलम्बन

लोकतंत्र के हनन के मामले में पूर्व में राष्ट्रमण्डल से निलम्बित रह चुके फिजी को लोकतन्त्र की पुनर्स्थापना के मामले में निर्धारित समय सीमा में सकारात्मक कदम उठाने में विफल रहने पर एक बार पुनः राष्ट्रमण्डल से निलम्बित किया गया है. ज्ञातव्य है कि फिजी में निर्वाचित सरकार का तख्ता पलटकर सेना ने सत्ता पर कब्जा दिसम्बर 2006 में कर लिया था. सेना के इस कदम का विरोध करते हुए राष्ट्रमण्डल ने यह चेतावनी फिजी को दी थी कि अक्टूबर 2010 तक चुनाव कराने की दिशा में कोई प्रभावी कार्यवाही सैन्य समर्थित प्रधानमंत्री फ्रैंक बैनीमरामा द्वारा यदि नहीं की गई, तो 1 सितम्बर, 2009 से फिजी का राष्ट्रमण्डल से निलम्बन कर दिया जाएगा. इस चेतावनी को ही व्यावहारिक रूप प्रदान करते हुए राष्ट्रमण्डल की सदस्यता से फिजी को 1 सितम्बर, 2009 से निलम्बित किया गया है.

जापान में संसदीय चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी को भारी बहुमत : यूकियो हतोयामा नए प्रधानमंत्री बने

जापान में विगत पाँच दशक से भी अधिक अवधि में आमतौर पर सत्तारूढ़ रही लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) अब वहाँ विपक्ष की भूमिका में है तथा डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान (DPJ) के नेता यूकियो हतोयामा (Yukio Hatoyama) ने नई सरकार का गठन 16 सितम्बर, 2009 को किया है. 30 अगस्त को वहाँ सम्पन्न संसदीय चुनावों में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को भारी पराजय का सामना करना पड़ा था तथा डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान (DPJ) को भारी बहुमत इस चुनाव में प्राप्त हुआ था. संसद के 480 सदस्यीय निचले सदन में 308 सीटों पर डीपीजे को विजय प्राप्त हुई, जबकि पिछले 54 वर्षों में केवल 11 माह को छोड़कर लगातार सत्तासीन रही एलडीपी को केवल 119 सीटें ही इस चुनाव में मिल सकीं. इस चुनाव में रिकॉर्ड 54 महिलाएं जीत कर सदन में पहुँचने में सफल रही हैं.

यूकियो हतोयामा : जापान के नए प्रधानमंत्री

चुनाव के इन परिणामों के चलते डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान के नेता यूकियो हतोयामा (Yukio Hatoyama) को 16 सितम्बर को संसद के संयुक्त सत्र में प्रधानमंत्री चुना गया है. 62 वर्षीय हतोयामा अमरीका में शिक्षित इंजीनियर हैं तथा पूर्व वर्षों में प्रधानमंत्री रहे इशिरो हतोयामा के पौत्र हैं. वह सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (SDP) व पीपुल्स न्यू पार्टी आदि छोटे दलों को साथ में लेकर नई सरकार का गठन उन्होंने किया है. वह जापान के 93वें प्रधानमंत्री हैं तथा इस पद पर आसीन होने वाले वह 60वें व्यक्ति हैं.

इंटरनेट के जन्म के 40 वर्ष पूर्ण : उपयोग करने वालों की संख्या अब डेढ़ अरब से अधिक

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महाक्रान्ति लाकर सम्पूर्ण विश्व को एक वैश्विक गाँव के रूप में विकसित करने वाले इंटरनेट ने अपने जन्म के 40 वर्ष 2 सितम्बर, 2009 को पूरे किए हैं. 40 वर्ष पूर्ण 2 सितम्बर, 1969 को पहली बार कैलीफॉर्निया विश्वविद्यालय (लॉस, एंजेल्स) में दो अलग-अलग कम्प्यूटरों द्वारा अर्पानेट (Arpanet) के एक परीक्षण में सूचनाओं का आदान-प्रदान सफलतापूर्वक किया गया था. ***लेन क्लीनरॉक (Len Kleinrock) के इन परीक्षणों ने ही इंटरनेट का सूत्रपात्र किया. बाद में ई-मेल का विकास रे टॉमिल्सन (Ray Tomlinson) द्वारा 1972 में तथा वर्ल्ड वाइड वेब www का टिम बर्नर्स ली (Tim Berners Lee) द्वारा 1990 में किया गया था.***

उल्लेखनीय है कि 'इंटरनेट' उपयोग करने वालों की विश्व में कुल संख्या 1999 में केवल 25 करोड़ थी, जो बढ़कर 2002 में 50 करोड़ 2006 में 1 अरब व 2008 में 1·5 अरब हो गई थी. ताजा उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार विश्व में इंटरनेट उपयोग करने वालों की कुल संख्या यद्यपि चीन में सर्वाधिक है, देश की कुल जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में इंटरनेट उपभोक्ता सर्वाधिक आस्ट्रेलिया में हैं. इंटरनेट उपयोग करने वालों की संख्या के मामले में भारत का चौथा स्थान है.

इंटरनेट उपयोग करने वालों की संख्या

देश	इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या (मिलियन में)	देश की कुल जनसंख्या में इंटरनेट उपयोग करने वालों का भाग (प्रतिशत में)
चीन	298	22·4
अमरीका	227	74·7
जापान	94	73·8
भारत	81	7·1
ब्राजील	68	34·3
जर्मनी	55	67·0
यू. के.	48	72·0
फ्रांस	41	66·0
रूस	38	27·0
द. कोरिया	37	76·0
आस्ट्रेलिया	17	80·6

जर्मनी में संसदीय चुनाव : एंजेला मर्केल के पुनः चांसलर बनने को मार्ग प्रशस्त

सितम्बर 2009 के अन्त में जर्मनी में सम्पन्न संसदीय चुनावों में एंजेला मर्केल की क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (CDU) के नेतृत्व वाले गठबन्धन ने बहुमत हासिल किया

आम चुनाव में सफलता के बाद एंजेला मर्केल

है. सीडीयू ने सोशल डेमोक्रेट्स की पार्टी (SPD) के स्थान पर 16 वर्षों से विपक्ष में रही फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी (FDP) के साथ चुनावी गठबन्धन इस बार किया था. चुनाव में क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन व उसकी

सहयोगी क्रिश्चियन सोशल यूनियन (CSU) को जहाँ 33·8 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं वहीं एफडीपी ने भी लगभग 15 प्रतिशत मत प्राप्त किए हैं. इससे इस गठबन्धन के कुल मत 48·8 प्रतिशत रहे हैं. इससे एंजेला मर्केल के 4 वर्ष के एक और कार्यकाल के लिए चांसलर बनने को मार्ग प्रशस्त हो गया है. उधर दूसरी ओर 23 प्रतिशत मत सोशल डेमोक्रेट्स की पार्टी (SPD) को, 11·9 प्रतिशत वाम दलों को व 10·7 प्रतिशत मत ग्रीन पार्टी को इस चुनाव में प्राप्त हुए हैं. इन मतों के आधार पर संसद के 622 सदस्यीय निचले सदन में सीडीयू तथा सीएसयू को 239 व उसकी नई सहयोगी एफडीपी को 93 सीटें प्राप्त हुई हैं. सरकार बनाने के लिए 312 सीटों की जहाँ आवश्यकता थी, वहीं इस गठबन्धन को 332 सीटें प्राप्त हुई हैं. सोशल डेमोक्रेट को 146, वामपंथी डी लिंके को 76 तथा ग्रीन पार्टी को 68 सीटें संसद में प्राप्त हुई हैं. नई सरकार के गठन के लिए एफडीपी के नेता ग्यूइडो वेस्टरवेल्ले (Guido Westerwelle) के साथ बातचीत जारी है. नई सरकार में वेस्टरवेल्ले को डिप्टी चांसलर एवं विदेश मंत्री का पद मिलने की सम्भावना है. एफडीपी 16 वर्षों तक विपक्ष में रहने के पश्चात् सत्ता में आई है.

सर्वाधिक कमाऊ क्रिकेटरों की फोर्ब्स सूची में धोनी का शीर्ष स्थान

धन कमाने के मामले में भारतीय क्रिकेटरों ने विश्व के जाने-माने क्रिकेटरों को पीछे छोड़ दिया है. सर्वाधिक धन कमाने वाले 10 क्रिकेटरों की एक सूची अमरीकी वाणिज्यिक पत्रिका फोर्ब्स (Forbes) ने सितम्बर 2009 में प्रकाशित की है. इनमें 5 भारतीय हैं. भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का इस सूची में शीर्ष स्थान है. 'द वर्ल्ड्स टॉप अर्निंग क्रिकेटर्स' शीर्षक से जारी फोर्ब्स की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि विगत एक वर्ष में उनकी कुल आय एक करोड़ अमरीकी डॉलर (49·77 करोड़ रुपए) रही है. सर्वाधिक कमाऊ 10 क्रिकेटरों की फोर्ब्स की इस सूची में भारत के चार अन्य खिलाड़ी शामिल हैं. इनमें दूसरे स्थान पर सचिन तेंदुलकर की एक वर्ष की आय 80 लाख डॉलर (39 करोड़ रुपए), तीसरे स्थान पर युवराज सिंह की आय 55 लाख डॉलर (26·82 करोड़ रुपए) व चौथे स्थान पर राहुल द्रविड़ की आय 50 लाख डॉलर (24·38 करोड़ रुपए) बताई गई है. 40 लाख डॉलर की आय के साथ इंगलैण्ड के एंड्रयू फ्लिंटॉफ को पाँचवाँ, 35-35 लाख डॉलर (17·7–17·7 करोड़ रुपए) की आय के साथ भारत के सौरभ गांगुली व आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग का छठा संयुक्त स्थान इसमें दिया गया है. आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ब्रेट ली व इंगलैण्ड के केविन पीटरसन (30-30 लाख डॉलर) के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर हैं तथा दसवाँ स्थान आस्ट्रेलिया के माइकल क्लार्क (25 लाख डॉलर) का है.

विगत एक वर्ष में सर्वाधिक धन कमाने वाले क्रिकेटरों की फोर्ब्स सूची

क्रमांक	*क्रिकेटर*	*एक वर्ष में अर्जित आय (डॉलर में)*
1.	*महेन्द्र सिंह धोनी (भारत, चेन्नई सुपरकिंग्स)*	*1 करोड़*
2.	*सचिन तेंदुलकर (भारत, मुम्बई इण्डियन्स)*	*80 लाख*
3.	*युवराज सिंह (भारत, किंग्स इलेविन पंजाब)*	*55 लाख*
4.	*राहुल द्रविड़ (भारत, बंगलौर रॉयल चैलेंजर्स)*	*50 लाख*
5.	*एंड्रयू फ्लिंटॉफ (इंगलैण्ड, चेन्नई सुपरकिंग्स)*	*40 लाख*
6.	*सौरभ गांगुली (भारत, कोलकाता नाइटराइडर्स)*	*35 लाख*
	रिकी पोंटिंग (आस्ट्रेलिया, कोलकाता नाइटराइडर्स)	*35 लाख*
8.	*ब्रेटली (आस्ट्रेलिया, किंग्स इलेविन पंजाब)*	*30 लाख*
	केविन पीटरसन (इंगलैण्ड, बंगलौर रॉयल चैलेंजर्स)	*30 लाख*
10.	*माइकल क्लार्क (आस्ट्रेलिया, न्यू साउथवेल्स ब्लूज)*	*25 लाख*

* क्लब व राष्ट्रीय टीम के सदस्य के रूप में वेतन के रूप में प्राप्त आय के अतिरिक्त विज्ञापनों व अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों से प्राप्त आय भी इसमें शामिल है.

सुरक्षा परिषद् के सर्वसम्मत प्रस्ताव में एनपीटी व सीटीबीटी पर हस्ताक्षर का आह्वान

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् ने अमरीका के इस प्रस्ताव को 24 सितम्बर, 2009 को सर्वसम्मति से स्वीकार किया है जिसमें सभी राष्ट्रों से परमाणु अप्रसार सन्धि (Treaty on the Non-Proliferation of Nuclear Weapons—NPT) व व्यापक परीक्षण निषेध सन्धि (Comprehensive Test Ban Treaty—CTBT) पर हस्ताक्षर करने को कहा गया है. एनपीटी से बाहर के अन्य राष्ट्रों से 'गैर परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र' के रूप में इस सन्धि में शामिल होने का अनुरोध प्रस्ताव में किया गया है. 'अन्य राष्ट्रों' से संकेत भारत व पाकिस्तान की ओर है, किन्तु भारत ने इस पर हस्ताक्षर करने से एक बार पुनः इनकार करते हुए कहा है कि वह दूसरे देशों द्वारा निर्धारित उन मानदण्डों को स्वीकार नहीं कर सकता, जो उसके (भारत के) राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल हैं या सम्प्रभुता का उल्लंघन हैं.

संक्षिप्तकी

भारत के गृह मंत्री चिदम्बरम् की अमरीका यात्रा

अगस्त 2009 में भूटान की यात्रा के पश्चात् केन्द्रीय गृह मंत्री पी. चिदम्बरम् सितम्बर के पूर्वार्द्ध में चार दिन अमरीका की यात्रा पर रहे. इस यात्रा के दौरान अमरीका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेम्स जोंस, एफबीआई के निदेशक रॉबर्ट म्यूलर व गृह सुरक्षा मंत्री जेनेट नेपोलिटानो आदि के अतिरिक्त विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन से भी उनकी वार्ताएं हुईं. पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठनों से भारत की आन्तरिक सुरक्षा को उत्पन्न खतरे ही उनकी इन वार्ताओं में मुख्य मुद्दा था. 11 सितम्बर को स्वदेश वापसी से पूर्व संवाददाताओं से वार्ता में उन्होंने बताया कि 'काफी विचारों' के साथ वह स्वदेश लौट रहे हैं. उन्होंने कहा कि इनमें से एक विचार अमरीका के 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी केन्द्र' की तर्ज पर भारत में भी केन्द्र की स्थापना का है.

भ्रष्टाचार के मामले में ताइवान के पूर्व राष्ट्रपति चेन को आजीवन कारावास की सजा

ताइवान के पूर्व राष्ट्रपति चेन-शुई बियान को भ्रष्टाचार का दोषी ठहराते हुए एक अदालत ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा गत 11 सितम्बर को सुनाई है. भ्रष्टाचार के इस मामले में चेन की पत्नी वू शू चेन को भी दोषी पाया गया और उन्हें भी आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है.

पुर्तगाल में समाजवादियों की सत्ता बरकरार

पुर्तगाल में 27 सितम्बर, 2009 को सम्पन्न संसदीय चुनावों में प्रधानमंत्री जोसे सोक्रेटीज की सोशलिस्ट पार्टी को पिछले चुनावों की तुलना में कुछ कम मत प्राप्त हुए हैं तथापि उसके सबसे बड़ी पार्टी बनी रहने से इसके सत्तारूढ़ बने रहने का मार्ग इस चुनाव में प्रशस्त हो गया है. सोक्रेटीज़ की सोशलिस्ट पार्टी को 230 सदस्यीय संसद में 37 प्रतिशत मतों के साथ 96 सीटें इस चुनाव में मिली हैं, जबकि 2005 के चुनावों में 45 प्रतिशत मतों के साथ 121 सीटें इसे मिली थीं. मुख्य विपक्षी दल सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी को 78 सीटों के साथ 29 प्रतिशत मत इस चुनाव में प्राप्त हुए हैं. इससे सोक्रेटीज़ के ही प्रधानमंत्री पद पर बने रहने को मार्ग प्रशस्त हो गया है.

शेष पृष्ठ 661 पर

- जी-20 का पिट्सबर्ग शिखर सम्मेलन
- वैश्विक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में भारी कमी का 'अंकटाड' का अनुमान
- एफडीआई प्रोत्साहन हेतु सरकार व निजी क्षेत्र की संयुक्त कम्पनी इन्वेस्ट इंडिया के गठन को मंत्रिमण्डल की मंजूरी
- मुद्रास्फीति की दर शून्य से ऊपर आई
- ब्याज दरों के वायदा कारोबार का शुभारम्भ
- विश्व बैंक द्वारा भारत हेतु 4.3 अरब डॉलर का ऋण स्वीकृत
- स्वर्ण बेचने की आईएमएफ की योजना
- 'सिबिल' से क्रेडिट रिपोर्ट प्राप्त करने की सुविधा
- आईएमएफ द्वारा 4.8 अरब डॉलर के तुल्य एसडीआर आवंटन से भारत के विदेशी मुद्रा कोष में वृद्धि
- पहली दूरंतो रेलगाड़ी सियालदाह व दिल्ली के बीच प्रारम्भ
- 2009-10 की पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत
- वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा सूचकांक में भारत का 49वाँ स्थान
- अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

जी-20 का पिट्सबर्ग शिखर सम्मेलन

वैश्विक वित्तीय संकट से उबरने एवं वित्तीय बाजारों की स्थिति सुधारने के लिए

G – 20

विगत एक वर्ष में अपनाई गई व्यूह रचना व उसके परिणामों की समीक्षा के लिए जी-20 का शिखर सम्मेलन अमरीका में पिट्सबर्ग (Pittsburgh) में 24-25 सितम्बर, 2009 को सम्पन्न हुआ. **सितम्बर 2008 में मंदी के उजागर होने के पश्चात् इससे निपटने के लिए आयोजित जी-20 का यह तीसरा शिखर सम्मेलन था. ऐसा पहला सम्मेलन नवम्बर 2008 में वाशिंगटन में व दूसरा सम्मेलन अप्रैल 2009 में लंदन में आयोजित किया गया था.** वाशिंगटन व लंदन शिखर सम्मेलनों में तय किए गए कदमों के क्रियान्वयन की समीक्षा तीसरे पिट्सबर्ग सम्मेलन में की गई. इस सम्मेलन के लिए रूपरेखा निर्धारित करने के लिए जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों व केन्द्रीय बैंकों के गवर्नरों का सम्मेलन 5 सितम्बर, 2009 को लंदन में आयोजित किया गया था.

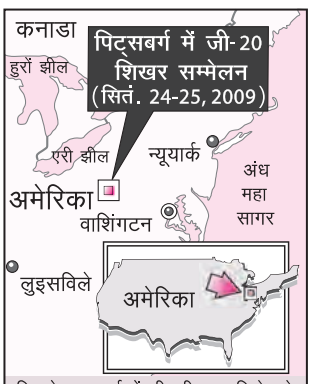

पिछले एक वर्ष में तीसरी बार मिले रहे 20 देशों के इस ग्रुप के सदस्यों ने एक बार फिर विश्व को आर्थिक मंदी से उबारने के रोड मैप की समीक्षा की तथा नए उपायों पर विचार किया

सदस्य देशों के नाम

1	अर्जेन्टीना	11	जापान
2	आस्ट्रेलिया	12	मैक्सिको
3	ब्राजील	13	रूस
4	कनाडा	14	सऊदी अरब
5	चीन	15	दक्षिण अफ्रीका
6	फ्रांस	16	दक्षिण कोरिया
7	जर्मनी	17	तुर्की
8	भारत	18	ब्रिटेन
9	इंडोनेशिया	19	अमेरिका
10	इटली	20	यूरोपियन संघ

KBK

पिट्सबर्ग शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह 23 सितम्बर को नई दिल्ली से रवाना हुए थे. उनके साथ गए शिष्टमंडल में योजना आयोग के उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह आहलूवालिया व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एम. के. नारायण शामिल थे.

जी-20 में 'जी-8' के 8 देशों–अमरीका, रूस, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, ब्रिटेन, इटली व जापान के अतिरिक्त अर्जेन्टीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, भारत, इण्डोनेशिया, मैक्सिको, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया तुर्की व यूरोपीय संघ शामिल हैं. विश्व की दो-तिहाई जनसंख्या को आश्रय देने वाले इन देशों की वैश्विक कारोबार में हिस्सेदारी जहाँ 80 प्रतिशत है, वहीं वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में उनकी हिस्सेदारी 90 प्रतिशत है.

शिखर सम्मेलन में जी-20 राष्ट्रों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर को बरकरार रखने के लिए राष्ट्रीय आर्थिक नीतियों को

SSC (GL/ML), TA, SO, CPO (SI), CPF (AC), CDS, Bank (PO/Clerk) LIC (ADO/AAO), DP (SI/Const.), Other States Police Exams, Railways, DSSSB, TGT, PGT, B.Ed, JBT, DIET etc.

Come for free demo class and feel the difference before taking admission anywhere.

English, Reasoning एवं Maths में हमारे Methods से सरलतम Methods कहीं और नहीं।

PARAMOUNT®
COACHING CENTRE
(A Unit of Paramount The Zenith Society) Regd.

North Delhi Centre: B-14, 3rd Floor, Comm. Complex, Batra Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

East Delhi Centre: 1st Floor, (Above Dawai Ghar) Near Shiv Mandir, B-Block, Central Mkt.,Dilshad Garden, Delhi-110095

West Delhi Centre: B-34, 2nd Floor Pillar No. 653, Uttam Nagar East Metro Station, Delhi-110059
In front of Pillar No. 424, Near Rohini West Metro Station, Sector-7 Rohini, Delhi-85

Central Enquiry (PH.) 011-27652362 , (M) 09868259370

अन्तर्राष्ट्रीय नीतियों के साथ जोड़ा जाए. 2008-09 की आर्थिक मंदी की पुनरावृत्ति न होने देने का संकल्प करते हुए एक साथ मिलकर काम करने पर सहमति सभी भागीदारों ने बनाई. मजबूत, सतत् एवं संतुलित विकास के लिए नवम्बर 2009 तक रूपरेखा निर्धारण के लिए भी सहमति सम्मेलन में बनी. सम्मेलन के समापन पर जारी संयुक्त वक्तव्य में अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के मामले में जी-20 को प्रीमियर निकाय करार दिया गया है. जी-20 को ऐसी शीर्ष संस्था के रूप में इसमें बताया गया है, जो विश्व के आर्थिक मुद्दों के हल की दिशा में समन्वयकारी भूमिका निभाती है. इससे जी-8 व अन्य ऐसे निकायों की तुलना में जी-20 को अधिक महत्व मिला है. लंदन शिखर सम्मेलन में गठित जी-20 देशों के फाइनेंशियल स्टेबिलिटी बोर्ड (FSB) को अधिक भूमिका प्रदान करने को सहमति भी इन राष्ट्रों में हुई है. घोषणा-पत्र में विभिन्न देशों की संरक्षणवादी प्रवृत्ति पर रोक लगाने तथा दोहा वार्ता को यथाशीघ्र पूरा करने का आह्वान भी किया गया है. **भारत सहित विकासशील देशों को एक बड़ी सफलता पिट्सबर्ग सम्मेलन में यह मिली कि विकसित देशों के पास अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा-कोष के 'कोटे' (Quota) के 5 प्रतिशत भाग को डायनामिक इमर्जिंग मार्केट्स एवं विकासशील देशों के पक्ष में हस्तांतरित करने को सहमति बनी. इससे चीन व भारत के कोटे में वृद्धि हो सकेगी. विकास-शील देश 7 प्रतिशत कोटा हस्तांतरण के लिए प्रयासरत् थे. विश्व बैंक भी विकास-शील देशों को 3 प्रतिशत अधिक मताधिकार उपलब्ध कराने को सहमत हुआ है.** कोटा हस्तांतरण की यह प्रक्रिया जनवरी 2011 तक पूरी होने की सम्भावना है.

पिट्सबर्ग शिखर सम्मेलन में उपस्थित राष्ट्राध्यक्ष व अन्य प्रतिनिधि

जी-20 का आगामी शिखर सम्मेलन कनाडा में मस्कोका में जून 2010 में आयोजित करने का फैसला इस सम्मेलन में किया गया. 25–27 जून, 2010 को ही वहाँ जी-8 शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाना है. 2010 में जी-20 का दूसरा शिखर सम्मेलन नवम्बर में सियोल (द. कोरिया) में होगा. 2011 से प्रतिवर्ष एक ही शिखर सम्मेलन आयोजित किए जाने की सम्भावना है.

वैश्विक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में भारी कमी का 'अंकटाड' का अनुमान

वैश्विक मंदी के चलते विश्व भर में 2009 में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) में कमी आने की सम्भावना 'अंकटाड' (UNCTAD—United Nations Conference on Trade and Development) की एक ताजा रिपोर्ट में व्यक्त की गई है. संगठन की **वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट–2009** शीर्षक से सितम्बर 2009 में जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि बीते वर्ष 2008 में वैश्विक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 1·7 ट्रिलियन डॉलर रहा था, जिसके 30 प्रतिशत घटकर 2009 में 1·2 ट्रिलियन डॉलर से भी कम रहने की सम्भावना है. रिपोर्ट के अनुसार 2010 में इसमें कुछ सुधार होगा तथा यह 1·4 ट्रिलियन डॉलर तक हो सकेगा, जबकि उसके बाद इसमें तेजी आएगी तथा 2011 में यह 1·8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा.

'अंकटाड' की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2008 में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) आकर्षित करने के मामले में भारत दुनिया में जहाँ 13वें स्थान पर रहा, वहीं एशिया में इस मामले में यह एक पायदान फिसलकर तीसरे स्थान पर पहुँच गया. रिपोर्ट में कहा गया है कि 2008 के दौरान एफडीआई आकर्षित करने वाले बीस प्रमुख देशों में अमरीका पहले स्थान पर रहा, जबकि फ्रांस दूसरे, चीन तीसरे, ब्रिटेन चौथे, रूसी महासंघ पाँचवें, स्पेन छठे, हांगकांग सातवें, बेल्जियम आठवें, आस्ट्रेलियाई नौवें और ब्राजील दसवें स्थान पर रहा है. कनाडा इस मामले में 11वें, स्वीडन 12वें और भारत 13वें स्थान पर रहा है. सऊदी अरब का 14वाँ, जर्मनी का 15वाँ, जापान का 16वाँ, सिंगापुर का 17वाँ, मैक्सिको का 18वाँ, नाइजीरिया का 19वाँ और तुर्की का 20वाँ स्थान इस मामले में बताया गया है. एशिया में एफडीआई आकर्षित करने के मामले में चीन जहाँ पहले पायदान पर रहा, वहीं हांगकांग भारत को दूसरे स्थान से हटाकर इस पर काबिज होन में सफल रहा है, जिससे भारत अब तीसरे स्थान पर पहुँच गया है.

एफडीआई प्रोत्साहन हेतु सरकार व निजी क्षेत्र की संयुक्त कम्पनी इन्वेस्ट इंडिया के गठन को मंत्रिमण्डल की मंजूरी

भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) की प्रक्रिया को आसान बनाने, विदेशी निवेशकों को विभिन्न सूचनाएं व जानकारियाँ उपलब्ध कराने तथा विदेशी निवेशकों की मदद के लिए अलग से एक कम्पनी के गठन का फैसला सरकार ने किया है. 'इन्वेस्ट इंडिया' नाम से बनने वाली यह कम्पनी न केवल विदेशी निवेशकों को निवेश सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध कराएगी, बल्कि अलग-अलग मंत्रालयों से मंजूरियाँ लेने में भी मदद करेगी. प्रस्तावित कम्पनी के गठन को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने मंजूरी गत 10 सितम्बर को प्रदान की है. बिना लाभ हानि (No Profit-No Loss) के आधार पर चलाई जाने वाली इस कम्पनी को निजी क्षेत्र के साथ संयुक्त उद्यम के तौर पर स्थापित किया जाएगा. इस कम्पनी में सरकार के साथ उद्योग संगठन फिक्की (FICCI) भी हिस्सेदार होगा. सरकारी-निजी भागीदारी (PPP) के तहत् शुरू की जा रही इस कम्पनी की शुरुआती पूँजी एक करोड़ रुपए निर्धारित की गई है. इसमें सरकार की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत और फिक्की की 51 प्रतिशत होगी. प्रस्तावित कम्पनी के सम्बन्ध में कैबिनेट के फैसले की विस्तृत जानकारी देते हुए केन्द्रीय उद्योग व वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा ने बताया कि इस कम्पनी के बोर्ड में 6 सदस्य होंगे. औद्योगिक संवर्धन व नीति विभाग के सचिव बोर्ड के नॉन एक्जीक्यूटिव चेयरमैन होंगे तथा कम्पनी का प्रबंधन निदेशक उद्योग जगत् से आएगा. उन्होंने बताया कि बाद में इस कम्पनी में राज्यों के प्रतिनिधियों को भी जोड़ा जाएगा. **ज्ञातव्य है कि विदेशी निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने के लिए पहले से ही सरकार के पास विदेशी निवेश सम्बन्धी बोर्ड (FIPB) नाम की संस्था है.** नई कम्पनी बन जाने के बाद भी एफडीआई प्रस्तावों को मंजूरी देने का काम यही एजेंसी करेगी. चूँकि भारत में आने वाले कुल विदेशी निवेश प्रस्तावों में से 80 प्रतिशत ऑटोमैटिक मंजूरी वाले होते हैं, इसलिए उनके प्रस्तावों की मंजूरी में एफआईपीबी की कोई भूमिका नहीं

होती. ऐसे निवेशकों को ही प्रक्रियागत बाधाओं से सबसे ज्यादा गुजरना होता है, क्योंकि उनके पास सरकारी नीतियों से सम्बन्धित जानकारी का अभाव होता है. आनंद शर्मा के मुताबिक नई कम्पनी 'इन्वेस्ट इंडिया' ऐसे निवेशकों की जरूरतों को पूरा करेगी. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने बताया कि मूलतः यह कम्पनी तीन सिद्धांतों पर काम करेगी. पहला, भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को प्रोत्साहन देना, दूसरा, भारत आने वाले विदेशी निवेशकों को प्रक्रियागत सुविधाएं प्रदान करना व विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वयक का काम करना और तीसरा, औद्योगिक नीति पर सरकार को फीडबैक प्रदान करना.

मुद्रास्फीति की दर शून्य से ऊपर आई

13 सप्ताह तक शून्य से नीचे बने रहने के पश्चात् मुद्रास्फीति की दर 5 सितम्बर, 2009 को समाप्त सप्ताह में शून्य से ऊपर आ गई. सन्दर्भित सप्ताह में थोक मूल्य आधारित यह अनंतिम दर 0·12 प्रतिशत रही. इससे पूर्व 6 जून, 2009 को समाप्त सप्ताह में यह शून्य से नीचे गई थी तथा उसके पश्चात् लगातार ऋणात्मक ही यह बनी हुई थी.

ब्याज दरों के वायदा कारोबार का शुभारम्भ

अगस्त 2008 में विदेशी मुद्रा का वायदा कारोबार शुरू करने के पश्चात् भारत में अब ब्याज दरों का वायदा कारोबार भी शुरू हो गया है. केन्द्रीय वित्त सचिव अशोक चावला ने इसका शुभारम्भ राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज (NSE) में गत 31 अगस्त को किया. बैंक, प्राइमरी डीलर, म्यूचुअल फण्ड, बीमा कम्पनियाँ, कॉर्पोरेट हाउस, विदेशी संस्थागत निवेशक व अन्य वित्तीय संस्थान

मुम्बई स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में ब्याज दर में वायदा कारोबार का उद्घाटन करते वित्त सचिव अशोक चावला (दाएं से दूसरे) साथ में हैं रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर श्यामला गोपीनाथ, सेबी के चेयरमैन सी. बी. भावे (बाएं से दूसरे) और एनएसई के एमडी एवं सीईओ रवि नारायण

ब्याज दर का वायदा कारोबार कर सकेंगे. इससे ब्याज दरों में होने वाले उतार-चढ़ाव से सुरक्षा इन्हें प्राप्त हो सकेगी. ब्याज दर के वायदा कारोबार के शुभारम्भ के अवसर पर 'सेबी' (SEBI) के अध्यक्ष सी. बी. भावे ने कहा कि आने वाले समय में और भी ऐसे नए उत्पाद जारी किए जाते रहेंगे.

ज्ञातव्य है कि विश्व भर में ब्याज दर का वायदा कारोबार शेयर कारोबार का कई गुना है, किन्तु भारत में इसकी शुरूआत ही अब हुई है.

विश्व बैंक द्वारा भारत हेतु 4·3 अरब डॉलर का ऋण स्वीकृत

विद्युत् एवं सिंचाई के क्षेत्रों की आधारिक संरचना परियोजनाओं तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पूँजीकरण के लिए विश्व बैंक ने भारत सरकार के लिए 4·3 अरब डॉलर (लगभग 2200 करोड़ रुपए) के चार ऋण 24 सितम्बर, 2009 को स्वीकृत किए हैं. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के सुदृढ़ीकरण के लिए इनकी पूँजी आधार बढ़ाने हेतु 2 अरब डॉलर, इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कम्पनी लि (IIFCL) हेतु 1·195 अरब डॉलर, पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन हेतु 1 अरब डॉलर तथा आन्ध्र प्रदेश की एक जलापूर्ति व सेनीटेशन परियोजना हेतु 15 करोड़ डॉलर के ऋण इनमें शामिल हैं. विश्व बैंक द्वारा स्वीकृत 4·3 अरब डॉलर का यह ऋण 2009–12 की अवधि में भारत के लिए लक्षित 14 अरब डॉलर के ऋण का ही भाग है.

बैंकों के सुदृढ़ीकरण के लिए स्वीकृत 2 अरब डॉलर की राशि का इस्तेमाल सरकार द्वारा इन बैंकों के पूँजीकरण के लिए किया जाएगा. रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के तहत् बैंकों को 12 प्रतिशत पूँजी पर्याप्तता अनुपात (CAR) बनाए रखना आवश्यक है, जबकि 2008 में सार्वजनिक क्षेत्र के 14 बैंकों का यह अनुपात इस लक्षित अनुपात से कम था.

स्वर्ण बेचने की आईएमएफ की योजना

उधार प्रदान करने की अपनी क्षमता के विस्तार के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की अपने विशाल स्वर्ण भंडार में से 403·3 टन सोना बेचने की योजना है. इस बिक्री से 13 अरब डॉलर की प्राप्ति मुद्रा कोष को हो सकेगी. इसका इस्तेमाल अपने सदस्य राष्ट्रों को, विशेषतः निर्धन राष्ट्रों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए आईएमएफ द्वारा किया जाएगा. स्वर्ण बिक्री के इस प्रस्ताव को आईएमएफ के प्रबन्धक मंडल ने 18 सितम्बर, 2009 को मंजूरी प्रदान की है. ***बिक्री किए जाने वाला स्वर्ण आईएमएफ के पास उपलब्ध कुल 3217 टन स्वर्ण का लगभग आठवाँ भाग होगा. 186 सदस्यीय आईएमएफ अमरीका व जर्मनी के बाद तीसरा बड़ा स्वर्ण कोष धारक है.*** *कोष के संसाधन बढ़ाने के लिए इस स्वर्ण कोष का एक भाग बेचने का फैसला कोष के प्रबन्ध तंत्र ने अप्रैल 2008 में ही किया था. कोष की इस योजना का अनुमोदन जी-20 ने भी अप्रैल 2009 के लंदन शिखर सम्मेलन में किया था.*

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह घोषणा की है कि स्वर्ण की प्रस्तावित बिक्री इस प्रकार से की जाएगी, जिससे इस धातु के अन्तर्राष्ट्रीय बाजार पर कोई असर न पड़े. कोष की इस घोषणा के बावजूद अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण के मूल्य लगभग एक हजार डॉलर प्रति आउंस की गिरावट स्वर्ण बिक्री के फैसले के बाद की गई है.

'सिबिल' से क्रेडिट रिपोर्ट प्राप्त करने की सुविधा

बैंकों से ऋण लेने के इच्छुक आवेदकों को ऋण स्वीकृत करने से पूर्व बैंक प्रायः आवेदक की 'क्रेडिट हिस्ट्री' देखते हैं. इससे यह पता चल जाता है कि आवेदक किसी बैंक का ऋण चुकाने में पहले 'डिफॉल्टर' तो नहीं रहा है. 'क्रेडिट हिस्ट्री' प्रतिकूल होने पर बैंक ऋण के आवेदक को नया ऋण सवीकृत करने से इनकार कर सकते हैं. भारत में बैंकों के 'डिफॉल्टर्स' का यह 'डाटा-बैंक' क्रेडिट इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ऑफ इंडिया लि. (CIBIL) द्वारा विभिन्न बैंकों के सहयोग से तैयार किया गया है. 'सिबिल' के 'डाटा बैंक' में विभिन्न बैंकों से ऋण व क्रेडिट कार्ड लेने वालों पर बकाया राशि के साथ उनके चालू व बंद बैंक खातों पर बकाया का भी ब्योरा उपलब्ध है.

'सिबिल' द्वारा की गई एक ताजा व्यवस्था के तहत् अब आम लोग भी अपनी क्रेडिट रिपोर्ट 'सिबिल' से प्राप्त कर सकते हैं. इसके लिए निर्धारित शुल्क आवेदक को चुकाना होगा. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह शुल्क फिलहाल 142 रुपए निर्धारित है. इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी 'सिबिल' की वेबसाइट से ली जा सकती है.

IES/GATE/PSUs
BSNL-MT
New Batches
4,11, 18 & 25th Oct.
Courses Offered
• Regular class room course.
• Weekend class room course.
• Postal study course.
• Test series for PSUs, GATE, IES
Branches
Electrical Engg.
Electronics Engg.
Mechanical Engg.
FACULTIES
Team of highly experienced IES Qualified Professionals
DRONACHARYA
INSTITUTE OF ENGINEERS
F-108 Katwaria Sarai New Delhi-16
Ph. 9910943969, 9810758209
For details visit : www.dronaies.com

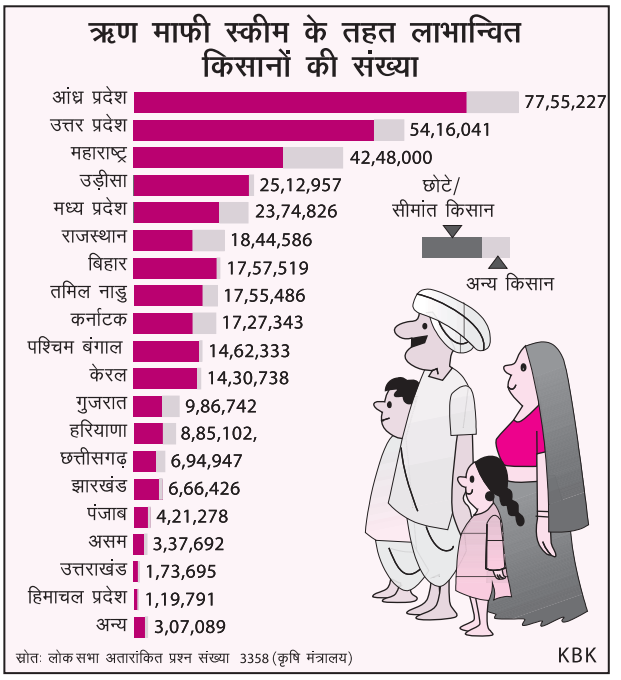

आईएमएफ द्वारा 4·8 अरब डॉलर के तुल्य एसडीआर आवंटन से भारत के विदेशी मुद्रा कोष में वृद्धि

28 अगस्त, 2009 को समाप्त हुए सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा कोष 276·3 अरब डॉलर के हो गए थे, जो एक सप्ताह पूर्व 21 अगस्त, 2009 को 271·957 अरब डॉलर के थे. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) द्वारा भारत के पक्ष में 4·8 अरब डॉलर के तुल्य एसडीआर का आवंटन गत 28 अगस्त को करने के कारण सन्दर्भित तिथि को विदेशी मुद्रा कोष में यह वृद्धि दर्ज की गई थी. देश के आरक्षित विदेशी मुद्रा कोषों में वृद्धि का यह सिलसिला बाद के सप्ताहों में भी बना रहा तथा 11 सितम्बर, 2009 को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा कोष 280·978 अरब डॉलर हो गए थे.

पहली दूरंतो रेलगाड़ी सियालदाह व दिल्ली के बीच प्रारम्भ

2009-10 के रेल बजट में देश में 14 नई दूरंतो (Duronto) रेलगाड़ियों का प्रचालन करने का प्रस्ताव रेल मंत्री ममता बनर्जी ने किया था. इनमें से पहली रेलगाड़ी सियालदाह व दिल्ली के बीच 18 सितम्बर, 2009 से शुरू की गई है. रेल मंत्री ममता बनर्जी ने इस पहली दूरंतो एक्सप्रेस को कोलकाता में झण्डी दिखाकर रवाना किया. नई दिल्ली-सियालदाह के बीच की दूरी को यह 16 घण्टे, 20 मिनट में तय करेगी जो राजधानी एक्सप्रेस द्वारा लिए जाने वाले समय से भी दो घण्टे कम होगा. दूसरी दूरंतो एक्सप्रेस का प्रचालन 21 सितम्बर, 2009 से चेन्नई-दिल्ली के बीच शुरू किया गया है. इसका शुभारम्भ केन्द्रीय गृहमंत्री पी. चिदम्बरम् ने चेन्नई स्टेशन पर झण्डी दिखाकर किया.

2009-10 की पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 6·1 प्रतिशत

चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2009) के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) सम्बन्धी आँकड़े केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (CSO) द्वारा 31 अगस्त, 2009 को जारी किए गए थे. इन आँकड़ों के अनुसार सन्दर्भित अवधि में जीडीपी में वृद्धि 6·1 प्रतिशत रही है, जोकि पिछली तिमाही (जनवरी-मार्च 2009) में 5·8 प्रतिशत तथा पूर्व वर्ष की समान अवधि (अप्रैल-जून 2008) में 7·8 प्रतिशत थी.

ताजा उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार अप्रैल-जून 2009 के दौरान कृषि क्षेत्र में वृद्धि 2·4 प्रतिशत उद्योगों में वृद्धि 5·0 प्रतिशत तथा सेवाओं के क्षेत्र में यह 7·8 प्रतिशत रही है.

जीडीपी के इन परिणामों के परिप्रेक्ष्य में अर्थव्यवस्था के मंदी से कुछ उबरने के संकेत मिलते हैं. 2008-09 में अप्रैल-जून 2008 में 7·8 प्रतिशत जुलाई-सितम्बर 2008 में 7·6 प्रतिशत रहने के पश्चात् अक्टूबर-दिसम्बर 2008 व जनवरी-मार्च 2009 में वृद्धि दर क्रमशः 5·8–5·8 प्रतिशत रही थी, जो अब अप्रैल-जुलाई 2009 में 6·1 प्रतिशत दर्ज की गई है.

वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा सूचकांक में भारत का 49वाँ स्थान

विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum—WEF) के वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा सूचकांक 2009-10 (Global Competitive Index) की दृष्टि से भारत का विश्व में अब 49वाँ स्थान है तथा पिछले वर्ष की तुलना में यह एक पायदान ऊपर चढ़ा है. पिछले वर्ष भारत का इस मामले में 50वाँ स्थान था. चीन की रैंकिंग भी इस वर्ष एक पायदान सुधर कर 30 से 29 हो गई है. विश्व आर्थिक मंच ने विश्व के 133 चुनींदा देशों के लिए प्रतिस्पर्द्धा सूचकांक 8 सितम्बर, 2009 को जारी किए हैं. मंच के अनुसार अन्य देशों की तुलना में बेहतर वित्तीय बाजार व मजबूत बैंकिंग क्षेत्र के चलते भारत की प्रतिस्पर्द्धा क्षमता में सुधार हुआ है.

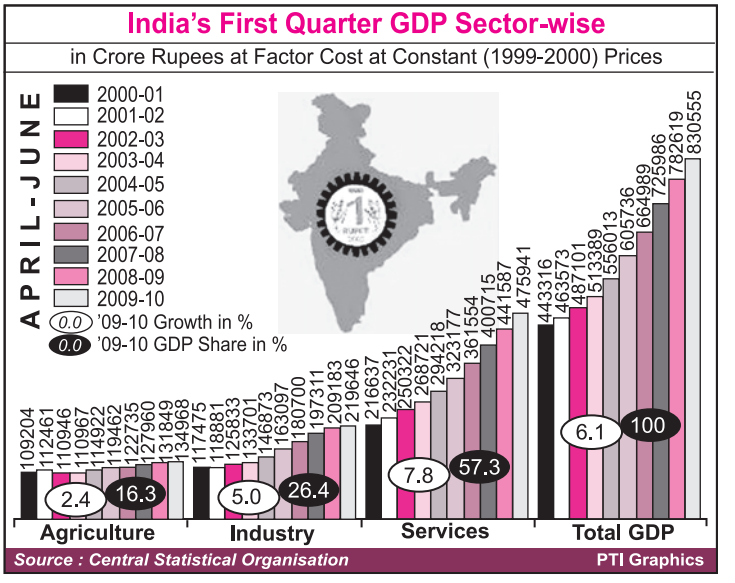

विश्व आर्थिक मंच के वर्ष 2009-10 के ताजा प्रतिस्पर्द्धा सूचकांकों की दृष्टि से सर्वाधिक प्रतिस्पर्द्धी राष्ट्र स्विट्जरलैण्ड हो गया है तथा इस मामले में अमरीका, जो पिछले वर्ष शीर्ष पर था, को उसने दूसरे स्थान पर छोड़ दिया है. अमरीका के बाद तीसरा, चौथा व पाँचवाँ स्थान क्रमशः सिंगापुर, स्वीडन व डेनमार्क का है. रूस की रैंकिंग में भारी गिरावट इस वर्ष दर्ज की गई है तथा यह 51 से गिरकर 63वीं इस वर्ष रही है. वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा सूचकांक की दृष्टि से प्रमुख देशों की रैंकिंग निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है–

राष्ट्र	प्रतिस्पर्द्धा रैंकिंग (2009-10)
स्विट्जरलैण्ड	1
अमरीका	2
सिंगापुर	3
स्वीडन	4
डेनमार्क	5
फिनलैण्ड	6
जर्मनी	7
जापान	8
कनाडा	9
नीदरलैण्ड्स	10
चीन	29
भारत	**49**
ब्राजील	56
रूस	63

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

'डालडा' ब्रांड की वापसी

पूर्व वर्षों में अति लोकप्रिय रहे 'डालडा' ब्रांड की वापसी भारतीय बाजार में गत सितम्बर माह में हुई है. अमरीकी खाद्य कम्पनी बुंगे (Bunge) की भारतीय अनुषंगी कम्पनी बुंगे इंडिया प्रा. लि. ने 'डालडा' नाम से रिफाइंड तेल बिक्री के लिए गत 7 सितम्बर को लांच किया है.

ज्ञातव्य है कि बुंगे ने हिन्दुस्तान लिवर (HLL) से डालडा ब्रांड 2003 में खरीद लिया था.

भारत में पहला इस्लामिक बैंक केरल में स्थापनाधीन

देश में पहला इस्लामिक बैंक केरल में कोच्चि में स्थापित होगा. इसके लिए पंजीकरण प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है तथा इसका कार्य 2010 में प्रारम्भ होने की सम्भावना है. केरल स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (KSIDC) की इसमें 11 प्रतिशत भागीदारी होगी.

डेल द्वारा पेरॉट सिस्टम्स का अधिग्रहण

विश्व की दूसरी बड़ी पर्सनल कम्प्यूटर कम्पनी डेल इंक ने कम्प्यूटर सेवा फर्म पेरॉट सिस्टम्स का 3·9 अरब डॉलर में अधिग्रहण करने के लिए समझौता 21 सितम्बर, 2009 को किया है. वैश्विक वित्तीय संकट का दौर शुरू होने के बाद से इसे आईटी क्षेत्र का सबसे बड़ा सौदा माना जा रहा है. डेल की ओर से जारी वक्तव्य के अनुसार दोनों ब्रांडों के बीच करार की शर्तों को दोनों कम्पनियों के निदेशक मंडलों की मंजूरी मिल गई है.

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का प्लेटीनम जयंती वर्ष

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने अपनी स्थापना के 75वें वर्ष में प्रवेश सितम्बर 2009 में किया है. 16 सितम्बर, 2009 से 16 सितम्बर, 2010 तक प्लेटीनम जयंती वर्ष के रूप में बैंक द्वारा मनाया जा रहा है.

●●●

शेष पृष्ठ 651 का

के सभी प्रयास विफल हो गए हैं जिसके चलते सीबीआई ने अंततः मामले को बंद करने का फैसला किया है. सॉलिसिटर जनरल सुब्रह्मण्यम ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 2004 के उस फैसले का हवाला भी उच्चतम न्यायालय में दिया जिसमें कहा गया था कि बोफोर्स सौदे में भ्रष्टाचार का कोई मामला नहीं बनता. सुब्रह्मण्यम ने कहा कि मामले के इन सभी तथ्यों पर गौर करने के बाद सरकार ने केस को बंद करने का फैसला लिया है. सॉलिसिटर जनरल के इस बयान का भाजपा और इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने वाले वकीलों ने कड़ा विरोध किया, जबकि कांग्रेस ने कहा है कि अंततः मामले पर विराम लग गया है. ज्ञातव्य है कि इस मामले में क्वात्रोच्चि एकमात्र आरोपी बच गया था क्योंकि दिल्ली उच्च न्यायालय ने 31 मई, 2005 को अन्य आरोपियों के विरुद्ध आरोप निरस्त कर दिए थे.

संक्षिप्तकी

2009 में 72 बाघों की मृत्यु का गैर-सरकारी संगठनों का दावा

बाघ संरक्षण हेतु किए गए तमाम प्रयासों के बावजूद देश में इनकी संख्या में गिरावट का अंदेशा है. 2006 की पिछली बाघ गणना (Tiger Census) में देश में बाघों की कुल संख्या 1411 आकलित की गई थी. गैर-सरकारी संगठनों का दावा है कि इनमें से कम-से-कम 150 बाघों की मृत्यु इस अवधि में हो चुकी है. इनमें से 72 बाघों के तो इसी वर्ष (2009 में) मारे जाने का दावा किया गया है. बाघ संख्या में आ रही इस कमी के परिप्रेक्ष्य में सभी बाघ अभयारण्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन कराने का राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) का इरादा है. इसके लिए 6 विशेषज्ञ दलों का गठन प्राधिकरण ने सितम्बर 2009 में किया है.

●●●

शेष पृष्ठ 656 का

विदेश मंत्री एस.एम. कृष्णा की बेलारूस व तुर्कमेनिस्तान यात्रा

विदेश मंत्री एस. एम. कृष्णा ने 16–19 सितम्बर, 2009 को बेलारूस और तुर्कमेनिस्तान की यात्रा की. चार दिन की इस यात्रा के दौरान श्री कृष्णा शुरू में दो दिनों तक बेलारूस में रहे जहाँ राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको और विदेश मंत्री सर्गे मार्तिनोव से विभिन्न बिन्दुओं पर उन्होंने विचार-विमर्श किया. बाद में वह तुर्कमेनिस्तान गए जहाँ विदेश मंत्री रशीद मेरेदोव व राष्ट्रपति गुरबंगुली बर्दीमुहम्मदोव के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर उन्होंने चर्चा की.

●●●

New Release
UPKAR'S
Mathematical Formulae
(Useful for Various Competitive Examinations)
Compiled by : Dr. N. K. Singh
Code No. 1642
Rs. 65/-
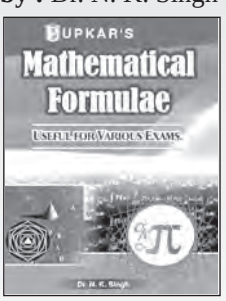

HINDI EDITION
Code 248
Rs. 76/-
Upkar Prakashan, AGRA-2
● E-mail : publisher@upkar.in ● Website : www.upkar.in

शब्द संक्षेप
(Abbreviations)

सी ओ. बी. आर. ए. (कोबरा)—कमांडो बटालियन फॉर रिज़्यॉल्यूट एक्शन

CoBRA—Commando Battalion for Resolute Action

व्याख्या—इस अर्द्धसैनिक बल का गठन नक्सली गतिविधियों पर अंकुश के लिए किया गया था.

आई. सी. एम. ए. आई.—इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड मैनेजमेंट एकाउंट्स ऑफ इंडिया

ICMAI—Institute of Cost and Management Accounts of India

व्याख्या—1959 में संसद द्वारा पारित अधिनियम के तहत् गठित इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंट्स ऑफ इंडिया (ICWAI) को शीघ्र ही अब इस नए नाम (इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड मैनेजमेंट एकाउंट्स ऑफ इण्डिया) से जाना जाएगा. संस्था के नाम में परिवर्तन का अनुरोध सरकार ने सैद्धान्तिक तौर पर स्वीकार कर लिया है, किन्तु इसके लिए आईसीडब्ल्यूएआई अधिनियम में परिवर्तन करना होगा. कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री सलमान खुर्शीद के अनुसार इस दिशा में काम किया जा रहा है तथा औपचारिकताओं को शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा.

नियुक्तियाँ
(Appointments)

बसंत सेठ—सिडबी (SIDBI) के उप-प्रबन्ध निदेशक बसंत सेठ को अब सार्वजनिक क्षेत्र के सिंडीकेट बैंक का चेयरमैन सहप्रबन्ध निदेशक अगस्त 2009 में नियुक्त किया गया है. पूर्व वर्षों में वह बैंक ऑफ इंडिया में महाप्रबन्धक रह चुके हैं.

पी. सी. भारद्वाज—लेफ्टिनेंट जनरल पी. सी. भारद्वाज भारतीय थल सेना के नए उपप्रमुख बनाए गए हैं. इस पद पर लेफ्टिनेंट जनरल थंबूराज का स्थान उन्होंने ग्रहण किया है, जो 30 सितम्बर, 2009 को सेवानिवृत्त हुए हैं. लेफ्टिनेंट जनरल भारद्वाज इससे पूर्व थल सेना की उत्तरी कमान के प्रमुख थे.

डी. के. दीवान—वाइस एडमिरल डी. के. दीवान भारतीय नौसेना के नए उपप्रमुख हैं. 1 सितम्बर, 2009 से इस पद पर वाइस एडमिरल आर. पी. सुथान का स्थान उन्होंने लिया है, जो एक दिन पूर्व सेवानिवृत्त हुए थे.

सुब्रतो चट्टोपाध्याय—द पेनिंसुला फाउंडेशन के चेयरमैन सुब्रतो चट्टोपाध्याय को गत 15 सितम्बर को मुम्बई में सम्पन्न चुनाव में ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन (ABC) का चेयरमैन सत्र 2009-10 के लिए सर्वसम्मति से चुना गया. लोकमत ग्रुप के विजय दरडा को ब्यूरो का डिप्टी चेयरमैन इस चुनाव में चुना गया.

टी. वेंकटराम रेड्डी—डेक्कन क्रॉनिकल के चेयरमैन टी. वेंकटराम रेड्डी को वर्ष 2009-10 के लिए इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी (INS) का अध्यक्ष चुना गया है. उनका चयन सोसाइटी की हैदराबाद में 24 सितम्बर, 2009 को सम्पन्न 70वीं वार्षिक बैठक में हुआ. इस पद पर उन्होंने बॉम्बे समाचार वीकली के होरमुसजी एन. कामा का स्थान लिया है.

अशोक के. कंठ—मलेशिया में भारत के राजदूत अशोक के. कंठ अब श्रीलंका में भारत के नए उच्चायुक्त होंगे. इस आशय की घोषणा भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा सितम्बर 2009 में की गई है.

दिनकर खुल्लर—विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव दिनकर खुल्लर को आस्ट्रिया में भारत का राजदूत सितम्बर 2009 में नियुक्त किया गया है. इस पद पर सौरभ कुमार का स्थान वह लेंगे.

सुजाता राव—एड्स नियंत्रण विभाग की प्रमुख सुजाता राव अब देश की नई स्वास्थ्य सचिव बनाई गई हैं. इस पद पर नरेश दयाल, जो 30 सितम्बर को सेवानिवृत्त हुए हैं, का स्थान उन्होंने 1 अक्टूबर, 2009 से लिया है.

लीबिया के अली अब्दुस्सलाम ट्रेकी संयुक्त राष्ट्र महासभा के 64वें सत्र के अध्यक्ष

लीबिया के अफ्रीकी यूनियन मामलों के मंत्री अली अब्दुस्सलाम ट्रेकी (Ali Abdus-salam Treki) संयुक्त राष्ट्र महासभा के 64वें अधिवेशन के अध्यक्ष हैं. महासभा के 15 सितम्बर, 2009 को शुरू हुए इस अधिवेशन के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कार्यभार सँभाल लिया है. संयुक्त राष्ट्र संघ की 192 सदस्यीय महासभा में जून 2009 में सर्वसम्मति से उन्हें इस दायित्व हेतु चुना गया था. उनसे पूर्व निकारागुआ के मिगुएल डी एस्कोटो ब्रॉकमैन महासभा के 63वें सत्र के अध्यक्ष थे.

अली अब्दुस्सलाम ट्रेकी

बुल्गारिया की इरिना बोकोवा होंगी यूनेस्को की अगली महानिदेशक

बुल्गारिया की पूर्व विदेश मंत्री एवं वर्तमान में फ्रांस में राजदूत इरिना बोकोवा (Irina Bokova) 'यूनेस्को' (UNESCO) की आगामी महानिदेशक होंगी. इस पद के लिए यूनेस्को के 58 सदस्यीय कार्यकारी बोर्ड में अति संघर्षपूर्ण चुनाव में उन्हें चुना गया है. 22 सितम्बर, 2009 को पाँचवें दौर के मतदान में मिस्र के सांस्कृतिक मंत्री फारुख होस्नी को 31–27 मतों के मामूली अन्तर से उन्होंने पराजित किया. इससे पूर्व चौथे दौर के मतदान में 29-29 मत दोनों को प्राप्त हुए थे. उनके इस चुनाव का यूनेस्को की महासभा में अनुमोदन अक्टूबर 2009 में किया जाएगा. संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) की पेरिस स्थित इस एजेंसी की प्रमुख बनने वाली वह पहली महिला होंगी.

इरिना बोकोवा

पुरस्कार/सम्मान
(Awards/Honours)

एशियन फिल्म मेकर ऑफ द ईयर—बॉलीवुड के जाने-माने निर्माता निर्देशक यश चोपड़ा को द. कोरिया में बुसान में 8–16 अक्टूबर, 2009 को होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में **एशियन फिल्म मेकर ऑफ द ईयर** के रूप में पुरस्कृत किया जाएगा.

आईसीसी के 2008-09 के पुरस्कार

महेन्द्र सिंह धोनी : वन डे प्लेयर ऑफ द ईयर

क्रिकेट के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् के वर्ष 2008-09 के (छठे) पुरस्कारों का वितरण द. अफ्रीका में जोहांसबर्ग में 1 अक्टूबर, 2009 को किया गया. 13 अगस्त, 2008 से 24 अगस्त, 2009 की अवधि के प्रदर्शन को इन पुरस्कारों के लिए आधार बनाया गया था. पुरस्कृत खिलाड़ियों के नाम निम्नलिखित हैं–

***क्रिकेटर ऑफ द ईयर**–मिशेल जॉनसन (आस्ट्रेलिया)*

***टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर**–गौतम गंभीर (भारत)*

***वन डे प्लेयर ऑफ द ईयर**–महेन्द्र सिंह धोनी (भारत)*

***इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर**–पीटर सिडल (आस्ट्रेलिया).*

***एसोसिएट एण्ड एफिलिएट प्लेयर ऑफ द ईयर**–विलियम पोर्टरफील्ड (आयरलैण्ड).*

***टी-20 परफॉर्मर ऑफ द ईयर**–तिलकरत्ने दिलशान (श्रीलंका)*

***वोमेन प्लेयर ऑफ द ईयर**–क्लेयर टेलर (इंगलैण्ड)*

***अम्पायर ऑफ द ईयर**–अलीम डार (पाकिस्तान)*

***स्पिरिट ऑफ क्रिकेट**–न्यूजीलैण्ड.*

आईसीसी वनडे टीम	आईसीसी टेस्ट टीम
महेन्द्र सिंह धोनी (कप्तान), वीरेन्द्र सहवाग, युवराज सिंह, क्रिस गेल, केविन पीटरसन, तिलकरत्ने दिलशान, मार्टिन गुप्टिल, एंड्रयू फ्लिंटॉफ, नुवान कुलाशेखरा, अजंता मेंडिस, उमर गुल	*महेन्द्र सिंह धोनी (कप्तान), सचिन तेंदुलकर, गौतम गम्भीर, एंड्रयू स्ट्रास, एबी डिविलियर्स, थिलन समरवीरा, माइकल क्लार्क, शाकिब अल हसन, मिशेल जानसन, स्टुअर्ट ब्राड, डेल स्टेन*
***12वाँ खिलाड़ी**–थिलन तुषारा*	***12वाँ खिलाड़ी**–हरभजन सिंह*

गौतम गम्भीर : टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर

आईसीसी के इन पुरस्कारों का यह छठा वर्ष था. इससे पूर्व 2004 में इन पुरस्कारों का वितरण लंदन में, 2005 में सिडनी में, 2006 में मुम्बई में, 2007 में जोहांसबर्ग में व 2008 में यह दुबई में किया गया था. इन वर्षों में विभिन्न पुरस्कृतों के नाम निम्नलिखित हैं–

आईसीसी पुरस्कारों के पूर्व वर्षों में विजेता

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
क्रिकेटर ऑफ द ईयर	राहुल द्रविड़ (भारत)	जैक्स कैलिस (दक्षिण अफ्रीका) और एंड्रयू फ्लिंटॉफ (इंगलैण्ड)	रिकी पोंटिंग (आस्ट्रेलिया)	रिकी पोंटिंग (आस्ट्रेलिया)	शिवनारायण चन्द्रपाल (वेस्टइंडीज)
टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर	राहुल द्रविड़ (भारत)	जैक्स कैलिस (दक्षिण अफ्रीका)	रिकी पोंटिंग (आस्ट्रेलिया)	मोहम्मद यूसुफ (पाकिस्तान)	डेल स्टेन (दक्षिण अफ्रीका)
वन डे प्लेयर ऑफ द ईयर	एंड्रयू फ्लिंटॉफ (इंगलैण्ड)	केविन पीटरसन (इंगलैण्ड)	माइकल हसी (आस्ट्रेलिया)	मैथ्यू हेडेन (आस्ट्रेलिया)	महेन्द्र सिंह धोनी (भारत)
इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर	इरफान पठान (भारत)	केविन पीटरसन (इंगलैण्ड)	इयान बेल (इंगलैण्ड)	शान टैट (आस्ट्रेलिया)	अजन्ता मेंडिस (श्रीलंका)
टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर					युवराज सिंह (भारत)
वूमैन क्रिकेटर ऑफ द ईयर			कारेन राल्टन (आस्ट्रेलिया)	झूलन गोस्वामी (भारत)	चार्लोटी एडवर्ड्स (इंगलैण्ड)
अम्पायर ऑफ द ईयर	साइमन टफेल (आस्ट्रेलिया)	साइमन टफेल (आस्ट्रेलिया)	साइमन टफेल (आस्ट्रेलिया)	साइमन टफेल (आस्ट्रेलिया)	साइमन टफेल (आस्ट्रेलिया)

कैस्ट्रॉल क्रिकेट पुरस्कार (2008)

भारतीय क्रिकेटरों के लिए कैस्ट्रॉल (Castrol) के वर्ष 2008 के पुरस्कारों का वितरण मुम्बई में 17 सितम्बर, 2009 को किया गया. यह पुरस्कार निम्नलिखित को प्रदान किए गए–

इंडियन क्रिकेटर ऑफ द ईयर–गौतम गम्भीर (5·00 लाख रुपए)

टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर–वीरेन्द्र सहवाग (2 लाख रुपए)

ओडीआई प्लेयर ऑफ द ईयर–एम. एस. धोनी (2 लाख रुपए)

बैट्समैन ऑफ द ईयर–गौतम गम्भीर (2 लाख रुपए)

बॉलर ऑफ द ईयर–हरभजन सिंह (2 लाख रुपए)

जूनियर क्रिकेटर ऑफ द ईयर–रविन्द्र जडेजा (1 लाख रुपए)

लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार–गुंडप्पा विश्वनाथ (5 लाख रुपए)

टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक कैच लेने का विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले राहुल द्रविड़ तथा 12,000 से अधिक रन बनाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बने सचिन तेंदुलकर को 2-2 लाख रुपए के विशेष पुरस्कार उपर्युक्त समारोह में प्रदान किए गए.

मराठी फिल्म 'हरिश्चंद्राची फैक्टरी' ऑस्कर पुरस्कार हेतु भारत की आधिकारिक प्रविष्टि–जाने-माने रंगकर्मी परेश मोकाशी द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म 'हरिश्चंद्राची फैक्टरी' को इस वर्ष के ऑस्कर पुरस्कारों के लिए विदेशी फिल्म श्रेणी में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर चुना गया है. दो घंटे की अवधि की इस फिल्म में भारतीय सिनेमा के पितामह

दादा साहेब फाल्के द्वारा 1913 में भारत की पहली फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' बनाने में किए गए संघर्ष का चित्रण किया गया है. फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (FFI) ने इस फिल्म के नामांकन की घोषणा सितम्बर 2009 में की. ऑस्कर पुरस्कार के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के लिए फिल्म के चयन हेतु एफएफआई की ज्यूरी की प्रमुख जानी-मानी अभिनेत्री आशा पारेख थीं.

ऑस्कर पुरस्कार हेतु भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर शामिल होने वाली 'हरिश्चंद्राची फैक्टरी' दूसरी मराठी फिल्म है. इससे पहले वर्ष 2004 में 'श्वास' को चुना गया था.

55वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार : मन्ना डे को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार–2007

मन्ना डे : दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

वर्ष 2007 में प्रदर्शित फिल्मों के लिए 55वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा गत 7 सितम्बर, 2009 को की गई. 31 पुरस्कार फीचर फिल्म श्रेणी में, 22 गैर-फीचर फिल्म श्रेणी में तथा 2 पुरस्कार सिनेमा पर लेखन श्रेणी में दिए गए हैं. सिनेमा के क्षेत्र में समग्र योगदान के लिए सर्वोच्च दादा साहेब फाल्के पुरस्कार की घोषणा बाद में 30 सितम्बर, 2009 को की गई है. फीचर फिल्म श्रेणी में घोषित इन पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है–

सर्वश्रेष्ठ फिल्म (स्वर्ण कमल)–*कांचीवरम् (तमिल, निर्देशक– प्रियदर्शन)*

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (स्वर्ण कमल)–*अडूर गोपालकृष्णन (फिल्म नालू पेन्नुंगल मलयालम)*

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (रजत कमल)–*प्रकाश राज (कांचीवरम्)*

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (रजत कमल)–*उमाश्री (गुलाबी टॉकीज, कन्नड़ फिल्म)*

सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता (रजत कमल)–*दर्शन जरीवाला (गांधी माय फादर)*

सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री (रजत कमल)–*शेफाली शाह (द लास्ट लीयर, अंग्रेजी फिल्म)*

सर्वश्रेष्ठ गीतकार (रजत कमल)–*प्रसून जोशी (तारे जमीं पर, तुझे जब है पता···माँ)*

सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक (रजत कमल)–*शंकर महादेवन (तारे जमीं पर)*

सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका (रजत कमल)–*श्रेया घोषाल (जब वी मेट)*

सर्वश्रेष्ठ संगीतकार (रजत कमल)–*ओसेप्पचन (फिल्म ओरे कदाल, मलयालम फिल्म)*

सर्वश्रेष्ठ पटकथा (रजत कमल)–*फिरोज अब्बास खान (गांधी माई फादर)*

सर्वश्रेष्ठ सम्पादन (रजत कमल)–*बी. अजीत कुमार (नालू पेन्नुंगल, मलयालम फिल्म)*

सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी (रजत कमल)–*शंकर रमन (फ्रोजन, हिन्दी फिल्म)*

सर्वश्रेष्ठ कला निर्देशन (रजत कमल)–*साबू साइरिल (ओम शांति ओम)*

सर्वश्रेष्ठ ऑडियोग्राफी (रजत कमल)–*कुनाल शर्मा (1971 हिन्दी फिल्म)*

सर्वश्रेष्ठ वस्त्र सज्जा (रजत कमल)–*रूमा सेनगुप्ता (कृष्णकैंटर विल, बंगाली फिल्म)*

सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी (रजत कमल)–*जब वी मैट (ये इश्क है, बैठा बिठाए·····)*

सर्वश्रेष्ठ स्पेशल इफेक्ट्स (रजत कमल)–*शिवाजी (तमिल फिल्म)*

ज्यूरी का विशेष पुरस्कार (रजत कमल)–*गांधी माय फादर (निर्माता अनिल कपूर, निर्देशक–फिरोज अब्बास खान)*

सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार (रजत कमल)–*शरद गोएकर (टिंग्या, मराठी फिल्म)*

सामाजिक मामलों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म (रजत कमल)–*अन्तर्द्वन्द्व (हिन्दी, निर्देशक–सुशील राजपाल)*

परिवार कल्याण पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म (रजत कमल)–*तारे जमीं पर (निर्माता-निर्देशक– आमिर खान)*

सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म (स्वर्ण कमल)–*फोटो (हिन्दी, निर्देशक–वीरेन्द्र सेनी)*

किसी निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फिल्म का इंदिरा गांधी पुरस्कार (स्वर्ण कमल)–*फोज़ेन (हिन्दी, निर्माता-निर्देशक–शिवाजी चन्द्रभूषण)*

राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म का नरगिस दत्त पुरस्कार (रजत कमल)–*धर्म (हिन्दी, निर्देशक–भावना तलवार)*

सम्पूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म (स्वर्ण कमल)–*चक दे इंडिया (निर्माता–आदित्य चोपड़ा, निर्देशक–शिमित अमीन)*

हिन्दी भाषा में सर्वश्रेष्ठ फिल्म–*1971 (निर्देशक–अमृत सागर)*

अंग्रेजी भाषा में सर्वश्रेष्ठ फिल्म–*The Last Lear (निर्देशक–रितुपर्णो घोष)*

मराठी भाषा में सर्वश्रेष्ठ फिल्म–*निरोप (निर्देशक–सचिन कुंडलकर)*

सर्वश्रेष्ठ बंगला फिल्म–*बॉलीगंज कोर्ट (निर्देशक–पिनाकी चौधरी)*

सर्वश्रेष्ठ मलयालम फिल्म–*ओरे कडाल (निर्देशक–श्याम प्रसाद)*

सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म–*पेरियार (निर्देशक–ज्ञान राजशेखरन)*

सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फिल्म–*गुलाबी टॉकीज (निर्देशक–गिरीश कासरवल्ली)*

गैर-फीचर फिल्म श्रेणी

वर्ष 2007 की सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म–*Hope Dies Last in War (अंग्रेजी/हिन्दी, निर्माता-निर्देशक–सुप्रियो सेन)*

सिनेमा पर सर्वोत्तम लेखन श्रेणी

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक (स्वर्ण कमल)–*From Raj to Swaraj : The Non Fiction Film in India (अंग्रेजी, लेखक–बी.डी. गर्ग)*

सर्वश्रेष्ठ आलोचक (स्वर्ण कमल)–*वी. के. जोसेफ (मलयालम)*

*उल्लेखनीय है कि इन पुरस्कारों के लिए सरकार द्वारा गठित ज्यूरी में निर्माता-निर्देशक सई परांजपे को **फीचर फिल्म श्रेणी** की ज्यूरी का, वृत्तचित्र निर्माता अशोक विश्वनाथन को **गैर-फीचर श्रेणी** की ज्यूरी का तथा प्रसिद्ध लेखिका नमिता गोखले को **सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन** श्रेणी की ज्यूरी का अध्यक्ष बनाया गया था. तीनों ही श्रेणियों के पुरस्कारों का वितरण अक्टूबर में किया जाएगा.*

भारतीय सिनेमा जगत् का सर्वोच्च दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्रसिद्ध पार्श्व गायक मन्ना डे को प्रदान करने की घोषणा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 30 सितम्बर, 2009 को की. *वर्ष 2007 के इस पुरस्कार के तहत् स्वर्ण कमल के साथ 10 लाख रुपए की राशि उन्हें 21 अक्टूबर, 2009 को एक समारोह में राष्ट्रपति द्वारा प्रदान की जाएगी.*

1943 में पहली बार फिल्म तमन्ना में पार्श्व गायक के रूप में अपनी आवाज देने वाले मन्ना डे ने 3500 से अधिक गीत विभिन्न फिल्मों के लिए गाए हैं. 1969 में फिल्म मेरे हुजूर के लिए और 1971 में बांग्ला फिल्म निशी पद्मा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार उन्हें प्रदान किया गया था. मध्य प्रदेश सरकार ने उन्हें 1985 में लता मंगेशकर पुरस्कार दिया. पार्श्वगायन के लिए इसके अलावा भी अनेक पुरस्कारों से उन्हें सम्मानित किया गया. 1971 में पद्मश्री से व 2005 में पद्म विभूषण से उन्हें अलंकृत किया गया था.

शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार-2009

विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में उल्लेखनीय योगदान के लिए देश के 11 चुनींदा वैज्ञानिकों को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (CSIR) के वर्ष 2009 के शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा परिषद् के महानिदेशक डॉ. समीर ब्रह्मचारी ने 26 सितम्बर, 2009 को, परिषद् के 67वें स्थापना दिवस पर की. पुरस्कार हेतु चुने गए वैज्ञानिकों के नाम निम्नलिखित हैं–

***जीव विज्ञान**–डॉ. अमिताभ जोशी (जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बंगलौर) व डॉ. भास्कर साहा (नेशनल सेंटर फॉर सैल साइंस, पुणे).*

***रसायन विज्ञान**–डॉ. चारुसिता चक्रवर्ती (आईआईटी, दिल्ली), डॉ. नारायणस्वामी जयरमन (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलौर)*

***पृथ्वी, वातावरण, समुद्र एवं खगोल विज्ञान**–डॉ. एस. के. सतीश (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलौर)*

***भौतिक विज्ञान**–डॉ. अभिषेक धर (रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट, बंगलौर) व डॉ. राजेश गोपकुमार (हरीशचन्द्र रिसर्च इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद)*

***चिकित्सा विज्ञान**–डॉ. संतोष गजानन होनावर (एल.वी. प्रसाद नेत्र संस्थान, हैदराबाद)*

***इंजीनियरिंग विज्ञान**–गिरिधर मद्रास व जयंत रामास्वामी हरित्सा (दोनों इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलौर)*

***गणितीय विज्ञान**–डॉ. वेनापल्ली सुरेश (हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद)*

*इन पुरस्कारों का वितरण प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा शीघ्र ही आयोजित होने वाले एक समारोह में किया जाएगा. **शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार** विज्ञान के क्षेत्र में विगत पाँच वर्षों में किए गए उल्लेखनीय शोध कार्यों को मान्यता प्रदान करने के लिए 45 वर्ष से कम उम्र के वैज्ञानिकों को दिए जाते हैं. प्रत्येक पुरस्कार के तहत् प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न के साथ अब पाँच लाख रुपए की राशि प्रदान की जाती है.*

शांति, निःशस्त्रीकरण और विकास हेतु इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार (2008)–वर्ष 2008 का शांति, निःशस्त्रीकरण एवं विकास हेतु इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार (Indira Gandhi Prize for Peace, Disarmament and Development—2008) अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के महानिदेशक मोहम्मद अलबरदेई को 30 सितम्बर, 2009 को राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने नई दिल्ली में प्रदान किया. इस पुरस्कार के तहत् 25 लाख रुपए की राशि प्रदान की जाती है.

अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के महानिदेशक मोहम्मद अलबरदेई को शांति, निःशस्त्रीकरण और विकास के लिए 2008 का इंदिरा गांधी पुरस्कार देतीं राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल

अलबरदेई को यह पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा नवम्बर 2008 में की गई थी.

वर्ष 2006 का यह पुरस्कार कीनिया की पर्यावरणवादी वंगारी मथाई को तथा 2007 का पुरस्कार बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को दिया गया था. फाउंडेशन के लिए 2007 का यह पुरस्कार माइक्रोसॉफ्ट के सहसंस्थापक बिल गेट्स ने 25 जुलाई, 2009 को ही प्राप्त किया था.

गणित के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु 'सास्त्रा' रामानुजन पुरस्कार (2009)–गणित के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2009 का 'सास्त्रा' रामानुजन पुरस्कार जर्मनी के कोलोन (Cologne) विश्वविद्यालय की प्रो. कैथरीन ब्रिंगमैन (Kathrin Bringmann) को दिया जाएगा. 10 हजार डॉलर का यह पुरस्कार उन्हें 22 दिसम्बर, 2009 को, रामानुजन के जन्म दिवस पर तमिलनाडु में कुम्भकोणम (रामानुजन का गृह नगर) में गणित की एक अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्स में प्रदान किया जाएगा.

जाने-माने गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन (1887–1920) जिन्होंने 32 वर्ष के अपने संक्षिप्त जीवन में ही महान् उपलब्धियाँ प्राप्त कर ली थीं, की स्मृति में सास्त्रा (SASTRA) विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित यह पुरस्कार 32 वर्ष की आयु तक के गणितज्ञों को ही दिया जाता है.

त्यागपत्र/पदच्युति
(Resignation/Dismissal)

समुद्री तूफान 'मोराकोट' से निपटने में विफलता के चलते ताइवान के प्रधानमंत्री लियु चाओ-शियुआन का त्यागपत्र–अगस्त 2009 में ताइवान के तटीय इलाकों

R.A.S. में द्वितीय स्थान 'पतंजलि' संस्थान के बारे में श्रीमती चंचल वर्मा के विचार

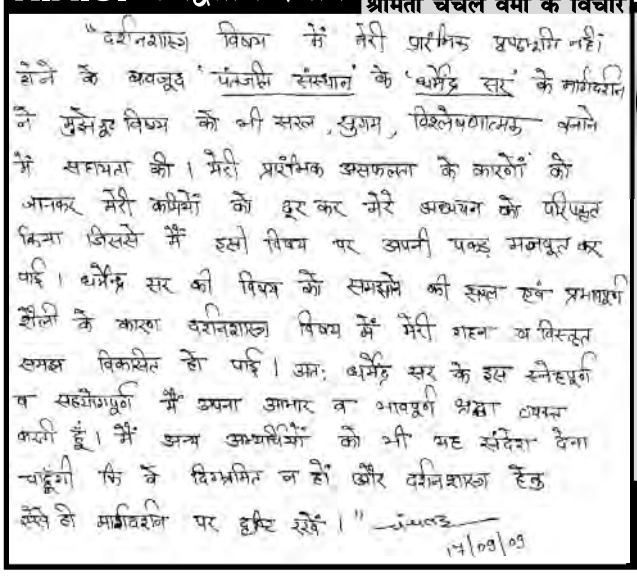
"दर्शनशास्त्र विषय में मेरी प्रारंभिक प्रवृत्ति नहीं होने के बावजूद 'पतंजलि संस्थान' के 'धर्मेंद्र सर' के मार्गदर्शन ने मुझे इस विषय को भी सरल, सुगम, विश्लेषणात्मक बनाने में सक्षम की। मेरी प्रारंभिक असफलता के कारणों को जानकर मेरी कमियों को दूर कर मेरे अध्ययन को परिष्कृत किया जिससे मैं इसी विषय पर अपनी पकड़ मजबूत कर पाई। धर्मेंद्र सर की विषय को समझने की सरल एवं प्रभावपूर्ण शैली के कारण दर्शनशास्त्र विषय में मेरी गहन व विस्तृत समझ विकसित हो पाई। अतः धर्मेंद्र सर के इस स्नेहपूर्ण व सहयोगपूर्ण मैं अपना आभार व भावपूर्ण श्रद्धा व्यक्त करती हूँ। मैं अन्य अभ्यर्थियों को भी यह संदेश देना चाहूँगी कि वे दिग्भ्रमित न हों और दर्शनशास्त्र हेतु ऐसे ही मार्गदर्शन पर दृष्टि रखें।" 14/09/09

IAS/PCS दर्शनशास्त्र की तैयारी हेतु समर्पित भारत का विशेषज्ञ संस्थान

- भारतवर्ष
- हिन्दी माध्यम
- एक विषय
- एक संस्थान
- सर्वाधिक चयन

इस वर्ष दर्शनशास्त्र के साथ सिविल सेवा में टॉप-100 में स्थान पाने वाले सभी अभ्यर्थी (3rd, 14th, 20th, 33th, 58th, 66th, 81st) 'पतंजलि' संस्थान से संबंधित हैं।

मुख्य परीक्षा कार्यक्रम (नया सत्र)

दर्शनशास्त्र

परिचर्चा के साथ कक्षा प्रारम्भ **5 नवम्बर** समय 8:30 प्रातः

नामांकन प्रारम्भ : 16 अक्टूबर

PATANJALI

2580, Hudson Line, Kingsway Camp, Delhi-9 | Ph : 011-32966281, 9810172345

में भारी तबाही मचाने वाले समुद्री तूफान मोराकोट (Morakot) से निपटने में लापरवाही बरतने के आरोपों के पश्चात् ताइवान के प्रधानमंत्री लियु चाओ-शियुआन (Liu Chao-Shiuan) ने अपने इस पद से 7 सितम्बर, 2009 को त्यागपत्र दे दिया. विगत पाँच दशकों में ताइवान में आए इस सबसे भीषण तूफान 'मोराकोट' ने 600 से अधिक लोगों को मौत के मुँह में पहुँचा दिया था.

सत्तारूढ़ पार्टी के महासचिव वू डेन-यिह (Wu Den-Yih) को वहाँ नया प्रधानमंत्री बनाया गया है.

निधन
(Death)

नॉरमन बोरलॉग—हरित क्रान्ति के जनक अमरीकी कृषि वैज्ञानिक नॉरमन बोरलॉग (Norman Borlaug) का 12 सितम्बर, 2009 को अमरीका में डल्लास (Dallas) में निधन हो गया. वह 95 वर्ष के थे. बोरलॉग ने अधिक उपज देने वाले ऐसे बीजों को विकसित किया था, जिनसे उत्पादन बढ़ाकर लेटिन अमरीका व एशिया में खाद्यान्न की कमी को दूर किया जा सका था. उनके इस योगदान के लिए 1970 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था. भारत सरकार ने भी उन्हें देश का दूसरा बड़ा नागरिक सम्मान पद्म विभूषण 2006 में देकर सम्मानित किया था. 1977 में प्रेजीडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम व 2006 में कांग्रेसनल गोल्ड मेडल उन्हें प्रदान किया गया था. खाद्य एवं कृषि संगठन का विश्व खाद्य पुरस्कार उनके नाम पर स्थापित किया गया था.

नॉरमन बोरलॉग

नॉरमन बोरलॉग के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए भारतीय प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने कहा कि उनकी हरित क्रांति तकनीक ने भारत को अनाज के गम्भीर संकट से उबारने और अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर होने में मदद की थी. प्रधानमंत्री ने कहा कि 1960 के दशक में जब भारत अनाज के गम्भीर संकट से जूझ रहा था, बोरलॉग द्वारा विकसित अधिक पैदावार वाली फसलों ने कृषि में क्रांति ला दी जिससे भारत अनाज के मामले में आत्मनिर्भर हो सका था.

हरचरण सिंह बरार—पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री तथा हरियाणा व उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल हरचरण सिंह बरार का 86 वर्ष की आयु में पंजाब में मुक्तेसर जिले में 6 सितम्बर, 2009 को निधन हो गया.

राजसिंह डूंगरपुर—भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के पूर्व अध्यक्ष राजसिंह डूंगरपुर का 12 सितम्बर, 2009 को मुम्बई में निधन हो गया. वह 73 वर्ष के थे तथा वह अविवाहित थे. 19 दिसम्बर, 1935 को जन्मे राजसिंह डूंगरपुर (राजस्थान) के राजा महारावल लक्ष्मण सिंह के सबसे छोटे पुत्र थे. अपने मित्रों में 'राजभाई' के नाम से प्रसिद्ध राजसिंह अलझाइमर से पीड़ित थे. वह 1990 के दशक में तीन वर्ष तक बीसीसीआई के अध्यक्ष रहे थे.

राजसिंह डूंगरपुर

चर्चित व्यक्ति
(Persons in the News)

लार्स लोक्के रासमुसेन—डेन्मार्क के प्रधानमंत्री लार्स लोक्के रासमुसेन (Lars Lokke Rasmussen) ने सितम्बर 2009 के पूर्वार्द्ध में भारत की यात्रा की. प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार सँभालने के दो सप्ताह के भीतर की गई.

डेन्मार्क के प्रधानमंत्री रासमुसेन नई दिल्ली में भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ

उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भारत एवं डेन्मार्क के द्विपक्षीय सम्बन्धों में सुदृढ़ता लाना था. राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत के पश्चात् भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के साथ उनकी वार्ता हैदराबाद हाउस (नई दिल्ली) में 11 सितम्बर को हुई.

बिंदेश्वर पाठक—सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक बिंदेश्वर पाठक को अमरीकी पत्रिका टाइम ने वर्ष 2009 के पर्यावरण नायकों (Heroes of Environment 2009) की सूची में स्थान दिया है. विश्वभर के चुनींदा 31 व्यक्तियों की इस सूची में नेताओं, कार्यकर्ताओं, वैज्ञानिकों, नवप्रवर्तकों तथा उद्यमियों को शामिल किया गया है. श्री पाठक को 'वैज्ञानिकों एव नवप्रवर्तकों' में पत्रिका ने यह स्थान प्रदान किया है.

बिंदेश्वर पाठक

सुमन शर्मा—देहरादून स्थित इंडियन मिलिट्री एकेडमी की फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर सुमन शर्मा ने अगस्त 2009 में रूस में मॉस्को से लगभग 40 किमी दूर जुकोव्सकी (Zhukovsky) में सम्पन्न एक एयर शो में लड़ाकू विमान सुखोई 30 एमकेआई उड़ाकर इतिहास रचा. सुखोई विमान उड़ाने वाली वह विश्व की पहली महिला बनी हैं. सुमन ने इससे पूर्व फरवरी 2009 में बंगलौर में एयरो इंडिया शो में अमरीकी लड़ाकू विमान एफ-16 व रूसी मिग-35 विमान भी उड़ाए थे.

चर्चित स्थान
(Place in the News)

पिट्सबर्ग—वैश्विक वित्तीय संकट से निपटने के लिए वाशिंगटन व लंदन शिखर सम्मेलनों में किए गए फैसलों के प्रभावों की समीक्षा करने तथा आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए आगे की व्यूह रचना पर विचार के लिए जी-20 का शिखर सम्मेलन संयुक्त राज्य अमरीका में पिट्सबर्ग में 24-25 सितम्बर, 2009 को हुआ. इसे भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भी सम्बोधित किया.

वर्ष/दिवस/सप्ताह
(Year/Days/Week)

1–7 सितम्बर—राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

5 सितम्बर—शिक्षक दिवस

(पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस)

8 सितम्बर—अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

14 सितम्बर—हिन्दी दिवस

15 सितम्बर—अभियन्ता दिवस

15 सितम्बर—संचयिका दिवस

16 सितम्बर—ओजोन परत संरक्षण दिवस

26 सितम्बर—सीएसआईआर का स्थापना दिवस

26 सितम्बर—प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जन्म दिवस

27 सितम्बर—विश्व पर्यटन दिवस

(इस वर्ष पर्यटन दिवस का थीम था—विविधता में आनंद (सेलिब्रेटिंग डाइवर्सिटी))

27 सितम्बर (सितम्बर का अंतिम रविवार)—विश्व हृदय दिवस

(वर्ष 2009 में हृदय दिवस का थीम था—Work with Heart)

29 सितम्बर—पम्पकिन (कद्दू) दिवस

पुस्तकें
(Books)

द लिटिल स्ट्रेंजर (The Little Stranger) – साराहा वाटर्स

द लॉस्ट सिम्बल (The Lost Symbol) – डान ब्राउन

(डान ब्राउन की इससे पिछली पुस्तक The Da Vinci Code अत्यधिक विवादित हो गई थी)

इंडिया एण्ड ग्लोबल क्राइसिस (India and Global Crisis) – शंकर आचार्य

द सुडोकु ऑफ इंडियाज़ ग्रोथ (The Sudoku of India's Growth)

–अरविंद विरमानी

गुजरात उच्च न्यायालय ने जसवंत सिंह की पुस्तक से प्रतिबन्ध हटाया

गुजरात उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार की 19 अगस्त, 2009 की उस अधिसूचना को गत 4 सितम्बर को रद्द कर दिया, जिसके तहत् पूर्व भाजपा नेता जसवंत सिंह की विवादित पुस्तक 'जिन्नाह : इंडिया पार्टीशन-इंडिपेंडेंस' को राज्य में प्रतिबन्धित किया गया था. उच्च न्यायालय ने कहा कि जिस कानून के तहत् अधिकारियों ने यह अधिसूचना जारी की थी, उस कानून के प्रावधानों की आवश्यकताओं को इसे जारी करते समय पूरा नहीं किया गया था.

समिति/आयोग
(Committee/Commission)

13वें वित्त आयोग के कार्यकाल में वृद्धि

केन्द्र सरकार ने विजय केलकर की अध्यक्षता वाले 13वें वित्त आयोग के कार्यकाल में 3 माह की वृद्धि सितम्बर 2009 में की है. नवम्बर 2007 में गठित इस आयोग का कार्यकाल 31 अक्टूबर, 2009 तक था, जिसे बढ़ाकर अब 31 जनवरी, 2010 किया गया है. 13वें वित्त आयोग की सिफारिशें 1 अप्रैल, 2010 से 31 मार्च, 2015 तक की अवधि के लिए होंगी.

सम्मेलन
(Conferences)

आठवाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन जनवरी 2010 में नई दिल्ली में–आठवाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 7–9 जनवरी, 2010 को नई दिल्ली में होगा. प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह इसका उद्घाटन 8 जनवरी को करेंगे. 9 जनवरी को समापन समारोह को राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल सम्बोधित करेंगी. विदेशों में विशिष्ट पहचान बनाने वाले भारतीय मूल की चुनींदा हस्तियों को प्रवासी भारतीय दिवस सम्मान राष्ट्रपति द्वारा समापन समारोह में प्रदान किया जाएगा.

डब्ल्यूटीओ का मिनी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन–विश्व व्यापार संगठन (WTO) की दोहा दौर की वार्ता में जुलाई 2008 से आए गतिरोध को दूर करने के लिए संगठन के प्रमुख सदस्यों के व्यापार मंत्रियों का सम्मेलन 3-4 सितम्बर, 2009 को नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ. अमरीका, चीन, ब्राजील व यूरोपीय संघ सहित 35 देशों के व्यापार मंत्रियों ने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री आनंद शर्मा की मेजबानी में आयोजित इस सम्मेलन में भाग लिया. डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक पास्कल लामी भी इस सम्मेलन में उपस्थित रहे. **इस सम्मेलन में हुई सहमति के चलते ही 14 माह से अवरुद्ध दोहा दौर की वार्ता बाद में 14 सितम्बर, 2009 से जेनेवा में पुनः शुरू हो सकी.**

अन्तर्राष्ट्रीय जनसंख्या सम्मेलन–26वाँ अन्तर्राष्ट्रीय जनसंख्या सम्मेलन मोरक्को के मराकेश शहर में 27 सितम्बर–2 अक्टूबर, 2009 को सम्पन्न हुआ.

दुर्घटनाएं
(Accidents)

वायु सेना का मिग विमान दुर्घटनाग्रस्त–भारतीय एवं वायु सेना का एक मिग-21 विमान 10 सितम्बर 2009 को पंजाब में भटिंडा के निकट दुर्घटनाग्रस्त हुआ. इस दुर्घटना में विमान चालक की भी मृत्यु हुई. यह विमान दुर्घटना इस वर्ष की मिग विमानों की चौथी दुर्घटना थी.

केतसाना तूफान से फिलीपींस के तटीय क्षेत्रों में हजारों बेघर–फिलीपींस की राजधानी मनीला व निकटवर्ती तटीय क्षेत्र 25 सितम्बर, 2009 को केतसाना (Ketsana) तूफान की चपेट में रहे. तूफानी हवाओं के साथ भारी वर्षा से बाढ़ जैसी स्थिति प्रभावित क्षेत्रों में बन गई, जिसमें 200 से अधिक लोग मारे गए तथा हजारों बेघर हो गए. तूफान से सर्वाधिक क्षति मनीला के पूर्व में स्थित रिजल प्रांत में हुई.

अन्तरिक्ष
(Space)

शनि पर चल रही आँधी, सौरमण्डल में सबसे लम्बे समय तक चली आँधी–सौरमण्डल का विशाल ग्रह शनि (Saturn) एक

शेष पृष्ठ 790 पर

राजीव रंजन सिंह
के
योग्य, अनुभवी एवं व्यक्तिगत मार्गदर्शन में
लोक प्रशासन
एवं
सामान्य अध्ययन
(विशेषज्ञों के समूह द्वारा)
विषय-वस्तु की वास्तविक समझ
एवं
सटीक प्रश्नोत्तर लिखने की कला
विकसित करने हेतु एकमात्र संस्थान

We don't merely lecture or dictate but 'truly teach'

INTERFACE IAS ACADEMY
2244, Hudson Lane, G.T.B. Nagar (Kingsway Camp), Delhi-9
Ph. 27247894, 27121867, M. 9711604497, 9013000264, 9313127608

आगामी सत्र
मुख्य / प्रारंभिक सह मुख्य (2010-11)

सत्र प्रारम्भ
7 नवंबर, 2009

नामांकन प्रारंभ : 20 अक्टूबर, 2009

समय सारणी
लोक प्रशासन : 11.30 am से 2 pm
सामान्य अध्ययन : 2.15 pm से 4.45 pm

पत्राचार कार्यक्रम भी उपलब्ध

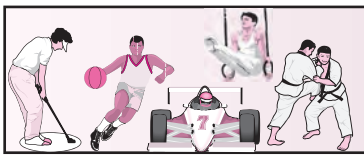

खेलकूद

एथलेटिक्स

विश्व एथलेटिक्स फाइनल–वर्ष 2009 की अन्तिम बड़ी एथलेटिक मीट-विश्व एथलेटिक्स फाइनल (World Athletics Final) सितम्बर 2009 में यूनान में थेसालोनिकी (Thessaloniki) में 13-14 सितम्बर, 2009 को सम्पन्न हुई. विश्व के सबसे तेज धावक उसेन बोल्ट ने इस मीट की 100 मी स्पर्द्धा में भाग नहीं लिया. 200 मी में स्वर्ण पदक जमैका के उसेन बोल्ट (19·68 सेकण्ड) ने जीता. पुरुषों की 100 मी दौड़ अमरीका के टायसन गे (9·88 सेकण्ड) व महिलाओं की यह दौड़ अमरीका की ही कार्मेलिटा जेटर (Carmelita Jeter, 10·67 सेकण्ड) ने जीती. महिलाओं की 400 मी दौड़ में अमरीका की सान्या रिचर्ड्स (49·95 सेकण्ड) विजेता रहीं, जबकि पोल वाल्ट खिताब रूस की येलेना इसिनबायेवा ने जीता.

बर्लिन मैराथन में नया विश्व रिकॉर्ड बनाने से चूके गैब्रेसिलासी–मैराथन दौड़ में विश्व रिकॉर्डधारी हैले गैब्रेसिलासी (इथोपिया) 20 सितम्बर, 2009 को बर्लिन मैराथन दौड़ में विजेता रहे. 36 वर्षीय गैब्रेसिलासी ने यह दौड़ 2 घण्टे, 6 मिनट, 8 सेकण्ड में पूरी की.

हैले गैब्रेसिलासी

2008 में 2 घण्टे 3 मिनट 59 सेकण्ड में 42·195 किमी की यह दौड़ पूरी करके नया विश्व रिकॉर्ड गैब्रेसिलासी ने बनाया था. 20 सितम्बर, 2009 की इस वर्ष की दौड़ में कीनिया के फ्रांसिस किपरोप 2 घण्टे 7 मिनट और 4 सेकण्ड के साथ दूसरे तथा इथोपिया के नेगारी तेरफा 2 घण्टे 7 मिनट और 41 सेकण्ड के साथ तीसरे स्थान पर रहे. महिलाओं का खिताब इथोपिया की एसेदे हब्तामू बेसुये ने 2 घण्टे 24 मिनट और 47 सेकण्ड में दौड़ पूरी करके जीता.

इसिनबायेवा का पोल वाल्ट में पुनः नया विश्व रिकॉर्ड–रिकॉर्डों की रानी येलेना

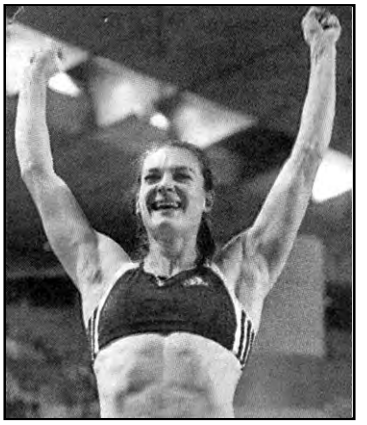

येलेना इसिनबायेवा

इसिनबायेवा ने पोल वाल्ट में नई ऊँचाइयाँ छूने का क्रम जारी रखते हुए 20 सितम्बर, 2009 को शंघाई गोल्डन ग्रां. प्री. में एक बार पुनः नया विश्व रिकॉर्ड बनाया. महिला पोल वाल्ट में 5·07 मीटर की ऊँचाई नापकर उन्होंने यह नया रिकॉर्ड बनाया. इससे पहले का रिकॉर्ड उन्हीं के नाम पर 5·06 मीटर का था, जो उन्होंने अगस्त 2009 में ज्यूरिख में गोल्डन लीग में बनाया था.

मुक्केबाजी

विश्व मुक्केबाजी में विजेंदर सिंह को कांस्य पदक–सितम्बर 2009 में इटली में मिलान में विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में भारत के ओलम्पिक कांस्य पदक विजेता विजेंदर सिंह मिडिलवेट वर्ग में कांस्य पदक जीतने में सफल रहे. **विश्व चैम्पियनशिप में कोई पदक** जीतने वाले वह पहले भारतीय मुक्केबाज हैं.

विजेंदर का परसेप्ट के साथ अनुबंध–भारत के ओलम्पिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह अब मुम्बई की एक खेल प्रबन्धन कम्पनी परसेप्ट डी मार्क के ब्रांड एम्बेसडर हो गए हैं. परसेप्ट के साथ 5 करोड़ रुपए का यह अनुबन्ध उन्होंने सितम्बर 2009 में किया है. उधर, एक अन्य खेल प्रबन्धन कम्पनी इन्फिनिटी ऑप्टिमल सर्विसेज (IOS) ने यह दावा किया है कि विजेन्दर ने उसके साथ 10 वर्ष का अनुबन्ध 2005 में ही किया हुआ है. **आईओएस के इस दावे से तीनों पक्षों के मध्य विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है.**

विजेंदर सिंह का मुक्केबाजों की विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान

बीजिंग ओलम्पिक के बाद सितम्बर 2009 में इटली में मिलान में विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले भारतीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह अब मिडिलवेट वर्ग (75 किग्रा) में विश्व के नम्बर एक मुक्केबाज सितम्बर 2009 में हो गए हैं. 23 वर्षीय विजेंदर का अन्तर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (AIBA) की विश्व रैंकिंग में मिडिलवेट (75 किग्रा) वर्ग में अगस्त 2009 में दूसरा स्थान था, जो सितम्बर 2009 के अन्त में एक हो गया है. ***मुक्केबाजी में किसी भी वर्ग में शीर्ष रैंकिंग प्राप्त करने वाले वह भारत के पहले मुक्केबाज हैं.***

विजेंदर सिंह

बिलियर्ड एवं स्नूकर

पंकज आडवाणी का विश्व पेशेवर बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप में खिताब–भारत के पंकज आडवाणी ने 6 सितम्बर, 2009 को इंगलैण्ड में लीड्स में विश्व पेशेवर बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप का खिताब जीता. 9 बार के विश्व चैम्पियन माइक रसेल को फाइनल में हराकर आडवाणी ने इस टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर किया. पूर्व वर्षों में विश्व एमेच्योर बिलियर्ड्स एवं स्नूकर खिताब के विजेता पंकज आडवाणी यह खिताब जीतने वाले गीत सेठी के बाद दूसरे भारतीय हैं. गीत सेठी ने 1992 में पहली बार यह खिताब जीता था.

पंकज आडवाणी

24 वर्षीय पंकज आडवाणी की उपर्युक्त उपलब्धि पर उन्हें बधाई देने वालों में राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह भी शामिल थे.

बिलियर्ड्स व स्नूकर में विशिष्ट उपलब्धियों के चलते पंकज आडवाणी को 2004 में अर्जुन पुरस्कार से, 2006 में राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार से तथा 2009 में पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है.

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप–सितम्बर 2009 में आगरा में सम्पन्न 76वीं राष्ट्रीय बिलियर्ड्स

चैम्पियनशिप का खिताब विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियन पंकज आडवाणी ने जीता. अपने इस चौथे (लगातार तीसरे) राष्ट्रीय खिताब के लिए पूर्व विश्व चैम्पियन गीत सेठी को फाइनल में आडवाणी ने पराजित किया.

क्रिकेट

भारत-श्रीलंका-न्यूजीलैण्ड त्रिकोणीय शृंखला (कॉम्पैक कप)—श्रीलंका में सितम्बर 2009 में खेली गई एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट की यह त्रिकोणीय शृंखला श्रीलंका को फाइनल में 46 रनों से हराकर भारत ने जीती. 14 सितम्बर को खेले गए फाइनल में शतकीय पारी खेलने वाले सचिन तेंदुलकर को 'मैन ऑफ द मैच' के साथ-साथ 'मैन ऑफ द सीरिज' का पुरस्कार भी दिया गया.

कॉम्पैक कप त्रिकोणीय शृंखला में भारत की यह खिताबी विजय 1998 के बाद श्रीलंका में भारत की कोई शृंखला विजय है.

एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर का 44वाँ शतक—भारत के स्टार बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपना 44वाँ शतक 14 सितम्बर, 2009 को कोलम्बो में श्रीलंका के विरुद्ध प्रेमदासा स्टेडियम पर खेलते हुए बनाया. कॉम्पैक कप के फाइनल मैच में 133 गेंदों पर 10 चौकों व 1 छक्के सहित कुल 138 रन की पारी सचिन ने खेली. इससे अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शतकों की कुल संख्या 86 (42 टेस्ट शतकों सहित) हो गई है.

सचिन तेंदुलकर : एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 44 शतक

एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में आशीष नेहरा का सौवाँ विकेट—भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपने विकेटों की कुल संख्या सौ से अधिक कर ली है. ऐसे मैचों में अपना सौवाँ विकेट नेहरा ने 11 सितम्बर, 2009 को कोलम्बो में न्यूजीलैण्ड के ब्रैंडन मैककुलम का लिया. एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 या अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के 13वें गेंदबाज हैं. इन सभी गेंदबाजों की सूची निम्नलिखित है—

100 या अधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

(11 सितम्बर, 2009 की स्थिति)

गेंदबाज	मैच	विकेट
अनिल कुम्बले	269	334
जवागल श्रीनाथ	229	315
अजित अगरकर	191	288
कपिल देव	225	253
जहीर खान	156	212
हरभजन सिंह	188	206
वेंकटेश प्रसाद	161	196
मनोज प्रभाकर	130	157
सचिन तेंदुलकर	426	154
इरफान पठान	107	152
रवि शास्त्री	150	129
सौरव गांगुली	308	100
आशीष नेहरा	77	100

ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी हैट्रिक—न्यूजीलैण्ड के जैकब ओरम ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में हैट्रिक

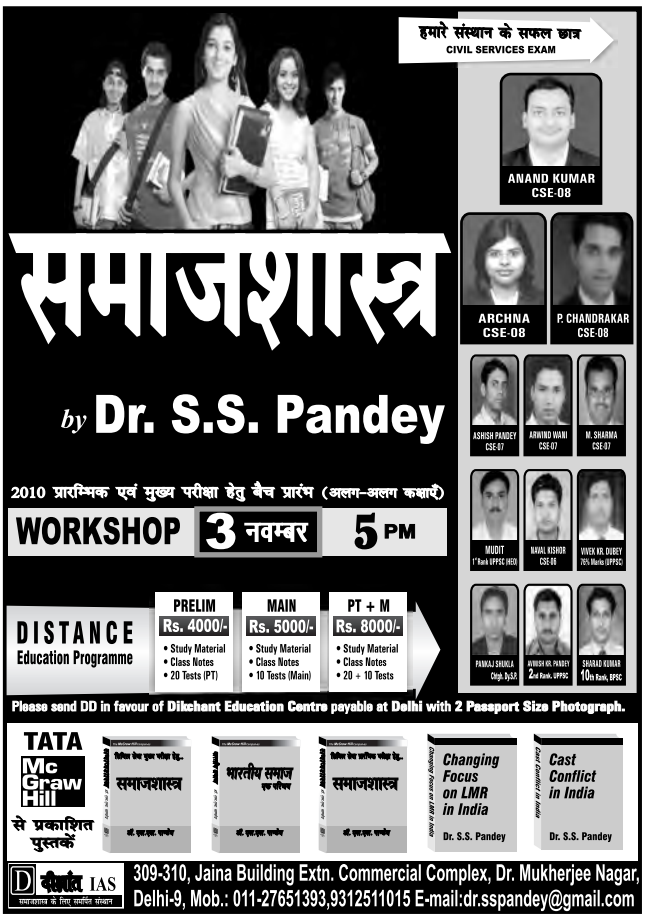

बनाने वाले दूसरे गेंदबाज बने हैं. ओरम ने 2 सितम्बर, 2009 को कोलम्बो में श्रीलंका के विरुद्ध ट्वेंटी-20 मैच में लगातार तीन गेंदों पर तीन खिलाड़ियों (एंजेलो मैथ्यूज, नुवान कुलसेकरा व मलिंगा बंडारा) को आउट कर यह उपलब्धि प्राप्त की.

ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहली हैट्रिक आस्ट्रेलिया के ब्रेट ली ने 16 सितम्बर, 2007 को द. अफ्रीका में केपटाउन में विश्व कप के एक मैच में बांग्लादेश के तीन खिलाड़ियों (सकीबुल हसन, मुशर्रफ मुर्तजा व आलोक कपाली) को लगातार तीन गेंदों पर आउट कर बनाई थी.

उल्लेखनीय है कि टेस्ट क्रिकेट में 37 व एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 25 हैट्रिक्स सितम्बर 2009 के अन्त तक बनी थी.

एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट आईसीसी रैंकिंग में एक दिन शीर्ष पर रहा भारत—भारत को एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट की आईसीसी की विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर रहने का श्रेय अन्ततः मिल ही गया, किन्तु इस स्थान पर वह केवल एक दिन ही रह सका. 11 सितम्बर, 2009 को कोलम्बो में त्रिकोणीय क्रिकेट शृंखला में न्यूजीलैण्ड के विरुद्ध विजय के बाद भारत ने द. अफ्रीका को अपदस्थ कर विश्व रैंकिंग में पहला स्थान प्राप्त कर लिया था. 2002 में वन डे क्रिकेट में विश्व रैंकिंग की व्यवस्था शुरू होने के बाद यह पहला ही अवसर था, जब भारत को शीर्ष स्थान इसमें प्राप्त हुआ था, किन्तु अगले ही दिन 12 सितम्बर को श्रीलंका से पराजय के बाद भारत की यह रैंकिंग 3 हो गई. इस प्रकार भारत को शिखर पर रहने का अवसर केवल एक दिन ही प्राप्त रहा. **रैंकिंग की इस स्थिति में तेजी के साथ फेरबदल बाद में होता रहा है.**

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) का पहला कॉर्पोरेट ट्रॉफी

कॉर्पोरेट ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेन्ट सितम्बर 2009 में विभिन्न शहरों में आयोजित किया गया. 8 सितम्बर को एयर इण्डिया रेड ने बंगलौर में एयर इण्डिया ब्ल्यू को फाइनल में 93 रनों से हराकर यह टूर्नामेन्ट जीता. इस टूर्नामेन्ट में एयर इण्डिया रेड की टीम के कप्तान युवराज सिंह व एयर इण्डिया ब्ल्यू के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी थे. एकदिवसीय क्रिकेट में बीसीसीआई के इस पहले सहारा कॉर्पोरेट ट्रॉफी टूर्नामेन्ट के फाइनल में स्थान बनाने के लिए एयर इण्डिया रैड ने ओएनजीसी को बंगलौर में तथा एयर इण्डिया ब्ल्यू ने टाटा स्पोर्ट्स क्लब को मोहाली में सेमीफाइनल मैचों में पराजित किया था.

दसवाँ एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट जून 2010 में—क्रिकेट का आगामी (10वाँ) एशिया कप 15–25 जून, 2010 को आयोजित किया जाएगा. एशियाई क्रिकेट परिषद् (ACC) ने यह घोषणा 11 सितम्बर, 2009 को की है. टूर्नामेंट के आयोजन स्थल की घोषणा अभी नहीं की गई है. **इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका व बांग्लादेश की टीमें भाग लेंगी तथा कुल 7 मैच इसमें खेले जाएंगे.**

इससे पूर्व नौवें एशिया कप का आयोजन जून-जुलाई 2008 में पाकिस्तान में हुआ था. भारत को फाइनल में हराकर श्रीलंका ने यह टूर्नामेंट जीता था.

नरेन्द्र मोदी गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष—शरद पवार व अरुण जेटली के बाद अब गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अब क्रिकेट प्रशासन में प्रवेश कर गए हैं. 15 सितम्बर, 2009 को अहमदाबाद में सम्पन्न चुनाव में उन्हें गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (GCA) का अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया है. गुजरात के गृह मंत्री अमित शाह एसोसिएशन के उपाध्यक्ष चुने गए हैं.

पाकिस्तान ने विश्व कप के आयोजक का दर्जा छोड़ा—पाकिस्तान अब विश्व कप-2011 के आयोजक राष्ट्रों में शामिल नहीं है. एकदिवसीय क्रिकेट के इस विश्व कप का आयोजन अब केवल भारत, श्रीलंका व बांग्लादेश ही करेंगे. अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) व पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड (PCB) के बीच गत अगस्त माह में हुई एक सहमति के तहत् मैचों का आयोजन न करने के बावजूद आयोजन शुल्क के साथ ही समुचित मुआवजा उसे आईसीसी द्वारा दिया जाएगा, किन्तु टूर्नामेन्ट के आयोजन का कोई दायित्व उस पर नहीं होगा. **इस टूर्नामेन्ट के दौरान खेले जाने वाले कुल 49 मैचों में से 29 मैच अब भारत में खेले जाएंगे, जबकि 12 मैच श्रीलंका में व 8 मैच बांग्लादेश में होंगे.**

आस्ट्रेलिया-इंगलैण्ड शृंखला—इंगलैण्ड के दौरे पर रिकी पोंटिंग के नेतृत्व वाली आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने सात एक-दिवसीय मैचों की शृंखला सितम्बर 2009 में खेली. इस शृंखला का अन्तिम मैच ही इंगलैण्ड की टीम जीत सकी. पहले छह मैचों में विजय के चलते आस्ट्रेलिया ने यह शृंखला 6–1 से जीती.

फुटबाल

आईएफए शील्ड—12 सितम्बर, 2009 को कोलकाता में चर्चिल ब्रदर्स ने आईएफए शील्ड फुटबाल टूर्नामेन्ट मोहन बगान को फाइनल में 2–0 से हराकर जीता. चर्चिल ब्रदर्स का यह पहला ही आईएफए शील्ड खिताब है, जबकि मोहन बगान ने 22 बार इसे जीता था.

डूरंड कप—आईएफए शील्ड जीतने के 10 दिन बाद ही चर्चिल ब्रदर्स ने डूरंड कप में भी खिताबी विजय 22 सितम्बर, 2009 को हासिल की. चर्चिल ब्रदर्स ने यह टूर्नामेन्ट भी फाइनल में मोहन बगान को ही 3–1 से हराकर जीता. विजेता टीम के लिए तीनों ही गोल कप्तान ओकोली ओडाफे (Okolie Odafe) ने किए. ओडाफे की यह हैट्रिक इस टूर्नामेन्ट में एकमात्र हैट्रिक थी. यह तीनों ही गोल ओडाफे ने अतिरिक्त समय में 9 मिनट के अन्तराल में किए थे.

भारत का यह सबसे पुराना फुटबाल टूर्नामेन्ट चर्चिल ब्रदर्स ने दूसरी बार जीता है, जबकि मोहन बगान की टीम 16 बार इसकी विजेता रही है. चर्चिल ब्रदर्स ने पिछली बार 2007 में यह टूर्नामेन्ट जीता था.

हॉकी

यूरोपीय चैम्पियनशिप—नीदरलैण्ड्स में एम्सतलवीन में अगस्त 2009 में सम्पन्न यूरोपीय हॉकी चैम्पियनिशप में पुरुष व महिला वर्ष के खिताब क्रमशः इंगलैण्ड व नीदरलैण्ड्स ने जीते. पुरुषों के खिताब के लिए ओलम्पिक एवं विश्व चैम्पियन जर्मनी को फाइनल में 5–3 से इंगलैण्ड ने हराया, जबकि महिलाओं का खिताब नीदरलैण्ड्स ने फाइनल में जर्मनी को ही हराकर जीता.

टेनिस

अमरीकी ओपन-2009—वर्ष 2009 के अन्तिम ग्रांड स्लैम टूर्नामेन्ट अमरीकी ओपन

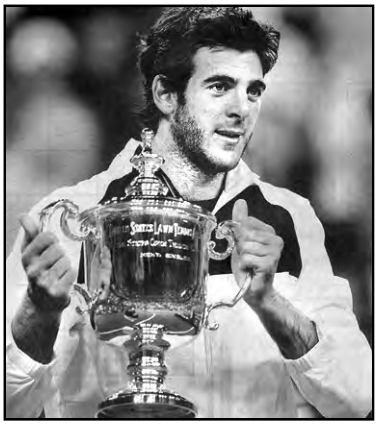

डेल पोत्रो पुरुष एकल ट्रॉफी के साथ

में पुरुषों व महिलाओं, दोनों ही वर्गों की एकल स्पर्द्धाओं के बड़े उलटफेर अन्तिम

मुकाबलों में हुए. दोनों ही वर्गों में धुरंधर व शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी निम्न वरीय खिलाड़ियों से पराजित हुए. **पुरुषों की एकल स्पर्द्धा** में अर्जेन्टीना के जुआन मार्टिन डेल पोत्रो (Juan Martin del Potro) ने रिकॉर्ड 15 ग्रांड स्लैम एकल खिताबों के विजेता विश्व के नम्बर एक खिलाड़ी रोजर फेडरर (स्विट्जरलैण्ड) को फाइनल में 3–6, 7–6, 4–6, 7–6, 6–2 से पराजित कर अपना पहला ही ग्रांड स्लैम एकल खिताब जीता. छठी वरीयता प्राप्त पोत्रो ने फाइनल में स्थान बनाने के लिए तीसरी वरीयता प्राप्त राफेल नडाल को पराजित किया था, जबकि विगत लगातार पाँच वर्षों में अमरीकी ओपन के विजेता रहे फेडरर ने सर्बिया के नोवाक जोकोविच को सेमीफाइनल में पराजित किया था.

महिलाओं की एकल स्पर्द्धा में फाइनल मुकाबला बेल्जियम की 'कम बैक क्वीन' किम क्लिस्टर्स (Kim Clijsters) व डेनमार्क की टीन एजर कैरोलिन वोजनियाकी (Caroline Wozniacki) के बीच था, जो क्रमशः सेरेना विलियम्स (अमरीका) व यानिना विकमेयर (बेल्जियम) को सेमी-फाइनल में हराकर फाइनल में पहुँची थी. 12 सितम्बर को खेले गए फाइनल मुकाबले में वोजनियाकी को 7–5, 6–3 से हराकर किम क्लिस्टर्स ने यह खिताब जीता. 'कम बैक क्वीन' क्लिस्टर्स का यह दूसरा ग्राण्ड

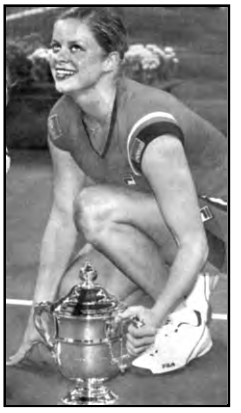

किम क्लिस्टर्स महिला एकल ट्रॉफी के साथ

स्लैम एकल खिताब है. इससे पूर्व 2005 में अमरीकी ओपन खिताब ही क्लिस्टर्स ने जीता था. **27 माह पूर्व टेनिस से संन्यास**

लिएंडर पेस व लुकास डलोही की जोड़ी ने जीता अमरीकी ओपन टेनिस–2009 का पुरुषों का युगल खिताब

न्यूयॉर्क में अमरीकी ओपन टेनिस–2009 का पुरुषों का युगल खिताब भारत के लिएंडर पेस व चैक गणराज्य के लुकास डलोही (Lukas Dlouhy) की जोड़ी ने जीता. 13 सितम्बर को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत के ही महेश भूपति व बहामास के मार्क नोल्स की जोड़ी को फाइनल में पेस-डलोही की जोड़ी ने पराजित किया. इस वर्ष अमरीकी ओपन में कारा ब्लैक के साथ जोड़ी बनाकर लिएंडर पेस मिश्रित युगल स्पर्द्धा में भी फाइनल में पहुँच गए थे जहाँ कार्ली गुलिकसन व ट्रेविस पेरोट की अमरीकी जोड़ी के समक्ष पराजय का मुँह उन्हें देखना पड़ा था.

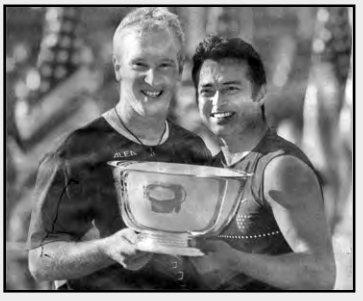

लिएंडर पेस अपने जोड़ीदार लुकास डलोही के साथ यूएस ओपन पुरुष डबल्स ट्रॉफी के साथ

अमरीकी ओपन–2009 में लिएंडर पेस-लुकास डलोही की जोड़ी का इस वर्ष का यह दूसरा ग्राण्ड स्लैम युगल खिताब है. इसी वर्ष जून 2009 में फ्रांसीसी ओपन टेनिस में भी पुरुषों का युगल खिताब इस जोड़ी ने जीता था. ग्राण्ड स्लैम टेनिस में लिएंडर पेस का यह 10वाँ युगल खिताब है. उनके इन 10 खिताबों में 6 पुरुष युगल व 4 मिश्रित युगल शामिल हैं. खिताबों की सूची निम्नलिखित है–

ग्राण्ड स्लैम टेनिस में लिएंडर पेस के युगल खिताब

वर्ष	टूर्नामेन्ट	स्पर्द्धा	जोड़ीदार
1999	विम्बलडन	पुरुष युगल	महेश भूपति
1999	विम्बलडन	मिश्रित युगल	लीजा रेमण्ड
1999	फ्रांसीसी ओपन	पुरुष युगल	महेश भूपति
2001	फ्रांसीसी ओपन	पुरुष युगल	महेश भूपति
2003	आस्ट्रेलियाई ओपन	मिश्रित युगल	मार्टिना नवरातिलोवा
2003	विम्बलडन	मिश्रित युगल	मार्टिना नवरातिलोवा
2006	अमरीकी ओपन	पुरुष युगल	मार्टिन डैम (चैक गणराज्य)
2008	अमरीकी ओपन	मिश्रित युगल	कारा ब्लैक (जिम्बाब्वे)
2009	फ्रांसीसी ओपन	पुरुष युगल	लुकास डलोही (चैक गणराज्य)
2009	अमरीकी ओपन	पुरुष युगल	लुकास डलोही (चैक गणराज्य)

ALL YOU NEED TO KNOW ABOUT IAS & HOW TO CRACK IT

FREE SEMINAR AT DELHI
SUN. 25th OCT. 2009
10 A.M. TO 12 P.M.
&
4.30 P.M. TO 6.30 P.M.

Weekend Batches Available

Batches Stat 29th Oct. 2009

FREE SEMINAR AT GUWAHATI
SUN. 11th OCT. 2009
10 A.M. TO 12 P.M.
&
3.30 P.M. TO 5.30 P.M.
AT
Bishnu Nirmala Bhawan, Near Latashil Playground Guwahati

Batches Start 19th Oct. 2009

SUBJECTS OFFERED
• G.S. • POL.SCIENCE
• LAW • HISTORY

NIRVANA IAS ACADEMY
www.nirvanaias.com
DELHI
262,Pocket H-17,Near Rohini West Metro Station (Opp. Metro Pillar No.424) Sec-7,Rohini,Delhi-85
Ph:011- 47032447,9999913510,9990471004
GUWAHATI
No.11,First Floor,Bhuban Road Uzan Bazaar, Guwahati-781001
Ph:9207044277, 9678002434 09990471004
info@nirvanaias.com

तथ्य एक दृष्टि में–

2009 की ग्रांड स्लैम स्पर्द्धाओं में विजेताओं एवं उपविजेताओं के नाम : एक दृष्टि में

स्पर्द्धा		आस्ट्रेलियाई ओपन (जनवरी 2009)	फ्रांसीसी ओपन (मई-जून 2009)	विम्बलडन (जून-जुलाई 2009)	अमरीकी ओपन (सितम्बर 2009)
पुरुष एकल	विजेता	राफेल नडाल (स्पेन)	रोजर फेडरर (स्विट्जरलैण्ड)	रोजर फेडरर (स्विट्जरलैण्ड)	जुआन मार्टिन डेल पोत्रो (अर्जेन्टीना)
	उपविजेता	रोजर फेडरर (स्विट्जरलैण्ड)	रॉबिन सोडलिंग (स्वीडन)	एंडी रॉडिक (अमरीका)	रोजर फेडरर (स्विट्जरलैण्ड)
महिला एकल	विजेता	सेरेना विलियम्स (अमरीका)	स्वेतलाना कुजनेत्सोवा (रूस)	सेरेना विलियम्स (अमरीका)	किम क्लिस्टर्स (बेल्जियम)
	उपविजेता	दिनारा सफीना (रूस)	दिनारा सफीना (रूस)	वीनस विलियम्स (अमरीका)	कैरोलिन वोजनियाकी (डेनमार्क)
पुरुष युगल	विजेता	ब्रायन बन्धु (बॉब एवं माइक ब्रायन, दोनों अमरीका)	लिएण्डर पेस (भारत) व लुकास डलोही (चैक गणराज्य)	डेनियल नेस्टर (कनाडा) व नेनाद जिमोनजिक (सर्बिया)	लिएंडर पेस (भारत) व लुकास डलोही (चैक गणराज्य)
	उपविजेता	महेश भूपति (भारत) व मार्क नोल्स (बहामास)	वेस्ले मूडी (द. अफ्रीका) व डिक नॉर्मन (बेल्जियम)	बॉब ब्रॉयन व माइक ब्रायन (दोनों अमरीका)	महेश भूपति (भारत) व मार्क नोल्स (बहामास)
महिला युगल	विजेता	विलियम्स बहनें (वीनस व सेरेना विलियम्स दोनों अमरीका)	अनाबेल मेडीना गैरीग्यूस एवं वर्जीनिया रुआनो पास्कल (दोनों स्पेन)	वीनस व सेरेना विलियम्स (दोनों अमरीका)	वीनस व सेरेना विलियम्स (दोनों अमरीका)
	उपविजेता	डेनियल हंतुचोवा (स्लोवाकिया) व अई सुगियामा (जापान)	विक्टोरिया अजारेंका (बेलारूस) व एलेना वेसनीना (रूस)	सामंथा स्टोसुर व रेने स्टब्स (दोनों आस्ट्रेलिया)	कारा ब्लैक (जिम्बाब्वे) व लिजेल ह्यूबर (अमरीका)
मिश्रित युगल	विजेता	महेश भूपति व सानिया मिर्जा (दोनों भारत)	लीजल ह्यूबर व बॉब ब्रायन (दोनों अमरीका)	मार्क नोल्स (बहामास) व अन्ना ग्रोएनफिल्ड (जर्मनी)	कार्ली गुलिकसन व ट्रेविस पेरोट (दोनों अमरीका)
	उपविजेता	एंडीराम (इजराइल) व नथाली डेची (फ्रांस)	वानिया किंग (अमरीका) व मार्सेलो मेलो (ब्राजील)	लिएंडर पेस (भारत) व कारा ब्लैक (जिम्बाब्वे)	लिएंडर पेस (भारत) व कारा ब्लैक (जिम्बाब्वे)

ले चुकीं क्लिस्टर्स ने पाँच सप्ताह पूर्व ही डब्ल्यूटीए सर्किट में वापसी की घोषणा की थी.

इस टूर्नामेन्ट का **महिलाओं का युगल** खिताब अमरीका की विलियम्स बहनों (वीनस व सेरेना) की जोड़ी ने तथा **पुरुषों का युगल** लिएंडर पेस (भारत) व लुकास डलोही (चैक गणराज्य) की जोड़ी ने जीता. महिला युगल खिताब के लिए जिम्बाब्वे की कारा ब्लैक व अमरीका की लिजेल ह्यूबर की जोड़ी को विलियम्स बहनों ने पराजित किया. भारत के लिएंडर पेस व जिम्बाब्वे की कारा ब्लैक की गत विजेता जोड़ी मिश्रित युगल स्पर्द्धा में इस वर्ष भी फाइनल तक पहुँचने में सफल रही जहाँ ट्रेविस पेरोट व कार्ली गुलिकसन की अमरीकी की जोड़ी के समक्ष फाइनल में पराजय का मुँह पेस-ब्लैक की जोड़ी को देखना पड़ा.

11 वर्ष बाद भारत का डेविस कप विश्व ग्रुप में प्रवेश–सितम्बर 2009 में जोहांसबर्ग (द. अफ्रीका) में डेविस कप विश्व ग्रुप के प्ले ऑफ दौर में मेजबान द. अफ्रीका को 4–1 से हराकर भारत ने 16 टीमों के विश्व ग्रुप में स्थान पाने में सफलता प्राप्त की. 11 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् भारत को विश्व ग्रुप में स्थान प्राप्त हुआ है. (इससे पूर्व 1998 में भारत विश्व ग्रुप में खेला था.)

प्ले ऑफ दौर में भारत के सोमदेव बर्मन व रोहन बोपन्ना अपने एकल मुकाबले जीतने में सफल रहे थे, किन्तु महेश भूपति के चोटिल होने के कारण भूपति-बोपन्ना की जोड़ी युगल मुकाबले में बीच में ही कोर्ट से हट गई थी. बाद में सोमदेव बर्मन व युकी भांबरी उलट एकल जीतने में सफल रहे, जिससे इस दौर में भारत की बढ़त 4–1 की रही. **टीम के गैर खिलाड़ी कप्तान एस. पी. मिश्रा हैं.**

विश्व ग्रुप में भारत का मुकाबला रूस के साथ होगा. इसके लिए मैच 5–7 मार्च, 2010 को रूस में खेले जाएंगे.

डेविस कप (2009) के लिए फाइनल मुकाबला चैक गणराज्य व स्पेन के मध्य होगा–इस वर्ष डेविस कप के लिए फाइनल मुकाबला चैक गणराज्य व स्पेन के बीच होगा. इस टूर्नामेन्ट के सेमीफाइनल मुकाबले सितम्बर 2009 में हुए. स्पेन में मुर्सिया (Murcia) में खेले गए एक सेमीफाइनल में इजराइल को 4–1 से हराकर स्पेन ने तथा क्रोएशिया में पोरेक (Porec) में दूसरे सेमीफाइनल में क्रोएशिया को 4–1 से हराकर चैक गणराज्य ने फाइनल में स्थान बनाया है. फाइनल मुकाबला 4–6 दिसम्बर, 2009 को स्पेन में होगा.

फार्मूला-1 रेस

इटैलियन ग्राण्ड प्रिक्स–सितम्बर 2009 के दौरान दो फार्मूला-1 रेसों का आयोजन क्रमशः मोंजा (इटली) व सिंगापुर में हुआ. 13 सितम्बर, 2009 को मोंजा में इटैलियन ग्राण्ड प्रिक्स फार्मूला–1 रेस ब्रॉन जीपी टीम के रूबेंस बारिकेलो ने जीती. इसी टीम के जेंसन बटन का दूसरा स्थान रहा. फोर्स इण्डिया के एड्रियन सुतिल इस रेस में चौथे स्थान पर रहे.

बाद में 27 सितम्बर को सिंगापुर ग्रांड प्रिक्स में मैक्लॉरेन के लुइस हैमिल्टन व टोयोटा के टिमो ग्लॉक क्रमशः विजेता व उपविजेता रहे.

बास्केटबाल

एशियाई महिला चैम्पियनशिप–चेन्नई में सितम्बर 2009 में सम्पन्न 23वीं फीबा (FIBA) एशियाई महिला बास्केटबाल चैम्पियनशिप का खिताब चीन ने फाइनल में कोरिया को हराकर जीता. टूर्नामेन्ट में तीसरा स्थान जापान का रहा.

शेष पृष्ठ 678 पर

रोजगार समाचार

ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स में प्रोबेशनरी अधिकारियों की 313 रिक्तियाँ

सार्वजनिक क्षेत्र के ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स में प्रोबेशनरी अधिकारियों के कुल 313 पदों पर भर्ती के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन-पत्र ऑन लाइन आमन्त्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तियों में से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षिक योग्यता–(क) विज्ञान स्नातकों के लिए कम-से-कम 60 प्रतिशत (अनु. जाति/जनजाति/शारीरिक विकलांग के मामले में 55 प्रतिशत) अंकों के साथ तथा अन्य स्ट्रीम के स्नातकों के लिए कम-से-कम 55 प्रतिशत (अनु. जाति/जनजाति/शारीरिक विकलांग के मामले में 50 प्रतिशत) अंकों के साथ स्नातक अथवा समकक्ष, (ख) वांछित कम्प्यूटर प्रवीणता के सम्बन्ध में प्रतिष्ठित संस्था से प्रमाण-पत्र.

आयु सीमा–1 अक्टूबर, 2009 को 21–30 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती हेतु आवेदन के लिए अभ्यर्थियों के लिए ऑन लाइन पंजीकरण की अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर, 2009 है. भर्ती के लिए ली जाने वाली परीक्षा में वस्तुनिष्ठ व वर्णनात्मक दोनों ही किस्म के प्रश्न-पत्र होंगे. 135 मिनट की वस्तुनिष्ठ परीक्षा में तर्कशक्ति, संख्यात्मक अभियोग्यता, सामान्य जागरूकता व अंग्रेजी भाषा की परीक्षा होगी. वर्णनात्मक परीक्षा केवल क्वालीफाइंग किस्म की होगी. इस परीक्षा में हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में उत्तर दिए जा सकेंगे. लिखित परीक्षा की सम्भावित तिथि 13 दिसम्बर, 2009 है.

इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए 26 सितम्बर–2 अक्टूबर 2009 का रोजगार समाचार देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित **बैंक पी.ओ. परीक्षा** से सम्बन्धित पुस्तकों का अध्ययन करें.

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (I), 2010

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जनवरी 2011 से प्रारम्भ होने वाले भारतीय सैनिक अकादमी, नौसेना अकादमी तथा वायुसेना अकादमी के कोर्सों तथा अप्रैल 2011 से प्रारम्भ होने वाले अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, चेन्नई कोर्स में भर्ती हेतु 14 फरवरी, 2010 को सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (I), 2010 आयोजित की जाएगी. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या भारतीय सैनिक अकादमी के लिए 250 (एन. सी. सी. 'सी' प्रमाण-पत्रधारक उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियाँ सम्मिलित हैं), नौसेना अकादमी के लिए 40 [एन. सी. सी. 'सी' (नौसेना स्कन्ध) प्रमाण-पत्रधारक उम्मीदवारों के लिए 6 रिक्तियाँ सम्मिलित हैं], वायुसेना अकादमी के लिए 32 तथा अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिए 175 तथा अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (महिला-गैर तकनीकी) के लिए 18 होगी.

पात्रता की शर्तें :

(क) **आयु सीमा, लिंग तथा वैवाहिक स्थिति :**

(1) **भारतीय सैनिक अकादमी के लिए**–केवल ऐसे अविवाहित पुरुष उम्मीदवार ही पात्र हैं, जिनका जन्म 2 जनवरी, 1987 से पहले तथा 1 जनवरी, 1992 के बाद न हुआ हो.

(2) **नौसेना अकादमी के लिए**–केवल ऐसे अविवाहित पुरुष उम्मीदवार ही पात्र हैं, जिनका जन्म 2 जनवरी, 1989 [एन. सी. सी. 'सी' (नौसेना स्कन्ध) प्रमाण-पत्रधारकों के लिए 2 जनवरी, 1987] से पहले तथा 1 जनवरी, 1992 के बाद न हुआ हो.

(3) **वायुसेना अकादमी के लिए**–केवल ऐसे अविवाहित पुरुष उम्मीदवार ही पात्र हैं, जिनका जन्म 2 जनवरी, 1988 से पहले तथा 1 जनवरी, 1992 के बाद न हुआ हो.

(4) **अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिए**–केवल ऐसे पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) ही पात्र हैं, जिनका जन्म 2 जनवरी, 1986 से पहले तथा 1 जनवरी, 1992 के बाद न हुआ हो.

(5) **अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (एस.एस.सी.-महिला गैर-तकनीकी पाठ्यक्रम) के लिए**–अविवाहित/तलाकशुदा/विधवा महिलाएं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1986 से पहले व 1 जनवरी, 1992 के बाद न हुआ हो.

(ख) **शैक्षिक योग्यताएं :**

(1) **भारतीय सैनिक अकादमी तथा अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिए**–किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता.

(2) **नौसेना अकादमी के लिए**–भौतिकी और गणित विषयों सहित बी. एस-सी. डिग्री अथवा इंजीनियरी के स्नातक.

(3) **वायुसेना अकादमी के लिए**–भौतिकी और गणित विषयों के साथ 10+2 उत्तीर्ण करने के पश्चात् स्नातक डिग्री अथवा इंजीनियरी के स्नातक.

जो उम्मीदवार डिग्री परीक्षा के अन्तिम वर्ष में पढ़ रहे हैं तथा उन्हें डिग्री के अन्तिम वर्ष की

रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

(पिछले वर्षों के हल प्रश्न-पत्र सहित)

गैर-तकनीकी ट्रेड

उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा सॉल्वड् पेपर्स	215/-
उपकार रेलवे सॉल्वड् पेपर्स (टिकट कलेक्टर)	110/-
उपकार रेलवे सॉल्वड् पेपर्स (सहायक स्टेशन मास्टर)	130/-
उपकार रेलवे सॉल्वड् पेपर्स (गुड्स गार्ड)	135/-
उपकार रेलवे मनोवैज्ञानिक परीक्षण (IInd Stage)	75/-
उपकार प्रैक्टिस वर्क-बुक रेलवे मनोवैज्ञानिक परीक्षण	125/-
उपकार भारतीय रेल : एक परिचय	99/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा (लेखक : खन्ना एवं वर्मा)	135/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा (डॉ. लाल एवं जैन)	225/-
उपकार रेलवे गुड्स गार्ड/सहायक स्टेशन मास्टर परीक्षा	160/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड टिकट कलेक्टर/कॉमर्शियल क्लर्क (सम्पादक मण्डल : सामान्य ज्ञान दर्पण)	145/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड ट्रैफिक अप्रेन्टिस परीक्षा (सम्पादक मण्डल : प्रतियोगिता दर्पण)	215/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड वाणिज्यिक अप्रेन्टिस परीक्षा	235/-

तकनीकी ट्रेड

उपकार रेलवे असिस्टेंट लोको पायलट परीक्षा	195/-
उपकार रेलवे प्रैक्टिस सेट असिस्टेंट लोको पायलट	65/-
उपकार रेलवे सॉल्वड् पेपर्स असिस्टेंट लोको पायलट	90/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा सॉल्वड् पेपर्स (तकनीकी ट्रेड)	220/-
उपकार प्रैक्टिस वर्क बुक रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा (तकनीकी ट्रेड)	120/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड (तकनीकी केडर) (सिविल/विद्युत/यांत्रिक इंजीनियरिंग)	280/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड सुपरवाइजर (पी.वे)/इलेक्ट्रिकल सिगनल मेन्टेनर ग्रेड-II भर्ती परीक्षा	225/-
उपकार दिल्ली मेट्रो रेल (स्टेशन कन्ट्रोलर/ट्रेन ऑपरेटर) भर्ती परीक्षा	270/-

ENGLISH EDITIONS ARE ALSO AVAILABLE

रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा के लिए विशेषत:

उपयोगी अध्ययन सामग्री

हर महीने पढ़िए

सामान्य ज्ञान दर्पण

मूल्य : 35/-

उपकार प्रकाशन

2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2

Phone : 4053333, 2530966, 2531101

Website : www.upkar.in

परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा अभी उत्तीर्ण करनी है, वह भी इस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं, लेकिन उन्हें आयोग के परीक्षा के नोटिस में निर्धारित तिथियों तक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा.

इस प्रतियोगिता परीक्षा के सम्बन्ध में आवश्यक शारीरिक मानक, परीक्षा पाठ्यक्रम व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए 26 सितम्बर–2 अक्टूबर 2009 का एम्प्लॉयमेंट न्यूज/रोजगार समाचार देखें. अभ्यर्थियों के पूर्णरूप से भरे हुए आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में 26 अक्टूबर, 2009 तक स्वीकार किए जाएंगे. दूरदराज के चुनींदा निर्दिष्ट स्थानों के अभ्यर्थियों के डाक से प्रेषित आवेदन-पत्र स्वीकार किए जाने की अन्तिम तिथि 3 नवम्बर, 2009 है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **'उपकार प्रकाशन'** द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का अध्ययन करें. पुस्तकों के अंग्रेजी व हिन्दी दोनों संस्करण बाजार में उपलब्ध हैं.

कर सहायक परीक्षा–2009

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBEC) में कर सहायकों (Tax Assistants) की भर्ती के लिए कर सहायक परीक्षा–2009 (Tax Assistant Examination–2009) का आयोजन कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दिनांक 13 दिसम्बर, 2009 को किया जाएगा. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड के अधीन रिक्तियों की कुल संख्या 626 है, जबकि प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अधीन यह 278 है. उपलब्ध रिक्तियों में से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–(i) स्नातक की उपाधि.

(ii) कम्प्यूटर पर वांछनीय डाटा एंट्री स्पीड के लिए विस्तृत विज्ञापन देखें.

आयु सीमा (30 अक्टूबर, 2009 को)– 20–27 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली 300 अंकों की लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में वस्तुनिष्ठ किस्म के दो प्रश्न-पत्र क्रमशः 200 व 100 अंकों के होंगे. 200 अंकों के पहले प्रश्न-पत्र के खण्ड 'अ' में 100 अंकों की सामान्य अंग्रेजी की व खण्ड 'ब' में 100 अंकों की सामान्य जागरूकता की परीक्षा होगी. 100 अंकों का दूसरा प्रश्न-पत्र अंकगणित का होगा.

इस प्रतियोगिता परीक्षा के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत विवरण के लिए 26 सितम्बर–2 अक्टूबर, 2009 का रोजगार समाचार देखें. अभ्यर्थियों के पूर्णरूप से भरे हुए आवेदन-पत्र आयोग के सम्बन्धित कार्यालय में 30 अक्टूबर, 2009 तक स्वीकार किए जाएंगे.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित **एस.एस.सी. कर सहायक परीक्षा** पुस्तक का अध्ययन लाभकारी होगा. पुस्तक का अंग्रेजी संस्करण भी उपलब्ध है.

मध्य प्रदेश व राजस्थान डाक परिमण्डलों में डाक सहायक संवर्ग की नियुक्तियाँ

मध्य प्रदेश व राजस्थान डाक परिमण्डलों में डाक सहायक संवर्ग (Postal Assistants/ Sorting Assistants) के बड़ी संख्या में रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन-पत्र आमंत्रित किए गए हैं. अलग-अलग की जाने वाली इन भर्तियों के तहत् 481 रिक्त पद मध्य प्रदेश परिमण्डल के संभागों में तथा लगभग 200 रिक्त पद राजस्थान परिमण्डल के संभागों के तहत् हैं. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इन भर्तियों के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–10+2 उत्तीर्ण. मैट्रिक स्तर तक हिन्दी का अध्ययन भी अवश्य किया हो. रेलवे मेल सर्विस व आर्मी पोस्टल सर्विस के लिए 10+2 परीक्षा अंग्रेजी अनिवार्य विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए. टंकण का ज्ञान व कम्प्यूटर ज्ञान वांछनीय योग्यता है.

आयु सीमा (आवेदन की अन्तिम तिथि को)– 18–25 वर्ष.

विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित अभिरुचि परीक्षा (Aptitude Test) में अंग्रेजी, गणित, सामान्य ज्ञान, तर्कक्षमता एवं विश्लेषण क्षमता आदि की 50 अंकों की वस्तुनिष्ठ किस्म की परीक्षा एक घण्टे की अवधि की होगी. 10+2 परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर उम्मीदवारों को इस एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए अल्प सूचीबद्ध किया जाएगा. इसके अतिरिक्त 30 मिनट की टंकण/कम्प्यूटर सम्बन्धी परीक्षा भी आयोजित की जाएगी. इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु 26 सितम्बर–2 अक्टूबर, 2009 का रोजगार समाचार देखें. अभ्यर्थियों के पूर्णरूप से भरे हुए आवेदन-पत्र स्वीकार किए जाने की अन्तिम तिथि राजस्थान डाक परिमण्डल के मामले में 15 अक्टूबर, 2009 तथा मध्य प्रदेश डाक परिमण्डल के मामले में 26 अक्टूबर, 2009 है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित **डाक विभाग डाक सहायक/छँटाई सहायक परीक्षा** का अध्ययन लाभकारी होगा. पुस्तक का अंग्रेजी संस्करण भी उपलब्ध है.

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में सहायक सब-इंस्पेक्टर (स्टेनोग्राफर) के रिक्त पद

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) में सहायक सब-इंस्पेक्टर (स्टेनोग्राफर) के पद पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य पुरुष उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन-पत्र 20 अक्टूबर, 2009 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 25 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–इण्टरमीडिएट (10+2) या समकक्ष तथा टाइपिंग व शॉर्टहैण्ड की निर्धारित योग्यता.

आयु सीमा–(20 अक्टूबर, 2009 को) 18–25 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

शारीरिक नाप-तौल व दक्षता परीक्षा में अर्ह पाए गए अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में 100-100 अंकों के वस्तुनिष्ठ किस्म के दो प्रश्न-पत्र क्रमशः (1) अंग्रेजी व हिन्दी भाषा, (2) सामान्य ज्ञान (तर्कशक्ति व अंकगणित सहित) के होंगे. लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को टाइपिंग व शॉर्टहैण्ड के स्किल टेस्ट में शामिल किया जाएगा.

इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु 19 सितम्बर, 2009 का द हिन्दू (नई दिल्ली) रोजगार समाचार देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित पुस्तक **भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल हैड कॉस्टेबिल एवं असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर** का अध्ययन लाभकारी होगा.

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में सब-इंस्पेक्टर (ओवरसीर) के रिक्त पद

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) में सब-इंस्पेक्टर (Overseer) के पद पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य पुरुष उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन-पत्र 20 अक्टूबर, 2009 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 61 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–मैट्रिक या समकक्ष तथा सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा.

आयु सीमा–(20 अक्टूबर, 2009 को) 20–25 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

शारीरिक नाप-तौल व दक्षता परीक्षा में अर्ह पाए गए अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित प्रतियोगिता परीक्षा 100 अंकों की होगी. इस परीक्षा में 80 अंकों के व्यावसायिक ज्ञान के व 20 अंकों के सामान्य जागरूकता के प्रश्न होंगे.

इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु 19–25 सितम्बर, 2009 का रोजगार समाचार देखें.

केन्द्रीय विद्यालयों में शिक्षकों तथा लिपिकों की भर्ती

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के तहत् देशभर में स्थित केन्द्रीय विद्यालयों से सत्र 2010-11 में विभिन्न विषयों में पीजीटी, टीजीटी, प्राइमरी टीचरों व अन्य विविध टीचरों की नियुक्ति हेतु पैनल तैयार करने के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रारूप पर 12 अक्टूबर, 2009 तक आवेदन-पत्र आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती में विभिन्न वर्गों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान उपलब्ध है. पात्रता हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के लिए विस्तृत विज्ञापन देखें.

आयु सीमा–12 अक्टूबर, 2009 को पीजीटी के लिए अधिकतम 40 वर्ष, टीजीटी के लिए अधिकतम 35 वर्ष, प्राइमरी टीचर के लिए अधिकतम 30 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

विभिन्न श्रेणियों के शिक्षकों की भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा में तीन प्रश्न-पत्र होंगे. वस्तुनिष्ठ किस्म का पहला प्रश्न-पत्र अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग के लिए होगा. 120 अंकों के दो घण्टों की अवधि के इस प्रश्न-पत्र के पहले भाग में सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी भाषा दक्षता, तर्कशक्ति, संख्यात्मक अभिरुचि, समसामयिक मामले, शिक्षा, सामान्य विज्ञान व भारतीय संविधान आदि के प्रश्न होंगे, जबकि दूसरे भाग में उम्मीदवार के विषय सम्बन्धी प्रश्न होंगे. 1 घण्टे का 40 अंकों का दूसरा वर्णनात्मक किस्म का प्रश्न-पत्र अंग्रेजी व हिन्दी भाषा का होगा. दूसरी पाली में 120 अंकों का वर्णनात्मक प्रश्न-पत्र उम्मीदवार के विषय ज्ञान की परीक्षा के लिए होगा. पीजीटी के लिए यह परीक्षा 26 दिसम्बर, 2009 को, टीजीटी के लिए 27 दिसम्बर, 2009 को व प्राइमरी टीचर के लिए 28 दिसम्बर, 2009 को सम्पन्न होगी. **विभिन्न श्रेणियों के शिक्षकों की इन भर्तियों के अतिरिक्त UDC के 40 व LDC के 73 पदों के लिए भी आवेदन-पत्र आमंत्रित किए गए हैं. इन पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा व परीक्षा योजना आदि के लिए विस्तृत विज्ञापन देखें. इन भर्तियों के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप, न्यूनतम शैक्षिक योग्यता व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए 12–18 सितम्बर, 2009 का रोजगार समाचार देखें.**

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी सिद्ध होगा–

- उपकार केन्द्रीय विद्यालय संगठन स्नातकोत्तर शिक्षक भर्ती परीक्षा (प्रथम प्रश्न-पत्र–भाग-I) 255/-
- उपकार केन्द्रीय विद्यालय संगठन प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा (प्रथम प्रश्न-पत्र–भाग-I) 235/-
- उपकार केन्द्रीय विद्यालय संगठन प्राथमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा (प्रथम प्रश्न-पत्र–भाग-I) 145/-
- Upkar Language Proficiency Test (English-Hindi) Paper-II 150/-

नोट—पुस्तकों के अंग्रेजी संस्करण भी उपलब्ध हैं.

इंटेलीजेंस ब्यूरो में सहायक सेंट्रल इंटेलीजेंस ऑफीसर ग्रेड-II/टेक्नीकल की भर्ती हेतु प्रतियोगिता परीक्षा, 2009

गृह मंत्रालय के अधीन इंटेलीजेंस ब्यूरो (IB) में सहायक सेंट्रल इंटेलीजेंस ऑफीसर ग्रेड-II/टेक्नीकल के कुल मिलाकर 52 रिक्त पदों की भर्ती हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन-पत्र रोजगार समाचार में विज्ञापन प्रकाशित होने के एक माह तक आमंत्रित किए गए हैं. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–भौतिकी या गणित या कम्प्यूटर विज्ञान विषय के साथ स्नातक या समकक्ष अथवा निर्दिष्ट विषयों में से किसी एक में

IAS-PCS
PREMIUM BATCH
A Complete Package For Prelims, Mains & Interview
building the right attitude towards success
General Studies :
INDIAN HISTORY : Mukesh Baranwal
GEOGRAPHY : Er. Mohd. Nasim Siddiqui
INDIAN ECONOMY : Ravi Sinha
BIO-TECHNOLOGY : M. Farooq Azmi
INDIAN POLITY : Younus Khan
SC. & TECH. : Santosh Chaubey
MENTAL ABILITY : Pradeep Rai
CURRENT AFFAIRS : Satish Prashant
Optional Subjects :-
HISTORY : Mukesh Baranwal
GEOGRAPHY : Er. Mohd. Nasim Siddiqui
ECONOMICS : Ravi Sinha
POLITICAL SCIENCE : Younus Khan
ZOOLOGY : M. Farooq Azmi
BOTANY : Rajesh Tiwari
PHILOSOPHY : Arun Tripathi
PUB. ADM. : Dr. Vinay Singh & Adarsh Kr.
SOCIOLOGY : Dr. R.K. Singh
HINDI LITERATURE : Dr. D.D. Tiwari
Also Available :-
GENERAL ENGLISH : Dilip Kushwaha
INTERVIEW GUIDANCE : Sanjay Singh Parihar
CAREER COACHING™
13, KAMLA NEHRU ROAD, ALLAHABAD
Ph : 0532-2600428, 9415252965
(Seperate Hostel for boys & girls)
Ad: Graphic Arts # 09936599216

त्रिवर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा अथवा विज्ञापन में निर्दिष्ट 8 वर्षीय अनुभव के साथ हायर सेकेण्डरी.

आयु सीमा (आवेदन की अन्तिम तिथि को)—18–27 वर्ष.

विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित प्रतियोगिता परीक्षा के लिए अल्प सूचीबद्ध अभ्यर्थियों को ही आमंत्रित किया जाएगा. भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु 19–25 सितम्बर, 2009 का रोजगार समाचार देखें.

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन में कस्टमर रिलेशंस असिस्टेंट के 318 व मेंटेनर के 961 रिक्त पद

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. में कस्टमर रिलेशंस असिस्टेंट के 318 व मेंटेनर के कुल मिलाकर 961 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन-पत्र 19 अक्टूबर, 2009 तक आमंत्रित किए गए हैं. मेंटेनर की उपलब्ध रिक्तियाँ इलेक्ट्रिशियन, फिटर, इलेक्ट्रॉनिक मेकेनिक व रेफ्रिजरेशन मेकेनिक व एसी मेकेनिक आदि ट्रेडस् में हैं. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—(i) **कस्टमर रिलेशंस असिस्टेंट पद (CRA) हेतु**—कम-से-कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ त्रिवर्षीय स्नातक उपाधि तथा साथ ही कम्प्यूटर का निर्दिष्ट स्तर का ज्ञान.

(ii) **मेंटेनर पद हेतु**—सम्बन्धित ट्रेड में आईटीआई प्रमाण-पत्र.

आयु सीमा (1 जुलाई, 2009 को)—कस्टमर रिलेशंस असिस्टेंट हेतु 18–28 वर्ष तथा मेंटेनर पद हेतु 18–25 वर्ष.

विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

कस्टमर रिलेशंस असिस्टेंट पद हेतु आयोजित की जाने वाली लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में दो प्रश्न-पत्र होंगे. इनमें पहले वस्तुनिष्ठ किस्म के प्रश्न-पत्र में सामान्य जागरूकता अंग्रेजी, लॉजिकल एबिलिटी, संख्यात्मक अभिरुचि एवं/अथवा सम्बन्धित ट्रेड से सम्बन्धित प्रश्न होंगे, जबकि दूसरा वर्णनात्मक प्रश्न-पत्र पैराग्राफ राइटिंग, सार लेखन, निबन्ध तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर प्रश्नों का होगा. **मेंटेनर** पद हेतु भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली वस्तुनिष्ठ किस्म की प्रतियोगिता परीक्षा में सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति, संख्यात्मक अभिरुचि, अंग्रेजी भाषा व सम्बन्धित आईटीआई ट्रेड पर प्रश्न होंगे.

इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु 19–25 सितम्बर, 2009 का रोजगार समाचार देखें अथवा www.delhimetrorail.com पर लॉग ऑन करें.

लोक सभा व राज्य सभा में रिसर्च असिस्टेंट/जूनियर पार्लियामेंटरी रिपोर्टर/ट्रांसलेटर/स्टेनोग्राफर/सिक्योरिटी असिस्टेंट/जूनियर क्लर्क के रिक्त पद

संसद के दोनों सदनों में विभिन्न रिक्त पदों (रिसर्च असिस्टेंट के 7 रिक्त पद राज्य सभा में, जूनियर पार्लियामेंटरी रिपोर्टर के 7 रिक्त पद राज्य सभा में स्टेनोग्राफर के 32 रिक्त पद लोक सभा में व 2 राज्य सभा में, ट्राँसलेटर के 7 रिक्त पद राज्य सभा में, सिक्योरिटी असिस्टेंट ग्रेड–II के 37 रिक्त पद लोक सभा में व 19 रिक्त पद राज्य सभा में, सिक्योरिटी असिस्टेंट ग्रेड–II (तकनीकी) के 37 रिक्त पद लोक सभा में तथा जूनियर क्लर्क के 29 रिक्त पद लोक सभा में व 13 राज्य सभा में) पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन-पत्र संसद के जॉइंट रिक्रूटमेंट सैल द्वारा 26 अक्टूबर, 2009 तक आमंत्रित किए गए हैं. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट बढ़ सकती है.

इन पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक व अन्य योग्यताओं हेतु विस्तृत विज्ञापन लोक सभा की वेबसाइट www.loksabha.nic.in पर अथवा रोजगार समाचार में देखें. अभ्यर्थियों की अधिकतम आयु (26 अक्टूबर, 2009 को) 27 वर्ष है (विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है).

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी-भाषा, निबन्ध आदि की परीक्षाएं शामिल हैं (अलग-अलग पदों के लिए प्रश्न-पत्रों आदि की जानकारी वेबसाइट से विस्तृत विज्ञापन से लें). इन भर्तियों के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु लोक सभा की वेबसाइट देखें.

सीमा सुरक्षा बल में हैड कॉंस्टेबिल (रेडियो ऑपरेटर/फिटर) तथा सहायक उपनिरीक्षकों (रेडियो मेकेनिक) की भर्ती

सीमा सुरक्षा बल (BSF) कम्यूनिकेशन सैट अप में हैड कॉंस्टेबिल (रेडियो ऑपरेटर) के 244, हैड कॉंस्टेबिल (फिटर) के 6 तथा सहायक उपनिरीक्षक (रेडियो मेकेनिक) के कुल 42 पदों पर भर्ती के लिए पात्र पुरुष अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रारूप पर 10 नवम्बर, 2009 तक आवेदन-पत्र आमन्त्रित किए गए हैं. इनमें से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं. अभ्यर्थियों का चयन शारीरिक दक्षता परीक्षा, लिखित परीक्षा, साक्षात्कार व चिकित्सकीय परीक्षा आदि के आधार पर किया जाएगा. 100 अंकों की लिखित परीक्षा में भौतिकी, रसायन, गणित, अंग्रेजी भाषा व सामान्य जागरूकता की परीक्षा होगी. हैड कॉंस्टेबिल (रेडियो ऑपरेटर) के पद हेतु यह परीक्षा 90 अंकों की होगी तथा साथ ही 10 अंकों की डिक्टेशन (अंग्रेजी) भी अलग से होगी.

शैक्षिक योग्यता—मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा. उत्तीर्ण तथा विज्ञापन में निर्दिष्ट ट्रेडों में से किसी एक में त्रिवर्षीय डिप्लोमा. **अथवा** भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित विषयों के साथ इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण (**नोट**—तीनों पदों के लिए अलग-अलग शैक्षणिक योग्यता हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें).

आयु सीमा (10 नवम्बर, 2009 को)—हैड कॉंस्टेबिल (रेडियो ऑपरेटर/फिटर) हेतु 18–23 वर्ष तथा सहायक उपनिरीक्षक (रेडियो मेकेनिक) के पद हेतु 18–25 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के सम्बन्ध में आवश्यक शारीरिक माप-तौल, आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए 'रोजगार समाचार' देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित **सीमा सुरक्षा बल हैड कॉंस्टेबिल (रेडियो ऑपरेटर)** तथा **सहायक उपनिरीक्षक (रेडियो मेकेनिक) भर्ती परीक्षा** पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी सिद्ध होगा.

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में इंस्पेक्टर (हिन्दी ट्रांसलेटर) के रिक्त पद

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) में इंस्पेक्टर (हिन्दी ट्रांसलेटर) के पद पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन-पत्र 27 अक्टूबर, 2009 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 30 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—हिन्दी अथवा अंग्रेजी में स्नातकोत्तर उपाधि (अंग्रेजी में स्नातकोत्तर उम्मीदवारों को स्नातक परीक्षा हिन्दी के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए. अन्य विषयों में उपाधि धारक भी अन्य वांछित अर्हताएं पूरी होने पर आवेदन के पात्र हैं. इनके लिए विस्तृत विज्ञापन देखें).

आयु सीमा—(27 अक्टूबर, 2009 को) अधिकतम 30 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

शारीरिक नाप-तौल व दक्षता परीक्षा में अर्ह पाए गए अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित प्रतियोगिता परीक्षा 200 अंकों की होगी. इस परीक्षा में 100 अंकों का पहला प्रश्न-पत्र सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी व हिन्दी का वस्तुनिष्ठ किस्म का होगा, जबकि 100 अंकों का दूसरा प्रश्न-पत्र ट्रांसलेशन (अंग्रेजी से हिन्दी में व हिन्दी से अंग्रेजी में) का होगा.

इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु रोजगार समाचार देखें.

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में कॉंस्टेबिल (पायनियर इलेक्ट्रीशियन/प्लम्बर/कारपेंटर/मेसन/वेल्डर) व कारपेंटर (एनीमल ट्रांसपोर्ट) के रिक्त पद

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) में कॉंस्टेबिल (पायनियर इलेक्ट्रीशियन/प्लम्बर/कारपेंटर/ मेसन/वेल्डर) व कारपेंटर (एनीमल ट्रांसपोर्ट) के पदों पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य पुरुष उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन-पत्र 20 अक्टूबर, 2009 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या कॉंस्टेबिल (पायनियर) के मामले में 201 (इलेक्ट्रीशियन 62, प्लम्बर 74, मेसन 40, कारपेंटर 24 व वेल्डर 1) तथा कॉंस्टेबिल (एनीमल ट्रांसपोर्ट) के मामले में 127 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–मैट्रिक या समकक्ष कॉंस्टेबिल (पायनियर) के मामले में सम्बन्धित ट्रेड में कम-से-कम एक वर्ष का अनुभव.

आयु सीमा–(20 अक्टूबर, 2009 को) कॉंस्टेबिल (पायनियर) हेतु 18–23 वर्ष तथा कॉंस्टेबिल (एनीमल ट्रांसपोर्ट) हेतु 18–25 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

शारीरिक नाप-तौल व दक्षता परीक्षा में अर्ह पाए गए अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित प्रतियोगिता परीक्षा 50 अंकों की (कॉंस्टेबिल एनीमल ट्रांसपोर्ट के मामले में 35 अंकों की) होगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु रोजगार समाचार देखें.

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में कॉंस्टेबिलों (जनरल ड्यूटी) की भर्ती

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में कॉंस्टेबिलों (जनरल ड्यूटी) के कुल 2450 पदों पर भर्ती के लिए विभिन्न राज्यों के पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रारूप पर 27 अक्टूबर, 2009 तक आवेदन-पत्र आमन्त्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तियों में से 249 रिक्तियाँ उत्तर प्रदेश के अभ्यर्थियों के लिए, 95 झारखण्ड के, 93 मध्य प्रदेश के, 296 उत्तराखण्ड के, 48 छत्तीसगढ़ के, 198 बिहार के, 81 राजस्थान के, 30 हरियाणा के तथा 20 रिक्तियाँ दिल्ली के अभ्यर्थियों के लिए हैं. इनमें से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–मैट्रिक या समकक्ष.

आयु सीमा–1 अगस्त, 2009 को 18–23 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इन पदों पर अभ्यर्थियों की भर्ती ऊँचाई की जाँच, दौड़, शारीरिक माप तौल, शारीरिक दक्षता परीक्षा, लिखित परीक्षा तथा चिकित्सा परीक्षा के आधार पर होगी. शारीरिक कार्यदक्षता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को ही लिखित परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान की जाएगी. 100 अंकों की ऑब्जेक्टिव टाइप लिखित परीक्षा में जनरल अवेयरनैस/ जनरल नॉलेज, नॉलेज ऑफ एलीमेन्टरी मैथेमैटिक्स, पैटर्न्स को देखने व अलग करने की योग्यता को तथा हिन्दी/अंग्रेजी के मूल ज्ञान की परीक्षा शामिल है.

इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु रोजगार समाचार अथवा 21 सितम्बर, 2009 का इण्डियन एक्सप्रेस (नई दिल्ली) देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित पुस्तकों का अध्ययन करें–

* उपकार भारत-तिब्बत सीमा पुलिस फोर्स पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा ***(लेखकद्वय : जैन एवं शर्मा)*** 75/-
* उपकार भारत-तिब्बत सीमा पुलिस फोर्स पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा ***(सम्पादक मण्डल सामान्य ज्ञान दर्पण)*** 99/-

परीक्षा तिथि : 21 नवम्बर, 2009

Rajasthan State Eligibility Test (SET)

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

उपकार प्रैक्टिस वर्क-बुक जनरल पेपर-I	65/-
उपकार जनरल पेपर-I (डॉ. लाल, जैन एवं डॉ. के. सी. वशिष्ठ)	235/-
उपकार जनरल पेपर-I (डॉ. मिथिलेश पाण्डेय)	215/-
उपकार इतिहास (पेपर-II) (अशोक कुमार पाण्डेय)	130/-
उपकार इतिहास (पेपर-II & III) (सुरेश कुमार पाण्डेय)	275/-
उपकार इतिहास (पेपर-II) (डॉ. ए. के. चतुर्वेदी)	175/-
उपकार इतिहास (पेपर-III) (डॉ. ए. के. चतुर्वेदी)	285/-
उपकार इतिहास (पेपर-III) (डॉ. मनोज परिहार)	215/-
उपकार वाणिज्य (पेपर-II) (मनुप्रकाश श्रीवास्तव एवं एम.सी. गुप्ता)	270/-
उपकार वाणिज्य (पेपर-III) (डॉ. एल. एन. कोली)	565/-
उपकार भूगोल (पेपर-II) (डॉ. एम. एस. सिसोदिया)	225/-
उपकार भूगोल (पेपर-III) (डॉ. एम. एस. सिसोदिया)	245/-
उपकार प्रैक्टिस वर्क बुक भूगोल (पेपर-III) (संजय गुप्ता)	70/-
उपकार अर्थशास्त्र (पेपर-II) (डॉ. अनुपम अग्रवाल)	350/-
उपकार हिन्दी (पेपर-II & III) (डॉ. कुमार गणेश)	250/-
उपकार हिन्दी (पेपर-II) (ओंकार नाथ वर्मा)	170/-
उपकार हिन्दी (पेपर-II) (डॉ. दिलीप पाण्डेय)	125/-
उपकार हिन्दी (पेपर-III) (डॉ. दिलीप पाण्डेय)	125/-
उपकार हिन्दी (पेपर-II & III) (डॉ. दिलीप पाण्डेय)	240/-
उपकार हिन्दी (पेपर-II & III) (डॉ. जगदीश शरण)	210/-
उपकार राजनीति विज्ञान (पेपर-II) (डॉ. अशोक कुमार)	370/-
उपकार राजनीति विज्ञान (पेपर-III) (डॉ. अशोक कुमार)	315/-
उपकार राजनीति विज्ञान (पेपर-II) (सुरेन्द्र कौशिक)	90/-
उपकार संस्कृत (पेपर-II) (डॉ. मिथिलेश पाण्डेय)	175/-
उपकार संस्कृत (पेपर-III) (डॉ. मिथिलेश पाण्डेय)	210/-
उपकार संस्कृत (पेपर-II) (डॉ. धर्मेन्द्र कुमार द्विवेदी)	95/-
उपकार संस्कृत (पेपर-III) (डॉ. धर्मेन्द्र कुमार द्विवेदी)	290/-
उपकार संगीत (पेपर-II) (डॉ. गुंजन सक्सेना)	60/-
उपकार संगीत (पेपर-II) (डॉ. निशा रावत)	55/-
उपकार संगीत (पेपर-III) (डॉ. निशा रावत)	110/-
उपकार मनोविज्ञान (पेपर-II) (श्रीमती सोनी जैन)	130/-
उपकार मनोविज्ञान (पेपर-III) (डॉ. डी. सी. प्रसाद)	98/-
उपकार विधि (पेपर-II) (मनोज कुमार सिंह)	105/-
उपकार गृहविज्ञान (पेपर-II) (गायत्री सिन्हा)	190/-
उपकार गृहविज्ञान (पेपर-III) (गायत्री सिन्हा)	325/-
उपकार समाजशास्त्र (पेपर-II) (डॉ. जी. एल. शर्मा)	120/-
उपकार समाजशास्त्र (पेपर-III) (डॉ. जी. एल. शर्मा)	175/-
उपकार समाजशास्त्र (पेपर-II & III) (डॉ. जी. एल. शर्मा)	290/-
उपकार समाजशास्त्र (पेपर-II) (डॉ. विनय कुमार सिन्हा)	215/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
● E-mail : publisher@upkar.in
● Website : www.upkar.in

यूनियन बैंक में लिपिकीय नियुक्तियाँ

सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया में लिपिक सह-रोकड़ियों के कुल 1040 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन-पत्र ऑनलाइन आमन्त्रित किए गए हैं. विकलांगता वाले अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित बैकलॉग रिक्तियाँ भी इनमें शामिल हैं.

शैक्षणिक योग्यता–(क) स्नातक अथवा समकक्ष (ख) अथवा कम-से-कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ 10 + 2 परीक्षा उत्तीर्ण (विभिन्न मामलों में शैक्षणिक योग्यता में छूट). कम्प्यूटर का निर्धारित ज्ञान भी आवश्यक है.

आयु सीमा–सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा 30 सितम्बर, 2009 को 18–28 वर्ष है. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती हेतु आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को 31 अक्टूबर, 2009 तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा. भर्ती के लिए ली जाने वाली परीक्षा में वस्तुनिष्ठ किस्म के दो प्रश्न-पत्र होंगे. पहले प्रश्न-पत्र में तर्कशक्ति, संख्यात्मक अभियोग्यता, सामान्य जागरूकता व अंग्रेजी भाषा की 200 अंकों की परीक्षा होगी. 50 अंकों का दूसरा प्रश्न-पत्र कम्प्यूटर ज्ञान की परीक्षा का होगा. परीक्षा की सम्भावित तिथि 10 जनवरी, 2010 है.

इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए रोजगार समाचार तथा बैंक की वेबसाइट देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित **बैंक क्लर्क परीक्षा** से सम्बन्धित पुस्तकों का अध्ययन करें.

ओएनजीसी में असिस्टेंट टेक्नीशियंस की भर्ती

सार्वजनिक क्षेत्र के नवरत्न उपक्रम तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ONGC) में असिस्टेंट टेक्नीशियन (ए–II लेवल) के पद पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन-पत्र 15 अक्टूबर, 2009 तक ऑन लाइन आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 136 है. इनमें 54 पद असिस्टेंट टेक्नीशियन प्रोडक्शन के, 18 पद अ. टे. इलेक्ट्रिकल के, 29 पद अ. टे. इंस्ट्रूमेंटेशन के, 31 पद अ. टे. मेकेनिकल के व 4 पद अ. टे. इलेक्ट्रॉनिक्स के हैं. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–निर्दिष्ट ट्रेड्स में त्रिवर्षीय डिप्लोमा कम-से-कम 60 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ (विभिन्न मामलों में प्राप्तांक प्रतिशत में छूट उपलब्ध है).

आयु सीमा–(31 दिसम्बर, 2009 को) अधिकतम 30 वर्ष. विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में तीन घण्टे की अवधि का एक प्रश्न-पत्र होगा, जिसमें विषय से सम्बन्धित प्रश्नों के अतिरिक्त सामान्य जागरूकता के प्रश्न होंगे. इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु निगम की वेबसाइट www.ongcindic.com. देखें.

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में विभिन्न राज्यों से कॉंस्टेबिलों (जीडी) की भर्ती

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) में विभिन्न राज्यों से कॉंस्टेबिलों (जनरल ड्यूटी) के कुल 16 हजार रिक्त पदों की भर्ती के लिए पात्र पुरुष अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रारूप पर 4 नवम्बर, 2009 तक आवेदन-पत्र आमंत्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तियों में से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षिक योग्यता–मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण.

आयु सीमा–1 अगस्त, 2010 को 18–23 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के तहत् अभ्यर्थियों का चयन ऊँचाई की जाँच, दौड़ परीक्षा, शारीरिक माप तौल, शारीरिक दक्षता परीक्षा, लिखित परीक्षा व चिकित्सकीय परीक्षा आदि के आधार पर किया जाएगा. कुल 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ किस्म की लिखित परीक्षा में सामान्य जागरूकता/सामान्य ज्ञान, प्रारम्भिक गणित के ज्ञान, विश्लेषकीय अभिरुचि और प्रेक्षण और विशेष पैटर्न की योग्यता के साथ-साथ अंग्रेजी/हिन्दी में उम्मीदवारों के मूल ज्ञान की परीक्षा होगी. इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए रोजगार समाचार देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित **केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा** पुस्तक का अध्ययन लाभकारी होगा. पुस्तक का अंग्रेजी संस्करण भी उपलब्ध है.

●●●

शेष पृष्ठ 672 का

कुश्ती

42 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में भारत के लिए रमेश कुमार ने जीता कोई पदक–डेन्मार्क में हर्निंग (Herning) में सितम्बर 2009 में सम्पन्न विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में हरियाणा के रमेश कुमार ने 74 किग्रा वर्ग (फ्रीस्टाइल) में कांस्य पदक जीतने में सफलता प्राप्त की. भारत के किसी पहलवान ने 42 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् विश्व चैम्पियनशिप में कोई पदक जीता है. विश्व चैम्पियनशिप के पुरुष मुकाबलों में भारत को आखिरी पदक 1967 में बिशम्भर सिंह ने दिलाया था. बिशम्भर ने तब रजत पदक जीता था, जो विश्व चैम्पियनशिप में भारत की ओर से अभी भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. भारत को विश्व चैम्पियनशिप में पहला पदक 1961 में उदय चंद ने दिलाया था, जिन्होंने जापान में हुई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था.

भारत को विश्व चैम्पियनशिप के महिला वर्ग में अब तक केवल एक कांस्य पदक मिला है, जो 2006 में चीन में हुई चैम्पियनशिप में अल्का तोमर ने जीता था.

गोल्फ

डीएलएफ मास्टर्स गोल्फ–20 सितम्बर, 2009 को गुड़गाँव में अनिर्बन लाहिरी को दूसरे स्थान पर छोड़ते हुए 80 लाख रुपए की इनामी राशि का डीएलएफ मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेन्ट का खिताब गगनजीत भुल्लर ने जीता.

शतरंज

राजाराम लक्ष्मण भारत के 20वें ग्रांड मास्टर

चेन्नई के शतरंज खिलाड़ी राजाराम लक्ष्मण ने ग्रांड मास्टर (GM) खिताब के लिए अर्हता सितम्बर 2009 में प्राप्त कर ली है. इस खिताब के लिए अपना तीसरा नॉर्म उन्होंने सितम्बर में कोलकाता ओपन शतरंज टूर्नामेन्ट में प्राप्त किया है. वह भारत के 20वें ग्रांड मास्टर होंगे. इससे पूर्व 19वें ग्रांड मास्टर एस. किदम्बी थे, जिन्होंने अपना तीसरा ग्रांड मास्टर नॉर्म मई 2009 में प्राप्त किया था.

विविध

अक्षय कुमार व कैटरीना कैफ 34वें राष्ट्रीय खेलों के ब्रांड एम्बेसडर–बॉलीवुड के अक्षय कुमार व कैटरीना कैफ को नवम्बर-दिसम्बर 2009 में झारखण्ड में होने वाले 34वें राष्ट्रीय खेलों का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है. झारखण्ड में इन खेलों का आयोजन 21 नवम्बर–5 दिसम्बर, 2009 के दौरान राँची, धनबाद व जमशेदपुर में होना है.

●●●

चाँद पर पानी–सदी की महानतम खोज

पिछले चार दशक से यही धारणा रही है कि जब चाँद पर जल नहीं है, तो जीवन कहाँ होगा ? चाँद की सतह सूखी चट्टानों और सूखे गड्ढों से भरी हुई है. चन्द्रयान-1 ने इस पर विराम लगा दिया एवं इस अवधारणा को निर्मूल सिद्ध कर दिया. चन्द्रयान-1 के साथ गया भारत का मून इम्पैक्ट प्रोब (एमआईपी) ने चाँद पर पानी की मौजूदगी का ठोस प्रमाण पृथ्वी को भेजा. यह खोज अप्रत्याशित है और सदी की सबसे बड़ी खोज है. नासा के उपकरण मून मिनेरेलॉजी मैपर (एम-3) ने भी इस खोज की पुष्टि कर दी. यह उपकरण भी चन्द्रयान-1 के साथ ही चाँद पर उतरा था.

लगभग 4 अरब रुपए की परियोजना के अन्तर्गत चन्द्रयान-1, 22 अक्टूबर, 2008 को चाँद के लिए रवाना हुआ था. यह अपने साथ 11 उपकरण भी ले गया था. इन्हीं में से एक था नासा का मून मिनेरेलॉजी मैपर (एम-3), जो चन्द्रयान के चन्द्रमा की कक्षा में स्थापित होने के बाद, चन्द्रयान से अलग होकर चन्द्रतल पर उतरा था. इन्हीं 11 उपकरणों में से एक उपकरण था 'मून इम्पैक्ट प्रोब' (एमआईपी), जो चन्द्रयान-1 के प्रक्षेपण के लगभग दो सप्ताह बाद चन्द्रयान से अलग होकर चन्द्रतल पर उतरा और 25 मिनट के भीतर ही इसरो को सूचना दी कि चाँद पर पानी समुद्र, झरने या तालाब के रूप में नहीं है, बल्कि खनिज और चट्टानों की सतह पर, विद्यमान है. चाँद की ऊपरी सतह पर पानी है. यह वाष्प और नमी के रूप में विद्यमान है. एक टन मिट्टी में लगभग एक लिटर पानी है. चाँद की मिट्टी में पानी के साथ ही हाइड्रॉक्सिल (एक ऑक्सीजन परमाणु और एक हाइड्रोजन के परमाणु से बना अणु) भी पाए गए हैं. वाशिंगटन में नासा के निर्देशक जिम ग्रीन ने कहा, ''चाँद पर पानी की खोज के लिए हम इसरो को धन्यवाद देते हैं. इसरो के एमआईपी द्वारा जुटाई गई सूचनाओं से जून में ही चाँद पर पानी की मौजूदगी का पता लग गया था. चन्द्रयान-1 द्वारा जुटाए गए आँकड़ों के विश्लेषण में छः महीने से तीन साल का समय लग सकता है.'' यह अंतरिक्ष विज्ञान की सबसे बड़ी खोज है.

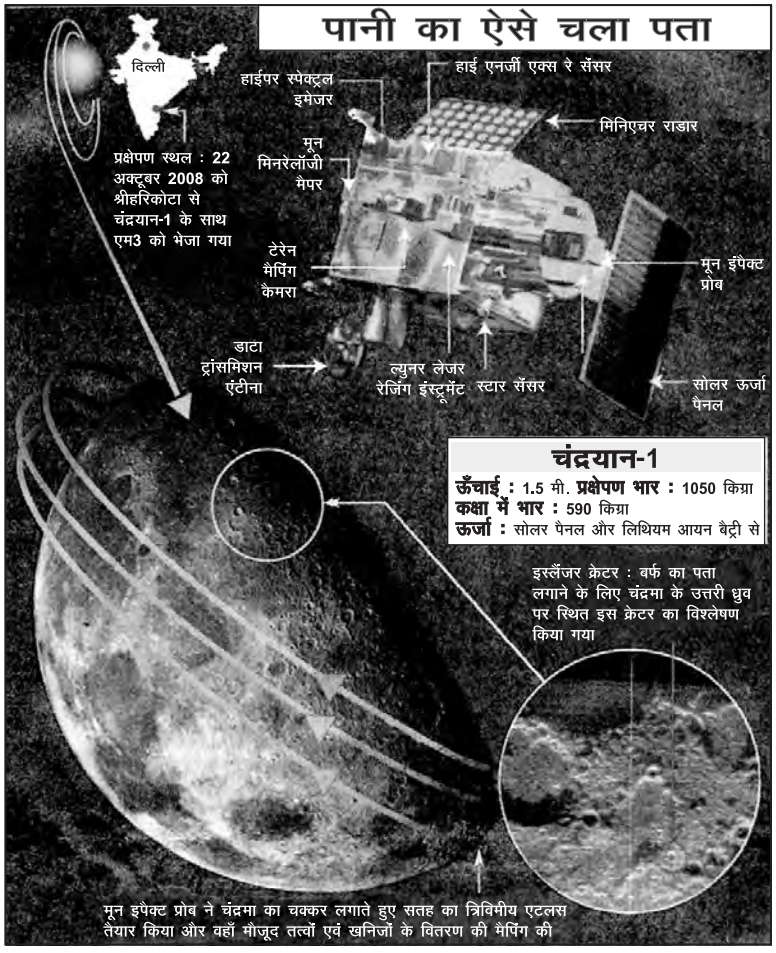

चाँद पर पानी कहाँ से आया ? वैज्ञानिकों का आकलन है कि सौर पवन में धनावेशित प्रोटॉन (हाइड्रोजन आयन) होते हैं, जो चन्द्रमा की मिट्टी और शिलाओं में विद्यमान ऑक्सीजन से अभिक्रिया करके पानी बनाते हैं.

पानी की अनुपलब्धता अब तक बड़े अभियानों में बाधा थी. अंतरिक्ष यात्रियों को पेयजल के साथ खाद्य पदार्थों के रिहाइड्रेशन की समस्या आती थी. दूसरी बड़ी समस्या चन्द्रमा से वापस लौटने में लगने वाले ईंधन को लेकर थी. इन दोनों समस्याओं के कारण अंतरिक्ष यात्रियों को पानी और ईंधन अपने साथ ले जाना पड़ता था, जिससे अभियान का अंतराल सीमित करना पड़ता था. चाँद पर पानी का पता लगने पर, अंतरिक्ष यात्रियों की दोनों समस्याएं समाप्त हो सकती हैं.

अधिक मात्रा में पानी की सम्भावना से वहाँ कॉलोनियाँ बसाकर जन-आपूर्ति की जा सकती है एवं फसलों की सिंचाई भी हो सकती है. पानी में विद्यमान हाइड्रोजन को अलग कर चन्द्रमा से वापस आने के लिए ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है. मंगल या दूसरे बड़े अभियानों के लिए, चन्द्रमा पर अंतरिक्ष केन्द्र स्थापित किया जा सकता है.

अब यह पता लगाने की जरूरत है कि चाँद पर पानी कितनी मात्रा में है और इस पानी को मनुष्यों के उपयोग के योग्य कैसे बनाया जाए ? चाँद पर मानव बस्तियाँ बसाने के लिए वैज्ञानिकों के सपने को यथार्थ में बदलने के लिए, जो चीजें जरूरी हैं उनमें से एक पानी को लेकर, तो निश्चित हुआ जा सकता है.

इस खोज से चाँद को अंतरिक्ष अभियानों के एक ठिकाने के रूप में उपयोग करने की सम्भावना बढ़ गई है.

बाईपास सर्जरी को बाय-बाय

निकट भविष्य में बाईपास सर्जरी को बाय-बाय कहा जा सकेगा. तब हृदय रोग के

लाखों रोगियों को चीरफाड़ से मुक्ति मिल जाएगी. इंजेक्शन से दी गई दवा ही उनके दिल के दर्द को हमेशा के लिए दूर करने के लिए पर्याप्त होगी. इजरायल के तेल अवीब विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने प्रोटीन आधारित यह दवा तैयार की है. इस इंजेक्शन को हृदय में लगाकर, वहाँ नई धमनियाँ विकसित की जा सकती हैं. इस खोज से लाखों हृदय रोगियों को नया जीवन मिलने की सम्भावना है.

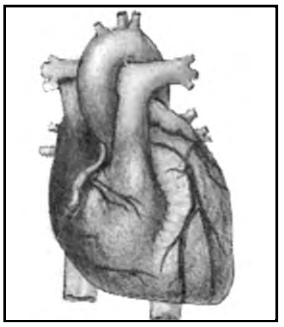

मानव हृदय

हृदय रोग में हृदय धमनियाँ या तो बंद हो जाती हैं, या सिकुड़ जाती हैं अथवा निष्क्रिय हो जाती हैं. इससे हृदयाघात हो जाता है. तेल अवीब विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉ. ब्रिटन हार्डी और उनके शोध दल ने इस प्रोटीन आधारित इंजेक्शन का विकास किया है. जब इस इंजेक्शन को शरीर की किसी पेशी में लगाया जाता है, तो वहाँ रक्त धमनियाँ विकसित होने लगती हैं. कुछ ही सप्ताह में इनका पूर्ण विकास हो जाता है और इससे रक्त-संचार में सुधार हो जाता है.

फैलेगी कमर तो सिकुड़ेगा दिमाग

कमर या शरीर का मोटापा, शरीर और मस्तिष्क दोनों के स्वास्थ्य के लिए, तरह-तरह की जटिलताएं उत्पन्न करता है. कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पॉल थॉमसन एवं उनकी टीम के एक शोध लेख 'न्यू साइंटिस्ट' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है. इसके अनुसार आपकी कमर के चारों ओर

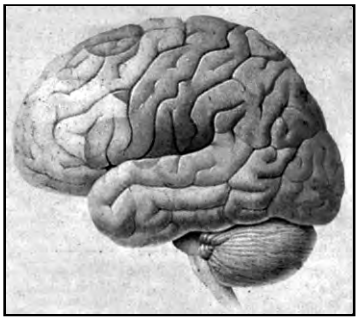

मानव मस्तिष्क

उभरी चर्बी आपके मस्तिष्क को सिकोड़ देती है शोधकर्ताओं ने पाया कि मस्तिष्क का वह क्षेत्र, जो बोध और संज्ञान के लिए महत्वपूर्ण होता है, वह मोटी कमर वाले एवं अन्य मोटे लोगों में छोटा होता है. ऐसे लोगों का दिमाग अपनी आयु के हिसाब से 16 साल अधिक बूढ़ा होता है. मस्तिष्क का यह संकुचन 'डिमेंशिया' अर्थात् मनोभ्रंश से सम्बद्ध होता है. यह शोध उस संदेह की पुष्टि करता है कि बढ़ता वजन मस्तिष्क की स्थिति में बदलाव का खतरा पैदा करता है. वैसे भी शरीर में बढ़ी हुई चर्बी, हृदय-धमनियों में अवरोध उत्पन्न करती है, जो मस्तिष्क की कोशिकाओं तक पहुँचने वाले रक्त एवं ऑक्सीजन के संचरण को कम करती है. फलतः, मेटाबोलिज्म में होने वाली कमी से मस्तिष्क की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं. इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 94 लोगों का चयन किया था.

हबल ने लिए 15 अरब साल पहले के ब्रह्माण्ड के चित्र

मान लिया जाए कि आप 15 अरब वर्ष पीछे चले जाएं, जब हमारे ब्रह्माण्ड को अस्तित्व में आए मात्र एक अरब वर्ष ही हुए थे, तो आप क्या देखेंगे ? कहीं कोई जीवन नहीं, बस आकाशगंगाओं का झुरमुट, परस्पर टकराती आकाशगंगाएं, बनते-बिगड़ते सूर्यों-तारों का खेल. इस समय उस सुदूर भूतकाल को देखना सम्भव नहीं है. दूसरी ओर नासा ने 15 अरब साल पहले के ब्रह्माण्ड की झलक पा ली है.

नासा की शक्तिशाली अंतरिक्ष दूरबीन 'हबल' के अति संवेदनशील उपकरणों ने 15 अरब वर्ष पीछे की यात्रा की और तब की सृष्टि की तस्वीर को कैद करने में सफलता पा ली है. हबल के चित्रों को देखकर वैज्ञानिक चकित हैं. नासा ने इस खोज का नाम 'डीप फील्ड' रखा है. हबल ने नासा को, जो चित्र भेजे हैं, उनमें ऐसी सैकड़ों आकाशगंगाएं हैं, जो पहले कभी नहीं देखी गई थीं.

'ग्रैविटी ट्रैक्टर'–क्षुद्र ग्रहों की टक्कर से पृथ्वी को बचाएगा

अंतरिक्ष में अनगिनत आकाशीय पिण्ड भ्रमण करते रहते हैं. ये तरह-तरह आकार एवं विस्तार के हैं. कुछ क्षुद्र ग्रह हैं, तो कुछ धूमकेतु और कुछ छोटे-बड़े चट्टान. हमारे सौरमण्डल में मंगल तथा बृहस्पति ग्रहों की कक्षाओं के बीच बड़ी संख्या में क्षुद्र ग्रह विद्यमान हैं और ये सभी सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं. गहन एवं सुदूर अंतरिक्ष के क्षुद्र ग्रह भी हमारे सौरमण्डल में घुस आते हैं. ऐसे ही किसी क्षुद्र ग्रह की टक्कर से पृथ्वी पर से डायनासोरों का विलोपन हुआ था. वही खतरा अब भी बना हुआ है. किसी क्षुद्र ग्रह के पृथ्वी से टकराने की स्थिति में, 1945 में हिरोशिमा में अमरीका द्वारा गिराए गए परमाणु बम की तुलना में 10 हजार गुना अधिक ऊर्जा निकल सकती है. ऐसी घटना की पुनरावृत्ति भविष्य में भी हो सकती है. अतः, मानव सचेत है और ऐसी घटना को रोकने की विधियों पर विचार कर रहा है.

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने एक अंतरिक्ष यान का डिजाइन तैयार किया है, जो क्षुद्र ग्रहों की विनाशकारी टक्कर से पृथ्वी को बचाएगा. ब्रिटिश कम्पनी 'इएडीस आस्ट्रियम' के एक शोध दल ने इस अंतरिक्ष यान 'ग्रैविटी ट्रैक्टर' को बनाया है, जिसे पृथ्वी के साथ क्षुद्र ग्रह की टक्कर होने की आशंका होने पर तैनात किया जाएगा. यह क्षुद्र ग्रह का पता लगा लेगा और इसे अपने साथ उड़ने की स्थिति में रखेगा. यान इस क्षुद्र ग्रह को अपनी सतह से 160 फीट की दूरी बनाए रखेगा. ऐसी स्थिति में 10 टन वजनी यह यान क्षुद्र ग्रह पर हल्का गुरुत्व बल लगाएगा तथा क्षुद्र ग्रह को अपनी ओर खींचेगा. कई वर्षों में धीरे-धीरे इसका रास्ता बदलते हुए 'ग्रैविटी ट्रैक्टर' क्षुद्र ग्रह के मार्ग को परिवर्तित करने में सफल होगा. पृथ्वी को क्षुद्र

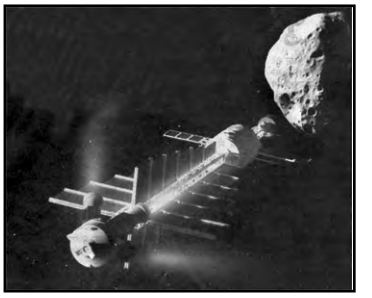

गहन अंतरिक्ष में क्षुद्र ग्रह के साथ-साथ चलता ग्रैविटी ट्रैक्टर

ग्रह की टक्कर से बचाने के लिए यह पर्याप्त एवं प्रभावी तरीका माना जा रहा है. 'ग्रैविटी ट्रैक्टर', भौतिकी के मूलभूत सिद्धान्त पर काम करता है. प्रत्येक द्रव्यमान में गुरुत्व होता है, जो आसपास की वस्तुओं को अपनी ओर खींचता है. किसी अंतरिक्षीय पिण्ड पर लम्बे समय तक इस बल के लगने से वह पिण्ड अपने मार्ग से हट जाएगा.

असली इंसान जैसे 'बायोनिक मैन'

पौराणिक कथाओं में कृत्रिम मानव (बायोनिक मैन) बनाने का उल्लेख मिलता है, जिसे 'कृत्या' कहा जाता है. भगवान शिव ने अपने एक बाल से वीरभद्र नामक व्यक्ति का निर्माण किया था, जिसमें अपार बल था और उसी ने दक्ष प्रजापति के यज्ञ को विध्वंस किया था. अभी हाल ही में ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने सवा करोड़ रुपए में 'बायोनिक मैन' तैयार करने की योजना का उल्लेख किया है.

बायोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक्स का समन्वय है 'बायोनिक्स'. इसमें जीवों और कृत्रिम संरचनाओं के बीच तकनीक का

शेष पृष्ठ 685 पर

लगातार नियमित अध्ययन, विषयों का वैज्ञानिक व विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं समय प्रबन्धन, यह सब मेरी सफलता के मूल तत्व हैं.

—श्रीमती चंचल वर्मा

टॉपर, आर. ए. एस. परीक्षा 2007 में द्वितीय स्थान पर चयनित

राजस्थान राज्य सेवा परीक्षा में द्वितीय जैसे उच्चतम स्थान पर चयनित होकर श्रीमती चंचल वर्मा ने निस्सन्देह एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह सभी प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्रीमती चंचल—जी, धन्यवाद.

प्र. द.—क्या आपने पिछले वर्षों की परीक्षा के टॉपर्स के साक्षात्कार पढ़े? इन टॉपर्स में से किसी से आप प्रभावित हुईं? अपने परिणाम को जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं?

श्रीमती चंचल—मैने प्रतियोगी पत्रिकाओं में सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार पढ़े हैं. यह सफलता प्राप्त करने से पूर्व मेरा मानना था कि टॉपर्स कोई विरले ही होते हैं, परन्तु अब मैं सोचती हूँ कि वे भी सामान्य ही होते हैं और हममें से ही एक होते हैं.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थीं और सफलता के प्रति आशावान थीं? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?

श्रीमती चंचल—जी हाँ, मैं इस प्रयास में अपनी तैयारी और निष्पादन से पूर्णतया सन्तुष्ट थी. इस सफलता पर अत्यधिक प्रसन्नता हुई.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किसको देना चाहेंगी?

श्रीमती चंचल—इस सफलता का श्रेय सर्वप्रथम मैं अपने पति श्री कमलेश वर्मा को देना चाहूँगी तथा उसके उपरान्त अपने परिवार को, जिन्होंने अध्ययन के दौरान मुझे पूर्ण सहयोग दिया.

प्र. द.—सिविल सेवा केवल एक ही लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थीं.

श्रीमती चंचल—तैयारी के दौरान मैं एक अध्यापिका के रूप में चयनित होकर अध्यापन भी कर रही थी.

प्र. द.—किस तरह और कब आपको सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ?

.....प्रतियोगिता दर्पण प्रतियोगी परीक्षाओं की सभी आवश्यकताओं की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण तथा सफल पत्रिका है. इसके अतिरिक्तांक अपने विषय को विश्लेषणात्मक, विविधतापूर्ण एवं बोधगम्य बनाते हैं. वार्षिकी परीक्षा के दिनों में रिवीजन के लिए अद्वितीय है.

श्रीमती चंचल—विवाह के उपरान्त पति द्वारा प्रेरित करने पर व इस सेवा की गरिमा एवं महत्व का आभास करवाने पर ही मैं उसके महत्व को जान पाई.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाएं तलाशने का फैसला लिया?

श्रीमती चंचल—सन् 2003 में मैंने सिविल सेवाओं के लिए प्रयास करने का फैसला किया और तभी से तैयारी प्रारम्भ की.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा?

श्रीमती चंचल—सर्वप्रथम मैंने अपने अनुरूप विषयों का चयन किया व उसके अनुरूप सामग्री तलाश करनी प्रारम्भ की.

प्र. द.—बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में आज सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगी रहीं. किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा?

श्रीमती चंचल—सिविल सेवाओं की सामाजिक प्रतिष्ठा, विविधता व आमजन से अत्यधिक जुड़ाव के कारण मेरा जोश बना रहा.

प्र. द.—यह सफलता कितने प्रयासों में प्राप्त की और आप अपने पिछले प्रयासों का विश्लेषण कर किस निष्कर्ष पर पहुँचीं, जहाँ सफलता में बाधा आई?

व्यक्ति परिचय

नाम—*श्रीमती चंचल वर्मा*

पिता का नाम—*श्री रामसरूप*

माता का नाम—*स्व. श्रीमती कृष्णा देवी*

जन्मतिथि—*31-08-1976*

शैक्षिक योग्यता—

हाईस्कूल—*हरियाणा बोर्ड, 1991 (75%)*

इण्टरमीडिएट—*सीबीएसई बोर्ड, 1993 (69%)*

बी. ए. —*KUK, 1996 (67%)*

एम. ए.—*GJU, हिसार; 1998 (69%)*

बी. एड.—*एम. डी. एस. यूनीवर्सिटी, अजमेर; 2000 (71%)*

श्रीमती चंचल—यह सफलता दूसरे प्रयास में प्राप्त हुई. प्रथम प्रयास में दर्शन-शास्त्र विषय (दूसरा विकल्प) पर पूरी पकड़ न हो पाने के कारण सफलता हाथ नहीं लगी.

प्र. द.—ऐच्छिक विषयों का चुनाव करते हुए आपके विचार एवं तर्क अनुसार क्या तत्व महत्वपूर्ण हैं और क्या नहीं? आपके ऐच्छिक विषय क्या थे एवं इनके चुनाव का आधार क्या था? क्या आपने सभी प्रयासों में ऐच्छिक विषय समान रखे?

श्रीमती चंचल—ऐच्छिक विषय के चुनाव में विषय में रुचि, अध्ययन सामग्री की उपलब्धता, मानक व स्तरीय पुस्तकें महत्वपूर्ण होती हैं. मेरे ऐच्छिक विषय (i) लोक प्रशासन व (ii) दर्शनशास्त्र थे. लोक प्रशासन विषय में रुचि का कारण प्रशासन के विषय को पूर्णरूप से जानना

था. दर्शनशास्त्र के चयन का कारण इसके प्रति रुचि, विषय का वैज्ञानिक दृष्टिकोण व इसके पाठ्यक्रम का संक्षिप्त होना है. मैंने अपने दोनों प्रयासों में अपने ऐच्छिक विषय समान ही रखे.

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी क्या एक नियोजित कार्यक्रम पर आधारित थी? क्या आपने अपने लिए कोई प्रयास/समय सीमा रखी थी, जिसमें आप इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकीं?

श्रीमती चंचल—जी हाँ, परीक्षा की तैयारी एक नियोजित कार्यक्रम पर आधारित थी.

प्र. द.—अपनी दैनिक दिनचर्या के कुछ कार्यों को क्रमबद्ध कर बताएं, जो आपकी सफलता में सहायक रहे?

श्रीमती चंचल—दैनिक कार्यों में समय प्रबन्धन का विशेष ध्यान रखा.

प्र. द.—सामान्य अध्ययन की तैयारी की क्या रणनीति रही? जैसा कुछ परीक्षार्थियों में देखने में आता है कि अंकों के आधार पर ऐच्छिक विषयों पर अपेक्षाकृत अधिक ध्यान देते हैं, इस बारे में आपका क्या दृष्टिकोण है?

श्रीमती चंचल—सामान्य अध्ययन चूँकि अत्यधिक विस्तृत होता है, इसीलिए मैंने पूर्णतया पाठ्यक्रम के अनुरूप अपना अध्ययन केन्द्रित किया. मेरा विचार है कि सामान्य अध्ययन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना ऐच्छिक विषयों का अध्ययन.

प्र. द.—समय प्रबन्धन (तैयारी करते समय या फिर परीक्षा में)—समय एक महत्वपूर्ण कारक है. क्या आपने इस दौरान समय को लेकर कोई कठिनाई महसूस की? यदि हाँ, तो कैसे आपने इसका सामना किया?

श्रीमती चंचल—अपने तैयारी के प्रारम्भिक समय में समय प्रबन्धन के क्रम में अपने अध्यापन कार्य व संयुक्त परिवार में समायोजन के चलते थोड़ी समस्या रही, परन्तु धीरे-धीरे सभी कार्यों के लिए उपयुक्त समय सीमा का निर्धारण कर प्रयास किया, जिससे सभी कठिनाइयाँ समाप्त हो गईं.

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा के समय आपकी क्या प्राथमिकताएं रहीं? प्रारम्भिक परीक्षा की सटीक तैयारी के लिए किन विशेष चीजों का ध्यान रखा और कैसे आपने नेगेटिव मार्किंग का सामना किया?

श्रीमती चंचल—प्रारम्भिक परीक्षा के दौरान वैकल्पिक विषय के गूढ़ अध्ययन के साथ-साथ सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम को अलग-अलग भागों में बाँटकर विश्लेषणात्मक अध्ययन किया. समसामयिक घटनाओं पर विशेष ध्यान दिया.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आदर्श व्यक्ति	— *ए. पी. जे. अब्दुल कलाम व स्वामी विवेकानन्द*
सबल पक्ष	— *आत्मविश्वास व दृढ़ निश्चय.*
निर्बल पक्ष	— *संवेदनशीलता.*
आपकी रुचियाँ	— *(1) पाक कला, (2) रेडियो सुनना.*

प्र. द.—आपने मुख्य परीक्षा हेतु अपनी रणनीति में क्या बदलाव किए?

श्रीमती चंचल—मुख्य परीक्षा की तैयारी के दौरान अपने प्रथम प्रयास में दूसरे वैकल्पिक विषय के कारण सफलता नहीं मिल पाई. अपने दूसरे प्रयास में मैंने अपनी इसी कमी को दूर करने का प्रयास किया. इस हेतु पतंजलि के धर्मेन्द्र सर का विशेष मार्गदर्शन फलदायक रहा. उन्होंने विषय की गहरी समझ विकसित करने, वैज्ञानिक व विश्लेषणात्मक अध्ययन में अत्यधिक सहयोग व मार्गदर्शन दिया.

प्र. द.—आपने सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए कौन-कौनसी पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का अध्ययन किया?

श्रीमती चंचल—सामान्य अध्ययन हेतु मैंने समाचार-पत्रों में राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, द हिन्दू का विशेष अध्ययन किया. पत्रिकाओं में मैंने विशेष रूप से प्रतियोगिता दर्पण, योजना, कुरुक्षेत्र आदि का विशेष अध्ययन किया.

प्र. द.—साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की और आपका साक्षात्कार कब और किस बोर्ड में था? साक्षात्कार कैसा रहा और कितने समय चला एवं क्या-क्या प्रश्न पूछे गए?

श्रीमती चंचल—साक्षात्कार हेतु सम-सामयिक, सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया. राजस्थान प्रशासनिक सेवा होने के कारण यहाँ RPSC में मेरा साक्षात्कार सी. आर. चौधरी व बैरवा जी के बोर्ड में था. साक्षात्कार में मेरा प्रदर्शन मेरी आशा-अनुरूप था तथा यह आधे घण्टे तक चला. इस दौरान मुझसे शराबबंदी, महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा का राज्य के विकास में योगदान, जल प्रबन्धन आदि विषयों पर प्रश्न पूछे गए.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए?

श्रीमती चंचल—सिविल सेवाओं की तैयारी के विषय में पूर्व स्नातक स्तर से ही सोचना प्रारम्भ करना चाहिए तथा स्नातक के लिए उसी अनुरूप विषय चुनने चाहिए. मेरे विचार से गहन अध्ययन करते हुए 1-2 वर्ष तक का समय लगना चाहिए.

प्र. द.—आपके अनुसार विज्ञान और मानविकी विषयों में से किस विषय के साथ प्रयास ज्यादा सही है? ऐसी कुछ अवधारणाएं हैं कि मानविकी विषयों में सफलता एवं विज्ञान विषयों के साथ अपेक्षाकृत अधिक अंक प्राप्त किए जा सकते हैं. आपके इस बारे में क्या विचार हैं?

पुस्तकों की सूची

प्रारम्भिक (ऐच्छिक)

लोक प्रशासन : (i) अवस्थी महेश्वरी, (ii) सुरेन्द्र कटारिया, (iii) लक्ष्मीकांत (THM), (iv) बी. एल. फड़िया

मुख्य (ऐच्छिक)–I

(i) अवस्थी व अवस्थी, (ii) सुरेन्द्र कटारिया, (iii) शर्मा व सडाना, (iv) लक्ष्मीकांत (TMH), (v) भवानी सिंह (न्यास) के नोट्स.

मुख्य (ऐच्छिक)–II (दर्शनशास्त्र)

(i) हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, (ii) सीडी शर्मा, (iii) वेद प्रकाश वर्मा.

श्रीमती चंचल—दोनों विषयों में किए गए प्रयास सही हैं. महत्वपूर्ण यह है कि आपकी विषय पर पकड़ कितनी है. मेरा मानना है कि अंक प्राप्त करना या सफलता प्राप्त करना विषय की पकड़ पर निर्भर करता है.

प्र. द.—आपके इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम को लेकर तैयारी एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं?

श्रीमती चंचल—यह धारणा अब निर्मूल हो गई है कि अंग्रेजी माध्यम से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है. हिन्दी माध्यम से भी अच्छे अंक व सफलता प्राप्त की जा सकती है, बशर्ते विषय की उत्तम अभिव्यक्ति व भाषा पर अच्छी पकड़ हो.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु प्रतियोगी पत्रिकाएं किस प्रकार उपयोगी होती हैं?

श्रीमती चंचल—प्रतियोगी पत्रिकाएं प्रेरित करने के साथ-साथ विषयों के चुनाव, उन पर पकड़ हेतु रणनीति निर्माण, पुस्तकों व पाठ्य सामग्री का चुनाव इत्यादि में सहायक होती हैं.

प्र. द.—हाल ही में प्रकाशित एक सम्मानीय संस्था द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार शीर्ष की 7 पत्रिकाओं में से एक एवं भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका 'प्रतियोगिता दर्पण' को इन मानकों के कितने करीब पाती हैं? इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगी?

शेष पृष्ठ 685 पर

मेरी सफलता का मूलमंत्र स्वामी विवेकानन्द का आह्वान 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति से पहले मत रुको' है.

—वैभव श्रीवास्तव

सिविल सेवा परीक्षा, 2008 में हिन्दी माध्यम से 74वें स्थान पर चयनित

संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित परीक्षा में उच्च स्थान पर चयनित होकर श्री वैभव श्रीवास्तव ने निःसन्देह एक अत्यन्त गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह सभी प्रशंसा तथा हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री वैभव—जी, धन्यवाद.

प्र. द.—क्या आपने पिछले वर्षों की परीक्षा के टॉपर्स के साक्षात्कार पढ़े ? इन टॉपर्स में से किसी से आप प्रभावित हुए ? अपने परिणाम को जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ?

श्री वैभव—प्रतिवर्ष मैं टॉपर्स के साक्षात्कार पढ़ता था. ये साक्षात्कार हमेशा मेरे लिए प्रेरणास्रोत रहे व इनकी मदद से मुझे अपनी गलतियाँ सुधारने में मदद मिली. मेरा हमेशा से मानना था कि हममें से ही लोग, टॉपर्स के रूप में चयनित होते हैं. अन्तर मात्र सही रणनीति का होता है.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थे और सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री वैभव—जी हाँ, मैं अपनी तैयारी व परीक्षा में निष्पादन से पूर्णतः सन्तुष्ट था. विशेष तौर पर साक्षात्कार के उपरान्त सफलता के प्रति पूर्णतः आश्वस्त था.

मुझे सफलता का शुभ समाचार मेरे मित्र श्री नेमसिंह (IRS) द्वारा प्राप्त हुआ. अपने श्रम का प्रतिफल पाकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हुई व मैंने तत्काल अपने परिवार को फोन पर सूचित किया.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किसको देना चाहेंगे ?

श्री वैभव—सफलता कभी भी निर्वात में प्राप्त नहीं होती. इसमें अनेक लोगों का योगदान होता है, परन्तु मैं अपनी सफलता का मुख्य श्रेय ईश्वर के साथ माता-पिता, परिवारीजन, गुरुजन श्री विनय सिंह (ध्येय IAS), श्री मणिकांत सिंह (The Study), श्री रामेश्वर राय, श्री विकास दिव्यकीर्ति (दृष्टि) एवं श्री सुनील टुटेजा (बिलासपुर) एवं मित्रगणों को देना चाहूँगा.

..... प्रतियोगिता दर्पण अपने आप में बेजोड़ पत्रिका है तथा हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थियों के लिए वरदान स्वरूप है. इसके अतिरिक्तांक गुणवत्तापरक सामग्री से परिपूर्ण हैं. इसकी वार्षिकी परीक्षा के समय में रिवीजन की सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराती है.

प्र. द.—सिविल सेवा केवल एक ही लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे.

श्री वैभव—मैंने छत्तीसगढ़ SLET परीक्षा उत्तीर्ण कर सहायक प्राध्यापक के पद को वैकल्पिक कैरियर के रूप में तैयार कर रखा था.

प्र. द.—किस तरह और कब आपको सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री वैभव—चूँकि मेरे पिता श्री कृष्ण कुमार श्रीवास्तव (रिटायर्ड चीफ इंजीनियर, लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन) राज्य शासन में अधिकारी रहे हैं. अतः बचपन से ही सिविल सेवकों के सम्पर्क में आने का अवसर मिला, जिसने मुझे सिविल सेवा को अपना कैरियर बनाने हेतु प्रेरित किया.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाएं तलाशने का फैसला लिया ?

श्री वैभव—जब मैं 12वीं कक्षा में था, तब मेरी बड़ी बहन श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव (जो वर्तमान में डी.एस.पी. हैं) ने राज्य सिविल सेवा की तैयारी शुरू कर दी थी. अतः उनसे प्रेरणा पाकर मेरा निर्णय, दृढ़ संकल्प में बदल गया एवं 12वीं के बाद मैंने गणित संकाय छोड़कर कला संकाय लेते हुए बी.ए. में प्रवेश ले लिया.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा ?

श्री वैभव—निर्णय लेने के बाद मैंने सर्वप्रथम NCERT की पुस्तकों का अध्ययन कर अपनी नींव मजबूत की. साथ ही ग्रेजुएशन के अपने विषयों का गम्भीरता से अध्ययन किया.

व्यक्ति परिचय

नाम—*वैभव श्रीवास्तव*

पिता का नाम—*श्री कृष्ण कुमार श्रीवास्तव*

माता का नाम—*श्रीमती पदमा श्रीवास्तव*

जन्मतिथि—*01–07–1981*

शैक्षिक योग्यता—

हाईस्कूल—*Sant Xavier's H. S. School, Ambikapur; Madhyamik Shiksha Mandal, Bhopal, (M.P.) (1996, 82%)*

इण्टरमीडिएट—*Saraswati H. S. School, Bilaspur; Madhyamik Shiksha Mandal, Bhopal (M.P.) (1998, 80·67%)*

बी.ए.—*D. P. College, Bilaspur; Guru Ghasidas University, Bilaspur (2001, 72·17%)*

एम.ए.—*D. P. College, Bilaspur; Guru Ghasidas University, Bilaspur (2003, 70·38%)*

पूर्व चयन—

(I) Distt. Jail Superintendent (May 2007)—MPPSC 2003

(II) Dy. S. P. (March 2008)—MPPSC 2005

(III) I.R.T.S. (May 2008)—IAS 07

(IV) I.A.S. (May 2009)—IAS 08

प्र. द.—बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में आज सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद

भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री वैभव–सिविल सेवाओं के साथ जुड़ी विविधताएं, चुनौतियों एवं प्रतिष्ठा ने मेरा जोश बरकरार रखा.

प्र. द.–यह सफलता कितने प्रयासों में प्राप्त की और आप अपने पिछले प्रयासों का विश्लेषण कर किस निष्कर्ष पर पहुँचे जहाँ सफलता में बाधा आई ?

श्री वैभव–ये मेरा तीसरा प्रयास था. प्रथम प्रयास में मुख्य परीक्षा की तैयारी सन्तोषप्रद नहीं हो पाई थी, जबकि द्वितीय प्रयास में मेरा साक्षात्कार बहुत अच्छा नहीं रहा था.

प्र. द.–ऐच्छिक विषयों का चुनाव करते हुए आपके विचार एवं तर्क अनुसार क्या तत्व महत्वपूर्ण हैं और क्या नहीं ? आपके ऐच्छिक विषय क्या थे एवं इनका चुनाव किस आधार पर था ? क्या आपने सभी प्रयासों में ऐच्छिक विषय समान रखे ?

श्री वैभव–ऐच्छिक विषयों के चुनाव में अपनी रुचि का विशेष ध्यान रखना चाहिए. मैंने ग्रेजुएशन के समय ही अपनी रुचि के आधार पर तीन विषयों का चयन किया था, जिनमें से दो विषय लेकर मैंने सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त की है. जी हाँ, मेरे सभी प्रयासों में ऐच्छिक विषय समान थे.

प्र. द.–इस परीक्षा की तैयारी क्या एक नियोजित कार्यक्रम पर आधारित थी ? क्या आपने अपने लिए कोई प्रयास/समय सीमा रखी थी जिसमें आप इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सके ?

श्री वैभव–सिविल सेवा की तैयारी निश्चित तौर पर नियोजित कार्यक्रम पर आधारित होती है, चूँकि प्रयासों की संख्या चार है. अतः मैं कम-से-कम प्रयास में ही सफलता प्राप्त करना चाहता था.

प्र. द.–अपनी दैनिक दिनचर्या के कुछ कार्यों को क्रमबद्ध कर बताएं जो आपकी सफलता में सहायक रहे.

श्री वैभव–मैंने कोई विशेष दिनचर्या नहीं बना रखी थी. वरन् अपने सिलेबस (पाठ्यक्रम) के अनुसार प्रत्येक दिन हेतु लक्ष्य निर्धारित कर नियमित पढ़ाई की.

प्र. द.–सामान्य अध्ययन की तैयारी की क्या रणनीति रही ? जैसा कुछ परीक्षार्थियों में देखने में आता है कि अंकों के आधार पर ऐच्छिक विषयों पर अपेक्षाकृत अधिक ध्यान देते हैं. इस बारे में आपका क्या दृष्टिकोण है ?

श्री वैभव–सामान्य अध्ययन के भी महत्वपूर्ण 600 अंक होते हैं. अतः इसकी उपेक्षा को मैं सही नहीं मानता हूँ.

प्र. द.–समय प्रबन्धन–(तैयारी करते समय या फिर परीक्षा में)–समय एक महत्वपूर्ण कारक है. क्या आपने इस दौरान समय को लेकर कोई कठिनाई महसूस की ? यदि हाँ, तो कैसे आपने इसका सामना किया ?

श्री वैभव–चूँकि सिविल सेवा की प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षा के बीच समय अन्तराल काफी कम होता है. अतः समय प्रबन्धन एक महत्वपूर्ण चुनौती होती है.

अपने पूर्व प्रयासों में मुझे इस कठिनाई का सामना करना पड़ा था. अतः मेरा मानना है कि सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा देने से पूर्व ही एक बार मुख्य परीक्षा की तैयारी कर लेनी चाहिए.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व	–	*राष्ट्रपिता महात्मा गांधी*
सबल पक्ष	–	*आत्मविश्वास, धैर्य, निरन्तर जूझने की क्षमता*
निर्बल पक्ष	–	*कभी-कभी अत्यधिक भावुक हो जाना*
आपकी रुचियाँ	–	*शतरंज, बैडमिंटन, संगीत*

प्र. द.–प्रारम्भिक परीक्षा के समय आपकी क्या प्राथमिकताएं रहीं ? प्रारम्भिक परीक्षा की सटीक तैयारी के लिए किन विशेष चीजों का ध्यान रखा और कैसे आपने नेगेटिव मार्किंग का इसका सामना किया ?

श्री वैभव–प्रारम्भिक परीक्षा हेतु मैंने सीमित पुस्तकों का चयन किया, परन्तु उनका गहराई से अध्ययन किया. साथ ही विगत वर्षों के प्रश्न-पत्रों को ज्यादा-से-ज्यादा हल करने का प्रयास किया.

प्र. द.–आपने मुख्य परीक्षा हेतु अपनी रणनीति में क्या बदलाव किए ?

श्री वैभव–मुझे मुख्य परीक्षा हेतु रणनीति में बदलाव की कोई खास आवश्यकता महसूस नहीं हुई. हाँ, यदि किसी विशेष क्षेत्र में कोई कमी महसूस हुई, तो उसमें आवश्यकतानुरूप सुधार कर लिए.

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए क्या कोई विशेष तैयारी की ? आपने किस विषय पर निबन्ध लिखा एवं उस विषय को ही चुनने का क्या कारण था ?

श्री वैभव–निबन्ध की तैयारी हेतु मैंने समाचार-पत्रों के सम्पादकीय व मासिक पत्र-पत्रिकाओं का अध्ययन किया था.

मैंने 'अनुशासन का अर्थ है सफलता व अराजकता का अर्थ विनाश होता है' विषय पर निबन्ध लिखा था.' मैं इस विषय पर अच्छा विश्लेषण कर सकता था. अतः मैंने इस विषय का चुनाव किया.

प्र. द.–आपने सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए कौन-कौनसी पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का उपयोग किया ?

श्री वैभव–सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए मैंने NCERT की किताबों, प्रतियोगिता दर्पण के अतिरिक्तांक का अध्ययन किया था.

प्र. द.–साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की और आपका साक्षत्कार कब और किस बोर्ड में था ? साक्षात्कार कैसा रहा और कितने समय चला एवं क्या-क्या प्रश्न पूछे गए ?

श्री वैभव–चूँकि वर्तमान में मैं I.R.T.S. (IAS Allied) के प्रशिक्षण में हूँ. अतः इस वर्ष मुझे साक्षात्कार के लिए विशेष तैयारी का अवसर नहीं मिला. अतः मैंने अपने मित्रों के साथ ही मॉक इंटरव्यू का ग्रुप डिस्कशन का सहारा लिया.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री वैभव–सामान्य तौर पर स्नातक स्तर पर ही सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में निश्चित निर्णय ले लेना चाहिए. मेरे अनुसार परीक्षा की पूर्ण तैयारी हेतु 1 से 2 वर्ष का समय पर्याप्त होता है.

प्र. द.–आपके अनुसार विज्ञान और मानविकी विषयों में से किस विषय के साथ प्रयास ज्यादा सही है ? ऐसी कुछ अवधारणाएं हैं कि मानविकी विषयों से सफलता एवं विज्ञान विषयों के साथ अपेक्षाकृत अधिक अंक प्राप्त किए जा सकते हैं. आपके इस बारे में क्या विचार हैं ?

श्री वैभव–मेरा मानना है कि रुचिकर विषयों के साथ तैयारी करनी चाहिए. मानविकी एवं विज्ञान के विषयों से सम्बन्धित उक्त धारणाएं मिथ्या हैं व सभी विषयों से समान रूप से चयन होता है.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम को लेकर तैयारी एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री वैभव–सिविल सेवा परीक्षा में अब माध्यम कोई बाधा नहीं रह गई है एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों का चयन लगातार बढ़ता जा रहा है व कुछ विषयों को छोड़कर लगभग सभी विषयों में हिन्दी माध्यम में प्रचुर सामग्री व गाइडेंस उपलब्ध है.

प्र. द.–क्या परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर पड़ता है ? यदि हाँ तो कैसे ?

श्री वैभव–जी हाँ, निश्चित तौर पर यदि परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति अनुकूल हो, तो अध्ययन में सुविधा होती है. साथ ही किसी भी प्रतिकूल स्थिति में परिवार से सहयोग मिलता है, परन्तु साथ

ही व्यक्तिगत दृढ़निश्चय व संकल्प का भी अहम् योगदान रहता है.

पुस्तकों की सूची
(List of Books)

प्रारम्भिक

भारतीय इतिहास

- *प्राचीन भारत : के. सी. श्रीवास्तव, NCERT, झा-श्रीमाली*
- *मध्यकालीन भारत : NCERT, एल. पी. शर्मा, सतीश चन्द्रा*
- *आधुनिक भारत : NCERT, बी. एल. ग्रोवर, बिपिन चन्द्रा*

मुख्य

इतिहास

- *प्राचीन भारत–NCERT*
- *मध्यकालीन भारत–NCERT, एल. पी. शर्मा*
- *आधुनिक भारत–NCERT, बिपिन चन्द्रा*
- *विश्व इतिहास–जैन-माथुर*

हिन्दी साहित्य

- *हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ. नगेन्द्र*

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु प्रतियोगी पत्रिकाएं किस प्रकार उपयोगी होती हैं ?

श्री वैभव–निश्चित तौर पर प्रतियोगी पत्रिकाएं सिविल सेवा की तैयारी का महत्वपूर्ण भाग हैं. प्रतियोगियों को निरन्तर अद्यतन घटनाओं से जोड़े रहने के लिए इसका कोई विकल्प नहीं है.

प्र. द.–एक मानक कैरियर एवं प्रतियोगी पत्रिका में गुणवत्ता के आधार पर क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री वैभव–महत्वपूर्ण टॉपिकों का समावेश होना चाहिए. तथ्यात्मक व विश्लेषणात्मक दोनों जानकारियों का समावेश होना चाहिए. गैर जरूरी आँकड़ों का संकलन नहीं होना चाहिए वरना इससे प्रतियोगी दिग्भ्रमित हो सकते हैं.

प्र. द.–हाल ही में प्रकाशित एक सम्मानीय संस्था द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार शीर्ष की 4 पत्रिकाओं में से एक एवं भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका 'प्रतियोगिता दर्पण' को इन मानकों के कितने करीब पाते हैं ? इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगे ?

श्री वैभव–प्रतियोगिता दर्पण अपने आप में बेजोड़ पत्रिका है और हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थियों के लिए वरदान स्वरूप है और मेरे मानकों पर काफी हद तक खरी उतरती है.

प्र. द.–सामान्य अध्ययन एवं कुछ ऐच्छिक विषयों के अतिरिक्तांकों की सीरिज का क्या किसी स्तर पर उपयोग किया ? पिछले कई वर्षों से परीक्षार्थियों ने इन्हें बहुत उपयोग किया है और सराहा है.

श्री वैभव–प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षा दोनों ही स्तरों पर मैंने अतिरिक्तांकों की सीरिज का उपयोग किया था. इससे गुण-वत्तापरक सामग्री का भटकाव समाप्त हो जाता है.

प्र. द.–'प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी' आपको कैसी लगी ? परीक्षा पूर्व आपने सम-सामयिकी के लिए कितना उपयोगी पाया ? इसके प्रकाशन का समय, इसका आकार एवं इसकी सामग्री के बारे में विचार व्यक्त करें.

श्री वैभव–अच्छा प्रयास है. वर्षभर की अद्यतन सामग्री एक जगह उपलब्ध हो जाती है. प्रतियोगी फालतू की भाग-दौड़ से बच जाता है.

प्र. द.–गुणवत्ता के पैमाने पर यदि 1 से 10 तक आँकें तो आप क्या स्कोर देना चाहेंगे ?

श्री वैभव–'प्रतियोगिता दर्पण' मासिक पत्रिका—10

'प्रतियोगिता दर्पण अतिरिक्तांक'—10

'प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी'—8

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री वैभव–स्वामी विवेकानन्द के कथन, ''उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति से पहले मत रुको'' को ही मैं अपनी सफलता का मूल-मंत्र मानता हूँ.

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश आगामी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री वैभव–निरन्तर जुटे रहें, कभी हिम्मत न हारें व हमेशा याद रखें–

सेनानी करो प्रयाण अभय,
भावी इतिहास तुम्हारा है,
ये नखत शमा के बुझते हैं,
सारा आकाश तुम्हारा है.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री वैभव–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

●●●

शेष पृष्ठ 682 का

श्रीमती चंचल–प्रतियोगिता दर्पण इस दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखती है. यह अपने वर्तमान कलेवर में उत्तम है.

प्र. द.–सामान्य अध्ययन एवं कुछ ऐच्छिक विषयों के अतिरिक्तांकों की सीरिज का क्या किसी स्तर पर उपयोग किया? पिछले कई वर्षों से परीक्षार्थियों ने इनका बहुत उपयोग किया और सराहा है.

श्रीमती चंचल–इन अतिरिक्तांकों का प्रयोग मैंने मुख्य परीक्षा के दौरान किया, जिसके कारण मैं अपने विषय को अधिक विविधतापूर्ण व विश्लेषणात्मक बनाने में सफल हुई.

प्र. द.–'प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी' आपको कैसी लगी? परीक्षा पूर्व आपने समसामयिकी के लिए कितना उपयोगी पाया? इसके प्रकाशन का समय, इसका आकार एवं इसकी सामग्री के बारे में विचार व्यक्त करें.

श्रीमती चंचल–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी अत्यधिक उपयोगी सिद्ध हुई. इसकी सहायता से सभी समसामयिक घटनाओं के पुनर्स्मरण में सहायता मिली.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है?

श्रीमती चंचल–सफलता के लिए लगातार अध्ययन व विषयों का वैज्ञानिक विश्लेषणात्मक अध्ययन, समय प्रबन्धन आवश्यक है.

प्र. द.–कोई सुझाव या संदेश आगामी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी?

श्रीमती चंचल–अभ्यर्थियों से कहना चाहूँगी कि लक्ष्य पर नजर रखें, असफल-ताओं से न घबराएं व अध्ययन को नियमित बनाए रखें.

●●●

शेष पृष्ठ 680 का

हस्तान्तरण होता है. इससे युद्ध या दुर्घटनाओं में हाथ, पैर या अन्य महत्वपूर्ण अंग गँवा चुके लोगों को हू-ब-हू बायोनिक अंग ट्रांसप्लांट किए जाते हैं. बायोनिक शरीर में होने वाली सभी रासायनिक, जैविक और भौतिक क्रियाओं को कृत्रिम रूप से साकार करने की इंजीनियरिंग है. इन बायोनिक अंगों में सोनार, रेडार, अल्ट्रासाउंड और कम्प्यूटर साइंस की नवीनतम तकनीकों का भी उपयोग होता है.

बायोनिक मैन एक तरह से कृत्रिम मानव होगा, लेकिन उसमें सभी आंतरिक एवं बाह्य, मानवीय क्रियाएं-प्रतिक्रियाएं होंगीं. ब्रिटिश कम्पनी बर्कले ने बेहद मजबूत इंसानी ढाँचा तैयार किया है. इससे पहले वैज्ञानिक बायोनिक हाथ, बायोनिक पैर एवं बायोनिक आई विकसित कर चुके हैं. ऐसे बायोनिक मैन में, सामान्य व्यक्ति की तुलना में अपार बल होगा. बायोनिक अंग बिल्कुल मानवीय अंगों की तरह काम करते हैं और दिमाग से संकेत ग्रहण करते हैं.

●●●

स्मरणीय तथ्य

राष्ट्रीय

1. वह उपग्रह जिसे विश्व के अन्य छोटे छः उपग्रहों के साथ 23 सितम्बर, 2009 को भारत द्वारा प्रक्षेपित किया गया. **– ओसनसैट-2**

☛ पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (PSLV-C14) को भारत के ओसनसैट-2 (Oceansat-2) तथा अन्य विदेशी छः लघु उपग्रहों के साथ श्रीहरिकोटा से 23 सितम्बर, 2009 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया है. ओसनसैट-2 समुद्र तथा इसका वातावरण पर प्रभाव का अध्ययन करेगा.

2. भारत का वह पहलवान जिसने सितम्बर 2009 में डेनमार्क में आयोजित विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया. **– रमेश कुमार**

☛ हरियाणा के रेलवे में कार्यरत् पहलवान रमेश कुमार ने हर्निंग (डेनमार्क) में आयोजित विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में 74 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीतने में सफलता प्राप्त की. रमेश ने 42 वर्षों बाद भारत को इस प्रकार की सफलता दिलाई है.

3. वह भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी जिसे सितम्बर 2009 में दिए गए केस्ट्रॉल अवार्डों में इंडियन क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2008 का अवार्ड प्राप्त हुआ. **– गौतम गम्भीर**

☛ गौतम गम्भीर ने 2008 के केस्ट्रॉल अवार्डों में इंडियन क्रिकेटर ऑफ द ईयर (5 लाख) तथा बैट्समेन ऑफ द ईयर (2 लाख) पुरस्कार प्राप्त किए. अन्य पुरस्कारों में जीवनपर्यन्त उपलब्धि के लिए 5 लाख का पुरस्कार गुंडप्पा विश्वनाथ को प्रदान किया गया.

4. वह शहर जहाँ आठवाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन (2010) का आयोजन प्रस्तावित है. **– नई दिल्ली**

☛ विदेशों में रह रहे प्रमुख भारतीयों का आठवाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 7–9 जनवरी, 2010 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा. 8 जनवरी को प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह उद्घाटन तथा 9 जनवरी को राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल सम्मेलन का समापन करेंगी.

5. वह फिल्म जिसने सितम्बर 2009 में घोषित 55वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार प्राप्त किया है. **– कांचीवरम्**

☛ विख्यात कांचीवरम् साड़ियों के बुनकरों की दयनीय स्थिति पर बनी फिल्म 'कांचीवरम्' को फीचर फिल्म श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए स्वर्ण कमल हेतु चुना गया है. प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित यह तमिल फिल्म में भूमिका के लिए प्रकाश राज को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के पुरस्कार के लिए चुना गया है.

6. भारत का वह बिलियर्डस् खिलाड़ी जिसने सितम्बर 2009 में विश्व पेशेवर बिलियर्डस् चैम्पियनशिप जीतने में सफलता प्राप्त की. **– पंकज आडवाणी**

☛ पंकज आडवाणी ने सितम्बर 2009 में इंगलैण्ड में लीड्स में विश्व पेशेवर बिलियर्डस् चैम्पियनशिप जीत ली. गीत सेठी के बाद इस प्रतियोगिता को जीतने वाले वह दूसरे भारतीय हैं. पंकज आडवाणी को अर्जुन पुरस्कार, राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार तथा पद्मश्री (2009) से सम्मानित किया जा चुका है.

7. भारत का वह मुक्केबाज जिसने सितम्बर 2009 में विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता. **– विजेंद्र सिंह**

☛ ओलम्पिक कांस्य पदक विजेता विजेंद्र सिंह ने सितम्बर 2009 में इटली में मिलान में आयोजित विश्व बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में मिडिलवेट वर्ग में कांस्य पदक जीतने में सफल रहे. विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले वह पहले भारतीय हैं.

8. भारत का वह नगर जहाँ सितम्बर 2009 में राष्ट्रीय बिलियर्डस् एवं स्नूकर चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया. **– आगरा**

☛ 76वीं नेशनल बिलियर्डस् एवं स्नूकर चैम्पियनशिप का आयोजन आगरा में किया गया. इस आयोजन में पंकज आडवाणी, गीत सेठी सहित देश के 190 खिलाड़ियों ने भाग लिया.

9. भारत का वह राज्य जहाँ यूरेनियम खनिज निकालने को लेकर विवाद बना हुआ है. **– मेघालय**

☛ मेघालय में 1984 में खासी पहाड़ियों में सीमा के समीप लगभग 9,500 टन यूरेनियम खनिज के भण्डार का पता चला था. केन्द्र सरकार ने इसे निकालने के लिए पश्चिमी खासी जिले में किलेन्ग–पिन्डेंगसोहलॉन्ग यूरेनियम प्रोजेक्ट (Kylleng-Pyndensohlong Uranium Project) तैयार किया है जिसका वहाँ एक छात्र संगठन द्वारा विरोध किया जा रहा है, लेकिन सरकार इसे कार्यान्वित करने के लिए दृढ़ संकल्प है.

10. भारत की वह बालिका जिसने सितम्बर 2009 में अमरीका में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन को विश्व के समस्त बच्चों की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए सम्बोधित किया. **– युगरत्ना श्रीवास्तव**

☛ लखनऊ की 13 वर्षीय किशोरी युगरत्ना श्रीवास्तव ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन को सम्बोधित किया तथा जलवायु परिवर्तन पर त्वरित कार्रवाई करने का निवेदन किया. भारत के राजेन्द्र पचौरी तथा विदेश मंत्री एस.एम. कृष्णा ने भी सम्मेलन को सम्बोधित किया. जलवायु परिवर्तन पर दिसम्बर 2009 में एक वृहद् सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें क्योटो प्रोटोकॉल जो 2012 में समाप्त हो रहा है, के स्थान पर एक नई जलवायु संधि के अस्तित्व में आने की सम्भावना है.

11. विश्व का वह पहला चन्द्रमा पर भेजा गया उपग्रह जिसने वहाँ पानी होने की पुष्टि सितम्बर 2009 में की. **– चन्द्रयान-1**

☛ भारत विश्व का पहला ऐसा देश बन गया है जिसके पहले मून मिशन में ही उसे चन्द्रमा पर पानी खोजने का श्रेय मिला है. अक्टूबर 2008 में प्रक्षेपित किए गए चन्द्रयान-1 पर अमरीका की एजेंसी 'नासा' के लगे एक उपकरण एम 3 (M 3) अर्थात् मून मिनरोलॉजी मैपर 3 द्वारा एकत्रित किए गए आँकड़ों से वैज्ञानिकों ने यह निष्कर्ष निकाला है. पानी की मात्रा मिट्टी के कणों में अत्यन्त अल्प मात्रा में उपस्थित है.

अन्तर्राष्ट्रीय

1. वह स्थान जहाँ जी-20 देशों की वर्तमान आर्थिक मंदी से उबरने के लिए तीसरी बैठक सितम्बर 2009 में आयोजित की गई.

– पिट्सबर्ग (अमरीका)

☛ जी-20 देशों की विश्व आर्थिक मंदी से निपटने के लिए उपाय खोजने के लिए तीसरा सम्मेलन पिट्सबर्ग (अमरीका) में सितम्बर 2009 में आयोजित किया गया. इससे पूर्व इस प्रकार का पहला सम्मेलन वाशिंगटन तथा दूसरा लंदन में सम्पन्न हो चुका है. इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी भाग लिया.

2. वह प्रसिद्ध हॉलीवुड अभिनेत्री जो सितम्बर-अक्टूबर 2009 में एक फिल्म की शूटिंग के लिए भारत में रहीं. **– जूलिया रॉबर्टस्**

☛ एकेडेमी अवार्ड विजेता हॉलीवुड अभिनेत्री जूलिया रॉबर्टस् (Julia Roberts) ने अपनी नई मूवी 'ईट, प्रे, लव' (Eat, Pray, Love) के लिए भारत में सितम्बर-अक्टूबर 2009 में शूटिंग की. यह फिल्म एलिजाबेथ गिल्बर्ट की इसी नाम से लिखित पुस्तक पर आधारित है, जो प्यार एवं शान्ति की खोज में इटली, भारत तथा इंडोनेशिया गई थीं. जूलिया रॉबर्टस् फिल्म में एलिजाबेथ गिल्बर्ट की भूमिका निभा रही है.

3. वह देश जहाँ 'इब्सा' (IBSA) के चौथे शिखर सम्मेलन का आयोजन नवम्बर 2009 में प्रस्तावित है. **– ब्राजील**

☛ इंडिया, ब्राजील तथा साउथ अफ्रीका (IBSA) का चौथा शिखर सम्मेलन नवम्बर 2009 में ब्राजील में प्रस्तावित है. इस सम्मेलन में अवरोध मुक्त व्यापार (Barrier-free trade) पर गम्भीरता से विचार किया जाएगा. 'इब्सा' का तीसरा शिखर सम्मेलन सन् 2008 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था.

4. भारत का वह टेनिस खिलाड़ी जिसने अपने विदेशी खिलाड़ी साथी के साथ मिलकर अमरीकी ओपन टेनिस-2009 का युगल खिताब जीता. **– लिएंडर पेस**

☛ लिएंडर पेस तथा चैक गणराज्य के लुकास डलोही की जोड़ी ने सितम्बर 2009 में अमरीकी ओपन टेनिस का युगल खिताब जीता. जून 2009 लिएंडर पेस तथा लुकास डलोही की जोड़ी ने फ्रांसीसी ओपन का युगल खिताब भी जीता था. पेस का यह 10वाँ ग्राण्ड स्लेम युगल खिताब है.

5. तीन देशों की सितम्बर 2009 में आयोजित वह क्रिकेट शृंखला जिसमें एक मैच में भारत के सचिन तेंदुलकर ने एकदिवसीय मैचों में अपना 44वाँ शतक बनाया. **– कॉम्पैक कप त्रिकोणीय क्रिकेट शृंखला**

☛ भारत-न्यूजीलैण्ड-श्रीलंका के मध्य सितम्बर 2009 में खेली गई एकदिवसीय मैचों की कॉम्पैक कप त्रिकोणीय क्रिकेट शृंखला का फाइनल मैच भारत व श्रीलंका के मध्य कोलम्बो में खेला गया जिसमें भारत विजयी रहा. सचिन तेंदुलकर ने फाइनल मैच में 138 रन बनाकर अपना 44वाँ शतक पूरा किया. सचिन को ही मैन ऑफ द मैच तथा मैन ऑफ द सीरिज़ का पुरस्कार भी मिला.

6. सितम्बर 2009 में दिवंगत वह अमरीकी कृषि वैज्ञानिक जिन्हें भारत में आई हरित क्रान्ति के लिए श्रेय दिया जाता है.

– डॉ. नॉरमन बोरलॉग

☛ अमरीकी कृषि वैज्ञानिक डॉ. नॉरमन बोरलॉग द्वारा गेहूँ के अधिक उपज देने वाले बीजों का विकास किया था जिनके प्रयोग से एशिया तथा लेटिन अमरीका में खाद्यान्न की कमी को दूर करने में सफलता मिली. भारत भी उनके बीजों का प्रयोग करके हरित करने में सफल रहा तथा खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता प्राप्त की. भारत ने उनके इस योगदान के लिए उन्हें सन् 2006 में पद्म विभूषण देकर सम्मानित किया. डॉ. बोरलॉग को 1970 में नोबल पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.

7. वह देश जिसकी सदस्यता राष्ट्रमण्डल द्वारा 1 सितम्बर, 2009 से निलम्बित कर दी गई है. **– फिजी**

☛ फिजी में निर्वाचित सरकार का सन 2006 में तख्ता पलट कर सेना ने सत्ता पर अधिकार कर लिया था. राष्ट्रमण्डल ने वहाँ पुनः चुनाव कराने एवं लोकतंत्र की बहाली के लिए चेतावनी देते हुए निलम्बन की संस्तुति की थी. वहाँ की सैन्य समर्थित फ्रैंक बैनीराम की सरकार द्वारा नियत समय सीमा में इस संदर्भ में कोई प्रभावी एवं सकारात्मक कदम न उठाने के कारण राष्ट्रमण्डल ने 1 सितम्बर, 2009 से सदस्यता निलम्बित कर दी.

8. वह भारतीय फिल्म जिसे इस वर्ष विदेशी फिल्म वर्ग में ऑस्कर पुरस्कारों के लिए आधिकारिक प्रविष्टि हेतु चयनित किया गया है.

– हरिशचन्द्राची फैक्टरी

☛ दादा साहब फाल्के द्वारा पहली फिल्म 'राजा हरिशचन्द्र' के निर्माण में आईं कठिनाइयों पर आधारित मराठी फिल्म हरिशचन्द्राची फैक्टरी (Harishchandrachi Factory) को आगामी ऑस्कर पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि हेतु आशा पारीख की अध्यक्षता वाली जूरी ने चुना है. फिल्म के लेखक एवं निर्देशक परेश मोकाशी (Paresh Mokashi) हैं. स्वांस (2004) के बाद यह दूसरी मराठी फिल्म है जिसे आधिकारिक रूप से चुना गया है.

9. दक्षिण अफ्रीका की वह एथलीट जिसके स्त्री या पुरुष होने को लेकर विवाद बना हुआ है. **– कास्टर सेमेन्या**

☛ दक्षिण अफ्रीका की धावक कास्टर सेमेन्या स्त्री या पुरुष वर्ग में रखे जाने को लेकर विवाद बना हुआ है. कास्टर सेमेन्या (Caster Semenya) ने बर्लिन में अगस्त 2009 में विश्व एथलेटिक चैम्पियनशिप में 800 मी रेस में स्वर्ण पदक जीता था. सेमेन्या के लिंग परीक्षण की रिपोर्ट अभी आनी शेष है.

10. वे दो भारतीय व्यक्ति जिन्हें चीन के ग्लोबल टाइम्स द्वारा आधुनिक चीन के निर्माण में योगदान देने वाले विश्व के महान् लोगों की सूची में सम्मिलित किया गया है. **– जवाहरलाल नेहरू तथा रबीन्द्रनाथ टैगोर**

☛ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से सम्बद्ध एक समाचार-पत्र ग्लोबल टाइम्स द्वारा ऐसे 60 विदेशी व्यक्तियों की सूची जारी की है जिन्होंने आधुनिक चीन के निर्माण में योगदान दिया है. सूची में नेहरू का स्थान 19वाँ तथा टैगोर का स्थान 11वाँ है. टैगौर सूची में एकमात्र कवि है. चीन में कम्युनिस्ट आन्दोलन की 60वीं वर्षगाँठ 1 अक्टूबर, 2009 को मनाई गई जिसके उपलक्ष्य में यह सूची जारी की गई.

●●●

जापान : चुनाव परिणाम के निहितार्थ

जापान में अगस्त 2009 के संसदीय चुनाव का परिणाम अप्रत्याशित तथा भारी उलटफेर वाला सिद्ध हुआ है. यह तो चुनाव पूर्व के अनुमानों तथा सर्वेक्षणों से ही स्पष्ट हो गया था कि जापान में कुछ नया होने जा रहा है. देश की जनता सत्ताधारी दल के नेताओं के चारित्रिक पतन एवं भ्रष्टाचार को और अधिक सहन करने के लिए तैयार नहीं थी. विश्व की दूसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था वाला देश राजनीतिक रूप से संयुक्त राज्य अमरीका के अनुचर के रूप में पहचाना जाए, यह उसके राष्ट्रीय अहम् को आहत करता था. वैश्विक आर्थिक संकट की मार तथा मंदी से उत्पन्न बेरोजगारी ने जनता को झकझोर कर रख दिया था. एक रिपोर्ट के अनुसार, **''गौरतलब है कि जापान में बेरोजगारी की दर रिकॉर्ड 5·7 प्रतिशत पर पहुँच गई है. पिछले महीनों के आँकड़ों के अनुसार 3,59,000 जापानी बेरोजगार थे.''** हद तो तब हो गई जब चुनाव की पूर्व बेला में जापान के प्रधानमंत्री तारो असो यह बताने के बजाय कि उनकी पार्टी बेरोजगारी तथा गरीबी की चुनौती का सामना कैसे करेगी, जनता को उपदेश देने लगे कि गरीबों को शादी नहीं करनी चाहिए. इन परिस्थितियों में देश के अन्दर सत्ताधारी दल विरोधी हवा जोर पकड़ रही थी. जापान का मतदाता लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी, नौकरशाहों तथा बड़े पूँजीपतियों के बदनाम गठजोड़ को पुनः सत्ता के गलियारों में देखने के लिए तैयार नहीं था. जापान के मतदाताओं की सोच का अनुमान एक मतदाता के इस कथन से लगाया जा सकता है—**''हमें विपक्षी दलों की नीतियों से कुछ लेना-देना नहीं है, हम बस बदलाव चाहते हैं.''** स्वयं एल. डी. पी. के उपाध्यक्ष योशेहिदे सुगा को स्वीकार करना पड़ा कि आज उनकी पार्टी जितनी बदनाम है, उतनी बदनाम वह 1955 के बाद और कभी नहीं रही.

इस पृष्ठभूमि में यह तो तय था कि लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी चुनाव हारने जा रही है, किन्तु उसका एक तरह से सूपड़ा साफ हो जाएगा इसकी आशा कम लोगों को ही थी. किसी भी दृष्टि से विचार किया जाए डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान ने चुनाव में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की. यह सफलता इस दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण हो जाती है कि 2005 के संसदीय चुनाव में कोइज़ुमो के करिश्माई नेतृत्व के बल पर लिबरल पार्टी ने भारी बहुमत प्राप्त किया था. इस बार परिणाम उलट गया. डेमोक्रेटिक पार्टी ने 480 सदस्यों के निचले सदन में 308 सीट जीतकर लगभग दो-तिहाई बहुमत प्राप्त कर लिया. यह आशातीत सफलता थी.

यदि 2005 में लिबरल पार्टी की चुनावी सफलता का श्रेय पार्टी के तत्कालीन नेता कोइज़ुमो को गया तो 2009 में डेमोक्रेटिक पार्टी की सफलता का श्रेय उसके नेता युकियो हातोयामा को जाता है. कई राजनीतिक पर्यवेक्षक हातोयामा को करिश्माई नेतृत्व की क्षमता के लिए कोइज़ुमो के समकक्ष मानते हैं. युकियो का जन्म जापान के एक प्रतिष्ठित राजनीतिक घराने में हुआ. उनके पितामह इचिरो हातोयामा लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के संस्थापकों में से एक थे तथा प्रधानमंत्री के पद को भी सुशोभित कर चुके थे. युकियो ने भी अपना राजनीतिक सफर लिबरल पार्टी के सदस्य के रूप में ही आरम्भ किया था. 1990 तक वह इस पार्टी के साथ जुड़े रहे. 1990 के दशक के आरम्भ में राजनीतिक मतभेद के चलते उन्होंने तथा लिबरल पार्टी के एक अन्य प्रमुख नेता इचिरो ओजावा ने लिबरल पार्टी से नाता तोड़ लिया. इन दो प्रमुख नेताओं के हटने से सत्ता पर लिबरल पार्टी की एकाधिकारिक पकड़ कमजोर पड़ने लगी तथा अल्पकाल के लिए वह सत्ता से बाहर हो गई. लिबरल पार्टी को छोड़ने के उपरान्त युकियो हातोयामा ने डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान का गठन किया तथा उनके नेतृत्व में पार्टी ने 30 अगस्त, 2009 के चुनाव में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की.

हातोयामा की चुनावी सफलता का राज जनता की नब्ज पहचानने की उनकी क्षमता में छिपा है. एक जमीनी नेता के रूप में वह महसूस कर रहे थे कि जनता बदलाव चाहती है और इसलिए उनका चुनावी नारा था—''बदलाव के लिए मतदान करो.'' इस नारे ने जनता की वास्तविक इच्छा को अभिव्यक्त कर उसकी भावनाओं को झंकृत करने का काम किया तथा उसने जोरदार ढंग से बदलाव के पक्ष में मतदान कर डेमोक्रेटिक पार्टी को अर्श पर तथा लिबरल पार्टी को फर्श पर पहुँचा दिया. हातोयामा को अपनी जीत का पूर्ण विश्वास था तथा चुनाव से पहले अपने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा था—**''यह चुनाव ऐतिहासिक बदलाव लाएंगे तथा नई पीढ़ी देश के इतिहास की नई इबारत लिखेगी.''** उनकी यह भविष्यवाणी अक्षरशः सत्य सिद्ध हुई.

चुनाव परिणाम आने के उपरान्त हातोयामा ने जापान की जनता को 'बदलाव' के लिए मतदान करने के लिए धन्यवाद दिया. प्रश्न यह उठता है कि जिस 'बदलाव' का नारा हातोयामा ने दिया तथा जिसे मतदाता ने तहे-दिल से स्वीकार किया उसका तात्पर्य क्या है? युकियो हातोयामा के अनुसार यह बदलाव त्रिआयामी है. सर्वप्रथम तो यह परिवर्तन के लिए स्पष्ट जनादेश है. दूसरे इसका अर्थ है कि जापान में जनता की प्रभुसत्ता के सार तत्व को बदला जाए. इसका अभिप्राय यह है कि लोक प्रशासन में जनता की सार्थक भागीदारी हो. तीसरे, हातोयामा के अनुसार बदलाव का तात्पर्य है लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा 50 वर्ष के शासनकाल में स्थापित बदनाम व्यवस्था को बदलकर नई व्यवस्था कायम की जाए. यह नई व्यवस्था उनके अनुसार पुरातन तथा नूतन के संगम के रूप में होगी.

इस त्रिआयामी बदलाव की जनेच्छा को ठोस रूप देना तथा हकीकत में बदलना कोई आसान काम नहीं है. जिस राजनीतिक दल को यह काम करना है, वह एक सुस्थापित दल नहीं है. डेमोक्रेटिक पार्टी अभी भी निर्माण की प्रक्रिया से गुजर रही है. इतना ही नहीं इस पार्टी को सरकार चलाने का भी कोई अनुभव नहीं है. लिबरल पार्टी के नेता तारो असो ने तो इस अनुभवहीनता को चुनावी मुद्दा बनाने का भी असफल प्रयास किया. अतः हातोयामा को एक साथ दो चुनौतीपूर्ण कार्यों का सम्पादन करना है. पहला कार्य है अपनी पार्टी को सही अर्थों में पार्टी बनाना तथा दूसरा कार्य है जापान में एक नूतन राज्य व्यवस्था का निर्माण करना. दोनों ही चुनौतियाँ बहुत बड़ी हैं, इस तथ्य से हातोयामा अवगत हैं. नूतन जापान के निर्माण के कार्य को दूरदर्शिता का परिचय देते हुए उन्होंने दूसरों से सहयोग लेते हुए करने का निर्णय लिया है. इसलिए

निचले सदन में स्पष्ट भारी बहुमत होने पर भी उन्होंने गठबन्धन सरकार बनाने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि–''**दो-तिहाई बहुमत के बाद भी वह आम सहमति के आधार पर काम करने की कोशिश करेंगे.**'' हातोयामा सरकार का एजेण्डा और प्राथमिकताएं क्या हैं, यह भी स्पष्ट होता जा रहा है. हातोयामा के अनुसार, ''**दुनिया की नम्बर दो अर्थव्यवस्था जापान को वर्तमान में जारी मंदी से बचाए रखना हमारी सबसे बड़ी चुनौती है.**'' इतनी ही बड़ी चुनौती शिक्षा तथा रोजगार की स्थिति में सुधार करना है. लिबरल पार्टी की सरकारों ने जापान को संयुक्त राज्य अमरीका का अनुचर बनाकर रख दिया. हातोयामा जापान-अमरीका सम्बन्धों को पुनः परिभाषित करना चाहते हैं. यह कोई आसान काम नहीं होगा. इतना ही कठिन काम होगा चीन-जापान सम्बन्धों को नया ठोस आधार प्रदान करने की अपनी इच्छा को वास्तविकता में बदलना.

अन्तिम प्रश्न यह है कि क्या इस बदलाव को, जिसे कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने '**राजनीतिक सुनामी**' का नाम दिया है, क्रान्ति कहा जा सकता है? जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीति के प्रोफेसर पुष्पेश पंत का स्पष्ट मत है–''**क्रान्ति नहीं है, जापान में यह बदलाव.**'' उनका मानना है–''**दरअसल जापान में राजनीति हो, समाज हो या अर्थव्यवस्था, बुनियादी बदलाव या कोई नई शुरूआत बेहद मुश्किल है.**'' प्रोफेसर पंत के अनुसार जापानी चरित्र ही रूढ़ियों तथा परम्परा से चिपके रहने का है. ''**जापान परम्परा का पुजारी तथा परिवर्तन को टालने वाला है.**'' तथा ''**कड़वा सच यह है कि जापानी जनमानस ने उग्र राष्ट्रवाद तथा अहंकारी नस्लवाद को कभी पूरी तरह खारिज नहीं किया.**'' वह यह भी कहते हैं कि ''**अत्याधुनिक समझी जाने वाली जापानी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का कॉर्पोरेट कल्चर भी सामंती-समुराई संस्कार की नींव पर ही टिका है.**'' जापानी जनमानस में किसी भी प्रकार की क्रान्तिकारिता के अभाव को रेखांकित करने के साथ ही पुष्पेश पंत यह बताना नहीं भूलते कि–''**हातोयामा का उन मूल्यों, सिद्धान्तों या विचारों से कोई बुनियादी मतभेद नहीं है, जिन पर अब तक वहाँ की सरकार काम कर रही थी.**'' अपने इसी विश्लेषण से उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि ''**कुल मिलाकर आशय यह है कि जापान के हाल के चुनाव को किसी क्रान्तिकारी बदलाव के सूत्रपात के रूप में नहीं देखा जा सकता.**'' प्रोफेसर पंत के निष्कर्ष किस सीमा तक सत्य हैं, इसका फैसला आने वाले दिनों में जापान का इतिहास करेगा. अभी तो इतना ही कहा जा सकता है कि जापान में 'बदलाव' के नाम पर सत्ता का हस्तान्तरण 50 वर्ष के दीर्घकाल के उपरान्त हुआ है. जापान की जनता 'बदलाव' चाहती है. नया शासक वर्ग 'बदलाव' लाने के लिए प्रतिबद्ध है. बदलाव क्या रूप ग्रहण करता है–सतही अथवा बुनियादी, वह अभी भविष्य के गर्भ में है.

संयुक्त राज्य अमरीका : अफ्रीकी नीति उसी पुरानी लीक पर

बराक ओबामा के संयुक्त राज्य अमरीका का राष्ट्रपति चुने जाने पर अफ्रीका महाद्वीप की जनता में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई थी. उसकी प्रसन्नता दो कारणों से थी. एक, संयुक्त राज्य अमरीका के प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति की जड़ें अफ्रीका महाद्वीप से जुड़ी थीं. अतः महाद्वीप पर उनके लिए 'अपनत्व' की भावना मौजूद थी. दूसरे, अफ्रीका के नेता और जनता यह आशा करते थे कि परिवर्तन के नारे के साथ सत्ता में आए ओबामा अफ्रीकी राष्ट्रों के प्रति पूर्वगामी राष्ट्रपति बुश की वर्चस्ववादी नीति को भी परिवर्तित करेंगे.

अफ्रीका महाद्वीप पर बुश प्रशासन की नीति का सार निम्न शब्दों में व्यक्त किया जा सकता है–''**अफ्रीका के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन तथा वहाँ पर सैनिक अड्डों की स्थापना.**'' अपने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए बुश सरकार द्वारा उठाया गया सबसे महत्वपूर्ण कदम था–2007 में 'संयुक्त राज्य अमरीका-अफ्रीका कमांड' की स्थापना. अफ्रीकॉम की स्थापना के पीछे जो उद्देश्य काम कर रहे थे, उन्हें ह्वाइट हाउस से जारी किए गए एक वक्तव्य में स्पष्ट किया गया था. यह उद्देश्य तीन थे–(i) महाद्वीप पर प्रजातंत्र को बल प्रदान करना, (ii) अफ्रीका के साथ संयुक्त राज्य अमरीका के सुरक्षा सहयोग को सुदृढ़ करना तथा (iii) अफ्रीका महाद्वीप पर संयुक्त राज्य के मित्र राज्यों की क्षमताओं को आगे बढ़ाना. यह घोषित उद्देश्य हाथी के दिखाने के दाँत की तरह थे. असली उद्देश्य था अफ्रीका के प्राकृतिक संसाधनों का नियन्त्रण. 2003 में ही बुश ने लक्ष्य निर्धारित कर लिया था कि संयुक्त राज्य द्वारा आयातित तेल का 25% अफ्रीका महाद्वीप से प्राप्त करना है.

राष्ट्रपति बनने से पूर्व ही बराक ओबामा अफ्रीका कमाण्ड की नीति को स्वीकार कर चुके थे. उनका मानना था कि ''**ऐसी परिस्थितियाँ आएंगी, जो माँग करेंगी कि घातक शक्ति के साथ आतंक के विरुद्ध युद्ध करने के लिए अफ्रीका महाद्वीप पर संयुक्त राज्य अपने सहयोगी राज्यों के साथ मिलकर काम करे. अफ्रीका में संघर्ष करने वाली एकीकृत कमांड के होने से इस काम में सुविधा होगी.**'' इस तरह ओबामा की नजर में अफ्रीका-यू. एस. कमांड 'आतंक के विरुद्ध वैश्विक युद्ध' में एक हथियार के रूप में है.

ऐसी स्थिति में कोई आश्चर्य नहीं है कि ओबामा-प्रशासन ने अफ्रीका कमांड के लिए आवंटित धनराशि को बढ़ाकर दोगुना कर दिया है तथा अफ्रीका महाद्वीप पर चलाई जा रही आतंक विरोधी परियोजना पर खर्च की जा रही धनराशि में भी वृद्धि कर दी. यह कदम इस दृष्टि से विशेष महत्व रखता है कि इसे उस समय उठाया गया, जबकि विश्व के अन्य भागों में इन मदों पर किए जा रहे व्यय में संयुक्त राज्य ने भारी कटौती की है.

अफ्रीका महाद्वीप पर संयुक्त राज्य की वित्तीय सहायता से लाभान्वित होने वाले राज्यों में प्रमुख राज्य हैं–इथोपिया, चाड तथा भूमध्यरेखीय गिनी. इन तीनों ही राज्यों में प्रजातंत्र के स्थान पर सर्वसत्तावादी सरकारें काम कर रही हैं. यह तथ्य संयुक्त राज्य के उस दावे की पोल खोल देता है, जिसके अनुसार उसका लक्ष्य महाद्वीप पर प्रजातंत्र को मजबूत करना है. चाड तथा गिनी तेल उत्पादक राष्ट्र हैं तथा इथोपिया अपने क्षेत्र में संयुक्त राज्य के सैनिक संतरी की भूमिका का निर्वहन निष्ठापूर्वक कर रहा है. जहाँ तक आतंक के विरुद्ध युद्ध से सम्बन्धित परियोजनाओं का सम्बन्ध है, बराक ओबामा की सरकार उन पर विशेष ध्यान दे रही है. चालू वर्ष के बजट में ट्रांस-सहारा काउण्टर टेररिज्म पार्टनरशिप तथा ईस्ट अफ्रीकन स्ट्रेटेजिक इनीसियेटिव नामक परियोजनाओं के लिए 4 करोड़ 20 लाख डॉलर आवंटित किए गए हैं. इनमें प्रथम परियोजना कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, उसके माध्यम से संयुक्त राज्य का जुड़ाव चाड, नाइजर, नाइजीरिया, सेनेगल, माली, टयूनीशिया, मोरक्को, अल्जीरिया आदि राज्यों के साथ होता है.

राष्ट्रपति ओबामा ने अपनी अफ्रीका महाद्वीप की पहली यात्रा के लिए सोच-समझकर घाना को चुना. यह पश्चिम अफ्रीका में संयुक्त राज्य की बढ़ती रुचि का सूचक है. पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्रों पर ध्यान केन्द्रित करने के दो मुख्य कारण हैं. एक, अफ्रीका महाद्वीप पर संयुक्त राज्य की सैनिक गतिविधियों का संचालन मुख्यतः

जिबूति (Djibouti) के सैनिक अड्डे से होता है, जो इसी क्षेत्र में है तथा दो, अधिकांश पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र तेल उत्पादक एवं निर्यातक राष्ट्र हैं. घाना में भी व्यावसायिक पैमाने पर तेल उत्पादन आरम्भ हो गया है. संयुक्त राज्य की तेल उत्पादक क्षेत्र को नियन्त्रण में रखने की नीति जगजाहिर है.

कहने को तो ओबामा की घाना यात्रा का उद्देश्य **''सब-सहारा अफ्रीका में अपने सर्वाधिक विश्वसनीय मित्र तथा पार्टनर के साथ अमरीका के रिश्तों को मजबूत करना है.''** किन्तु वास्तविक उद्देश्य अफ्रीकॉम का महाद्वीप पर मुख्यालय स्थापित करने हेतु अड्डा तथा उसके सम्मेलन के लिए मेजबान राष्ट्र की तलाश करना तथा घाना को इसके लिए तैयार करना है. यू. एस.-अफ्रीकी कमांड अभी तक अफ्रीका महाद्वीप पर नहीं पहुँच सकी है, क्योंकि कोई भी अफ्रीकी राष्ट्र उसकी मेजबानी के लिए तैयार नहीं हुआ है. बुश प्रशासन ने भरपूर प्रयास नाइजीरिया को अफ्रीकॉम के साथ जोड़ने के लिए किया, किन्तु सफल नहीं हुए. अफ्रीका की राजनीति पर नजर रखने वाले पर्यवेक्षकों का मानना है कि ओबामा की घाना यात्रा का उद्देश्य उस राष्ट्र को अफ्रीकॉम का हिस्सा बनने के लिए तैयार करना है. सम्भावना यही है कि घाना में ओबामा के प्रयास का वही हश्र होगा, जो नाइजीरिया के सम्बन्ध में बुश के प्रयास का हुआ. नाइजीरिया की तरह घाना भी गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का सदस्य है तथा सैनिक गठबन्धन से दूर रहना गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का बुनियादी सिद्धान्त है.

घाना में अपने एक भाषण में ओबामा ने दो टूक शब्दों में कहा, **''हमारा उत्तरदायित्व है उनका समर्थन करना, जो क्षेत्र में जिम्मेदाराना ढंग से काम करते हैं तथा उनको अलग-थलग करना, जो ऐसा नहीं करते. अमरीका इसी नीति का ही पालन करेगा.''** कहने की जरूरत नहीं कि यहाँ जिम्मेदाराना ढंग से काम करने का तात्पर्य है संयुक्त राज्य अमरीका की धुन पर नाचना तथा गैर-जिम्मेदार आचरण की परिभाषा है संयुक्त राज्य अमरीका का विरोध. इसी आधार पर इथोपिया का सैन्यवादी-तानाशाही निजाम जिम्मेदार की श्रेणी में आता है तथा जिम्बाब्वे की प्रजा-तान्त्रिक सरकार पर गैर-जिम्मेदार होने का ठप्पा लगा है. ओबामा सरकार जिम्बाब्वे के विरुद्ध प्रतिबन्धों को जारी रख रही है. इसी तरह मानवीयता के नाम पर सूडान पर दबाव बनाया जा रहा है.

इस तरह ओबामा की अफ्रीकी नीति को नई बोतल में पुरानी शराब कहा जा सकता है. अफ्रीका महाद्वीप पर वह अपने पूर्वगामी के नक्शे-कदम पर चल रहे हैं. वह भूल जाते हैं कि अफ्रीकी जनता उनकी वर्चस्ववादी नीति को अपनी प्रभुसत्ता पर हमला तथा नवउपनिवेशवाद के रूप में देखती है तथा किसी भी सूरत में अफ्रीकॉम को स्वीकार नहीं करेगी. विरासत के रूप में बुश की अफ्रीका नीति को अंगीकार कर ओबामा यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस महाद्वीप पर वह उतने ही अलोकप्रिय हो जाएं, जितने बुश थे. ●●●

बधाई संदेश

यह बड़े हर्ष का विषय है कि हमारे एक नियमित पाठक श्री शशिकान्त श्रीवास्तव का चयन, कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित स्नातकस्तरीय परीक्षा 2006 के तहत् स्कीम 'B' में, ऑडीटर के पद पर अन्तिम रूप से हो गया है. आपकी इस शानदार सफलता पर हम आपको हार्दिक बधाई प्रेषित करते हैं तथा आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं.

शशिकान्त श्रीवास्तव

–सम्पादक

उपकार
डाक विभाग
डाक सहायक/धंटाई सहायक
चयन परीक्षा
गत वर्षों के प्रश्न-पत्र–हल सहित
हिन्दी संस्करण
अंग्रेजी संस्करण

Code No. 560 Rs. 90/- Code No. 1638 Rs. 90/-
विशेषतः उपयोगी अध्ययन सामग्री
हर महीने पढ़िए
सामान्य ज्ञान दर्पण
मूल्य : 35/-
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
● E-mail : publisher@upkar.in
● Website : www.upkar.in

उपकार
नवीन प्रस्तुति
उत्तराखण्ड
सहायक अभियोजन अधिकारी
प्रारम्भिक परीक्षा
लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं अभिनव मिश्र कोड 1493 मूल्य : 215/-
प्रमुख आकर्षण
☞ मॉडल प्रश्न-पत्र हल सहित
☞ उत्तराखण्ड सामान्य ज्ञान
☞ सामान्य ज्ञान
☞ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
☞ सामान्य विज्ञान
☞ भारतीय दण्ड संहिता
☞ दण्ड प्रक्रिया संहिता
☞ भारतीय साक्ष्य अधिनियम
☞ उत्तराखण्ड पुलिस एक्ट

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : publisher@upkar.in
Website : www.upkar.in

वैश्विक वित्तीय संकट से त्रस्त निर्धन देश

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

सितम्बर 2008 में संयुक्त राज्य अमरीका में प्रकट हुए वित्तीय संकट की लपटों की गर्मी अब लगभग विश्व के सभी देशों में महसूस होने लगी है. विश्व बैंक के स्तर पर वैश्विक सुस्ती के विस्तृत विश्लेषण से युक्त जारी 'वैश्विक विकास वित्त रिपोर्ट–2009 के एक आकलन के अनुसार विश्व के निर्धन देशों की अर्थव्यवस्थाओं को वैश्विक मंदी (Global Recession) से एक ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक की हानि उठानी पड़ेगी.

विश्व बैंक के आँकड़े दर्शाते हैं कि वित्तीय संकट के कारण विकासशील विश्व की ओर मौद्रिक प्रवाह–विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, पोर्टफोलियो निवेश, अनुदान एवं सहायता आधे से भी कम रह गए हैं. सं. रा. अमरीका तथा ब्रिटेन की अर्थव्यवस्थाओं में सुधार (उत्थान) के संकेत मिलने के बावजूद अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी के अभाव के चलते विश्व के निर्धन देश अपेक्षाकृत लम्बी अवधि तक आर्थिक मंदी में फँसे रहेंगे, क्योंकि इन देशों की सरकारों, सार्वजनिक एवं निजी कम्पनियों के पास निवेश हेतु वांछित संसाधन ही नहीं होंगे. वैश्विक सुस्ती का सर्वाधिक प्रतिकूल प्रभाव अफ्रीकी, केन्द्रीय एवं पूर्वी यूरोपीय तथा लातिन अमरीकी देशों पर पड़ रहा है. तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं जैसेकि चीन तथा भारत पर वैश्विक मंदी का प्रभाव अपेक्षाकृत कुछ कम है. इन दोनों देशों की विकास दर अभी भी 6·5 प्रतिशत से ऊपर बने रहना इनकी आर्थिक सुदृढ़ता का प्रतीक है.

निवेश प्रवाहों में भारी गिरावट

वैश्विक विकास वित्त रिपोर्ट–2009 के अनुसार निर्धन देशों को निवल निजी पूँजी प्रवाह वर्ष 2007 में 1·2 ट्रिलियन डॉलर से 41 प्रतिशत घटकर वर्ष 2008 में 0·707 ट्रिलियन डॉलर ही रह गया. रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2009 में यह प्रवाह 0·363 ट्रिलियन डॉलर ही रह जाएगा. विकसित देशों द्वारा निर्धन देशों को दिए जा रहे अनुदान तथा आर्थिक सहायता राशियाँ निजी पूँजी निवेश में हो रही कमी की भरपाई नहीं कर पाएंगी. जी–8 देशों के दो देशों– फ्रांस तथा इटली को इस बात के लिए भारी आलोचना का सामना करन पड़ा है कि निर्धन देशों को सहायता दिए जाने के मामले में वे अपनी वचनबद्धताएं पूरी नहीं कर पाए. इस बारे में विश्व बैंक के समृद्धि समूह (Prospects Group) के निदेशक हैंस टिमर की टिप्पणी अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है. ''अस्थिरता की किसी दूसरी लहर को रोकने के लिए नीतियों को त्वरित रूप से वित्तीय क्षेत्रक सुधारों एवं निर्धनतम देशों की सहायता पर केन्द्रित होना चाहिए''

विश्व बैंक के आकलन के अनुसार सन् 2009 में विकासशील देशों की विकास दर 1·2 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि इन देशों की विकास दर वर्ष 2007 एवं 2008 में क्रमशः 8 प्रतिशत एवं 5·9 प्रतिशत रही, लेकिन यदि विकासशील देशों के वर्ग से भारत तथा चीन को बाहर कर दिया जाता है, तो वर्ष 2008 में शेष विकासशील देशों की विकास दर 6 प्रतिशत या प्रति व्यक्ति आय के रूप में 0·6 प्रतिशत रह जाती है, जिसके परिणामस्वरूप विकासशील देशों में बड़े पैमाने पर रोजगार अवसरों में ह्रास तथा बहुत बड़ी संख्या में लोगों के निर्धनता मकड़जाल में फँस जाने की आशंका है. सम्भवतः विगत दो दशकों में ऐसा पहली बार हो रहा है, जबकि निरपेक्ष एवं सापेक्ष दोनों ही रूप से निर्धनता के प्रसार में वृद्धि हो रही है जो सीधे-सीधे वैश्विक सुस्ती का परिणाम है.

सकल घरेलू उत्पाद में गिरावट

समग्र रूप से वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के वर्ष 2009 में घटकर 2·9 प्रतिशत रह जाने की सम्भावना है तथा विश्व व्यापार में 10 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है. यूरोप तथा केन्द्रीय एशिया में सकल घरेलू उत्पाद में 5 प्रतिशतांक तक की कमी आएगी. यदि आने वाले दिनों में अर्थव्यवस्थाओं में कुछ उत्थान होता है, तो वर्ष 2010 में सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर 1·6 के स्तर पर स्थिर हो सकेगी. उप-सहारा क्षेत्र में विकास दर हालिया वर्षों में 5·7 प्रतिशत के स्तर पर रहने के बाद वर्ष 2009 में मात्र

वैश्विक वित्तीय संकट के लिए उत्तरदायी कारण

- *पुनर्भुगतान क्षमता के आकलन के बिना बड़े पैमाने पर उधार देना.*
- *कमजोर निवेश निर्णयन.*
- *नीची वास्तविक ब्याज दरों एवं पर्याप्त तरलता के बारे में अति विश्वास तथा सुखाभास.*
- *विनियामक असफलताएं.*
- *बैंक प्रशासन की दुर्बलताएं.*
- *बृहत् आर्थिक असन्तुलन.*

वैश्विक वित्तीय संकट से निपटने के लिए विकसित एवं विकासशील देशों की प्राथमिकताएं

- *घरेलू उधार देने की प्रक्रिया तथा पूँजी के अन्तर्राष्ट्रीय प्रवाह को जारी रखने का G–20 समूह का आश्वासन.*
- *उभरती बाजारी अर्थव्यवस्थाओं के सम्प्रभु एवं निगमित उधार लेने वालों की बाह्य वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करना.*
- *निर्धन देशों को सहायता तथा सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्यों (MDGs) को पूरा करने से जुड़ी वचनबद्धताओं एवं प्रतिबद्धताओं को पूरा करना.*
- *बैंकिंग-प्रणाली में सरकारी स्वामित्व को धीरे-धीरे समाप्त करना तथा राज-कोषीय पोषणीयता को पुनर्स्थापित करना.*

वैश्विक मंदी के दौरान वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वार्षिक संवृद्धि दर

(प्रतिशत में क्रयशक्ति समता पर आधारित)

	2007	2008	2009	2010	2011
संयुक्त राज्य अमरीका	2·0	1·0	– 3·0	1·8	2·5
जापान	2·3	– 0·7	– 6·8	1·0	2·0
चीन	13·0	9·0	6·5	7·5	8·5
भारत	9·0	6·1	5·1	8·0	8·5
दक्षिण अफ्रीका	5·1	3·1	– 1·5	2·6	4·1
ब्राजील	5·7	5·1	– 1·1	2·5	4·1
मेक्सिको	3·3	1·4	– 5·8	1·7	3·0
रूसी परिसंघ	8·1	5·6	– 7·5	2·5	3·0
विश्व	3·8	1·9	– 2·9	2·0	3·2

स्रोत– विश्व बैंक : वैश्विक विकास वित्त रिपोर्ट – 2009

1·0 प्रतिशत पर रह जाएगी, क्योंकि इन देशों के विदेशों में कार्यरत श्रमिकों द्वारा स्वदेश भेजे जाने वाले अन्तरणों एवं विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अन्तर्प्रवाहों में भारी गिरावट आएगी. एशिया में वैश्विक मंदी का सबसे घातक प्रभाव थाइलैण्ड पर पड़ा है जहाँ 2008 के अन्तिम त्रैमास में सकल घरेलू उत्पाद में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है. इस रिपोर्ट के लेखकों में से एक मंसूर दैलामी का तो यहाँ तक कहना है कि हमें यह समझ लेना चाहिए कि इस जैसा संकट इससे पहले भी पैदा ही नहीं हुआ.

वैश्विक मंदी तथा औद्योगिक उत्पादन

वैश्विक मंदी का प्रभाव अब विनिर्माणी क्षेत्रक तथा उनके वैश्विक व्यापार पर भी पड़ने लगा है. 2008 के अन्तिम त्रैमास में वैश्विक औद्योगिक उत्पादन में अप्रत्याशित रूप से 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई. (वार्षिक रूप से 21 प्रतिशत की गिरावट) उच्च आय देशों में 2009 के पहले त्रैमास (जनवरी-मार्च 2009) में औद्योगिक उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 17·3 प्रतिशत तथा विकासशील देशों में 2·3 प्रतिशत कम हो गया. पूँजीगत वस्तुओं का उत्पादन करने वाले विश्व के देशों में से जापान में औद्योगिक उत्पादन मार्च 08 के मुकाबले मार्च 2009 में 34 प्रतिशत, जर्मनी में 22 प्रतिशत तथा दक्षिण कोरिया में 12 प्रतिशत तक नीचे गिर गया.

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में भारी गिरावट

विश्व बैंक की आशंका है कि वर्ष 2009 में विकासशील देशों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में 30 प्रतिशत की गिरावट से यह 385 बिलियन डॉलर के स्तर पर आ जाएगा, जो सकल घरेलू उत्पाद में 1 प्रतिशत तक की गिरावट लाएगा. सन् 1986 की तुलना में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में यह गिरावट 10 प्रतिशत के लगभग होगी. ऐसा होने का प्रमुख कारण बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की स्थिति में बड़े पैमाने पर स्थायी तथा अतरल आस्तियों में निवेश करना है, किन्तु आर्थिक संकट की स्थिति में इसके विनिवेश करने में कठिनाई होना स्वाभाविक है.

वर्ष 2008 में संवृद्धि दर में वैश्विक गिरावट से लगभग सभी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में कमी आई है, वहीं कठोर साख दशाओं तथा कमजोर वैश्विक माँग ने विस्तार करने की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की क्षमता तथा इच्छा दोनों को ही सीमित कर दिया है. वैश्विक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में हो रही गिरावट ने विदेशी प्रत्यक्ष निवेश प्रवाह को हतोत्साहित किया है. ऊर्जा क्षेत्र की अनेक कम्पनियों ने अपनी निवेश योजनाओं को स्थगित कर दिया है. वैश्विक निवेशक प्रायः विकसित एवं विकासशील देशों में राष्ट्रीयकरण की नीतियों को लेकर भी आशंकित है.

वैश्विक वित्तीय संकट का उद्गम (Origin)

वित्तीय बाजारों के धराशायी होने तथा वैश्विक मंदी का मूल (Origin) 2003–04 की तेजी (Boom) में छुपा है.

2003–04 की तेजी के तत्व–

- *औसत वैश्विक विकास दर–5·0 प्रतिशत (1970 के दशक के बाद से सर्वाधिक पोषणीय दर)*
- *इक्विटी कीमतों एवं वस्तुओं की कीमतों में तेजी का दौर.*
- *जोखिम रहित ब्याज दरों में भारी गिरावट–संयुक्त राज्य अमरीका में फेडरल कोष की दर 2001 में 6 प्रतिशत से घटकर 2003 के मध्य में 1 प्रतिशत के स्तर पर आ गई.*
- *अधिक जोखिमयुक्त आस्तियों की माँग में वृद्धि.*
- *विकासशील देशों के पूँजी प्रवाह में रिकॉर्ड स्तर की वृद्धि.*
- *उभरते-बाजार बॉण्डों पर फैलाव सिकुड़ता गया.*
- *अभिरक्षित उपकरणों एवं संरचनायुक्त (Structured) वित्तीय उत्पादों सहित वित्तीयन अभिनवीकरण*

वित्तीय संकट की उत्पत्ति के अन्य कारक–

- *विनियामक संस्थाओं के संकट को समझने में असफलता.*
- *'छाया बैंकिंग प्रणाली' (Shadow Banking System).*
- *बैंकों के स्वयं के मूल्यांकनों पर विनियोगकों की अतिनिर्भरता.*

वित्तीय संकट का प्रारम्भ–

- *संयुक्त राज्य अमरीका के आवास क्षेत्र में वैश्विक आस्ति कीमतों में वृद्धि (संयुक्त राज्य अमरीका का आवास कीमत सूचकांक वर्ष 2000 के पहले त्रैमास से वर्ष 2006 के दूसरे त्रैमास की अवधि में दोगुना हो गया.)*
- *2006 में आवासीय आस्तियों की कीमतों में गिरावट का दौर प्रारम्भ.*
- *आवासीय आस्तियों के स्वामी ऋणदाताओं द्वारा ऋण न चुकाया जाना.*
- *बड़े पैमाने पर आवासीय आस्तियों की घटी कीमतों पर बिक्री.*
- *आवासीय आस्तियों की कीमतें सर्वोच्च स्तर से गिरकर एक-तिहाई स्तर पर आ गईं.*
- *संयुक्त राज्य अमरीका, यू. के., जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैण्ड, आस्ट्रेलिया एवं कनाडा के अनेक वित्तीय संस्थानों को संयुक्त राज्य अमरीका की सब-प्राइम आस्तियों में भारी हानि.*
- *मार्जिन माँग को पूरा करने के लिए वित्तीय संस्थानों द्वारा आस्तियों की धड़ाधड़ बिक्री.*
- *घाटे को पूरा करने तथा लगातार गिरते पूँजी अनुपातों को बनाए रखने के लिए बैंकों द्वारा आस्तियों की बिक्री.*
- *बैंकों का दिवालिया हो जाना.*

वैश्विक वित्तीय संकट के परिणाम

संक्षेप में वैश्विक संकट निम्नलिखित रूपों में परिलक्षित हुआ है–

- विकासशील देशों में कार्यरत निगम गम्भीर वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं;
- बड़े पैमाने पर बाह्य वित्तीयन आवश्यकताओं पर निर्भर देश भुगतान सन्तुलन समस्या का सामना कर रहे हैं.
- नीची आय वाले देशों के पास वित्तीय संकट से निपटने लायक संसाधन ही नहीं हैं.
- विस्तारवादी नीतियों हेतु सम्भाव्यता विकासशील देशों में महत्वपूर्ण ढंग से अलग-अलग है.
- वैश्विक सुस्ती से बाहर निकलने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नीति समन्वय की भूमिका अति महत्वपूर्ण होगी.
- अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय विनियामक ढाँचे में बड़े पैमाने पर सुधार लाए जाने की आवश्यकता है.

विकासशील एवं निर्धन देशों पर वित्तीय संकट का प्रभाव

संयुक्त राज्य अमरीका तथा अन्य विकसित देशों में महसूस किए गए वित्तीय संकट के प्रारम्भिक दौर में तेजी से उभरती अनेक अर्थव्यवस्थाओं जैसेकि चीन तथा भारत ने निम्नलिखित कारकों/उपायों की सहायता से स्वयं को इस संकट से बचने में सफलता प्राप्त की.

- विदेशी करेंसी उधार को सीमित करने वाली उन्नत नीतियों का कार्यान्वयन;
- स्थानीय बॉण्ड बाजारों के विकास को प्रोत्साहन;
- मुद्रास्फीति की दर में कमी;
- राजकोषीय घाटे में कमी;
- विदेशी विनिमय प्रारक्षित निधियों में वृद्धि.

शेष पृष्ठ 694 पर

आर्थिक लेख

खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें, सूखा और समावेशी विकास

✍ अपर्णा भारद्वाज

योजनाकाल के पहले तीन दशकों के दौरान राष्ट्रीय आय की 'हिन्दू विकास दर' (प्रो. राज कृष्णा की अवधारणा) के बाद, 80 के दशक की 'सेक्यूलर विकास दर' और विगत दो दशकों के दौरान दर्ज की गई. उच्च विकास दर के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है. समग्र रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता इसी तथ्य से प्रमाणित हो जाती है कि वर्ष 2008 और अब 2009 में, जहाँ विश्व की अनेक विकसित-विकासशील अर्थ-व्यवस्थाएं, संयुक्त राज्य अमरीका जनित ऐतिहासिक मंदी का शिकार होकर अति नीची या ऋणात्मक विकास दर दर्ज कर रही हैं, वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था में वर्ष 2008-09 में 6 प्रतिशत से अधिक की विकास दर दर्ज की गई है. इतना ही नहीं, वर्ष 2009-10 की दूसरी तिमाई में विनिर्माणी क्षेत्रक ने जो उत्साहवर्द्धक परिणाम दिए हैं, उससे अर्थव्यवस्था के फिर से उच्च विकास दर की पटरी पर आने की सम्भावनाएं प्रबल हो गई हैं, लेकिन अब अधिकृत तौर पर सरकार, नियोजनकर्ताओं, नीति-निर्माताओं तथा अर्थशास्त्रियों ने स्वीकार कर लिया है कि भारत का विकास किसी भी प्राचल के आधार पर समावेशी नहीं है. उच्च विकास दर का लाभ 'टपकन प्रभाव सिद्धान्त' के अनुसार समाज के सबसे निचले पायदान पर बैठे लोगों तक नहीं पहुँच सका है.

योजना आयोग के अनुसार देश की 28 प्रतिशत जनसंख्या वर्ष 2004-05 में निर्धनता रेखा से नीचे रह रही है. निर्धनता के परिमाण और घातकता का अनुमान लगाने के लिए प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद् के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सुरेश तेंदुलकर की अध्यक्षता में गठित कार्यदल ने जो मानक निर्धारित किए हैं, उनके आधार पर वर्ष 2004-05 में ही देश की 38 प्रतिशत जनसंख्या निर्धनता रेखा से नीचे रह रही थी. भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के लिए निर्धनता रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों को चिह्नित करने के लिए एन.सी. सक्सेना की अध्यक्षता में गठित समिति का आकलन है कि देश की 50 प्रतिशत जनसंख्या निर्धनता रेखा से नीचे रह रही है. सरकारी या गैर-सरकारी आँकड़े, जो कहें, इसमें कोई सन्देह नहीं है कि भारतीय समाज के एक बड़े वर्ग की बुनियादी सुविधाओं तक पहुँच अति सीमित है.

खाद्यान्नों की कमी तथा खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि तथा सूखा

वैश्विक एवं घरेलू दोनों ही स्तरों पर कीमत प्रवृत्तियों में एक विरोधाभास देखने को मिल रहा है. वर्ष 2008-09 के प्रथम त्रैमास में दर्ज की गई मुद्रास्फीति की ऊँची दर भारत में समाप्त हो गई है. जून 2009 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति की दर ऋणात्मक (–) 1·73 के निचले स्तर पर पहुँच गई, लेकिन इसके ठीक विपरीत उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों (ग्रामीण श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, कृषि श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक तथा शहरी गैर-शारीरिक श्रम कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) पर आधारित मुद्रास्फीति की दर 8–10 प्रतिशत के बीच बनी हुई है. खाद्य पदार्थों–अनाजों (गेहूँ, चावल, मक्का, बाजरा, दालों, तिलहनों, फलों, सब्जियों, चीनी-गुड़, आदि की कीमतों में वृद्धि का दौर जारी है. वर्ष 2009 में मानसून की वर्षा सामान्य से कम होने के कारण पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक तथा गुजरात और महाराष्ट्र के अनेक क्षेत्रों में सूखा पड़ जाने से खरीफ की फसलों की समय से बुवाई नहीं हो पाई. जहाँ बुवाई हो भी गई, वहाँ उनका उत्पादन नीचा रहने की आशंका है. चावल सहित खरीफ की अन्य फसलों का उत्पादन यदि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष गिरता है, जोकि सुनिश्चित है, तो खाद्य पदार्थों की कीमतों में और भी अधिक वृद्धि होने की आशंका है.

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में खाद्यान्नों की कमी होने से जब घरेलू बाजार में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि होने लगती है. इस विषम स्थिति से निपटने के लिए सरकार इन जिंसों के आयात की घोषणा करती है. आयात की घोषणा होते ही खाद्य पदार्थों के अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में तत्काल उछाल आने लगता है. वर्तमान में भी ऐसा ही हो रहा है. गेहूँ, चावल, दालें तथा चीनी की अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों में 18–63 प्रतिशत तक की वृद्धि हो गई है. सूखा से कृषि क्षेत्रक की विकास दर में एक से डेढ़ प्रतिशतांक तक की कमी आ सकती है. इसका सीधा प्रभाव देश की दो-तिहाई से अधिक जनसंख्या की वास्तविक आय में कमी के रूप में परिलक्षित होगा, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों की अधिसंख्य जनसंख्या के जीवनयापन तथा आय अर्जन का प्रमुख स्रोत कृषि ही है. मामला चाहे खाद्य पदार्थों की कीमतों में हो रही वृद्धि का हो या फिर सूखा के परिणामस्वरूप कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक में उत्पादन में कमी आने का. दोनों ही रूप में इसकी मार आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों पर ही पड़ेगी. उस अवस्था में समावेशी विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर पाना लगभग असम्भव हो जाएगा.

भारत सरकार के नीति-निर्माण तथा राजनीतिज्ञ/अर्थशास्त्री दावा कर रहे हैं कि संगठित क्षेत्रक पर सूखा का प्रभाव सीमित रहेगा और समग्र रूप से सकल घरेलू उत्पाद में सूखा के कारण मामूली-सी कमी आएगी. इससे राज्यों में असमान रूप से वितरित शहरी संगठित अर्थव्यवस्था में रह रही जनसंख्या राहत महसूस कर सकती है, लेकिन नीति निर्माताओं के पास ग्रामीण क्षेत्रक के लिए देने को क्या है ? विशेष तौर पर उन राज्यों में जिनकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है.

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना तथा समावेशी विकास

समाज के कमजोर वर्गों को सर्वाधिक राहत पहुँचा सकने वाला कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना है, जो समावेशी विकास की अवधारणा को सार्थक करती है. विपन्नता में जीवनयापन करने वालों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा का सर्वाधिक सटीक उपाय उन्हें आय सृजनकारी रोजगार नेटवर्क के अन्तर्गत लाने का है. जब लोगों को रोजगार मिलेगा, तो उनकी आय तथा उपभोग स्तर में वृद्धि होगी और वे स्वाभाविक रूप से निर्धनता-बेराजगारी-कुपोषण के कुचक्र से बाहर निकल सकेंगे. सूखा-प्रभावित क्षेत्रों में कृषि कार्यों में कमी आ जाने से राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना जैसे रोजगार सृजनकारी योजनाओं में काम माँगने वालों की संख्या में वृद्धि होगी. इनमें से कितने लोगों को रोजगार मिलेगा और इससे कितने लोग संपोषणीय आधार पर एक अच्छा जीवनयापन व्यतीत करने में सक्षम होंगे, यह बहस का एक मुद्दा हो सकता है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में जो सुस्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहा है, वह यह कि समावेशी विकास

अभी भी, अनेक लोगों के लिए एक दिवा स्वप्न जैसा ही है.

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना, सैद्धान्तिक रूप से एक आदर्श कार्यक्रम है, लेकिन इसके क्रियान्वयन तथा उपलब्धियों का जो चित्र विभिन्न राज्यों में उभर कर सामने आ रहा है, वह कोई बहुत अधिक उत्साहवर्द्धक नहीं है. विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में. उत्तर प्रदेश में वर्ष 2009-10 के प्रथम 6 माह में प्रति परिवार औसतन 41 दिन का ही काम मिल सका जबकि कानूनन पूरे वर्ष में कम-से-कम 100 दिन का काम मिलने का प्रावधान है. इस अवधि में उत्तर प्रदेश सरकार को 3,244 करोड़ रुपए केन्द्र सरकार से मिले, लेकिन मात्र 1,610 करोड़ रुपए ही खर्च किए जा सके. उत्तर प्रदेश में केवल 26,144 परिवार ऐसे हैं जिन्हें चालू वित्त वर्ष में 100 दिन का रोजगार मिल सका है. इसकी तुलना में आन्ध्र प्रदेश में 4,94,436 परिवारों, राजस्थान में 3,28,756 परिवारों, महाराष्ट्र में 56,781 परिवारों को 100 दिन का रोजगार मिला. राष्ट्रीय रोजगार गारन्टी योजना में सामाजिक संपरीक्षा (सोशल ऑडिट) कराए जाने का भी प्रावधान है, ताकि इस कार्यक्रम का मूल्यांकन गुणावगुण आधार पर किया जा सके. इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश में 49·73 प्रतिशत परिवारों का ही सोशल ऑडिट किया जा सका, जबकि सिक्किम में 100 प्रतिशत, तमिलनाडु में 99·89 प्रतिशत, झारखण्ड में 99·87 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 95·87 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 94·7 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 90·25 प्रतिशत, उड़ीसा में 82·01 प्रतिशत, आन्ध्र प्रदेश में 81·58 प्रतिशत पंचायतों में 'नरेगा' का सोशल ऑडिट किया चुका है. जहाँ तक 'नरेगा' के क्रियान्वयन में आ रही विसंगतियों का प्रश्न है, तो रोजगार माँगने वालों के जॉब कार्ड न बनने, जॉब कार्ड ग्राम प्रधानों द्वारा अपने पास रखने, फर्जी जॉब कार्ड बनाकर भुगतान प्राप्त कर लेने, कुल आवंटित धनराशि में से 50 प्रतिशत से अधिक धनराशि भौतिक सामान पर खर्च किए जाने, बोलेरो जैसी गाड़ियाँ क्रय कर लिए जाने, पूरे वर्ष एक दिन का भी रोजगार सृजित न होने पर भी रोजगार सहायकों को 24-24 हजार रुपए का भुगतान कर दिए जाने, रोजगार न दे पाने पर बेरोजगारी भत्ता का भुगतान न किए जाने जैसी अनेक शिकायतें सामने आ रही हैं. कहने को तो 'नरेगा' एक माँग संचालित (Demand Driven) कार्यक्रम है. अर्थात् काम माँगने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सरकार कानूनन 100 दिन का रोजगार मुहैया कराने के लिए बाध्य है, लेकिन अनेक ग्राम पंचायतें ऐसी हैं, जो धनाभाव के कारण माँगे जाने पर भी न तो रोजगार मुहैया करा पा रही हैं और न बेरोजगारी भत्ता दे पा रही हैं. इसके विपरीत ऐसी भी ग्राम पंचायतें हैं, विशेष रूप से महानगरों, एवं नगरों के आस-पास, जिनके पास आवंटित धन का उपयोग नहीं हो पा रहा है. ऐसी ग्राम पंचायतों के अधिकांश युवा एवं कामगार शहरों में जाकर रोजगार प्राप्त कर लेते हैं. उनके लिए अकुशल श्रमिक के लिए देय न्यूनतम मजदूरी दर पर काम करना अलाभकारी है.

वित्तीय समावेशन तथा समावेशी विकास

समावेशी विकास का एक प्रमुख संघटक वित्तीय समावेशन (Financial Inclusion) है. वित्तीय समावेशन से तात्पर्य समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप साख-सुविधा मुहैया कराने, बचत बैंक जैसी सुविधा उपलब्ध कराने; बीमा आदि कराकर, उन्हें सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क के तहत् लाने से है. विगत वर्षों में 8–9 प्रतिशत वार्षिक की विकास दर दर्ज करके भारतीय अर्थव्यवस्था में बैंक साख वितरण में 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है. यह एक ऐसा सुअवसर था जिसमें हाशिए पर रहे लोगों को मुख्य धारा में लाया जा सकता था. अनेक सूचक दर्शाते हैं कि ऐसा नहीं किया जा सका. कम-से-कम वित्तीय क्षेत्रक में तो बिल्कुल ही नहीं. मार्च 2008 तक की अवधि के लिए देश के अनुसूचित बैंकों के वार्षिक अध्ययन से सम्बन्धित भारतीय रिज़र्व बैंक की एक रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था की उच्चतर विकास दर के दौरान भी वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को प्राप्त न कर पाने को स्वीकार किया गया है.

भारत में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की मात्र 40 प्रतिशत शाखाएं ही ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, जहाँ देश की 70 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या निवास करती है. इसके विपरीत 17·8 प्रतिशत शाखाएं देश के महा-नगरीय क्षेत्रों में हैं. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल जमा खातों में से 28 प्रतिशत खाते ग्रामीण क्षेत्र की शाखाओं में तथा मात्र 23 प्रतिशत खाते महानगरीय शाखाओं में हैं. इसके बावजूद देश में वितरित कुल बैंक साख का 57·1 प्रतिशत महानगरीय समूह के हिस्से में आया है. इसके अतिरिक्त 15·9 प्रतिशत बैंक साख शेष नगरीय क्षेत्रों के हिस्से में गई है. इस प्रकार कुल वितरित बैंक साख का 83 प्रतिशत साख 27·8 प्रतिशत जनसंख्या वाले शहरी क्षेत्र के हिस्से में जाता है, जबकि 72·2 प्रतिशत जनसंख्या के हिस्से में मात्र 17 प्रतिशत साख ही आती है. बैंक साख का क्षेत्रीय वितरण भी असमान है. असम सहित सम्पूर्ण पूर्वोत्तर क्षेत्र को विगत वर्षों में जितनी साख प्राप्त हुई है वह देश के केवल एक राज्य–उत्तर प्रदेश में वितरित बैंक साख के एक-चौथाई से भी कम है.

इस वर्ष का सूखा क्षेत्रीय (भौगोलिक) एवं क्षेत्रक असमानताओं को बढ़ाएगा, पहले से भी अधिक. ऐसे में रणनीतिकारों के लिए सकल घरेलू उत्पाद में संख्यात्मक रूप से वृद्धि करने का लक्ष्य प्राप्त करने से अधिक आवश्यक विकास को अधिक समावेशी बनाना होना चाहिए. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच लगातार चौड़ी होती खाई को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा सुझाए गए 'पूरा' (ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुख-सुविधाएं मुहैया कराना) मॉडल में निहित है, जो सम्पोषणीय आधार पर रोजगार मुहैया कराते हुए मानव विकास के उच्च स्तर प्राप्त करा सकता है. ●●●

शेष पृष्ठ 692 का

उपर्युक्त उपायों के बाद भी धीरे-धीरे विकसित देशों के वित्तीय संकट के प्रभाव विकासशील एवं निर्धन देशों पर परिलक्षित होने लगे. यह संकट निम्नलिखित मार्गों से होते हुए विकासशील तथा निर्धन अर्थव्यव-स्थाओं तक पहुँचा.

- विकासशील देशों की समुद्रपारीय वित्तीय आस्तियों के अर्घ्य (Value) में भारी गिरावट आंशिक रूप में व्युत्पन्नकों के कारोबार में निजी क्षेत्रक की हानियों के द्वारा;
- विदेशी बैंकों द्वारा उधार दिए जाने, अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी बाजारों तथा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश तक विकासशील एवं निर्धन देशों की पहुँच उल्लेखनीय रूप से खराब होती गई;
- विकासशील तथा निर्धन देशों के निर्यातों के परिमाण तथा कीमतों में गिरावट;
- वस्तु निर्यातों पर अत्यधिक निर्भरता, चालू खाते के घाटे तथा बड़े पैमाने पर विदेशी ऋणों के बोझ वाले देशों पर संकट का अधिक प्रभाव.

संकट से बचने के उपाय

यह तथ्य स्पष्ट रूप से स्वीकार किया जाने लगा है कि बाजारी शक्तियों को अत्यधिक या पूर्णरूप से खुला छोड़ देना ही अधिकतम कल्याण का द्योतक नहीं है. जोकि पैरेटो अनुकूलतम की मान्यता है. इस प्रकार के संकट से निपटने की सर्वाधिक सशक्त रणनीति विनियामक ढाँचे को अत्यधिक मजबूत बनाने तथा उसे सांविधिक शक्तियों से लैस किए जाने की हो सकती है. विकास-शील तथा निर्धन देशों को अपनी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर ही नीतियों को अपनाना चाहिए. उच्च आय वर्ग देशों का अंधानुकरण कभी भी घातक हो सकता है जैसा कि वर्तमान में हो रहा है. ●●●

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध लेख

संयुक्त राष्ट्र संघ : संगठन एवं कार्य

✍ डॉ. अरुणोदय बाजपेयी एवं अंजलि त्रिपाठी

प्रथम विश्व युद्ध (1914 –18) की विभीषिका से त्रस्त हो कर विश्व के राष्ट्रों ने शान्ति व सुरक्षा स्थापित करने के लिए मिलकर राष्ट्र संघ का निर्माण किया था, जो अपने उद्देश्य में असफल रहे और 20 वर्षों के बाद ही दूसरे विश्व युद्ध (1939–45) की विभीषिका से विश्व को पुनः रक्तरंजित होना पड़ा. इस रक्तरंजित इतिहास के पुनरावर्तन से विश्व को बचाने के लिए विश्व की तत्कालीन महाशक्तियों ने द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के पूर्व ही प्रयास शुरू कर दिया था. संयुक्त राज्य अमरीका के सेन-फ्रांसिस्को नगर में जनवरी 1942 को ब्रिटेन, सोवियत संघ, चीन तथा अन्य 26 मित्र राष्ट्रों के प्रतिनिधियों का एक सम्मेलन हुआ जिसमें यह निर्णय हुआ कि ये राष्ट्र सम्मिलित होकर धुरी राष्ट्रों का सामना करेंगे. इस संगठन को संयुक्त राष्ट्र अथवा यूनाइटेड नेशन्स का नाम अमरीका के तत्कालीन राष्ट्रपति 'फ्रेंकलिन डी रूजवेल्ट' के द्वारा प्रदान किया गया. 1 जून, 1945 को सेन-फ्रांसिस्को में संयुक्त राष्ट्रों का सम्मेलन हुआ तो इसके सदस्यों की संख्या 50 हो चुकी थी. इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र के घोषणा-पत्र को अन्तिम रूप दिया गया और संयुक्त राष्ट्र की औपचारिक स्थापना इसके अस्थायी मुख्यालय लेक सैक्सेस अमरीका में हुई. अधिकार-पत्र पर 50 राष्ट्रों के प्रतिनिधियों द्वारा 26 जून, 1945 को हस्ताक्षर किए गए. आधिकारिक रूप से संयुक्त राष्ट्र संघ 24 अक्टूबर, 1945 को अस्तित्व में आया, तब इसके सदस्यों की संख्या 51 थी. 1946 से संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रधान कार्यालय न्यूयॉर्क में है. वर्तमान में इसके सदस्य देशों की संख्या 192 है.

संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषाएं

संयुक्त राष्ट्र संघ के सभी मुख्य दस्तावेज तथा महासभा, सुरक्षा परिषद् की बैठकों का विवरण छः आधिकारिक भाषाओं– चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी, स्पेनिश और अरबी भाषा में प्रकाशित होता है.

संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता

संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में दो प्रकार की सदस्यता का उल्लेख मिलता है. प्रथम वे देश जो प्रारम्भिक सदस्य हैं जिन्होंने 1 जनवरी, 1942 को संयुक्त राष्ट्र के घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, या सेनफ्रांसिस्को में चार्टर पर हस्ताक्षर करके उसकी पुष्टि की थी. दूसरा संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता उन सभी राष्ट्रों को भी उपलब्ध हो सकती है, जो शान्तिप्रिय हों एवं चार्टर में विश्वास रखते हों, जो चार्टर द्वारा निर्धारित कर्त्तव्यों को स्वीकार करते हों एवं जिनको यह संस्था इन कर्त्तव्यों का पालन करने के उपयुक्त समझती है. महासभा के दो-तिहाई बहुमत और सुरक्षा परिषद् के 15 सदस्यों में से 9 सदस्यों की स्वीकृति से जिसमें 5 स्थायी सदस्य अवश्य हो संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता प्राप्त होती है. सुरक्षा परिषद् की सिफारिश पर ही महासभा किसी राज्य को सदस्यता प्रदान कर सकती है. इस पर सुरक्षा परिषद् के 5 स्थायी सदस्यों को निषेधाधिकार का अधिकार प्राप्त है.

सदस्यों का निलम्बन

चार्टर के अनुच्छेद 6 के अनुसार यदि कोई सदस्य जानबूझकर तथा लगातार चार्टर में वर्णित सिद्धान्तों का उल्लंघन करता है, तो उसे सुरक्षा परिषद् के सुझाव पर महासभा द्वारा संस्था से निकाला जा सकता है. चूँकि सदस्यों का निष्कासन एक महत्वपूर्ण प्रश्न है. इसके लिए सुरक्षा परिषद् के 9 सदस्यों की सकारात्मक सहमति तथा महासभा का निर्णय दो-तिहाई सदस्यों के बहुमत से होना चाहिए.

संयुक्त राष्ट्र संघ के अंग

संयुक्त राष्ट्र के छः प्रमुख अंग हैं.

महासभा

महासभा संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंगों में से सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण अंग है. महासभा के विषय में विभिन्न विद्वानों ने कहा है–

आइकेल बर्गर–''यह विश्व का उन्मुक्त अन्तःकरण है.''

शूमां–''यह संसार की नगर सभा है.''

वाण्डेनबर्ग–''इसे विश्व की लघु संसद की संज्ञा दी थी.''

संयुक्त राष्ट्र संघ के समस्त सदस्यों को महासभा में बैठने का अधिकार है. इसका अधिवेशन साधारणतः वर्ष में एक बार होता है. यह हरवर्ष सितम्बर में दूसरे मंगलवार से लेकर क्रिसमस दिवस तक होता है. इसके विशेष अधिवेशन भी होते हैं. चार्टर के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत सभी विषयों पर विचार करने का इसे अधिकार होता है. महासभा में संयुक्त राष्ट्र संघ के सभी सदस्यों को प्रतिनिधित्व प्राप्त है. प्रत्येक राष्ट्र को अधिकतम 5 प्रतिनिधि भेजने का अधिकार है, लेकिन प्रत्येक राष्ट्र का केवल एक ही

संयुक्त राष्ट्र संघ : उद्देश्य एवं सिद्धान्त

उद्देश्य–*संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर की धारा 1 में इसके उद्देश्यों के बारे में बताया गया है–*

1. *सामूहिक व्यवस्था द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा कायम रखना और आक्रामक प्रवृत्तियों को नियंत्रण में रखना.*
2. *अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान करना.*
3. *राष्ट्रों के आत्मनिर्णय और उपनिवेशवाद विघटन की प्रक्रिया को गति देना.*
4. *सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित एवं पुष्ट करना.*

संघ ने दो अन्य लक्ष्य भी निर्धारित किए हैं. वे हैं– 'निरस्त्रीकरण' और 'नई अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था' की स्थापना.

सिद्धान्त–*संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर की धारा 2 में इसके निम्नलिखित मौलिक सिद्धान्त बताए गए हैं–*

1. *इसका प्रधान आधार छोटे-बड़े सब देशों की समानता और सर्वोच्च सत्ता का सिद्धान्त है.*
2. *सब सदस्यों से यह आशा रखी जाती है कि वे चार्टर द्वारा उन पर लागू होने वाले दायित्वों का पालन पूरी ईमानदारी से करेंगे.*
3. *सभी सदस्य अन्तर्राष्ट्रीय झगड़ों का निपटारा शान्तिपूर्ण साधनों से करेंगे.*
4. *सभी राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्यों के प्रतिकूल कोई कार्य नहीं करेंगे. वे किसी देश की स्वतन्त्रता का हनन करने की या आक्रमण करने की न तो धमकी देंगे और न ऐसा कार्य करेंगे.*
5. *कोई भी देश चार्टर के प्रतिकूल काम करने वाले देश की सहायता नहीं करेगा.*
6. *संयुक्त राष्ट्र संघ इसका सदस्य न बनने वाले राज्यों से भी अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा बनाए रखने वाले सिद्धान्त का पालन कराएगा.*
7. *संयुक्त राष्ट्र संघ किसी देश के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा.*

मत होता है. चाहे वह कोई बड़ा राज्य हो या छोटा राज्य हो. महत्वपूर्ण प्रश्नों पर महासभा के निर्णय उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से होंगे और अन्य प्रश्नों पर निर्णय उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत द्वारा किया जाएगा.

महासभा के कार्य

1. **ऐच्छिक कार्य**–इसके अन्तर्गत शान्ति की स्थापना. अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति के खतरे को दूर करना और सुरक्षा तथा निरस्त्रीकरण के लिए समस्त देशों के सहयोग की चेष्टा है.

अनिवार्य कार्य

1. संयुक्त राष्ट्र संघ आय-व्यय पास करना.
2. सुरक्षा परिषद् तथा अन्य संस्थाओं व संगठनों की रिपोर्ट पर विचार करना.
3. न्यास परिषद् पर निरीक्षण रखना.
4. अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के उद्देश्यों से आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य के सम्बन्ध में अध्ययन व जाँच-पड़ताल करवाना तथा तद्विषयक सिफारिशें करना.
5. प्रत्येक व्यक्ति को बिना जाति, लिंग, भाषा व धर्म के मानव अधिकार तथा मौलिक स्वतन्त्रता का उपयोग करने में सहायता देना.

महासभा अपना कार्य संचालन 6 मुख्य समितियों द्वारा करती है, जो इस प्रकार हैं– (1) राजनीतिक एवं सुरक्षा समिति, (2) आर्थिक और वित्त समिति, (3) सामाजिक, मानवीय एवं सांस्कृतिक समिति, (4) न्यास समिति, (5) प्रशासनिक एवं बजट समिति, (6) कानूनी समिति.

छोटी असेम्बली

1947 में सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यों के उग्र विरोध और वीटो के प्रयोग के कारण ऐसा गतिरोध उत्पन्न हो गया कि सुरक्षा परिषद् के द्वारा युद्ध और आक्रमणों की आशंकाओं से भयभीत विश्व को नवीन परिस्थिति का सामना करने के लिए 13 नवम्बर, 1947 को अन्तरिम समिति नामक एक सहायक अंग स्थापित किया. इसे छोटी असेम्बली कहा जाता है. यह महासभा का सामान्य अधिवेशन न होने की दशा में उसके अधिकार क्षेत्र में आने वाले प्रश्नों पर विचार करती है. महासभा के प्रत्येक सदस्य को इसमें एक सदस्य भेजने का अधिकार है.आरम्भ में यह दो बार एक वर्ष के लिए बनाई गई थी. नवम्बर 1949 में इसे निश्चित अवधि के लिए पुनःस्थापित किया गया. सन् 1952 के बाद इसकी कोई बैठक नहीं हुई है.

सुरक्षा परिषद् : संगठन एवं भूमिका

राष्ट्र संघ के अनुभवों ने संयुक्त राष्ट्र के निर्माताओं के मस्तिष्क में यह धारणा उत्पन्न कर दी थी कि समूचे विश्व समुदाय के अन्दर एक पाँच महाशक्तियों का भी समुदाय विद्यमान है, जिनकी मित्रता एवं मतैक्य पर ही विश्व की शान्ति एवं सुरक्षा कायम रह सकती है. फलतः संयुक्त राष्ट्र संघ के निर्माताओं ने विश्व संस्था की सम्पूर्ण शक्ति सुरक्षा परिषद् में निहित कर दी. सुरक्षा परिषद् को सुरक्षा का पहरेदार माना जाता है. महासभा की अपेक्षा सुरक्षा परिषद् बहुत ही छोटा सदन है, परन्तु उसकी शक्ति महासभा की अपेक्षा बहुत व्यापक है. यदि महासभा मानवता की सर्वोच्च शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है, तो सुरक्षा परिषद् विश्व की सर्वोच्च शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है. राजनीतिक विषयों में सुरक्षा परिषद् संयुक्त राष्ट्र संघ का कार्यपालकीय अंग है. सुरक्षा परिषद् को संयुक्त राष्ट्र संघ का अंग कहा जाता है.

संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर के अध्याय 5 के अनुसार सुरक्षा परिषद् के मूलतः पाँच स्थायी और छः अस्थायी कुल ग्यारह सदस्य होते हैं, परन्तु सितम्बर 1965 में चार्टर के संशोधन द्वारा अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाकर दस कर दी गई. तदनुसार महासभा ने निर्णय लिया कि 10 अस्थायी सदस्यों में से 5 एशियाई अफ्रीकी राज्यों में से, 1 पूर्वी यूरोप में से 2, दक्षिण अमरीका व शेष 2 पश्चिमी यूरोप व अन्य राज्यों में से होने चाहिए. इस प्रकार सुरक्षा परिषद् की कुल सदस्य संख्या 15 हो गई. इसके पाँच स्थायी सदस्य चीन, फ्रांस, ग्रेट ब्रिटेन, रूस तथा संयुक्त राज्य अमरीका हैं. अस्थायी सदस्यों का निर्वाचन महासभा अपने दो-तिहाई बहुमत से दो वर्ष के लिए करती है.

सुरक्षा परिषद् राष्ट्र का निरंतर कार्य करने वाला निकाय है. यह स्थायी रूप से कार्य करने वाला निकाय है. यह स्थायी रूप से सत्र में रहती है. इसकी बैठक 14 दिन में एक बार होती है और यदि अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो जाए तो इसकी बैठक अल्प सूचना पर अर्थात् 24 घण्टे की सूचना पर बुलाई जा सकती है. सुरक्षा परिषद् में प्रत्येक सदस्य राज्य का एक-एक प्रतिनिधि संघ के मुख्य कार्यालय में बना रहता है. प्रक्रिया सम्बन्धी मामलों में निर्णय के लिए 9 मतों की आवश्यकता होती है. महत्त्वपूर्ण मामलों पर निर्णय के लिए 9 स्वीकारात्मक मतों के साथ यह भी आवश्यक है कि पाँचों स्थायी सदस्य भी उस निर्णय से सहमत हों इस प्रकार प्रत्येक स्थायी सदस्य को सभी महत्वपूर्ण विषयों पर निषेधाधिकार प्राप्त है, परन्तु साथ ही यह भी नियम है कि झगड़े से सम्बन्धित सदस्य मतदान नहीं करता है.

सुरक्षा परिषद् का मुख्य कार्य विश्व शान्ति एवं सुरक्षा है. इसके अतिरिक्त नए राष्ट्रों को संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता प्रदान करना, महासचिव का चयन, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति आदि ऐसे कार्य हैं. जिन्हें सुरक्षा परिषद् महासभा के साथ मिलकर करती है और बाध्यकारी प्रभाव रखती है सुरक्षा परिषद् अपने आन्तरिक मामलों का स्वयं निर्णय करती है. सुरक्षा परिषद् का उद्देश्य शान्ति की स्थापना माना गया है. सुरक्षा परिषद् पहले तो विवाद को प्रस्तावों द्वारा हल करना चाहती है, उसके बाद आर्थिक प्रतिबन्ध लगाने पर विचार करती है और अन्त में सैनिक कार्यवाही की शक्ति एवं अधिकार का प्रयोग कर सकती है. चार्टर ने सुरक्षा परिषद् को अधिकृत किया है कि वह शान्ति की स्थापना के लिए जल, थल तथा नभ सेना का यथा उचित प्रयोग कर सके. चार्टर में संयुक्त राष्ट्र की सेना का कहीं उल्लेख नहीं है. सुरक्षा परिषद् के पास यह अधिकार अवश्य है कि वह सदस्य राष्ट्रों से किसी भी समय उसे सेना उपलब्ध कराने के लिए कह सकती है. सुरक्षा परिषद् सशस्त्र सेनाओं को उपयोग में लाने की योजनाएं एक सैनिक स्टाफ समिति (Military Staff Committee) की सलाह से बनाएगी. यह सैनिक स्टाफ समिति सुरक्षा परिषद् को निम्न विषयों में सहायता और परामर्श देगी–अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा को बनाए रखने की सैनिक आवश्यकताएं, इस समिति के अधीन सेनाओं का प्रयोग और कमान शस्त्रों का नियन्त्रण एवं सम्भावित निःशस्त्रीकरण. इस समिति के सदस्य सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों का सामरिक संचालन सैनिक स्टाफ समिति के हाथ में होगा और यह परिषद् के अधीन होगी.

निषेधाधिकार

निषेधाधिकार का प्रस्ताव सबसे पहले अमरीकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने याल्टा शिखर सम्मेलन में रखा था. निषेधाधिकार का आधार यह विचार था कि उत्तरदायित्व तथा अधिकार परस्पर सम्बन्धित होने चाहिए. यह मूलतः दो धारणाओं पर आधारित है. प्रथम कि किसी भी सशस्त्र कार्यवाही में उनका भार प्रधानतः महाशक्तियों को वहन करना पड़ेगा. परिणामस्वरूप परिषद् के इन सदस्यों से यह आशा करना अव्यावहारिक होगा कि वे अपनी सेनाओं को उन कार्यवाहियों के लिए प्रदान करेंगे जिनके कि विरोध में वे हैं. दूसरा संघ को अपनी शक्ति के लिए महाशक्तियों के परस्पर सहयोग पर निर्भर रहना चाहिए. यदि वह सहयोग अपर्याप्त रहता है. तब सशस्त्र सुरक्षा सम्बन्धी व्यवस्थाएं भी अवश्य ही असफल हो जाएंगी.

सर्वप्रथम निषेधाधिकार का प्रयोग 16 फरवरी, 1946 को सोवियत संघ ने किया था.

दोहरा निषेधाधिकार (Double Veto Power)–संयुक्त राष्ट्र के चार्टर प्रक्रिया सम्बन्धी और महत्वपूर्ण विषयों में भेद तो करता है, परन्तु उसकी स्पष्ट व्याख्या नहीं करता है. प्रक्रिया सम्बन्धी मामलों के अतिरिक्त किसी भी विषय में निर्णय के समय स्थायी सदस्यों में से कोई भी नकारात्मक मत प्रदान कर सकता है और इस प्रकार निर्णय लेने से रोकता है. यह शक्ति पहली वीटो की शक्ति कहलाती है. दूसरे वीटो का प्रश्न उस समय उठता है, जबकि सुरक्षा परिषद् को यह तय करना होता है कि विषय प्रक्रिया सम्बन्धी है या नहीं. यह कार्य विधिक नहीं है अतः इस पर निर्णय लेते वक्त 9 सदस्यों के मत भी सम्मिलित होते हैं. इस प्रश्न के निर्धारण में स्थायी सदस्य दूसरे वीटो (Second Veto) का प्रयोग कर सकते हैं. दोहरी वीटो शक्ति के कारण महाशक्तियों को ऐसी शक्ति प्राप्त हो जाती है जिसके द्वारा वे सुरक्षा परिषद् की किसी भी कार्यवाही को रद्द करवा सकती है.

निषेधाधिकार की आलोचना–वीटो की व्यवस्था के कारण सुरक्षा परिषद् में बड़े राष्ट्रों का आधिपत्य जम गया है और बहुमत का कोई महत्त्व नहीं रहा गया है. वीटो के प्रयोग से सुरक्षा परिषद् का कोई भी स्थायी सदस्य किसी भी कार्यवाही को विफल कर सकता है और विश्व लोकमत की उपेक्षा कर सकता है. वीटो के कारण सुरक्षा परिषद् शान्ति और सुरक्षा की व्यवस्था को पूरा करने, वीटो महाशक्तियों की निरंकुशता की स्वच्छन्दता का परिणाम है. इसके सम्बन्ध में त्रिग्वेली ने कहा–''वीटो के कारण संयुक्त राष्ट्र संघ नपुंसक है. यह महाशक्तियों के संघर्ष द्वारा पक्षपात ग्रस्त कर दिया गया है.''

निषेधाधिकार की आवश्यकता–सुरक्षा परिषद् से वीटो की व्यवस्था को हटा देने से समस्या का समाधान नहीं हो सकता है. संयुक्त राष्ट्र संघ की सफलता के लिए यह अत्यन्त आवश्यक है कि शान्ति एवं सुरक्षा की स्थापना के लिए महाशक्तियों के बीच पारस्परिक सहयोग हो. महाशक्तियों के सहयोग के बिना सामूहिक व्यवस्था सम्भव नहीं है. वीटो कई बार अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के शान्तिपूर्ण हल करने में वरदान भी सिद्ध हुआ है. वीटो का प्रयोग बड़ी शक्तियाँ एक-दूसरे पर अंकुश बनाए रखने के लिए करती हैं. वीटो संयुक्त राष्ट्र की समस्त कार्यवाहियों को प्रभावित नहीं करता. संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेन्सियाँ अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय, न्यास परिषद्, आर्थिक तथा सामाजिक परिषद् एवं महासभा में वीटो की व्यवस्था नहीं है. यदि हम वीटो रहित सुरक्षा परिषद् की कल्पना करें तो हमें आभास होगा कि किसी बड़े अशुभ को रोकने के लिए छोटे अशुभ के रूप में वीटो की एक आवश्यकता है. इसके अतिरिक्त शान्ति के लिए एकता प्रस्ताव स्वीकृत होने एवं लघु असेम्बली की स्थापना से वीटो का महत्व गौण पड़ गया है. अब वीटो का प्रभाव मुख्य रूप से सदस्यता के सम्बन्ध में रह गया है जिससे संयुक्त राष्ट्र संघ का कोई काम रुक नहीं सकता. वीटो के कायम रहते हुए भी महासभा द्वारा बहुत से कामों को सम्पन्न कराया जा सकता है.

न्यास परिषद्

संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर के 8वें अध्याय में न्यास परिषद् के बारे में लिखा हुआ है. चार्टर के अनुच्छेद 75 के अनुसार संयुक्त राष्ट्र अपने अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत न्यास प्रदेशों के प्रशासन और नियंत्रण के लिए एक अन्तर्राष्ट्रीय न्यास व्यवस्था स्थापित करेगा, जो समझौतों द्वारा सम्पादित होगी. चार्टर के अनुसार न्यास पद्धति के चार उद्देश्य हैं–

1. अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा को बढ़ाना.
2. लोगों की राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और शिक्षा सम्बन्धी उन्नति में सहयोग देना, स्वशासन या स्वतन्त्रता के क्रमिक विकास में सहायता देना.
3. जाति, लिंग, सबके लिए मानवीय अधिकारों और मूल स्वतन्त्रताओं के प्रति आस्था बढ़ाना और उनमें यह भाव जगाना कि संसार के सब लोग एक-दूसरे पर निर्भर हैं.
4. सामाजिक, आर्थिक और वाणिज्य सम्बन्धी मामलों में संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्यों के और उनके नागरिकों के प्रति समानता के व्यवहार का विश्वास दिलाना.

संयुक्त राष्ट्र संघ ने राष्ट्र संघ की मेण्डेट व्यवस्था के स्थान पर न्यास पद्धति को ग्रहण किया और उसके संचालन के लिए न्यास समिति का निर्माण किया. न्यास पद्धति का मूल सिद्धान्त यह है कि इस समय कुछ पिछड़े हुए अल्पविकसित और आदिम दशा वाले प्रदेशों के निवासी इस योग्य नहीं हैं कि वे अपने देश का शासन स्वयं कर सकें. इन्हें दूसरे विकसित और उन्नत देशों की सहायता अपेक्षित है. सभ्य देशों का यह दायित्व है कि वे उनके विकास में पूरी सहायता दें और जब तक ये अपना शासन स्वयं करने में समर्थ नहीं हो जाते, तब तक इनकी और उनके हितों की देखभाल इन्हें न्यास या अमानत समझते हुए करें. इन शक्तियों द्वारा यह कार्य संयुक्त राष्ट्र संघ के नियंत्रण में होना चाहिए. संयुक्त राष्ट्र संघ की न्यास पद्धति का क्षेत्र उपनिवेशवाद और साम्राज्य-वाद द्वारा पराधीन बनाए गए सभी क्षेत्रों के लिए है.

न्यास परिषद् को अपने उद्देश्यों में अपूर्व सफलता मिली है. परिषद् की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि अधिकांश न्यास प्रदेश 15–20 वर्षों की अल्प अवधि में ही स्वतन्त्र हो गए. वर्तमान में न्यास परिषद् का कार्य लगभग समाप्त हो गया है.

सचिवालय

सचिवालय संयुक्त राष्ट्र संघ का एक प्रशासनिक अंग है. यह एक स्थायी संस्था है जिसका काम निरन्तर चलता रहता है. सचिवालय में महासचिव और अन्य कर्मचारी होते हैं. महासचिव की नियुक्ति 5 वर्षों के लिए सुरक्षा परिषद् की सिफारिश पर महासभा द्वारा होती है.

यह संघ का मुख्य प्रशासनिक अधिकारी होता है. महासभा द्वारा बनाए गए विनियमों के अनुसार महासचिव सचिवालय के कर्मचारियों की नियुक्ति करता है. सचिवालय संयुक्त राष्ट्र का एक वृहत प्रशासनिक तन्त्र है, जिसे आठ भागो में संगठित किया है– (1) सुरक्षा परिषद् सम्बन्धी कार्यों का विभाग, (2) आर्थिक विभाग, (3) सामाजिक कार्यों का विभाग, (4) न्यास एवं स्वशासितेत्तर क्षेत्रों में सूचना विभाग, (5) सार्वजनिक सूचना विभाग, (6) सम्मेलन तथा वित्तीय सेवा विभाग, (7) प्रशासनिक तथा वित्तीय सेवा विभाग, (8) विधि विभाग.

आर्थिक तथा सामाजिक परिषद्

अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति केवल राजनीतिक विवादों के समाधान पर ही निर्भर नहीं करती है वरन् अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक, सामाजिक और उससे सम्बन्धित अन्य समस्याओं के सम्बन्ध में उचित और प्रभावपूर्ण कार्यवाही पर ही निर्भर करती है. राजनीतिक स्थिरता के अतिरिक्त सामाजिक स्थिरता और आर्थिक सन्तोष भी अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा की स्थापना के लिए जरूरी है. प्रारम्भ में इस परिषद् में 18 सदस्य होते थे. समय-समय पर चार्टर में संशोधन कर इसके सदस्यों की संख्या में वृद्धि की गई. वर्तमान में आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् की सदस्य संख्या 54 हो गई है. यह एक स्थायी संस्था है, परन्तु इसके एक-तिहाई सदस्य प्रतिवर्ष पद मुक्त होते रहते हैं. प्रत्येक सदस्य की अवधि 3 वर्ष होती है, परन्तु अवकाश ग्रहण करने वाला सदस्य पुनः निर्वाचित हो सकता है. परिषद् में प्रत्येक सदस्य को केवल एक मत देने का अधिकार होता है. इसमें निर्णय उपस्थित एवं मतदान में भाग लेने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत द्वारा लिए जाते हैं. महासभा की भाँति सदस्य राज्यों में से ही एक सदस्य इसका सभापति निर्वाचित होता है.

आर्थिक और सामाजिक परिषद् हर साल 5 सप्ताह का एक महत्वपूर्ण सत्र आयोजित

महासचिव

संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव की नियुक्ति सुरक्षा परिषद् की संस्तुति पर महासभा द्वारा की जाती है. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रशासनिक कार्यों के उत्तरदायित्व के अतिरिक्त महासचिव को कुछ राजनीतिक शक्तियाँ भी प्राप्त हैं. अनुच्छेद 99 के तहत् जब महासचिव को अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा के प्रति यदि किसी प्रकार की आशंका उत्पन्न होती है, तो महासचिव उस ओर सुरक्षा परिषद् का ध्यान आकर्षित करा सकता है. महासचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ के क्रिया-कलापों की वार्षिक रिपोर्ट भी तैयार करता है तथा महत्वपूर्ण मुद्दों पर बल देता है. उन पर अपने विचार व्यक्त करता है तथा समुचित संस्तुतियाँ भी करता है. आज की बदलती हुई स्थितियों में महासचिव का पद राजनीतिक अधिक हो गया है. जिसके पीछे अधिकार युक्त चार्टर प्रमुख रूप से उत्तरदायी माना जा सकता है. अनुच्छेद 100 के तहत् वह अपने कर्त्तव्यों का निर्वाह करते समय अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों से आवश्यकता पड़ने पर सहयोग भी प्राप्त कर सकता है.

महासचिव संस्था का मुख्य प्रशासनिक अधिकारी होता है इस हैसियत से महासचिव महासभा, सुरक्षा परिषद्, आर्थिक तथा सामाजिक परिषद् तथा न्यास परिषद् की सभी बैठकों में भाग लेता है तथा वह सभी कार्य सम्पादित करता है, जो इन अंगों द्वारा इसे सौपे जाते हैं. महासचिव संस्था के कार्य की वार्षिक रिपोर्ट महासभा को प्रेषित करता है. अन्य अंगों द्वारा सौंपे गए तकनीकी कार्यों को भी महासचिव सम्पादित करता है. महासचिव पर संयुक्त राष्ट्र संघ का वित्तीय उत्तरदायित्व भी है. बजट का संचालन सुचारु रूप से हो रहा या नहीं इसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व महासचिव पर होता है. वह संयुक्त राष्ट्र की सभी निधियों का अभिरक्षक है ओर उनके व्यय के लिए उत्तरदायी हैं. महासचिव संघ के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है. विभिन्न अभिकरणों एवं सरकारों के साथ वार्ताओं में वह संघ का प्रतिनिधित्व करता है और संघ की ओर से करता है.

आज के परिप्रेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव का पद दिन-प्रतिदिन राजनीतिक होता जा रहा है, क्योंकि एक ओर संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्यों में अत्यन्त सबल सदस्य है, तो कुछ अत्यन्त निर्बल कुछ अत्यधिक समृद्धशाली है, तो कुछ अत्यन्त कमजोर. ऐसी स्थिति महासचिव यदि अपने राजनयिक विवेक का प्रयोग न करे तो वह संयुक्त राष्ट्र संघ के मूल उद्देश्यों की प्राप्ति से भटक सकता है. अतः यदि प्रशासनिक कार्यों में उसकी भूमिका एक आरम्भक जैसी है, तो राजनीतिक क्षेत्र में उसकी भूमिका मध्यस्त वार्ताकर्ता और मतैक्य निर्माता के समान है.

संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव

महासचिवों के नाम	सम्बन्धित देश	समय
त्रिग्वेली	नार्वे	1946 – 53
डेग हैमर सोल्ड	स्वीडन	1953 – 61
यूथांट	म्यांमार	1961 – 71
कुर्त वाल्दहीम	आस्ट्रिया	1972 – 81
जेवियर पेरेस डि क्यूलर	पेरू	1982 – 91
बुतरस बुतरस घाली	मिस्र	1992 – 96
कोफी अन्नान	घाना	1997 – 2006
बान की-मून	द. कोरिया	2007 से अब तक

करती है. इन सत्रों का बारी-बारी से न्यूयॉर्क और जेनेवा में आयोजन होता है. इसके अतिरिक्त यह न्यूयॉर्क में दो संगठनात्मक सत्रों का भी आयोजन करती है. मुख्य सत्र के दौरान एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाती है जिसमें मन्त्रियों के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी भाग लेते हैं. इस बैठक में महत्वपूर्ण आर्थिक सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की जाती है.

आर्थिक और सामाजिक परिषद् अन्तर्राष्ट्रीय, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, स्वास्थ्य तथा सम्बन्धित मामलों पर अध्ययन कर सकती है तथा इस विषय में महासभा संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों तथा विशिष्ट अभिकरणों को रिपोर्ट दे सकती है. अनुच्छेद 65 के अनुसार यह महासभा की सिफारिशों के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में ऐसे कार्य कर सकती है, जो उसकी अधिकारिता में आते हो और वह उन दूसरे सभी कार्यों को कर सकती है, जो संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में अन्यत्र दिए गए हैं अथवा महासभा द्वारा उसे सौंपे गए हैं. आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् के प्रमुख कार्यों में से एक विभिन्न विशिष्ट अभिकरणों की गतिविधियों में समन्वय करना भी है. वस्तुतः गरीबों, घायलों तथा अशिक्षितों की सहायता करके आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् विश्व शान्ति की स्थापना में सहायता करती है. यह सभी प्रकार के लोगों के जीवन में सुधार करने का प्रयत्न करती है.

आर्थिक और सामाजिक परिषद् ने अनेक क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किया है. विशेषतः इसके तथा विशिष्ट समितियों के तत्वावधान में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमरीका के पिछड़े हुए देशों को दी गई तकनीकी सहायता तथा मानवीय अधिकारों की घोषणा इसकी प्रमुख सफलताएं मानी जाती हैं. यह संस्था कल्याणकारी संस्था बना देती है. शरणार्थियों राज्यविहीन व्यक्तियों, ट्रेड यूनियनों के अधिकारों, दासता तथा बेगार जैसी समाज विरोधी कार्यवाहियों पर परिषद् द्वारा प्रस्तुत विचार-विमर्श होता रहता है. परिषद् ने अपने एक प्रस्ताव द्वारा किसी भी राष्ट्रीय नस्लीय तथा धार्मिक समुदाय को पूर्णतया समाप्त करने के प्रयास को अवैध घोषित कर दिया है. आर्थिक एवं प्रावधिक सहायता तथा योजनाओं से पिछड़े हुए राष्ट्रों का विकास इस परिषद् का उद्देश्य है. यह आवश्यक उपकरणों, यन्त्रों, मशीनों, भवनों, सड़कों एवं बंदरगाहों को उपलब्ध कराकर व्यापार उद्योग तथा कृषि की उन्नति में सहयोग देती है. यद्यपि इसे आर्थिक एवं सामाजिक विषयों पर विधान बनाने की क्षमता प्राप्त नहीं है. तथापि इसने मानव जाति के उत्थान एवं उसे सुखी जीवन प्रदान करने की दिशा में प्रशंसनीय कार्य किया है. संयुक्त राष्ट्र बाल निधि, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी निधि, तकनीकी सहायता समिति, यूरोप के लिए आर्थिक आयोग, एशिया व सुदूरपूर्व के लिए आर्थिक आयोग, लैटिन अमरीका के लिए आर्थिक आयोग, अफ्रीका के लिए आर्थिक आयोग, संयुक्त राष्ट्र कोरियाई पुनर्निर्माण अभिकरण और आर्थिक विकास के लिए विशेष निधि सबने सम्पूर्ण विश्व की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति के लिए महान् योगदान दिया है.

अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय

संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न निकायों में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का महत्वपूर्ण स्थान है. यह संयुक्त राष्ट्र संघ का अभिन्न अंग है. संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के सदस्य होते हैं. अन्तर्राज्यीय विवादों को सुलझाने के अतिरिक्त यह एक परामर्शदायी कार्य भी करता है. इसका मुख्यालय हेग (नीदरलैण्ड) में है. इसे विश्व का सर्वोच्च न्यायालय नहीं माना जा सकता. जब तक किसी विषय में अन्यथा अपेक्षित न हो तब तक इसके निर्णय भी अनिवार्य रूप से बाध्यकारी नहीं होते हैं. इसके साथ ही कोई भी देश अपना विवाद इसके समक्ष रखने के लिए बाध्य नहीं है.

अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना हेग में 3 अप्रैल, 1946 को हुई थी. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का संविधान 70 अनुच्छेदों में है. संयुक्त राष्ट्र की धारा 92 के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का गठन हुआ. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की जजों की संख्या 15 रखी गई है. ये न्यायाधीश अपने में से ही एक सभापति तथा उपसभापति को 3 वर्ष के लिए चुनते हैं. न्यायाधीशों का चुनाव

सुरक्षा परिषद् तथा महासभा द्वारा 9 वर्ष के लिए किया जाता है. न्यायाधीशों को अनेक विशेषाधिकार सौंपे जाते हैं. न्यायालय के सम्मुख वादियों के प्रतिनिधि परामर्शदाता और वकीलों को भी स्वतन्त्रतापूर्वक कार्य करने की छूट दी जाती है. न्यायालय की गणपूर्ति 9 रखी गई है. न्यायालय के सभी निर्णय बहुमत से लिए जाते हैं. बहुमत न होने पर सभापति का निर्णायक मत मान्य होता है. न्यायालय की भाषा फ्रैंच तथा अंग्रेजी है. न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत मुकदमों में वादी और प्रतिवादी केवल राष्ट्र ही हो सकते हैं. न्यायालय का खर्च सदस्य देश देते हैं. खर्च का कितना हिस्सा किस देश का देना है यह महासभा तय करती है. संयुक्त राष्ट्र संघ के वार्षिक बजट में न्यायालय का बजट भी सम्मिलित रहता है. यद्यपि न्यायालय का स्थायी कार्यालय हेग में है. तथापि मुकदमे की सुनवाई दूसरे देश में भी हो सकती है.

अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का क्षेत्राधिकार निम्नलिखित तीन वर्गों में विभाजित किया जा सकता है–

1. **ऐच्छिक क्षेत्राधिकार** (Voluntary Jurisdiction)–अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की संविधि की धारा 36 के अनुसार न्यायालय उन सभी मामलों पर विचार कर सकता है जिनको सम्बन्धित राज्य न्यायालय के सम्मुख प्रस्तुत करे.
2. **अनिवार्य क्षेत्राधिकार** (Compulsory Jurisdiction)–राज्य स्वयं घोषणा करके इन क्षेत्रों में न्यायालय के आवश्यक क्षेत्राधिकार को स्वीकार कर लेता है. ये हैं–संधि की व्याख्या, अन्तर्राष्ट्रीय कानून के क्षेत्र से सम्बन्धित सभी मामले, किसी ऐसे तथ्य का अस्तित्व जिसके सिद्ध होने पर किसी अन्तर्राष्ट्रीय कर्त्तव्य का उल्लंघन समझा जाए तथा किसी अन्तर्राष्ट्रीय विधि के उल्लंघन पर क्षतिपूर्ति का रूप और परिणाम.
3. **परामर्शात्मक क्षेत्राधिकार** (Advisory Jurisdiction)–महासभा या सुरक्षा परिषद् किसी भी कानूनी प्रश्न पर अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का परामर्श माँग सकती है. संयुक्त राष्ट्र संघ के दूसरे अंग तथा विशेष अभिकरण भी उनके अधिकार क्षेत्र में उठने वाले कानूनी प्रश्नों पर न्यायालय का परामर्श प्राप्त कर सकते हैं. परामर्श के लिए संस्था बाध्य नहीं होती है.

चार्टर के नियमों के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय वादों का निर्णय करने में अन्तर्राष्ट्रीय विधि का प्रयोग करता है, जो निम्नलिखित हैं–

1. सामान्य अथवा विशिष्ट पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय संधियाँ और समझौते जिनको वादग्रस्त पक्ष स्वीकार करते हों.
2. वे अन्तर्राष्ट्रीय परम्पराएं और रीति-रिवाजें जिन्हें सामान्यतया प्रयोग में माना जाता हो.
3. सभ्य राष्ट्रों द्वारा मान्यता प्राप्त कानूनों के सामान्य सिद्धान्त.
4. भिन्न-भिन्न राष्ट्रों के वेत्ताओं और न्यायाधीशों द्वारा दिए गए निर्णय.

यद्यपि अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के निर्णयों के पीछे कोई बाध्यकारी शक्ति नहीं है फिर भी जब से इसने जन्म लिया है इसके द्वारा अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मामलों को सुलझाया जा चुका है.

संयुक्त राष्ट्र संघ : विश्व शान्ति

संयुक्त राष्ट्र संघ का सर्वोपरि उद्देश्य है विश्व शान्ति एवं सुरक्षा को बनाए रखना है. चार्टर में अनुच्छेद 33 से 38 तक अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के शान्ति पूर्ण समझौते की व्यवस्थाएँ की गई हैं. जब से संघ की स्थापना हुई है तब से आज तक अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा सम्बन्धी अनेक विवाद इसके समक्ष लाए गए हैं. इन विवादों को सुलझाने में यद्यपि संघ सदैव सफल नहीं हुआ है तथापि अनेक बार युद्ध की सम्भावनाओं को टालकर विश्व-शान्ति की दिशा में उसने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है. प्रारम्भ से ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने राष्ट्रों के आपसी विवादों तथा गृहयुद्धों को अपने शांति प्रयासों एवं अभियानों द्वारा दूर करने की चेष्टा की है. चाहे वह कोरिया समस्या रही हो या अरब-इजराइल संघर्ष, यमन एवं यूगोस्लाविया का गृहयुद्ध हो या लेबनान, कांगो एवं साइप्रस संकट, रोडेशिया में शान्ति स्थापना का प्रश्न हो या सोमालिया की विकट स्थिति संयुक्त राष्ट्र संघ सदैव शान्ति स्थापना करने हेतु प्रतिबद्ध रहा है. इस संदर्भ में कम्बोडिया में कराया गया शान्ति समझौता उल्लेखनीय है, लेकिन आर्थिक सीमितताओं, घटती राजनीतिक प्रतिबद्धताओं तथा कम होते सैन्य सहयोग से यह विश्व संस्था कई स्थानों पर शान्ति स्थापना करने में असफल रही. असल में संयुक्त राष्ट्र संघ की इस विफलता का प्रमुख कारण अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं का सैनिक हस्तक्षेप से समाधान करने की सोच है. आवश्यकता इस बात की है कि सैनिक हस्तक्षेप की बजाय यथार्थवादी एवं संतुलित नीति अपनाए.

संयुक्त राष्ट्र संघ एक ऐसी संस्था है, जहाँ विवादों के निपटाने के लिए एक ओर तो विचार-विमर्श किया जा सकता है दूसरी ओर युद्ध की सी स्थितियों एवं सम्भावित स्थितियों के निराकरण के लिए प्रस्तावों के रूप में उपाय सुझाए जाते हैं. यद्यपि संयुक्त राष्ट्र संघ का संगठन एक सरकार का संगठन नहीं है और न ही इसकी कार्यप्रणाली ही सरकारी है फिर भी यह अपने सदस्यों के सहयोग से जो कदाचित आज विश्व युद्धों को एक प्रकार से अमान्य स्वीकार कर चुके हैं. पर्याप्त रूप से विवाद की स्थिति पर नियंत्रण पाने, उसका निराकरण करने या उसे विस्तृत विवाद का क्षेत्र न बनने देने के लिए आधार प्रस्तुत करता है. संयुक्त राष्ट्र संघ ने संघर्ष का कई स्थितियों में जैसे कि कांगो और साइप्रस में शान्ति रक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. इसी प्रकार कई अन्तर्राष्ट्रीय विवादों में भारत-बांग्लादेश विवादों तथा पश्चिम एशिया संकट में उसके विचार-विमर्श एवं सलाह-मशविरे के माध्यम से हालात की गहमागहमी को कम करने की भूमिका निभाई है. अफगानिस्तान से सोवियत सैनिकों की वापसी के बारे में जनेवा समझौता (1988), इराक-ईरान युद्ध विराम समझौता (1988), नामीबिया की स्वतन्त्रता सम्बन्धी समझौता (1988), अंगोला से क्यूबाई सैनिकों की वापसी के लिए पर्यवेक्षकों का दल तैयार करना आदि. संयुक्त राष्ट्र संघ की 16 शान्ति सेनाएं विभिन्न क्षेत्रों में तैनात हैं. 1945 से अब तक संघ की देखरेख में लगभग 172 क्षेत्रीय संघर्षों का निदान शान्तिपूर्ण समझौतों द्वारा किया जा चुका है. अपने 64 वर्ष की कालावधि में कम्बोडिया, नामीबिया, अल सल्वाडोर, मोजाम्बिक जैसे 45 देशों में निष्पक्ष चुनाव करवाकर लोकतन्त्र की स्थापना में संघ ने सहयोग दिया है. दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को समाप्त करने की दिशा में संघ को अभूतपूर्व सफलता मिली है. इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय का अपना विशिष्ट वातावरण है. उसके कॉफी हाउस लाउज और गलियारों में परस्पर विरोधी पक्षों के प्रतिनिधि चाहे अनचाहे आपस में मिल जाते हैं. इस तरह विरोधियों के बीच संवाद सम्पर्क पूरी तरह टूटता नहीं है. इन अनौपचारिक सम्पर्क के परिणामस्वरूप कभी-कभी कुछ शंकाओं का निवारण हो जाता है या तनाव कम हो जाते हैं. अतः संयुक्त राष्ट्र संघ अन्तर्राष्ट्रीय विवादों को उग्र होने से रोकने के लिए एक सेफ्टी वाल्व (Safety Valve) का काम करता है.

संयुक्त राष्ट्र संघ के समक्ष चुनौतियाँ

विश्व युद्ध के रक्तरंजित इतिहास के पुनरावर्तन से विश्व को बचाने के लिए विश्व की तत्कालीन महाशक्तियों ने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की. संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व शान्ति और सुरक्षा स्थापित करने के विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का समाधान किया, लेकिन बहुत से मामलों में यह कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा सका. संयुक्त राष्ट्र संघ के विश्व राज्य बनने में विभिन्न चुनौतियाँ उसके सम्मुख विद्यमान हैं–

1. संयुक्त राष्ट्र संघ के एक विश्व राज्य बनने में सबसे बड़ी चुनौती अमरीका

द्वारा स्थापित एकध्रुवीय व्यवस्था है. अमरीका द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ को अपने मित्र राष्ट्रों के सहयोग से अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति संयुक्त राष्ट्र संघ के औचित्य पर सवालिया निशान लगा रही है. इराक एवं यूगोस्लाविया के मामले में अमरीका ने जिस तरह से संयुक्त राष्ट्र संघ का इस्तेमाल किया है उससे विश्व के विकासशील एवं अर्द्धविकसित राष्ट्रों की नजर में संयुक्त राष्ट्र संघ के पक्षपात रहित भूमिका की छवि पहुँची है.

2. संयुक्त राष्ट्र संघ का आर्थिक रूप से विकसित देशों विशेषकर अमरीका पर निर्भर रहना इस संस्था के पक्षपात रहित रहने की सम्भावना को कम कर देता है. अमरीका द्वारा संघ को अपने बजट में कमी करने जैसे निर्देश देने से संघ की वैश्विक मुखिया की छवि पर धक्का लगता है और यह इसके कमजोरी को उजागर कर देता है.
3. संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमी इसकी अपनी सेना का अभाव होना है. इसके सदस्य देशों के सक्रिय सहयोग विशेषकर सैन्य शक्ति से मजबूत देशों के सहयोग पर निर्भर रहना पड़ता है. इससे संघ सही समय पर न तो युद्ध रोक सकता है और नहीं शान्ति स्थापना का कार्य ही समय पर कर सकता है.
4. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जब तक संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा को अधिकार नहीं दिया जाएगा और जब तक सुरक्षा परिषद् में अधिक देशों को शामिल करके इसे प्रजातांत्रिक शक्ल नहीं दी जाएगी तब तक संयुक्त राष्ट्र संघ एक विश्व राज्य बनने के लायक नहीं बन सकेगा.
5. संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी संगठनात्मक परेशानियों के साथ-साथ विश्वभर में तेजी से बढ़ते आतंकवाद, क्षेत्रीयतावाद और आपसी वैमनस्यता के कारण भी विश्व राज्य बनने की सम्भावना क्षीण हो जाती है.

इन चुनौतियों के साथ-साथ कुछ ऐसे भी संकेत हैं जो यह सम्भावनाएं प्रस्तुत करते हैं कि आने वाले दिनों में संयुक्त राष्ट्र संघ एक विश्व राज्य बन जाएगा. परमाणु अप्रसार संधि, पर्यावरण समस्या के निदान के लिए सामूहिक प्रयास विश्व के आर्थिक रूप से एक सूत्र में बँधने, खतरनाक शस्त्रों के खिलाफ बढ़ती जनभावना, परिवहन एवं संचार के क्षेत्र में आई क्रान्ति आदि के कारण आज सम्पूर्ण विश्व एक 'वैश्विक गाँव' (Global Village) में परिवर्तित होता जा रहा है. सभी तरह के वैश्विक सहयोग में संयुक्त राष्ट्र संघ की बढ़ती भूमिका अब इस तथ्य को उजागर करती है, जहाँ आज सम्पूर्ण विश्व संयुक्त राष्ट्र संघ के नेतृत्व में एक सूत्र में बँधता जा रहा है, वहीं संघ की भूमिका अब एक वैश्विक मुखिया का रूप लेता जा रहा है. ऐसी स्थिति में संयुक्त राष्ट्र संघ के एक विश्व राज्य बनने की सम्भावना बढ़ जाती है.

संयुक्त राष्ट्र संघ तथा भारत

भारत की भूमिका–संयुक्त राष्ट्र की शान्ति स्थापना की गतिविधियों में भारत की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका को देखते हुए इसकी सदस्यता की दावेदारी से इनकार नहीं किया जा सकता है. पिछले पाँच दशकों में हुए ज्यादातर महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भारत की भागीदारी मिलती है. भारत ने पिछले 1950 के दशक में कोरिया, कम्बोडिया, वियतनाम, सिवाई व लेबनान आदि देशों में हुई कार्यवाही में हिस्सा लिया है. वर्तमान सन्दर्भ में प्रमुख कार्यवाहियों, जैसे इराक-ईरान, अंगोला, नामीबिया, इराक-कुवैत, यूगोस्लाविया, कम्बोडिया, सोमालिया, रवांडा आदि में भी सशक्त भूमिकाएं निभाई हैं.

1. सर्वप्रथम 1953 में कोरिया के युद्ध के समय भारतीय सैनिकों को युद्ध के कैदियों की जिम्मेवारी से निपटने हेतु तटस्थ देशों के प्रत्यावर्तन आयोग के अध्यक्ष की भूमिका निभाई.
2. जुलाई 1954 में इण्डोनेशिया क्षेत्र से सम्बन्धित जेनेवा समझौते के अन्तर्गत भारत को इंडोनेशिया क्षेत्र के नियंत्रण एवं निरीक्षण के लिए गठित अन्तर्राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष की भूमिका निभाई.
3. 1960–63 में कांगो में शान्ति की स्थापना के लिए भारत की एक स्वतन्त्र ब्रिगेड को कार्य सौंपा गया, जिसे जिम्मेदारीपूर्वक निभाया.
4. सबसे प्रमुख कार्य फरवरी 1992 में सतीश नांबियार को यूगोस्लाविया में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा सेना का कमांडर नियुक्त किया गया.

इसके अतिरिक्त 50 वर्षों में भारत ने संयुक्त राष्ट्र की 23 शान्ति स्थापना की गतिविधियों में भाग लिया है. भारत शान्ति सेना का सही क्रियान्वयन की भूमिका को देखते हुए इसकी विश्वभर में सराहना हुई है. इसके अतिरिक्त भारत ने संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न गतिविधियों में अपना योगदान दिया– प्रथम, भारत ने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना में भागीदारी, उसके आदर्शों एवं उद्देश्यों के प्रति वचनबद्धता, शान्तिपूर्ण ढंग से विवादों का हल करने तथा विश्व के विभिन्न क्षेत्रों शान्ति स्थापना पर बल देकर इसके संस्थागत ढाँचे के निर्धारण, कार्यान्वयन तथा विकास की प्रक्रिया को बढ़ाया है. द्वितीय, भारत ने रूस व अफ्रीका के राष्ट्रों को उपनिवेशवाद के चंगुल से स्वतन्त्र कराया. तृतीय, भारत ने यहाँ पर प्रचलित रंगभेद, गरीबी, बेरोजगारी तथा अशिक्षा को दूर करके इन राष्ट्रों को शान्ति प्रक्रिया के महत्व को समझाने तथा उस पर अमल करने योग्य बनाया. चतुर्थ, सर्वप्रथम भारत ने निरस्त्रीकरण व शस्त्र नियंत्रण की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई तथा हथियारों से मुक्त विश्व की कल्पना को साकार बनाया. पंचम, राजनैतिक के साथ आर्थिक समृद्धि, समानता एवं न्याय हेतु नई आर्थिक विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी सक्रिय योगदान दिया. छठा, वर्तमान संघर्षों से निपटने हेतु संयुक्त राष्ट्र की शान्ति व्यवस्था की गतिविधियों में व्यापक स्तर पर सहयोग के माध्यम से राज्यों के बीच तनाव वाले क्षेत्रों में शान्ति स्थापित करने के प्रयास किए.

भारत का सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता का दावा

विश्व के अधिकांश देश संयुक्त राष्ट्र के सर्वाधिक प्रभावी अंग, सुरक्षा परिषद् के सुधार एवं विस्तार की भी माँग कर रहे हैं. विश्व के कुछ देश सुरक्षा परिषद् के विस्तार की माँग के साथ-साथ इस परिषद् की सदस्यता के लिए अपना दावा प्रस्तुत कर रहे हैं. ऐसे देशों में भारत भी एक है. भारत ने सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता के लिए दावा करने के क्रम में निम्नलिखित तर्क दिए हैं–

1. *लगभग एक अरब जनसंख्या के साथ भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा जनसंख्या वाला देश है.*
2. *सुरक्षा परिषद् में विकासशील देशों का प्रतिनिधि नहीं है. विकासशील देशों एवं गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के स्वाभाविक नेता होने के कारण भारत को सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य बनना चाहिए.*
3. *सुरक्षा परिषद् में सभी क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए, इसलिए दक्षिण एशिया क्षेत्र से भारत को यह स्थान प्राप्त होना चाहिए.*
4. *भौगोलिक दृष्टि से भी भारत काफी विशाल देश है.*
5. *अपनी स्वतन्त्रता के बाद से भारत ने हमेशा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव एवं शान्ति स्थापना के कार्य में संयुक्त राष्ट्र संघ का समर्थन एवं सहयोग किया है.*
6. *वर्तमान विश्व आर्थिक व्यवस्था में भारत का स्थान छठा है. इस कारण भी भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए.*

अतः संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की स्थिति तथा भारत के शान्तिपूर्ण कार्यों को देखते हुए सुरक्षा परिषद् में इसे स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए.

●●●

सामाजिक लेख

विश्व में महिला अधिकारों की स्थिति

✍ अनीश भसीन

''यत्र नार्यस्तु पूजते रमन्ते तत्र देवता'' अर्थात् जहाँ महिला की पूजा होती है, वहाँ देवता बसते हैं. पूजा का अर्थ सम्मान से है. तात्पर्य यह है कि जहाँ महिला का सम्मान होता है, वहाँ सुख एवं समृद्धि का वास होता है. महिला से ही घर, परिवार, समाज बनता है और देश तरक्की करता है. महिला बेटी, बहन, पत्नी, माँ भी है और देवी भी.

लेकिन घर-परिवार, समुदाय की परिसम्पत्तियों में महिलाओं की हिस्सेदारी मात्र 10-20 प्रतिशत ही है. सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक आदि सभी क्षेत्रों में महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है. सारे विश्व में लोकतांत्रिक प्रणाली आधारित शासन व्यवस्था अपनाए जाने के बावजूद महिलाओं को पुरुषों के समकक्ष अधिकार प्राप्त नहीं है. उनके मानवाधिकारों का हनन किया जाता है तथा उनका आर्थिक एवं दैहिक शोषण किया जाता है.

महिला साधिकारिता हेतु वैश्विक पहल

वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसे-जैसे सुदृढ़ होती गई, महिलाओं को पुरुषों के समकक्ष लाने की मुहिम में भी तेजी आती गई. विधि एवं न्याय के समक्ष समानता, लोक सेवाओं में नियुक्ति हेतु समान अवसर, विचार अभिव्यक्ति, निवास, रोजगार आदि की स्वतन्त्रता पारिवारिक सम्पत्ति में हिस्सेदारी, निर्णयन के प्रत्येक स्तर पर समानता, खान-पान, रहन-सहन, शिक्षा आदि के क्षेत्र में समानता आदि मामलों में महिलाओं को न केवल पुरुषों के बराबर लाया गया, वरन जहाँ कहीं आवश्यकता थी, वहाँ उनके सम्मान एवं निष्ठा की रक्षा के लिए विशेष प्रावधान भी किए गए. वैश्विक स्तर पर किए गए प्रयासों का लेखा-जोखा तालिका-1 में प्रस्तुत किया गया है.

तालिका-1 : वैश्विक स्तर पर महिला अधिकारों के विकास का घटनाक्रम

क्र.सं.	वर्ष	देश का नाम	घटना विवरण
1.	1792	ब्रिटेन	आधुनिक नारीवादी आन्दोलन की संस्थापक मेरी वुल्स्टन क्रैप्ट की महिला अधिकारों पर पुस्तक 'विन्डीकेशन ऑफ दी राइट्स ऑफ वीमन' प्रकाशित हुई.
2.	1857	अमरीका	न्यूयॉर्क शहर के लोउर ईस्ट इलाके में शोषण एवं बदहल से त्रस्त महिलाओं ने अधिकारों के लिए 8 मार्च, 1857 को बगावत की. इसी समय से प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्व में 'महिला दिवस' मनाया जाता है.
3.	1869	ब्रिटेन	महिला अधिकारों पर जे. एस. मिल की पुस्तक 'सब्जेक्शन ऑफ वीमन' प्रकाशित.
4.	1890	अमरीका	राष्ट्रीय महिला संगठन की स्थापना.
5.	1893	न्यूजीलैण्ड	विश्व में सर्वप्रथम न्यूजीलैण्ड में महिलाओं को मताधिकार प्राप्त हुआ.
6.	1901	आस्ट्रेलिया	महिलाओं को मताधिकार प्राप्त हुआ.
7.	1903	फ्रांस	फ्रांस की मैडम क्यूरी नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रथम महिला बनी.
8.	1908	अमरीका	'इंटरनेशनल वीमन राइट्स एलायंस' की स्थापना हुई.
9.	1913	नॉर्वे	महिलाओं को मताधिकार प्राप्त हुआ.
10.	1913	अमरीका	नेशनल वीमन पार्टी की स्थापना.
11.	1916	कनाडा	महिलाओं को मताधिकार प्राप्त.
12.	1917	भारत	'वीमन इंडियन एसोसिएशन' अर्थात् महिलाओं का भारतीय संघ की स्थापना.
13.	1918	ब्रिटेन	महिलाओं को मताधिकार प्राप्त (जबकि वयस्क मताधिकार 1928 में प्राप्त हुआ).
14.	1920	अमरीका	19वें संविधान संशोधन द्वारा अमरीका में महिलाओं को मताधिकार प्राप्त हुआ.
15.	1927	भारत	'ऑल इण्डिया वीमन लीग' की स्थापना.
16.	1945	इटली	महिलाओं को मताधिकार प्राप्त हुआ.
17.	1946	अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर	संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 'स्टेट्स ऑफ वीमस' के नाम पर एक कमीशन का गठन.
18.	1948	अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर	संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने 10 दिसम्बर, 1948 को मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा-पत्र स्वीकार किया. घोषणा-पत्र के अनेक अनुच्छेदों में महिला अधिकारों का उल्लेख है.
19.	1952	संयुक्त राष्ट्र संघ	संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों के नियमों को पारित किया.
20.	1959	श्रीलंका	विश्व की 'प्रथम महिला प्रधानमंत्री' के रूप में एस. भण्डारनायके चुनी गई.
21.	1966	संयुक्त राष्ट्र संघ	संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'सिविल और राजनीतिक अधिकारों पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदा' तथा 'आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदा' दिसम्बर 1966 में स्वीकार की गई, जबकि यह दोनों प्रसंविदाएं 1976 में प्रभावी हो सकीं. प्रसंविदाओं के कई अनुच्छेद महिला अधिकारों से सम्बन्धित हैं.
22.	1971	स्विट्जरलैण्ड	महिलाओं को मताधिकार प्राप्त हुआ.
23.	1974	फ्रांस	फ्रांस की सीमोन द बुआ नारी मुक्ति आन्दोलन की अध्यक्ष चुनी गईं.
24.	1975	संयुक्त राष्ट्र संघ	महिलाओं के उत्थान हेतु 'अन्तर्राष्ट्रीय शोध एवं प्रशिक्षण' संस्थान की स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई.
25.	1975	संयुक्त राष्ट्र संघ	विश्व में अन्तर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन आयोजित किया गया.
26.	1975	संयुक्त राष्ट्र संघ	पहला विश्व महिला सम्मेलन जुलाई 1975 में मैक्सिको में आयोजित किया गया.

27.	1975	संयुक्त राष्ट्र संघ	वर्ष 1975 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष' के रूप में मनाया गया.
28.	1975–85	संयुक्त राष्ट्र संघ	महिलाओं के लिए 'संयुक्त राष्ट्र दशक' के रूप में मनाया गया.
29.	1976	संयुक्त राष्ट्र संघ	महिलाओं हेतु 'संयुक्त राष्ट्र विकास निधि' की स्थापना की गई.
30.	1979	संयुक्त राष्ट्र संघ	महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव की समाप्ति पर प्रसंविदा संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 18 दिसम्बर, 1979 को स्वीकृत की गई और सितम्बर 1981 में लागू हो गई.
31.	1980	संयुक्त राष्ट्र संघ	द्वितीय विश्व महिला सम्मेलन जुलाई 1980 में कोपेनहेगन (डेनमार्क) में आयोजित किया गया.
32.	1985	संयुक्त राष्ट्र संघ	तृतीय विश्व महिला सम्मेलन जुलाई 1985 में नैरोबी (कीनिया) में आयोजित किया गया.
33.	1992	भारत	भारत में राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन.
34.	1993	भारत	संविधान के 73वें एवं 74वें संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं तथा स्थानीय नगर निकायों में एक-तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित करके निर्णयन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की गई.
35.	1994	रूस	वीमेन ऑफ एशिया नामक आन्दोलन की नींव रखी गई.
36.	1995	संयुक्त राष्ट्र संघ	चतुर्थ विश्व महिला सम्मेलन 1995 में पेइचिंग (चीन) में आयोजित किया गया.
37.	2001	भारत	'महिला सशक्तिकरण वर्ष' के रूप में मनाया गया.
38.	2002	अन्तर संसदीय संघ	अन्तर संसदीय संघ के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2002 में जारी रिपोर्ट अनुसार विश्व में कुल सांसदों में महिलाओं का केवल 14·7 प्रतिशत है.
39.	2005	बांग्लादेश	संसद की कुल 300 सीट में से 45 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गईं.
40.	2005	कुवैत	महिलाओं को मताधिकार प्राप्त हुआ.
41.	2005	जर्मनी	एंजेला मर्केल जर्मनी की प्रथम महिला चांसलर बनीं.
42.	2005	लाइबेरिया	ऐलन जॉहन्सन सरलीफ अफ्रीका में राष्ट्रपति के पद पर नियुक्त होने वाली प्रथम महिला बनीं.
43.	2005	भारत	भारत में घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा प्रदान करने वाला घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 पारित.
44.	2006	बहरीन	जासेम अल कावरी खाड़ी देश में महिला न्यायाधीश नियुक्त होने वाली प्रथम महिला बनीं.

संयुक्त राष्ट्र संघ एवं महिला अधिकार

संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर की प्रस्तावना में कहा गया है कि "हम संयुक्त राष्ट्र के लोग ····· मूलभूत मानवाधिकारों में मानव की गरिमा और महत्व में तथा स्त्री पुरुष के समान अधिकारों में आस्था व्यक्त करते हैं·····." इस प्रकार चार्टर में महिलाओं को समानता के अधिकार की घोषणा की गई है. मानवाधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा-पत्र, 1948 को सभी सदस्य राष्ट्रों द्वारा इसका सम्मान करने के लिए बाध्य किया गया है. इस घोषणा-पत्र के कई अनुच्छेदों में महिला अधिकारों का उल्लेख मिलता है जिनमें प्रमुख इस प्रकार है–

- **अनुच्छेद–2**–प्रत्येक व्यक्ति इस घोषणा-पत्र में वर्णित सभी अधिकारों और स्वतंत्रताओं का हकदार है. इसमें मूलवंश, वर्ण, लिंग, धर्म, राजनीति, राष्ट्रीयता, सामाजिक उद्भव, सम्पत्ति, जन्म या अन्य प्रस्थिति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा.
- **अनुच्छेद–16 (1)**–वयस्क पुरुषों और स्त्रियों को मूलवंश, राष्ट्रीयता या धर्म के कारण किसी सीमा के बिना, विवाह करने और कुटुम्ब स्थापित करने का अधिकार है.
- **अनुच्छेद–23 (2)**–प्रत्येक व्यक्ति को किसी भेदभाव के बिना, समान कार्य के लिए समान वेतन का अधिकार है. अर्थात् समान कार्य के लिए स्त्रियाँ एवं पुरुष दोनों को समान वेतन दिया जाना अनिवार्य कर दिया गया है.
- **अनुच्छेद–26 (1)**–प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा का अधिकार प्राप्त है जो कम-से-कम प्रारम्भिक और मौलिक अवस्था में निःशुल्क होगी. इस प्रकार घोषणा-पत्र में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है, चाहे वह स्त्री हो या पुरुष.

महिलाओं की प्रस्थिति पर आयोग (द कमीशन ऑन द स्टेटस ऑफ वीमेन)

आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् द्वारा 1946 में यह आयोग स्थापित किया गया. आयोग सम्पूर्ण विश्व में महिलाओं की समानता की दिशा में की गई प्रगति की जाँच एवं राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक क्षेत्रों में स्त्रियों के अधिकारों को बढ़ाने के लिए सिफारिशें करता है. वर्तमान में आयोग के 45 सदस्य हैं. आयोग ने समस्त विश्व में महिलाओं की स्थिति के सम्बन्ध में आँकड़े एकत्रित किए तथा मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा तैयार करने में मदद की.

महिलाओं हेतु संयुक्त राष्ट्र विकास निधि (यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट फण्ड फॉर वीमेन)

यह एक स्वैच्छिक निधि है, जो महिलाओं के मानवाधिकारों, उनके आर्थिक तथा राजनीतिक सबलीकरण और लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने वाले नए ढंग के कार्यक्रमों का समर्थन एवं तकनीकी सहायता देती है. महिलाओं हेतु संयुक्त राष्ट्र विकास निधि तीन प्रमुख क्षेत्रों में कार्य करती है, जो इस प्रकार है–

- शासन, नेतृत्व और निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना;
- विकास को अधिक समानतापूर्ण बनाने के लिए महिलाओं के मानवाधिकारों को बढ़ावा देना;
- उद्यमियों तथा उत्पादकों के रूप में महिलाओं की आर्थिक क्षमता को मजबूत बनाना.

सिविल और राजनीतिक अधिकारों पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदा एवं महिला अधिकार

सिविल और राजनीतिक अधिकारों पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदा को संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने दिसम्बर 1966 में स्वीकृति दी और यह प्रसंविदा 23 मार्च, 1976 से लागू हो गई. प्रसंविदा के कई अनुच्छेद महिला अधिकारों से सम्बन्धित है जिनमें प्रमुख इस प्रकार हैं–

- **अनुच्छेद–2 (1)** के अनुसार सभी राज्य अपने क्षेत्र में इस प्रसंविदा में स्वीकृत अधिकारों को बिना प्रजाति रंग, लिंग, भाषा, धर्म····· के आधार पर बिना भेदभाव अधिकारों के सम्मान करने का वचन देता है.
- **अनुच्छेद–3** के अनुसार प्रसंविदा में दिए गए सभी सिविल और राजनीतिक अधिकारों का लाभ उठाने के लिए पुरुष व स्त्रियों को समान अधिकार होंगे.

तालिका 2 : विश्व के प्रमुख देशों के संविधानों के अन्तर्गत महिलाओं के अधिकार

क्र.सं.	देश का संविधान	संविधान का अनुच्छेद	महिलाओं के लिए उपयोगी प्रावधान
1.	भारत (1950)	अनुच्छेद 14–32	महिलाओं को कई अधिकार प्राप्त हैं जिनमें प्रमुख हैं–समानता का अधिकार, स्वतन्त्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार एवं शिक्षा सम्बन्धी अधिकार आदि.
		अनुच्छेद 39 (घ)	स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन की व्यवस्था की गई है.
		अनुच्छेद 42	महिलाओं के लिए प्रसूति सहायता का अधिकार.
2.	क्यूबा (1976)	अनुच्छेद 46	महिला एवं पुरुष को आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक एवं पारिवारिक विषयों में समान अधिकार प्राप्त है.
3.	चीन (1982)	अनुच्छेद 49	पति-पत्नी को परिवार नियोजन का व्यवहार में लाने का आदेश दिया गया है.
4.	तुर्की (1982)	अनुच्छेद 41	राज्य का कर्त्तव्य है कि वह परिवार के कल्याण एवं नियोजन के लिए महिलाओं एवं पुरुष के लिए शिक्षा प्रदान करे.
5.	दक्षिण कोरिया (1987)	अनुच्छेद 36	इस अनुच्छेद द्वारा विवाह एवं पारिवारिक जीवन के लिए महिला एवं पुरुष को समान अधिकार प्रदान किए गए हैं.
6.	ब्राजील (1988)	अनुच्छेद 226	महिला एवं पुरुष दोनों अपने परिवार नियोजन के लिए निर्णय लेने हेतु स्वतंत्र है.
7.	पुर्तगाल (1989)	अनुच्छेद 67(2)	राज्य का कर्त्तव्य है कि वह महिला एवं पुरुषों के लिए यह अधिकार प्रदान करे कि वह परिवार नियोजन की ज्यादा-से-ज्यादा जानकारी प्राप्त करे.
8.	अल्जीरिया (1989)	अनुच्छेद 28	सभी नागरिक कानून के सामने समान है चाहे वह महिला हो या पुरुष.
9.	कोलम्बिया (1991)	अनुच्छेद 43	महिला एवं पुरुष को समान अधिकार एवं अवसर प्राप्त है.
10.	उत्तर कोरिया (1992)	अनुच्छेद 62	महिलाओं को समाज में पुरुष के समान स्तर प्राप्त.
11.	हंगरी (1994)	अनुच्छेद 66	महिलाओं एवं पुरुषों को सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में समानता की गारण्टी प्रदान की गई है.
12.	यूक्रेन (1994)	अनुच्छेद 25	महिला एवं पुरुष को समान अधिकार प्राप्त.
13.	पापुआ न्यूगिनी (1995)	अनुच्छेद 2	विवाह के बारे में महिला एवं पुरुष को समान अधिकार.
14.	अजरबेजान (1995)	अनुच्छेद 25	महिला एवं पुरुष को समान अधिकार प्राप्त.
15.	बेलारूस (1996)	अनुच्छेद 32	पति एवं पत्नी को परिवार में समान अधिकार प्राप्त.

- **अनुच्छेद–23 (2)** के अनुसार विवाह योग्य आयु के पुरुषों और स्त्रियों के विवाह करने और कुटुम्ब बनाने के अधिकार को मान्यता दी जाएगी.

इसी प्रकार के प्रावधान आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदा में भी किए गए हैं.

अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष व दशक की घोषणा

महिलाओं के विकास के सन्दर्भ में पूरे विश्व से महिला उत्थान और विकास के प्रति चेतना जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1975 को 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष' घोषित किया. इसके तीन उद्देश्य स्पष्ट किए–सर्वप्रथम, पुरुष और महिलाओं को समानता का दर्जा देना, द्वितीय विश्व शान्ति स्थापना की दिशा में महिला सहयोग प्राप्त करना एवं तृतीय, विकास कार्य में स्त्रियों का योगदान. अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष को 'ट्रिब्यून' के नाम से भी जाना जाता है. इसमें प्रथम विश्व कार्य योजना बनाई गई और महिला समानता के लिए महिला दशक (1975–1985) की घोषणा की गई. महिला वर्ष के कार्यक्रमों को नई दिशा और सहयोग के बिन्दु पर बल देते हुए इनके निम्न-लिखित कार्यक्रम बनाए गए, जो इस प्रकार हैं–

1. महिलाओं को द्वितीय श्रेणी का नागरिक न समझकर एकसमान नागरिक समझा जाना चाहिए.
2. नारी के साथ जन्मजात, जातिगत, धर्म, राष्ट्रगत भेदभाव की समाप्ति हेतु सार्थक प्रयास.
3. सामाजिक अन्याय समाप्त होना चाहिए.
4. विश्व शान्ति में महिलाओं की अधि-काधिक साझेदारी सुनिश्चित होनी चाहिए.
5. देश व समाज के निर्माण में महिलाओं की आधिकाधिक साझेदारी होनी चाहिए.
6. महिलाओं को पुरुषों के समान दर्जा प्राप्त होना चाहिए.

महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव की समाप्ति पर प्रसंविदा

संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा 18 दिसम्बर, 1979 को स्वीकृत और 3 सितम्बर, 1981 से प्रभावी इस संविदा को महिला अधिकारों को दिशा में मील का पत्थर माना जाता है. अब तक 166 देश इस प्रसंविदा पर हस्ताक्षर कर चुके हैं. प्रसंविदा में प्रस्तावना सहित कुल 30 अनुच्छेद हैं. यह प्रसंविदा अन्तर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकार्य सिद्धान्तों एवं सभी जगह पर महिलाओं को समान अधिकार प्रदान करने के उपायों को सभी देशों द्वारा वैधानिक रूप से स्वीकृति प्राप्त एवं बाध्यतापूर्ण अभिलेख हैं.

यह प्रसंविदा एक ऐसा सर्वमान्य अभिलेख है, जो–

- महिलाओं के विरुद्ध किए जाने वाले भेदभाव को समाप्त करने के लिए सरकारों से कानून बनाने की अपेक्षा करता है.
- महिलाओं की वैवाहिक प्रस्थिति को देखे बिना सभी क्षेत्रों जैसे–सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं नागरिक में महिलाओं को समान अधि-कार प्रदान करने की मुहिम चलाना.
- भेदभाव को पैदा करने वाले या बढ़ावा देने वाली सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों को परिवर्तित करने के लिए योजनाएं लागू करना.
- महिलाओं को मुख्य धारा से बाहर रखने की प्रवृत्तियों पर रोक लगाना.
- पुरुषों एवं महिलाओं में बराबरी लाने के लिए स्थायी व अस्थायी तौर पर उपाय सुझाना.
- महिलाओं के सभी प्रकार के व्यापार और उनकी वेश्यावृत्ति से शोषण को समाप्त करने के लिए विधि-निर्माण सहित सभी उपयुक्त उपाय करना.

महिला अधिकारों की जागृति हेतु विश्व महिला सम्मेलन

महिला कल्याण की भावना को सर्वोपरि मानते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ की पहल से विश्व स्तर पर महिला अधिकारों की जागृति हेतु एवं महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में विश्व महिला सम्मेलनों की शुरूआत हुई. संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में 1975–95 के वर्षों में विश्व स्तर पर चार विश्व महिला सम्मेलनों का आयोजन किया गया, जो इस प्रकार है–

1. प्रथम विश्व महिला सम्मेलन, 1975 (मैक्सिको)
   - वर्ष 1975 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष.
   - 1975–1985 दशक को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दशक.
   - महिला कल्याण हेतु पंचवर्षीय योजना.
2. द्वितीय विश्व महिला सम्मेलन, 1980 (कोपेनहेगन)
3. तृतीय विश्व महिला सम्मेलन, 1985 (नैरोबी)
4. चतुर्थ विश्व महिला सम्मेलन, 1995 (बीजिंग)

महिलाएं एवं विश्व मानवाधिकार सम्मेलन, वियना

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित अब तक का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सम्मेलन (जिसमें 170 से अधिक देशों, 850 गैर-सरकारी संगठनों तथा पर्यवेक्षकों ने हिस्सा लिया) 25 जून, 1993 को आस्ट्रिया की राजधानी वियना में सम्पन्न हुआ. सम्मेलन में उन सभी मानवाधिकारों की पुनर्पुष्टि की गई, जो 1948 के सार्वभौमिक घोषणा-पत्र में शामिल है. सम्मेलन के समापन सत्र में वियना घोषणा पारित की गई. इसके अन्तर्गत महिलाओं और बच्चों के मानवाधिकार सार्वभौमिक मानव अधिकारों का एक अभिन्न और अविभाज्य अंग है. सम्मेलन में सरकारों, संस्थाओं, अन्तर-सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों से महिलाओं के मानवाधिकारों की संरक्षण और संवर्द्धन के प्रयासों को तेज करने का आह्वान किया गया. सम्मेलन में एक नई व्यवस्था अपनाते हुए महिलाओं के विरुद्ध हिंसा पर रिपोर्ट करने हेतु एक रिपोर्टकर्ता की नियुक्ति की गई.

भारत में महिलाओं को प्राप्त अधिकार

महिलाओं के अधिकारों की प्राप्ति के क्षेत्र में भारत में भी लम्बे संघर्ष की कहानी है. सदियों से भारत में पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा, सती प्रथा, अधिकार विहीनता, रुढ़िवादिता समाज का अंग रहा था, परन्तु उन्नीसवीं शताब्दी में पश्चिमी शिक्षा के आगमन के फलस्वरूप महिला अधिकारों की माँग जोर पकड़ने लगी तथा महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा दिया जाने लगा. भारत में 1915 से 1927 के बीच कई महिला संगठनों की स्थापना हुई तथा स्वतंत्रता के बाद सरकार द्वारा महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए कई संवैधानिक व कानूनी कदम उठाए गए.

महिलाओं हेतु संवैधानिक प्रावधान

स्वतन्त्रता के बाद महिलाओं की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से विकास के समान अवसर प्रदान करने के लिए संविधान में कुछ विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं. संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों और उनमें किए गए महिलाओं हेतु प्रावधान इस प्रकार हैं–

संविधान का अनुच्छेद	महिलाओं के लिए उपयोगी प्रावधान
अनुच्छेद 14	राज्य किसी भी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता या कानून के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा चाहे वह महिला हो या पुरुष.
अनुच्छेद 15(3)	महिलाओं एवं बच्चों को कुछ विशेष सुविधा प्रदान की गई है.
अनुच्छेद 16	लोक सेवाओं में बिना भेदभाव के अवसर की समानता.
अनुच्छेद 19	समान रूप से अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता.
अनुच्छेद 23-24	नारी क्रय-विक्रय तथा बेगार प्रथा पर रोक.
अनुच्छेद 39 (घ)	स्त्री-पुरुष दोनों को समान कार्य के लिए समान वेतन की व्यवस्था की गई है.
अनुच्छेद 42	महिलाओं के लिए प्रसूति सहायता.
अनुच्छेद 47	लोक स्वास्थ्य में सुधार करना सरकार का दायित्व.
अनुच्छेद 51 क (ङ)	प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि वह ····· ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है.
अनुच्छेद 243 (घ) (न)	पंचायती राज एवं नगरीय संस्थाओं में 73वें 74वें संशोधन के माध्यम से महिलाओं हेतु आरक्षण की व्यवस्था.

महिलाओं से सम्बन्धित प्रमुख अधिनियम

भारतीय संसद द्वारा महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए समय-समय पर अनेक अधिनियम पारित किए गए, जिनमें प्रमुख इस प्रकार हैं–

अधिनियमों का विवरण	उद्देश्य/प्रावधान
बागान श्रम अधिनियम, 1951	महिला कर्मियों को अपने बच्चों को दूध पिलाने के लिए अवकाश दिया जाना.
खान अधिनियम, 1952	भूमिगत खानों में महिलाओं के नियोजन पर रोक लगाना.
विशेष विवाह अधिनियम, 1954	कोई महिला अपना धर्म बदले बिना किसी भी धर्म के व्यक्ति से विवाह कर सकती है.
हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956	इस अधिनियम के द्वारा महिलाओं को पैतृक सम्पत्ति में अधिकार दिया गया है.
अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम, 1956	वेश्यागृह चलाने या परिसर को वेश्यागृह के रूप में प्रयुक्त करने देने पर दण्ड की व्यवस्था.
प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम, 1961	कार्य दिवस के 80 दिन पूर्ण होने पर महिला कर्मियों को गर्भपात हेतु आवश्यक रूप से अवकाश तथा चिकित्सा की व्यवस्था.
ठेका श्रम अधिनियम, 1970	महिला श्रमिकों से बागानों में प्रातः 6 बजे से सायं 7 बजे के बीच 9 घण्टे के बाद काम कराने पर प्रतिबन्ध.
समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976	समान कार्य के लिए महिलाओं को भी पुरुषों के समान पारिश्रमिक की व्यवस्था.
बाल-विवाह निषेध अधिनियम, 1976	संविधान द्वारा निर्धारित कम उम्र की बालिकाओं के विवाह पर प्रतिबन्ध.
अन्तर्राज्यिक प्रवासी कर्मकार अधिनियम, 1979	कुछ विशेष नियजनी में महिलाओं के लिए अलग से शौचालय एवं स्नानघरों की व्यवस्था करना.
वेश्यावृत्ति निवारण अधिनियम, 1986	महिलाओं को अनैतिक कार्यों में दुरुपयोग करने वालों पर प्रतिबन्ध.
स्त्री अशिष्ट निरूपण निषेध अधिनियम, 1986	महिलाओं के अश्लील प्रदर्शन पर प्रतिबन्ध लगाना.
दहेज निषेध अधिनियम, 1986	विवाह में दहेज के लेन-देन पर प्रतिबन्ध की व्यवस्था.
सती निषेध अधिनियम, 1987	महिलाओं को पति की मृत्यु के बाद सती होने पर प्रतिबन्ध.
73वाँ व 74वाँ संशोधन अधिनियम, 1992	महिलाओं को त्रिस्तरीय पंचायती व नगर पालिकाओं में एक-तिहाई आरक्षण की व्यवस्था.
प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994	गर्भावस्था में बालिका भ्रूण की पहचान करने पर रोक लगाने की व्यवस्था.
घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा हेतु अधिनियम, 2005	पति या साथ रहने वाले किसी भी पुरुष या उसके सम्बन्धियों की हिंसा या प्रताड़ना से पत्नी या साथ रह रही किसी भी महिला को सुरक्षा प्रदान करना.

भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत महिला अधिकारों की सुरक्षा हेतु व्यवस्था

भारतीय दण्ड संहिता महिला की सुरक्षा, समान गरिमा के साथ रहने के लिए यदि उसके साथ कोई दुष्कर्म करता है, तो भारतीय दण्ड संहिता उसे दण्ड दिलाने के लिए व्यवस्था करती है, जो इस प्रकार हैं–

भारतीय दण्ड संहिता	धारा	अधिकतम सजा/दण्ड
दहेज मृत्यु	304 बी	आजीवन कारावास
स्त्री की सम्मति के बिना गर्भपात कारित करना	313	आजीवन कारावास
औरत की शालीनता भंग करने की मंशा से जबर्दस्ती करना	354	2 वर्ष
अपहरण, भगाना या औरत को शादी के लिए मजबूर करना	366	10 वर्ष
नाबालिग लड़की को कब्जे में रखना	366 ए	10 वर्ष
बलात्कार	376	2 से 10 वर्ष/उम्र कैद
पहली पत्नी के जीवित होते हुए दूसरी शादी करना	494	7 वर्ष
धोखाधड़ी से शादी की रस्म पूरी करना	496	7 वर्ष
पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा औरत पर क्रूरता	498 ए	3 वर्ष
महिला की शालीनता को अपमानित करने की मंशा से अपशब्द कहना या अश्लील हरकतें करना.	509	1 वर्ष

महिलाओं से सम्बन्धित विकास योजनाएं

भारत सरकार द्वारा महिलाओं के लिए कई विकास कार्यक्रम एवं कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, ताकि उनके जीवन स्तर में सुधार आ सके और विकास कार्यों में उनकी अधिक-से-अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके. सरकार द्वारा महिलाओं से सम्बन्धित चलाई जा रही प्रमुख योजनाएं इस प्रकार हैं–

क्र.सं.	योजनाओं का नाम	वर्ष	योजनाओं का उद्देश्य
1.	ड्वाकरा योजना (DWCRA)	1982	ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हुए उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषाहार और शिशुओं की देखभाल करने जैसी मूलभूत सेवाएं प्रदान करना.
2.	नौराड प्रशिक्षण योजना	1989	महिलाओं को व्यवसायों जैसे दरी, कालीन, ब्लॉक प्रिंटिंग, चिकन आदि से सम्बन्धित प्रशिक्षण देना.
3.	किशोरी बालिका योजना	1992	ग्रामीण गरीब परिवारों की बालिकाओं को उचित स्वास्थ्य और शिक्षा की व्यवस्था करना.
4.	मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम	1992	शिशुओं और माताओं को पोषाहार उपलब्ध कराकर सुरक्षित मातृत्व एवं टीकाकरण आदि के माध्यम से शिशु व मृत्यु दर में कमी लाना.
5.	महिला समृद्धि योजना	1993	ग्रामीण महिलाओं में बचत की आदत डालना और उन्हें सशक्त करना.
6.	राष्ट्रीय महिला कोष की योजनाएं (1) ऋण योजना (2) ऋण प्रोत्साहन योजना (3) स्व सहायता समूह योजना (4) विपणन वित्त योजना	1993	गरीबी की रेखा से नीचे के परिवार की महिलाओं में आर्थिक, सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए उत्पादन के लिए ऋण सम्बन्धी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी आय बढ़ाना.
7.	राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना	1994	गरीबी रेखा से नीचे की महिलाओं को प्रसूति के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना.
8.	इंदिरा महिला योजना	1995	ग्रामीण और शहरी बस्ती की महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलम्बन प्रदान करना.
9.	ग्रामीण महिला विकास योजना	1996	ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि करना एवं उन्हें जागरूक करना.
10.	बालिका समृद्धि योजना	1997	गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों में जन्म लेने वाली बालिका की माँ को पौष्टिक आहार, बालिका की शिक्षा हेतु सहायता प्रदान करना.
11.	महिला स्वशक्ति योजना	1998	महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त बनाना.
12.	स्त्री शक्ति पुरस्कार योजना	2000	महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाली महिलाओं को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित कर प्रोत्साहन देना. यह पुरस्कार विख्यात पाँच महिलाओं–देवी अहिल्याबाई, रानी लक्ष्मीबाई, जीजाबाई, रानी गैदेन्ल्यू जेलियांग और कनागी के नाम से दिया जाता है.

राष्ट्रीय महिला आयोग

राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना 31 जनवरी, 1992 को राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 के द्वारा दी गई. आयोग में एक अध्यक्ष एवं पाँच सदस्य और एक सदस्य सचिव होता है, जिनकी नियुक्ति केन्द्रीय सरकार करती है. अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है. वर्तमान में आयोग की अध्यक्षा श्रीमती गिरजा व्यास हैं.

राष्ट्रीय महिला आयोग के प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं–

(क) महिलाओं के लिए संविधान और अन्य विधियों के अधीन उपबन्धित रक्षोपायो से सम्बन्धित सभी विषयों का अन्वेषण और परीक्षा करना;

(ख) उन रक्षोपायों के कार्यकरण के बारे में प्रतिवर्ष केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट देना;

(ग) ऐसी रिपोर्टों में महिलाओं की दशा सुधारने के लिए संघ या किसी राज्य द्वारा उठाए गए रक्षोपायों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सिफारिश करना;

(घ) संविधान और अन्य विधियों के उपबन्धों के महिलाओं से सम्बन्धित अतिक्रमण के मामलों को समुचित प्राधिकारियों के समक्ष उठाना;

(ङ) महिलाओं के विरुद्ध विभेद और अत्याचारों से सम्बन्धित समस्याओं का अध्ययन या अन्वेषण करना और बाधाओं का पता लगाना;

(च) महिलाओं के सामाजिक आर्थिक विकास की योजना प्रक्रिया में भाग लेना;

(छ) संघ और किसी राज्य के अधीन महिलाओं के विकास की प्रगति का मूल्यांकन करना;

(ज) किसी जेल, सुधार गृह, महिलाओं की संस्था या अभिरक्षा के अन्य स्थान का जहाँ महिलाओं को बन्दी के रूप में रखा जाता है निरीक्षण करना या करवाना और कार्यवाही हेतु आवश्यक हो, सम्बन्धित प्राधिकारियों से बातचीत करना;

(झ) कोई अन्य विषय जिसे केन्द्रीय सरकार निर्दिष्ट करे.

राष्ट्रीय महिला आयोग के अलावा कई राज्यों में भी महिला आयोग का गठन हो चुका है. इसके अलावा सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय नीति के रूप में 'महिला सशक्तिकरण नीति–2001' बनाई गई है, जो महिलाओं के चहुमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त करती है.

शेष पृष्ठ 719 **पर**

कैरियर लेख

एम.बी.ए. : एक प्रतिष्ठित पेशा

✍ डॉ. ओ. पी. शर्मा

अस्सी के दशक तक शिक्षा जगत् में 'विज्ञान संकाय' की पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थी को सर्वाधिक सम्मानजनक दृष्टि से देखा जाता था और उस समय प्रत्येक माता-पिता अपने बच्चे को डॉक्टर या इंजीनियर बनाने के लिए प्रयत्नशील रहता था. किन्तु नब्बे के दशक से प्रारम्भ हुए वैश्वीकरण के दौर में 'प्रबन्ध विषय' की ओर सभी का रुझान निरन्तर बढ़ता जा रहा है.

समय चक्र के परिवर्तित परिवेश में जैसे-जैसे निगम संस्कृति (Corporate Culture) का प्रभाव बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे प्रबन्ध और इससे सम्बद्ध विशिष्ट पाठ्यक्रमों की लोकप्रियता अनवरत् रूप से बढ़ती जा रही है. इन पाठ्यक्रमों में एम. बी. ए. अर्थात् (Master of Business Administration–MBA) और इसके समकक्ष मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों यथा– एम. एम. एस., एम. आई. बी. एम., पी. जी. पी. एम., एम. टी. एम., एम. सी. एम. आदि में दाखिला लेने के लिए विद्यार्थियों का हुजूम उमड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर इन पाठ्यक्रमों को परिपूर्ण कर औपचारिक डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों की माँग निरन्तर बढ़ती जा रही है.

व्यावसायिक सिद्धान्तों और प्रबन्धकीय कौशल पर आधारित एम.बी.ए. की डिग्री जहाँ एक ओर विद्यार्थी को वैयक्तिक व्यवसाय और स्वरोजगार के लिए उत्प्रेरित करती है, वहीं दूसरी ओर सरकारी या निजी या गैर लाभकारी संगठनों की प्रबन्धन समस्याओं का वैज्ञानिक व त्वरित समाधान खोजने के लायक भी बनाती है. स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों में सर्वाधिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने वाला एम. बी. ए. का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को लक्ष्यों और उपलब्धियों के प्रति समग्र और व्यवस्थित दृष्टिकोण प्रदान करने के साथ-साथ उनमें आत्म-सम्पन्नता (Self Enrichment) का मौलिक आधार भी सृजित करता है.

आधुनिक प्रबन्ध शिक्षण संस्थानें एम. बी. ए. और इसके समकक्ष पाठ्यक्रमों में विशिष्टिकरण पर आधारित कोर्सेज एवं पेपर्स पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित कर रही हैं, फलस्वरूप एक अभ्यर्थी अपनी अभिरुचि और योग्यता के अनुसार विपणन प्रबन्ध, वित्तीय प्रबन्ध, मानव संसाधन प्रबन्ध, सामग्री प्रबन्ध, क्रय या विक्रय या उत्पादन प्रबन्ध, कार्यालय प्रबन्ध आदि में प्रवेश लेकर पेशेवर कौशल में अभिवृद्धि कर सकता है. आजकल उपर्युक्त क्रियात्मक प्रबन्ध विषयों को उद्योग विशेष के साथ जोड़कर अति विशिष्टिकरण पर आधारित पाठ्यक्रमों का प्रचलन भी निरन्तर बढ़ता जा रहा है जैसे–मार्बल उद्योग में सामग्री प्रबन्धन अथवा पेट्रोलियम उद्योग में विपणन प्रबन्धन आदि. उद्योग विशेष की विशिष्ट समस्याओं और चुनौतियों का सम्यक समाधान खोजने वाले विशिष्ट और पेशेवर प्रबन्धकों की माँग भी निरन्तर बढ़ती जा रही है.

आर्थिक विप्लव से त्रस्त भारत जैसे अनेक विकासोन्मुखी राष्ट्रों में प्रशिक्षित पेशेवर प्रबन्धकों की बढ़ती हुई अनवरत माँग को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि अध्ययनशील, परिश्रमी और महत्वाकांक्षी विद्यार्थी प्रबन्ध विषय की सुप्रतिष्ठित स्नातकोत्तर डिग्री अर्थात् एम.बी.ए. की डिग्री हासिल करने का निर्णय ले सकते हैं तथा उत्तम कैरियर की शुरूआत करके अपने भविष्य को उज्ज्वल व सुनहरा बना सकते हैं.

प्रवेश प्रक्रिया

आज दुनिया भर के बिजनेस स्कूलों तथा प्रबन्ध प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा एम. बी. ए. का पाठ्यक्रम विविध स्वरूपों यथा– द्विवर्षीय एम.बी.ए., एकवर्षीय एम.बी.ए., ऑन लाइन व दूरस्थ शिक्षा– एम.बी.ए., ई–एम.बी.ए. आदि में संचालित किया जाता है. इनमें प्रवेश मापदण्ड भी भिन्न-भिन्न होते हैं, कोई संस्था राष्ट्र या राज्यस्तरीय प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर प्रवेश देती है. वहीं दूसरी ओर अनेक संस्थान अपनी प्रतिष्ठा को कायम बनाए रखने के उद्देश्य से स्वयं द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ही प्रवेश देती हैं.

भारत में एम.बी.ए. का प्रशिक्षण प्रदान करने वाले सभी संस्थानों को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है. **प्रथम वर्ग** में देश की सात शीर्ष प्रबन्ध संस्थान हैं जो अहमदाबाद, बैंगलुरू, कोलकाता, लखनऊ, कोझिकोड (कालिकट), इन्दौर और शिलांग में स्थित हैं. इन संस्थानों को भारतीय प्रबन्ध संस्थानों अर्थात् Indian Institutes of Management–IIM's के नाम से पुकारा जाता है. सम्पूर्ण विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाली इन भारतीय प्रबन्ध संस्थानों के द्वारा दो-वर्षीय पूर्णकालिक प्रबन्ध कार्यक्रम का प्रशिक्षण दिया जाता है जिसे PGPM–Post Graduate Programme in Management के नाम से पुकारा जाता है. वैश्विक प्रबन्ध जगत् में उच्च गुणवत्ता के साथ लोकप्रियता के प्रतिमान रेखांकित करने वाले इस पाठ्यक्रम को भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली एम. बी. ए. की डिग्री के समकक्ष मान्यता प्राप्त है.

देश की सभी आई. आई. एमस् के द्वारा पी. जी. पी. एम. में प्रवेश देने के लिए **'कैट'** (Common Admission Test–CAT) नामक प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है. जिसमें स्नातक डिग्रीधारक बैठ सकता है. तत्पश्चात् अभ्यर्थी को समूह-परिचर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए आमन्त्रित किया जाता है और कुल मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है. प्रत्येक वर्ष जुलाई से प्रारम्भ होने वाले नवीन सत्र् के लिए कैट की परीक्षा विगत वर्ष के नवम्बर माह में ही आयोजित कर ली जाती है. उल्लेखनीय है कि देश की अन्य अनेक प्रबन्धकीय प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा प्रवेश देने के लिए कैट में अर्जित मेरिट स्कोर को ही आधार माना जाता है.

कैट प्रवेश परीक्षा में Verbal Ability and Reading Comprehension; Problem Solving and Quantitative Aptitude; Data Interpretation and Data Sufficiency आदि से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाते हैं.

हाल ही में देश की सातों आई. आई. एमस् द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार **नवम्बर 2009** में आयोज्य 'कैट' परीक्षा अब ऑनलाइन ढंग से आयोजित की जाएगी, जिस Computer Based Test–CBT के नाम से पुकारा जाता है. 10 दिन के लिए देश के 25 शहरों में आयोज्य **'ऑन लाइन-कैट'** में तीन लाख से अधिक विद्यार्थियों के बैठने की सम्भावना है.

द्वितीय वर्ग में उन प्रशिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों को सम्मिलित किया जाता है जो प्रवेश हेतु या तो स्वयं की परीक्षा का आयोजन करती हैं अथवा All India Management Aptitude Testing Service–AIMATS द्वारा आयोजित 'मेट' (Management Aptitude Test–MAT) में अर्जित प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश देती हैं. इस परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ राज्य स्तर पर भी किया जाता है.

'मेट' की परीक्षा प्रतिवर्ष फरवरी, मई, सितम्बर और दिसम्बर में आयोजित की जाती है, जिसमें Data Analysis; Maths; Data Sufficiency; Intelligence and Critical Reasoning; Language Comprehension; Indian and Global Environment आदि विषयों पर प्रश्न पूछे जाते हैं.

रोजगार सम्भावनाएं

आज सम्पूर्ण विश्व में 'प्रबन्ध' को सामाजिक व आर्थिक उन्नति की महत्वपूर्ण बुनियाद के रूप में स्वीकार किया जा रहा है तथा 'सफल प्रबन्ध व्यवस्था' को प्रगति के पर्याय के रूप में मान्यता मिल चुकी है. आज प्रबन्ध कौशल के बल पर ही भूल व सुधार विधि, अंगूठे का नियम, पदार्थवादी दृष्टिकोण आदि को हटाना सम्भव हो पाया है. आधुनिक प्रबन्धक वैज्ञानिक अनुसंधान, विश्लेषण व निर्वचन के आधार पर समस्याओं का सटीक समाधान खोजता है तथा व्यवहारवादी दृष्टिकोण और प्रणाली चिन्तन पर बल देता है.

हालांकि भारत में पचास के दशक में प्रबन्ध शिक्षा का बीजारोपण हो गया था, किन्तु इस क्षेत्र में नवीन युग का अभ्युदय उस समय हुआ जब नब्बे के दशक में एल. पी. जी. अवधारणा (Liberalisation, Privatisation and Globlization Concept) पर आधारित वैश्विक लहर का अनुसरण करते हुए देश में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया गया. इन कार्यक्रमों को गति देने के लिए लगभग प्रत्येक क्षेत्र–बैंकिंग, बीमा, परिवहन, संचार, उद्योग, बाजार, कृषि, व्यापार आदि में प्रशिक्षित प्रबन्धकों की आवश्यकता महसूस की गई और देश में प्रबन्ध शिक्षा के विकास व विस्तार पर बल दिया गया. परिणामतः राष्ट्र एवं राज्य स्तर पर प्रबन्ध विषय में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा देने वाली संस्थानों का ताँता सा लग गया. आज हमारे देश में भी प्रबन्धकीय ज्ञान को एक 'सुव्यवस्थित विषय' के रूप में मान्यता मिल चुकी है तथा यह तेजी से पेशेकरण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है.

वर्तमान समय में हमारे देश में 800 से भी अधिक ऐसे संस्थान हैं, जो प्रबन्ध विषय में डिग्री या डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन कर रहे हैं और प्रतिवर्ष चालीस हजार प्रशिक्षित प्रबन्धकों को रोजगार प्राप्त हो रहा है. एक सर्वे के अनुसार हालांकि आज भारत औद्योगिकवाद और तकनीकी कुशलता तथा सेवा दक्षता के मार्ग पर अग्रसर हो चुका है, फिर भी यहाँ के कृषि, व्यापार, बीमा, परिवहन, बैंकिंग आदि क्षेत्र विकसित राष्ट्रों की तुलना में प्रभावी प्रबन्धन के अभाव में पिछड़े हुए हैं. अतः इन क्षेत्रों का वांछित विकास करने हेतु सक्षम, कुशल व प्रशिक्षित प्रबन्धकों को तैयार करना समय की माँग बन चुकी है. इस कटु सत्य को दृष्टिगत रखते हुए निश्चित रूप से यह कहा जा सकता है कि भारत में कुशल प्रबन्धकों की माँग बनी हुई है तथा भविष्य में इसके कई गुना बढ़ने की सम्भावना है. एक प्रबन्ध विचारक के मतानुसार आज हमारे देश में विकास जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष करीब एक लाख प्रशिक्षित प्रबन्धकों की जरूरत है, जबकि देश में प्रतिवर्ष केवल 40 हजार प्रबन्धक ही तैयार होते हैं. अतः स्पष्ट है कि आने वाले समय में प्रशिक्षित प्रबन्धकों की माँग और बढ़ेगी.

वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक परिवेश में अपना बाजार हिस्सा बढ़ाने, प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि करने तथा उत्तरजीविता को कायम रखने के लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, औद्योगिक समूहों, वाणिज्यिक व वित्तीय संस्थानों, बीमा कम्पनियों आदि के द्वारा प्रशिक्षित व दक्ष प्रबन्धकों को अत्यन्त ही आकर्षक पारिश्रमिक दिया जाता है. प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से एम.बी.ए. व इसके समकक्ष डिग्री लेने वाले अभ्यर्थी वांछित वार्षिक पैकेज लेने में सफल हो रहे हैं. दूसरी ओर साधारण विश्वविद्यालय या कॉलेज से एम. बी. ए. करने वाले अभ्यर्थियों को मंदीकाल के उपरान्त भी 3 से 4 लाख रु. का वार्षिक पैकेज मिल रहा है. तत्पश्चात् अनुभव और योग्यता में अभिवृद्धि होने पर उच्च पदों पर प्रमोशन हो जाता है तथा पारिश्रमिक व साधन-सुविधाएं बढ़ जाती हैं.

गौरतलब तथ्य यह भी है कि जो विद्यार्थी एम. बी. ए. या समकक्ष स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रबन्ध शिक्षा अर्जित करने की अभिलाषा रखते हैं उन्हें कैट या मैट या अन्य प्रवेश परीक्षा की सम्पूर्ण जानकारी करते हुए परीक्षा पैटर्न और चयन प्रक्रिया से सम्बन्धित प्रत्येक भाग की परिपूर्ण तैयारी करनी चाहिए, ताकि उन्हें उत्तम प्रशिक्षण संस्थान में दाखिला मिल सके. प्रतिष्ठित संस्थान से शिक्षा प्राप्त करके वे न केवल आर्थिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक सम्मान की दृष्टि से भी उच्च प्रबन्धक या अधिशासी अधिकारी बन सकते हैं और अपने उत्तम कैरियर का सपना साकार कर सकते हैं.

एम.बी.ए. और समकक्ष पाठ्यक्रमों की प्रमुख प्रवेश परीक्षाएं एक नजर में

CAT (Common Admission Test)

संस्थान का नाम जो परीक्षा आयोजित करती है–सभी भारतीय प्रबन्ध संस्थानें [IIMs]

परीक्षा का माह–November

प्रश्न-पत्र की संरचना और जाँच-विषय–

- Verbal Ability and Reading Comprehension
- Problem Solving and Quantitative Aptitude
- Data Interpretation and Data Sufficiency

वेबसाइट–www.catiim.in

MAT (Management Aptitude Test)

संस्थान का नाम जो परीक्षा आयोजित करती है–All India Management Aptitude Testing Serivce [AIMATS]

परीक्षा का माह–February, May, September and December

प्रश्न-पत्र की संरचना और जाँच-विषय–

- Data Analysis and Data Sufficiency
- Mathematics
- Intelligence and Critical Reasoning
- Language Comprehension
- Indian and Global Environment

वेबसाइट–www.aima-ind.org

XAT (XLRI Aptitude Test)

संस्थान का नाम जो परीक्षा आयोजित करती है–Xavier Labour Research Institute, Jamshedpur

परीक्षा का माह–January

प्रश्न-पत्र की संरचना और जाँच-विषय–

- Quantitative Ability and Reasoning
- Decision Making
- Verbal Ability and Reading Comprehension
- Essay Writing

वेबसाइट–www.xlri.edu.

CET (Common Entrance Test)

संस्थान का नाम जो परीक्षा आयोजित करती है–Institutions of Maharashtra

परीक्षा का माह–February

प्रश्न-पत्र की संरचना और जाँच-विषय–

- Verbal Ability and Verbal Reasoning
- Reading Comprehension
- Problem Solving and Data Interpretation
- Logical Reasoning & Visual Reasoning

वेबसाइट–www.dte.org.in/mba

FMS (Test for Faculty Management Studies)

संस्थान का नाम जो परीक्षा आयोजित करती है–Delhi University

परीक्षा का माह–January

प्रश्न-पत्र की संरचना और जाँच-विषय–

- Verbal Ability and Reading Comprehension
- Logical Reasoning
- Quantitative Aptitude and Data Interpretation

वेबसाइट–www.fms.edu

SNAP (Symbosis National Aptitude Test)

संस्थान का नाम जो परीक्षा आयोजित करती है–P.G. Institutions of Symbosis University : SIBM, SICSR, SIMS, SCMHRD, SIG etc.

परीक्षा का माह–December

प्रश्न-पत्र की संरचना और जाँच-विषय–

- General English

शेष पृष्ठ 723 पर

आन्तरिक सुरक्षा सम्बन्धी लेख

नक्सलवाद : आन्तरिक सुरक्षा को चुनौती
(छत्तीसगढ़ के विशेष सन्दर्भ में)

✍ डॉ. गुलाब चन्द्र ललित एवं डॉ. मोनू कुशवाहा

पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी सम्भाग के एक छोटे से गाँव नक्सलवाड़ी से साठ के दशक में किसान आन्दोलन के रूप में शुरू हुए संघर्ष को नक्सली आन्दोलन की संज्ञा से अभिहित किया जाता है. 1967 में जहाँ आदिवासियों ने भू-स्वामियों के खिलाफ हथियार उठा लिए थे. इसके बाद यह आन्दोलन जंगल में आग की तरह देश के अन्य भागों में भी फैल गया. देश के कुछ भागों के सर्वश्रेष्ठ और बड़े बुद्धिमान लोगों ने घर और शिक्षण संस्थाओं को छोड़कर इस आन्दोलन से अपने को जोड़ लिया और उन्होंने एक नई सामाजिक व्यवस्था के सपने देखे. स्वाधीनता प्राप्ति के दो दशक के बाद भी भारत की आबादी का एक बड़ा तबका किसान, श्रमिक और आदिवासी शोषण का शिकार हो रहा था. ऐसा महसूस किया गया कि शान्तिपूर्ण तरीकों से जरूरी परिवर्तन नहीं आ पाएंगे, क्योंकि निहित स्वार्थों के हाथ में सत्ता और उद्योगों का नियन्त्रण बना हुआ है और खेतिहर वर्ग पर प्रमुखतः सामंती पकड़ बनी हुई है. उनका विचार था कि इन सबसे छुटकारा पाने का एकमात्र तरीका था– सशस्त्र क्रान्ति.

स्वाधीन भारत के इतिहास में नक्सलवाड़ी का आन्दोलन मात्र एक किसान एवं भूमिहीन वर्ग की जागृति का ही एक आन्दोलन नहीं था, बल्कि भारतीय समाज के क्रान्तिकारी परिवर्तन हेतु कम्युनिस्ट क्रान्तिकारियों ने चीन में हुई कम्युनिस्ट क्रान्ति से सबक सीखते हुए लेनिनवाद, मार्क्सवाद और माओत्से तुंग की विचारधारा को अपना प्रस्थान बिन्दु माना. सामन्तवाद को समाप्त करने हेतु साम्यवाद का यह संघर्ष उस समय उग्र हुआ जब भूमिहीन किसान एवं उपेक्षित सामाजिक वर्ग ने इसका दामन थाम लिया. भारी भूल, भटकाव, भय, भागमभाग एवं भड़ास से भरे असंतुलित तथा राज्य प्रशासन द्वारा अभूतपूर्व दमन, दबाव एवं उत्पीड़न के बावजूद नक्सलवादी गतिविधियों का सिलसिला जारी रहा. अपनी अनेक भूलों के कारण नक्सलवाद अपने मूल स्थान पश्चिम बंगाल में तो बहुत अधिक पनप नहीं सका, किन्तु जहाँ नक्सलियों के छिपने एवं कूटयोजना बनाने हेतु जंगल एवं घाटी क्षेत्र विशेष रूप से उपलब्ध हैं, वहाँ अधिक पनपा और आज भी इसका आतंक कुछ क्षेत्रों में फैला हुआ है, जैसे– आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, महाराष्ट्र एवं उड़ीसा आदि. नक्सलवादी संगठनों के पास कुशल सूचना-तंत्र, विशेष प्रशिक्षण एवं अत्याधुनिक शस्त्र प्रणाली भी है. **आज बयालीस साल बाद भी नक्सलवादी चिंगारियाँ भारत के चालीस फीसदी भौगोलिक क्षेत्र में फैल चुकी हैं. खुफिया एजेंसी रॉ का आकलन बताता है कि इस वक्त भारत में करीब 20,000 नक्सली उग्रवादी सक्रिय हैं.**

नक्सली आन्दोलन

नक्सलवाड़ी से शुरू हुआ नक्सली आन्दोलन 1970 के मध्य और 1971 के बीच नक्सली हिंसा की दृष्टि से अपने चरम पर था. समझा जाता है कि इस अवधि में लगभग 4,000 वारदातें हुईं. सम्प्रति इस दौर को उच्च स्तर के वर्ग संघर्ष और छापामार युद्ध की शुरूआत माना गया. ***इस आन्दोलन के नेता चारु मजूमदार का अनुमान था कि ''भारत का हर कोना एक ज्वालामुखी बन चुका है. यह फूटने ही वाला था और भारत में बहुत ज्यादा उथल-पुथल की सम्भावना थी.''*** *यही ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपने सदस्यों का आह्वान किया.* ***उनका सन्देश था ''संघर्ष का कहीं भी और हर जगह विस्तार करो.''*** *यह न सिर्फ कानून और व्यवस्था के लिए चुनौती थे, बल्कि इससे देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को भी खतरा था.*

वर्तमान में छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में से छः जिले तो पूरी तरह नक्सलियों के चंगुल में हैं. जिनमें बस्तर, सरगुजा के अलावा दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर, जगदलपुर जैसे जिले प्रमुख हैं, जहाँ नक्सलियों का ही राज चलता है. कुछ हद तक कांकेर और रायगढ़ में भी नक्सलियों की पैठ है.

नक्सली दमनचक्र को परिप्रेक्ष्य में रख सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि नक्सलवाद से प्रभावित देश के 160 जिलों के कुछ हिस्से 'मुक्त क्षेत्र' सरीखे बन गए हैं और वहाँ प्रशासन और पुलिस व्यवस्था जैसे राज्य के कार्यों को नक्सलवादी अंजाम देने लगे हैं. नक्सलवाद अब तक का देश का अकेला सबसे बड़ा आन्तरिक सुरक्षा चुनौती का कारण बन गया है. खुद को नक्सलवाड़ी की पैदाइश बताने वाले जाने कितने छोटे और बड़े संगठन छत्तीसगढ़, बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में सक्रिय हैं और उनकी आक्रमण शैली निरन्तर पेशेवराना होती जा रही है. यूपीए के राष्ट्रीय न्यूनतम साझा कार्यक्रम में कहा गया था कि केन्द्र सरकार नक्सली हिंसा को कानून व्यवस्था की समस्या नहीं मानती. इसे सामाजिक-आर्थिक समस्या के रूप में सुलझाने की जरूरत है जब तक आर्थिक असमानताएं दूर नहीं होंगी, नक्सलवादी आन्तरिक शान्ति भंग करते रहेंगे और अस्थिरता पैदा करते रहेंगे. अध्ययनों से पता चलता है कि देश के निर्धनतम लोग नेपाल से सटे बिहार की सीमा से लेकर आन्ध्र प्रदेश के रायल सीमा तक की नक्सलवाद प्रभावित पट्टी में संकेन्द्रित हैं. जब तक उनकी शिकायतों का त्वरित निबटान नहीं हो जाता, उनका असन्तोष और आक्रोश नक्सलवादियों को ऊर्जा प्रदान करता रहेगा. सम्प्रति नक्सली समस्या से निपटने के लिए कार्यान्वित की जा रही रणनीतियों, वार्ताओं का कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आया है. नक्सलवाद ने पैदाइशी वक्त से आज तक इतनी अधिक दूरी तय कर ली है कि सैद्धान्तिक रूप से समस्या सुलझाने की बात व्यावहारिक रूप में लागू होना आश्चर्यजनक एवं सन्देहास्पद सी प्रतीत होती है. फिर भी आन्तरिक सुरक्षा का गला घोंटती उक्त समस्या को सुलझाने में क्या-क्या और किस स्तर के प्रयास किए गए और अभी किए जाने की आवश्यकता है आदि तथ्यों के प्रकाश में इस विषय पर विचार करने की महती आवश्यकता है.

नक्सलवाद प्रभावित राज्यों की समस्या के सम्बन्ध में केन्द्र द्वारा बुलाई गई अनेक बैठकों में यह बात सामने आई है कि नक्सली आन्दोलन के खिलाफ चलाए गए अभियानों के दौरान प्रायः केन्द्र राज्य खुफिया एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी पाई जाती है, जिससे अभियान पर बुरा असर पड़ता है. इन बैठकों का सकारात्मक परिणाम यह हुआ कि केन्द्र ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह विभिन्न राज्यों की प्रतिरोधी रणनीतियों के क्रियान्वयन की निगरानी करेगी, लेकिन परिणामतः अब तक केन्द्र सरकार की भूमिका अर्धसैनिक बलों को भेजने, राज्यों को सुरक्षा सम्बन्धी व्यय का भुगतान करने तथा पुलिसतंत्र के आधुनिकीकरण तक सीमित थी, वहीं नक्सलवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा कि **''नक्सली समस्या से निपटने की हमारी रणनीति के दो स्तम्भ होंगे– पहला,**

प्रभावी पुलिस प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना और साथ ही साथ दूसरा, वंचना और अलगाव के बोध को कम करना.'' प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि ''पुलिस अनुक्रिया आवश्यक है, क्योंकि सार्वजनिक व्यवस्था कायम रखने के राष्ट्रीय दायित्व के लिए यह जरूरी है, लेकिन प्रभावी पुलिस अनुक्रिया का अभिप्राय भारतीय शासन व्यवस्था को क्रूर बनाना नहीं है.'' अतः सर्वविदित है कि **चार दशक से भी अधिक समय से चली आ रही इस समस्या को जड़ से उखाड़ फेंकने का सार्थक प्रयास अभी तक नहीं किया गया है, जिससे यह आन्तरिक सुरक्षा सम्बन्धी चुनौती उत्पन्न हुई है.**

जिन कारणों से देश में नक्सलवाद को बढ़ावा मिला, दुर्भाग्य से वे सभी आज भी मौजूद हैं. समाज में व्याप्त वर्गभेद के साथ गरीबी एवं बेरोजगारी भी एक प्रमुख कारण है. भूमि सुधार कार्यक्रमों पर ईमानदारी से अमल नहीं किया गया. आदिवासियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं हो रहा है. नक्सलवाद आज इस कारण जिन्दा है क्योंकि हमारे समाज में असन्तोष एवं विक्षोभ के कारण बाकायदा बने हुए हैं. जब तक भूख, उत्पीड़न, दबाव, दहशत, पीड़ा एवं रोजगार वंचित आबादी रहेगी. तब तक असंतोष और अराजकता ऐसे आन्दोलनों को जन्म देती रहेगी.

जहाँ तक नक्सलवादी गुटों की प्रकृति का प्रश्न है, तो न तो वे अलगाववादी हैं, न ही आतंकवादी हैं और न ही उन्हें सही रूप में उग्रवादियों की श्रेणी में रखा जा सकता है. उनका विश्वास अवश्य ही लोकतांत्रिक व्यवस्था में नहीं है. घोषित तौर पर वे क्रान्ति करने निकले हैं, लेकिन वे स्वयं इस सवाल का जवाब नहीं दे सकते कि कुछ निर्दोष लोगों की हत्या करके वे लोग कौनसी क्रान्ति कर लेंगे. नक्सलवादियों की नजर में उनका वह हर व्यक्ति दुश्मन है जो वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास रखते हैं,

केन्द्र सरकार ने नक्सल समस्या को आन्तरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना है. सरकार इस कानून व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन से जुड़ी समस्या मानती है. इसलिए दोनों स्तरों पर समस्या से निपटने के प्रयास करने होंगे अर्थात् एक और नक्सलवादी हिंसा से दृढ़तापूर्वक निपटने की रणनीति, तो दूसरी ओर विकासात्मक पहलुओं पर संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना होगा. **सल्वा जुडुम (नक्सल विरोधी प्रतिक्रान्ति) छत्तीसगढ़ के बस्तर सम्भाग में प्रभावी आदिवासियों के लिए घर वापसी का सरकारी अभियान है, इसे और प्रभावी बनाकर छत्तीसगढ़ के अन्य नक्सल प्रभावित भागों में चलाना होगा और जिसकी सफलता अन्य राज्यों को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगी.**

नक्सली समस्या मूलतः सामाजिक-आर्थिक अल्प विकास, शोषण और उत्पीड़न से जुड़ी समस्या है, इसलिए बन्दूक और सैनिकों के बल पर इसका समाधान सम्भव न होगा. इसके लिए विकास के लाभ और न्याय को निचले स्तर तक पहुँचाना होगा. राज्य सरकारों को भूमि सुधार कार्यक्रमों को तेजी से लागू करना होगा. राष्ट्रीय जनजातीय नीति में आदिवासियों के अधिकारों की समुचित व्यवस्था करने के साथ पिछड़े तथा दूरदराज के इलाकों में युवा वर्ग को रोजगार मुहैया कराना होगा. सम्प्रति सरकार ने उक्त समस्या से निपटने के लिए एक व्यापक चौदह सूत्रीय योजना तैयार की है. इन सबको सही सकारात्मक दशा-दिशा मिले इसके लिए सरकार को बातचीत की अच्छी पहल करनी होगी साथ ही माओवादियों को पहले हथियारों का समर्पण करने के लिए राजी करना होगा. सरकार ने यदि सच्चे मन से उपर्युक्त तथ्यों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना आरम्भ किया तो नक्सली वास्तव में लोकतांत्रिक व्यवस्था में शामिल हो सकते हैं.

भारत में पिछले एक दशक से नक्सली हिंसा में अधिक वृद्धि हुई है. वर्ष 2008 में नक्सल प्रभावित राज्यों में 1591 घटनाएं नक्सली हिंसा की दर्ज हुईं. इन घटनाओं में 490 नागरिक मारे गए और 231 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए. इन आँकड़ों में केवल छत्तीसगढ़ में 620 घटनाएं हुईं, जिनमें 157 नागरिक और 85 सुरक्षा कर्मी मारे गए. नक्सलियों की बारूदी सुरंगों ने जितनी जानें छत्तीसगढ़ राज्य में ली हैं, उतनी और कहीं नहीं.

छत्तीसगढ़ के बस्तर व सरगुजा के साथ अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विधान सभायी व संसदीय चुनाव सम्पन्न कराना सबसे कठिन है. यहाँ पुलिस कर्मियों से लेकर राजनेता तक सभी सदैव नक्सलियों के निशाने पर रहते हैं. प्रभावित इलाकों में सरकार भले ही भयमुक्त मतदान की अपील करती रहे, मतदाताओं को नक्सलियों के इशारे का ही इंतजार रहता है. बहिष्कार की घोषणा हुई तो बहिष्कार ही होगा. चुनाव बहिष्कार की घोषणा की आड़ में वे कुछ उम्मीदवारों का समर्थन करते हैं. नेताओं और नक्सलियों की साँठ-गाँठ की खबरें अब नई नहीं रह गई हैं. पकड़े गए नक्सली कमाण्डरों ने इसका खुलासा किया है.

छत्तीसगढ़ का पुलिस ढाँचा बहुत कमजोर है. राष्ट्रीय औसत प्रति 100 वर्ग किमी पर 54 पुलिस कर्मियों का है, लेकिन राज्य का स्तर इससे बहुत नीचे है. दूरदराज के थाने टेलीफोन से नहीं जुड़े हैं. सम्प्रति सुरक्षा ढाँचे से जुड़े सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं, वहीं सम्भावित समाधान के रूप में कानून का सहारा लिया जा रहा है. नागरिक अधिकार संगठन इससे असहमत हैं, उनके विचार में छत्तीसगढ़ जन सुरक्षा अधिनियम, 2006 खामियों से भरा हुआ है. प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से कहा है कि वे मामले को गम्भीरता से लें. यह भी कहा कि ''हमें सभी उपलब्ध साधनों से नक्सलवादी बलों की रीढ़ तोड़ने की जरूरत है.'' वहीं गृहमंत्रालय उग्रवाद बढ़ने के कारण 'प्रशासनिक और राजनीतिक संस्थाओं की अपर्याप्तता मानता है. कुल मिलाकर सरकार के लिए बातचीत ही एक अच्छी पहल हो सकती है. हालांकि सरकारी आँकड़ों के मुताबिक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के दायरे में कुछ कमी आई है, इस पर संतोष जाहिर करते हुए केन्द्रीय गृह सचिव ने कहा कि विकास पर ध्यान दिए जाने से राज्यों को इस बुराई को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में औद्योगीकरण के कारण लोगों को विस्थापित होना पड़ रहा है, वहाँ पुनर्वास की बेहतर नीतियाँ बनाई जानी चाहिए. उन्होंने कहा कि सरकार का दृष्टिकोण यह है कि वामपंथी उग्रवादियों को सामाजिक मुख्यधारा में लाया जाए. 2007 में 11 राज्यों के 510 से ज्यादा थाना क्षेत्र नक्सल प्रभावित माने गए थे, वर्तमान में सिर्फ 400 थाना क्षेत्र ही नक्सल प्रभावित माने जा रहे हैं. सरकार ने कहा कि अगर नक्सलवादी हथियार डाले दें तो सरकार उनके साथ बातचीत को तैयार है. उन्होंने सभी प्रभावित राज्यों से आन्ध्र प्रदेश की तरह ''आत्म समर्पण नीति'' तैयार करने को कहा.

सरकार और व्यवस्था विरोधी हिंसक जनाक्रोश के पीछे पहचान का संकट और आत्म सम्मान का प्रश्न भी शामिल है. इस दृष्टिकोण से सभी राज्य सरकारों को सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की प्रक्रिया में अल्पसंख्यकों की समुचित भागीदारी सुनिश्चित करने में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना चाहिए. सरकारी एजेंसियों, विशेषकर कानून लागू कराने वाली एजेंसियों को समुदाय के नेताओं के साथ आत्मीय सम्बन्ध रखने चाहिए और उनकी चिंताओं पर समुचित संवेदनशीलता दिखानी चाहिए. नक्सलवादी समस्या आज अकेले छत्तीसगढ़ राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इसने कई भारतीय राज्यों की एक सामयिक आन्तरिक सुरक्षा समस्या का रूप अख्तियार कर लिया है. इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि इसे वर्तमान की अहम समस्या के रूप में देखा जाए और नासूर बन चुके इस रोग का नए सिरे से सभी राज्यों के दूरदर्शी समन्वित सहयोग से इलाज किया जाए. सम्प्रति दूरदर्शी उपायों से नक्सली विचारधारा को फैलने से रोका जा सकता है और उग्रवाद का स्थायी समाधान निकल सकता है.

छत्तीसगढ़ राज्य

1 नवम्बर, 2000 को गठित छत्तीसगढ़ राज्य मूलतः एक ग्रामीण राज्य है, यहाँ जनसंख्या का वितरण असमान है. राज्य की 79·90% जनसंख्या राज्य के गाँवों में निवास करती है. राज्य के आदिवासी जिलों– सरगुजा, बस्तर तथा रायगढ़ में ग्रामीण जनसंख्या अधिक है. राज्य की 20·09% जनसंख्या नगरों में निवास करती है. लिंगानुपात की दृष्टि से यहाँ की जनसंख्या में महिलाओं तथा पुरुषों की संख्या बराबर-बराबर है. ***छत्तीसगढ़ राज्य की जनसंख्या का लगभग एक तिहाई भाग अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का है, जिसके आधार पर छत्तीसगढ़ को एक जनजाति बहुल राज्य' कहा जाता है.*** *राज्य में निवासरत 43 अनुसूचित जनजातियों में प्रमुख जनजाति 'गोंड' है. पिछड़ी जातियों के छः विशेष समूह अभिकरण हैं. पिछड़ी जाति के अलावा अनुसूचित जातियों, जनजातियों में निरक्षरता, आर्थिक पिछड़ापन, रहन-सहन की कमजोर स्थिति, बेरोजगारी एवं अस्पृश्यता जैसी अनेक समस्याएँ विद्यमान हैं. वर्ष 2001 की जनगणनानुसार छत्तीसगढ़ राज्य की साक्षरता दर 64·7% है, जिनमें पुरुष साक्षरता दर 77·4% तथा महिला साक्षरता दर 51·9% है. राज्य के अनेक ऐसे जिले हैं. जहाँ की साक्षरता दर देश की साक्षरता दर से कम है. कर्क रेखा पर स्थित होने के कारण यह गर्म प्रदेश है तथा वर्षा की प्रकृति उष्ण कटिबंधीय मानसूनी है. धान छत्तीसगढ़ की मुख्य फसल है.* ***ऊर्जा क्षेत्र इस राज्य की अर्थव्यवस्था में विकास का अग्रदूत है.***

छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित रोजगार कार्यालयों में नवम्बर 2007 तक 1·83 लाख बेरोजगारों द्वारा पंजीयन कराया गया. ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराना एवं खाद्यान्न की सुरक्षा के साथ-साथ सामुदायिक सामाजिक एवं आर्थिक परिसम्पत्तियों का सृजन तथा अधोसंरचना विकास, ग्रामीण निर्धन, अकुशल श्रमिक जिन्हें रोजगार की आवश्यकता है, को रोजगार उपलब्ध कराना वर्तमान में विशेष आवश्यकता एवं समस्या है. इस लक्ष्यपरक दृष्टिकोण के आधार पर छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न रोजगारपरक एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं. इसके अन्तर्गत सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना, इन्दिरा आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना, अधोसंरचना सहायता आदि को व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है. अनेक रोजगारपरक कार्यक्रमों के अन्तर्गत वर्ष 2006–07 में 78,084 गरीब परिवारों को मानव दिवसों का रोजगार उपलब्ध कराया गया. किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए और खेती को अधिक-से-अधिक लाभदायक बनाने के उद्देश्य से राज्य में राजीव किसान मितान अभियान कृषि विभाग द्वारा हाथ में लिया गया है, लेकिन यह प्रयास समस्या निदान के लिए पर्याप्त नहीं है.

मई-जून, 2005 से छत्तीसगढ़ के पश्चिमी बस्तर के अतिसंवेदनशील नक्सली क्षेत्रों में नक्सलियों के विरुद्ध आदिवासी ग्रामीणों का जन-जागरण अभियान (सलवा जुडुम) प्रारम्भ हुआ. दन्तेवाड़ा जिले के भैरमगढ़, बोदली, नेलसनार, कुटरु, कोतरापाल, केशकुतुल, पल्लेबामा, बीजापुर व अन्य नक्सली ग्रामों में यह अभियान एक जनक्रान्ति के रूप में देखा जा रहा है. आदिवासियों के इस अभियान को छत्तीसगढ़ पुलिस व भारतीय सेना की कुछ बटालियन व वर्तमान में नागालैण्ड से बुलाई गई स्पेशल फोर्स का पूर्ण सहयोग मिल रहा है.

नक्सलवाद : आन्तरिक सुरक्षा को चुनौती

नक्सली समस्या आन्तरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती है, क्योंकि यह कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्या है. केन्द्र एवं राज्य सरकारों ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की दशा-दिशा को दृष्टिगत रख गरीबों, बेरोजगारों, बेसहारा लोगों, आमधारा से विलग अशिक्षितों और अल्प शिक्षित लोगों के निहितार्थ अनेक योजनाओं, कृषक सेवा केन्द्रों एवं औद्योगिक विकास केन्द्रों का प्रारूप तैयार कर प्रभावित राज्यों में भेजा, परन्तु **प्रशासनिक स्तर पर नक्सलियों के विरोधवश, योजनाएं सही दिशा में कार्यान्वित नहीं हो पा रही हैं.** नक्सलियों को उनके क्षेत्रों में अनेक राजनीतिक दलों नेताओं का संरक्षण प्राप्त है. जिनके सहारे राजनीतिक दल अपनी-अपनी रोटी सेंक रहे हैं. **सम्प्रति अन्य दलीय सरकारों की योजनाओं का विरोधी दल लागू करने और करवाने पर जोर डालते हैं नक्सलियों के विरोध और आतंक के आगे योजनाएं तो क्या, नई-नई औद्योगिक कम्पनियाँ अपने को स्थापित नहीं कर पा रही हैं.** प्रशासनिक स्तर पर बड़े से बड़े अधिकारी इन नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जाने से बचना चाह रहे हैं, कहने का तात्पर्य अपनी जान के प्रति भयातुर हैं. सीमापार से नवीनतम हथियारों के अलावा मादक पदार्थों की प्राप्ति को नक्सलियों ने अपना व्यवसाय बनाकर राज्य में 'भय का आतंक' स्थापित कर दिया है. इन्हें आम धारा में लाने के अथक प्रयास विफल हो गए हैं. प्रभावित क्षेत्रों में लोक सभा या विधान सभा के चुनाव करवाना. सी. आर. पी. एफ., राज्य की पुलिस व खुफिया एजेंसियों ने मुख्य समस्या माना है.

सम्प्रति आम धारा से विपरीत नक्सलियों को सही दशा-दिशा मिले, इसके लिए सरकार को नक्सलियों से आमने-सामने की बातचीत की पहल करनी होगी. उन्हें पहले हथियारों का समर्पण करने के लिए राजी करना होगा. इसके साथ ही राज्य में स्थित नक्सली एवं गैर नक्सली की पहचान करना अत्यन्त आवश्यक है. जाति, धर्म और भाषा का भेदभाव किए बिना देशभक्ति को संरक्षण देना होगा और देशद्रोही कोई भी हो उसे दण्डित करना होगा. नक्सली गतिविधियों की सूचना देने वालों को संरक्षण देने के साथ-साथ संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखनी होगी. आज छत्तीसगढ़ में राज्य प्रशासन, जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन में अनेक ऐसे अधिकारी/ पदाधिकारी हैं जो नक्सलवादियों की सहायता करते हैं. पुलिस और नागरिकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए जो भी व्यक्ति नक्सलवादियों को पकड़वाए, उनसे संघर्ष करे, हथियार के भण्डार पकड़वाए. ऐसे व्यक्तियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत करना चाहिए. सरकार ने यदि सच्चे मन से उपर्युक्त तथ्यों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना आरम्भ किया तो नक्सली वास्तव में लोकतांत्रिक व्यवस्था में शामिल हो सकते हैं.

●●●

Just Released

UPKAR'S

TECHNIQUES FOR SUCCESS IN INTERVIEW AND GROUP DISCUSSION

Useful for Various Competitive Exams. and Professional Courses

By : Dr. L. M. Prasad

Code No. 1673 **Price :** Rs. 75/-

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2

● **E-mail :** publisher@upkar.in
● **Website :** www.upkar.in

राजनीतिक लेख

भारतीय राष्ट्रवादी चिन्तन

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

राजनीति, धर्म, दर्शन, शिक्षा आदि के क्षेत्र में भारत का अत्यधिक गौरवमयी इतिहास रहा है. वैदिककाल एवं उसके बाद उत्तर-वैदिककाल में पुष्प-पल्लवित वर्ण-व्यवस्था तथा आश्रम व्यवस्था का आधार वैज्ञानिक है. जिसे विश्व के अनेक मनीषियों ने स्वीकार किया है. प्राचीनकाल के नालन्दा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के विश्वविख्यात केन्द्र रहे हैं. पाश्चात्य विचारों पर आधारित आधुनिक सामाजिक विज्ञानों–राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, मानवशास्त्र आदि में यदि भारतीय विचारों को उचित स्थान नहीं मिला है, तो इसका प्रमुख कारण भारत पर 800 से अधिक वर्षों तक विदेशी शासकों का शासन होना रहा है. विशेष तौर पर अंग्रेजी भाषा के विचारकों ने भारत, भारतवंशी एवं भारतीयता को हेय दृष्टि से देखा है. भारत के प्राचीन इतिहास के अध्ययन से पाश्चात्य विद्वानों ने दो महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाले, जिसे मैक्समूलर के शब्दों में व्यक्त किया जा सकता है. ''भारत दार्शनिकों का देश है तथा भारतीयों में कभी भी राष्ट्रीयता की भावना नहीं रही.'' मैक्समूलर इस प्रकार की टिप्पणी करते समय सम्भवतया यह भूल गए कि सम्राट् चन्द्रगुप्त से लेकर अकबर महान तक तथा अंग्रेजों के शासन के विरुद्ध सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन और उसके बाद अनवरत रूप से चले राष्ट्रवादी आन्दोलन में अखण्ड भारत का जो स्वरूप उभरता है वह पश्चिम के तथाकथित खोखले राष्ट्रवाद की तुलना में कहीं अधिक श्रेष्ठतर है. अन्तर केवल इतना है कि भारतीय राष्ट्रवाद जहाँ अपनी भौगोलिक सीमाओं के भीतर स्वयं को केन्द्रित करने तक सीमित रहा है वहीं पश्चिम का राष्ट्रवाद, विस्तारवाद, साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद का प्रतीक रहा है. 16वीं एवं 17वीं शताब्दी के दौरान यूरोपीय राष्ट्रवाद का विकास सघन वस्तु उत्पादन एवं विश्व वाणिज्य की संवृद्धि से जुड़ा रहा है. औद्योगिक क्रान्ति ने पश्चिमी राष्ट्रों द्वारा आर्थिक एवं राजनीतिक शक्ति ग्रहण करने की प्रक्रिया को तेज कर दिया. अठारहवीं तथा उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारम्भिक वर्षों में एशियाई देश आर्थिक एवं राजनीतिक अवनति का शिकार हुआ, सामाजिक जड़ता एवं सांस्कृतिक गिरावट ने भारतीय दर्शन एवं विचारधारा की चमक को धूमिल कर दिया.

इसमें कोई सन्देह नहीं कि भारत में अंग्रेजी दासता और विदेशी आक्रान्ताओं द्वारा भारतीयों का आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक शोषण किए जाने के परिणामस्वरूप उन्नीसवीं शताब्दी में भारत में पुनर्जागरण की जो लहर चली उसने आधुनिक भारतीय राष्ट्रवाद के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. जिस प्रकार इटली के पुनर्जागरण तथा जर्मनी के सुधारवादी आन्दोलनों ने यूरोपीय राष्ट्रवाद के लिए बौद्धिक आधार तैयार किया, ठीक उसी प्रकार भारत के विभिन्न समाज सुधारकों–राजा राममोहन राय, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, महात्मा गांधी, ऐनी बेसेंट, गोपालकृष्ण गोखले, ज्योतिबा फुले आदि तथा धर्मगुरुओं–स्वामी विवेकानन्द, स्वामी दयानन्द सरस्वती आदि के विचारों एवं उपदेशों ने देश में एक स्वायत्तशासी एवं स्व-निर्णयानुकूल राजनीतिक व्यवस्था की विद्यमानता के लिए इच्छा जगायी, जो आगे चलकर राष्ट्रवादी आन्दोलन में परिवर्तित हो गई. भारतीय भावना में उत्पन्न हुई जागृति दर्शन, धर्म एवं संस्कृति के क्षेत्र में सृजनात्मकता के रूप में परिलक्षित हुई और अन्ततः अनिवार्य रूप से राजनीतिक स्व-जागरूकता का आधार बनी. भारतीय विचार मूल रूप से नैतिक तथा आध्यात्मिक अपेक्षाओं से परिपूर्ण थे.

भारतीय पुनर्जागरण और राष्ट्रवाद

सोलहवीं एवं सत्रहवीं शताब्दी में उपजा यूरोपीय पुनर्जागरण प्लेटो, अरस्तू एवं सिसरो के निष्कर्षों की परिवर्तित सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों में नए सिरे से उनकी व्याख्या मात्र नहीं था वरन् वह स्वतंत्र एवं बाधारहित बौद्धिक जाँच को अपने आप में शामिल किए हुए था. पेट्राश (1304–1374) एवं बोकासियो (1313–1375) ने मानवजीवन के महत्व एवं जटिल मानवीय अस्तित्व को अर्थपूर्णतः समझाया तो एरेसमस (1466–1536) ने मानवतावाद पर प्रकाश डाला. ध्यान देने वाली बात यह है कि भारत में पुनर्जागरण आन्दोलन यूरोपीय पुनर्जागरण की तुलना में अधिक प्रबल था. **राजा राधाकान्त देव** (1784–1867) ने संस्कृत भाषा के महान् ग्रन्थ **शब्द कल्पद्रुम** (पाँच खण्ड) में वेदों, उपनिषदों, गीता तथा पुराणों की महत्ता को पुनर्स्थापित किया. उन्नीसवीं शताब्दी के अन्तिम तीन दशकों में भगवान लाल इन्द्रजी, रामकृष्ण गोपाल भण्डारकर, राजेन्द्रलाल मित्र तथा बालगंगाधर तिलक ने साम्राज्यवादी विचारधारा का खोखलापन सिद्ध करने का प्रयास किया तभी से भारतीय पुरातन विचारों का अध्ययन मुख्यतया राष्ट्रवादी विचारधारा से अनुप्राणित रहा. राष्ट्रवादी विचारधारा के विचारकों ने टी. एच. हक्सले, डार्विन, मिल एवं स्पेन्सर के विचारों से प्रभावित नव-शिक्षित भारतीयों के आध्यात्म विरोधी तथा राष्ट्रवादी विरोधी विचारों को एक सिरे से नकार दिया. पुनर्जागरण की यह भावना राजनीतिक तथा आर्थिक दृष्टि से शक्तिशाली उदण्ड पाश्चात्य सभ्यता द्वारा प्रस्तुत की जा रही चुनौतियों के विरुद्ध एक प्रतिक्रिया थी. पश्चिम की मशीनी सभ्यता तथा भारत की हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक एवं धार्मिक सभ्यता के बीच के इस संघर्ष से भारत में एक ऐसे नवीन राष्ट्रवाद का उदय हुआ जिसने महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, गोपाल कृष्ण गोखले, बालगंगाधर तिलक, अरविन्द घोष, लाला लाजपत राय, विपिन चन्द्र पाल के नेतृत्व में सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह जैसे नैतिक हथियारों के बल पर तात्कालिक दौर के सर्वाधिक शक्तिशाली आक्रान्ताओं ब्रितानियों को भारत छोड़ने पर बाध्य कर दिया.

ब्रितानी शासन के प्रारम्भिक दौर में भारत में राष्ट्रवादी विचारधारा के उदय में तीन तत्वों ने सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

प्रथम राजा राममोहन राय (1772–1833), देवेन्द्रनाथ ठाकुर (1817–1905) तथा केशवचन्द्र सेन (1838–1884) के नेतृत्व में ब्रह्मसमाज आन्दोलन ने सांस्कृतिक, मानवतावादी तथा सामाजिक कार्यों में बंगाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. ब्रह्मसमाज आन्दोलन एकतत्ववाद, बौद्धिक विवेकशीलता, उपनिषदों के एकत्ववाद, जैसे विशुद्ध भारतीयवाद के साथ-साथ ईसायित की अच्छाइयों को भी अपने में समाहित किए हुए था.

ब्रह्मसमाज ने भारतीय समाज की जड़ता पर प्रहार किया. इसकी सबसे बड़ी देन यह कहीं जा सकती है कि इसने आधुनिक भारत एवं भारतीयता के निर्माताओं–जगदीश चन्द्र बसु, रविन्द्रनाथ ठाकुर, ब्रजेन्द्रनाथ स्याल तथा विपिन चन्द्र पाल को प्रभावित किया.

द्वितीय भारतीय राष्ट्रवाद के निर्माण में आर्यसमाज एक अन्य प्रमुख आन्दोलन रहा. 10 अप्रैल, 1875 को स्वामी दयानन्द सरस्वती द्वारा स्थापित आर्यसमाज ने **'वेदों की ओर चलो'** का नारा दिया. उन्होंने बल देकर कहा कि वेदों-उपनिषदों-पुराणों का अध्ययन करने का अधिकार सभी नागरिकों को है. स्वामी दयानन्द की कालजयी कृति 'सत्यार्थ प्रकाश' में हिन्दू धर्म में व्याप्त कुरीतियों पर प्रहार किया गया. लाला

हंसराज तथा श्रद्धानन्द ने क्रमशः डी. ए. वी. कॉलेज, लाहौर तथा गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार की स्थापना की. बाद में उत्तर भारत के अन्य शहरों में पाश्चात्य अंग्रेजी विद्यालयों के समानान्तर डी. ए. वी. कॉलेजों की स्थापना की जो राष्ट्रवाद की दिशा में एक बड़ा कदम था.

तृतीय रामकृष्ण परमहंस तथा उनके शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने वैदिक लेखों एवं यूरोपीय दर्शन दोनों के बीच सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया. विवेकानन्द ने **सन् 1893 में शिकागो धर्म-संसद में आत्मनिर्भरता, सुदृढ़ता एवं विश्वबन्धुत्व का संदेश दिया.** लाला लाजपत राय तथा सुभाष चन्द्र बोस ने स्वामी विवेकानन्द को बंगाली राष्ट्रवाद का नायक देवदूत बताया.

राष्ट्रवादी विचारधारा बंगाल, उत्तरी भारत तथा पंजाब तक ही सीमित नहीं रही. इसने दक्षिण में मद्रास में वीरराघवाचार्य, सुब्बाराव पुन्तुलू रंगय्या नायडू, जी. सुब्रह्मण्यम अय्यर के नेतृत्व में आध्यात्मिक तथा बौद्धिक रूप से प्रभाव डाला.

महाराष्ट्र में राष्ट्रवाद का उदय समाज-सुधार वादी आन्दोलनों तथा शिक्षा के प्रसार के रूप में हुआ. ज्योतिबा फुले ने 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना की. सन् 1867 में **केशवचन्द्र सेन** ने **प्रार्थना समाज** की स्थापना की. **आर. जी. भण्डारकर, महादेव गोविन्द रानाडे, एन जी चन्दावरकर** ने प्रार्थना समाज के माध्यम से विधवा पुनर्विवाह, अन्तर्जातीय विवाह तथा एक-दूसरे के साथ खान-पान के सम्बन्धों को विकसित करने जैसे सुधारवादी उपायों के साथ-साथ निर्धनों एवं वंचितों के उत्थान हेतु कार्य किया. समाज सुधारों के लिए सतत् प्रयत्नशील रहे **आर. जी. भण्डारकर** ने न केवल सारे भारत में वरन् विश्वभर में एक महान् दार्शनिक एवं संस्कृत के विद्वान् के रूप में अपार ख्याति अर्जित की.

भारत की गणतंत्रात्मक शासन व्यवस्था तथा राष्ट्रवाद

अंग्रेजी शासनकाल के दौरान और उसके बाद, पाश्चात्य लेखकों एवं उनसे प्रभावित भारतीय विचारकों ने अपने लेखों/शोधपत्रों ने यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि भारत में राज्य या स्वदेश का भाव कभी जगा ही नहीं और किसी राजनीतिक संविधान का विकास तो वह वैचारिक धरातल पर भी नहीं कर पाया. भारतीयों को शासन करने का ज्ञान नहीं था तथा भारतीय शासकों का मुख्य ध्येय कर वसूलना तथा अपनी प्रजा पर प्रचंडतम बल प्रयोग करना था. इस प्रकार की मिथ्यावधारणाओं का उत्तर भारतीय विचारकों ने दिया. ए. सी. दास ने अपने एक लेख (1907) में तार्किक ढंग से कहा कि ''यह मानना गलत होगा कि हिन्दू स्वेच्छाचारी शासन के अभ्यस्त रहे हैं और इस देश में एक सुस्पष्ट शक्ति के रूप में लोकतंत्र का अस्त्वि कभी नहीं रहा ..... जो राजतंत्र प्राचीन भारत में फूला-फला, वह निरंकुश नहीं, बल्कि सीमित राजतंत्र था.'' पाश्चत्य विचारक भूल जाते हैं कि लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का मूल 'रामराज्य' की अवधारणा में निहित है. भारत के जनमानस के मन में रचे-बसे श्री राम ने जिस प्रकार की शासन-प्रणाली विकसित की वैसी आज तक कहीं भी विकसित नहीं हो पाई. श्रीराम राजा (शासक) अवश्य थे, लेकिन उनके लिए अपनी प्रजा (सामान्य धोबी) के विचारों का महत्व कम नहीं था. काशी प्रसाद जायसवाल के 1912–1915 के बीच 'माडर्न रिव्यू' में प्रकाशित राष्ट्रवादी लेखों का संकलन सन् 1924 में 'हिन्दू पॉलिटी' में प्रकाशित हुआ जिसमें उन्होंने यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि प्राचीन भारत का राजनीतिक ढ़ाँचा एथेंस के नगर गणतंत्रों और अंशतः ब्रितानी शासन-प्रणाली के ही अनुरूप था. इसमें पौर तथा जानपाद जैसी जनसभाएं थीं जो राज्य शक्ति पर अंकुश रखती थीं..... ये निकाय उन संस्थाओं से अधिक उन्नत थीं जिन पर आधुनिक स्विट्जरलैण्ड या संयुक्त राज्य अमरीका गर्व करता है..... हिन्दुओं द्वारा की गई संवैधानिक प्रगति को मात देने की बात तो दूर, उसकी बराबरी भी सम्भवतः कोई प्राचीन राज्य व्यवस्था नहीं कर सकती ..... उनकी (हिन्दुओं) शासन-प्रणाली का स्वर्णिम युग मात्र अतीत की चीज नहीं है, बल्कि यह भविष्य में भी निहित है.''

1916–1925 के बीच 'माडर्न रिव्यू', 'हिन्दुस्तान रिव्यू' तथा 'इण्डियन ऐंटिक्वेरी' में राष्ट्रवादी विचारों से ओतप्रोत इतने अधिक लेख प्रकाशित हुए कि उन्नीसवीं शताब्दी के किसी अन्य कालखण्ड में प्रकाशित नहीं हुए. बी. आर. आर. दीक्षितार ने अपनी डॉक्टरेट थीसिस पर आधारित पुस्तक 'हिन्दू एडमिनिस्ट्रेटिव इन्स्टीट्यूशन्स' में कहा कि देश की भौगोलिक अखण्डता तथा दिग्विजय द्वारा कन्याकुमारी से हिमालय तक के भू-भाग का चक्रवर्ती शासक बनने के प्रत्येक राजा के आदर्श को देखते हुए इस बात में कोई सन्देह नहीं रह जाता कि इस देश में प्रबल राष्ट्रवादी भावना विद्यमान थी.

आर्थिक-राजनीतिक-सामाजिक विचारों में भारतीयता की बात सर्वाधिक सशक्त तरीके से महादेव गोविन्द रानाडे ने कही. उन्होंने ने अपने निबन्ध ''ऐसे ऑन इण्डियन इकनॉमिक्स'' में भारत की आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए भारतीय उपागम अपनाने की वकालत की तथा इसके लिए एडम स्मिथ, डेविड रिकार्डो तथा जे. एस. मिल के सिद्धान्तों की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया.

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा राष्ट्रवाद

सन् 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना को आधुनिक भारत में राष्ट्रवाद तथा स्वतंत्रता के इतिहास में सर्वाधिक आन्दोलनकारी घटना माना जाता है. कांग्रेस के प्लेटफार्म से ही दादाभाई नैरोजी, बालगंगाधर तिलक, विपिनचन्द्र पाल, सुभाषचन्द्र बोस, लाला लाजपत राय, जवाहरलाल नेहरू तथा महात्मा गांधी जैसे वास्तविक राष्ट्रवादी विचारक भारत के राजनीतिक-सामाजिक-आर्थिक फलक पर उभरे. इनमें से सर्वाधिक विशिष्ट तथा मौलिक योगदान महात्मा गांधी का माना जा सकता है. प्रारम्भिक दौर में महात्मा गांधी भले ही कतिपय पाश्चात्य विचारकों के विचारों से प्रभावित रहे हों, लेकिन 1893 से 1914 तक दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की नीति के विरुद्ध अंग्रेजों की सरकार के विरुद्ध उनका आन्दोलन तथा 1915 से 1948 तक भारत में ब्रितानी शासन के विरुद्ध भारत की स्वतंत्रता के लिए उनके संघर्ष के आयाम अभिनव तथा अनूठे थे. उनसे पहले इनका प्रयोग किसी और ने नहीं किया. कालान्तर में तृतीय विश्व के अनेक पराधीन देशों के आन्दोलन में गांधीजी के आदर्शों को अपनाया तथा स्वतंत्रता हासिल की. गांधीजी के विचारों तथा आदर्शों को अक्षरशः अपनाने वालों में दक्षिण अफ्रीका के अश्वेत नेता नेल्सन मण्डेला का नाम सबसे ऊपर है. और अब म्यांमार में आंग-सांग-सू की उसी रास्ते पर चल रही हैं.

महात्मा गांधी की सम्पूर्ण विचारधारा सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के इर्द-गिर्द घूमती है. उनका मानना था कि **सत्य का एक कण अनन्त रूप से असत्य के पहाड़ों से भी अधिक शक्तिशाली है.** गांधीजी नैतिक मूल्यों की श्रेष्ठता एवं सर्वोदय (सभी का कल्याण) पर असीम विश्वास करते थे. सर्वोदय का दर्शन विद्यमानता की एकता की आवधारणा पर आधारित है. इसमें पशुओं एवं मानवों के प्रति किसी भी प्रकार की हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है. इसका मूल युजर्वेद के प्रसिद्ध मन्त्र **''ईशावास्यमिदं सर्वम्''** सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड सर्वोच्च ईश्वर द्वारा संचालित है. ईश्वर की इच्छा के बिना पत्ता भी नहीं हिल सकता.

गांधीजी ने अंहिसा के बल पर ब्रितानी साम्राज्य की जड़ें हिला दीं. अहिंसा का अर्थ है अनन्त प्रेम जो अन्ततः व्यक्ति के भीतर कष्ट सहने की असीम क्षमता उत्पन्न कर देता है. उनके अनुसार ''अहिंसा मेरे विश्वास का पहला तत्व है.'' प्रत्येक सत्याग्रही का यह कर्तव्य है कि वह अहिंसा के द्वारा सत्य को प्राप्त करने का अन्तहीन प्रयास करे. ●●●

पी.सी.एस./आई.ए.एस. की मुख्य परीक्षा (हिन्दी) हेतु विशेष लेख

अमीर खुसरो का हिन्दी के विकास में योगदान

✍ डॉ. जगदीश शरण

एक बार एक प्यासे राहगीर ने कुएँ पर पानी भर रहीं चार पनिहारिनों से पानी पिलाने का अनुरोध किया. पनिहारिनों ने पानी देने से पहले उस व्यक्ति से दोहा सुनाने को कहा. पहली ने खीर पर, दूसरी ने चरखे पर, तीसरी ने कुत्ते पर और चौथी ने ढोल पर कोई दोहा बनाकर सुनाने की इच्छा व्यक्त की. राहगीर ने उन चारों पनिहारिनों की अलग-अलग इच्छा को तुरन्त एक दोहे में व्यक्त कर इस तरह प्रकट किया–

खीर पकाई जतन से, चरखा दिया चला।
आया कुत्ता खा गया, तू बैठी ढोल बजा।।

उक्त दोहा काव्य-जगत् में 'ढकोसला' नाम से चर्चित हुआ. 'ढकोसला' में बेमेल असमान शब्दों को मिलाकर सार्थक तुकबन्दी की जाती है. इस ढकोसला का रचनाकार राहगीर हिन्दवी (हिन्दी का पुराना नाम) का सुप्रसिद्ध कवि और फ़ारसी का अपने समय का ख्यातिप्राप्त ग्रंथकार अमीर खुसरो था.

अमीर खुसरो का जन्म सन् 1253 ई. में उत्तर प्रदेश के जनपद एटा के पटियाली नामक गाँव में अमीर सैफ़ुद्दीन महमूद के घर हुआ. खुसरो के पिता तुर्क थे. भारत आकर वह इल्तुतमिश की सेना में भर्ती हो गए. खुसरो की माता बलबन के रक्षामंत्री की पुत्री थी. खुसरो का पूरा नाम अबुल हसन यामीनुद्दीन खुसरो था.

आठ साल की अवस्था में ही खुसरो के पिता की मृत्यु हो गई. अतः खुसरो दिल्ली आकर अपने नाना के पास रहने लगे. पिता और नाना की अच्छी प्रतिष्ठा थी; इसलिए खुसरो शीघ्र ही तत्कालीन प्रसिद्ध विद्वानों और बादशाहों के सम्पर्क में आ गए. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार अमीर खुसरो ने गयासुद्दीन बलबन से लेकर अलाउद्दीन और क़ुतुबुद्दीन मुबारक़शाह तक कई पठान बादशाहों का जमाना देखा था.

दिल्ली में ही खुसरो सूफ़ी सन्त हज़रत निजामुद्दीन औलिया के शिष्य बन गए. खुसरो अपने गुरु का बड़ा सम्मान करते थे. गुरु निजामुद्दीन औलिया भी खुसरो को सर्वाधिक प्रेम करते थे. प्राप्त सूत्रों से पता चला है कि एक बार तो उन्होंने स्वयं और अमीर खुसरो को एक कब्र में ही दफनाने की बात कही थी.

कवि होने के साथ-साथ खुसरो अच्छे गायक और संगीत-प्रेमी भी थे. वह भारतीय और ईरानी दोनों प्रकार के संगीत में बेहद रुचि रखने वाले थे. ऐसा भी माना जाता है कि सितार और तबले का आविष्कार खुसरो ने ही किया था. गज़ल का प्रारम्भ भी खुसरो के द्वारा हुआ माना जाता है.

खुसरो का अन्तिम समय बड़े कष्टों में बीता. अपने जीवन के अन्तिम समय में वह गयासुद्दीन तुगलक के साथ बंगाल चले गए. जब वह दिल्ली लौटे, तो उन्हें पता चला कि उनके गुरु हज़रत निजामुद्दीन औलिया का देहान्त हो चुका है. इससे वह बड़े व्यथित हुए. यहाँ तक कि उन्होंने अपने कपड़े फाड़ डाले, मुख पर राख मल ली और अपना घरवार छोड़ दिया. उन्होंने अपने घर का सारा धन लुटा दिया. खुसरो उदास-उदास रहने लगे और गुरु की समाधि पर ही बैठे आँसू बहाते रहते थे. कहा जाता है कि उन्होंने अपने गुरु की समाधि पर रोते हुए अपना यह दोहा पढ़ा था–

गोरी सोवै सेज पर, मुख पर डाले केस।
चल खुसरो घर आपने, रैन भई चहुँ देस।।

सन् 1325 ई. में खुसरो का निधन हो गया. दिल्ली में गुरु निजामुद्दीन औलिया की मज़ार के निकट ही खुसरो की मज़ार बनाई गई, जो आज भी मौजूद है.

खुसरो के फारसी में लिखित तीन ग्रंथ माने जाते हैं–अफ़ज़ल-उल-कवायद, ख़ालिक़बारी और नुह सिपेहर. पहले ग्रंथ में खुसरो ने अपने गुरु हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया के वचनों और उनकी शिक्षाओं को संकलित किया है. दूसरी पुस्तक के बारे में यह भ्रम है कि यह किसी अन्य लेखक खुसरोशाह की लिखी हुई है.

खुसरो की प्रसिद्धि हिन्दी-जगत् में उनके द्वारा हिन्दी में लिखी गई पहेलियों, मुकरियों, निसबतों, दो सखुनों और ढकोसलों के कारण ही मानी जाती है. खड़ी बोली के आदि स्वरूप को जानने के लिए उनकी मुकरियाँ और पहेलियाँ आदि रचनाएं ऐतिहासिक महत्व रखती हैं.

प्रारम्भिक हिन्दी को खुसरो ने 'हिन्दवी' नाम दिया. इस शब्द का प्रयोग उन्होंने उत्तर भारत में प्रचलित आम भाषा के लिए किया था. इसके साथ ही उत्तर भारत की दो बोलियों–अवधी और देहलवी तथा इश्क़े इतराफ़ की ज़बान को उन्होंने 'हिन्दवी' में स्थान दिया. खुसरो ने दिल्ली के आसपास की जिस विकसित भाषा को 'देहलवी' कहा है, वह वस्तुतः हिन्दवी या हिन्दी ही थी. 'ख़ालिक़बारी' में हिन्दी शब्द का प्रयोग अनेक बार हुआ है. उस समय भारत की मध्यदेशीय भाषा के लिए हिन्दवी या हिन्दुई शब्द का प्रयोग किया जाता था. खुसरो को हिन्दुस्तानी होने पर गर्व था. उन्होंने एक जगह लिखा है–'तुर्क़ हिन्दुस्तानियम मन हिन्दवी गोयम जवाब', अर्थात् मैं हिन्दुस्तानी तुर्क़ हूँ, हिन्दवी में जवाब देता हूँ.

हिन्दवी यद्यपि हिन्दुई और हिन्दुवी का विकास है. डॉ. भोलानाथ तिवारी ने लिखा है कि मुसलमान जब भारत में आए, तो वे यहाँ के लोगों को 'हिन्दु' या 'हिन्दू' कहते थे. इसी में तत्कालीन फारसी के विशेषण–प्रत्यय–'ई' जोड़कर मध्यदेश के हिन्दुओं की भाषा को (हिन्दु + ई) उन लोगों ने 'हिन्दुई' (अर्थात् 'हिन्दूवाली' या 'हिन्दकी') नाम दिया. बाद में उच्चारण सौकर्य के लिए 'व' श्रुति आ जाने के कारण 'हिन्दुई' शब्द हिन्दुवी हो गया. 'हिन्दवी' इस दूसरे रूप 'हिन्दुवी' का ही विकास है. इस प्रकार इसके इन तीनों नामों में 'हिन्दुई' सबसे पुराना, 'हिन्दुवी' उसका विकास तथा 'हिन्दवी' अन्तिम विकास है. 'हिन्दुवी' नाम का पुराना उल्लेख प्रसिद्ध भारतीय फारसी कवि मुहम्मद औफी में मिलता है.

खुसरो के काव्य में 'हिन्दवी' के मुख्यतः दो रूप प्राप्त होते हैं–पहला, ठेठ बोलचाल का खड़ी बोली रूप. यह रूप उनकी पहेलियों, मुकरियों, दो सखुनों आदि में मिलता है. दूसरा, ब्रजभाषा मिश्रित खड़ी बोली रूप. यह रूप उनके दोहों तथा गीतों में दिखाई देता है. खुसरो ने खड़ी बोली को, जो रूप प्रदान किया और जिस रूप का प्रयोग उन्होंने अपनी रचनाओं में किया उसी के कारण यह भाषा निरन्तर विकसित होकर विश्व-भाषा के रूप में प्रतिष्ठित हो गई है.

खुसरो की पहेलियों, मुकरियों आदि में खड़ी बोली का प्रांजल रूप देखा जा सकता है. एक उदाहरण द्रष्टव्य है–

एक थाल मोती से भरा।
सबके सिर पर औंधा धरा।।
चारों ओर वह थाली फिरे।
मोती उससे एक न गिरे।।

खुसरो की पहेलियों में उक्ति वैचित्र्य के दर्शन होते हैं. 'मुकरी' में पहले कही हुई बात का अन्त में खण्डन-सा करते हुए उत्तर दिया जाता है. 'दो सखुना' में पूछे गए दो प्रश्नों का उत्तर एक होता है. 'निसबत' में समानता का सम्बन्ध और 'ढकोसला' में बेमेल और असमान शब्दों को मिलाकर सार्थक

शेष पृष्ठ 727 **पर**

भौगोलिक लेख

पर्यावरण प्रबन्धन
(Environment Management)

✍ लाखन सिंह सिनसिनवार

जलवायु परिवर्तन एवं विश्व आर्थिक मंदी का मुद्दा, G–8 और G–5 देशों के लाक्विला (इटली) सम्मेलन में छाया रहा. इस सम्मेलन के प्रमुख मुद्दे रहे–**जलवायु परिवर्तन, विश्व आर्थिक मंदी, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, वित्तीय संरक्षणवाद** आदि. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के स्वयंसेवी संगठन '**औकसफेम**' की बृहस्पतिवार 11 जुलाई 2009 को जारी रिपोर्ट **'हैंग टू गैदर सेप्रेटली'** (Hang to gether separately) में कहा है कि जलवायु परिवर्तन (ग्लोबल वार्मिंग) को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के पर्यावरण प्रबन्धन अमीर देशों के प्रतिनिधित्व द्वारा ही रोका जा सकता है. वर्तमान पर्यावरणीय समस्या जलवायु परिवर्तन ही दुनिया के समस्त देशों के लिए सबसे अहम् समस्या है, यह समस्या विश्व आर्थिक मंदी से भी बड़ी समस्या है. ये उदगार भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 8–12 जुलाई चार दिन चले लाक्विला, इटली सम्मेलन में G–8, G–5 के समक्ष रखे. वर्तमान ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण समस्या हेतु पर्यावरण प्रबन्धन तकनीक **'ग्लोबल मिटिगेशन एण्ड फाइनेंस मैकेनिज्म'** को अपना कर विकसित देश जलवायु परिवर्तन पर नियन्त्रण पा सकते हैं. इस तकनीक में अमीर देशों को, गरीब देशों को अपने यहाँ उत्सर्जन स्तरों में कमी लाने के लिए आवश्यक **धन एवं पर्यावरण मित्र प्रौद्योगिकी** उपलब्ध करानी होगी. इसी तरह अमीर देशों (G–8 समूह) को उत्सर्जन स्तर को चरणबद्ध **वर्ष 2020 तक घटाकर 1990 के स्तर (20 प्रतिशत कमी), 2050 तक 50 प्रतिशत के स्तर लाना होगा.**

पर्यावरणवादी पिछले काफी समय से पृथ्वी का तापमान बढ़ाने वाली और जलवायु परिवर्तन को अंजाम देने वाली **ग्रीन हाउस गैसों** का उत्सर्जन कम करने के पक्ष में माहौल बना रहे हैं. हमारी जलवायु निरन्तर परिवर्तित हो रही है इससे विश्व की 10 प्रतिशत जनसंख्या संकट में है. ग्रीन हाउस गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, क्लोरोफ्लोरो कार्बन्स आदि शामिल हैं, लेकिन चूँकि कार्बन डाइऑक्साइड इनमें प्रमुख स्थान रखती हैं. विश्व में 7 करोड़ टन प्रतिवर्ष CO_2 पृथ्वी के वायुमण्डल में उत्सर्जित होती है. पर्यावरण पर इसी का घातक प्रभाव होता है, इसलिए ग्रीन हाउस गैसों में आमतौर पर इसी का नाम लिया जाता है. ऐसे में पृथ्वी की जलवायु संकट समस्या को हल करने के लिए पर्यावरणविद् एवं वैज्ञानिक लम्बे समय से ऐसी तकनीकी की खोज में थे, जिससे कि लोगों को ग्रीन हाउस गैसों की वायुमण्डल में मौजूदगी एवं वृद्धि का पता चल सके. **'कार्बन काउन्टर तकनीक'** इस दिशा में एक नई खोज है, जो मिनट-दर-मिनट ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के बारे में बताता है. **डेचसे एसेट मैनेजमेंट** के मुखिया **केविन पार्कर (मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी)** ने विज्ञान और जलवायु परिवर्तन के साथ तालमेल कर जून महीने में कार्बन काउन्टर की खोज कर सपने को साकार किया है. स्पष्ट है कि लोग, ग्रीन हाउस गैस का मिनट-दर-मिनट उत्सर्जन आँकड़ों के प्रसारण से जागरूक होंगे.

"जलवायु परिवर्तन नियन्त्रण हेतु पर्यावरण प्रबन्धन, पर्यावरण संरक्षण, मानव-भूमि, वन्य प्राणी एवं प्राकृतिक संसाधनों के मध्य कार्यात्मक सम्बन्धों का नूतन समीकरण प्रस्तुत करता है, जिसके अन्तर्गत प्राकृतिक संसाधनों के चातुर्यपूर्ण उपयोग के लिए **'उत्पादन–उपभोग'** क्रियाओं को विस्तृत परिप्रेक्ष्य के रूप में देखता है, इसका लक्ष्य **क्षतिकारण-उपभोग पर नियंत्रण** लगाना, दुरुपयोग से बचाना, अनुप्रयोग का नियमन करना, पुनःप्रयोग को प्रश्रय देना तथा भावी उपयोग हेतु संसाधनों की बचत करना है एवं उनका निवेश करना है."

–फिरे (Firey–1960)

पर्यावरण प्रबन्धन का अर्थ विकास की क्रियाओं के लिए पृथ्वी के नवीकरणीय व अनवीकरणीय संसाधनों का उपयोग नियोजित विधि से करना, पृथ्वी के **दुर्लभ व कीमती संसाधनों का प्रबन्धन आधुनिकतम वैज्ञानिक तकनीक से करना है.** वर्तमान में पृथ्वी की मात्र 5% सतह पर मानव आवास है, लेकिन 5 प्रतिशत मानवों के क्रियाकलापों ने पृथ्वी की जलवायु को अपूर्णीय क्षति पहुँचाई है. मानव ने आर्थिक विकास की होड़ में मानवीय अतिवादी क्रियाओं ने अपशिष्ट की मात्रा इतनी वृहद् कर दी है कि निस्तारण व प्राकृतिक पुनर्चक्रण के उपरान्त भी जैवभू- रसायनिक चक्रों [N_2–चक्र, O_2–चक्र, CO_2–चक्र] की क्षमता कामयाब नहीं हो पा रही है.

पृथ्वी ग्रह की सुन्दरता, जिसके बारे में आदि काल से कवियों ने गाया था, जिसने मानव जीवन रहने योग्य बनाया था, वह पृथ्वी वर्तमान में क्रमिक ह्रास व विनाश की ओर अग्रसर है. इस क्रमिक विनाश का कारण, अति स्वार्थी मानवीय क्रियाएँ हैं. ये अतिवादी व अनियोजित मानवीय क्रियाएं मानव एवं सम्पूर्ण पृथ्वी जीवन के हित में नहीं हैं. इन सभी के परिणामस्वरूप मानव स्वास्थ्य खतरे की ओर बढ़ चुका है तथा अनेक नए व भयंकर रोग (डेंगू, चिकन गुनियाँ, स्वाइन फ्लू, कैन्सर, एड्स, तपैदिक) प्रकट हो रहे हैं. इनके प्रभाव से बचने के लिए पर्यावरण प्रबन्धन आवश्यक ही नहीं अपरिहार्य है.

पर्यावरणीय संसाधन
(Environmental Resources)

प्राकृतिक संसाधन (Natural Resources)	मानवीय संसाधन (Human Resources)
(A) अनवीकरणीय संसाधन : उदाहरण–वन्य प्राणी, कोयला (B) नवीकरणीय संसाधन : उदाहरण–घास, वन (C) अक्षय संसाधन : उदाहरण–वायु, प्रकाश, जल (D) पुनर्चक्रीय संसाधन : उदाहरण–गैसें, धातुएं	(A) सीमित संसाधन : (i) रक्षणीय संसाधन. उदाहरण–वन्य जातियाँ (ii) अनुरक्षणीय संसाधन. उदाहरण–जंगल (B) असीमित संसाधन : (i) दुरुपयोग, उदाहरण–कोयला श्रमिक (ii) अपरिवर्तनीय, उदाहरण–जंगली जड़ी-बूटी जानकारी वाली जनजातियाँ

पर्यावरण प्रबन्धन (Environmental Management)

पर्यावरण प्रबन्धन का तात्पर्य मानवीय विकास के क्रियाकलापों एवं प्राकृतिक बहुमूल्य संसाधनों का सर्वोत्तम सामंजस्य है. पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग इस समय की सर्वोत्तम वैज्ञानिक तकनीक से किया जाए कि पृथ्वी के पारिस्थितिक तन्त्र का सन्तुलन कायम रहे तथा ऊर्जा, आर्थिक विकास के निवेश एवं निर्गम सभी का **गत्यात्मक सन्तुलन** (Dynamic Equilibrium) सर्वोत्तम रहे. पर्यावरण प्रबन्धन में

स्वस्थ वातावरण को बनाए रखने का सर्वोत्तम मानवीय प्रयास किया जाता है. इन प्रयासों में **UNO द्वारा घोषित पर्यावरण दिवस 5 जून, पर्यावरण संरक्षण दिवस 26 नवम्बर** आदि है.

पर्यावरण प्रबन्धन के प्रमुख घटक–

(i) **प्रथम**–पृथ्वी के जैविक संसाधनों का प्रबन्धन

(ii) **द्वितीय**–पारिस्थितिक सन्तुलन हेतु पर्यावरणीय प्रबन्धन

(iii) **तृतीय**–अवशिष्टों के निस्तारण हेतु प्रबन्धन

मानवीय ज्ञान ही संसार का सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है और वास्तविक संकट प्राकृतिक संसाधनों की कमी न होकर, उचित वैज्ञानिक तकनीक का अभाव है. वर्तमान विश्व की विकराल समस्या (पारिस्थितिक असन्तुलन) का समाधान, उचित वैज्ञानिक तकनीक के प्रयोग से किया जा सकता है; जैसे–

(i) जल प्रदूषण को संशोधित कर उसका अन्यत्र प्रयोग सम्भव है.

(ii) ओजोन छिद्र, पृथ्वी तापमान वृद्धि के लिए उत्तरदायी गैसों (ग्रीन हाउस) के उत्सर्जन पर नियन्त्रण करके.

(iii) यात्री वाहन, ओटोमोबाइलों से उत्सर्जित CO_2 को 21वीं शदी की तकनीक (पुनः गैसोलीन चक्रीय परिवर्तन) से वाहनों में ही एकत्रित कर अन्यत्र प्रयोग किया जा सकता है.

इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि पर्यावरण प्रबन्धन में पर्यावरण सन्तुलन एवं आर्थिक विकास के मध्य साम्य स्थापित करना मुख्य लक्ष्य होना चाहिए. पृथ्वी के संसाधनों का नियोजन, प्रबन्धन व सदुपयोग प्रथम आवश्यकता है.

पर्यावरण प्रबन्धन के कार्य
(Work of Environmental Management)

क्र.	सामाजिक-आर्थिक विकास	पारिस्थितिक सन्तुलन के उपाय	पर्यावरण संरक्षण कानून
1.	आर्थिक विकास पर्यावरणीय कीमत पर नहीं	भू-रसायन चक्र सुधार	वन संरक्षण
2.	संसाधनों का प्रयोग पुनर्जनन क्षमता तक	मानव पर्यावरण सहजीवता	मृदा संरक्षण
3.	अनवीकृत संसाधनों का प्रयोग दीर्घ-कालीन (आने वाली पीढ़ियों के प्रयोग हेतु)	नवीन पर्यावरण प्रौद्योगिकी	खनिज संरक्षण
4.	पारिस्थितिक सन्तुलन तक ही प्रयोग	अन्तर्राष्ट्रीय कल्याण	वन्य प्राणी संरक्षण
5.	स्वतः शुद्धिकरण क्षमता बनाए रखने तक प्रयोग	मानव वन्य जीव सहवास	जल संरक्षण

पर्यावरण प्रबन्धन के सिद्धान्त
(Principles of Environmental Management)

1. पृथ्वी पर मानवीय आर्थिक विकास हेतु ऐसी वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग करना, जिससे पारिस्थितिक सन्तुलन कायम रहे.
2. पृथ्वी पर मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए **वन, वन्य प्राणी व प्राकृतिक संसाधनों के विनाश को नियंत्रित** करना.
3. **प्राकृतिक संसाधन**–**जीव** दोनों का साम्य बनाए रखने के लिए पर्यावरण प्रबन्धन की हरसम्भव तकनीक प्रयोग करना.
4. **प्राकृतिक अपघटन** को भी वैज्ञानिक तकनीक व मानवीय कौशल से नियन्त्रित करना.
5. पृथ्वी गृह पर **जैविक-अजैविक** क्रियाओं से पर्यावरण अपघटन को नियंत्रित करना. प्राकृतिक-संसाधनों का सर्वोत्तम मानवीय उपयोग.
6. पृथ्वी के **जैविक-अजैविक संसाधनों** के अनियोजित दोहन (दुरुपयोग) को नियंत्रित करना. इसके लिए पर्यावरण प्रदूषण के मानक, पर्यावरण संरक्षण कानून आदि को कठोरता से लागू करना.
7. पर्यावरण जागरूकता हेतु पर्यावरण शिक्षा, शोध, प्रचार-प्रसार करना.
8. कोयला, जैव-ईंधन, पेट्रोलियम जैसे समाप्त होने वाले एवं पर्यावरण प्रदूषकों के स्थान पर **अक्षय ऊर्जा स्रोत (सूर्य प्रकाश, पवन ऊर्जा, समुद्री लहर ऊर्जा) व नवीकरणीय स्रोतों** से ऊर्जा प्राप्ति को बढ़ावा देना.
9. प्रकृति के भू-रसायन चक्रों [N_2–चक्र, O_2–चक्र, CO_2–चक्र] को व्यवस्थित करने पर ध्यान देना.
10. **प्रकृति ह्रास (पर्यावरण-अपघटन)** का तकनीकी ह्रास मूल्यांकन समय-समय पर करते रहना.

पर्यावरण प्रबन्धन का सर्वप्रमुख पक्ष पर्यावरण शिक्षा एवं शोध है. इसका कार्य पर्यावरण जागरूकता, प्रचार-प्रसार पर्यावरण शिक्षा को मूल शिक्षा की विषय सामग्री के साथ जोड़ना, नवीन तकनीकी खोज, पर्यावरणीय अपघटन व प्रदूषण पर शोध कार्यों को बढ़ावा देना प्रमुख है. पर्यावरण प्रबन्धन में पर्यावरण शिक्षा को सम्मिलित करने का उद्देश्य पृथ्वी पर समस्त पर्यावरणीय क्रियाओं को लेकर शिक्षण प्रशिक्षण तकनीक आदि पर कार्य किए जाते हैं. पर्यावरणीय शिक्षा प्रशिक्षण में पर्यावरणीय समस्याओं (ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीन हाउस प्रभाव, ओजोन छिद्र, अम्ल वर्षा) का हल खोजा जाता है. उदाहरण–प्रदूषण नियन्त्रण, वाहित जल का शोधन, अवशिष्ट निस्तारण आदि. पर्यावरण शिक्षा, शोध व सर्वेक्षण का प्रारम्भ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर **सन् 1972 स्टॉकहोम, (स्वीडन)** सम्मेलन से हुआ. वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वावधान में **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम** (UNEP) की स्थापना हुई. इसके द्वारा गठित **शोध सर्वेक्षण दल** में 50 सदस्य

शेष पृष्ठ 758 पर

पर्यावरण प्रबन्धन के चार चरण
(Four Steps of Environment Management)

क्र.	(A) क्षेत्र चयन	(B) शोध सर्वेक्षण	(C) ह्रास मूल्यांकन	(D) ह्रास पूर्ति उपाय
1.	जल प्रबन्धन	पारिस्थितिकीय जातीय सर्वेक्षण	ऐतिहासिक मूल्यांकन	पर्यावरण शिक्षा प्रसार
2.	वन्य प्राणी संरक्षण	पारिस्थितिकीय वर्ग सर्वेक्षण	सामाजिक मूल्यांकन	पर्यावरण शोध
3.	वन प्रबन्धन	परिवासों का सर्वेक्षण	आर्थिक हानि मूल्यां-कन	आम-जनजागृति
4.	समुद्री जीव प्रबन्धन	नमूना आधार सर्वेक्षण	मानवीय उपयोगिता पर मूल्यांकन	सरकारी कानूनी प्रयास
5.	खनिज तेल प्रबन्धन	प्राकृतिक सीमांओं का सर्वेक्षण	परिवास हनन पर मूल्यांकन	बजट प्रावधान
6.	शक्ति संसाधन प्रबन्धन	महाद्वीपीय आधार पर सर्वेक्षण	उपभोक्ता चक्रीय आधार पर मूल्यांकन	भविष्य की योजनाएं
7.	प्रदूषण नियन्त्रण प्रबन्धन	पारिस्थितिक गणना सर्वेक्षण	बायोम आधार पर मूल्यांकन	अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास

समसामयिक लेख

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की येकाटेरिनबर्ग यात्रा

✍ गिरीश चन्द्र पाण्डे

मूल शंघाई सिक्स राष्ट्रों यानी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) का दो-दिवसीय शिखर सम्मेलन और चार देशों (ब्राजील, रूस, भारत और चीन) यानी BRIC का पहला शिखर सम्मेलन रूस की यूराल पहाड़ियों के बीच बसे शानदार शहर येकाटेरिनबर्ग में 15–16 जून को सम्पन्न हुआ. दोनों बैठकों में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भाग लिया. यह दूसरी बार प्रधानमंत्री का पद सँभालने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा थी. जहाँ एससीओ में भारत की उपस्थिति पाकिस्तान, ईरान, मंगोलिया की भाँति पर्यवेक्षक के बतौर थी और अफगानिस्तान जिसमें अतिथि के बतौर आमंत्रित किया गया था, जबकि श्रीलंका व बेलारूस को वार्ता भागीदार का दर्जा इस शिखर सम्मेलन में प्रदान किया गया. वहीं ब्रिक में भारत ने सदस्य के रूप में भाग लिया.

एससीओ शिखर सम्मेलन

स्मरणीय है कि एससीओ की स्थापना 2001 में हुई थी और भारत पर्यवेक्षक के रूप में 2005 में इसमें शामिल हुआ था. अब तक की 5 वार्षिक बैठकों में भारत बराबर भाग लेता रहा है, परन्तु पहली बार उच्च स्तर पर प्रधानमंत्री ने इस सम्मेलन में भाग लिया. यह सम्मेलन भारत के लिए इस रूप में भी महत्वपूर्ण है कि स्वयं एससीओ ने अपने कोर एजेंडे में पर्यवेक्षक के बतौर भारत की महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित की है. यह भी उल्लेखनीय है कि भारत का एससीओ के प्रति सैन्य तथा सामरिक रणनीति तथा राजनीतिक मुद्दों से कोई लगाव नहीं है, बल्कि वह इस संगठन के देशों के साथ व्यापार, आर्थिक और सांस्कृतिक सम्बन्धों की मजबूती का पक्षधर है. एससीओ के राट्राध्यक्षों को अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने मौजूदा वैश्विक वित्तीय संकट का उल्लेख करते हुए पारस्परिक आर्थिक सहयोग बढ़ाकर टिकाऊ विकास की अवधारणा को ठोस आकार देने की आवश्यकता जताई. आतंकवाद, कट्टरतावादी विचारधारा और गैर-कानूनी तरीके से नशीले पदार्थों की तस्करी को सदस्य देशों हेतु घातक बताते हुए प्रधानमंत्री ने संगठन के देशों में आपसी तालमेल पर बल दिया, ताकि मौजूदा वैश्विक आर्थिक संकट को बेहतर आर्थिक सहयोग में बदला जा सके. प्रधानमंत्री का स्पष्ट मत था कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक संकट से पिछली आर्थिक उपलब्धियों को खतरा है, इसलिए सदस्य देशों के साथ पर्यवेक्षकों को मिलकर वित्तीय संस्थाओं और विश्व का संचालन कर रहे संगठनों में सुधार के प्रयास करने चाहिए, ताकि बदलती परिस्थितियों से मुकाबला किया जा सके. प्रधानमंत्री ने स्थायी विकास के सिद्धान्त को एक ठोस आकार देने में जरा भी देर न करने और विकासशील देशों को वित्तीय संसाधनों और विशेषकर आई टी, ऊर्जा, परिवहन, विनिर्माण और कृषि क्षेत्र में पर्यावरण अनुकूल टेक्नॉलोजी की आवश्यकता पर भी जोर दिया. उन्होंने एससीओ के पास मौजूदा विशाल बड़ा बाजार, विस्तृत औद्योगिक आधार, प्रतिभाशाली मानव संसाधन तथा इन सबसे ऊपर राजनीतिक इच्छा शक्ति का उल्लेख करते हुए इनके समुचित दोहन पर भी जोर दिया. आतंकवाद का उल्लेख करते हुए इसके उन्मूलन हेतु भी एससीओ से आग्रह किया.

शिखर सम्मेलन की मेजबानी करते हुए रूस के राष्ट्रपति दिमित्री मेदवदेव ने अपने उद्घाटन भाषण में भावी सहयोग के लिए प्राथमिकताओं का निर्धारण करते हुए क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक वित्तीय संकट पर चर्चा शुरू की और पर्यवेक्षक राष्ट्रों को पूर्ण सदस्य के रूप में सम्मेलन में शामिल करने का प्रस्ताव किया. रूस के राष्ट्रपति का यह कथन उल्लेखनीय है कि बिना पाकिस्तान में आतंकवाद का उन्मूलन किए अफगानिस्तान में आतंकवाद पर काबू नहीं पाया जा सकता. इसमें दो राय नहीं कि एससीओ में भारत, रूस और चीन की विशेष भूमिका है, परन्तु इसके साथ ही यह वास्तविकता है कि ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान तथा भारत जैसे राष्ट्रों के एससीओ के पूर्ण सदस्य बन जाने से आतंकवाद के उन्मूलन के प्रयासों में तेजी आ सकती है और इन देशों में उपलब्ध अपार ऊर्जा, खनिज सम्पदा तथा मानव शक्ति का यथोचित दोहन होकर एससीओ विकास का एक मॉडल बन सकता है.

सम्मेलन के दौरान एससीओ के नेताओं द्वारा आतंकवाद के खिलाफ समझौते पर हस्ताक्षर करना भी महत्वपूर्ण है जिसमें आतंकवाद निरोधी बलों के प्रशिक्षण तथा अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा और सूचना सहयोग पर जोर है. उल्लेखनीय है कि एससीओ के देशों में अलकायदा का असर गम्भीर चिन्ता का विषय है जो मध्य एशिया और पूर्वी चीन तक फैला है. रूस का बड़ा इलाका आतंकवाद की चपेट में है जिस तरह के तालिबान हमले पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर इलाके में हो रहे हैं वैसे ही उज्बेकिस्तान और पूर्वी चीन में अक्सर होते रहते हैं. यह भी उल्लेखनीय है कि अलकायदा से निपटने और अफगानिस्तान की हालत सुधारने में ईरान की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती है. चूँकि अमरीका भी अलकायदा से सहमा हुआ है, इसलिए अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की काहिरा में अपने उद्बोधन में मुसलमानों के प्रति दिखाई गई सदाशयता में अप्रत्यक्ष रूप से ईरान से अपने पारस्परिक सम्बन्धों में सुधार लाने की इच्छा ही परिलक्षित होती है. इसके अलावा, एससीओ के सदस्यों के वित्तीय संस्थाओं की अधिक निगरानी और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग पर भी जोर दिया. उन्होंने एक ऐसी निष्पक्ष और तर्कसंगत अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था कायम करने का आह्वान किया जो विश्व समुदाय के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर चले. शिखर सम्मेलन के बाद जारी साझा बयान में सुरक्षा के प्रति बढ़ते खतरों, वैश्विक खाद्य संकट, खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे आम लोगों के जीवन से जुड़े क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मामलों का प्रभावी निदान तलाशने की महत्ता भी रेखांकित की गई.

ब्रिक शिखर सम्मेलन

शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व की चार सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिक ने विश्व के विकसित राष्ट्रों से अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के नेतृत्व में अपना हिस्सा माँगा. ये देश अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक-प्रणाली में भी फेरबदल के इच्छुक दिखे. इसके अलावा, इन देशों ने जैविक ईंधन को लेकर विकसित देशों की होड़ पर भी चिन्ता व्यक्त की और इस सम्बन्ध में एक पारदर्शी नीति की जरूरत भी बताई. यह पहला मौका था जब जैविक ईंधन के मसले पर किसी बहुपक्षीय मंच से विचार-विमर्श हुआ. इसका कारण सम्भवतः कृषि अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के प्रति सदस्यों द्वारा चिन्तित होना है. इसीलिए उन्होंने जैव ईंधन उत्पादन को खाद्य सुरक्षा की कसौटी पर कसने का आह्वान किया तथा कृषि अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा पर अलग-अलग प्रस्ताव पारित किए. ब्रिक

ने संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद् हेतु भारत और ब्राजील की स्थायी सदस्यता के दावे का भी समर्थन किया. स्मरण रहे कि ब्रिक के शेष दो देश रूस और चीन पहले ही सुरक्षा-परिषद् में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल हैं.

यह भी उल्लेखनीय है कि हाल में ब्रिक देशों ने आईएमएफ में अपनी जिम्मेदारी बढ़ाकर अपनी हैसियत का मान विश्व के देशों को कराया है. चारों देशों के पास डॉलर का अच्छा भण्डार भी है. इसलिए वे वैश्विक मंदी का सामना करने में काफी हद तक सक्षम भी हुए हैं. अब उनका विचार एक-दूसरे के बाँडों तथा मुद्राओं की खरीद का भी है, ताकि अमरीकी डॉलर पर निर्भरता घटे और क्षेत्रीय करेंसी को प्रोत्साहन मिले. रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवदेव ने 'सुपर-नेशनल करेंसी' के सृजन पर जोर दिया जो डॉलर को चुनौती देने में सक्षम हो सके. रूसी राष्ट्रपति ने चीन सहित अन्य शंघाई समूह के देशों को भी आह्वान किया कि वे अपने पारस्परिक व्यापार में एक-दूसरे की करेंसी का उपयोग करें. सम्मेलन में उनका यह आह्वान भी महत्वपूर्ण है कि ब्रिक देश विश्व के आर्थिक संकट का समाधान खोजेंगे और नए ढंग से वित्तीय व्यवस्था करेंगे. इस हेतु ब्रिक देशों के बैंकर्स और अन्य वित्तीय

ब्रिक (BRIC) शिखर सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा, रूसी राष्ट्रपति दमित्री मेदवेदेव, चीनी राष्ट्रपति हू जिंताओ व भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह

अधिकारी आपसी विचार-विमर्श से ठोस कार्ययोजना तैयार कर उसे आगामी जी–20 की बैठक में प्रस्तुत करेंगे. निःसन्देह दुनिया की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ब्रिक देशों में विश्व के विकास का इंजन बनने की पूरी सम्भावना है. ब्रिक दुनिया के सबसे बड़े उत्पादन क्षेत्र और बाजार का प्रतिनिधित्व करता है. इसे इस तथ्य से भी समझा जा सकता है कि जहाँ वैश्विक मंदी के बावजूद भारत और चीन की जीडीपी विकास दर क्रमशः 4 प्रतिशत और 6 प्रतिशत रही, वहीं जी–8 के धनी और समृद्ध देशों में मंदी बरकरार रही. एक अनुमान के अनुसार 2003 से अब तक ब्रिक के कारोबार में लगभग 500 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और दुनिया की लगभग 65 प्रतिशत प्रगति का श्रेय ब्रिक को जाता है.

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने ब्रिक सम्मेलन में अपने सम्बोधन में जिन महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर सदस्य देशों का ध्यान आकृष्ट किया वे हैं– डब्ल्यूटीओ की दोहा वार्ता जल्दी सम्पन्न हो, व्यापार पर अनावश्यक पाबंदियाँ खत्म हों, विश्व को वित्तीय संकट से बचाने हेतु पूर्व चेतावनी प्रणाली का विकास किया जाए तथा विश्व बैंक तथा आईएमएफ सरीखी अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं का पुनर्गठन हो जिसमें मताधिकार पर विशेष जोर दिया गया. कहना न होगा कि अभी जी–8 सदस्यों के पास अन्य देशों से ज्यादा मताधिकार है जिस वजह से वे इन संस्थाओं का उपयोग अपने हित साधन में करते आए हैं.

प्रधानमंत्री की इतर वार्ता

दोनों सम्मेलनों के दौरान प्रधानमंत्री ने एससीओ और ब्रिक देशों के राष्ट्राध्यक्षों से इतर वार्ता भी की. रूस में विश्व के मीडिया कर्मियों की उपस्थिति में ही पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के साथ केवल आतंकवाद का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि पाकिस्तान ने जिस प्रकार की प्रतिबद्धता अपने देश में तालिबान तथा अलकायदा से निपटने में दिखाई है, वैसी ही वह भारत के खिलाफ उसकी जमीन से संचालित आतंकवादी गतिविधियों के विरुद्ध दिखाए. प्रधानमंत्री का यह भी कहना था कि यदि पाकिस्तान वास्तव में शान्ति के रास्ते पर चलने का साहस, प्रतिबद्धता और कूटनीतिक सूझबूझ दिखाए, तो भारत दोगुने प्रयास से आगे बढ़ने को तैयार है. उल्लेखनीय है कि दोनों नेताओं के बीच शीर्ष स्तर की वार्ता 26/11 के मुम्बई हमले के बाद पहली बार हुई. इसलिए पूरी बातचीत मुम्बई हमले और सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों पर ही केन्द्रित रही. प्रधानमंत्री ने मुम्बई आक्रमण के प्रमुख आरोपी और जमात-उद-दावा के मुखिया मोहम्मद सईद की रिहाई पर भी निराशा व्यक्त की. साथ ही आतंकवाद के मसले पर दोनों देशों के विदेश सचिवों की शीघ्र ही बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया. स्मरणीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सम्बन्धों में तनाव का मुख्य कारण आतंकवाद ही है जिस वजह से 2004 में प्रारम्भ की गई समग्र वार्ता 2007 में आकर रुक गई. जैसाकि विदित ही है कि 2004 में तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के साथ भारत के लिखित करार होने के बावजूद कि पाकिस्तान की धरती का इस्तेमाल भारत के विरुद्ध नहीं किया जाएगा, पाकिस्तान बराबर अपने देश की खस्ता हाल से जनता का ध्यान बंटाने हेतु कश्मीर का राग अलापता रहा है और इस बहाने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को भारत में आतंकवादी गतिविधियाँ फैलाने हेतु प्रेरित करता है.

इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने रूस, चीन, ब्राजील तथा मध्य एशिया के चारों देशों के साथ आपसी हित के मसलों पर पारस्परिक विचार-विमर्श किया और सम्बन्धों में और घनिष्ठता लाने की वचनबद्धता व्यक्त की. चीन के राष्ट्रपति हू जिनताओ के साथ अपनी मुलाकात में सीमा से सम्बद्ध मुद्दों पर दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच 7 अगस्त को होने वाली बातचीत की रूपरेखा तय की गई.

ब्रिक देश और भारत

भारत और ब्राजील–ब्राजील के साथ भारत के सम्बन्ध सौहार्दपूर्ण रहे हैं और दोनों देश विश्व की उभरती अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं. ब्रिक के अलावा दोनों देश इब्सा, जी–20, जी–5, जी–8 और डब्ल्यूटीओ जैसी संस्थाओं से जुड़े हैं और विश्व मंच पर अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं. ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा का स्पष्ट मत है कि विश्व पटल में उभरते दो महत्वपूर्ण विकासशील देशों को विश्वास में लिए बिना नई वैश्विक आर्थिक व्यवस्था की कल्पना नहीं की जा सकती. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापारिक क्षेत्र में दोनों देशों के बढ़ते महत्त्व को ध्यान में रखते हुए ब्राजील के राष्ट्रपति का यह भी मानना है कि बड़े यानी विकसित देशों को हमारे साथ बैठना चाहिए और हमसे आपसी लेन-देन सुनिश्चित करना चाहिए.

यद्यपि भारत का ब्राजील के साथ द्विपक्षीय व्यापार आशानुरूप नहीं है, फलतः वह भारत के मुख्य व्यापारिक भागीदारों में शामिल नहीं है, परन्तु इस दिशा में देशों की ओर से प्रयास जारी हैं. भारत तथा ब्राजील द्वारा संयुक्त रूप से गठित मुख्य कार्यपालक अधिकारियों के मंच में द्विपक्षीय व्यापार को 2010 तक 10 बिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है. अभी दोनों देशों के बीच व्यापार लगभग 2·4 बिलियन डॉलर है. स्मरणीय है कि इस मंच में दोनों के व्यावसायिक समुदाय के लोग शामिल हैं. हमें ब्राजील के साथ द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने हेतु व्यापार में विविधता लानी होगी जो अभी कम मूल्य वर्धित उत्पादों तक सीमित है. ब्राजील द्वारा भारत को अपने देश में विकसित जैव-ईंधन टेक्नोलॉजी के हस्तान्तरण पर सहमति व्यक्त की गई है जो खुशी की बात है. साथ ही कृषि पैदावार में

भी भारत के साथ ब्राजील सहयोग का इच्छुक है. निःसन्देह भारत को इन दोनों क्षेत्रों में सहयोग की दरकार है. यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ब्राजील को फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र में सहयोग के अलावा इन्जीनियरिंग क्षेत्र में सहयोग कर सकता है. दोनों देशों के बीच खाद्य प्रसंस्करण, ऑटो कल पुर्जे, खनन, नागर विमानन, चिकित्सा उपस्कर, आधारभूत संरचना क्षेत्र और रेलवे उपस्करों में भी सहयोग की पर्याप्त सम्भावनाएं हैं. उल्लेखनीय है कि ब्राजील की खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी महारत हासिल है. भारत जहाँ कुल उत्पादन का 2 प्रतिशत प्रसंस्कृत कर पाता है वहीं ब्राजील लगभग 70 प्रतिशत प्रसंस्कृत करता है. जहाँ तक ऊर्जा के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग का प्रश्न है भारत की ओएनजीसी तथा ब्राजील की पेट्रोब्रास के बीच समझौता पहले ही हो चुका है. जिसके तहत् भारत तथा ब्राजील के समुद्री तटीय खण्डों के दोहन में सहमति बनी है. ब्राजील के साथ पिछले 4 वर्षों में रक्षा, अन्तरिक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यटन, संस्कृति तथा जैव ईंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में 41 समझौते निष्पन्न किए गए हैं.

भारत और रूस–भारत और रूस के बीच घनिष्ठ सम्बन्धों का अंदाजा प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के उस वक्तव्य से लगाया जा सकता है जिसमें उन्होंने रूस को ''जाँचा-परखा मित्र'' कहा है. रूस जहाँ भारत को संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने का पक्षधर रहा है, वहीं भारत पिछले 16 वर्षों से रूस की डब्ल्यूटीओ में सहभागिता के लिए प्रयासरत् है. गौरतलब है कि रूस अभी डब्ल्यूटीओ का सदस्य नहीं बना है. यद्यपि हाल में तेल की कीमतों में भारी गिरावट से पेट्रो राष्ट्र बनने में रूस को दिक्कत महसूस हो रही है, परन्तु यह भी हकीकत है कि हाइड्रोकार्बन के विशाल भण्डार की वजह से ही विघटन के बाद टुकड़ों में बँटा तत्कालीन सोवियत संघ जिसे बाद में रूस नाम से जाना गया, सँभला है और उसने अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाई. चूँकि रूस प्राकृतिक संसाधनों, उपजाऊ खेती और धातुओं के मामले में समृद्ध है. सोने के विशाल भण्डार के साथ ही इमारती लकड़ी की वहाँ प्रचुरता है, नाभिकीय तथा मिसाइल महाशक्ति के रूप में उसकी गणना की जाती है इसलिए भारत की रूस के साथ अभी सहयोग की अधिक सम्भावना है. कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाले भारत देश में भी प्राकृतिक संसाधनों के अपार स्रोत हैं और भारत की युवा शक्ति का सेवा क्षेत्र में योगदान जगजाहिर है, इसलिए भारत के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध रूस के लिए भी उपयोगी हैं.

परन्तु इसके बावजूद भारत और रूस के बीच अभी द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने की जरूरत है. दोनों देशों के बीच व्यापारिक अड़चनों में उचित कनेक्टिविटी का अभाव और वीजा प्रक्रियाओं की जटिलता का होना है. फिर भी दोनों देश अपने मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार को 3 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2010 तक 10 बिलियन डॉलर तक ले जाने को प्रतिबद्ध हैं.

भारत और चीन–यह सत्य है कि हमारी तमाम सद्भावनाओं के बावजूद चीन का रवैया हमारे प्रति सौहार्दपूर्ण नहीं रहा है. फिर चाहे वह अरुणाचल प्रदेश का सीमा विवाद हो, एनएसजी या एशियाई विकास बैंक की बैठक या संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता का मामला. चीन आज भी अरुणाचल प्रदेश को भारत का अंग नहीं मानता. इसलिए उसने अरुणाचल प्रदेश में पनबिजली परियोजना हेतु भारत द्वारा एशियाई विकास बैंक से माँगे जाने वाले 60 मिलियन डॉलर कर्ज का विरोध किया और बैंक पर यह दबाव भी बनाया कि वह भारत को 2·9 बिलियन डॉलर की विकास निधियों के संवितरण में सावधानी बरते. स्मरण रहे कि अमरीका और जापान के बाद एशियाई विकास बैंक भारत का सबसे बड़ा डोनर है. चीन ने भारत को यह भी धमकी दी है कि भारत इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति न बढ़ाए अन्यथा चीन भी बदले की कार्रवाई करने के लिए विवश होगा. यहाँ उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि भारत ने अभी चीन सीमा से लगे तेजपुर में भारतीय वायुसेना के चार अत्याधुनिक सुखोई–30 लड़ाकू विमानों को तैनात किया है. यह भी उल्लेखनीय है कि भारत-चीन के बीच सीमा मसले पर विशेष प्रतिनिधियों के बीच 13वें दौर की बातचीत पिछले सितम्बर माह से रुकी है. इससे पहले वार्ता के 12 दौर सम्पन्न हो चुके हैं. वार्ता में अवरोध का कारण अरुणाचल प्रदेश के तवांग इलाके में चीन द्वारा अपना दावा प्रस्तुत करना है. इससे ज्यादा आश्चर्य की बात और क्या होगी कि भारत ने चीन को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता हेतु बिना शर्त समर्थन देकर सुरक्षा परिषद् के 5 स्थायी सदस्यों में सम्मिलित कर दिया, लेकिन जब भारत की बारी आई तो वह उसका विरोध कर रहा है. इसके अलावा, चीन, अरुणाचल प्रदेश को तिब्बत भूभाग का अंग मानकर तवांग पर हक जमाने की कोशिश करता रहा है. चीन के साथ भारत का सीमा विवाद ब्रिटिश राज की ''फूट डालो और शासन करो'' मनोवृत्ति का फल है जिसके तहत् नक्शे पर तो मैकमोहन रेखा खींच दी गई, लेकिन उसे जमीन पर अमली जामा नहीं पहनाया जा सका. इसके अलावा, चीन द्वारा नदियों, विशेष रूप से ब्रह्मपुत्र, को मोड़ने की योजना भी खतरनाक है. हिमालय क्षेत्र में चीनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा नियमित रूप से आक्रामक गश्त लगाना और सरकारी नियंत्रण वाले चीनी मीडिया में भारत के खिलाफ हमलावर रुख अपनाना भी भारत के लिए चिन्ता का कारण है. उल्लेखनीय है कि गंगा को छोड़कर एशिया की तमाम बड़ी नदियों का उद्गम स्थल चीनी नियंत्रण वाला तिब्बत क्षेत्र है. इसलिए चीन द्वारा नदियों के स्वाभाविक बहाव में व्यवधान पैदा करने से भारत को न केवल पानी की तंगी का सामना करना पड़ेगा प्रत्युत इससे एक और विवाद जन्म लेगा. अपनी विस्तारवादी नीति की वजह से ही चीन के सोवियत संघ, वियतनाम, जापान, ताइवान, दक्षिण कोरिया सभी के साथ टकराव रहा है. चीन ने 1962 के युद्ध में लद्दाख पर हमारी जमीन पर कब्जा जमाने के साथ ही उसने पाकिस्तान से भारत के कब्जे वाले भूभाग का बड़ा हिस्सा उपहार रूप में प्राप्त किया. वह पाकिस्तान को दशकों से शान्तिपूर्ण उद्देश्य हेतु तकनीकी सूचना उपलब्ध कराने के बहाने 80 के दशक से परमाणु कार्यक्रमों में मदद देता रहा है और उसने फ्रांस, रूस से परमाणु रिएक्टर आयातित कर उन्हें पाकिस्तान को दिया है. निश्चित तौर पर भारत को चीन से मुकाबला करने हेतु बहुआयामी प्रयत्नों की जरूरत है जिसमें कूटनीतिक प्रयास के साथ ही आर्थिक और सैन्य ताकत में बढ़ोतरी करना शामिल है.

लेकिन इन सब गतिरोधों के बावजूद चीन के साथ पिछले लगभग 10 वर्षों से सामरिक तथा आर्थिक क्षेत्र में प्रगाढ़ता आई है. दोनों देशों की जी–20, जी–8 तथा डब्ल्यूटीओ की बैठकों में सक्रिय भागीदारी तथा वहाँ पर विचारों में साम्यता रही है. डब्ल्यूटीओ में दोनों देश मुक्त, निष्पक्ष, समतापूर्ण तथा पारदर्शी नियम आधारित बहुपक्षीय व्यापार-प्रणाली के पक्षधर रहे हैं. अभी चीन ने भारत से खेती की नई तकनीक और मार्केटिंग की जानकारी सीखने में भी अपनी उत्सुकता दिखाई है जिससे निःसन्देह दोनों देशों की गरीबी उन्मूलन में सहायता मिलेगी. पहले ही भारत ने चीन के सुदूरवर्ती पिछड़े निंगजिया प्रान्त में किसान प्रशिक्षण व सूचना केन्द्र स्थापित करने में मदद की है. ब्रिक सम्मेलन के दौरान आपसी सहमति से दोनों नेताओं के बीच हॉट लाइन भी प्रारम्भ हो गई है. दोनों देशों के बीच व्यापार को 2010 तक 60 बिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है. गौरतलब है कि चीन के साथ द्विपक्षीय व्यापार पिछले दो वर्षों में दोगुना हुआ है और 2008 तक निर्धारित 20 बिलियन अमरीकी डॉलर के लक्ष्य को समय से दो वर्ष पूर्व प्राप्त कर लिया गया है.

दृष्टिकोण

निष्कर्ष रूप में ब्रिक और एससीओ किसी को भी एक क्षेत्रीय आर्थिक समुदाय नहीं माना जा सकता. ये दोनों संस्थाएं शीत युद्ध की समाप्ति के बाद और अमरीका के एकध्रुवीय आधिपत्य से मुक्त होकर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की पक्षधर हैं. लेकिन अमरीका से इनका कोई विरोध नहीं है. साथ ही दोनों समूह विश्व की आम समस्याओं, **यथा**– महामारी, प्राकृतिक आपदा, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, संयुक्त राष्ट्र में सुधार के अलावा अन्तर्राष्ट्रीय वित्त व्यवस्था के पुनर्गठन की हिमायती है. दोनों समूहों में रूस जैसे विकसित राष्ट्र के साथ दक्षिण एशिया की दो उभरती अर्थव्यवस्थाएं भारत और चीन का जुड़ना महत्वपूर्ण है. ब्रिक समूह के देश न केवल विश्व की लगभग आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि विश्व का 25 प्रतिशत भू-भाग इनके अन्तर्गत आता है. विश्व की 40 प्रतिशत की आबादी को अपने में समेटे ब्रिक समूह का विश्व के जीडीपी में लगभग 40 प्रतिशत का योगदान है. इसलिए स्वभावतः ब्रिक की सम्मिलित आवाज को नजरअंदाज करना मुश्किल है.

प्रधानमंत्री का इन दोनों समूहों के शिखर सम्मेलन में भागीदारी से भारत के रूस और चीन के साथ ही मध्य एशिया के दूसरे पड़ोसियों के साथ भी सम्बन्ध मजबूत होंगे, क्योंकि इन सभी देशों के साथ भारत के पारस्परिक हित जुड़े हैं, **जैसे**–ऊर्जा, सुरक्षा, आधारभूत संरचना, कृषि, परिवहन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग के साथ आतंकवाद और उग्रवाद के उन्मूलन में भी एससीओ के साथ भारत की भागीदारी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है और विशेषकर ईरान तथा मध्य एशिया के राष्ट्र हमारी ऊर्जा माँग की पूर्ति कर सकते हैं. कजाकिस्तान को ही लें. वहाँ यूरेनियम के विशाल भण्डार छिपे हैं. इसके अलावा भारत आधारभूत संरचना के क्षेत्र में विशेषकर सड़क, विद्युत् क्षेत्र में मध्य एशिया को सहायता प्रदान कर सकता है, क्योंकि वहाँ ढाँचागत विकास की अभी काफी सम्भावनाएं हैं. इसके अतिरिक्त, कृषि, परिवहन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में भारत इन देशों के साथ भागीदारी कर सकता है. जब 6 माह पूर्व कजाकिस्तान के राष्ट्रपति भारत में 26 जनवरी को विशेष अतिथि के रूप में आए थे, तो उन्होंने गैस आधारित उर्वरक प्लांट कजाकिस्तान में लगाने की पहल की थी, ताकि उनका कृषि विकास हो. यह भी महत्वपूर्ण है कि एससीओ के 4 मध्य एशिया देश विकासशील राष्ट्रों में आते हैं, जबकि रूस व चीन काफी आगे निकल चुके हैं सम्मेलन में एससीओ के साथ रीजनल एंटी टैररिस्ट स्ट्रक्चर यानी रैट्स सहित संयुक्त सैन्य अभ्यास करना भी प्रस्तावित है. यद्यपि रूस, चीन के साथ भारत के साझा अभ्यास जारी हैं, परन्तु मध्य एशिया के साथ भी यदि यह पहल प्रारम्भ की जाए, तो भारत को आतंकवाद के विरुद्ध साझा लड़ाई लड़ने में सहायता मिलेगी. इसी प्रकार ब्रिक में भी ब्राजील तथा रूस के साथ हमारे सम्बन्ध निरन्तर प्रगाढ़ होते रहे हैं. यदि चीन के साथ अरुणाचल प्रदेश का सीमा विवाद सुलझ जाए, तो वह दिन दूर नहीं कि ब्रिक समूह विश्व के धनी और समृद्ध देशों के समूह जी–8 के साथ कदमताल मिलाकर चलने में सक्षम होगा. ●●●

शेष पृष्ठ 705 का

निष्कर्ष

उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट होता है कि महिलाओं को सभी तरह के अधिकार दिए जाने के बावजूद भी महिलाओं पर शोषण एवं अत्याचार जारी है. आज महिलाएं अपने ही घर में सुरक्षित नहीं हैं और अपनों के द्वारा ही शोषण एवं अत्याचार का शिकार है. 21वीं सदी महिलाओं की सदी मानी जा रही है, किन्तु यह बात तभी सच साबित होगी जब महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक विकास का मार्ग प्रशस्त होगा और उनके अधिकारों का ग्राफ ऊँचा उठेगा, किन्तु ऐसा तभी सम्भव है जब पुरुष की मानसिकता एवं दृष्टिकोण में बदलाव आएगा. ●●●

DISCOUNT With FREE GIFTS
WELCOME To
National Book Fair
From 2nd to 11th Oct., 2009
At North Central Zone Cultural Centre, 14 C.S.P. Singh Marg
ALLAHABAD
Taj Agra Book Fair
From 2nd to 11th Oct., 2009
At Vaish Club Ground, M.G. Road
AGRA
Dainik Bhaskar Book Fair
From 31st Oct. to 8th Nov., 2009
At Bittan Market
BHOPAL
National Book Fair
From 31st Oct. to 8th Nov., 2009
At SMS Stadium
JAIPUR
UPKAR'S
CAREER BOOKS
India's Largest Selling Competition Books
प्रतियोगिता दर्पण हिन्दी मासिक
PRATIYOGITA DARPAN
सामान्य ज्ञान दर्पण
SCIENCE COMPETITION VISION

उपकार
नवीन प्रस्तुति
डाटा इन्टरप्रिटेशन एण्ड एनालाइसिस
कैट (CAT), मैट (MAT), एम.बी.ए., बैंक, संघ एवं राज्य लोक सेवा, एल.आई.सी., एस.एस.सी. तथा अन्य समकक्ष परीक्षाओं के लिए उपयोगी पुस्तक
लेखक : जे. पी. दीक्षित
कोड नं. 1492 मूल्य : 55/-
प्रमुख आकर्षण
✔ सारणीयन (Tabulation)
✔ पाई-चार्ट (Pie-chart)
✔ दण्ड आरेख (Bar Diagram)
✔ आयत चित्र (Histogram)
✔ वक्र चित्र (Curve Diagram)
आदि का विश्लेषण

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : publisher@upkar.in Website : www.upkar.in

जी-8 एवं जी-5 में भारत की भूमिका

जुलाई 2009 में इटली के लाक्विला शहर में सम्पन्न जी–8 और उसके द्वारा नामांकित 5 आउटरिच देशों का शिखर सम्मेलन कई मायनों में महत्वपूर्ण है. प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने इस शिखर सम्मेलन से पहले जी–8 की बैठक में भाग लिया था और जी–5 तथा जी–8 में भाग लेने वाले राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों से आपसी हित के मामलों के साथ-साथ वैश्विक मंदी और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया.

जी–5 बैठक

दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्था वाले 5 देशों के संगठन–भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और मैक्सिको ने अपनी बैठक में वैश्विक वित्तीय संस्थाओं के तुरन्त पुनर्गठन करने हेतु कदम उठाने का फैसला किया. इसके अलावा, विकासशील देशों हेतु और अधिक ऋण उपलब्ध कराने तथा जलवायु में होने वाले असामान्य परिवर्तन की समस्या से निपटने हेतु भी कदम उठाने का आह्वान किया. उन्होंने विश्वव्यापी आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि में समस्या के वैश्विक स्तर पर समाधान हेतु अपनी वचनबद्धता भी दोहराई. उनका स्पष्ट मत था कि अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं का मौजूदा ढांचा विश्व का सही तरीके से प्रतिनिधित्व नहीं करता, क्योंकि इसमें विकासशील देशों को उचित महत्व नहीं मिला है. मौजूदा आर्थिक संकट हेतु विकसित देश पूर्णतः जिम्मेदार हैं, विकासशील देशों की इसमें कोई भूमिका नहीं है, लेकिन विश्व की समस्त अर्थव्यवस्थाएं आपस में गुंथी हैं, इसलिए किसी एक देश का असर दूसरे देश पर पड़ना लाजिमी है. इसलिए विकसित देश इस संकट का समाधान निकालने में विकासशील देशों के हितों का ख्याल रखें और उन्हें विश्वास में लें.

बैठक में खाद्य पदार्थों के उच्च मूल्य से विकासशील देशों पर पड़ने वाले प्रभाव को भी रेखांकित किया गया. प्रधानमंत्री ने कृषि तथा खाद्य सुरक्षा को वैश्विक मसला बताया और इसलिए इसे कोर ऑफ द इंटरनेशनल एजेंडा में शामिल करते हुए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि लघु सीमान्त किसान के हितों की रक्षा सुनिश्चित हो. उन्होंने विकास की ऐसी रणनीति बनाने की आवश्यकता बताई जिसके जरिए पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना बेहतर जीवन स्तर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके. निःसन्देह यहाँ नवीनतम टेक्नोलॉजी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी, इसलिए जी–5 देशों के मध्य स्वच्छ पर्यावरण सम्बन्धी टेक्नोलॉजी के हस्तान्तरण में सहयोग आवश्यक है.

मैक्सिको के राष्ट्रपति का मत था कि नए अन्तर्राष्ट्रीय ढांचे से अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय मामलों में विकासशील देशों की संतुलित भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा. साथ ही जी–5 देशों के नेताओं ने निश्चय किया कि वे विकासशील देशों को वित्तीय संसाधनों का पर्याप्त प्रवाह सुनिश्चित करने हेतु संरक्षणवादी दबावों का मुकाबला करते हुए मुक्त बाजार की आवश्यकता पर जोर देंगे. जी-5 के घोषणा-पत्र में विश्व व्यापार संगठन की दोहा दौर की वार्ता को सफलतापूर्वक सम्पन्न होने की आशंका भी व्यक्त की गई, ताकि विकासशील देशों की विकसित देशों के प्रति व्यापार के सम्बन्ध में विश्वास बहाली हो और विकासशील देशों को नुकसान पहुँचाने वाली संरक्षणवादी रुझान पर रोक लगे. निश्चित तौर पर इससे अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में विकासशील देशों की वस्तु और सेवाओं की पहुँच सही मायने में बढ़ेगी. जी-5 देशों ने विकसित देशों में निर्यात सब्सिडी को समाप्त करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया.

जी–8 शिखर सम्मेलन

शिखर सम्मेलन के मेजबान देश इटली के राष्ट्रपति सिल्वियो बर्लुस्कोनी ने दोनों समूहों की बैठक के शुरूआती भाषण में जी–8 के साथ जी–5 को मिलाकर एक संगठन बनाने का सुझाव दिया और कहा कि जी–8 और जी–5 विश्व की करीब 80 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए यदि यह अस्तित्व में आता है, तो यह भविष्य के लिए एक स्थिर एवं ठोस शक्ल अख्तियार कर सकता है और जिसकी भूमिका वैश्विक मुद्दों के निपटाने में महत्वपूर्ण होगी. फ्रांस और ब्राजील ने भी इसके गठन का समर्थन किया.

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का उद्बोधन : वैश्विक समस्याओं का वैश्विक समाधान

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का स्पष्ट मत था कि वैश्विक समस्याओं का समाधान वैश्विक सहयोग से ही किया जा सकता है. लेकिन यह तभी सम्भव है, जबकि विकासशील देशों की आवाज सुनी जाए. प्रधानमंत्री ने सम्मेलन में वैश्विक आर्थिक संकट का उल्लेख करते हुए कहा कि अपने हितों के संरक्षण की खातिर विकसित देशों में संरक्षणवाद की प्रवृत्ति पनपी है जिससे विकासशील देशों के ऋण और पूँजी प्रवाह पर असर पड़ा है और भारत जैसे विकासशील देशों के विकास लक्ष्यों की पूर्ति में बाधा पड़ी है. यह कैसी विडम्बना है कि इस मंदी के पीछे भारत का हाथ नहीं है, परन्तु उसका निर्यात इस वजह से बुरी तरह प्रभावित हुआ है. इस सम्मेलन में भारत को विश्व आर्थिक संकट के साथ विकास, खाद्य, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार वार्ता और अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में सुधार से सम्बद्ध प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर विचार रखने का मौका भी मिला. प्रधानमंत्री ने वैश्विक वित्तीय संस्थाओं के पुनर्गठन को मौजूदा वैश्विक मंदी का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करने हेतु आवश्यक बताया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता के दावे को सर्वथा न्यायोचित बताया. उन्होंने सुरक्षा परिषद् में वीटो के प्रश्न पर जर्मनी तथा जापान का उल्लेख करते हुए कहा कि यद्यपि दोनों देशों की अर्थव्यवस्था ब्रिटेन तथा फ्रांस से बड़ी है, परन्तु इसके बावजूद इन दो देशों की अर्थव्यवस्थाओं को सुरक्षा परिषद् में अभी तक स्थायी सदस्यता नहीं मिली है.

जलवायु परिवर्तन

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन पर रोक लगाने के साथ ही ग्लोबल वार्मिंग पर यथासम्भव रोक लगाने के प्रयासों के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराई. उल्लेखनीय है कि भारत ने पिछले वर्ष जून 2008 में प्रधानमंत्री द्वारा घोषित जलवायु परिवर्तन से सम्बन्धित राष्ट्रीय कार्य-योजना को प्राथमिकता के आधार पर अमल में लाने का आह्वान किया था. 11वीं पंचवर्षीय योजना में भी ऊर्जा की कार्यकुशलता के बढ़ाने पर जोर है. इन सबके बावजूद भारत द्वारा अभी पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में सहायक अक्षय ऊर्जा के स्रोतों का यथोचित दोहन नहीं हो पाया है. यदि इस दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं, तो भविष्य में एक शानदार ग्लोबल मार्केट की सम्भावना के मूर्त रूप ग्रहण करने में देर नहीं लगेगी. परन्तु हमें इमारतों, मोटर वाहनों और घरेलू उपकरणों में बिजली के सतर्क उपयोग पर बल देकर पर्यावरणीय चिन्ता को सदैव ध्यान में रखना होगा. आर्थिक प्रोत्साहन और दंड की नीति इस सम्बन्ध में काफी प्रभावी हो सकती है और केन्द्रीय तथा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को नए सिरे से पुनरुज्जीवित करने की भी आवश्यकता है. वानिकी के

साथ वन्य जीव संरक्षण पर जोर देना भी आज समय की माँग है. स्मरण रहे कि भारत ने जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने हेतु ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी के बारे में विकसित देशों द्वारा निर्धारित लक्ष्य को मानने से इनकार कर दिया है. भारत का स्पष्ट मत है कि मुख्यतः अमरीका और यूरोपीय देशों द्वारा ग्रीन हाउस गैसों का अधिक मात्रा में उत्सर्जन करने से ग्लोबल वार्मिंग की समस्या उत्पन्न हुई है. इसलिए उनकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वे विकासशील देशों की तरफ देखने के बजाय पहले अपनी ओर से ठोस पहल करें.

भारत ग्लोबल वार्मिंग की समस्या का समाधान प्रति व्यक्ति ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के फार्मूले के आधार पर करने का पक्षधर है. इसमें संदेह नहीं कि 1987 के मॉन्ट्रियल प्रोटोकोल ने विकासशील देशों के पर्यावरण प्रदूषण को घटाने में काफी योगदान दिया है, जबकि विकसित देशों की जीवन शैली की वजह से प्रति व्यक्ति ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में बराबर तेजी आई है. उन्होंने जहाँ एक ओर अपनी ओर से बराबर पर्यावरण को नुकसान पहुँचाया है, वहीं विकासशील देशों को प्रदूषण नियंत्रण तथा नियोजन तकनीक एवं उपकरण उपलब्ध नहीं कराए हैं. 1992 के जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रीय समझौते में भी इस हस्तान्तरण बावत स्पष्ट व्यवस्था की गई थी और कम-से-कम 7 प्रतिशत ऐसे उपकरण विकासशील देशों को उपलब्ध कराने थे, परन्तु 2007 तक यह 0·18 प्रतिशत ही उपलब्ध हो पाए हैं. इससे जलवायु परिवर्तन मुद्दे पर विकसित देशों की दोमुँही नीति का स्पष्ट पता चलता है. यह खुशी की बात है कि इस मुद्दे पर अमरीका तथा यूरोपीय देशों के दबाव से निपटने हेतु भारत और चीन एकमत हुए है. क्योंकि इन पर ही जलवायु के मुद्दे पर विकसित देशों की तरफ से भारी दबाव है. यहाँ यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा कि अमरीका सीनेट में अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के समक्ष जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी बिल लम्बित पड़ा है, जिसमें विकासशील देशों पर भेदभावपूर्ण कार्बन टैक्स लगाना प्रस्तावित है. निःसन्देह इससे इन देशों की विकास दर प्रभावित होगी और वहाँ गरीबी बढ़ेगी. 17 सदस्यीय मेजर इकोनोमिक फोरम ने अपनी बैठक में भारत और चीन सहित जी–5 के देशों में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करने का भारी दबाव बनाया है. यह भी उल्लेखनीय है कि क्योटो प्रोटोकोल के तहत् 36 औद्योगिक देश अनुबंध के रूप में वर्गीकृत हैं और उनसे अपेक्षा है कि वे 2008–12 के बीच अपने उत्सर्जन में 1990 के स्तरों से नीचे निर्धारित प्रतिशत तक कमी लाएं. लेकिन ब्रिटेन, जर्मनी तथा कुछ अन्य देशों को छोड़कर शेष ने अपनी वचनबद्धता पूर्ण नहीं की है, बल्कि वे उत्सर्जन में कमी लाने के आधार वर्ष को आगे खिसकाने में प्रयासरत् हैं. जहाँ अमरीका, आस्ट्रेलिया तथा जापान 1990 के बजाय 2005 को आधार वर्ष मानने के हिमायती हैं, वहीं भारत और चीन सहित कई यूरोपीय देश 1990 को ही आधार वर्ष मानने के पक्षधर हैं.

जी–8 की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि इसके सदस्य पहली बार धरती के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस से अधिक की असामान्य बढ़ोतरी न होने देने हेतु वचनबद्ध दिखे. उन्होंने इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु 2050 तक अपने उत्सर्जन में 80 प्रतिशत कटौती करने की आवश्यकता महसूस की, ताकि दुनिया के कुल कार्बन उत्सर्जन में 50 प्रतिशत की कमी लाई जा सके. अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने जलवायु परिवर्तन की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपने देश के साथ ही विकसित देशों से धरती के तापमान में कमी लाने का आग्रह किया और इस हेतु लक्ष्य निर्धारित करने की चेतावनी दी. उन्होंने धरती के तापमान में उक्त 2 डिग्री सेल्सियम से अधिक बढ़ोतरी न होने देने के प्रस्ताव का भी समर्थन किया. स्मरणीय है कि औद्योगिक युग शुरू होने के बाद से अब तक तापमान में 0·8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि पहले ही हो चुकी है. निःसन्देह ओबामा की यह पहल विश्व में कार्बन उत्सर्जन में रोक लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी. यह भी उल्लेखनीय है कि जलवायु परिवर्तन के सम्बन्ध में भारत के उस दृष्टिकोण के प्रति उचित रवैया अपनाया गया है कि जिसमें विकसित देशों के साथ प्रौद्योगिकी विकास तथा हस्तान्तरण में सहभागिता पर बल दिया गया है. यद्यपि पर्यावरण सुधार हेतु जी–8 के साथ जी–5 देशों ने भी एकजुटता प्रदर्शित की है और विकासशील देशों ने विकसित देशों से 2020 तक 40 प्रतिशत ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी का आग्रह किया है, परन्तु इस पर सर्वसहमति नहीं बनी है. लेकिन अमरीका द्वारा विकासशील देशों हेतु दूसरे आर्थिक स्रोत बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करना सराहनीय है कि जिसकी सहायता से विकासशील देश गैर कार्बन ऊर्जा उत्पादन की तकनीक इस्तेमाल कर सकेंगे. यहाँ अमरीकी राष्ट्रपति के उस कथन का उल्लेख करना समीचीन होगा जिसमें उन्होंने भारत जैसी प्रमुख शक्ति को साथ लिए बिना वैश्विक चुनौतियों से निपटने में विकसित देशों की असमर्थता व्यक्त की है. कहना न होगा कि उनके इस वक्तव्य से प्रधानमंत्री की संयुक्त राष्ट्र जैसे अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में सुधार के आह्वान को प्रत्यक्ष समर्थन मिला. संयुक्त राष्ट्र के महासचिव बान की-मून ने जी–8 के सदस्यों से अपील की कि उनकी यह ऐतिहासिक तथा राजनीतिक जिम्मेदारी है कि वे आर्थिक तथा तकनीकी रूप से कार्बन उत्सर्जन से निजात पाने में विकासशील देशों की मदद करें. उन्होंने जी–8 द्वारा इस दिशा में अब तक की गई कार्रवाई को अपर्याप्त बताया और जी–8 के नेताओं को कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने हेतु ठोस व महत्वाकांक्षी मध्यावधि लक्ष्य निर्धारित करने पर जोर दिया. गौरतलब है कि विकासशील देशों को कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने हेतु अद्यतन आधुनिक टेक्नोलॉजी के दरकार है जिस पर करीब सौ खरब डॉलर की जरूरत होगी जिसके लिए विकसित देश हाथ पीछे खींच रहे हैं.

आतंकवाद

आतंकवाद का उल्लेख करते हुए भारत ने विश्व के अग्रणी नेताओं से अपील की कि भारत पिछले तीन दशक से आतंकवाद का दंश झेल रहा है और पाकिस्तान की जमीन से आतंकवादी गतिविधियाँ बराबर संचालित की जाती रही हैं इसलिए विकसित देशों को पाकिस्तान पर दबाव बनाना चाहिए कि वह भारत के विरुद्ध अपनी जमीन से हो रही आतंकवादी गतिविधियों पर रोक लगाए. यह भी उल्लेखनीय है कि इस शिखर सम्मेलन के दौरान ही पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने अपने देश में यह स्वीकार किया है कि तात्कालिक फायदे हेतु उसने पाकिस्तान में आतंकवाद और कट्टरता को बढ़ावा दिया और अब उसके द्वारा पोषित आतंकवाद उसके देश को निगलने हेतु आतुर है.

खाद्य सुरक्षा

जी–8 देशों के इस शिखर सम्मेलन में विकसित देशों का खाद्य सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण में आया बदलाव भी महत्वपूर्ण है अन्यथा अभी तक वह इसे व्यापार से जोड़कर देखते थे. दुनिया के 27 देशों के शासनाध्यक्षों और राष्ट्राध्यक्षों तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों ने दुनिया की भुखमरी तथा गरीबी से मुक्ति दिलाने हेतु तत्काल निर्णायक कार्रवाई पर जोर दिया और अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था के साथ खाद्य का लक्ष्य हासिल करने हेतु इस कदम उठाने का संकल्प व्यक्त किया.

परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी)

यद्यपि जी–8 में एनपीटी में दस्तखत न करने वाले देशों जिसमें भारत भी शामिल है, को संवेदनशील परमाणु प्रौद्योगिकी का हस्तान्तरण न करने की बात भी सामने आई. निश्चित तौर पर यह अमरीकी दबाव था. परन्तु इससे भारत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह मुद्दा आईएईए तथा एनएसजी से सम्बद्ध है और यहाँ भारत ने पहले ही पूरी छूट प्राप्त कर ली है.

प्रधानमंत्री की इतर वार्ता

प्रधानमंत्री ने जी–8 शिखर सम्मेलन के दौरान अपनी इतर वार्ता में अमरीका के राष्ट्रपति बराक ओबामा, फ्रांस के राष्ट्रपति निकोलस सार्कोजी के अलावा ब्रिटेन के प्रधानमंत्री गोल्डन ब्राउन के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की. अमरीकी राष्ट्रपति ने जी–8 के शिखर सम्मेलन में पहली बार भाग लिया था, हालांकि प्रधानमंत्री के साथ उनकी यह दूसरी मुलाकात थी. ब्रिटेन प्रधानमंत्री के साथ डॉ. मनमोहन सिंह ने वैश्विक आर्थिक संकट, अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय ढांचे के पुनर्गठन और जलवायु परिवर्तन पर विचार-विमर्श किया. पिछले 3 माह के दौरान यह दोनों नेताओं की दूसरी मुलाकात थी. जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर दोनों नेताओं ने ग्रीन टेक्नोलॉजी परियोजनाओं के संयुक्त विकास पर विचार-विमर्श किया और उन्होंने आगामी अक्टूबर में दिल्ली में जलवायु परिवर्तन पर होने वाले सम्मेलन में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया.

जी–8 एवं जी–5 का संयुक्त घोषणा पत्र

जी–8 के घोषणा-पत्र में आतंकवाद को अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा तथा स्थिरता के लिए गम्भीर खतरा मानते हुए एटमी परीक्षण हेतु उत्तरी कोरिया की आलोचना की गई है. आतंकवाद के सभी स्रोतों और स्वरूपों तथा सभी तरह की ऐसी वारदातों को कठोर निन्दा करते हुए सामूहिक और बहुपक्षीय मिली-जुली कोशिशों से इसके उन्मूलन पर जोर दिया गया है. इस हेतु सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा क्षमता निर्माण जैसे कदमों को जरूरी बताया गया है. अफगानिस्तान और पाकिस्तान की स्थिति पर चिन्ता व्यक्त की गई है और नशीली दवाओं की तस्करी, गरीबी और असमान विकास को पूरे विश्व के लिए एक गम्भीर चुनौती माना है, वहीं आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, वैश्विक वित्तीय संस्थाओं की पुनर्संरचना, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता तथा आतंकवाद जैसे मुद्दों को अपने में समेटे विकसित तथा विकासशील देशों के समूह द्वारा पहली बार जारी संयुक्त घोषणा पत्र भी बहुत महत्वपूर्ण है. इस घोषणा-पत्र से स्पष्ट है कि भारत के दृष्टिकोण को इसमें प्रमुख स्थान मिला है. घोषणा-पत्र में 2010 तक दोहा दौर वार्ता निष्पन्न करने की वचनबद्धता करना भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. इससे मुक्त व्यापार व्यवस्था सही मायने में अस्तित्व में आएगी और संरक्षण नीतियों व व्यवधानों का अंत होकर निवेश तथा व्यापार में बढ़ोतरी होगी. उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूटीओ के तहत् विकसित देश दोमुँही नीति अपनाकर जहाँ अपने उत्पादों को कम आयात शुल्क के जरिए भारत में भेजने को आतुर रहे हैं, वहीं भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता पर सवाल उठाकर संरक्षणवादी नीति का सहारा लेते हैं और इस आड़ में भारी भरकम टैक्स वसूलने का प्रयास करते हैं. डब्ल्यूटीओ में गैर-कृषि बाजार पहुँच तथा कृषि सब्सिडी दो प्रमुख मुद्दे विवादास्पद तथा भेदभावपूर्ण हैं और जिनसे वैश्विक बाजार में विकृति पैदा हुई है. अमरीका तथा यूरोपीय संघ अपने किसानों को अरबों में दी जा रही सब्सिडी को न देखकर भारतीय किसानों के खाद, बीज और पानी पर नजर रखे हुए हैं.

क्या है दोहा दौर वार्ता ?

दोहा दौर वार्ता एक सतत् विचार-विमर्श की प्रक्रिया है, जो सदस्य देशों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सम्बन्धी जटिल मुद्दों से सम्बद्ध है. यह वार्ता कतर में 2001 में प्रारम्भ हुई थी और इसमें 153 देश शामिल हैं. उसके बाद मंत्रालयिक स्तर की वार्ता प्रारम्भ होने का सिलसिला चला. पहली वार्ता मैक्सिको में 2003 में सम्पन्न हुई, तब से निरन्तर यह वार्ताएं चल रही हैं. अन्तिम वार्ता 2007 में पोट्सडम (जर्मनी) में हुई थी. उल्लेखनीय है कि 1995 में डब्ल्यूटीओ के गठन के बाद पारस्परिक व्यापार बढ़ाने की जरूरत महसूस हुई. इसलिए उदारीकरण जरूरी था, यानी वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच वस्तुओं की निर्बाध आवाजाही की व्यवस्था की गई (उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूटीओ के तहत् विभिन्न देशों के बीच अभी वस्तुओं की ही मुक्त आदान-प्रदान की व्यवस्था है. सेवाओं को इसमें शामिल नहीं किया गया है), परन्तु विकसित देशों ने अपने हितों को सर्वोपरि रखते हुए संरक्षणवादी नीतियों का सहारा लिया जिस वजह से भारत सहित विकासशील देशों की कृषि जिंसों, औषधि व्यापार आदि पर मतभेद पैदा हुए हैं. कृषि सब्सिडी के मुद्दे पर विकसित तथा विकासशील देशों के बीच व्यापक मतभेद सामने आए और जिस वजह से विकसित देशों की भेदभावपूर्ण नीतियों का सामना करने हेतु जी–20 के रूप में विकासशील देशों का समूह अस्तित्व में आया. भारत के सम्बन्ध में विश्व कृषि व्यापार पर यदि नजर डालें तो यहाँ की 60 प्रतिशत कृषि पर निर्भर आबादी की प्रतिस्पर्द्धा अमरीका और यूरोपीय संघ सरीखे विश्व के विकसित देशों से है जिनकी कृषि पर निर्भरता मात्र 2 प्रतिशत है, परन्तु वे अपने किसानों को अरबों की सब्सिडी देकर विश्व के 50 प्रतिशत से अधिक कृषि व्यापार पर अपना कब्जा जमाना चाहते हैं. इस प्रकार डब्ल्यूटीओ में सम्पूर्ण विश्व दो गुटों यानी विकसित तथा विकासशील देशों के रूप में बँट गया. एक तरफ अमरीका, यूरोपीय संघ और जापान जैसे विकसित देश शामिल थे तो दूसरी ओर भारत, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे विकासशील देश सामने आए. यद्यपि डब्ल्यूटीओ के तहत् सभी देश अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार बढ़ाने के पक्षधर तो थे, परन्तु विकसित देशों की संरक्षणवादी नीति सदैव मुक्त व्यापार में आड़े आई. यहाँ पर डब्ल्यूटीओ के अन्तर्गत उपर्युक्त वर्णित दो विवादास्पद मुद्दों से विकासशील देशों के समक्ष उत्पन्न समस्या का उल्लेख करना प्रासंगिक होगा–

(1) **कृषि सब्सिडी**–कृषि अर्थव्यवस्था वाले विकासशील देश विकसित देशों से कृषि सब्सिडी घटाने पर जोर देते रहे हैं, ताकि उनके उत्पाद विकसित देशों के बाजार में पहुँचकर उनसे प्रतिस्पर्द्धा कर सकें, लेकिन कुछ कटौती के बदले विकसित देश विकासशील देशों से सब्सिडी घटाने के अलावा सीमा शुल्क तथा अन्य शुल्कों को घटाने का भी दबाव बनाते हैं, ताकि इन देशों की खाद्य जिंसों के साथ गैर कृषि वस्तुओं की विकासशील देशों में बेरोकटोक आवाजाही हो और वे लाभ अर्जित कर सकें.

(2) **गैर कृषि बाजार पहुँच रक्षोपाय तंत्र**–विकासशील देशों को चिन्ता है कि यदि कीमतें गिर जाएं या अत्यधिक आयात की स्थिति में डम्पिंग समस्या उत्पन्न हो जाए तो उनकी अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी. हालांकि, डब्ल्यूटीओ में ट्रेड निगोशिएटिंग कमेटी है जिसकी अध्यक्षता डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक करते हैं, लेकिन विकसित देश इसकी भी बराबर अनदेखी करते रहे हैं. फलतः डब्ल्यूटीओ की अब तक की सभी वार्ताएं बेनतीजा साबित हुई हैं.

संयुक्त घोषणा पत्र में मुक्त बाजारों के अस्तित्व को बरकरार रखने और उन्हें प्रोत्साहित करने तथा व्यापार और निवेश में सभी संरक्षणवादी उपायों को समाप्त करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई है. इससे निश्चित तौर पर खाद्य सुरक्षा को बल मिलेगा. महिलाओं सहित किसानों हेतु राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय रणनीति बनाने पर भी जोर दिया गया है. जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर भी भारत की भूमिका को सराहा गया है. घोषणा-पत्र में संयुक्त राष्ट्र समेत अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार प्रक्रिया में तेजी लाने का आह्वान किया गया है और नेताओं ने महात्वाकांक्षी व संतुलित परिणाम हासिल करने पर जोर देकर किसी सर्वमान्य समझौते तक पहुँचने हेतु पारदर्शिता अपनाने का पक्ष लिया.

इसके अतिरिक्त, घोषणा-पत्र में दुनिया के लगभग 10 करोड़ से अधिक भुखमरी के शिकार लोगों को भूख और गरीबी से मुक्ति दिलाने हेतु तत्काल निर्णायक कार्रवाई पर

जोर देना भी महत्वपूर्ण है. इस शिखर सम्मेलन में अमीर देशों द्वारा 20 अरब डॉलर की कृषि सहायता पर सहमति व्यक्त करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इससे अत्यधिक गरीब देश अपने यहाँ खाद्य सुरक्षा की नीति तैयार करने में सक्षम होंगे. स्मरण रहे कि 13 वर्ष पहले जब संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की तरफ से रोम में पहला विश्व खाद्य सम्मेलन आयोजित हुआ था तब से खाद्य सुरक्षा का मामला अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर उठता रहा है. इस सम्मेलन में 2015 तक दुनिया से भूखमरी मिटाने का संकल्प व्यक्त किया गया था, परन्तु गरीबी मिटाना तो दूर रहा प्रत्युत गरीबी बढ़ती रही है. गरीबों की समस्या की भयावहता को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, शिशु मृत्यु दर, लिंग समानता, मातृत्व स्वास्थ्य, एड्स, मलेरिया उन्मूलन, पर्यावरण विकास हेतु वैश्विक साझेदारी के साथ ही गरीबी उन्मूलन पर जोर दिया गया है. जी–8 का स्पष्ट मत है कि विकासशील देशों में कृषि उत्पादन बढ़ने की स्थिति में किसानों के जीवन स्तर में सुधार होगा और उन्हें वाजिब कीमत भी मिलेगी. उन्होंने कृषि जोत के इष्टतम उपयोग करने पर भी जोर दिया. स्मरण रहे कि प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने सम्मेलन में गरीबी उन्मूलन को टिकाऊ विकास हेतु जरूरी बताया था. उन्होंने दुनिया को गरीबी तथा भूखमरी से मुक्ति दिलाने हेतु ठोस कार्रवाई की अपील करते हुए राष्ट्रीय, क्षेत्रीय तथा विश्वस्तरीय राजनीतिक कार्यसूची में खाद्य और पोषण सुरक्षा तथा कृषि के टिकाऊ विकास की भी वकालत की थी.

जी 8 एवं जी 5 के हासिल

इस बार के जी–8 के शिखर सम्मेलन से यह बात तो स्पष्ट हो गई है कि देर-सबेर इसमें मिस्र सहित जी–5 के मिलने से यह जी–14 में परिणत हो जाएगा, क्योंकि यह आवाज स्वयं जी–8 के अन्दर से आई है जिसमें फ्रांस, इटली तथा ब्रिटेन प्रमुख हैं. यह वास्तविकता है कि 70 के दशक में उभरे तेल संकट के बाद अस्तित्व में आए छह अमीर लोकतांत्रिक देशों (अमरीका, ब्रिटेन, जर्मनी, इटली और जापान) के इस समूह के जो बाद में कनाडा और रूस को मिलाकर जी–8 नाम से जाना गया, 1976 के बाद से 33 वर्षों के लम्बे सफर पर दृष्टि डालें, तो इस समूह ने राष्ट्राध्यक्षों की वार्षिक अनौपचारिक बैठकों के आयोजन के अलावा और कुछ ठोस हासिल नहीं किया. उल्लेखनीय है कि जी-8 का न तो संयुक्त राष्ट्र की तरह न कोई स्थायी सचिवालय है और न संयुक्त राष्ट्र की तरह कोई प्रस्ताव यहाँ पारित होते हैं. इस प्रकार यह कोई बाध्यकारी उपाय नहीं करता. इस समूह के गठन के पीछे का विचार मुख्यतः अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक तथा राजनीतिक मुद्दों पर सर्वसम्मति कायम करना है. अनौपचारिक स्टेटस के बावजूद विश्व मामलों में भारी दखल के कारण ही वैश्विक आर्थिक तथा राजनीतिक गतिविधियों में इसकी भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती. इस समूह में शामिल 8 देशों में 4 सदस्य देश संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद् के 5 स्थायी सदस्यों में से हैं और जिन्हें वीटो शक्ति प्राप्त है. विश्व निर्यात में इस समूह की लगभग 49 प्रतिशत भागीदारी है, विश्व औद्योगिक उत्पादन में इसका लगभग 51 प्रतिशत योगदान है तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में इसकी लगभग 49 प्रतिशत परिसम्पत्तियाँ हैं. गरीबी उन्मूलन की दिशा में यह समूह कभी-कभार अफ्रीकी देशों की भूखमरी को देखते हुए कुछ अरब डॉलर की सहायता देता रहा है, जो उसने इस बार भी दी है. अब चूँकि 90 के दशक से प्रारम्भ उदारीकरण के साथ-साथ ग्लोबल वार्मिंग, आतंकवाद और वैश्विक मंदी जैसी समस्याओं से ये समूह देश ग्रस्त हैं और इनका गम्भीर प्रभाव इन पर पड़ा है, वैश्विक मंदी ने तो इन देशों की कमर तोड़कर रख दी है. इसलिए उन्होंने इन समस्याओं से निजात पाने हेतु जी–5 के रूप में उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों की ओर मुँह किया है. अमरीकी राष्ट्रपति की इस आशय की स्वीकारोक्ति स्वतः विकसित देशों की मंशा को व्यक्त कर देती है. यह भी वास्तविकता है कि आज यदि भारत, चीन, ब्राजील, मैक्सिको तथा दक्षिण अफ्रीका ने विश्व पटल पर अपनी ठोस पहचान बनाई है, तो इसको देखते हुए भी विकसित देश अपने निहित स्वार्थवश उन्हें अपनी बैठकों में शामिल करते रहे हैं.

यहाँ यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा कि इन आउटरीच देशों ने जी–8 में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति, पारस्परिक एकजुटता, आर्थिक विकास और इस समूह को समय-समय पर दिए जाने वाले अपने महत्वपूर्ण सुझावों की बदौलत ही दर्ज की है. जहाँ तक भारत का सम्बन्ध है, भारत ने विश्व में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करने के साथ ही चीन के बाद तेजगति से बढ़ रही दूसरी विकासशील अर्थव्यवस्था के रूप में भी अपनी पहचान बनाई है. यह वर्तमान में ग्लोबल मार्केट का एक पसंदीदा स्थल है, सामरिक महत्व के साथ ही विशाल लोकतांत्रिक देश के रूप में भी इसकी विश्व में अलग पहचान है. लेकिन यह भी हकीकत है कि जी–5 के समक्ष चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं, क्योंकि अब तक का अनुभव रहा है कि जी–8 देश उनके किसी प्रस्ताव को आसानी से स्वीकार करने में आनाकानी करते रहे हैं. कारण चाहे इन देशों का अपना दंभ रहा हो या अपने आर्थिक हित. उन्होंने अब तक विकासशील देशों की कीमत पर सदैव अपने हितों का संवर्धन ही किया है. इसलिए आने वाले समय में जी–5 को विकसित देशों की इस भेदभावपूर्ण नीति को समाप्त करने के लिए और अधिक एकजुट होना होगा. ●●●

शेष पृष्ठ 707 का

- General Knowledge
- Analytical and Logical Reasoning
- Data Interpretation & Data Sufficiency

वेबसाइट–www.snaptest.org

JMET (Joint Management Entrance Test)

संस्थान का नाम जो परीक्षा आयोजित करती है–IIT—Roorkee,
IISC—Bangalore, IIT—Bombay,
IIT—Kanpur,
IIT—Kharagpur,
IIT—Madras

परीक्षा का माह–December

प्रश्न-पत्र की संरचना और जाँच-विषय–

- Verbal Communication
- Logical Reasoning
- Quantitative Ability
- Data Interpretation

वेबसाइट–www.iitk.ac.in

RMAT (Rajasthan Management Aptitude Test)

संस्थान का नाम जो परीक्षा आयोजित करती है–Board of Technical Education, Rajasthan

परीक्षा का माह–July

प्रश्न-पत्र की संरचना और जाँच-विषय–

- English and General Knowledge
- Mathematics & Reasoning Ability
- Data Interpretation & Analysis
- Verbal Ability & Reading Comprehension

वेबसाइट–www.techedu.rajasthan.gov.in

UPMAT (Uttar Pradesh Management Aptitude Test)

संस्थान का नाम जो परीक्षा आयोजित करती है–Universities and Colleges of U.P.

परीक्षा का माह–June/July

प्रश्न-पत्र की संरचना और जाँच-विषय–

- Logical and Abstract Reasoning
- Reading Comprehension
- Quantitative Aptitude
- Verbal Ability
- Data Interpretation

वेबसाइट–www.winentrance.com.

●●●

सैन्य कैरियर लेख

सैन्य सेवाओं के प्रति बढ़ती उदासीनता : कारण एवं समाधान

✍ शंकर प्रसाद तिवारी (विनय)

एक दौर था जब सेना में शामिल होना प्रतिष्ठा तथा गौरव का विषय माना जाता था और युवाओं के दिलों में सेना में भर्ती होकर देश सेवा करने का जज्बा हिलोंरे मारता था, मगर बदलते दौर में सेना में जाने का आकर्षण युवाओं में कम होता जा रहा है. सेना में नए अफसरों का टोटा तो है ही, अब सामान्य बलों की भर्ती रैलियों में भी वह भीड़ नहीं उमड़ती है जो कभी देखने को मिलती थी, सैन्य बलों को छोड़िए अर्द्धसैनिक बलों, पुलिस बलों सहित आंतरिक सुरक्षा एजेंसियों तक में जवानों तथा अफसरों की कमी है. इसकी भरपाई करने के लिए सैन्य सहित अन्य सुरक्षा बल अपने पुराने जवानों तथा अफसरों को प्रशिक्षित कर प्रोन्नत करने के लिए मजबूर है. इसके क्या कारण हो सकते हैं यह एक गहन चर्चा, समीक्षा तथा विश्लेषण का विषय है. यद्यपि इस ओर अभी सरकार तथा सैन्य बल मिलकर गम्भीरता से विचार-विमर्श करने की आवश्यकता महसूस नहीं कर रहे हैं, मगर कुछ समय बाद यहाँ भी हालात अमरीका, यूरोप, ब्रिटेन तथा रूस जैसे हो सकते हैं जहाँ सेना की नौकरी के लिए प्रोत्साहित किए जाने पर एक हजार तक की प्रोत्साहन राशि दी जाती है.

भारतीय सेना में अफसर बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा, साक्षात्कार तथा मनोवैज्ञानिक परीक्षण से गुजरना पड़ता है. चूँकि भारतीय सेना विश्व में उच्चस्तरीय मानी जाती है अतः चयन के मानकों में ढिलाई बरतने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता. किसी भी स्थिति में गुणवत्ता, समर्पण, इंटीग्रिटी, स्टैंडर्ड तथा प्रोफेशनलिज्म से समझौता करना उचित भी नहीं है. यद्यपि ऐसा नहीं है कि लोगों में देशभक्ति का जज्बा नहीं है अथवा लोगों में सेना के प्रति दिलचस्पी बेहद कम हो गयी है, बल्कि तेजी से बदलते सामाजिक-आर्थिक हालात तथा कुछ अन्य प्रकार की परिस्थितियाँ समग्र रूप से युवाओं को सेना का मोह त्यागने को विवश कर रही है. यद्यपि यह हमारे लिए एक राहत वाली बात है कि यहाँ हालात अभी पश्चिमी देशों जैसे नहीं हैं जहाँ लोग सेना में जाने के लिए आवेदन करना तक जरूरी नहीं समझते हैं, मगर अगर इस ओर अधिक ध्यान नहीं दिया गया तो यहाँ भी कुछ समय बाद हालात पश्चिमी देशों जैसे बन जाएंगे, मगर हमारे पास सेना में जाने के लिए अथवा प्रोत्साहित करने के लिए विशेष वित्तीय पैकेज भी नहीं है, तो आखिर हम सैन्य बलों की कमी को कैसे दूर कर पाएंगे ? हालात इस कदर बदल गए है कि 'भारतीय सैन्य अकादमी' (IMA) जैसी प्रतिष्ठित संस्था से आवेदन-पत्र की प्राप्ति के बावजूद युवा सेना में आने से बच रहे हैं वे भी निजी क्षेत्र की ओर रुख कर रहे हैं. निजी क्षेत्र भी उन्हें हाथों-हाथ ले रहा है, क्योंकि वे आईएमए के कठोर मानदण्डों से होकर गुजर चुके होते हैं. अतः इस बात की अधिक गारण्टी होती है कि गुणवत्ता, आचरण तथा मनोबल के मामले में वे अपेक्षाकृत अधिक अच्छे होंगे.

भारत अकेला देश नहीं है जो फौज की नौकरी के प्रति बेरुखी की मार झेल रहा है, बल्कि कई बड़े देशों में यह समस्या तो कहीं अधिक विकराल है. अमरीका जैसे देश में सैन्य बल ढूँढ़े नहीं मिलते हैं, बल्कि इसके लिए सरकार को भारी-भरकम रकम चुकानी पड़ती है. हमारी सेना में जूनियर लेबल यानि लेफ्टिनेंट, कर्नल आदि पदों पर अधिकारियों की सर्वाधिक कमी है, जबकि ब्रिगेडियर, फुल कर्नल लेबल पर कोई खास कमी नहीं है. एक आकलन के अनुसार जूनियर स्तर पर 30 फीसदी अफसर कम हैं, जबकि सेना की सबसे ज्यादा जरूरत जूनियर लेबल की ही है, क्योंकि यही अधिकारी मेन फंक्शनिंग से जुड़े होते हैं. साथ ही पेट्रोलिंग तथा बार्डर पर ज्यादातर पोस्टिंग इन्हीं लोगों की होती है. अतः इस स्तर पर अधिकारियों का न मिलना सेना के लिए परेशानी का सबब बन गया है.

बढ़ती उदासीनता के कारण

(1) आर्थिक उदारीकरण के कारण रोजगार के अवसरों में वृद्धि

नब्बे के दशक में आर्थिक उदारीकरण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद रोजगार के अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में तेजी से वृद्धि हुई है, इससे समाज में बदलाव की नई बयार चली, सूचना प्रौद्योगिकी, एवियशन, रिटेल, टेक्सटाइल, बैंकिंग, मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग, ऑटोमोबाइल, इंटीरियर डेकोरेशन, इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल, एनीमेशन तथा कार्गो जैसे तमाम क्षेत्रों में रोजगार के नए-नए क्षेत्रों में वृद्धि होने लगी. बदलाव का सबसे अधिक प्रभाव नौजवानों पर ही पड़ता है. आज युवाओं के पास रोजगार के तमाम विकल्प मौजूद हैं जो ज्यादा सुरक्षित हैं, आकर्षक हैं, ग्लैमरस हैं तथा जिनमें तनख्वाह भी फौज की तुलना में बेहतर है.

सेना में अफसरों की कमी

(आँकड़े दिसम्बर 2007 तक)

	थल सेना	नौ सेना	वायु सेना
अधिकृत शक्ति	46615	8797	12128
मौजूदा शक्ति	35377	7336	10563

वर्ष	सेना छोड़ने के लिए प्रार्थना-पत्र	स्वीकृत प्रार्थना-पत्र
2004	435	290
2005	536	365
2006	811	464
2007	882	377

आर्थिक उदारीकरण के चलते जहाँ पुराने मध्यमवर्ग में अधिक सम्पन्नता आई है, वहीं एक बड़ा मध्यमवर्ग भी उभरकर सामने आया है. यह वर्ग आकर्षक पैकेज तथा सुविधाओं वाली हॉट जॉब को अधिक तवज्जो देता है या फिर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने अथवा नया व्यवसाय शुरू करना चाहता है. लाभ उसे दोनों में है, क्योंकि राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ योग्य व कुशल युवाओं को लपकने के लिए तैयार हैं तथा परम्परागत व्यवसाय को आगे बढ़ाने अथवा नए व्यवसाय शुरू करने में भी तगड़ा मुनाफा हो रहा है. भारत में सूचना प्रौद्योगिकी एक ऐसा क्षेत्र है जिसका विकास तथा प्रसार अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक हो रहा है. दूरदराज के गाँवों में सूचना प्रौद्योगिकी की पहुँच होने से लोगों पर मानो सूचनाओं की बौछार होने लगी है. लोगों को रोजगार के नए क्षेत्रों तथा नए अवसरों की सूचना तुरन्त मिल जा रही है. अब अगर युवाओं के पास रोजगार के कई बेहतर अवसर मौजूद हैं तो वह क्यों कर सेना जैसी 'टफ' जीवनशैली में जाना पसन्द करेगा ?

(2) पश्चिमी उपभोक्तावादी संस्कृति का प्रसार

पश्चिमी पूँजीवादी समाज उपभोग की प्रवृत्तियों को अधिक महत्व देता है. वह शारीरिक श्रम के बजाय नई-नई तकनीकों के विकास से मानव जीवन को अधिक सुविधापूर्ण तथा आरामदायक बनाना चाहता है, जबकि किसी भी समाज के सम्पूर्ण विकास के लिए तकनीकी विकास तथा शारीरिक श्रम में सामंजस्य होना बेहद जरूरी नहीं है. पश्चिम में नैतिकता, सिद्धान्त, परम्पराएं, संस्कृति तथा आदर्श दोयम दर्जे की चीजें हैं वहाँ किसी भी तरीके या युक्ति से पूँजी को कब्जाने की होड़ वर्षों से चली आ रही है. सब-प्राइम संकट के चलते पूँजीवाद पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगे हैं. मगर किसी भी चीज की प्रासंगिकता कभी खत्म नहीं होती, अगर उसमें अति न की जाए तो स्पष्ट है कि जब तक बीच का रास्ता अपनाते हुए समाजवाद तथा पूँजीवाद में सामंजस्य स्थापित नहीं किया जाता, एक सुखी-सम्पन्न विचारवान तथा विवेकशील समाज की कल्पना नहीं की जा सकती.

आर्थिक उदारीकरण के बाद पश्चिमी उपभोक्तावादी संस्कृति का भारतीय समाज पर प्रभाव पड़ना लाजमी था, फलस्वरूप भारतीय समाज में तेजी से परिवर्तन आने लगे. कभी-कभी परिवर्तन ताजा हवा के झोंके के समान होते हैं तो कभी गन्दी हवा के आगमन के प्रतीक. सकारात्मक दिशा में हुआ परिवर्तन ही हमेशा सार्थक होता है. पश्चिम की तर्ज पर 'मैटीरियलिज्म' की हद तक पहुँच रहे हमारे समाज के लिए भी धीरे-धीरे परम्पराएं, आदर्श, नैतिकता, सिद्धान्त तथा महान् ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासतें दोयम दर्जे की चीजें बनती जा रही हैं जिनका उपभोक्ता बाजार में कोई मोल नहीं. इसका आशय यह नहीं है कि पूँजीवाद या बाजारवाद पूर्णरूप से गलत है, मगर इसकी भी अपनी सीमाएं हैं. कहने का तात्पर्य यह है कि अपने पारम्परिक ज्ञान तथा सांस्कृतिक मूल्यों की अच्छाइयों के साथ आधुनिक प्रौद्योगिकी का सामंजस्य स्थापित किया जाए, क्योंकि पारम्परिक ज्ञान तथा सामाजिक सांस्कृतिक मूल्य जहाँ हमारी जड़ें हैं, वहीं आधुनिक प्रौद्योगिकी उसका पोषण.

भारत में भी भौतिकवाद की हवा आने के कारण लोगों में दिखाने तथा दर्शाने की प्रवृत्ति बढ़ी है. गाड़ी-बंगला, आधुनिक संसाधन, जीवन की गुणवत्ता तथा भौतिक सुविधाएं स्टेटस सिंबल का प्रतीक बन चुकी हैं. देश का युवा वर्ग इन सब को जल्दी-से-जल्दी पाने की चाह में तेज रफ्तार जिंदगी जी रहा है. भौतिक सुविधाएं ही उसका आदर्श है और वह किसी भी कीमत पर जल्दी-से-जल्दी इन्हें पाकर इनका उपभोग करना चाहता है, इस दौड़ में वह घर-परिवार को बेहद मददगार मानता है तथा उससे दूर नहीं रहना चाहता, दूसरी तरफ सेना की नौकरी में न ज्यादा ग्लैमर है, न आकर्षक जीवन-शैली जीने की सुविधाएं और न ही मोटा पैकेज, ऊपर से जान जाने का जोखिम हमेशा बना रहता है. अधिकारियों की पोस्टिंग शुरूआत में ही जम्मू-कश्मीर तथा नॉर्थ ईस्ट जैसे आतंकवादी व अलगाववादी क्षेत्रों में होती है. फौज में टेलेंट के बावजूद स्लो प्रमोशन भी आज की तेज रफ्तार युवा पीढ़ी के मनमाफिक नहीं है. आज का नौजवान जल्दी से डग भरते कैरियर की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहता है, ताकि उम्र बढ़ने के साथ कार्यक्षमता में कमी आने से पूर्व ही अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ पा सके. लम्बे समय तक परिवार से दूर रहना भी युवाओं को सेना में जाने से रोक रहा है. इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए देश-भक्ति के बजाय आकर्षक वेतन, सुविधाओं तथा उपभोग व आरामदायक जीवन शैली को अधिक महत्व देने वाला मध्यम वर्ग क्यों सेना जैसी जटिल व विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाली नौकरी में जाना चाहेगा ? मध्यमवर्गीय समाज किसी भी कीमत पर जल्दी-से-जल्दी भौतिक वस्तुओं का उपभोग करना चाहता है, जबकि सेना में रहते हुए यह सब कुछ सम्भव नहीं है.

(3) मानकों के अनुसार जवानों का न मिलना

चूँकि भारतीय सेना उच्चस्तरीय है अतः उसमें अफसरों की भर्ती के लिए भी उच्चस्तरीय मानक रखे गए हैं. आज के उपभोक्तावादी, आरामदेह तथा पश्चिमी चकाचौंध से परिपूर्ण युवा का ऐसे कड़े मानकों पर खरा उतरना बेहद कठिन है. सेना में अफसर बनने के लिए शारीरिक तथा मानसिक सबलता के अलावा बेहद अनुशासित जीवन-शैली की अपेक्षा रखी जाती है. मुश्किल यह है कि पहले तो पिछले पाँच वर्षों से इस प्रकार की प्रतिबद्धता वाले युवाओं की संख्या में गिरावट आई है, अगर है भी तो वे निजी क्षेत्र की ओर जाना ज्यादा पसन्द कर रहे हैं. हालात इस कदर बदल रहे हैं कि नौजवान सैन्य सेवा का आवेदन-पत्र लेने के बाद भी आईएमए जॉइन नहीं कर रहे हैं. मानकों के अनुरूप जवानों के न मिलने का एक अहम् कारण यह भी है कि पहले जहाँ अभिभावकों द्वारा बचपन से ही बच्चे को सैन्य सेवा में जाने के लिए प्रेरित किया जाता था, अब अभिभावकों की प्राथमिकता में सैन्य सेवा कहीं नहीं है. पहले बच्चा, अभिभावकों द्वारा प्रेरित किए जाने पर बचपन से ही सैन्य सेवा में ढलने के शारीरिक मानसिक गतिविधियाँ शुरू कर देता था, मगर आज के अभिभावक, बच्चे को व्यावसायिक शिक्षा देकर निजी क्षेत्र में जाने के लिए अधिक प्रोत्साहित कर रहे हैं. इसमें अभिभावकों का दोष भी अधिक नहीं है, क्योंकि वे भी पश्चिमी उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रभावित हैं तथा देश सेवा के बजाय बच्चे को निजी क्षेत्र में भेजकर जल्दी-से-जल्दी अपने घर को भौतिक संसाधनों से परिपूर्ण देखना चाहते हैं.

(4) देश में बढ़ता भ्रष्टाचार

कुछ वर्षों से देश में बढ़ते भ्रष्टाचार के कारण समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है. छोटे प्रशासनिक तथा राजनीतिक स्तर से बड़े स्तर तक फैले भ्रष्टाचार के कारण आम जनमानस में धीरे-धीरे देशभक्ति तथा राष्ट्रवाद जैसी भावनाएं कुछ मायनों में अवश्य कम हुई है. भ्रष्टाचार का धन्धा दिन दोगुनी, रात चौगुनी के हिसाब से तरक्की कर रहा है तथा भ्रष्टाचारियों को कोई खास बड़ी सजा भी नहीं हो पा रही है, कभी-कभी तो भ्रष्टाचार की जाँच कर रही पुलिस, सुरक्षा एंजेसियाँ तथा न्यायिक प्रणाली तक सवालों के घेरे में आ रही है. भ्रष्टाचार सर उठाकर जी रहा है तथा डंके की चोट पर जीत रहा है. ऐसे में आम युवावर्ग में यह बात घर करती जा रही है कि वह किसकी रक्षा करे और क्यों करे ? जब किसी देश में भ्रष्टाचार व्यापक स्तर पर बढ़ जाता है तो पुरुषार्थ, राष्ट्रीय स्वाभिमान तथा राष्ट्रवाद खो जाता है तथा लोग भ्रष्टाचार की बैसाखी के सहारे तरक्की की सीढ़ियाँ चढ़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं. देश, गरीबी, संसाधनों की अनुपलब्धता तथा धीमी अर्थव्यवस्था से कमजोर नहीं हो जाता, बल्कि व्यक्ति तथा देश के स्वाभिमान हीन होने से कमजोर होता है. भ्रष्टाचार एक ऐसा दीमक है जो धीरे-धीरे पूरे समाज को स्वाभिमान शून्य तथा पुरुषार्थ हीन बना देता है. आम युवा यह सोचने पर मजबूर है कि हमारा बड़ा शत्रु कौन है-सीमा पार आतंकवाद अथवा देश में फैला भ्रष्टाचार. ऐसे में सेना में शामिल होकर जान की बाजी भी लगाई जाए तो किसके खातिर ? कोई भी देश सिर्फ वहाँ भी भू-संरचना से महान् नहीं बन जाता, बल्कि उस देश में रहने वाले नागरिकों के योगदानों तथा क्रियाकलापों से महान् बनता है, अतः किसी देश को महान् बनने के लिए भ्रष्टाचार मुक्त होना जरूरी है, देश भ्रष्टाचार मुक्त होगा तो वहाँ की संस्कृति जीवंत होगी और जीवंत संस्कृति ही दुनिया की अन्य संस्कृतियों को प्रभावित करती है. इधर कुछ सालों से सेना में भी भ्रष्टाचार की खबरें आने से लोगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है. यद्यपि सेना ने कई मौकों पर सजगता

दिखाते हुए त्वरित कार्यवाही की है, मगर प्रशासनिक व राजनीतिक तन्त्र में भ्रष्टाचार के असंख्य मामलों का कई वर्षों से लम्बित होना तथा उनकी जल्दी सुनवाई न होना बेहद खेदजनक है.

(5) सैन्य सेवाओं की समयानुरूप समीक्षा न होना

दुनिया की किसी भी उच्च स्तरीय सेना के लिए यह बेहद जरूरी है कि वह समय-समय पर अपने स्वरूप की समीक्षा करे तथा समयानुरूप उसमें फेरबदल भी करे. सेना के मौजूदा ढाँचे को चुस्त-दुरुस्त बनाने, उसका मनोबल बढ़ाने, सैन्य बलों की दैनिक तथा विशेष अभियानों में आने वाली परेशानियों से निपटने के उपाय ढूँढ़ने तथा युवा वर्ग में सेना का आकर्षण बढ़ाने के लिए रूपरेखा तैयार करने के लिए सेना चाहे तो अपने स्तर पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन कर सकती है इस समिति के सुझावों के आधार पर एक निश्चित समयावधि के बाद सेना के उच्चाधिकारियों की एक समीक्षा बैठक तय की जा सकती है. सेना इससे सम्बन्धित रिपोर्ट सरकार को भेजकर वर्तमान स्थितियों से अवगत करा सकती है.

देश में एक बड़ी समस्या सरकार तथा सैन्य व्यवस्था में परस्पर आपसी तालमेल का कम होना भी है. सेना को आज अफसरों की दरकार है मगर इस मुद्दे को गम्भीरता से लेते हुए कभी भी केन्द्र सरकार तथा सैन्य अधिकारियों के बीच गहन विचार-विमर्श नहीं किया गया. प्राचीनकाल से ही यह माना जाता रहा है कि सैन्य बलों को अधिक कुशल बनाने के लिए उनकी भावनाओं को दबाना जरूरी है, मगर भावनाओं को दबाकर यंत्रवत् जीवन-शैली अपनाने से कई नई तरह की विसंगतियाँ भी सामने आने लगती है. अतः मौजूदा समय में यह जरूरी हो गया है कि भावनाओं को सैन्य बलों की कमजोर से मजबूती में तब्दील किया जाए. मनुष्य बौद्धिक भी है और भावनात्मक भी है और इनका समग्र विकास भी जरूरी है. हाँ, इस बात का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए कि यह विकास सकारात्मक दिशा में हो, मगर यह होगा कैसे ? चूँकि यह गहन तथा विस्तृत मसला है अतः इसकी चर्चा भी व्यापक स्तर पर करके ही कोई ठोस समाधान निकल सकता है. केन्द्र सरकार द्वारा सेना को बजटीय प्रावधान बढ़ाकर खुश करने का जुमला अब पुराना पड़ चुका है, इसके बजाय सेना को प्रोत्साहन तथा सकारात्मक बदलाव की दरकार अधिक है.

(6) सैन्य अधिकारियों पर शोषण के आरोप

पिछले कुछ समय से सैन्य अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के अलावा अपने अधीनस्थों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार करने तथा उनका शोषण करने जैसे आरोप लगना बेहद चिंताजनक बात है. यद्यपि अन्य क्षेत्रों में इस प्रकार की घटना का होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन सैन्य सेवाओं में इस प्रकार की घटना का होना लोगों के मनोबल तोड़ने जैसा है. सैन्य अधिकारी कई उत्तरदायित्वों से दबे होते हैं. उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने अधीनस्थ जवानों की मानसिक तथा शारीरिक संवेदनाओं एवं जरूरतों को समझे तथा उनसे लगातार सार्थक संवाद स्थापित करते हुए उनका सहयोग प्राप्त करते रहें. कुछ समय से सैन्य अधिकारियों पर लगातार संवेदनहीनता तथा मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगना काफी खेदजनक बात है. सैनिक कोई जड़वत् वस्तु नहीं है अतः उसके लिए भी समय-समय पर मनोरंजक कार्यक्रमों (सांस्कृतिक, खेलकूद इत्यादि) की व्यवस्था की जानी चाहिए. मेडिटेशन, योग तथा ध्यान इत्यादि तकनीकें भी सैन्य बलों को मानसिक रूप से सुदृढ़ तथा एकाग्र करने में सहायक सिद्ध हो सकती है. इन सारे प्रयासों से सैन्य बलों को मानसिक ऊब से बचने में भी मदद मिलेगी. चूँकि सैनिक अपने घर-परिवार से दूर रहता है. अतः कभी-कभी परिवार में कोई हादसा होने अथवा अन्य प्रकार की विषम परिस्थितियों के बावजूद जवान को एकदम से छुट्टी न मिलने से वह आक्रोशित हो जाता है. इस प्रकार की स्थितियों पर गम्भीरता से विचार करने के बाद उसके समाधान के लिए कारगर नीतियाँ बनाई जानी चाहिए. इसके अलावा सेना के अन्दर अन्य प्रकार की छोटी-बड़ी समस्याएं हो सकती हैं. सैन्य बलों की समस्याओं को जानने एवं उनके सुझाव हेतु केन्द्र सरकार भी अपनी तरफ से एक स्वायत्त समिति का गठन कर सकती है. कुछ सैन्य अधिकारियों पर सैन्यकर्मियों का निजी कार्यों के लिए उपयोग करना जैसे आरोप लगाना भी चिन्ता का विषय है.

देश जहाँ अनिवार्य है सैन्य सेवा

इस्राइल	*: 18 साल या 12 वीं ग्रेड के बाद सभी पुरुषों तथा महिलाओं के लिए अनिवार्य, पुरुषों के लिए तीन, जबकि महिलाओं के लिए दो साल की सेवा.*
मैक्सिको	*: 18 साल की आयु के सभी पुरुषों को एक साल की मिलिटरी सेवा का पंजीकरण अनिवार्य.*
रूस	*: 18–27 साल के पुरुषों के लिए 12 महीने की सेवा.*
टर्की	*: 20–41 साल के सभी पुरुषों के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य, उच्च शिक्षा के छात्रों को कोर्स पूरा करने तक की छूट.*
जर्मनी	*: पुरुषों को नौ माह तक, महिलाओं के लिए ऐच्छिक.*
आस्ट्रिया	*: 18–35 साल के लोगों के लिए 6 महीने की अनिवार्य सैन्य सेवा.*
बेलारूस	*: 18–27 साल के लोगों के लिए अनिवार्य, उच्च शिक्षित के लिए 12 महीने, जबकि सामान्य शिक्षित के लिए 18 महीने की सेवा.*
ब्राजील	*: 18 साल के ऊपर के सभी पुरुषों को 12 महीने की सेवा.*
चिली	*: 18– 45 साल के पुरुषों की 12 महीने की सेना तथा 24 महीने नौसेना तथा वायुसेना में सेवा.*
चीन	*: अनिवार्य सैन्य सेवा.*
डेनमार्क	*: अनिवार्य सैन्य सेवा.*
मिस्र	*: 18–30 साल के युवाओं के लिए अनिवार्य, छात्रों को पढ़ाई तक छूट.*
फिनलैण्ड	*: 6 महीने की अनिवार्य सैन्य सेवा.*
यूनान	*: पुरुषों के लिए एक साल की अनिवार्य सैन्य सेवा.*
ईरान	*: 21 महीने की अनिवार्य सैन्य सेवा.*
द. कोरिया	*: 24–27 महीने की अनिवार्य सैन्य सेवा.*
नॉर्वे	*: 18·5 से 44 साल के पुरुषों के लिए 19 महीने की अनिवार्य सैन्य सेवा.*
पौलैण्ड	*: पुरुषों के लिए 9 महीने की अनिवार्य सेवा.*
सिंगापुर	*: 18–21 साल के पुरुषों के लिए 24 महीने की अनिवार्य सेवा.*
स्वीडन	*: सन् 1902 से सैन्य-सेवा अनिवार्य.*
स्विट्जरलैण्ड	*: पुरुषों के लिए अनिवार्य, महिलाओं के लिए ऐच्छिक.*

सैन्य बलों की कमी से निपटने के उपाय

(1) आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते प्रभावों के कारण सेना को भी आकर्षक, सुविधायुक्त तथा प्रोत्साहन पैकेज से सम्पन्न बनाना चाहिए. इसके लिए व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श करके कोई ठोस नतीजे निकाले जा सकते हैं.

(2) देश में बढ़ता भ्रष्टाचार समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है. आम जनमानस यह सोचने पर मजबूर है कि आखिर किसकी रक्षा की जाए और क्यों ? भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कठोर कानूनी प्रावधान न होने के कारण वे आराम से बरी हो जाते हैं, छोटे प्रशासनिक स्तर से लेकर सत्ता के गलियारों तक भ्रष्ट लोगों का बोलबाला है. कई घोटालों तथा आपराधिक मामलों में शामिल लोग सत्ता में विराजमान हैं. उनके खिलाफ कौन कार्यवाही करे, क्योंकि सत्ता भी उनकी है कानून भी उनका है. सेना में भी इस प्रकार के कुछ मामले सामने आने से आम जनता को बेहद निराशा हुई है. अतः लोगों में देशभक्ति तथा स्वाभिमान जगाने के लिए भ्रष्टाचार को खत्म करके स्वच्छ पारदर्शी तथा सजग लोकतन्त्र को कायम करना जरूरी है. भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को तुरन्त प्रभाव से निलम्बित कर उन्हें कठोर कानूनी दण्ड का प्रावधान बनाया जाना चाहिए. भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी तो देशवासियों में भी नई ऊर्जा का संचार होगा.

(3) सेना के स्वरूप में समयानुसार आवश्यक फेरबदल करने, उसके कार्यों को विस्तार देने अथवा उसकी नवीन भूमिका बनाने के लिए समय-समय पर व्यापक स्तर पर समीक्षा करना अनिवार्य है. केन्द्र सरकार तथा सेना दोनों को इस मुद्दे पर सजगता दिखाते हुए साथ-साथ परस्पर सहयोग से कार्य करना चाहिए, इसके लिए सैन्य अधिकारियों को पहले स्वयं अपने स्तर से गहन छानबीन करके आपस में समय-समय पर विस्तृत विचार-विमर्श करना चाहिए, तत्पश्चात् अपनी संस्तुतियाँ केन्द्र सरकार के समक्ष रखनी चाहिए. केन्द्र सरकार तथा सैन्य अधिकारियों के बीच इस प्रकार की समीक्षा बैठकें नियमित होनी चाहिए. इसमें रक्षा सामरिक तथा सैन्य विशेषज्ञों तथा पूर्व सैन्य अधिकारियों को भी शामिल किया जाना चाहिए. परस्पर विचार-विमर्श के बाद जो आम राय कायम होती है उसके अनुसार नई नीतियाँ निर्धारित की जानी चाहिए. सिर्फ नई नीतियाँ बनाना भर काफी नहीं है, बल्कि उसका सफल तथा सही क्रियान्वयन होना भी अति आवश्यक है.

(4) अपने अधीनस्थ जवानों के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार करने वाले अथवा उनका किसी प्रकार का शोषण व उत्पीड़न करने वाले सैन्य अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करनी चाहिए. अधिकांश मौकों पर इस प्रकार के मामलों को दबा दिया जाता है. अथवा सार्वजनिक नहीं किया जाता, क्योंकि इससे सेना तथा आम जनमानस के मनोबल पर नकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ने का खतरा रहता है, मगर इस प्रकार की घटनाओं पर आवरण ओढ़ लेने से इन मामलों में बढ़ोत्तरी होती जाएगी. ठीक है सेना इस पर अपनी तरह से कानूनी दण्ड का प्रावधान करे, मगर दोषी अधिकारी को क्या सजा मुकर्रर की गई तथा मामले का वास्तविक पहलू क्या था, इसको सार्वजनिक करना गलत भी नहीं है, अगर दोषी अधिकारी के खिलाफ त्वरित कार्यवाही होती है तो इसका आम जनता पर सकारात्मक प्रभाव ही पड़ेगा ? जवानों का अपने निजी कामों में इस्तेमाल करने वाले दोषी अफसरों के खिलाफ भी उचित कार्यवाही होनी चाहिए.

(5) सैन्य बलों की भावनाओं या जज्बातों को आधुनिक दौर में दबाया नहीं जा सकता, क्योंकि इससे अन्य तरह की विकृतियाँ सामने आ सकती है, मगर इस बात पर अधिक गौर करने की जरूरत है कि उनकी भावनाएं या जज्बात उनकी कमजोरी नहीं बल्कि मजबूती बने तथा वे अपने कर्त्तव्यों के प्रति हमेशा सजग बने रहे. उनमें इस प्रकार का विश्वास पैदा करना है कि घर-परिवार तथा समाज से दूर रहने पर प्यार तथा सद्भावना कम नहीं होती है, बल्कि और अधिक बढ़ जाती है, इसके लिए मनोवैज्ञानिकों की सलाह ली जा सकती है. सेना चाहे तो मनोवैज्ञानिकों तथा मनोचिकित्सकों के नए पद सृजित कर सकती है. सैन्य बलों को मानसिक रूप से अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए योग ध्यान पद्धतियों को नियमित किया जा सकता है. इसी प्रकार जवानों की मानसिक थकान या उबाऊपन दूर करने के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संगीत समारोहों तथा इसी प्रकार के अन्य कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा सकता है जिसमें सैन्य बलों की भागीदारी भी सुनिश्चित हो तथा इसके लिए पारितोषिक की व्यवस्था भी की जानी चाहिए.

(6) विद्यालयों में 'सैन्य-शिक्षा'. जैसे नए प्रयोग अवश्य किए जाने चाहिए ताकि सैन्य-सेवाओं में जाने के लिए इच्छुक बच्चों को बचपन से ही शारीरिक तथा मानसिक रूप से तैयार किया जाए, सैन्य सेवाओं में अधिकारी बनने के लिए सेलेक्शन प्रक्रिया 12वीं क्लास पर आधारित रही है, मगर अब इसके लिए 10वीं क्लास के बाद प्रयास शुरू किए जाने चाहिए, इससे जॉब के प्रति अभिभावक तथा बच्चे दोनों एश्योर्ड हो जाएंगे, मगर सैन्य शिक्षा ऐच्छिक होनी चाहिए.

(7) मीडिया जिस तरह से पश्चिम अति भौतिकतावादी संस्कृति की ओर युवाओं को भटका रहा है, वह उचित नहीं है. युवाओं को इस बात का अहसास दिलाना जरूरी है कि किसी संस्कृति का अंधाभक्त बनकर हम बड़े नहीं बन जाते, बल्कि बड़ा वह है जिस व्यक्ति या देश की संस्कृति दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता रखती हो. यद्यपि अन्य संस्कृतियों की अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण बातों को आत्मसात् अवश्य करना चाहिए, मगर उसकी विकृतियों को अपनाकर कोई भी व्यक्ति या देश महान् नहीं बनता. मीडिया को अपना उत्तरदायित्व समझना चाहिए और अगर वे ऐसा नहीं करते तो उनके खिलाफ कोई कानूनी प्रावधान बनाया जा सकता है.

●●●

शेष पृष्ठ 713 का

तुकबन्दी प्रस्तुत की जाती है. इनका एक-एक उदाहरण नीचे दिया जा रहा है–

पहेली–

एक नार दो को ले बैठी।
टेढ़ी होकर बिल में पैठी॥
जिसके बैठे उसे सुहाय।
खुसरो उसके बल-बल जाय॥

(**उत्तर** : पायजामा)

मुकरी–

जब मेरे मन्दिर में आवे।
सोते मुझको आन जगावे॥
पढ़त फिरत वह विरह के अच्छर।
ऐ सखि साजन ? ना सखि मच्छर॥

(**उत्तर** : मच्छर)

दो सखुना–

रोटी जली क्यों ?
घोड़ा अड़ा क्यों ?
पान सड़ा क्यों ?

(**उत्तर** : फेरा न था)

निसबत–

आदमी और गेहूँ में क्या निसबत है?

(**उत्तर** : बाल)

अमीर खुसरो का जीवन सभी धर्मों के लिए समान भाव का जीवंत उदाहरण रहा है. वह हिन्दी के प्रारम्भिक कवि रहे हैं. हिन्दी खड़ी बोली के विकास का अध्ययन उनके योगदान की चर्चा किए बिना अधूरा ही माना जाता है. उनकी पहेलियों, मुकरियों में खड़ी बोली का बड़ा सुथरा रूप मिलता है. उनके हिन्दी प्रेम को देखकर ग्रीब्ज ने लिखा है कि इस बात पर ध्यान देना बहुत ही मनोरंजक है कि उच्च पद प्राप्त मुसलमानों के मध्य भी हिन्दी अत्यधिक सम्मानित होती रही है.

●●●

सार संग्रह

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. प्राचीन साम्राज्य 'अवन्ति' की राजधानी कहाँ थी?
   – ***उज्जैन***
2. अपने साम्राज्य को 'दारुल इस्लाम' का एक भाग समझने वाला प्रथम मुस्लिम शासक कौन था?
   – ***इल्तुतमिश***
3. किस शासक ने वारंगल के प्रतापरुद्र देव से कोहिनूर हीरा प्राप्त किया था?
   – ***अलाउद्दीन खिलजी ने***
4. दिल्ली के निकट तुगलकाबाद के किले का निर्माण किस शासक ने करवाया था?
   – ***गियासुद्दीन तुगलक ने***
5. मयूर सिंहासन का निर्माण किस मुगल बादशाह के शासन काल में हुआ था?
   – ***शाहजहाँ के शासन काल में***
6. औरंगजेब ने किस संत को मृत्यु दण्ड दिया था?
   – ***गुरु तेगबहादुर को***
7. मलिक अम्बर मूलरूप से कहाँ का निवासी था?
   – ***इथोपिया का***
8. भारत में ईस्ट इण्डिया कम्पनी का शासन कब समाप्त किया गया?
   – ***1858 ई. में***
9. लोक सेवा में भारतीयों की नियुक्ति न करने की नीति का आरम्भ किसने किया था?
   – ***लॉर्ड कार्नवालिस ने***
10. बनारस में सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल की स्थापना किसने की थी?
   – ***ऐनी बेसेंट ने***

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. दलित वर्ग को सामाजिक न्याय दिलाने के उद्देश्य से 'जस्टिस आन्दोलन 1915-16 ई.' में कहाँ से प्रारम्भ हुआ था?
   – ***मद्रास (अब चेन्नई) से***
12. 'द ग्रेट रिवोल्ट' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
   – ***अशोक मेहता***
13. 1857 में इलाहाबाद में विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था?
   – ***लियाकत अली ने***
14. महारानी विक्टोरिया की घोषणा को इलाहाबाद दरबार में किसने पढ़ा था?
   – ***लॉर्ड केनिंग ने***
15. संविधान सभा के विचार विमर्श में भाग नहीं लिया था–
   – ***मुस्लिम लीग तथा देशी राज्यों ने***
16. भारत विभाजन के लिए 3 जून, 1947 ई. को बनाई योजना थी–
   – ***माउण्टबैटेन योजना***
17. महात्मा गांधी केवल एक बार (1924 ई. में) कांग्रेस अध्यक्ष बने. यह अधिवेशन कहाँ हुआ था?
   – ***बेलगाँव में***
18. सुभाषचन्द्र बोस ने कांग्रेस के किस अधिवेशन में अध्यक्ष चुने जाने के बाद इस्तीफा दिया था जिसके परिणामस्वरूप डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कांगेस के अध्यक्ष बने?
   – ***त्रिपुरी अधिवेशन (1939) में***
19. साइमन कमीशन के विरोध में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस लाठी चार्ज में घायल होने के फलस्वरूप किस राष्ट्रीय नेता की मृत्यु हुई?
   – ***लाला लाजपत राय की***
20. महात्मा गांधी ने प्रथम नागरिक अवज्ञा आन्दोलन (Civil Disobedience Movement) किस घटना के पश्चात् प्रारम्भ किया?
   – ***साइमन कमीशन के कारण***

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसम्बर, 1946 को डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा की अध्यक्षता में हुई. किस प्रमुख राजनीतिक दल ने इसका बहिष्कार किया था?
   – ***मुस्लिम लीग ने***
22. संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार पद पर किसकी नियुक्ति की गई?
   – ***डॉ. बी. एन. राव की***
23. छः मौलिक अधिकार कौन-कौनसे हैं?
   – ***1. समानता का अधिकार, 2. स्वतंत्रता का अधिकार, 3. शोषण के विरुद्ध अधिकार, 4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, 5. संस्कृति तथा शिक्षा का अधिकार, 6. सांविधानिक उपचारों का अधिकार***
24. लोक सभा के प्रथम अध्यक्ष थे–
   – ***गणेश वासुदेव मावलंकर***
25. भारत के प्रथम मुख्य न्यायाधीश कौन थे?
   – ***हीरालाल जे. कानिया***
26. राष्ट्रपति के त्यागपत्र की सूचना उपराष्ट्रपति किसको देता है?
   – ***लोक सभा अध्यक्ष (स्पीकर) को***
27. भारत का महान्यायवादी (Attorney General of India) कब तक पद धारण कर सकता है?
   – ***राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त***
28. यदि लोक सभा अध्यक्ष अनुपस्थित हो तो संसद के संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता कौन करता है?
   – ***लोक सभा का उपाध्यक्ष***
29. संविधान के किस अनुच्छेद के प्रावधानों के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा भारत रत्न, पद्म विभूषण आदि अलंकरण प्रदान किए जाते हैं ?
   – ***अनुच्छेद 18 के अन्तर्गत***

30. लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की योजना करने वाली समिति का क्या नाम है?

– बलवन्तराय मेहता समिति

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. ब्रिजटाउन किस देश की राजधानी है?

– बारबाडोस की

32. विश्व की कौनसी नदी भूमध्य रेखा को दो बार क्रास करती है?

– कांगो नदी

33. 'डूरण्ड रेखा' किन दो देशों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा निर्धारित करती है ?

– अफगानिस्तान और भारत के बीच

34. उड़ीसा में 'सिमिलीपाल वन्य अभयारण्य' कहाँ स्थित है?

– मयूरभंज में

35. 'यूरोप का कॉकपिट' (Cockpit of Europe) किस देश को कहते हैं?

– बेल्जियम को

36. भारत का दक्षिणतम बिन्दु कहलाता है–

– इन्दिरा पॉइन्ट

37. 'सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र' (Satish Dhawan Space Centre) कहाँ स्थित है?

– श्रीहरिकोटा (आन्ध्र प्रदेश)

38. नैन्सी किस देश का प्रमुख औद्योगिक नगर है ?

– ब्रिटेन का

39. विश्व का सबसे बड़ा महासागर कौनसा है?

– प्रशान्त महासागर (Pacific Ocean)

40. पिरेनीज पर्वत किन दो देशों के बीच है ?

– फ्राँस और स्पेन

भारतीय अर्थव्यवस्था

41. किसे प्लास्टिक मनी कहा जाता है?

– क्रेडिट कार्ड तथा डेबिट कार्ड दोनों को

42. आई. पी. ओ. (IPO) का पूर्णरूप क्या है?

– इनीशियल पब्लिक ऑफर *(Initial Public Offer)*

43. कौनसा सूचकांक किसी देश के लोगों की आयु सम्भाविता, साक्षरता स्तर, शिक्षा और जीवन स्तर मापने के लिए तैयार किया गया है?

– मानव विकास सूचकांक (Human Development Index)

44. 13वें वित्त आयोग के अध्यक्ष कौन हैं?

– विजय केलकर

45. अनिल कपूर ABC के अध्यक्ष हैं. इसमें ABC का क्या अर्थ है?

– ऑडिट ब्यूरियो ऑफ सरकुलेशन (Audit Bureau of Circulation)

46. 1 जनवरी, 1981 से SDR का मूल्य पाँच सबसे बड़े निर्यातक सदस्य देशों की मुद्राओं की बास्केट (Basket) के आधार पर निर्धारित किया जाने लगा है. यह मुद्राएं हैं–

– यू. एस. डॉलर, मार्क, येन, फ्रेंक तथा पाउण्ड स्टरलिंग

47. राष्ट्रीय सांख्यिकीय दिवस 29 जून को किसके जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाने लगा है?

– पी. सी. महालनोविस/देश के महान् सांख्यिकीवेत्ता तथा कोलकाता स्थित भारतीय सांख्यिकीय संस्थान (Indian Statistical Institute) के संस्थापक के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में

48. खाद्य एंव कृषि संगठन (FAO) का मुख्यालय कहाँ है?

– रोम (इटली) में

49. विश्व बैंक की 'उदार ऋण प्रदान करने वाली खिड़की' किसे कहा जाता है?

– अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA) को

50. भारत की पहली मानव विकास रिपोर्ट (HDR) कब जारी की गई थी?

– अप्रैल 2002 में

सामान्य विज्ञान

51. हाइड्रौलिक ब्रेक किस सिद्धान्त पर काम करते हैं?

– पास्कल के सिद्धान्त पर

52. किस घटना के कारण तारे टिमटिमाते (Twinkling) प्रतीत होते हैं?

– अपवर्तन की क्रमिक घटना के कारण

53. हीमोग्लोबिन किसकी महत्वपूर्ण घटक होती है?

– लाल रक्त सैल्स की

54. दो तत्व कौनसे हैं, जो सर्वाधिक संख्या में यौगिकों का निर्माण करते हैं?

– हाइड्रोजन और कार्बन

55. पारिस्थितिकी (Ecology) किसके अध्ययन से सम्बन्धित है?

– जीव व पर्यावरण के सह-सम्बन्धों से

56. मानव शरीर की सबसे छोटी हड्डी होती है–

– स्टेपिस

57. मानव शरीर में 'आयोडीन युक्त नमक' का क्या कार्य है?

– थायरॉयड ग्रन्थियों के कार्य को नियंत्रित करना

58. शरीर का कौनसा अंग एक प्रकार से 'रुधिर बैंक' (Blood Bank) का कार्य करता है?

– प्लीहा (Spleen)

59. मलेरिया बुखार फैलाने वाले मच्छर का नाम है–

– एनाफ्लीज मच्छर

60. मनुष्य की प्रत्येक कोशिका में क्रोमोसोम्स की संख्या होती है–

– 46

कृषि

61. ग्रामीण क्षेत्रों में अतिरिक्त लाभप्रद रोजगार प्रदान करने हेतु साथ ही खाद्य सुरक्षा, सामाजिक एवं आर्थिक सुविधाएं देने के लिए **'एस जी आर वाई' (SGRY**–सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना) जवाहर ग्राम समृद्धि योजना और सुनिश्चित रोजगार योजना दोनों को मिलाकर, कब शुरू की गई थी?

– 25 सितम्बर, 2001 को

62. **'राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम, 2005'** ('नरेगा' –'NAREGA'–National Rural Employment Guarantee Act, 2005) के तहत् अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम कितने दिनों की मजदूरी रोजगार देने हेतु शुरू की गई थी यह योजना.....

– 100 दिनों का मजदूरी रोजगार

63. **'नरेगा' (NAREGA) के अधिनियम, 2005'** को सर्वप्रथम देश के कितने चुने गए जिलों में 2 फरवरी, 2006 से लागू कर शुरू किया गया?

– 200 चयनित जिलों में

64. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (**PMGSY**–Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana)–100% केन्द्र प्रायोजित योजना–सड़कों से न जुड़ी बसावटों को सड़क सम्पर्क उपलब्ध कराने हेतु, कब शुरू की गई थी?

– दिसम्बर 2002 से

65. **NSAP** (National Social Assistance Programme) अर्थात् राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्य कब शुरू किया गया था?

– वर्ष 1995–96 में

66. ग्रामीण विकास मंत्रालय (भारत सरकार)–**BPL** (Below Poverty Line) परिवारों को मकानों के निर्माण/मरम्मत में सहायतार्थ **'इंदिरा आवास योजना'** (**IAY**–Indira Awas Yojana) कब से कार्यान्वित कर रहा है?

– 1985–86 से

67. **'इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेशन योजना'** (Indira Gandhi National Old Age Pension Scheme–**IGNOAPS**) एक नई योजना के रूप में कब शुरू की थी?

– 19 नवम्बर, 2007 को

68. केन्द्र सरकार द्वारा **'सीआरएसपी'** (**CRSP**–Central Rural Sanitation Programme) सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान–ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता कवरेज में तेजी लाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम कब शुरू किया था ?

– 1986 में

69. **ARWSP** (Accelerated Rural Water Supply Programme) के एक भाग के रूप में केन्द्र सरकार द्वारा **'स्वजलधारा कार्यक्रम'** (Swajaldhara Programme) ग्रामीण जल आपूर्ति कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु किस वर्ष से शुरू किया गया ?

– वर्ष 2002–03 में

70. केन्द्र सरकार द्वारा **NDWM** (National Drinking Water Mission)–शुरूआत 1986, का वर्ष 1991 में इस NDWM का नाम बदल कर नया नाम किया गया–

– RGNDWM (Rajiv Gandhi National Drinking Water Mission)

खेलकूद

71. भारतीय क्रिकेट टीम के वर्तमान कोच कौन हैं?

– गैरी कर्सटन

72. आगा खाँ कप किस खेल से सम्बन्धित है?

– हॉकी से

73. 'रणजी ट्रॉफी' का सम्बन्ध किस खेल से है?

– क्रिकेट से

74. क्रिकेट खेल के लिए चर्चित शारजाह (Sharjah) कहाँ है?

– यू. ए. ई. में

75. लॉन टेनिस कोर्टों के लिए विख्यात विम्बलडन कहाँ है?

– लन्दन में

76. अजलनशाह हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी कौनसा देश करता है?

– मलेशिया

77. चिन्नास्वामी स्टेडियम कहाँ स्थित है?

– बेंगलुरु में

78. मानवजीत सिंह संधु किस खेल से सम्बन्धि हैं ?

– निशानेबाजी से

79. ट्वेंटी–20 विश्व कप क्रिकेट में भारत ने सेमीफाइनल मैच किस देश की टीम के खिलाफ खेला था?

– आस्ट्रेलिया की टीम के साथ

80. पेनल्टी स्ट्रोक शब्द किस खेल से सम्बन्धित है?

– हॉकी से

विविध

81. कांग्रेस पहली बार आम चुनाव में कब हारी थी?

– 1977 में

82. विश्व स्वास्थ्य दिवस कब मनाया जाता है?

– 7 अप्रैल को

83. '1984' उपन्यास किसने लिखा है?

– जॉर्ज ऑरवेल ने

84. 'विडाल टेस्ट' किस रोग की सम्भावना की जाँच के लिए किया जाता है?

– टाइफाइड

85. प्रथम दादा साहेब फाल्के पुरस्कार किसने प्राप्त किया?

– देविका रानी ने

86. भटनागर पुरस्कार किस क्षेत्र में प्रदान किया जाता है?

– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में

87. यम-नचिकेता की कहानी किस उपनिषद में है?

– कठोपनिषद् में

88. 'गीत गोविन्द' के रचयिता कौन हैं? ***– जयदेव***

89. किस सॉफ्टवेयर कम्पनी ने भारत में 'अनलिमिटेड पोटेंशियल' (Unlimited Potential) नामक शिक्षा पोर्टल प्रारम्भ किया है?

– माइक्रोसॉफ्ट ने

90. यू. एन. ओ. किस दिन को 'अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में घोषित किया है?

– 2 अक्टूबर को

91. विश्व बैंक के वर्तमान अध्यक्ष कौन हैं?

– रॉबर्ट जोएलिक

92. 'द वर्जिन ऑफ द रॉक्स' (The Virgin of the Rocks) के चित्रकार कौन हैं?

– लियोनार्डो-द-विन्सी

93. महाबलिपुरम् के रथ मन्दिरों का निर्माण किसने करवाया था?

– नरसिंह वर्मन प्रथम ने

94. हो ची मिन्ह ने किस देश के स्वतंत्रता आन्दोलन का नेतृत्व किया था?

– वियतनाम के स्वतंत्रता आन्दोलन

95. पाकिस्तान की नेशनल असेम्बली की प्रथम महिला स्पीकर कौन चुनी गई हैं ?

– डॉ. फहमिदा मिर्जा

96. भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान अध्यक्ष कौन बने हैं?

– डॉ. डुवुरी सुब्बाराव (Duwuri Subbarao)

97. संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के नए अध्यक्ष बने हैं–

– प्रो. डी. पी. अग्रवाल

98. सैन्य कर्मियों के कोर्ट मार्शल के फैसलों के विरुद्ध अपीलों तथा विभिन्न उच्च न्यायालयों में लम्बित मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए नए प्रस्तावित सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (Armed Forces Tribunal) के प्रथम अध्यक्ष का दायित्व किसे सौंपा गया है?

– न्यायमूर्ति ए. के. माथुर (उच्चतम न्यायालय से सेवानिवृत न्यायाधीश)

99. परमवीर चक्र से सम्मानित प्रथम व्यक्ति हैं–

– सोमनाथ शर्मा

100. सुप्रसिद्ध लिंगराज मन्दिर कहाँ स्थित है?

– भुवनेश्वर (उड़ीसा) में

101. नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रथम भारतीय महिला कौन हैं?

– मदर टेरेसा

102. राष्ट्रीय भूमि सुधार परिषद् के अध्यक्ष हैं–

– डॉ. मनमोहन सिंह

103. दक्षिण अमरीका के किस देश ने एक महिला को अपना राष्ट्रपति चुना है?

– अर्जेण्टीना ने

104. कृषि/प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण देने के बारे में नीतियाँ बनाने वाली शीर्ष संस्था है–

– नाबार्ड (NABARD)

105. किस उद्योग में 'भारी पानी' (Heavy Water) का उपयोग किया जाता है?

– न्यूक्लीयर पॉवर जनरेशन प्लान्ट में

106. 'पाकिस्तान : द गैदरिंग स्टॉर्म्स' (Pakistan : The Gathering Storms) पुस्तक किसने लिखी है?

– बेनजीर भुट्टो ने

107. ASEAN किस क्षेत्र के देशों का संगठन है?

– दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का

108. 'हिन्दुस्तान टाइम्स' के प्रधान सम्पादक किन्हें बनाया गया है?

– संजय नारायण को

109. एन. एस. जी. से क्या अभिप्राय है?

– न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप यह परमाणु तकनीक और साज-सामान की सप्लाई करने वाले देशों का संगठन है

110. आतंकी हमले में ध्वस्त 'वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर' के स्थान पर अमरीका में विश्व की सबसे ऊँची टॉवर का निर्माण किया जा रहा है. इसका नाम 'फ्रीडम टॉवर' क्यों रखा गया है?

– क्योंकि फुटों में इसकी ऊँचाई (1776 फुट) अमरीका के स्वतंत्रता प्राप्त करने के वर्ष को निरूपित करेगी.

●●●

उपकार

नवीन संस्करण

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस फोर्स

कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा

जनरल ड्यूटी

★ भारत-तिब्बत सीमा पुलिस फोर्स कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा
लेखक : डॉ. जैन एवं शर्मा मूल्य : 75.00 रुपए

★ भारत-तिब्बत सीमा पुलिस फोर्स कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा
सम्पादक मण्डल सामान्य ज्ञान दर्पण मूल्य : 99.00 रुपए

हैड कॉंस्टेबिल एवं असिस्टेन्ट सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा

नवीन प्रस्तुति

(स्टेनोग्राफर पद के लिए)

लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन कोड नं. 522 मूल्य : 145/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

E-mail : publisher@upkar.in
Website : www.upkar.in

JUST RELEASED

PRATIYOGITA DARPAN EXTRA ISSUE

Exam. Oriented Series-7

CURRENT EVENTS ROUND-UP Vol. 3

Rs. 60/-

HIGHLIGHTS

National, International, Micro News, Economy, Science, Space and Technology, Sports, Environment and Much More.

Code No. 819

Most Updated Package for UPSC, State Civil Services and Other Competitive Exams.

PRATIYOGITA DARPAN 2/11 A, Swadeshi Bima Nagar, AGRA-282 002
Ph. : 4053333, 2530966, 2531101; Fax : (0562) 4053330
E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए–

(प्रत्येक लगभग 250 शब्द में)

(क) उन्नीसवीं शताब्दी में 1850 के बाद भारत में प्रारम्भ हुए प्रमुख समाज सुधार आन्दोलनों पर चर्चा कीजिए. इन आन्दोलनों ने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में किस प्रकार योगदान दिया ?

(ख) बंगाल विभाजन के पीछे मूल उद्देश्य क्या थे? इसके क्या परिणाम हुए? इसे क्यों स्थगित कर दिया गया ?

(ग) कैबिनेट मिशन योजना क्या थी? इस योजना में 'समूहीकरण' से क्या आशय था? इसके प्रति कांग्रेस और मुस्लिम लीग का क्या दृष्टिकोण था?

उत्तर–

प्रश्न 2. निम्नलिखित के सम्बन्ध में लिखिए– (प्रत्येक 20 शब्द में)

(क) सोम प्रकाश

(ख) लॉर्ड मैकाले

(ग) शुद्धि आन्दोलन

(घ) शेख अब्दुल हलील शरार

(ङ) ठक्कर बापा

(च) एनी बेसेन्ट

(छ) लठ्ठमार होली

(ज) स्वराज पार्टी

(झ) राम किंकर

(ञ) नाना साहब

(ट) आदिवैत्त

(ठ) सैर-ए-गुलफरोशन

(ड) गान्धार कला

(ढ) सारनाथ

(ण) श्रीरंगपटनम

उत्तर

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए–

(प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में)

(क) हिमालय की नदियों की विशेषताओं की चर्चा कीजिए. कौनसी नदियों ने हिमालय के आर-पार गहरी घाटियों का निर्माण किया है?

(ख) आधे से अधिक भारत के कर्क रेखा (**Tropic of Cancer**) के बाहर रहने के बावजूद भारत को उष्णकटिबन्धीय भारत कहा जाता है, क्यों?

(ग) भारत में लौह एवं इस्पात के सभी बड़े संयन्त्रों के प. बंगाल, झारखण्ड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ तथा आन्ध्र प्रदेश की पट्टी में ही स्थापित किए जाने के क्या कारण हैं ? तर्क सहित व्याख्या कीजिए.

उत्तर

प्रश्न 4. निम्नलिखित के सम्बन्ध में लिखिए – (प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में)

(क) यूट्रोफिकेशन

(ख) जैवमण्डल रिजर्वस

(ग) एस. ई. जैड

(घ) दक्षिण गंगा

(ङ) गारो-राजमहल अन्तराल

उत्तर

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए–

(लगभग 250 शब्दों में)

(क) ''गठबन्धन सरकारें भारतीय राजनीति का अभिन्न अंग बन गई हैं.'' टिप्पणी कीजिए.

(ख) ''शान्तिपूर्ण निष्पक्ष चुनाव भारतीय लोकतन्त्र की एक अभूतपूर्व सफलता है.'' विवेचना कीजिए.

उत्तर

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में)

(क) भारत के राष्ट्रपति को किस सीमा तक विवेकाधीन शक्तियाँ प्राप्त हैं?

(ख) ''भारत में राजनीतिक दलों के भीतर दलीय लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है.'' विवेचना कीजिए.

(ग) भारतीय संविधान में अल्पसंख्यक से क्या आशय है? अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षार्थ संविधान में क्या प्रावधान किए गए हैं ?

उत्तर

प्रश्न 7. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए–
(प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में)

(i) संसद सदस्यों के विशेषाधिकार क्या हैं ?

(ii) संसद की कार्रवाही संचालन में 'शून्य काल' से क्या आशय है?

(iii) कैबिनेट एवं मंत्रिमण्डल में क्या अन्तर है ?

(iv) प्रो-टर्म स्पीकर क्या होता है ?

(v) काम चलाऊ सरकार से क्या आशय है ?

उत्तर

प्रश्न 8. निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर दीजिए– (लगभग 250 शब्दों में)

(क) बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रमुख प्रावधानों तथा इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए.

(ख) समलैंगिकता पर दिल्ली उच्च न्यायालय के हालिया निर्णय के सन्दर्भ में भारत में उठी बहस के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कीजिए.

उत्तर

उत्तर

प्रश्न **9.** निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए–

(प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में)

(क) भारत में नौकरशाही के बढ़ते प्रभाव के दुष्परिणामों की विवेचना कीजिए.

(ख) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में महिला की छवि विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए.

(ग) पंचायती राज संस्थाओं में **50** प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिए जाने के क्या निहितार्थ हैं ?

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर दीजिए–

(प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में)

(क) डेरा सचखण्ड के सन्त रामानन्द की वियना में हत्या के परिणाम-स्वरूप पंजाब में उपजी जातीय हिंसा को आप किस रूप में देखते हैं ?

(ख) भारत में बालश्रम के बदतर स्वरूपों पर चर्चा कीजिए. बालश्रम निवारणार्थ किए गए उपायों की सफलता-असफलता का मूल्यांकन कीजिए.

उत्तर

प्रश्न 11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए–

(लगभग 150 शब्दों में)

(क) सूचना का अधिकार अधिनियम किस सीमा तक भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में सफल हुआ है ?

(ख) भारत में शहरी-ग्रामीण खाई के लगातार चौड़े होते जाने के लिए कौन-कौनसे कारण उत्तरदायी हैं ? इस अन्तराल को किस प्रकार पाटा जा सकता है ?

(ग) ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में प्राथमिक शिक्षा के लक्ष्य क्या हैं ?

उत्तर

प्रश्न 12. निम्नलिखित के सम्बन्ध में लिखिए– (लगभग 20 शब्दों में)

(क) अर्थ आवर

(ख) विशिष्ट पहचान संख्या (UIN)

(ग) दक्षेस विश्वविद्यालय

(घ) 'आक्टोपस' (OCTOPUS)

(ङ) बान्द्रा-वर्ली सी लिंक

उत्तर

●●●

सामान्य अध्ययन

द्वितीय प्रश्न-पत्र

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए (प्रत्येक टिप्पणी लगभग 150 शब्दों में होनी चाहिए)–

(क) श्रीलंका में लिट्टे का सफाया और भारत-श्रीलंका सम्बन्ध.

(ख) भारत-इजरायल सैन्य सहयोग.

(ग) नेपाल में–राजनीतिक अस्थिरता एवं भारत.

उत्तर–

प्रश्न 2. निम्नलिखित के सम्बन्ध में लिखिए (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में होना चाहिए)–

(क) भारत-बांग्लादेश जल सन्धि

(ख) पंचम विश्व जल फोरम, 2009

(ग) अरब लीग शिखर सम्मेलन, 2009

(घ) 15वां गुट निरपेक्ष आन्दोलन शिखर सम्मेलन

(ङ) ब्रह्मोस

उत्तर–

प्रश्न 3. निम्नलिखित के सम्बन्ध में लिखिए (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में होना चाहिए)–

(क) समुद्रपारीय कामगार संसाधन केन्द्र (OWRC)

(ख) पी.आई.ओ. विश्वविद्यालय

(ग) प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार

(घ) भारत जानो कार्यक्रम

(ङ) कौशल प्रोन्नयन योजना

उत्तर–

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में)–

(क) मुद्रास्फीति विरोधाभास क्या है ? वर्ष 2009 के मध्य में भारत में इसका प्रभाव किस रूप में परिलक्षित हो रहा है ?

(ख) बदलते वैश्विक परिदृश्य में तेजी से उभरती विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका के सन्दर्भ में ब्रिक (BRIC) शिखर सम्मेलन 2009 की उपलब्धियों पर चर्चा कीजिए.

उत्तर–

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर चर्चा कीजिए (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए)–

(क) प्रधानमन्त्री की राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद् क्या है ?

(ख) वैश्विक मन्दी की चपेट से भारतीय अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए भारत सरकार द्वारा अपनाए गए उपायों की चर्चा कीजिए.

(ग) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के उद्देश्यों एवं कार्यनीति को समझाइए.

उत्तर–

प्रश्न 6. निम्नलिखित के बारे में लिखिए (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में होना चाहिए)–

(क) विश्व हरित सूचकांक (**World Green Index**)

(ख) दूरन्तो

(ग) भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण

(घ) यशपाल समिति रिपोर्ट–2009

(ङ) ट्रांस एशियन रेल नेटवर्क

उत्तर–

प्रश्न 7. निम्नलिखित में से किसी एक पर लिखिए. (प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए)–

(क) महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभावों की समाप्ति पर अभिसमय (**CEDAW**) के प्रमुख प्रावधान क्या हैं तथा इन्हें किस प्रकार लागू किया जाता है ?

(ख) वैश्विक आर्थिक संकट के चलते तेजी से प्रचलित नवसंरक्षणवाद के औचित्य पर चर्चा कीजिए.

उत्तर–

प्रश्न 8. निम्नलिखित के सम्बन्ध में लिखिए (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में होना चाहिए)–

(क) भारतीय समुदाय कल्याण निधि (ICWF)

(ख) भारत-दक्षिण कोरिया व्यापार समझौता

(ग) भारत खाड़ी सहयोग

(घ) उत्तर कोरिया का परमाणु परीक्षण

(ङ) प्रधानमन्त्री आदर्श गाँव योजना

उत्तर–

प्रश्न 9. निम्नलिखित के सम्बन्ध में संक्षेप में लिखिए (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में होना चाहिए)–

(क) जी-20

(ख) शंघाई सहयोग संगठन

(ग) ओ.ए.एस.

(घ) जी-15

(ङ) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय

उत्तर–

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर दीजिए (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम **250** शब्दों में होना चाहिए)–

(क) वैश्विक गर्मी **(Global Warming)** में कार्बन उत्सर्जन की क्या भूमिका है ? पर्यावरण पर इसके प्रतिकूल प्रभावों की विवेचना कीजिए.

(ख) भारत की प्रक्षेपास्त्र प्रणाली के विकास क्रम तथा वर्तमान स्थिति की विवेचना कीजिए.

उत्तर–

प्रश्न **11.** निम्नलिखित में से किन्हीं तीन को समझाइए (प्रत्येक को लगभग **150** शब्दों में)–

(क) **3**-जी

(ख) नोवो-जी

(ग) जीन मैपिंग **(Gene-Mapping)**

(घ) स्टेम सेल थेरेपी (उपचार)

उत्तर–

प्रश्न **12.** निम्नलिखित के बारे में लिखिए (उत्तर लगभग **20** शब्दों में होना चाहिए)–

(क) हबीब तनवीर

(ख) रेपिड-आर्क **(Rapid Arc)**

(ग) ओरिफिश-सर्जरी

(घ) ब्लैक होल **(Black Hole)**

(ङ) बिंग **(Bing)**

उत्तर–

प्रश्न 13. (क) निम्नलिखित आँकड़ों को किसी उपयुक्त चित्र द्वारा निरूपित कीजिए तथा व्यय प्रकृति पर टिप्पणी कीजिए–

व्यय की मदें	व्यय (रुपए)	
	परिवार 'अ'	परिवार 'ब'
1. भोजन	200	300
2. वस्त्र	48	75
3. शिक्षा	32	40
4. मकान किराया	40	75
5. विविध	80	110
	400	600

(ख) किसी कक्षा के 50 छात्रों द्वारा प्राप्तांक निम्नलिखित प्रकार हैं–

प्राप्तांक	छात्रों की संख्या
10 से कम	4
20 से कम	10
30 से कम	30
40 से कम	40
50 से कम	47
60 से कम	50

एक उपयुक्त रेखाचित्र बनाइए तथा बीच के 80 प्रतिशत छात्रों द्वारा अर्जित प्राप्तांकों की रेंज बताइए.

उत्तर–

प्रश्न 14. (क) किसी वस्तु 'अ' की उत्पादन लागत वस्तु 'ब' की उत्पादन लागत से 10% कम है. दोनों ही वस्तुएं 20% लाभ पर बेची जाती हैं. यदि वस्तु 'ब' की 10 टन मात्रा 6000 रुपए में बेची जाती है तो उतना ही लाभ अर्जित करने के लिए 'ब' वस्तु की कितनी मात्रा बेची जानी चाहिए ?

(ख) निम्नलिखित सांख्यिकी को प्रदर्शित करने के लिए आप कौन से चित्र का प्रयोग करना चाहेंगे ?

(i) किसी माह में मुम्बई स्टॉक एक्सचेन्ज में हुए कारोबार का दैनिक परिमाण.

(ii) भारत सरकार के निर्यात के विभिन्न प्रमुख वर्गों के निर्यात मूल्य की वर्ष 1991-92 एवं 2001-02 की तुलना.

(iii) 2001 की जनगणना में जनसंख्या का आयु, लिंग एवं सिविल दशाओं का वितरण.

(iv) किसी वर्ष विशेष में जनसंख्या में स्वामित्व के आधार पर जोतों का वितरण.

उत्तर–

कारोबार में औसत वार्षिक वृद्धि दर की गणना कीजिए तथा 2006 के लिए कारोबार का अनुमान लगाइए.

उत्तर–

प्रश्न 15. (क) निम्नलिखित कथनों में त्रुटि या अस्पष्टता को इंगित कीजिए–

(i) किसी कारखाने में जूते की औसत लागत वर्ष 1991 में रु. 110 से बढ़कर वर्ष 2001 में 115 हो गई. इसका अर्थ है कि कारखाने की क्षमता में गिरावट आई है.

(ii) एक व्यक्ति आगरा से दिल्ली की दूरी जाते समय 60 किमी. प्रति घण्टा से तथा आते समय 70 किमी. प्रति घण्टा से तय करता है. उसकी औसत गति 65 किमी प्रति घण्टा हुई.

(ख) किसी कम्पनी के वार्षिक कारोबार के आँकड़े निम्नलिखित प्रकार हैं–

वर्ष	2001	2002	2003	2004	2005
कारोबार (लाख रु.)	342	380	385	420	480

●●●

UPKAR'S SSC New Editions

Tax Assistant (Income Tax & Central Excise) Exam.

(According to the New Syllabus)

Including Previous Years' Solved Papers

By : Dr. Lal & Jain

Eng. Edition	Code No. 332	Rs. 255/-
Hindi Edition	Code No. 1159	Rs. 235/-

Upkar's Other Useful Books

SSC Tax Assistant Exam. Solved Papers	60/-
New Pattern Test of Objective English (NPTOE)	130/-
Learn to Write Correct English (Eng.-Hindi)	199/-
Correct English How to Write It (Eng.-Eng.)	195/-
Objective General Knowledge	26/-
General Knowledge Digest	75/-
General Knowledge Overview with Current Affairs	40/-
Quicker Objective Arithmetic	190/-
एस.एस.सी. कर सहायक परीक्षा सॉल्वड् पेपर्स	58/-
वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान, कौन क्या है ?	40/-
गणितीय सूत्रकोश	76/-
ऑब्जेक्टिव इन्सटेंट अरिथमेटिक	180/-
क्विकर वस्तुनिष्ठ अंकगणित	205/-

UPKAR PRAKASHAN ☎ Agra 4053333, Delhi 23251866, Patna 2226540, Indore 4053333, Charkhi Dadri (01250) 220120

यूनाइटेड इण्डिया इन्श्योरेंस प्रशासनिक अधिकारी परीक्षा, 24-5-2009 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य ज्ञान एवं सामयिक मामले

(स्मृति पर आधारित)

1. सियाम को अब क्या कहा जाता है ?
   (A) लाओस (B) थाइलैण्ड
   (C) वियतनाम् (D) कम्बोडिया
2. नगरों का सही समूह जिनसे होकर राष्ट्रीय राजमार्ग नं. 8 गुजरता है, है–
   (A) बीकानेर, अजमेर, कोटा
   (B) जोधपुर, जयपुर, बीकानेर
   (C) जयपुर, उदयपुर, अहमदाबाद
   (D) जयपुर, पुणे, उदयपुर
3. अपनी न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्ति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय सुनिश्चित करता है–
   (A) न्यायिक प्रमुखता
   (B) देश में एक प्रजातान्त्रिक सरकार
   (C) देश में एक संवैधानिक सरकार
   (D) कि संसद के आधिपत्य पर नियन्त्रण किया गया है
4. मूल्यांकन की किस इकाई को ''पेपर गोल्ड'' कहा जाता है ?
   (A) पेट्रोडॉलर (B) एस.डी.आर.
   (C) यूरोडॉलर (D) जी.डी.आर.
5. भारतीय राष्ट्रगान के पूर्ण भाषान्तर के गायन की अवधि कितनी है ?
   (A) 47 सेकण्ड (B) 50 सेकण्ड
   (C) 52 सेकण्ड (D) 60 सेकण्ड
6. बराक ओबामा ने यू.एस.ए. के 44वें राष्ट्रपति पद की शपथ कब ग्रहण की ?
   (A) जनवरी 15, 2009
   (B) जनवरी 20, 2009
   (C) जनवरी 25, 2009
   (D) जनवरी 30, 2009
7. चलचित्र 'स्लमडॉग मिलियनेयर' उपन्यास 'क्यू एण्ड ए' पर आधारित है, जिसके लेखक हैं एक भारतीय–
   (A) खुशवन्त सिंह
   (B) खालिद मोहम्मद
   (C) सबरजीत सिंह
   (D) विकास स्वरूप
8. 'राष्ट्रीय अन्वेषण एजेन्सी' का प्रथम महानिदेशक किसको नियुक्त किया गया है ?
   (A) पी. एस. शर्मा
   (B) ए. गोपालस्वामी
   (C) राधा विनोद राजू
   (D) के. सी. वर्मा
9. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत भारत के राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक पर अपनी स्वीकृति रोक सकते हैं ?
   (A) अनुच्छेद, 100
   (B) अनुच्छेद, 111
   (C) अनुच्छेद, 200
   (D) अनुच्छेद, 222
10. त्रिपुरा के व्यक्तियों द्वारा कौनसी भाषा बोली जाती है ?
   (A) बंगाली (B) तेलुगु
   (C) असमी (D) मलयालम
11. सूर्य शेखर गांगुली खिलाड़ी हैं–
   (A) शतरंज के (B) क्रिकेट के
   (C) गोल्फ के (D) हॉकी के
12. हम समाचार-पत्रों में स्पेशल इकोनोमिक जोन्स (सेज़्) के विषय में लगातार पढ़ते हैं. ये सेज निम्नलिखित में से किस उद्देश्य को लेकर स्थापित किए गए थे ?
   1. स्वदेशी बाजारों को बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से सीधी प्रतिस्पर्द्धा से संरक्षण के लिए.
   2. कृषि एवं सम्बद्ध कार्यकलापों को अधिक पूँजी प्रदान करने के लिए.
   3. विदेशी निवेश को प्रत्यक्ष रूप से आकर्षित करने के लिए.
   (A) केवल 4
   (B) केवल 2
   (C) केवल 3
   (D) 1, 2 एवं 3 सभी
13. 'यूरो कप' किससे सम्बन्धित है ?
   (A) क्रिकेट (B) फुटबाल
   (C) पोलो (D) मुक्केबाजी
14. विश्व पर्यावरण दिवस होता है–
   (A) 15 जून को (B) 11 जून को
   (C) 17 जून को (D) 30 जून को
15. भारत के किस चट्टान आश्रय में सबसे अधिक संख्या में चित्रकारियाँ हैं ?
   (A) आदमगढ़ (B) भीमबेटका
   (C) गहगहरिया (D) लेखिका
16. पृथ्वी द्वारा सूर्य से प्राप्त ऊष्मा को कहा जाता है–
   (A) आपतन
   (B) सौर ताप
   (C) सौर विकिरण
   (D) ऊष्मीय विकिरण
17. कोरोनोग्राफ जिसके द्वारा पूर्ण सूर्य ग्रहण की प्रतीक्षा किए बिना सूर्य का अध्ययन किया जा सकता है, किसने आविष्कार किया ?
   (A) डोनाल्ड मेन्जेल
   (B) पियरे जेनसीन
   (C) जोन एवरशेड
   (D) बर्नार्ड लियोट
18. अन्य बातों के साथ-साथ ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति एवं उसके वर्तमान स्तर पर विस्तृत स्तर पर विस्तृत वर्णन करते हुए 'दि स्ट्रक्चर ऑफ यूनिवर्स' पुस्तक किसने लिखी ?
   (A) रॉबर्ट जसट्रो
   (B) एस. चन्द्रशेखर
   (C) जयन्त नारलिकर
   (D) कार्ल सागन
19. श्रीलंका के उस नगर का क्या नाम है, जोकि तमिल टाइगर्स का प्रशासनिक एवं राजनीतिक मुख्यालय रह चुका है तथा जिसको हाल ही में सेना ने कब्जे में ले लिया ?
   (A) कैन्डी (B) जाफ़ना
   (C) किलिनोचचि (D) मुल्लाईथिवु
20. किस समिति ने धारा-88 के अन्तर्गत कर छूटों को समाप्त करने के लिए परामर्श दिया था ?
   (A) केलकर समिति
   (B) रंगराजन समिति
   (C) चेल्लिआह समिति
   (D) शोम समिति

उत्तर व्याख्या सहित

●●●

हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2009 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य अध्ययन

(स्मृति पर आधारित)

1. हिमाचल प्रदेश में 'सूत्र' (सोशल अपलिफ्टमेन्ट थ्रू रूरल एक्शन) की स्थापना कब हुई थी?
(A) 1975 (B) 1977
(C) 1978 (D) 1979

2. क्षेत्रफल की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश का सबसे छोटा जिला कौनसा है?
(A) ऊना (B) बिलासपुर
(C) हमीरपुर (D) सोलन

3. निम्नलिखित में से कौनसा ऋषि हिमाचल प्रदेश से सम्बद्ध नहीं रहा है?
(A) व्यास (B) बाल्मीकि
(C) मार्कण्डेय (D) लोमश

4. वन रिकार्ड्स के अनुसार हिमाचल प्रदेश का कुल वन क्षेत्र है–
(A) 37033 वर्ग किमी
(B) 41027 वर्ग किमी
(C) 39098 वर्ग किमी
(D) 40739 वर्ग किमी

5. समुद्र-तल से मुक्किला ग्लेशियर की ऊँचाई कितनी है?
(A) 6478 मीटर (B) 6570 मीटर
(C) 6335 मीटर (D) 6642 मीटर

6. कुनिहार घाटी कहाँ से शुरू होती है?
(A) गुटेकर (Gutekar)
(B) टुकड़िया गाँव
(C) कूनी खड्ड
(D) बाँडला

7. समुद्र-तल से चम्बा क्षेत्र की लामा झील की ऊँचाई (फीट में) कितनी है?
(A) 2700 (B) 3812
(C) 3768 (D) 3902

8. चाय का उत्पादन मुख्यतया इन जिलों में होता है–
(A) कांगड़ा और मण्डी
(B) बिलासपुर और चम्बा
(C) कांगड़ा और कुल्लू
(D) मण्डी और ऊना

9. हिमाचल प्रदेश में सर्वाधिक अनुसूचित-जनजाति जनसंख्या वाला जिला कौनसा है ?
(A) कुल्लू (B) सोलन
(C) मण्डी (D) सिरमौर

10. हिमाचल प्रदेश कला और संस्कृति अकादमी की स्थापना किस वर्ष हुई थी?
(A) 1966 (B) 1988
(C) 1989 (D) 1990

11. हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग का प्रथम अध्यक्ष कौन था?
(A) टी. वी. आर. तत्ताचारी
(B) दिग्विजय चन्द्र
(C) ले. जन. के. एस. कटोच
(D) बी. सी. पाण्डेय

12. भोरंज इस जिले की तहसील है–
(A) हमीरपुर (B) मण्डी
(C) ऊना (D) कांगड़ा

13. बुशहर रियासत का अन्तिम शासक राजा कौन था?
(A) संसार चंद
(B) देवेन्द्र सिंह
(C) ईश्वर सेन
(D) पद्म सिंह

14. फुलाचय मेला इस जिले में लगता है–
(A) किन्नौर (B) मण्डी
(C) कांगड़ा (D) चम्बा

15. पार्वती इस नदी की सहायक नदी है–
(A) सतलज (B) यमुना
(C) व्यास (D) रावी

16. सिरमौर राज्य का संस्थापक कौन था?
(A) राजा रसालू
(B) राजा डाक प्रकाश
(C) राजा संसार चन्द
(D) राजा ईश्वर सेन

17. हिमाचल प्रदेश में हिन्दू धर्म को मानने वाले हैं–
(A) 90·3% (B) 93·2%
(C) 95·4% (D) 1·2%

18. तैमूर ने नगरकोट (कांगड़ा) पर आक्रमण कब किया था ?
(A) 1397 (B) 1399
(C) 1401 (D) 1402

19. खिब्बार गाँव इस घाटी में स्थित है–
(A) चम्बा (B) काजा
(C) सांगला (D) बाल्ह

20. निम्नलिखित में से एक हिमाचल की जनजाति नहीं है–
(A) लाहौला (B) गद्दी
(C) भोंट (D) असुर

21. राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना का सूत्रपात हिमाचल प्रदेश में कब हुआ था?
(A) 1998-1999 (B) 1997-1998
(C) 1999-2000 (D) 2000-2001

22. जिस समय जहाँगीर काँगड़ा आया था उस समय वहाँ का राजा कौन था?
(A) बालभद्र (B) वीरभद्र
(C) बालचन्द्र (D) रामचन्द्र

23. यूरोपीय यात्री मूरक्राफ्ट ने हिमाचल प्रदेश का भ्रमण कब किया था?
(A) 1880–1882
(B) 1855–1856
(C) 1820–1822
(D) 1825–1827

24. 25 जून, 1945 को वायसराय के निवास-स्थान वायसरीगल लॉज में सम्पन्न हुए 21 प्रतिनिधियों के सम्मेलन में मुस्लिम लीग का प्रमुख प्रतिनिधि किसको बनाया गया था?
(A) शेख सैयद अहमद
(B) इकबाल अहमद
(C) मोहम्मद अली जिन्ना
(D) मौलाना अबुल कलाम आजाद

25. हिमाचल के निर्माता के रूप में निम्नलिखित में से कौन जाना जाता है ?
(A) डॉ. वाई. के. सिंह
(B) डॉ. वाई. एस. परमार
(C) डॉ. वाई. एन. शर्मा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

26. 'अनामिका' क्या है?
(A) एक टी.वी. कलाकार जो हिमाचल प्रदेश से सम्बद्ध है
(B) भारत में अभी हाल में विकसित एक शक्तिशाली कार्बाइन
(C) भारत की एक प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर
(D) साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित एक संस्कृत कवयित्री

27. वर्ष 2008 का नोबेल शांति पुरस्कार किसको प्रदान किया गया है?
(A) ली क्लेज़ियो
(B) मार्टी अहतिसारी
(C) रोजेन वाईजेन
(D) थोइचिरों नाम्बू

28. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का नया अध्यक्ष कौन है?
(A) आसिफ अली जरदारी
(B) एजाज बट
(C) सरफराज नवाज
(D) जावेद मियांदाद

29. साइमन बियुफोय ने स्लमडॉग मिलियनेयर के लिए किस वर्ग का ऑस्कर पुरस्कार जीता है?
(A) रूपान्तरित पटकथा
(B) मौलिक गीत
(C) ध्वनि-मिश्रण
(D) इनमें से कोई नहीं

30. निम्नलिखित में से किसने विश्वभारती विश्वविद्यालय शांति-निकेतन में पढ़ाई नहीं की?
(A) पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी
(B) पं. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बी. सी. रॉय
(C) अमर्त्य सेन
(D) सत्यजीत रे

31. भारत सरकार ने एक द्वि-पक्षीय समझौते के तहत् कच्चादिवु द्वीप श्रीलंका को कब सौंपा था ?
(A) 1972 (B) 1973
(C) 1974 (D) 1975

32. प्राचीनकाल में हिमाचल की जनजातियों को कहा जाता था–
(A) आर्य (B) कोती
(C) दास (D) कुलिंद

33. सातवाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन इस वर्ष चेन्नई में कब सम्पन्न हुआ?
(A) 10–12 जनवरी, 2009
(B) 7–9 जनवरी, 2009
(C) 8–10 जनवरी, 2009
(D) 9–11 जनवरी, 2009

34. ओबामा सरकार में यू.एस.ए. का वित्तमंत्री कौन है?
(A) शॉन डोनोवन
(B) आर्ने डंकन
(C) टिमोथी गीथनर
(D) टॉम विलसैक

35. रॉ का नया प्रमुख कौन है?
(A) अशोक चतुर्वेदी
(B) राधा विनोद राजू
(C) एस. एस. एन. मूर्ति
(D) के. सी. वर्मा

36. निम्नलिखित में से किसको पद्मभूषण अलंकरण (2009) नहीं प्रदान किया गया है?
(A) डॉ. वैद्यनाथन
(B) जी. माधवन नायर
(C) शमशाद बेगम
(D) रामचन्द्र गुहा

37. के. के. बिड़ला फाउण्डेशन का साहित्य के लिए **व्यास सम्मान** (2008) किसको प्रदान किया गया है ?
(A) कुवर नारायण
(B) मन्नू भण्डारी
(C) नन्द भारद्वाज
(D) देवेन्द्रराज अंकुर

38. कलिंग कप का सम्बन्ध इससे है–
(A) फुटबाल (B) टेनिस
(C) बैडमिंटन (D) चेस

39. भारत के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले अनिल कुम्बले ने टेस्ट मैचों में कुल 619 विकेट लिए हैं. कितने टेस्ट मैचों में उन्होंने ये विकेट लिये हैं?
(A) 130 (B) 132
(C) 133 (D) 135

40. आई. सी. सी. महिला कप की विश्व इलेविन महिला क्रिकेट टीम का कप्तान किसको बनाया गया है?
(A) चेरलोट एडवर्ड्स
(B) कैथेरीन ब्रंट
(C) मिताली राज
(D) केट पुलफोर्ड

41. किस भारतीय महिला को अभी हाल ही में ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, यू. एस. ए. का कुलपति नियुक्त किया गया है?
(A) अदिति लाहिरी
(B) श्रिति वडेरा
(C) डॉ. रेणु खटोर
(D) हीनल रायचुरा

42. निम्नलिखित में से कौनसी खरीफ फसल है?
(A) चावल (B) गेहूँ
(C) चना (D) मटर

43. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा-कोष का मुख्यालय यहाँ स्थित है–
(A) जिनेवा
(B) वाशिंगटन डी. सी.
(C) लन्दन
(D) पेरिस

44. गांधीजी ने सर्वप्रथम 'सत्याग्रह' शब्द किस वर्ष गढ़ा था?
(A) 1905 (B) 1906
(C) 1907 (D) 1908

45. निम्नलिखित में से कौनसा एक महात्मा गांधी द्वारा (पूर्ण स्वराज के लिए) प्रस्तावित रचनात्मक कार्यक्रम में शामिल नहीं है?
(A) कौमी एकता
(B) अस्पृश्यता-निवारण
(C) राष्ट्रभाषा
(D) विदेशी भाषाओं के लिए सम्मान

46. 'मेटाजीनोमिक्स' विज्ञान की एक अत्याधुनिक शाखा है. इसमें प्रायः इसका अध्ययन किया जाता है–
(A) माइक्रोब्स के जीनोम का
(B) मानवीय जीनोम का
(C) पशुओं के जीनोम का
(D) इनमें से किसी का नहीं

47. 'ह्वाइट ड्वार्फ' का सम्बन्ध इससे है–
(A) खगोलशास्त्र
(B) कृषि
(C) जेनेटिक्स
(D) इनमें से किसी से नहीं

48. भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र की स्थापना कब की गई थी?
(A) 1949 (B) 1950
(C) 1965 (D) 1955

49. मुस्लिम लीग की स्थापना कहाँ की गई थी?
(A) लाहौर
(B) कलकत्ता (कोलकाता)
(C) पेशावर
(D) ढाका

50. 'इंडिया इंडिपेंडेंस लीग' की स्थापना किसने की थी?
(A) रास बिहारी बोस
(B) सुभाषचन्द्र बोस
(C) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
(D) बिपिन चन्द्र पाल

51. भारत की सबसे बड़ी झील 'चिल्का' इस प्रदेश में है–
(A) आन्ध्र प्रदेश (B) उड़ीसा
(C) कर्नाटक (D) तमिलनाडु

52. भारत में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को प्रोत्साहन देना, बढ़ावा देना है–
(A) निजीकरण नीति को
(B) वैश्वीकरण नीति को
(C) उदारीकरण नीति को
(D) इस सभी नीतियों को

53. 'शुद्धाद्वैतवाद' का सूत्रधार कौन था?
(A) रामानुजाचार्य
(B) मध्वाचार्य

(C) वल्लभाचार्य

(D) रामानंद

54. अध्यक्षात्मक शासन का उदय सर्वप्रथम यहाँ हुआ था–

(A) यूगोस्लाविया (B) मिस्र (इजिप्ट)

(C) यू. एस. ए. (D) स्विट्जरलैंड

55. किस वर्ष से विदेशी विनिमय प्रबन्धन अधिनियम लागू हुआ?

(A) 2003 (B) 2002

(C) 2000 (D) 1999

56. वर्तमान (मार्च 2009) में फ्रांस का प्रधानमंत्री कौन है?

(A) निकोलस सरकोजी

(B) फेंकवाइस फिलान

(C) जीन पाल प्राउस्ट

(D) लुईस जपोटरो

57. क्लोरोफिल प्रकाश के किन अवयवों को अवशोषित कर लेती है?

(A) बैंगनी तथा लाल

(B) इन्डिगो तथा ऑरेन्ज

(C) नीला तथा लाल

(D) बैंगनी तथा पीला

58. एक वायुयान ऊपर की ओर उठता है–

(A) हवा की प्रतिक्रिया ऊपर की ओर होने के कारण

(B) हवा का घनत्व वायुयान के नीचे से ऊपर की ओर कम होने के कारण

(C) इसके पंखों पर ऊपर दबाव नीचे के दबाव की तुलना में कम होने के कारण

(D) वायुयान की नासिका ऊपर की ओर उठी होने के कारण

59. X–किरणें वास्तव में हैं–

(A) मंद गतिमान इलेक्ट्रॉन

(B) तीव्र गतिमान इलेक्ट्रॉन

(C) विद्युत्-चुम्बकीय तरंगें

(D) मंद-गतिमान न्यूट्रॉन

60. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सन् 1889 में एक ब्रिटिश समिति का गठन किया था. इस समिति ने एक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया था? इस पत्रिका का क्या नाम था?

(A) हमारी आवाज

(B) जागरण

(C) इण्डिया

(D) ध्रुवतारा

61. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. सरोजिनी नायडू कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष थीं
2. सी. आर. दास ने जब कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया तब वे जेल में थे
3. ए.ओ.ह्यूम कांग्रेस के अध्यक्ष बनने वाले प्रथम ब्रिटिश थे
4. अल्फ्रेड वेब 1894 में कांग्रेस के अध्यक्ष थे.

इनमें से कौन-कौन से कथन सही हैं?

(A) 1 और 3 (B) 2 और 4

(C) 2, 3 और 4 (D) 1, 2, 3 और 4

62. किस भारतीय वाणिज्यिक बैंक ने गतिशील ATM सेवा सर्वप्रथम प्रदान की?

(A) ICICI बैंक

(B) IDBI बैंक

(C) HDFC बैंक

(D) भारतीय स्टेट बैंक

63. भारत में लघु उद्योगों के लिए वित्त का प्रमुख स्रोत है–

(A) बैंक वित्त

(B) अंश पूँजी और ऋण-पत्र

(C) सार्वजनिक जमा

(D) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

64. स्पीकर के पद के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?

(A) वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है

(B) यह आवश्यक नहीं कि अपने निर्वाचन के समय वह सदन का सदस्य हो

(C) यदि सामान्य अवधि से पूर्व सदन को भंग कर दिया जाता है, तो उसे अपना पद छोड़ना होगा

(D) यदि वह त्यागपत्र देना चाहे तो उसे अपना त्यागपत्र उपाध्यक्ष को सम्बोधित करना होगा

65. भारतीय संघवाद को सहकारी संघवाद किसने कहा है?

(A) के. सी. ह्वीयर

(B) सर आइवर जेनिंग्स

(C) जी. ऑस्टिन

(D) डी. डी. बसु

66. हिमाचल प्रदेश का गठन हुआ था–

(A) 15 अप्रैल, 1948 को

(B) 15 अप्रैल, 1951 को

(C) 15 अप्रैल, 1957 को

(D) 5 अप्रैल, 1958 को

67. 'राज्य के नीति-निदेशक सिद्धान्तों' के बारे में कौनसा कथन सही नहीं है?

(A) वे सकारात्मक हैं

(B) उन्हें न्यायालयों द्वारा लागू किया जा सकता है

(C) वे भारत को एक कल्याणकारी राज्य बनाते हैं

(D) उन्हें लागू करना राज्य का कर्त्तव्य है

68. परमवीर चक्र विजेता को प्रतिमाह सम्मान भत्ता मिलता है–

(A) 10,000 रु. (B) 5,000 रु.

(C) 3,000 रु. (D) 2,500 रु.

69. बीजिंग ओलम्पिक में किस देश ने पहली बार पुरुष तीरंदाजी में स्वर्ण पदक प्राप्त किया?

(A) यूक्रेन

(B) दक्षिण अफ्रीका

(C) दक्षिण कोरिया

(D) इंडोनेशिया

70. 1915 में 'Indian National Evolution' पुस्तक किसने लिखी थी?

(A) अम्बिकाचरण मजूमदार

(B) एस. गोपाल

(C) अनिल सील

(D) आर. पी. पटवर्द्धन

71. मुकेश अम्बानी की कम्पनी 'रिलायन्स पेट्रोलियम लिमिटेड' कहाँ स्थित है?

(A) सूरत (B) जामनगर

(C) अहमदाबाद (D) पोरबंदर

72. 'An Accustomed Earth' पुस्तक किसकी रचना है ?

(A) झुम्पा लाहिड़ी (B) किरन बेदी

(C) मेधा पाटेकर (D) अरुंधती राय

73. विरसा मुण्डा आदिवासी विद्रोह 'उन्मूलन' राँची के दक्षिणी क्षेत्र में इस समय हुआ था–

(A) 1888-1889 (B) 1890-1891

(C) 1897-1898 (D) 1899-1900

74. हिमाचल प्रदेश को 18वें पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ था–

(A) 25 जनवरी, 1968 को

(B) 25 जनवरी, 1969 को

(C) 25 जनवरी, 1970 को

(D) 25 जनवरी, 1971 को

75. जमशेदपुर में टाटा आइरन वर्क्स की स्थापना इस वर्ष हुई थी–

(A) 1905 (B) 1907

(C) 1906 (D) 1908

76. इंडियन काउंसिल एक्ट 1861 ई. के तहत् गवर्नर जनरल काउंसिल में

सदस्यों की संख्या छः से बढ़ाकर कर दी गई थी–

(A) नौ (B) दस

(C) बारह (D) पन्द्रह

77. जनरल डायर के हुक्म से किये गये जलियाँवाला बाग गोलीकाण्ड में कितने लोग मारे गये थे ?

(A) 269 (B) 384

(C) 307 (D) 379

78. लन्दन में तीन गोल मेज कान्फ्रेंस हुईं–

(A) 1929, 1930, 1931 में

(B) 1930, 1931, 1931 में

(C) 1930, 1931, 1932 में

(D) 1931, 1932, 1932 में

79. लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु 1930 के शारदा मैरिज एक्ट के द्वारा क्या निर्धारित की गई थी?

(A) 14 वर्ष (B) 15 वर्ष

(C) 16 वर्ष (D) 18 वर्ष

80. सन् 1937 तक भारत में कुल कितने विश्वविद्यालय थे?

(A) 15 (B) 18

(C) 20 (D) 24

81. भारत-स्वाधीनता प्रस्ताव हाउस ऑफ कॉमन्स में किस तिथि को लाया गया था?

(A) 4 जुलाई, 1947

(B) 5 जुलाई, 1947

(C) 7 जुलाई, 1947

(D) 8 जुलाई, 1947

82. महात्मा गांधी के बारे में कौनसा एक कथन सत्य नहीं है?

(A) उनकी आस्था मानव हृदय की अच्छाई में थी

(B) दार्शनिक आदर्शवाद में उनका विश्वास नहीं था

(C) उन्होंने निम्न वर्ग की निरन्तर सेवा की

(D) वे निम्न वर्ग के अधिकारों के संरक्षक थे

83. लॉस एंजिल्स में बालिका शिशु को जन्म देने वाला पहला गर्भवान पुरुष कौन है?

(A) गैरी एकरमैन

(B) थॉमस बीटिक

(C) जेन कैसियो

(D) जॉन वॉरेन

84. रिलायंस इंडस्ट्रीज को अभी हाल में तेल का विशाल भण्डार कहाँ मिला है?

(A) नेल्लूर जिले में

(B) कृष्णा-गोदावरी घाटी में

(C) नर्मदा घाटी में

(D) विशाखापट्टनम् में

85. क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा हिन्दू मंदिर कौनसा है?

(A) अक्षरधाम मन्दिर, दिल्ली

(B) अक्षरधाम मन्दिर, अहमदाबाद

(C) बालाजी मन्दिर, तिरुपति

(D) महालक्ष्मी मन्दिर, मुम्बई

86. दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता को इस पुरस्कार के तहत् देय राशि है–

(A) 15 लाख रु. (B) 12 लाख रु.

(C) 10 लाख रु. (D) 5 लाख रु.

87. बीजिंग ओलम्पिक में ब्राजील ने कितने रजत पदक प्राप्त किये थे?

(A) 2 (B) 3

(C) 4 (D) 7

88. बीजिंग ओलम्पिक में कितने नये रिकॉर्ड बनाये गए?

(A) 35 (B) 43

(C) 48 (D) 54

89. निम्नलिखित में से किसको राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार नहीं मिला है?

(A) विश्वनाथन आनन्द

(B) सानिया मिर्जा

(C) पंकज आडवाणी

(D) सचिन तेंदुलकर

90. भिवानी बॉक्सिंग क्लब का प्रधान कोच कौन है जिसको राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने द्रोणाचार्य अवार्ड प्रदान किया है?

(A) जगदीश सिंह

(B) जसजीत सिंह

(C) मोहन सिंह

(D) अमरजीत सिंह

91. भारत की किस जोड़ी ने इंडोनेशिया में सम्पन्न एशिया पेसिफिक कार रैली चैम्पियनशिप 2008 जीती है?

(A) गौरव गिल–जगदेव सिंह

(B) पवन सचदेवा–सच्चा सिंह

(C) मनोज अग्रवाल–कामतानाथ

(D) सुखदेवराज–उदयवीर

92. विधानसभा चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के प्रयोग की शुरूआत कब से हुई?

(A) 1998 (B) 2000

(C) 2002 (D) 2004

93. वर्ष 2006 में कितने राज्यों में विधान सभा चुनाव हुए थे?

(A) 4 (B) 5

(C) 6 (D) 7

94. भारत के राष्ट्रगान को पूरा गाने में कितना समय लगता है?

(A) लगभग 45 सेकण्ड

(B) लगभग 52 सेकण्ड

(C) लगभग 58 सेकण्ड

(D) लगभग 64 सेकण्ड

95. भारतीय संविधान के नीति-निदेशक सिद्धान्तों में निम्नलिखित में से कौनसा एक सम्मिलित नहीं है?

(A) श्रमिकों को निःशुल्क शिक्षा

(B) ग्राम पंचायतों का गठन

(C) राष्ट्रीय स्मारकों की सुरक्षा

(D) अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का सम्मान

96. राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी भवन किस शहर में स्थित है ?

(A) हैदराबाद (B) भोपाल

(C) अहमदाबाद (D) नई दिल्ली

97. E.T.A. किस देश का आतंकवादी संगठन है?

(A) साइप्रस (B) श्रीलंका

(C) स्पेन (D) दक्षिण अफ्रीका

98. पंचायती राज व्यवस्था में शासन-प्रणाली की संरचना क्या है?

(A) ग्राम स्तर पर स्थानीय स्वशासन की एकस्तरीय संरचना

(B) ग्राम तथा खण्ड स्तर पर स्थानीय स्वशासन की द्विस्तरीय संरचना

(C) ग्राम, खण्ड और जिला स्तर पर स्थानीय स्वशासन की त्रिस्तरीय संरचना

(D) ग्राम, खण्ड, जिला और राज्य स्तर पर स्थानीय स्वशासन की चतुःस्तरीय संरचना

99. हिमाचल में रैगिंग के कारण मरने वाले छात्र का नाम था–

(A) कुलदीप सिंह बरार

(B) अमन कुमार सिंह

(C) अमन कुमार ढींगरा

(D) अमन सत्य कचरू

100. हिमाचल के प्रथम मुख्यमंत्री थे–

(A) शान्ता कुमार

(B) बी. रमैया

(C) डॉ. यशवन्त सिंह परमार

(D) वीरभद्र सिंह

101. हिमाचल का स्विट्जरलैण्ड निम्न में से किसे कहते हैं ?

(A) मंडी (B) किन्नौर

(C) खिज्जौर (D) सिरमौर

102. सुभाषचन्द्र बोस महात्मा गांधी से पहली बार कब मिले थे?
(A) 1914 में (B) 1918 में
(C) 1920 में (D) 1921 में

103. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है?
(A) कृष्णदेव राय–रामरांगण सूत्रधार
(B) महेन्द्र वर्मन – मत्त विलास प्रहसन
(C) भोज देव – मानसोल्लास
(D) सोमेश्वर – आमुक्त माल्यदा

104. अंग्रेजों ने रैयतवाड़ी बन्दोबस्त कहाँ लागू किया था?
(A) बंगाल प्रेसीडेंसी में
(B) मद्रास प्रेसीडेंसी में
(C) बम्बई प्रेसीडेंसी में
(D) मद्रास प्रेसीडेंसी और मुम्बई प्रेसीडेंसी में

105. निम्नलिखित घटनाओं का सही अनुक्रम क्या है?
1. तिलक का होमरूल लीग
2. कामागाटामारू प्रसंग
3. महात्मा गांधी का भारत आगमन
(A) 1, 2, 3 (B) 3, 2, 1
(C) 2, 1, 3 (D) 2, 3, 1

106. 1857 के बरेली विद्रोह का नेता कौन था ?
(A) खान बहादुर
(B) कुँवर सिंह
(C) मौलवी अहमद शाह
(D) विरजिस कादिर

107. निम्नलिखित में से कौन-कौनसी पर्वत चोटियाँ पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र में हैं?
1. नूनकून 2. राकापोशी
3. सिया काँगड़ी 4. काँगटू
(A) 2 और 4 (B) 1 और 2
(C) 3 और 4 (D) 1, 2 और 3

108. 'अरुणाचल प्रदेश खनिज विकास और व्यापार निगम लिमिटेड' की स्थापना कब की गई थी?
(A) 1989 में (B) 1991 में
(C) 1992 में (D) 1994 में

109. आन्ध्र प्रदेश के पूर्व में बंगाल की खाड़ी की तट रेखा की लम्बाई कितनी है?
(A) 965 किमी (B) 974 किमी
(C) 978 किमी (D) 981 किमी

110. असम में कुल खेती योग्य भूमि (Gross Agricultural land) कितनी है?
(A) 36·53 लाख हेक्टेयर
(B) 38·76 लाख हेक्टेयर
(C) 39·83 लाख हेक्टेयर
(D) 40·16 लाख हेक्टेयर

111. राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र कहाँ स्थित है?
(A) देहरादून (B) शिमला
(C) मुजफ्फरपुर (D) सिलीगुड़ी

112. निम्नलिखित आदिम जातियों तथा उनके निवास-स्थानों के निम्नलिखित युग्मों में से कौनसा एक सुमेलित नहीं है?
(A) बुक्सा–पौड़ी गढ़वाल
(B) कोल–जबलपुर
(C) मुण्डा–छोटा नागपुर
(D) कोडागू–कोरबा

113. 'नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ फिशरीज पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी एण्ड ट्रेनिंग' यहाँ स्थित है–
(A) कोचीन (B) मुम्बई
(C) चेन्नई (D) गोआ

114. राष्ट्रीय राजमार्ग 7-ए के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा एक सही है?

	कहाँ से (स्थान)	**कहाँ तक (स्थान)**
(A)	अहमदाबाद	मांडवी
(B)	पलायन कोटै	तूतीकोरिन
(C)	पोरबंदर	बामनबोर
(D)	चेन्नई	बहारागोडा

115. केन्द्रीय जल आयोग (Central Water Commission–CWC) नई दिल्ली (Hq.) के क्षेत्रीय केन्द्र (Regional centres) निम्नलिखित में से किन-किन स्थानों पर हैं?
1. भुवनेश्वर 2. नागपुर
3. अहमदाबाद 4. अजमेर
(A) 1, 2 एवं 3 (B) 1 और 3
(C) 2, 3, 4 (D) 1 और 2

116. लेटेराइट (Laterite) मिट्टियों का वितरण किन राज्य समूह में अधिकांशतः होता है?
(A) तमिलनाडु, हरियाणा एवं उ. प्र. में
(B) केरल, कर्नाटक एवं राजस्थान में
(C) पंजाब, बिहार एवं गुजरात में
(D) कर्नाटक, केरल एवं म. प्र. की पहाड़ियों की चोटी पर

117. लक्षद्वीप के कोरल द्वीपों की संख्या कितनी है?
(A) 10 (B) 11
(C) 12 (D) 14

118. आर. एन. ए. का आविष्कार किसने किया था?
(A) यूरीन कोलमेट
(B) आइजैकमैन
(C) आर्थर बर्ग एवं जोन्स
(D) इनमें से कोई नहीं

119. हिमाचल में सेब का जन्मदाता निम्न में से कौन है ?
(A) डॉ. अजीत कुलकर्णी
(B) रामानन्द सिंह
(C) प्रेम कुमार धूमल
(D) सत्यानन्द स्टोक्स

120. सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित किस ब्रिटिश अभिनेत्री का अभी हाल में निधन हो गया?
(A) जैन ट्वीड
(B) जेड गुडी
(C) केरिसा
(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर व्याख्या सहित

●●●

सामान्य जानकारी

1. 'इण्डिया टुडे' है–
   (A) समस्याओं का अस्थिर पुंज (Staggering mass)
   (B) पूर्व ब्रिटिश भारत से पाकिस्तान और बांग्लादेश निकाल कर
   (C) एक समाचार पत्रिका जो वर्तमान मामलों को समर्पित है
   (D) भारतीय संघ जो संयुक्त राष्ट्र का सदस्य है
2. पुस्तक 'इट वाज फाइव पास्ट मिडनाइट' का विषय है–
   (A) भुज का भूकम्प (Earthquake)
   (B) उड़ीसा की बाढ़ (Floods)
   (C) आन्ध्र का चक्रवात (Cyclone)
   (D) भोपाल गैस काण्ड (Tragedy)
3. 'तीन बीघा कॉरिडोर' जोड़ता है–
   (A) भारत और पाकिस्तान को
   (B) भारत और चीन को
   (C) बांग्लादेश और पाकिस्तान को
   (D) बांग्लादेश और भारत को
4. किस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य को पुलित्जर पुरस्कार के लिए मान्यता दी जाती है ?
   (A) विज्ञान और प्रौद्योगिकी (Science and Technology)
   (B) साहित्य और पत्रकारिता
   (C) अंतर्राष्ट्रीय समझबूझ (International Understanding)
   (D) पर्यावरण अध्ययन (Environmental studies)
5. चित्तौड़ में विजय स्तम्भ का निर्माण किसने किया था ?
   (A) महाराणा प्रताप
   (B) राणा संग्राम सिंह
   (C) राणा कुम्भा
   (D) राणा रतन सिंह
6. बिजली के पंखे की गति बदलने के लिए प्रयुक्त साधन है–
   (A) ऐम्प्लीफायर (B) रेगुलेटर
   (C) स्विच (D) रेक्टिफायर
7. नामधापा नेशनल पार्क है–
   (A) मिजोरम में
   (B) मणिपुर में
   (C) त्रिपुरा में
   (D) अरुणाचल प्रदेश में
8. गांधीजी ने किस धार्मिक ग्रन्थ को अपनी 'माता' कहा था ?
   (A) रामायण
   (B) द न्यू टेस्टामेंट
   (C) भगवद्गीता
   (D) कुरान शरीफ
9. टिहरी जल विद्युत कॉम्प्लेक्स निम्नलिखित में से किस नदी पर स्थित है ?
   (A) अलकनंदा (B) मंदाकिनी
   (C) धौली गंगा (D) भागीरथी
10. नोबेल पुरस्कार विजेता भारतीय, अमर्त्य सेन, किस क्षेत्र में कार्य के लिए प्रसिद्ध हैं ?
   (A) भौतिकी
   (B) पर्यावरण की रक्षा
   (C) रसायन विज्ञान
   (D) अर्थशास्त्र
11. विश्व सुन्दरी 2008 का खिताब किसे मिला है ?
   (A) जापान सुन्दरी को
   (B) वेनेजुएला सुन्दरी को
   (C) फिलीपीन सुन्दरी को
   (D) मलेशिया सुन्दरी को
12. भारत में थोक कीमत पर आधारित मुद्रास्फीति की दर 27 जुलाई, 2008 को अपने 13 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुँच गई. वह थी–
   (A) 11·75 प्रतिशत
   (B) 11·85 प्रतिशत
   (C) 12·00 प्रतिशत
   (D) 12·05 प्रतिशत
13. फ्रेंच ओपन 2009 पुरुष एकल किसने जीता था ?
   (A) रोजर फेडरर
   (B) राफैल नाडाल
   (C) बॉब ब्रियान
   (D) कैटेरीना स्रेबोटनिक
14. ऊर्जा शिखर सम्मेलन, 2008 कहाँ हुआ था ?
   (A) जद्दाह में (B) तेहरान में
   (C) रियाद में (D) त्रिपोली में
15. CTBT का पूरा रूप है–
   (A) कॉन्टिन्यूड टेस्ट बैन ट्रीटी
   (B) कॉन्टिन्यूड टेस्ट बेस्ड ट्रीटमेंट
   (C) कॉम्प्रिहेंसिव टेस्ट बैन ट्रीटी
   (D) कॉमर्शियल टेस्ट बैन टैरिफ
16. एशिया कप 2008 फाइनल खेला गया था–
   (A) भारत और श्रीलंका के बीच
   (B) पाकिस्तान और भारत के बीच
   (C) श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच
   (D) बांग्लादेश और भारत के बीच
17. एम. एस. धोनी को वर्ष 2007 के लिए निम्नलिखित में से किसके लिए चुना गया था ?
   (A) अर्जुन पुरस्कार
   (B) द्रोणाचार्य पुरस्कार
   (C) राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
18. MCA का पूरा रूप है–
   (A) मिनिस्ट्री ऑफ कम्पनी अफेयर्स
   (B) मास्टर ऑफ कम्प्यूटर ऐप्लिकेशन
   (C) मेम्बर चार्टर्ड अकाउण्टेंट
   (D) मास्टर ऑफ कॉमर्स एण्ड आर्टस्
19. चीन ने आतिथ्य (Hosted) किया है–
   (A) XXIX ओलम्पिक खेलों का
   (B) XXVIII ओलम्पिक खेलों का
   (C) XXVII ओलम्पिक खेलों का
   (D) XXX ओलम्पिक खेलों का
20. राष्ट्रपति भवन का डिजाइन बनाया था–
   (A) एडवर्ड स्टोन ने
   (B) ले कार्बूजे ने
   (C) एडविन लुटियंस ने
   (D) तरुण दत्त ने
21. 'भारत छोड़ो' आन्दोलन 1942 में किस महीने में शुरू किया गया था ?
   (A) जनवरी (B) मार्च
   (C) अगस्त (D) दिसम्बर
22. मिलान कीजिए–

   स्तम्भ-I
   (a) केशब सेन
   (b) दयानंद सरस्वती
   (c) आत्माराम पाण्डुरंग
   (d) सैयद अहमद खान

   स्तम्भ-II
   1. प्रार्थना समाज
   2. ब्रह्म समाज
   3. अलीगढ़ आन्दोलन
   4. आर्य समाज

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	3	2
(B)	1	4	2	3
(C)	2	4	1	3
(D)	3	2	4	1

23. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पहला अंग्रेज अध्यक्ष कौन था ?
(A) जॉर्ज यूल
(B) विलियम वेडरबर्न
(C) ए. ओ. ह्यूम
(D) हेनरी कॉटन

24. निम्नलिखित में से किस व्यक्ति को 'ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इण्डिया' के रूप में जाना जाता है ?
(A) बाल गंगाधर तिलक
(B) दादाभाई नौरोजी
(C) मोतीलाल नेहरू
(D) लाला लाजपत राय

25. अकबरनामा किसने लिखा था ?
(A) अकबर
(B) बीरबल
(C) अबुल फजल
(D) भगवान दास

26. 'पूर्ण स्वराज' की शपथ कांग्रेस के किस अधिवेशन में ली गई थी ?
(A) कलकत्ता
(B) लाहौर
(C) इलाहाबाद
(D) मद्रास

27. भारत में पंचायती राज प्रणाली कब शुरू की गई थी ?
(A) 1950 ईस्वी
(B) 1945 ईस्वी
(C) 1959 ईस्वी
(D) 1962 ईस्वी

28. भारत के उपराष्ट्रपति के पद पर लगातार दो बार कौन रहा था ?
(A) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(B) श्री आर. वेंकटरमण
(C) डॉ. शंकरदयाल शर्मा
(D) श्री वी. वी. गिरि

29. भारतीय संविधान के किस संशोधन द्वारा प्रस्तावना में दो शब्द 'समाजवादी' (Socialist) और 'धर्मनिरपेक्ष' (Secular) जोड़े गए थे ?
(A) 28वें (B) 40वें
(C) 42वें (D) 52वें

30. जब राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों के पद एक साथ खाली हों, तो पद पर अस्थायी रूप से कौन काम करता है ?
(A) संसद के दोनों सदनों द्वारा नामित कोई व्यक्ति
(B) लोक सभा का अध्यक्ष
(C) राज्य सभा का उपसभापति
(D) भारत का मुख्य न्यायाधीश

31. भारतीय संविधान लागू हुआ था–
(A) 26 जनवरी, 1950 को
(B) 26 जनवरी, 1952 को
(C) 15 अगस्त, 1948 को
(D) 26 नवम्बर, 1949 को

32. स्वतन्त्र भारत में निम्नलिखित में से कौनसी महिला किसी राज्य की पहली राज्यपाल थी ?
(A) श्रीमती सरोजिनी नायडू
(B) श्रीमती सुचेता कृपलानी
(C) श्रीमती इन्दिरा गांधी
(D) श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित

33. भारत के नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट की संवीक्षा करने वाली संसदीय समिति है–
(A) आकलन समिति (Estimates Committee)
(B) प्रवर समिति (Select Committee)
(C) लोक लेखा समिति (Public Accounts Committee)
(D) इनमें से कोई भी नहीं

34. कुहरा (Fog) एक उदाहरण है–
(A) गैस में परिक्षिप्त गैस का
(B) गैस में परिक्षिप्त द्रव का
(C) गैस में परिक्षिप्त ठोस का
(D) द्रव में परिक्षिप्त ठोस का

35. निम्नलिखित में से वह सागर कौनसा है, जो भूबद्ध (Landlocked) है ?
(A) तिमोर सागर
(B) अराफुरा सागर
(C) ग्रीनलैण्ड सागर
(D) अरल सागर

36. मिलान कीजिए–

	पत्तन	राज्य
(a)	भटकल	1. केरल
(b)	ऐलेप्पी	2. तमिलनाडु
(c)	काकीनाडा	3. कर्नाटक
(d)	तूतीकोरिन	4. आन्ध्र प्रदेश

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	4	3	2	1
(C)	3	1	4	2
(D)	2	4	1	3

37. निम्नलिखित में से कौनसे बराबर वर्षा वाले स्थानों को जोड़ने वाली रेखाएं दर्शाते हैं ?
(A) आइसोहिप्स
(B) आइसोहेलाइन्ज
(C) आइसोबार
(D) आइसोहाइटस्

38. विषुवत (Equator) रेखा है–
(A) उत्तर और दक्षिण ध्रुवों को जोड़ने वाली रेखा
(B) उत्तर और दक्षिण ध्रुवों के बीचो-बीच पृथ्वी के गिर्द घूमने वाली काल्पनिक रेखा
(C) शनि ग्रह के गिर्द एक मेखला
(D) पृथ्वी के घूर्णन का अक्ष

39. वैश्विक तापन (Global Warming) के फलस्वरूप हो सकता है–
(A) समुद्र तल में वृद्धि
(B) फसल के स्वरूप में परिवर्तन
(C) तट रेखा में परिवर्तन
(D) उपर्युक्त सभी

40. पृथ्वी शिखर सम्मेलन (पृथ्वी बचाओ) का आयोजन किया था–
(A) यूनेस्को ने
(B) यूएनसीईडी ने
(C) डब्ल्यू. एच. ओ. ने
(D) यूनिसेफ ने

41. यदि दो वस्तुएं पूरक हों, तो उनकी क्रॉस-कीमत प्रत्यास्थता (Cross price elasticity) होती है–
(A) शून्य (Zero)
(B) धनात्मक (Positive)
(C) ऋणात्मक (Negative)
(D) काल्पनिक संख्या (Imaginary number)

42. किसी वस्तु के उत्पादन की अवसर लागत होती है–
(A) वह लागत जो कोई भिन्न तकनीक अपनाने पर फर्म उठा सकती थी
(B) वह लागत जो उत्पादन की किसी भिन्न विधि के अन्तर्गत फर्म उठा सकती थी
(C) उठाई गई वास्तविक लागत
(D) त्यागा गया अगला सर्वोत्तम वैकल्पिक उत्पादन

43. अल्पावधि में भूमि से भिन्न किसी अन्य उपादान द्वारा अर्जित अधिशेष को कहते हैं–
(A) आर्थिक लगान (Economic rent)
(B) निवल लगान (Net rent)

(C) आभासी लगान (Quasi rent)

(D) अधि सामान्य लगान (Super-normal rent)

44. योजना आयोग का पदेन अध्यक्ष कौन है ?

(A) योजना और विकास मंत्री

(B) वित्त मंत्री

(C) प्रधानमंत्री

(D) ग्रामीण और सामुदायिक विकास मंत्री

45. निम्नलिखित में से उस स्थिति में कौनसी बात सही नहीं है, जब अर्थव्यवस्था में ब्याज दर ऊँची हो जाती है ?

(A) बचत बढ़ जाती है

(B) उधार देना कम हो जाता है

(C) उत्पादन की लागत बढ़ जाती है

(D) पूँजी का प्रतिफल बढ़ जाता है

46. निम्नलिखित में से कौनसी राष्ट्रीय आय के मापन की विधि नहीं है ?

(A) मूल्य वर्धित विधि (Value Added Method)

(B) आय विधि (Income Method)

(C) निवेश विधि (Investment Method)

(D) व्यय विधि (Expenditure Method)

47. श्रम-प्रधान तकनीक (Labour Intensive Technique) चुनी जाएगी–

(A) श्रम अधिशेष वाली अर्थव्यवस्था में

(B) पूँजी अधिशेष वाली अर्थव्यवस्था में

(C) विकसित अर्थव्यवस्था में

(D) विकासशील अर्थव्यवस्था में

48. निम्नलिखित में से कौनसी आर्थिक क्रिया नहीं बनेगी ?

(A) अपनी कक्षा में छात्रों को पढ़ा रहा अध्यापक

(B) सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत छात्रों को पढ़ा रहा अध्यापक

(C) घर में अपनी बेटी को पढ़ा रहा अध्यापक

(D) अपने निवास से परामर्श सेवाएं उपलब्ध करा रहा अध्यापक

49. वित्त आयोग (The Finance Commission)–

(A) पंचवर्षीय योजनाएं बनाता है

(B) मौद्रिक नीति तैयार करता है

(C) केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के वेतन में संशोधन की सिफारिश करता है

(D) संसाधनों के केन्द्र और राज्यों के बीच बँटवारे पर निर्णय लेता है

50. किसी देश का निवल राष्ट्रीय उत्पाद होता है–

(A) सकल घरेलू उत्पाद में मूल्य ह्रास भत्ते घटाकर

(B) सकल घरेलू उत्पाद में विदेशों से निवल आय जोड़कर

(C) सकल राष्ट्रीय उत्पाद में से विदेशों से निवल आय घटाकर

(D) सकल राष्ट्रीय उत्पाद में से मूल्य ह्रास भत्ते घटाकर

51. पीलिया (Jaundice) किसके संक्रमण के कारण होता है ?

(A) मस्तिष्क (Brain)

(B) यकृत (Liver)

(C) वृक्क (Kidney)

(D) प्लीहा (Spleen)

52. सामान्य व्यक्ति में दिल की धड़कन की औसत दर होती है–

(A) 82 (B) 92

(C) 72 (D) 98

53. ईईजी (EEG) का प्रयोग किसकी गतिविधि दर्ज करने के लिए किया जाता है ?

(A) हृदय (Heart)

(B) फेफड़े (Lungs)

(C) मस्तिष्क (Brain)

(D) मांसपेशियाँ (Muscles)

54. गाय के दूध का रंग किसकी मौजूदगी के कारण थोड़ा पीला होता है ?

(A) जैंथोफिल (B) राइबोफ्लेविन

(C) राइब्यूलोस (D) कैरोटिन

55. निम्नलिखित में से कौनसा रोग संक्रामक है ?

(A) मधुमेह (Diabetes)

(B) डिप्थीरिया (Diphtheria)

(C) गठिया (Arthritis)

(D) कैंसर (Cancer)

56. अरक्तता (Anaemia) में निम्नलिखित में से किसकी मात्रा कम हो जाती है ?

(A) हीमोग्लोबिन

(B) कोलैजन

(C) हाइओग्लोबिन

(D) मायोसिन

57. निम्नलिखित में कौनसा रोग प्रायः वायु के माध्यम से फैलता है ?

(A) प्लेग

(B) टायफॉइड

(C) ट्यूबरकुलोसिस

(D) हैजा

58. अन्न (Cereals) एक समृद्ध स्रोत होते हैं–

(A) स्टार्च के

(B) ग्लूकोस के

(C) फ्रक्टोस के

(D) माल्टोस के

59. एस्पिरिन साधारण नाम है–

(A) सैलिसिलिक एसिड का

(B) सैलिसिलेट का

(C) मैथिल सैलिसिलेट का

(D) ऐसिटिल सैलिसिलिक एसिड का

60. चेचक (Small Pox) होने का कारण है–

(A) रुबिओला वाइरस

(B) वैरिओला वाइरस

(C) वैरिसेला

(D) मिक्सोवाइरस

61. कार्बन मोनोक्साइड एक ज्वलनशील गैस (Inflammable gas) है. निम्नलिखित में से और कौनसी गैस ज्वलनशील है ?

(A) हीलियम (B) नाइट्रोजन

(C) ऑक्सीजन (D) हाइड्रोजन

62. वायवीय श्वसन (Aerobic Respiration) प्रक्रिया को चाहिए–

(A) ऊष्मा (Heat)

(B) जल (Water)

(C) ऑक्सीजन (Oxygen)

(D) सूर्य की रोशनी (Sunlight)

63. निम्नलिखित में कौनसी धातु जल के साथ अभिक्रिया करके हाइड्रोजन पैदा नहीं करती ?

(A) पोटैशियम (B) कैडमियम

(C) सोडियम (D) लीथियम

64. ओजोन में होती है–

(A) केवल ऑक्सीजन

(B) ऑक्सीजन और नाइट्रोजन

(C) हाइड्रोजन और कार्बन

(D) ऑक्सीजन और कार्बन

65. निम्नलिखित में से किस द्रव का घनत्व सबसे कम है ?

(A) स्वच्छ जल (Fresh water)

(B) नमकीन जल (Salt water)

(C) पेट्रोल (Petrol)

(D) मर्करी (Mercury)

66. 'न्यूनतम तापमान' (Low-temperatures) पैदा करने के लिए निम्नलिखित में से किस सिद्धान्त का प्रयोग किया जाता है ?

(A) अतिचालकता (Super conductivity)

(B) जूल-केल्विन प्रभाव (Joule-Kelvin effect)

(C) ताप-वैद्युत प्रभाव (Thermo-electric effect)

(D) रुद्धोष्म विचुम्बकन (Adiabatic demagnetisation)

67. प्रकाश विद्युत् (Photo-electric) सेल बदलता है–

(A) यान्त्रिक ऊर्जा को वैद्युत ऊर्जा में

(B) ताप ऊर्जा को यान्त्रिक ऊर्जा में

(C) प्रकाश ऊर्जा को रासायनिक ऊर्जा में

(D) प्रकाश ऊर्जा को वैद्युत ऊर्जा में

68. भिन्न-भिन्न द्रव्यमान के दो पत्थरों को एक भवन के शिखर से एक साथ गिराया गया–

(A) छोटा पत्थर जमीन पर पहले पहुँचता है

(B) बड़ा पत्थर जमीन पर पहले पहुँचता है

(C) दोनों पत्थर जमीन पर एक साथ पहुँचते हैं

(D) पत्थर की रचना पर निर्भर करता है

69. पल्सर होते हैं–

(A) पृथ्वी की ओर जा रहे तारे

(B) पृथ्वी से दूर जा रहे तारे

(C) तेजी से घूमने वाले तारे

(D) उच्च तापमान वाले तारे

70. सौर परिवार (Solar System) का सबसे बड़ा ग्रह है–

(A) पृथ्वी (Earth)

(B) मंगल (Mars)

(C) शनि (Saturn)

(D) बृहस्पति (Jupiter)

71. 'नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा' निम्नलिखित में से किस शहर में स्थित है ?

(A) मुम्बई (B) नई दिल्ली

(C) भोपाल (D) कोलकाता

72. हमारा राष्ट्रगान पहली बार कब और कहाँ गाया गया था ?

(A) 24 जनवरी, 1950 को इलाहाबाद में

(B) 24 जनवरी, 1950 को दिल्ली में

(C) 26 दिसम्बर, 1942 को कलकत्ता में

(D) 27 दिसम्बर, 1911 को कलकत्ता में

73. वायुमण्डल में जिस ओजोन छिद्र (Ozone hole) का पता लगाया गया है, वह कहाँ स्थित है ?

(A) आर्कटिक महासागर के ऊपर

(B) अन्टार्कटिका के ऊपर

(C) भारत के ऊपर

(D) अलास्का के ऊपर

74. प्रतिभा पलायन (Brain drain)–

(A) एक रोग है

(B) शैक्षिक तथा तकनीकी संस्थाओं से विरत छात्रों को कहते हैं

(C) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसन्धान पर व्यर्थ का खर्चा है

(D) कुशल कर्मियों के उत्प्रवासन (Emigration) को कहते हैं

75. राष्ट्रीय ध्वज के धर्मचक्र में कितनी रेखाएं हैं ?

(A) 22 (B) 24

(C) 18 (D) 14

उत्तर व्याख्या सहित

●●●

शेष पृष्ठ 715 का

नियुक्त किए. इसके साथ अनुषंगी संस्था **जेम्स (Global Environmental Monitoring System)** भी कार्यरत् है.

संसाधन संरक्षण की प्रक्रिया के अन्तर्गत निम्नलिखित चार प्रमुख चरण आते हैं–

प्रथम–पारिस्थितिक क्षेत्र का चयन

द्वितीय–पर्यावरण शिक्षा व शोध

तृतीय–पर्यावरण पारिस्थितिकी ह्रास का मूल्यांकन

चतुर्थ–पर्यावरण ह्रास रोकने के उपाय

पर्यावरण ह्रास के आकलन में हम निम्नलिखित दो प्रभावों को चुनते हैं–

प्रथम–मानवीय क्रियाओं व प्राकृतिक अपघटन से उत्पन्न ह्रास पर्यावरणीय ह्रास अथवा नकारात्मक परिवर्तन, जो पूर्व की तुलना में हुआ है.

द्वितीय–पर्यावरणीय हानि, ह्रास व परिवर्तन से मानव के भावी कल्याण पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन अथवा मूल्यांकन.

प्रथम प्रकार के मूल्यांकन में किसी भी प्रस्तावित कार्य के उपरान्त (प्रभावस्वरूप) प्राकृतिक पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों या प्राकृतिक व्यवस्था में परिवर्तन (ह्रास) का अनुमान लगाना है.

द्वितीय प्रकार के मूल्यांकन में प्राकृतिक पर्यावरण में होने वाले नकारात्मक परिवर्तन (ह्रास) से मानव समाज के कल्याण को प्रभावित करने वाले परिवर्तनों का मूल्यांकन करना होता है. विश्व में सर्वप्रथम पर्यावरण ह्रास के प्रभाव का मूल्यांकन अमरीका में **राष्ट्रीय पर्यावरण नीति अधिनियम (National Environment Policy Act–1969)** में किया गया. इस अधिनियम के प्रमुख घटक लक्ष्य थे–

(1) पर्यावरण गुणवत्ता परिषद् (Council on Environmental Quality)

(2) पर्यावरणीय सम्पदा का प्रसार व जागृति पैदा करना.

(3) पर्यावरण की गुणवत्ता बनाए रखना तथा मानवीय कल्याण हेतु प्रयास.

(4) पर्यावरण, मानव के मध्य समन्वय हेतु राष्ट्रीय नीति निर्माण.

पर्यावरण समस्या, विश्वस्तरीय समस्या है. किसी भी क्षेत्र के पर्यावरणीय अपघटन एवं क्षति का प्रभाव सम्पूर्ण विश्व पर पड़ता है. CFC के अधिक उत्सर्जन यूरोप एवं अमरीका में अधिक हुए, लेकिन अन्टार्कटिका के ऊपर ओजोन छिद्र होने से सम्पूर्ण पृथ्वी पर प्रभाव देखने को मिले. दीर्घकाल में होने वाली पर्यावरणीय हानि के मूल्य पर व्यय लागत कम होती है. कलकत्ता विश्वविद्यालय के **डॉ. के. टी. दास ने अपने पर्यावरणीय अनुसंधान से यह सिद्ध किया कि वृक्षों का मुख्य उत्पादन ऑक्सीजन है. वृक्षों के अन्य उत्पाद–(1) वायु प्रदूषण प्रतिरोध, (2) ध्वनि प्रदूषण प्रतिरोध, (3) भू-क्षरण प्रतिरोध, (4) प्रोटीन उत्पादन, (5) वसा उत्पादन.** डॉ. दास ने अपने विश्वस्तरीय पर्यावरणीय अनुसंधान से सिद्ध किया कि औसत आयु के स्वस्थ वृक्ष के काटने पर **0·3 प्रतिशत** ही उत्पादन लकड़ी के रूप में हम प्राप्त करते हैं और वृक्ष के **99·7 प्रतिशत** अन्य उत्पादों से हम वंचित रह जाते हैं.

●●●

पी.एन.बी. कृषि अधिकारी परीक्षा, 16-8-2009 का हल प्रश्न-पत्र

व्यावसायिक ज्ञान (अर्थशास्त्र)

(स्मृति पर आधारित)

1. से का नियम कहता है–
   (A) माँग स्वयं अपनी आपूर्ति उत्पन्न करती है
   (B) आपूर्ति स्वयं अपनी माँग उत्पन्न करती है
   (C) माँग स्वयं अपनी माँग उत्पन्न करती है
   (D) आपूर्ति स्वयं अपनी आपूर्ति उत्पन्न करती है
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं
2. माल्थस के जनसंख्या सिद्धान्त का आधार है–
   (A) जनसंख्या की हरात्मक श्रेणी
   (B) खाद्य उत्पादन की गुणोत्तर श्रेणी
   (C) जनसंख्या की समान्तर श्रेणी
   (D) जनसंख्या की गुणोत्तर श्रेणी
   (E) उपर्युक्त सभी
3. ग्रेशम का नियम कहता है–
   (A) अच्छी मुद्रा, बुरी मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है
   (B) बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है
   (C) दोनों, अच्छी मुद्रा और बुरी मुद्रा का सह-अस्तित्व हो सकता है
   (D) न ही अच्छी मुद्रा और न ही बुरी मुद्रा लम्बे समय तक चलन में रह सकती है
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं
4. मुद्रा-अवस्फीति का स्रोत है–
   (A) वास्तविक सेक्टर
   (B) आर्थिक सेक्टर
   (C) सेवा सेक्टर
   (D) कपड़ा सेक्टर
5. एक प्रतियोगितात्मक फर्म लाभ बढ़ाती है, जब–
   (A) MR = AR
   (B) MR = MC
   (C) MC = AC
   (D) MC = AR
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं
6. ····· के कारण बाजार में 'सुपर नार्मल' लाभ बढ़ सकता है.
   (A) सूचना की असंगतता
   (B) सूचना पर प्रतिबन्ध
   (C) मात्रा पर प्रतिबन्ध
   (D) मूल्य पर प्रतिबन्ध
   (E) उपर्युक्त सभी
7. ····· के द्वारा लाभ होता है.
   (A) अर्थनीति में सक्रिय तत्व
   (B) नवीनीकरण
   (C) अप्रत्याशित लाभ
   (D) उपर्युक्त सभी
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं
8. ब्याज देय होता है–
   (A) मुद्रा स्फीति की क्षति पूर्ति हेतु
   (B) भविष्य की सामग्री पर वर्तमान की श्रेष्ठता हेतु
   (C) क्योंकि मुद्रा की माँग उसकी आपूर्ति को पीछे छोड़ देती है
   (D) वास्तविक सेक्टर की वृद्धि को सुनिश्चित करना
   (E) उपर्युक्त सभी
9. निवेश की परिभाषा है–
   (A) व्यवसाय में धन लगाना
   (B) ब्याज देने वाले बॉण्ड्स खरीदना
   (C) पूँजी के संचय में बदलाव
   (D) उपर्युक्त सभी
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं
10. अमीरों का अनुत्पादक निवेश है–
   (A) गरीबों को रोजगार की आवश्यकता
   (B) आर्थिक संवर्द्धन में रुकावट
   (C) अर्थनीति पर कोई जिम्मेदारी न होना
   (D) केवल अमीरों की अर्थनीति के प्रति जिम्मेदार होना
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं
11. हेक्शर-ओहलिन सिद्धान्त क्या समझाता है ?
   (A) देशों के रिलेटिव फैक्टर एंडोमेन्ट्स के सन्दर्भ में व्यापार का पैटर्न
   (B) कोई देश ऐसे उत्पादों की आयात क्यों करेगा जो देश के स्केर्स फैक्टर का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करते हैं
   (C) तुलनात्मक लागत का नियम
   (D) परस्पर माँग की संकल्पना
   (E) उपर्युक्त सभी
12. 'क्वासी-रेन्ट'–
   (A) निःशुल्क उपहारों के स्वरूप में होते हैं
   (B) उत्पादन के सभी फैक्टर्स को लागू हो सकते हैं
   (C) मार्जिनल फर्म के रिटर्न्स से अधिक के फर्म के सारे रिटर्न्स इनमें शामिल होते हैं
   (D) उपर्युक्त सभी
   (E) इनमें से कोई नहीं
13. इन्डिफरन्स कर्व तकनीक आवश्यकतः–
   (A) एक कार्डिनल दृष्टिकोण है
   (B) एक ऑर्डिनल दृष्टिकोण है
   (C) एक क्वासी-ऑर्डिनल दृष्टिकोण है
   (D) उपर्युक्त सभी
   (E) इनमें से कोई नहीं
14. इन्डिफरन्स कर्व का स्लोप क्या दर्शाता है ?
   (A) दो वस्तुओं के सब्स्टिट्यूशन की मार्जिनल दर
   (B) एक वस्तु की मार्जिनल यूटीलिटी का दूसरी से अनुपात
   (C) (A) और (B) दोनों
   (D) एक वस्तु की टोटल यूटिलिटी का दूसरी से अनुपात
   (E) इनमें से कोई नहीं
15. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त में 'पास थ्रू' का अर्थ है–
   (A) निर्यात और आयात प्राइस चेंज में रिफ्लेक्टेड एक्सचेंज रेट चेंज का अनुपात
   (B) किसी टैरिफ बैरियर का सामना नहीं कर रहे हों ऐसे निर्यात और आयात
   (C) किसी तकनीकी बैरियर का सामना नहीं कर रहे हो ऐसे निर्यात और आयात
   (D) उपर्युक्त सभी
   (E) इनमें से कोई नहीं
16. मल्टीलैटरल ट्रेड वार्ता का यूरूग्वे राउंड–
   (A) 1986 में शुरू हुआ और 1993 के अन्त में पूरा हुआ
   (B) का लक्ष्य था नोन-टैरिफ ट्रेड बैरियर्स के राइजिंग ट्रेंड को रिवर्स करना
   (C) ने GATT को WTO से रिप्लेस किया
   (D) WTO में सेवाओं और कृषि को लाया
   (E) उपर्युक्त सभी

17. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त में प्रोडक्ट साइकल मॉडल (वर्नान, 1966)–

(A) टेक्नालाजिकल गैप मॉडल का एक एक्स्टेन्शन है

(B) हेक्शर-ओह्लिन मॉडल का एक एक्स्टेन्शन है

(C) नये प्रोडक्ट और प्रोडक्शन के नये प्रोसेसों का डायनामिक कम्पेरेटिव एडवांटेज समझाता है

(D) उपर्युक्त सभी

(E) इनमें से कोई नहीं

18. फॉरेक्स मार्केट में हेड्जिंग और स्पेक्युलेशन–

(A) विरोधी गतिविधियाँ हैं

(B) समानान्तर गतिविधियाँ हैं

(C) समान गतिविधियाँ हैं

(D) उपर्युक्त सभी

(E) इनमें से कोई नहीं

19. करेंसी स्वैप क्या होता है ?

(A) एक ही संव्यवहार के एक भाग के रूप में एक करेंसी का हाजिर विक्रय और साथ ही उसी करेंसी का फोरवर्ड पुनः क्रय

(B) एक ही संव्यवहार के एक भाग के रूप में एक करेंसी का फोरवर्ड विक्रय और साथ ही उसी करेंसी का फोरवर्ड पुनः क्रय

(C) दो अलग-अलग संव्यवहारों में एक करेंसी का फोरवर्ड विक्रय और साथ ही उसी करेंसी का फोरवर्ड पुनः क्रय

(D) उपर्युक्त सभी

(E) इनमें से कोई नहीं

20. भारत में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप परियोजनाएं अधिकांशतः निम्नलिखित से सम्बन्धित हैं–

(A) हवाई अड्डे (B) बन्दरगाह

(C) रेलवे (D) सड़क

(E) शहरी विकास

21. भारत के अल्पावधि मुद्रा बाजार में निम्नलिखित में से किस सेगमेंट का हिस्सा सबसे बड़ा है ?

(A) कोलेटराइज्ड बोरोइंग एण्ड लैंडिंग ओब्लिगेशन (CBLO)

(B) ट्रेडिशनल रिपो

(C) क्लीयरकार्प रिपो ओवर मैचिंग सिस्टम (CROMS)

(D) कॉल

(E) अन्य

22. CSO के संशोधित अनुमान के अनुसार, फैक्टर कोस्ट पर 2008-09 में भारत में GDP …… था.

(A) 28,71,120 करोड़ रुपए

(B) 31,29,717 करोड़ रुपए

(C) 33,39,375 करोड़ रुपए

(D) 44,82,436 करोड़ रुपए

(E) इनमें से कोई नहीं

23. मध्याह्न भोजन योजना–

(A) का निधीयन केन्द्र द्वारा किया गया है और यह विश्व में सबसे बड़ी स्कूल भोजन योजना है

(B) सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में प्रत्येक बच्चे को स्कूल के प्रत्येक दिन कम-से-कम 300 कैलोरी और 8–12 ग्राम प्रोटीन, कम-से-कम 200 दिन के लिए उपलब्ध कराती है

(C) लगभग 120 मिलियन बच्चों को भोजन उपलब्ध कराती है

(D) उपर्युक्त सभी

(E) इनमें से कोई नहीं

24. इंश्युरन्स पेनेट्रेशन की परिभाषा निम्नानुसार है–

(A) एक वर्ष में अंडररिटन प्रीमियम का GDP से अनुपात

(B) एक वर्ष में अंडररिटन प्रीमियम का कुल जनसंख्या से अनुपात

(C) एक वर्ष में इश्युरन्स सब्स्क्राईबर्स का कुल जनसंख्या से अनुपात

(D) एक वर्ष पालिसीधारकों की कुल संख्या का कुल जनसंख्या से अनुपात

(E) इनमें से कोई नहीं

25. इंश्युरन्स डेन्सिटी की परिभाषा निम्नानुसार है–

(A) एक वर्ष में अंडररिटन प्रीमियम का GDP से अनुपात

(B) एक वर्ष में अंडररिटन प्रीमियम का कुल जनसंख्या से अनुपात

(C) एक वर्ष में इश्युरन्स सब्स्क्राइबर्स का कुल जनसंख्या से अनुपात

(D) एक वर्ष पालिसीधारकों की कुल संख्या का कुल जनसंख्या से अनुपात

(E) इनमें से कोई नहीं

26. फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की सिफारिश …… द्वारा की जाती है.

(A) योजना आयोग, भारत

(B) कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP)

(C) वित्त आयोग, भारत

(D) कृषक आयोग, भारत

(E) इनमें से कोई नहीं

27. विद्युत् (संशोधन) अधिनियम, 2007–

(A) ने कैप्टिव यूनिटों के विक्रय हेतु लाइसेंस की आवश्यकता समाप्त कर दी

(B) गाँवों और बाजारों सहित सभी क्षेत्रों में एक्सेस देने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त प्रयास करने का इसमें प्रावधान है

(C) दस्तंदाज मीटरों को उपयोग को आवरित करने के लिए इसमें चोरी की परिभाषा का विस्तार किया है

(D) उपर्युक्त सभी

(E) इनमें से कोई नहीं

28. अर्थव्यवस्था में मंदी के समय राजकोषीय नीति सकल माँग को …… प्रभावित कर सकती है.

(A) विवेकाधीन तत्व

(B) गैर-विवेकाधीन तत्व

(C) कर की दरें घटाकर

(D) उपर्युक्त सभी

(E) इनमें से कोई नहीं

29. तेरहवें वित्त आयोग का अध्यक्ष कौन है ?

(A) डॉ. रंगराजन

(B) डॉ. विजय एल. केलकर

(C) डॉ. सुरेश तेंडुलकर

(D) डॉ. सी. एच. हनुमंत राव

(E) इनमें से कोई नहीं

30. सांविधानिक रूप से मान्य निकाय–

(A) योजना आयोग

(B) वित्त आयोग

(C) फोरवर्ड आयोग

(D) कृषक आयोग

(E) इनमें से कोई नहीं

31. निम्नलिखित उद्देश्य (उद्देश्यों) से अगस्त 2007 में भारत सरकार ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना आरम्भ की थी–

(A) कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलापों में लोक निवेश बढ़ाने के लिए राज्यों को प्रोत्साहित करने

(B) यह सुनिश्चित करने के लिए कि स्थानीय जरूरतें/फसलें/प्राथमिकताओं में बेहतरी हो

(C) महत्वपूर्ण फसलों में उपज अन्तराल कम करने के लक्ष्य की प्राप्ति करने

(D) उपर्युक्त सभी

(E) इनमें से कोई नहीं

32. फरवरी 2009 के आरम्भ में खाद्यान्न का बफर भण्डार …… था.

(A) 16·2 मिलियन टन

(B) 20·0 मिलियन टन

(C) 37·4 मिलियन टन

(D) 36·2 मिलियन टन

(E) इनमें से कोई नहीं

33. निम्नलिखित प्रयोजन से भारत में पब्लिक प्राइवेट भागीदारी लागू की गई है–

(A) सरकारों का वित्तीय बोझ कम करने

(B) इन्फ्रास्ट्रक्चर को अनबंडल कर देने वाले टेक्नालाजिकल परिवर्तन को रिस्पांड करने

(C) माल और सेवाओं के स्वरूप को शुद्ध पब्लिक से प्राइवेट में बदलने

(D) उपर्युक्त सभी

(E) इनमें से कोई नहीं

34. इकोनोमेट्रिक विश्लेषण में हेटेरोसेडास्टिसिटी का अर्थ है–

(A) प्रत्येक डिस्टर्बन्स टर्म (Vi) के लिए वेरिएन्स सभी i के लिए समान है

(B) प्रत्येक डिस्टर्बन्स टर्म (Vi) के लिए वेरिएन्स सभी i के लिए समान नहीं है

(C) प्रत्येक डिस्टर्बन्स टर्म के प्रत्येक जोड़े के लिए को-वेरिएन्स समान है

(D) प्रत्येक डिस्टर्बन्स टर्म के प्रत्येक जोड़े के लिए को-वेरिएन्स समान नहीं है

(E) इनमें से कोई नहीं

35. इकोनोमेट्रिक विश्लेषण में ऑटोकोरिलेशन का अर्थ है–

(A) विभिन्न वेरियेबल्स के मूल्यों के बीच कोरिलेशन

(B) वैकल्पिक वेरियेबल्स के मूल्यों के बीच कोरिलेशन

(C) एक ही वेरियेबल के सक्सेसिव मूल्यों के बीच कोरिलेशन

(D) उपर्युक्त सभी

(E) इनमें से कोई नहीं

36. निम्नलिखित के परीक्षण के लिए इकोनोमेट्रिक मॉडल्स में डार्विन-वाटसन टेस्ट लागू किया जाता है–

(A) मॉडल में हेटेरोसेडस्टिसिटी का अस्तित्व

(B) सैंपल डाटा में आटोकोरिलेटेड एरर्स के लिए

(C) मल्टीकोरेलिनियरिटी के लिए

(D) ऑटोरिग्रेसिव डिस्टर्बन्सेज

(E) इनमें से कोई नहीं

37. वीकली स्टेशनरी स्टोकास्टिक प्रोसेस निम्नलिखित स्थिति में इस नाम से जाना जाता है–

(A) समय के दौरान इसका मीन और वेरियन्स स्थिर रहता है

(B) टु टाइम पीरियड्स के बीच कोवेरियन्स की वैल्यू केवल टु टाइम पीरियड्स के बीच लैग पर डिपेंड करती है

(C) वास्तविक समय जब कोवेरियन्स कम्प्यूट किया जाता है, उस पर कोवेरियन्स की वैल्यू निर्भर नहीं करती है

(D) उपर्युक्त सभी

(E) इनमें से कोई नहीं

38. रिग्रेशन मॉडल्स में डमि वेरियेबल्स का प्रयोग–

(A) क्वालिटेटिवली मेजर न हो सके ऐसे इम्पोर्टन्ट वेरियेबल्स को रिप्रेजेन्ट करने के लिए होता है

(B) स्पेसिफिक एट्रिब्यूट्स का इफेक्ट कैप्चर करने के लिए होता है

(C) बाइनरी वेरियेबल्स के रूप में होता है

(D) जनसंख्या के दो समूहों के बीच का भेद स्पष्ट करने के लिए होता है

(E) उपर्युक्त सभी

39. इकोनोमेट्रिक एनालाइसिस में प्रमुख घटक–

(A) लिनियर कांबिनेशन्स होते हैं

(B) फ्रीडम की डिग्रीस बढ़ाने में सहायता करते हैं

(C) मल्टीकोरिलिनियरिटी की हाइ डिग्री कम करने में सहायता करते हैं

(D) उपर्युक्त सभी

(E) इनमें से कोई नहीं

40. विश्व की जनसंख्या 2·6 प्रतिशत की दर से बढ़ती है, तो यह ····· में दोगुनी हो जाएगी.

(A) 44·34 वर्ष (B) 36·92 वर्ष

(C) 29·32 वर्ष (D) 26·66 वर्ष

(E) इनमें से कोई नहीं

उत्तर व्याख्या सहित

●●●

उपकार

परीक्षा तिथि–25 अक्टूबर, 2009

दि न्यू इण्डिया एश्योरन्स कम्पनी लि.

प्रशासनिक अधिकारी परीक्षा (सामान्य)

लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन

कोड नं. 1480 **मूल्य :** 245/-

प्रमुख आकर्षण

☞ तर्कशक्ति परीक्षा ☞ संख्यात्मक योग्यता (डाटा इन्टरप्रिटेशन सहित)

☞ English Language

☞ सामान्य सचेतता

ENGLISH EDITION **Code No.** 1674 **Rs.** 215/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

E-mail : publisher@upkar.in
Website : www.upkar.in

आगामी बैंक पी.ओ., एम.बी.ए. आदि परीक्षाओं के लिए विशेष हल प्रश्न

उद्योग व्यापार जगत्

1. सितम्बर 2009 के मध्य में भारत के पास आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष (स्वर्ण व एसडीआर सहित) थे, लगभग–
   (A) 150 अरब डॉलर
   (B) 210 अरब डॉलर
   (C) 250 अरब डॉलर
   (D) 280 अरब डॉलर

2. किसानों की ऋण माफी की केन्द्र सरकार की योजना के तहत् लाभान्वित किसानों की संख्या किस राज्य में सर्वाधिक रही है ?
   (A) उत्तर प्रदेश (B) आन्ध्र प्रदेश
   (C) महाराष्ट्र (D) पंजाब

3. 'आसियान' (ASEAN) के 10 सदस्य राष्ट्रों में से किसके साथ भारत का विदेशी व्यापार सर्वाधिक है ?
   (A) सिंगापुर (B) मलेशिया
   (C) थाईलैण्ड (D) इंडोनेशिया

4. बोइंग विमान कम्पनी किस देश की कम्पनी है ?
   (A) अमरीका (B) फ्रांस
   (C) ब्रिटेन (D) स्विट्जरलैण्ड

5. 'विशिष्ट पहचान संख्या प्राधिकरण' के अध्यक्ष नंदन नीलेकणि सॉफ्टवेयर क्षेत्र की किस कम्पनी से सम्बद्ध रहे हैं ?
   (A) टीसीएस (B) इंफोसिस
   (C) विप्रो (D) माइक्रोसॉफ्ट

6. सीएसओ के ताजा आकलन के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था में कितने प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है ?
   (A) 3·4 प्रतिशत (B) 4·8 प्रतिशत
   (C) 5·3 प्रतिशत (D) 6·1 प्रतिशत

7. बीमा क्षेत्र की कम्पनी मैक्स न्यूयॉर्क के नए ब्रांड एम्बेसडर हैं–
   (A) अभिताभ बच्चन
   (B) शाहरुख खान
   (C) महेन्द्र सिंह धोनी
   (D) सचिन तेंदुलकर

8. निम्नलिखित में से किस कम्पनी के साथ एक ताजा अनुबंध ओलम्पिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने किया है, जोकि विवादित हो गया है ?
   (A) लोफार्ज इंडिया
   (B) एसबीआई लाइफ
   (C) वोडाफोन
   (D) परसेप्ट

9. बुकर पुरस्कार किस देश में प्रदान किए जाते हैं ?
   (A) अमरीका (B) ब्रिटेन
   (C) फ्रांस (D) भारत

10. हरियाणा में नए भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) की स्थापना किस शहर में की जा रही है ?
   (A) फरीदाबाद (B) यमुना नगर
   (C) रोहतक (D) गुड़गांव

11. निम्नलिखित में से किस राज्य/केन्द्र शासित क्षेत्र में एक नए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) की स्थापना ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान नहीं की जानी है ?
   (A) नगालैण्ड (B) झारखण्ड
   (C) उत्तराखण्ड (D) दिल्ली

12. 'फोर्ब्स' पत्रिका के आकलन के अनुसार विगत एक वर्ष में किस क्रिकेटर की कमाई विश्व में सभी अन्य क्रिकेटरों से अधिक रही है ?
   (A) महेन्द्र सिंह धोनी
   (B) सचिन तेंदुलकर
   (C) रिकी पोंटिंग
   (D) केविन पीटरसन

13. अद्यतन आँकड़ों के अनुसार इंटरनेट का उपयोग करने वालों की सर्वाधिक संख्या किस देश में है ?
   (A) अमरीका (B) चीन
   (C) भारत (D) जापान

14. देश की कुल जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में इंटरनेट का उपयोग करने वालों का सर्वाधिक प्रतिशत है–
   (A) अमरीका में (B) चीन में
   (C) आस्ट्रेलिया में (D) जापान में

15. हाल ही में कितने सप्ताह तक भारत में मुद्रास्फीति की दर शून्य से नीचे बनी रही थी ?
   (A) 5 सप्ताह (B) 9 सप्ताह
   (C) 13 सप्ताह (D) 17 सप्ताह

16. भारत में पहली दूरंतो एक्सप्रेस रेलगाड़ी किन स्टेशनों के बीच चलाई गई थी ?
   (A) चेन्नई–दिल्ली
   (B) चेन्नई–मुंबई
   (C) मुम्बई सेंट्रल–दिल्ली
   (D) सियालदाह–दिल्ली

17. 'सिडबी' (SIDBI) क्या है ?
   (A) बैंक
   (B) बीमा कम्पनी
   (C) म्यूचुअल फण्ड
   (D) क्रेडिट रेटिंग एजेंसी

18. 'वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट' नाम से वार्षिक रिपोर्ट का प्रकाशन किस वित्तीय संस्थान द्वारा किया जाता है ?
   (A) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
   (B) विश्व बैंक
   (C) डब्ल्यू टी ओ
   (D) अंकटाड (UNCTAD)

19. तरलता का प्रवाह बढ़ाने के लिए 250 अरब डॉलर के तुल्य एसडीआर का आवंटन अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपने सदस्य देशों को अगस्त 2009 में किया था. भारत को कितने अरब डॉलर इस आवंटन के तहत् प्राप्त हुए हैं ?
   (A) 1·2 अरब डॉलर
   (B) 4·8 अरब डॉलर
   (C) 7·6 अरब डॉलर
   (D) 10·2 अरब डॉलर

20. अपने संसाधनों में वृद्धि के लिए किस वित्तीय संस्थान ने 400 टन से अधिक सोना बेचने का फैसला किया है ?
   (A) विश्व बैंक
   (B) एशियाई विकास बैंक
   (C) डब्ल्यू टी ओ
   (D) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

21. वैश्विक वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए जी-20 का ताजा शिखर सम्मेलन सितम्बर 2009 में कहाँ आयोजित हुआ है ?
   (A) टोरंटो
   (B) रोम
   (C) कोपेनहेगन
   (D) पिट्सबर्ग (अमरीका)

22. 55वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के तहत् सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार पाने वाली फिल्म 'कांचीवरम्' किस भाषा की है ?
   (A) हिन्दी (B) तेलुगू
   (C) मलयालम (D) तमिल

23. 55वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के तहत् राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म का नरगिस दत्त पुरस्कार किस फिल्म के लिए दिया गया है ?
(A) धर्म (B) फ्रोजेन
(C) 1971 (D) चक दे इंडिया

24. नॉरमन बोरलॉग, जिनका निधन सितम्बर 2009 में हुआ है, ने निम्न-लिखित में से किस क्षेत्र में योगदान के लिए ख्याति प्राप्त की थी ?
(A) इंटरनेट
(B) माइक्रो क्रेडिट
(C) बौद्धिक संपदा अधिकार
(D) अधिक उपज देने वाले बीज

25. अंकटाड की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बीते वर्ष 2008 में एफडीआई प्राप्त करने वाले एशियाई देशों में भारत का कौनसा स्थान रहा है ?
(A) पहला (B) दूसरा
(C) तीसरा (D) चौथा

26. भारत में हाल ही में ब्याज दरों का वायदा कारोबार किस एक्सचेंज में शुरू किया गया है ?
(A) BSE (B) NSE
(C) MCX (D) NCDEX

27. भारत में पहला इस्लामिक बैंक किस राज्य में स्थापित किया जा रहा है ?
(A) जम्मू कश्मीर (B) महाराष्ट्र
(C) तमिलनाडु (D) केरल

28. 'इंडिया एण्ड ग्लोबल क्राइसेस' नाम से हाल ही में प्रकाशित पुस्तक किसके द्वारा रचित है ?
(A) डॉ. सी. रंगराजन
(B) शंकर आचार्य
(C) विजय केलकर
(D) सुरेश तेंदुलकर

29. आठवाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन जनवरी 2010 में किस शहर में आयोजित किया जाएगा ?
(A) नई दिल्ली (B) बंगलौर
(C) हैदराबाद (D) मुम्बई

30. सितम्बर 2009 में लैक्मे फैशन वीक का आयोजन किस शहर में हुआ था ?
(A) नई दिल्ली (B) बंगलौर
(C) कोलकाता (D) मुम्बई

उत्तरमाला

●●●

बधाई संदेश

यह बड़े हर्ष का विषय है कि हमारे एक नियमित पाठक श्री नरेन्द्र चौधरी का चयन, राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा 2007 के आधार पर, राजस्थान पुलिस सेवा में डिप्टी एस.पी. के पद पर अन्तिम रूप से हो गया है. पूरे राज्य में उन्हें 25वाँ स्थान प्राप्त हुआ है. इस शानदार सफलता के लिए हम श्री चौधरी को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हैं. सूचनार्थ पत्र में श्री चौधरी ने लिखा है कि उनकी यह सफलता प्रतियोगिता दर्पण की बेहतरीन अध्ययन सामग्री, वार्षिकांक एवं विज्ञान और राज-व्यवस्था के अतिरिक्तांकों के सहयोग और मार्गदर्शन से हुई है. प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सम्पूर्ण आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने वाली प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका अपने आप में एक सम्पूर्ण पत्रिका है. हम श्री चौधरी के इन विचारों से अभिभूत हैं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक कामना करते हैं.

–सम्पादक

उपकार

नवीन प्रस्तुति

सी.एस.आई.आर.-सी.ए.एस.ई.

अनुभाग अधिकारी तथा कार्यपालक सहायक

प्रारम्भिक परीक्षा

लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन कोड नं. 1476 मूल्य : 210/-

प्रमुख आकर्षण
- सामान्य ज्ञान
- सामान्य विज्ञान
- हिन्दी भाषा
- अंग्रेजी भाषा
- लोक प्रशासन
- कम्प्यूटर

ENGLISH EDITION Code No. 1670 Rs. 195/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2 E-mail : publisher@upkar.in Website : www.upkar.in

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा आयोजित

उपकार परीक्षा तिथि–28 अक्टूबर, 2009

छत्तीसगढ़ विज्ञान पहेली प्रतियोगिता परीक्षा

लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन

कोड नं. 1491 मूल्य : 110/-

प्रमुख आकर्षण
- मॉडल प्रश्न-पत्र हल सहित
- भौतिक विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- जीव विज्ञान

ENGLISH EDITION

Code 1676 Rs. 120/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2 E-mail : publisher@upkar.in Website : www.upkar.in

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा (2006), 9-3-2008 का हल प्रश्न-पत्र

विधि

1. ''विधि शास्त्र अधिरचित (निश्चयात्मक) विधि का दर्शन है.'' यह कथन है—
   (A) ऑस्टिन (B) पेटन
   (C) कीटन (D) डायस
2. ''विधिशास्त्र विधि के आधारभूत सिद्धान्तों का वैज्ञानिक संश्लेषण है.'' यह किसने कहा था ?
   (A) ऐलन (B) बैन्थम
   (C) हॉलैण्ड (D) डायस
3. हारवर्ड लॉ रिव्यू में हार्ट-फुलर की बहस का विषय है—
   (A) विधि और समाज
   (B) विधि और नैतिकता
   (C) विधि और दायित्व
   (D) विधि और न्याय
4. ''एक आँख के लिए एक आँख तथा एक दाँत के लिए एक दाँत (अर्थात् जैसे को तैसा)'' किस सिद्धान्त के अनुसार दण्ड का उद्देश्य था ?
   (A) भयकारी (Detterrent) सिद्धान्त
   (B) निवारणवादी (Preventive) सिद्धान्त
   (C) प्रतिकारपरक (Retributive) सिद्धान्त
   (D) सुधारात्मक (Reformative) सिद्धान्त
5. सम्पूर्ण विश्व के विरुद्ध सुरक्षित हित को कहा जाता है—
   (A) सही अर्थों में अधिकार
   (B) साम्पत्तिक अधिकार
   (C) सर्वबंधी अधिकार
   (D) व्यक्तिबंधी अधिकार
6. निम्नलिखित में से किस विधिशास्त्री ने शाश्वत विधि (Lex Aeterma), प्राकृतिक विधि, (Lex Naturalis), ईश्वरीय विधि (Lex Divina) तथा मानव निर्मित (Lex Humana) विधि में विभेद किया है ?
   (A) सिसरो
   (B) जस्टिनियन
   (C) सन्त थॉमस एक्विनास
   (D) प्लेटो
7. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए—

   सूची–I
   (a) विधिशास्त्र अधिवक्ताओं की बहिर्मुखता है.
   (b) विधि का स्रोत लोक चेतना है.
   (c) विधि प्राथमिक एवं द्वितीयक नियमों का ऐक्य है.
   (d) विधिक व्यवस्था प्रादर्शों की स्तूप संरचना है.

   सूची–II
   1. हार्ट 2. केल्सन
   3. जूलियस स्टोन 4. सैविनी

   कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	4	3	1	2
(C)	3	4	1	2
(D)	3	1	4	2

8. ''स्वामित्व किसी वस्तु पर पूर्ण नियंत्रण है.'' यह परिभाषा दी गई है—
   (A) पैटन द्वारा
   (B) पोलक द्वारा
   (C) हॉलैण्ड द्वारा
   (D) केल्सन द्वारा
9. निम्नलिखित में से किस विधिशास्त्री ने विधिक अधिकारों एवं कर्त्तव्यों की व्याख्या विधिक सहवर्ती एवं विधिक विलोम के रूप में की है ?
   (A) हाहफैल्ड (B) मेंसफील्ड
   (C) हॉलैण्ड (D) होम्स
10. सर हेनरी मेन के अनुसार, अब तक प्रगतिशील समाजों का संचलन रहा है—
   (A) प्रास्थिति (Status) से सामाजिक संविदा की ओर
   (B) प्राकृतिक विधि से अधिरचित विधि (Positive Law) की ओर
   (C) रूढ़ि (Custom) से विधायन की ओर
   (D) प्रास्थिति से संविदा (Contract) की ओर
11. ''विधि का प्रयोजन सुख को प्रदत्त करना और दुःख का निवारण करना है.'' यह किसने कहा था ?
   (A) बैन्थम (B) सामण्ड
   (C) कैल्सन (D) हॉब्स
12. ''सामाजिक यांत्रिकी'' (Social Engineering) के सिद्धान्त का प्रवर्तक है—
   (A) रॉस्को पाउण्ड (B) कॉम्टे
   (C) ड्यूगिट (D) इहरिंग
13. ''कन्सेप्ट ऑफ लॉ' पुस्तक का लेखक कौन है ?
   (A) एच.एल.ए. हार्ट
   (B) ऑस्टिन
   (C) बैन्थम
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
14. निम्नलिखित में से किसने कहा था कि विधान 'समाज के विधायी अंगों की औपचारिक अभिव्यक्ति (कथन) है?
   (A) डायस (B) एलेन
   (C) ग्रे (D) ब्लैक स्टोन
15. प्रख्यात निबन्ध 'डिटर्मिनिंग रेशियो डेसीडेंडी ऑफ केस' के लेखक थे—
   (A) गुडहार्ट (B) विनफील्ड
   (C) ओपेनहीम (D) जूलियस स्टोन
16. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए—

   सूची–I
   (a) ऐतिहासिक विचारधारा
   (b) वियना विचारधारा
   (c) प्राकृतिक विधि विचारधारा
   (d) समाजशास्त्रीय विचारधारा

   सूची–II
   1. ड्यूगिट 2. स्टैमलर
   3. केल्सन 4. पुच्ता

   कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	1	3
(B)	4	3	2	1
(C)	3	1	4	2
(D)	2	3	4	1

17. ''एकमात्र अधिकार जो मनुष्य का हो सकता है वह है सदैव कर्तव्य को करने का अधिकार.'', यह कहा था—
   (A) रास्को पाउण्ड ने
   (B) इहरिंग ने
   (C) एहरलिच ने
   (D) ड्यूगिट ने
18. ''विधि का राष्ट्र के साथ जन्म होता है, यह उसी के साथ बढ़ती है, और उसके विघटन पर समाप्त हो जाती है और यह उसकी एक विशेषता है.'' यह मत है—
   (A) प्राकृतिक विधि विचारधारा का
   (B) ऐतिहासिक विचारधारा का
   (C) विश्लेषणात्मक विचारधारा का
   (D) समाजशास्त्रीय विचारधारा का
19. 'एकल निगम' (Corporate Sole) का मुख्य प्रयोजन है—
   (A) सम्पत्ति को आसानी से विरासत योग्य बनाना
   (B) सम्पत्ति को आसानी से अंतरणीय बनाना
   (C) पद में निरन्तरता बनाए रखना
   (D) राज्य की सम्पत्ति की सुरक्षा करना
20. विधि के स्रोतों की विवेचना करते हुए निम्नलिखित में से किसने कहा था कि ''न्यायालय संविधि के मृत शब्दों में जीवन फूँकने का कार्य करते हैं ?
   (A) हॉलैण्ड (B) ग्रे
   (C) सामण्ड (D) ऑस्टिन

21. विश्लेषणात्मक (Analytical), ऐतिहासिक एवं नैतिक विधिशास्त्र (Historical and Ethical Jurisprudence), विधिशास्त्र के तीन विभिन्न भाग हैं. कथनानुसार—
(A) सामण्ड
(B) इहरिंग
(C) हार्ट
(D) इमैनुअल काण्ट

22. यद्यपि आपातकाल की उद्घोषणा लागू हो, तथापि न्यायालयों के माध्यम से निम्नलिखित अधिकारों का प्रवर्तन निलम्बित नहीं किया जा सकता है—
(A) अनुच्छेद 14, 19 और 21
(B) अनुच्छेद 20, 21 और 22
(C) अनुच्छेद 19 और 21
(D) अनुच्छेद 20 और 21

23. संसद और उसके सदस्यों की शक्तियों, विशेषाधिकार और उन्मुक्तियों (Immunities) के सम्बन्ध में प्रावधान है—
(A) अनुच्छेद–105 में
(B) अनुच्छेद–106 में
(C) अनुच्छेद–107 में
(D) अनुच्छेद–194 में

24. निम्नलिखित में से किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने पुलिस अभिरक्षा में क्रूरता या उत्पीड़न (Cruelty or Torture) किए जाने को अनुच्छेद 21 का उल्लंघन बताते हुए निन्दा की ?
(A) *फ्रांसिस कोरेली बनाम दिल्ली संघ क्षेत्र*
(B) *मेनका गांधी बनाम भारत संघ*
(C) *पी. रतिराम बनाम भारत संघ*
(D) *ओल्गा तेलिस बनाम बम्बई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन*

25. संविधान का कौनसा अनुच्छेद यह उपबंधित करता है कि मंत्रियों द्वारा राष्ट्रपति को दी गई सलाह की किसी न्यायालय द्वारा जाँच नहीं की जाएगी ?
(A) अनुच्छेद–74(1)
(B) अनुच्छेद–74(2)
(C) अनुच्छेद–75
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

26. संसद में दल-बदल रोकने हेतु अनुच्छेद 102 में खण्ड (2) तथा दसवीं अनुसूची जोड़ी गई—
(A) संविधान (42वाँ संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा
(B) संविधान (44वाँ संशोधन) अधिनियम 1978 द्वारा
(C) संविधान (52वाँ संशोधन) अधिनियम 1985 द्वारा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

27. भारत में उच्चतम न्यायालय के अधिकारिता की वृद्धि की जा सकती है–
(A) भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
(B) भारत के राष्ट्रपति द्वारा
(C) संसद द्वारा विधि बनाकर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

28. ''राज्य अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का प्रयास करेगा'', उपबंधित है—
(A) अनुच्छेद–48 क में
(B) अनुच्छेद-49 में
(C) अनुच्छेद–50 में
(D) अनुच्छेद–51 में

29. छद्म विधायन (Colourable Legislation) का सिद्धान्त लागू होता है, जब—
(A) विधायिका अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत कार्य करती है
(B) विधायिका अपने क्षेत्राधिकार से बाहर कार्य करती है
(C) विधायिका ऊपरी तौर से अपने क्षेत्राधिकार के भीतर कार्य करती है, जबकि वास्तव में सीमाओं का अतिक्रमण करती है
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

30. *एस. आर. बोम्माई बनाम भारत संघ (1994) का मामला सम्बन्धित है—*
(A) संसदीय विशेषाधिकार से
(B) प्रेस की स्वतन्त्रता से
(C) राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा से
(D) समता के अधिकार से

31. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए—

सूची–I
(a) संविधान (52वाँ संशोधन) अधिनियम
(b) संविधान (86वाँ संशोधन) अधिनियम
(c) संविधान (प्रथम संशोधन) अधिनियम
(d) संविधान (93वाँ संशोधन) अधिनियम

सूची–II
1. चुनाव में आरक्षण
2. नवीं अनुसूची
3. दसवीं अनुसूची
4. शिक्षा का अधिकार

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	3	4	2	1
(C)	4	3	2	1
(D)	2	4	1	3

32. ''भारतीय संविधान में, एक एकात्मक राज्य (Unitary State), जिसमें संघात्मक तत्व सहायक रूप में, न कि संघात्मक राज्य, जिसमें एकात्मक तत्व सहायक कहे जा सकते हैं, का प्रावधान है.'', यह कथन है—
(A) सर आइवर जेनिंग्स का
(B) के. सी. व्हेयर का
(C) ए. वी. डायसी का
(D) एस. ए. डी. स्मिथ का

33. *ए. आर. अन्तुले बनाम आर. एस. नायक (1988) का वाद निम्नलिखित से सम्बन्धित है–*
(A) अनुच्छेद–12
(B) संविधान की प्रस्तावना
(C) अनुच्छेद–311
(D) अनुच्छेद–368

34. संविधान का कौनसा प्रावधान केन्द्र पर यह दायित्व निरूपित करता है कि वह यह सुनिश्चित करे कि राज्य की सरकार संविधान के प्रावधानों के अनुरूप चलायी जा रही है ?
(A) अनुच्छेद–352 (B) अनुच्छेद–355
(C) अनुच्छेद–356 (D) अनुच्छेद–360

35. 'प्रसाद का सिद्धान्त' (Doctrine of Pleasure) लागू होता है—
(A) अनुच्छेद–15(4) पर
(B) अनुच्छेद–16(4) पर
(C) अनुच्छेद–356 पर
(D) अनुच्छेद–310 पर

36. संविधान की उद्देशिका (Preamble of the Constitution) भारत को घोषित करती है—
(A) पंथनिरपेक्ष समाजवादी प्रभुत्व सम्पन्न लोकतन्त्रात्मक गणराज्य
(B) समाजवादी पंथनिरपेक्ष प्रभुत्व सम्पन्न लोकतन्त्रात्मक गणराज्य
(C) प्रभुत्व सम्पन्न पंथनिरपेक्ष समाजवादी लोकतन्त्रात्मक गणराज्य
(D) प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतन्त्रात्मक गणराज्य

37. भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक की नियुक्ति किस प्रावधान के अन्तर्गत होती है ?
(A) अनुच्छेद–48
(B) अनुच्छेद–147
(C) अनुच्छेद–149
(D) अनुच्छेद–148

38. निम्नलिखित में से किसको लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा अपना त्यागपत्र सम्बोधित करना चाहिए ?
(A) राष्ट्रपति
(B) प्रधानमंत्री
(C) लोकसभा के उपाध्यक्ष
(D) संसदीय कार्यों के मंत्री

39. निम्नलिखित रिटों में से कौनसी रिट केवल न्यायिक एवं न्यायिक कल्प प्राधिकारियों के विरुद्ध जारी की जा सकती है ?
(A) परमादेश (Mandamus)
(B) बन्दी प्रत्यक्षीकरण (Habeas Corpus)
(C) उत्प्रेषण (Certiorari)
(D) अधिकार पृच्छा (Quo Warranto)

40. भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन कौन करता है ?
(A) केवल राज्य सभा के सदस्य
(B) केवल लोकसभा के सदस्य
(C) संसद के दोनों सदनों के सदस्य
(D) राज्यों के सभी विधानमण्डलों के सदस्य

41. दाण्डिक विषयों (Criminal) में उच्चतम न्यायालय की अपीलीय अधिकारिता किस अनुच्छेद में है ?
(A) 131 (B) 132
(C) 136 (D) 134

42. भारत के राष्ट्रपति को क्षमा (Pardon) प्रदान करने की शक्ति किस अनुच्छेद में प्राप्त है ?
(A) 172 (B) 74
(C) 72 (D) 92

43. उच्चतम न्यायालय के किस निर्णय के अनुसार राज्य किसी गैर-सहायता प्राप्त निजी व्यावसायिक शिक्षण संस्थान पर अपनी आरक्षण नीति आरोपित नहीं कर सकता ?
(A) एम. नागराज *बनाम* भारत संघ
(B) पी. ए. ईमानदर *बनाम* महाराष्ट्र राज्य
(C) टी.एम.ए. पाई फाउन्डेशन *बनाम* कर्नाटक राज्य
(D) इन्द्रा साहनी *बनाम* भारत संघ

44. संघ और राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग के गठन का उपबंध है—
(A) अनुच्छेद–316 में
(B) अनुच्छेद–319 में
(C) अनुच्छेद–315 में
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

45. भारत में सम्प्रभु (Sovereign) कौन है ?
(A) भारत का राष्ट्रपति
(B) भारत का प्रधानमंत्री
(C) मन्त्रिपरिषद्
(D) हम भारत के लोग

46. सेनफ्रांसिस्को में 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर कितने राज्यों ने हस्ताक्षर किए थे ?
(A) 41 (B) 15
(C) 51 (D) 52

47. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की प्रथम महिला न्यायाधीश का नाम है—
(A) रोजलीन हिगिन्स
(B) रोजा ई. ओटमबाईवा
(C) गेरट्रयूड मोन्गेला
(D) सदाको ओगाता

48. अन्तर्राष्ट्रीय विधि के आधार को स्पष्ट करने के लिए 'पैक्टासन्ट सर्वण्डा' का सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया था—
(A) केल्सन द्वारा (B) ओपेनहेम द्वारा
(C) स्टार्क द्वारा (D) ऐन्जीलोटी द्वारा

49. संयुक्त राष्ट्र संघ के किस अनुच्छेद के अधीन सुरक्षा परिषद् किसी राज्य के विरुद्ध सशस्त्र बल का प्रयोग कर सकती है ?
(A) 42 (B) 45
(C) 41 (D) 51

50. किसने कहा था, ''एक राज्य केवल और अनन्य रूप से, मान्यता द्वारा ही अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्ति है और होता है'' ?
(A) हॉलैण्ड (B) हाल
(C) ओपेनहेम (D) स्टार्क

51. संयुक्त राष्ट्र दिवस किस तिथि को मनाया जाता है ?
(A) 26 जून (B) 10 दिसम्बर
(C) 11 जुलाई (D) 24 अक्टूबर

52. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के एक न्यायाधीश को हटाया जा सकता है—
(A) सुरक्षा परिषद् के प्रस्ताव द्वारा
(B) महासभा के प्रस्ताव द्वारा
(C) महासचिव द्वारा
(D) शेष न्यायाधीशों की सर्वसम्मति द्वारा

53. किसने कहा था कि प्रथा रूढ़ि (Custom) के प्राथमिक चरण का प्रतिनिधित्व करती है जहाँ प्रथा समाप्त होती है वहीं रूढ़ि प्रारम्भ होती है ?
(A) स्टार्क (B) ब्रायरली
(C) हाल (D) ग्रोशियस

54. द्वितीय विश्व मानव अधिकार सम्मेलन, 1993 सम्पन्न हुआ—
(A) वियेना में (B) पेरिस में
(C) जेनेवा में (D) नई दिल्ली में

55. संयुक्त राज्य अमरीका ने क्यूबा की चयनात्मक नाकाबंदी (Selection blockade) कब की थी ?
(A) अक्टूबर, 1962
(B) दिसम्बर, 1960
(C) सितम्बर, 1962
(D) अक्टूबर, 1963

56. एस्ट्राडा का सिद्धान्त किससे सम्बन्धित है ?
(A) हस्तक्षेप (Intervention)
(B) राज्य उत्तराधिकार (State succession)
(C) रूढ़ि (Custom)
(D) मान्यता (Recognition)

57. यद्यपि संयुक्त राष्ट्र चार्टर में सदस्यता को वापस लेने का कोई विशिष्ट उपबंध नहीं किया गया है, फिर भी निम्नलिखित में से एक ने अपनी सदस्यता वापस ले ली थी—
(A) भारत
(B) ईरान
(C) इराक
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

58. **कथन (A)** : संयुक्त राष्ट्र राज्यों की संप्रभु समानता पर आधारित है.
कारण (R) : सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों को वीटो का अधिकार है.
कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का स्पष्टीकरण है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

59. निम्नलिखित में से कौनसा अन्तर्राष्ट्रीय विधि का प्राथमिक स्रोत है ?
(A) न्यायिक निर्णय
(B) अन्तर्राष्ट्रीय विधिशास्त्रियों के लेख
(C) अन्तर्राष्ट्रीय प्रथाएं
(D) अन्तर्राष्ट्रीय रूढ़ियाँ

60. निम्नलिखित में संयुक्त राष्ट्र संघ के किस अंग के पास संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य को निकालने अथवा निलम्बित करने की शक्ति है ?
(A) आर्थिक और सामाजिक परिषद्
(B) सुरक्षा परिषद्
(C) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय
(D) सुरक्षा परिषद् की संस्तुतियों पर महासभा

61. संयुक्त राष्ट्र के कितने सिद्धान्त आंगिक अनुपालन (Organic Observance) के लिए प्रतिपादित हैं ?
(A) तीन (B) चार
(C) दो (D) पाँच

62. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय किसी मामले को साम्या (Ex aequo et bono) के आधार पर कब निर्णीत कर सकता है ?
(A) यदि न्यायालय आवश्यक समझता है
(B) यदि न्यायालय का अध्यक्ष ऐसा चाहता है
(C) यदि महासभा न्यायालय से निवेदन करती है
(D) यदि सम्बन्धित पक्षकार इसके लिए सहमति देते हैं

63. यह मत कि अन्तर्राष्ट्रीय विधि, विधि नहीं है, अपितु 'सार्थक अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता है', था—
(A) ओपेनहाइम का (B) स्टार्क का
(C) हॉलैण्ड का (D) ऑस्टिन का

64. निम्नलिखित न्यायाधीशों में से कौन अपकृत्य (Tort) में पूर्ण दायित्व के सिद्धान्त के विकास का प्रतीक माना जाता है ?
(A) ब्लैकबर्न जे.
(B) लॉर्ड डैनिंग एम. आर.
(C) लॉर्ड हैल्सबरी
(D) न्यायमूर्ति पी. एन. भगवती

65. 'अपकृत्य में राज्य के दायित्व' के सन्दर्भ में राज्य के 'प्रभुता सम्पन्न कार्यों' एवं

'अप्रभुता सम्पन्न कार्यों' के मध्य कोई विभेद नहीं है—निम्नलिखित वाद में कहा गया है—

(A) कस्तूरी लाल *बनाम* उ. प्र. राज्य

(B) नागराज राव एण्ड कम्पनी *बनाम* आन्ध्र प्रदेश राज्य

(C) राजस्थान राज्य *बनाम* विद्यावती

(D) उपर्युक्त सभी

66. अपकृत्य विधि से सम्बन्धित 'कबूतर खाने का सिद्धान्त' (Pigeon Hole Theory) को निम्नलिखित में से किसने प्रतिपादित किया है ?

(A) विनफील्ड (B) अण्डर हिल

(C) सामण्ड (D) फ्लेमिंग

67. योगदायी उपेक्षा (Contributory negligence) से सम्बन्धित निम्नलिखित किस वाद में न्यायालय ने सर्वप्रथम एक सिद्धान्त को लागू किया था और जिसे 'अन्तिम अवसर का नियम' के नाम से जाना गया ?

(A) बटरफील्ड *बनाम* फोरेस्टर

(B) डेवीस *बनाम* मान

(C) एडमिरल्टी कमिश्नर्स *बनाम* एस. एस. वॉल्यूट

(D) ब्रिटिश कोलम्बिया इलेक्ट्रिक रेलवे *बनाम* लोश

68. एक मालिक सेवक द्वारा कारित किये गये अपकृत्य के लिए दायी होता है, जब सेवक कार्य करता है—

(A) अपने मालिक के लाभ के लिए

(B) अपने कार्य के घण्टों के समय

(C) नियोजन के अनुक्रम में

(D) वादी को क्षतिकारित करने हेतु

69. अपकृत्य उल्लंघन (Infringement) है—

(A) व्यक्तिबंधी अधिकार का

(B) सर्वबंधी अधिकार का

(C) दोनों व्यक्तिबंधी तथा सर्वबंधी अधिकार का

(D) न तो व्यक्तिबंधी और न ही सर्वबंधी अधिकार का

70. ''यदि कार्य विधिपूर्ण था, तब हेतु कितना भी बुरा क्यों न हो, प्रतिवादी को वह कार्य करने का अधिकार था.'' यह उक्ति निम्नलिखित में से एक वाद में न्यायालय ने व्यक्त की थी—

(A) *मेयर ऑफ ब्रैडफर्ड कॉर्पोरेशन बनाम पिकल्स*

(B) *ऐश्बी बनाम ह्वाइट*

(C) *क्रिस्टी बनाम डेवी*

(D) *हॉलीवुड सिल्वर फॉक्स फॉर्म लि. बनाम ऐमेट*

71. ओलियम गैस रिसाव मामले के विधायी परिणामस्वरूप भारतीय संसद ने एक विधि को अधिनियमित किया था. निम्नलिखित में से वह कौनसा विधान था ?

(A) राष्ट्रीय पर्यावरण अधिकरण अधिनियम

(B) परिसंकट अपशिष्ट (प्रबंधन एवं हथालन) अधिनियम

(C) लोक दायित्व बीमा अधिनियम

(D) भोपाल गैस विभीषिका (दावा-कार्यवाही) अधिनियम

72. 'स्वतः अनुयोज्य' अपकृत्य वे अपकृत्य हैं—

(A) जिनमें वादी को विशेष हानि सिद्ध करनी होगी

(B) जिनमें दायित्व बिना आशय या उपेक्षा के उत्पन्न होता है

(C) जिनमें किसी लोक अधिकार का अतिलंघन होता है, जिससे कोई विशिष्ट हानि भी हुई है

(D) जिनमें वादी वाद ला सकता है यद्यपि उसे वास्तविक हानि नहीं उठानी पड़ी है

73. 'दैवीकृत्य' (Act of God) का अपवाद किस नियम के साथ जोड़ा गया था ?

(A) कठोर दायित्व का सिद्धान्त

(B) पूर्ण दायित्व का सिद्धान्त

(C) अंशदान का सिद्धान्त

(D) संयुक्त क्षतिकर्ता

74. मानहानि के अपकृत्य में निम्नलिखित में से कौनसा बचाव उचित टिप्पणी का आवश्यक तत्व है ?

1. जिस विषय पर टिप्पणी की जा रही है, वह लोकहित का होना चाहिए.
2. यह तथ्य का एक दावा होना चाहिए.
3. इसमें विचारों की अभिव्यक्ति होनी चाहिए.
4. टिप्पणी उचित (न्यायोचित) होनी चाहिए.

नीचे दिए गये कूट में से सही उत्तर संकेतित कीजिए—

(A) 1, 2, 3 और 4 (B) 1, 3 और 4

(C) 1 और 2 (D) 2 और 3

75. अपकृत्य के लिए उचित उपचार की कार्यवाही है—

(A) व्यादेश (Injunction)

(B) अभियोजन (Prosecution)

(C) अपरिनिर्धारित नुकसानी

(D) सभी सही हैं

76. राजपथ के किनारे पर बच्चों का स्कूल है. जब कक्षाएं चल रही हैं, दो बच्चे राजपथ पर घूम रहे हैं. एक ट्रक सामान्य गति से राजपथ पर चल रहा है. बच्चों को टक्कर से बचाने में ट्रक बैलगाड़ी से टकरा जाता है, एक व्यक्ति घायल हो जाता है, बैल मर जाते हैं और ट्रक को भी क्षति पहुँचती है. निम्नलिखित में से कौनसी उक्ति दायित्व को सही स्वरूप में अभिनिर्धारित करती है ?

(A) स्कूल प्रशासन दायित्वाधीन है, क्योंकि वे उपेक्षापूर्ण कार्य कर रहे थे

(B) ट्रक का चालक दायित्वाधीन था, क्योंकि उसने सतर्कता से कार्य नहीं किया

(C) बैलगाड़ी चालक दायित्वाधीन था, क्योंकि उसने उचित सतर्कता नहीं बरती

(D) बच्चे दायित्वाधीन हैं, उन्होंने दुर्घटना से अंशदान दिया

77. अपकृत्य विधि में कठोर दायित्व (Strict liability) का अर्थ है—

(A) दायित्व जो बहुत कड़ा है

(B) किसी भी खतरनाक कार्यकलाप के लिए दायित्व

(C) दायित्व जिसे स्थापित करने हेतु गलती दिखाना आवश्यक नहीं है

(D) सामूहिक अपकृत्य के लिए दायित्व

78. *यूसूपोफ बनाम एम. जी. एम. पिक्चर्स लि. निम्नलिखित में से किस पर अग्रनिर्णय (Leading case) है ?*

(A) मानहानि (Defamation)

(B) उपेक्षा (Negligence)

(C) अंशदायी उपेक्षा (Contributory Negligence)

(D) कठोर दायित्व (Strict liability)

79. **कथन (A)** : अपकृत्य दायित्व तथा आपराधिक दायित्व कुछ बातों में एक से हैं.

कारण (R) : क्योंकि दोनों ही ऐसे कर्तव्य पर आधारित हैं, जिसका निर्धारण विधि द्वारा होता है, और जो सभी के ऊपर समान रूप से लागू होती है.

कूट :

(A) दोनों (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(B) दोनों (A) तथा (R) सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

80. निम्नलिखित में से कौनसी सीमा स्वेच्छा से उठायी गई हानि के नियम के लिए सही नहीं है ?

(A) सहमति स्वतन्त्र होनी चाहिए

(B) अविधिक कार्यों के लिए दी गई सहमति, सहमति नहीं है

(C) बचाव के मामलों में दी गई सहमति, सहमति नहीं है

(D) खतरे की अत्यधिक जानकारी खतरे का पूर्वानुमान नहीं है

81. 'अ' महिला महाविद्यालय के गेट के पास खड़ा होकर अश्लील गाने गाता है. उसने कौनसा अपराध किया है?

(A) हमला (Assault)

(B) स्त्री की लज्जा भंग करना

(C) आपराधिक अभित्रास (Criminal intimidation)

(D) अश्लील कार्य (Obcenity)

82. आपराधिक दायित्व का यह सिद्धान्त कि —''केवल कृत्य ही दोषपूर्ण नहीं, अपितु मनःस्थिति भी दोषपूर्ण होनी चाहिए.'' विकसित किया था—

(A) साम्य न्यायालय द्वारा

(B) सामान्य न्यायालय (Common Law Courts) द्वारा

(C) स्टार चेम्बर न्यायालय द्वारा

(D) क्यूरिया रेजिस द्वारा

83. *गोराचंद गोपी बनाम आर अग्रणी निर्णय है—*

(A) *पागलपन (Insanity) पर*

(B) *सामान्य आशय (Common intention) पर*

(C) *सामान्य उद्देश्य (Common object) पर*

(D) *उपर्युक्त में से कोई नहीं*

84. पति द्वारा पत्नी की इच्छा के विरुद्ध किये गये सम्भोग को बलात्कार (Rape) का अपराध होने के लिए पत्नी की आयु होनी चाहिए—

(A) 17 वर्ष से कम (B) 15 वर्ष से कम

(C) 16 वर्ष से कम (D) 18 वर्ष से कम

85. **कथन (A)** : उत्प्रेरण के अपराध को स्थापित करने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि उत्प्रेरित अपराध किया जाए.

कारण (R) : क्योंकि अपराध का उत्प्रेरण स्वयं में एक अपराध है.

कूट :

(A) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

(B) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है

(C) दोनों (A) तथा (R) सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(D) दोनों (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

86. 'X' तथा 'Y' में 'Z' के मकान में चोरी करने की सहमति हुई, लेकिन वास्तव में चोरी नहीं की गयी. वे लोग दोषी हैं—

(A) किसी अपराध (Offence) के लिये नहीं

(B) षड्यन्त्र के द्वारा दुष्प्रेरण के लिए

(C) उकसाने द्वारा दुष्प्रेरण के लिए

(D) आपराधिक षड्यन्त्र (Criminal conspiracy) के लिए

87. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए—

सूची–I

(a) प्रतिरक्षा के रूप में चित्त विकृति

(b) सामान्य आशय

(c) आवश्यकता

(d) भूल-प्रतिरक्षा के रूप में

सूची–II

1. सम्राट् *बनाम* बरेन्द्र कुमार घोष
2. आर. *बनाम* मैकनाटन
3. भावोजीवाजी *बनाम* मुलजी दयाल
4. आर. *बनाम* डूडले एवं स्टीफन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	2	4	1
(D)	4	3	1	2

88. 'B' को 'Z' का घर जलाने के लिए 'A' उकसाता है. 'B' उस घर को आग लगा देता है और उसी समय वहाँ से सम्पत्ति की चोरी भी करता है. इस मामले में—

(A) 'A' घर में आग लगाकर चोरी करने का दोषी है

(B) 'A' यद्यपि घर जलाने में दुष्प्रेरण का दोषी है, परन्तु चोरी के दुष्प्रेरण का दोषी नहीं है

(C) 'A' घर जलाने और चोरी करने दोनों अपराध के दुष्प्रेरण का दोषी है.

(D) 'A' न तो घर जलाने और न चोरी के दुष्प्रेरण का दोषी है

89. कुछ युद्ध संलग्न आतंकवादी एक व्यक्ति के मकान में छिपे हुए हैं. युद्ध संलग्न आतंकवादी मकान से पुलिस के ऊपर फायरिंग करके आक्रमण कर रहे हैं. पुलिस ने अपनी सुरक्षा में मकान की ओर गोली चलाई, जिससे मकान के एक निर्दोष व्यक्ति को गोली लग गई और उसकी मृत्यु हो गई. पुलिस के लोग दोषी हैं—

(A) किसी अपराध के लिए नहीं, क्योंकि वे व्यक्तिगत प्रतिरक्षा के अधिकार का दावा कर सकते हैं

(B) सदोष मानववध

(C) हत्या (Murder)

(D) उपेक्षा अथवा तीव्र कार्य से मृत्यु के लिए

90. A और B एक नाव पर जा रहे थे. अचानक नाव डूबने लगी. A ने B को ढकेल दिया और अपनी जान बचा ली. B डूब गया—

(A) A ने B को ढकेलने में सही किया क्योंकि यह आवश्यकता का कार्य था

(B) निजी सुरक्षा के अतिरिक्त किसी भी आवश्यकता में किसी की जान लेना न्यायोचित नहीं है

(C) A का कार्य बाध्यता के अन्तर्गत किया गया

(D) उपर्युक्त सभी गलत हैं

91. 'डि मिनिमस नॉन क्यूरेट लेक्स' (विधि तुच्छ बातों पर ध्यान नहीं देती) सिद्धान्त पर सामान्य अपवाद है—

(A) तुच्छ अपहानि (Triviallity)

(B) दुर्घटना (Accident)

(C) सम्मति (Consent)

(D) आत्मरक्षा (Self-defence)

92. *सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय* ***राज्य*** *बनाम* ***मेयर हान्स जार्ज*** *ए. आई. आर. 1965 एस. सी. 722 जाना जाता है—*

(A) सामाजिक-आर्थिक अपराधों की विधियों की कठोर व्याख्या के लिए

(B) स्थितियाँ जिनमें आपराधिक मनः-स्थिति (दुराशय) का सांकेतिक वर्जन किया जा सकता है

(C) आपराधिक मनःस्थिति का वर्जन न करना जब तक विधि साफ शब्दों में ऐसा न चाहे

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

93. निम्नलिखित में से किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया है कि पत्नी से निरन्तर दहेज की माँग करना उसके प्रति क्रूरता है ?

(A) *हफीजुन्निसा बनाम मोहम्मद यासीन खाँ*

(B) *मोहम्मद अहमद खाँ बनाम शाह बानो*

(C) *अनुराधा बनाम डॉ. श्रीकान्त*

(D) *निझावन बनाम निझावन*

94. "प्रत्येक संविधि में दुराशय अन्तर्निहित माना जाता है जब तक कि इसके प्रतिकूल सिद्ध नहीं कर दिया जाता है." यह मत निम्न वाद में व्यक्त किया गया था—

(A) *हार्डिंग बनाम प्राइस*

(B) *आर. बनाम डूडले*

(C) *शेराज बनाम डे रुट्जेन*

(D) *आर. बनाम लिपमैन*

95. 'A', 'B' को 'C' की हत्या करने के लिए उकसाता है. 'B' ऐसा करने से मना कर देता है. इस मामले में 'A' दायित्वाधीन है—

(A) किसी भी अपराध का दोषी नहीं है

(B) 'B' को हत्या करने के लिए उकसाने का दोषी है

(C) हत्या का दोषी है

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

96. सामान्य उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए कम-से-कम व्यक्तियों की संख्या क्या है ?

(A) 2 या 2 से अधिक

(B) 4 व्यक्ति

(C) 5 या 5 से अधिक

(D) व्यक्तियों की संख्या निश्चित नहीं है

97. 'A' कभी-कभी 'C' की पत्नी के साथ बिना 'C' की सहमति से सम्भोग करता है. भारतीय दण्ड संहिता की किस धारा में 'C' उपचार प्राप्त कर सकता है ?

(A) 494 (B) 495

(C) 496 (D) 497

98. एक महिला के ससुर एवं सास उसके विरुद्ध दहेज हेतु क्रूरता करते हैं. वे निम्नलिखित में से भारतीय दण्ड संहिता की किस धारा के अन्तर्गत दोषी होंगे ?

(A) धारा 323 (B) धारा 350

(C) धारा 349 (D) धारा 498 A

99. निम्नलिखित में से किस अपराध के विरुद्ध शरीर की निजी प्रतिरक्षा का अधिकार मृत्युकारित करने तक विस्तृत नहीं है ?

(A) बलात्संग (Rape)

(B) प्रकृति विरुद्ध कामतृष्णा की तृप्ति

(C) गर्भपात कारित करना (Causing Miscarriage)

(D) व्यपहरण (Kidnapping)

100. भारतीय दण्ड संहिता के प्रावधान निम्नलिखित तिथि से प्रवृत्त हुए—

(A) 30 नवम्बर, 1861

(B) 1 जनवरी, 1862

(C) 1 जुलाई, 1862

(D) 31 दिसम्बर, 1862

101. निम्नलिखित में से कौनसा कपट (Fraud) का आवश्यक तत्व नहीं है ?

(A) यह दूसरे पक्षकार को धोखा देने के आशय से किया जाना चाहिए

(B) मिथ्या कथन करने वाला व्यक्ति जानता है कि कथन मिथ्या है

(C) यह संविदा के एक पक्षकार द्वारा ही किया जाना चाहिए

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

102. निम्नलिखित में से कौनसा वाद संविदा (Frustration) नैराश्य से सम्बन्धित है ?

(A) *कारलिल बनाम कारबोलिक स्मोक बाल कम्पनी*

(B) *हेडले बनाम बैक्सन्डेल*

(C) *डेरी बनाम पीक*

(D) *राजा ध्रुवदेव चन्द्र बनाम हरमोहिन्दर सिंह एवं अन्य*

103. 'B' के लिए 'A' एक रंगचित्र बनाने का वचन देता है. तत्पश्चात् 'B', 'A' को रंगचित्र बनाने से मना कर देता है. 'A' उस वचन के पालन के लिए निम्नलिखित किस धारा के अन्तर्गत आबद्ध नहीं है ?

(A) धारा-63 (B) धारा-62

(C) धारा-64 (D) धारा-65

104. **कथन (A)** : संविदा का एक पक्षकार के अनुपालन के पक्षकार के रूप में इस आधार पर अपने को उन्मुक्त करा सकता है कि उसके पास भुगतान करने के लिए कोई धन अथवा सम्पत्ति नहीं है.

कारण (R) : असम्भव कार्य को किये जाने का करार अपने आप में शून्य है और दोनों पक्षकार भविष्य के अनुपालन को निष्पादित करने से उन्मुक्त हैं.

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर संकेतित कीजिए—

कूट :

(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

105. 'A' को ज्ञात है कि उसके घोड़े के खुर क्षतिग्रस्त हैं, उसने इसको ऐसे भर दिया कि खराबी मालूम नहीं हो सकती है और इसको 'B' को बेच दिया. यह खराबी बाद में 'B' को पता चल गयी. 'A' का कार्य होगा—

(A) असत्य सुझाव (A false suggestion)

(B) वास्तविक तथ्यों को सक्रियता से छिपाना

(C) दुर्व्यपदेशन (Misrepresentation)

(D) भूल (Mistake)

106. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गये कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए—

सूची–I

(a) *रामसगेट विक्टोरिया होटल कं. बनाम मोंटिफियोर*

(b) *टिन्न बनाम होफमेन्न*

(c) *हाऊस होल्ड फायर इन्श्योरेन्स कं. बनाम ग्राण्ट*

(d) *फिच बनाम स्नेडकर*

सूची–II

1. स्वीकृति तब पूर्ण हो जाती है जब स्वीकृति का पत्र डाक में डाल दिया जाता है.

2. प्रति प्रस्ताव से संविदा नहीं बनती है.

3. प्रस्ताव का संचार का अभित्यजन नहीं किया जा सकता है.

4. प्रस्ताव की स्वीकृति में अयुक्तियुक्त विलम्ब इसको समाप्त करने का कारण होता है.

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	4	2	1	3
(C)	3	4	2	1
(D)	2	3	1	4

107. A, B को यह वचन देता है कि वह C को 10,000रु. का भुगतान करेगा. A, C को यह धनराशि नहीं देता है. A को भुगतान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है—

(A) केवल B के द्वारा

(B) केवल C के द्वारा

(C) B और C के द्वारा एक साथ

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

108. व्यापार अवरोधार्थ करार शून्य है, यदि इनके द्वारा लगाया जाता है—

(A) पूर्ण प्रतिबंध

(B) अपूर्ण प्रतिबंध

(C) दोनों (A) और (B) सही हैं

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

109. A, B को जो एक न्यायाधीश है, वाद को अपने पक्ष में निर्णय देने के लिए पचास हजार रुपये देने का वचन देता है. यह एक—

(A) वैध संविदा (Valid contract) है

(B) शून्यकरणीय संविदा (Voidable contract) है

(C) शून्य संविदा (Void contract) है

(D) अवैध करार (Illegal agreement) है

110. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?

(A) अवैध अनुबंध संपार्श्विक संव्यवहार को प्रभावित करता है

(B) प्रतिफल रहित अनुबंध शून्य है

(C) प्रतिफल केवल प्रतिज्ञागृहीता द्वारा ही दिया जाना चाहिए

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

111. "एक व्यक्ति को किसी दूसरे व्यक्ति की कीमत पर अन्यायपूर्ण धनी नहीं होने दिया जाएगा." यह सिद्धान्त कहा जाता है—

(A) प्रतिफल रहित करार (Nudum pactum)

(B) संविदा कल्प (Quasi-Contract)

(C) जितना काम उतना दाम (Quantum Merit)

(D) मूल्यानुसार कीमत (Quantum-Valebat)

112. A, B और C छल-कपट द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लाभों को आपस में बँटवारे के लिए एक करार करते हैं—

(A) करार शून्य है

(B) करार वैध है

(C) करार शून्यकरणीय है

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

113. 'A', 'B' का ऋणी है, किन्तु वह ऋण परिसीमा अधिनियम द्वारा बाधित है. 'A' उस ऋण के लिए 'B' को दस हजार रुपये देने का लिखित वचन हस्ताक्षरित करता है. यह करार—

(A) वैध (Valid) है

(B) शून्य (Void) है

(C) शून्यकरणीय (Voidable) है

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

114. निम्नलिखित में से कौन विकृत चित्त (Unsound mind) नहीं है ?

(A) पागल (Insane)

(B) मंदबुद्धि (Idiot)

(C) शराब के नशे में धुत व्यक्ति (Drunkard)

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

115. दुकान की अलमारी (शो केस) में कीमत की पर्ची लगाकर माल प्रदर्शित करने का अर्थ है—

(A) प्रस्थापना (Offer) करना

(B) प्रस्थापना का प्रतिग्रहण (Acceptance for offer)

(C) प्रस्थापना के लिए आमन्त्रण (Invitation to offer)

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

116. प्रभावी तथ्य की भूल के लिए निम्नलिखित में से कौनसा अपेक्षित है ?

(A) भूल दोनों पक्षकारों की होनी चाहिए

(B) तथ्य अनुबंध के लिए आवश्यक होना चाहिए

(C) भूल विद्यमान तथ्य की होनी चाहिए

(D) उपर्युक्त सभी

117. एक अवयस्क 20,000 के कर्ज के लिए जो अपने शिक्षा के लिए लिया था, साहूकार (लेनदार) के पक्ष में अपना घर बन्धक किया. साहूकार ने संदाय की माँग की जिसे अवयस्क ने संदाय करने से मना कर दिया. सही विधिक स्थिति को इंगित कीजिए—

(A) एक अवयस्क ऋण भुगतान के लिए आबद्ध नहीं है, क्योंकि संविदा शून्य है

(B) साहूकार ऋण की वसूली अवयस्क की सम्पदा से कर सकता है

(C) अवयस्क ऋण का भुगतान करने के लिए व्यक्तिगत रूप से आबद्ध है

(D) अवयस्क बन्धक से आबद्ध होगा न कि ऋण से

118. जबकि किसी करार के लिए सम्मति, प्रपीड़न असम्यक असर, कपट या मिथ्या व्यपदेशन से कारित हो तब वह करार ऐसी संविदा है, जो उस पक्षकार के विकल्प पर शून्यकरणीय है, जिसकी सम्मति ऐसे कारित हुई थी. निम्नलिखित से किस धारा के अन्तर्गत है ?

(A) धारा 19

(B) धारा 19 क

(C) धारा 19 और 19 क

(D) उपर्युक्त में से कोई धारा नहीं

119. ''लोकनीति एक बिगड़ैल घोड़ा (Unruly horse) है, और जब कोई इस पर चढ़ता है तो यह कहाँ ले जाएगा इसे कोई नहीं जानता.'' यह कथन निम्नलिखित किस वाद से सम्बन्धित है ?

(A) *घेरुलाल बनाम महादेवदास*

(B) *रिचर्ड्सन बनाम मेलिश*

(C) *फेन्डर बनाम जॉन मिल्डमये*

(D) *एर्गटन बनाम ब्राऊनलो*

120. 'A' कई प्रकार के तेलों का व्यापार करता है. 'B' को 'A' एक सौ टन तेल बेचने का करार करता है. करार शून्य है, क्योंकि—

(A) यह अनिश्चित है

(B) प्रतिफल रहित है

(C) स्वतन्त्र सम्मति नहीं है

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर व्याख्या सहित

दर्शनशास्त्र

1. निम्नलिखित में कौनसा विकल्प सही है?
   (A) तर्कवाक्य या तो सत्य होते हैं या असत्य होते हैं
   (B) तर्कवाक्य (Propositions) सदैव सत्य ही होते हैं
   (C) सभी प्रकार के वाक्य तर्कवाक्य होते हैं
   (D) सभी प्रकार के वाक्य या तो सत्य होते हैं या असत्य होते हैं

2. 'कोई भी कथन या तो सत्य होता है या असत्य होता है'.
   उपर्युक्त कथन है—
   (A) विधायक उभयतः पाश
   (B) तादात्म्य (Identify) का नियम
   (C) मध्य परिहार नियम
   (D) व्याघात (Contradiction) का नियम

3. पारम्परिक विरोध वर्ग के अनुसार जब समान उद्देश्य और विधेय वाले दो तर्कवाक्य एक साथ सत्य नहीं हो सकते यद्यपि वे असत्य हो सकते हैं, तो वे कहलाते हैं—
   (A) व्याघाती (Contradictory)
   (B) उपाश्रयण (Sub-alternation)
   (C) विरुद्ध (Sub-contrary)
   (D) विपरीत (Contrary)

4. सभी राजनेता असत्यभाषी (Liars) हैं.
   कोई भी सन्त असत्यभाषी नहीं है.
   ∴ कुछ सन्त राजनेता नहीं हैं.
   निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प उपर्युक्त निरपेक्ष न्यायवाक्य (Categorical Syllogism) के लिए सही है—
   (A) अव्याप्त मध्यम पद दोष
   (B) सत्तात्मक दोष (Fallacy)
   (C) न्याययुक्ति वैध है
   (D) निषेधात्मक आधारवाक्य दोष

5. $\frac{\begin{matrix}P-M\\M-S\end{matrix}}{S-P}$ यह दृष्टान्त है—
   (A) प्रथम आकृति का
   (B) द्वितीय आकृति का
   (C) तृतीय आकृति का
   (D) चतुर्थ आकृति का

6. 'I' तर्कवाक्य का प्रतिपरिवर्तित (Contrapositive) है—
   (A) A
   (B) E
   (C) कोई भी वैध प्रतिपरिवर्तित नहीं
   (D) O

7. EIO–2
   उपर्युक्त न्याययुक्ति-आकार में कौनसा तर्कदोष है?
   (A) वैध-कोई तर्क दोष नहीं
   (B) अनियमित अमुख्य पद दोष
   (C) निषेधात्मक आधारवाक्य दोष
   (D) सत्तात्मक दोष

8. निम्नांकत रेखाचित्रों में से कौनसा 'A' निरुपाधिक तर्कवाक्य को प्रस्तुत करता है?
   (A) 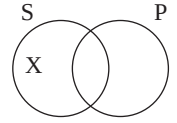

   (B) 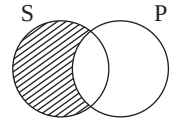

   (C) 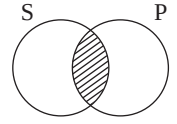

   (D) 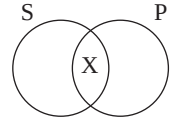

9. किसी वैध वेन रेखाचित्र में :
   (1) हम तीन गोलाकारों को परस्पर काटते हुए चित्रित करते हैं
   (2) हम केवल आधारवाक्यों को ही चित्रित करते हैं
   (3) हम सदैव मुख्य आधारवाक्य को पहले चित्रित करते हैं
   (4) हम सदैव सर्वव्यापी आधारवाक्य को पहले चित्रित करते हैं
   नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए–
   (A) (1) और (3)
   (B) (1), (2) और (3)
   (C) (1), (2) और (4)
   (D) (1), (3) और (4)

10. समान उद्देश्य और विधेय वाले दो निरुपाधिक तर्कवाक्य, जो गुण और परिमाण दोनों में भिन्न हैं, के मध्य विरोध कहलाता है—
    (A) विपरीत (Contrary)
    (B) विरुद्ध (Subcontrary)
    (C) उपश्रयण (Subalternation)
    (D) व्याघात (Contradiction)

11.

p	q	
T	T	T
T	F	T
F	T	T
F	F	F

    उपर्युक्त सत्यतालिका निम्नांकित में से किसका सत्यफलन है?
    (A) विकल्प (Disjunction)
    (B) संयोजन (Conjunction)
    (C) आपादन (Implication)
    (D) निषेध (Negation)

12. संयोजन निम्नलिखित संरचना में से किसमें सत्य होता है?
    (A) F – F (B) T – T
    (C) T – F (D) F – T

13. $p \supset q$
    $\therefore p \supset (p \cdot q)$
    उपर्युक्त दृष्टान्त है—
    (A) पूर्ववत् अनुमान (Modus Ponens) का
    (B) सरलीकरण (Simplification) का
    (C) समविलयन (Absorption) का
    (D) संयोजन (Conjunction) का

14. यदि A और B सत्य हैं तथा X और Y असत्य हैं तो निम्नलिखित संयुक्त कथनों में से कौनसा असत्य है?
    (A) $(X \supset (X \supset Y)$
    (B) $(X \supset Y) \supset (\sim X \supset \sim Y)$
    (C) $(A \supset X) \supset Y$
    (D) $A \supset (B \supset Y)$

15. $p \vee q$
    $\sim p$
    $\therefore q$
    उपर्युक्त युक्ति आकार दृष्टान्त है—
    (A) वैकल्पिक न्याययुक्ति का
    (B) हेतुहेतुमद् न्याययुक्ति का

(C) निरुपाधिक न्याययुक्ति का
(D) आगमनात्मक युक्ति का

16. निम्नलिखित में से कौनसा फलवाक्य विधान दोष है?
(A) $p \supset q$
p
$\therefore q$
(B) $p \supset q$
p
$\therefore q$
(C) $p \supset q$
q
$\therefore p$
(D) $p \supset q$
$\sim q$
$\therefore p$

17. $\sim (p \cdot q) \equiv (\sim p \vee \sim q)$
उपर्युक्त कथन उदाहरण है—
(A) संयोजन (Conjunction) का
(B) योग (Addition) का
(C) पुनर्कथन (Tautology) का
(D) व्याघात (Contradiction) का

18. निम्नलिखित में से कौनसा 'O' तर्क-वाक्य है?
(A) $(\exists X)(\phi X \sim \psi X)$
(B) $(X)(\phi X \supset \psi X)$
(C) $(X)(\phi X \supset \sim \psi X)$
(D) $(\exists X)(\phi X \cdot \psi X)$

19. $(X)(\phi X \supset \sim \cup X)$ और $(\exists X)(\phi X \sim \psi X)$
पारस्परिक विरोध वर्ग के अनुसार उपर्युक्त प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों में विरोध है—
(A) विपरीत (B) विरुद्ध
(C) उपाश्रयण (D) व्याघात

20. $p \cdot q$
$\therefore p$
उपर्युक्त है—
(A) संयोजन
(B) पूर्ववत् अनुमान
(C) योग
(D) सरलीकरण

21. 'त्रिवर्ग' के अनुसार हमारे सेवन का साध्य है—
(A) धर्म
(B) अर्थ
(C) धर्माश्रित काम
(D) काम मात्र

22. 'पुरुषार्थ चतुष्ट्य' के अनुसार मोक्ष का तात्पर्य है—
(A) दुःखों का आत्यन्तिक नाश
(B) ईश्वर-साक्षात्कार
(C) स्वर्ग की प्राप्ति
(D) सुख की प्राप्ति

23. 'ऋण' की अवधारणा का सम्बन्ध है—
(A) ब्रह्मचर्याश्रम से
(B) गृहस्थाश्रम से
(C) वानप्रस्थाश्रम से
(D) संन्यासाश्रम से

24. सन्तानोत्पत्ति कर्तव्य का सम्बन्ध है—
(A) देवऋण से (B) भूतऋण से
(C) पितृ ऋण से (D) ऋषि ऋण से

25. निम्नलिखित में से कौन केवल निवृत्ति-मार्ग में विश्वास नहीं करता?
(A) सांख्य (B) कृष्ण
(C) महावीर (D) बुद्ध

26. अधोलिखित में से कौन संसार को मिथ्या मानता है?
(A) शांकर वेदान्त
(B) जैन दर्शन
(C) वैष्णव वेदान्त
(D) सांख्य-योग

27. **कथन (A)** : गीता के अनुसार व्यक्ति को सदैव सत्य बोलना चाहिए.
कारण (R) : सत्य-भाषण समस्त मनुष्यों का स्वधर्म है.
नीचे दिए गए कूट के अनुसार सही उत्तर चुनिए.
कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है.
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है.
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है.
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है.

28. गीता के अनुसार अपात्र (Undeserving person) को दान देना है—
(A) राजसिक (B) तामसिक
(C) सात्विक (D) अनैतिक

29. **कथन (A)** : गीता के अनुसार ज्ञान ही एक मात्र मोक्ष-मार्ग है.
कारण (R) : ज्ञान आत्मा के वास्तविक स्वरूप को प्रकाशित करता है.
नीचे दिए गए कूट के अनुसार सही उत्तर चुनिए.
कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है.
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है.
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

30. गीता में निषिद्ध कर्म को कहा गया है—
(A) विकर्म (B) अकर्म
(C) कर्म (D) निष्काम कर्म

31. **कथन (A)** : कृष्ण गीता में कहते हैं, 'कर्त्तव्य कर्म करो; फल की इच्छा मत करो.'
कारण (R) : कर्म-फल कर्ता के अधीन नहीं है.
निम्नांकित कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए.
कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है.
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है.
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

32. स्थितप्रज्ञ वह है जिसकी बुद्धि एकाग्र है—
(1) ईश्वर में
(2) विषयों में
(3) आत्म हित में
(4) आत्म संतुष्टि में
नीचे दिए गए कूट के अनुसार सही उत्तर चुनिए.
कूट :
(A) (1) और (2)
(B) (1), (3) और (4)
(C) (1) और (4)
(D) (3) और (4)

33. ईश्वर को वह भक्त सर्वप्रिय है, जो—
(A) आर्त है (B) ज्ञानी है
(C) जिज्ञासु है (D) अर्थार्थी है

34. जैन दर्शन में बताए गए त्रिरत्न हैं—
(A) शील-समाधि-प्रज्ञा
(B) अहिंसा-अनेकान्त-अपरिग्रह
(C) आस्रव-सम्वर-निर्जरा
(D) दर्शन-ज्ञान-चारित्र

35. बौद्धों का द्वितीय आर्यसत्य कहलाता है—
(1) धर्मचक्र (2) द्वादशनिदान
(3) दुःख निरोध (4) अनात्मवाद
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए.
कूट :
(A) (1) और (2)
(B) (1) और (3)
(C) (3) और (4)
(D) (2) और (4)

36. बौद्धों का पंचशील समवेत है—
(A) समाधि में (B) दुःख समुदय में
(C) शील में (D) प्रज्ञा में

37. सम्यग् दृष्टि अंग है—
(A) त्रिरत्न का
(B) अष्टांग-मार्ग का
(C) अष्टांग योग का
(D) धर्मचक्र का

38. प्रतीत्यसमुत्पाद की निम्नांकित चार कड़ियों पर विचार कीजिए—
(1) स्पर्श (2) वेदना
(3) तृष्णा (4) षडायतन
नीचे दिए गए कूट के अनुसार उपर्युक्त कड़ियों का सही क्रम चुनिए.
कूट :
(A) 3–4–1–2 (B) 1–3–2–4
(C) 4–3–2–1 (D) 4–1–2–3

39. जैन दर्शन के अनुसार केवली वह है—
(A) जो सर्वज्ञ (Omniscient) है
(B) जिसे वस्तुओं को केवल सापेक्ष ज्ञान है
(C) जो केवल एकान्तवासी (Solitude) है
(D) जो दूसरों के उद्धार हेतु बार-बार जन्म लेता है

40. महाव्रत समवेत है—
(A) सम्यग् दर्शन में
(B) सम्यक् ज्ञान में
(C) सम्यक् चरित्र में
(D) सम्यक् स्मृति में

41. सूची-I का सूची-II के साथ मिलान कीजिए और नीचे दिए गए कूट के अनुसार सही उत्तर दीजिए :
सूची-I
(a) अणुव्रत (b) त्रिरत्न
(c) अष्टांगमार्ग (d) महाव्रत
सूची-II
1. श्रमण 2. स्मृति
3. दर्शन 4. श्रवक
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	1	3
(B)	4	3	2	1
(C)	2	4	3	1
(D)	3	1	4	2

42. गीता के अनुसार निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए—
(1) कर्तापन के अभिमान से रहित किया गया कर्म अकर्म है
(2) कर्म भक्ति में बाधक है
(3) भक्ति योग ही एकमात्र मोक्ष मार्ग है
(4) निषिद्ध कर्म विकर्म है
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए.
कूट :
(A) (1) और (4)
(B) (1) और (3)
(C) (2) और (4)
(D) (2) और (3)

43. निम्नलिखित में से कौनसा अनुपयुक्त युग्म है?
(A) स्वधर्म—वर्णधर्म
(B) अर्हत्—बौद्ध दर्शन
(C) केवली—वह व्यक्ति जिसे किसी वस्तु का केवल आंशिक ज्ञान हो
(D) स्थितप्रज्ञ—समत्व योग

44. प्रारम्भिक वैदिक विचारधारा के मूलभूत सम्प्रत्यय पर विचार कीजिए—
(1) ऋत (2) दान
(3) तप (4) यज्ञ
नीचे दिए गए कूट के अनुसार सही उत्तर चुनिए.
कूट :
(A) (1) और (2)
(B) (1) और (3)
(C) (2) और (4)
(D) (1) और (4)

45. निम्नलिखित में कौनसा पंचयज्ञ में सम्मिलित नहीं है?
(A) नृयज्ञ (B) अश्वमेध यज्ञ
(C) भूतयज्ञ (D) पितृयज्ञ

46. मूल्य के सम्प्रत्यय पर विचार कीजिए—
(1) फल स्वास्थ्य के लिए अच्छे हैं
(2) मेरी माँ सदैव सत्य बोलती है
(3) सत्य शुभ है
(4) बेईमानी (Dishonesty) अशुभ है
उपर्युक्त कथनों में से कौनसे मूल्यपरक कथन हैं?
(A) (1), (3) और (4)
(B) (2), (3) और (4)
(C) (2) और (3)
(D) (1), (2), (3) और (4)

47. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा नैतिक (Moral) कथन है?
(A) कुछ राजनेता ईमानदार हैं
(B) अधिसंख्य लोग कहते हैं कि बेईमानी उचित नहीं है
(C) ईमानदारी दीर्घकालिक लाभप्रद है
(D) बेईमानी अवांछनीय (Undesirable) है

48. वह कर्म जो नियमानुकूल होता है, कहलाता है—
(A) सत्य (True)
(B) वैधानिक (Legal)
(C) उचित (Right)
(D) प्रथा (Ritual)

49. नैतिक कर्तव्य का आधार है—
(A) समस्त बाध्यताओं से स्वतन्त्रता
(B) आन्तरिक बाध्यता (Compulsion)
(C) आध्यात्मिक (Spiritual) बाध्यता
(D) वैधानिक (Legal) बाध्यता

50. मनोवैज्ञानिक सुखवाद के अनुसार विचार कीजिए :
कथन (A) : सुख जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य है.
कारण (B) : प्रत्येक व्यक्ति सुख की कामना करता है.
निम्नांकित कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए.
कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

51. मनोवैज्ञानिक सुखवाद (Psychological hedonism) के अनुसार निम्नलिखित में कौन प्रेरक शक्ति है?
(A) अन्तर्ज्ञान (Intuition)
(B) बुद्धि (Reason)
(C) इच्छाएँ (Desires)
(D) शुभ का विचार (Idea of Good)

52. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए और नीचे दिए गए कूट के अनुसार सही उत्तर दीजिए :

सूची-I

(a) बेन्थम (b) सिजविक

(c) मिल (d) स्पेन्सर

सूची-II

1. सुसंस्कृत उपयोगितावाद
2. उद्विकासात्मक उपयोगितावाद
3. सुखवादी गणना
4. बौद्धिक उपयोगितावाद

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	3	1
(B)	3	4	1	2
(C)	1	3	2	4
(D)	2	1	4	3

53. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही नहीं है?

(A) मिल — उपयोगितावाद

(B) काण्ट — बुद्धिपरतावाद

(C) बेन्थम — सुखवाद

(D) बटलर — प्रकृतिवाद

54. बेन्थम के अनुसार विचार कीजिए :

(1) मनुष्य स्वभाव से परार्थी (Altruist) है

(2) बौद्धिक सुख ऐन्द्रिक सुखों (Sensuous pleasure) से श्रेष्ठ है

(3) सुख और दुःख जीवन में नियामक सिद्धान्त हैं

(4) सुखवादी परिगणना हमारे चुनाव का निर्णायक तत्व है

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/कौनसे कथन सही है/हैं?

(A) (1) और (2)

(B) (1), (3) और (4)

(C) (3) और (4)

(D) (2) और (3)

55. निम्नलिखित में से कौनसा काण्ट के नैतिक दर्शन के लिए अनुपयुक्त है?

(A) सापेक्षवाद (Relativism)

(B) आकारिकवाद (Formalism)

(C) सुख पूर्ण शुभ की पूर्वमान्यता है

(D) निरपेक्ष आदेश

56. **कथन (A) :** काण्ट का नैतिक दर्शन प्रायः कठोरतावाद के रूप में जाना जाता है.

कारण (R) : काण्ट नैतिकता में प्रेम के अतिरिक्त किसी भी भावना को स्वीकार नहीं करता.

नीचे दिए गए कूट के अनुसार सही उत्तर चुनिए.

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

57. काण्ट के अनुसार 'शुभेच्छा' है—

(A) मनोवैज्ञानिक इच्छा

(B) बौद्धिक इच्छा (Rational will)

(C) दैवीय इच्छा (Divine will)

(D) आध्यात्मिक इच्छा (Spiritual will)

58. काण्ट के अनुसार ईश्वर नैतिक चेतना की पूर्वमान्यता के रूप में—

(A) नैतिक जीवन का लक्ष्य है

(B) नैतिक जीवन जीने का आदेश देता है

(C) निरपेक्ष आदेशों के औचित्य का आधार है

(D) सुख को शुभ के साथ संयुक्त करता है

59. प्रयोजनवादी (फल-सापेक्षवादी) नैतिकता के अनुसार विचार कीजिए :

(1) शुभ और सुख में तादात्म्य है

(2) परिणाम कर्म की उचितता का निर्धारण है

(3) शुभ अपरिभाष्य है

(4) नैतिक नियम बौद्धिक है

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए—

(A) (1) और (2)

(B) (1) और (3)

(C) (3) और (4)

(D) (1), (2) और (4)

60. निम्नांकित में से कौनसा विकल्प मिल के लिए लागू नहीं होता है?

(A) वह फल-निरपेक्षवादी (Deontologist)

(B) वांछनीयता और सुखदाता एक ही वस्तु के दो पहलू हैं

(C) सुखों में कोई भेद नहीं है

(D) नैतिकता निरपेक्ष नहीं है

61. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

कथन (A) : नैतिक कथन उचित (Right) अथवा अनुचित (Wrong) होते हैं.

कारण (R) : नैतिक कथनों का किसी प्रदत्त नैतिक नियम के अधीन मूल्यांकन किया जाता है.

निम्नलिखित कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए.

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

62. अधिकार और कर्तव्य के बीच सम्बन्ध के बारे में अधोलिखित में से कौनसा विकल्प सही है?

(A) अधिकार की तुलना में कर्तव्य प्रधान है

(B) कर्तव्य की तुलना में अधिकार प्रधान है

(C) दोनों परस्पराश्रित (Mutually dependent) हैं

(D) दोनों परस्पर स्वतन्त्र (Exclusive) हैं

63. प्रकृतिवाद के अनुसार शुभ (Good) है—

(A) स्वयं में साध्य

(B) अपरिभाषा (Indefinable)

(C) बौद्धिक (Rational)

(D) इच्छा की संतुष्टि

64. निम्नलिखित में से कौन शुभ को 'सरल और अविश्लेष्य (Unanalysable) मानता है?

(A) मिल (B) ह्यूम

(C) स्टीवेन्सन (D) मूर

65. स्टीवेन्सन के अनुसार नैतिक निर्णय है—

(A) वक्ता के संवेगों की अभिव्यक्ति

(B) शुद्ध बौद्धिक

(C) वर्णनात्मक (Descriptive)

(D) फल-निरपेक्षवादी (Deontological)

66. निम्नलिखित में से कौन यह स्वीकार करता है कि नैतिक निर्णय का प्रमुख कार्य 'चुनाव का मार्गदर्शन' करना है?

(A) ए. जे. एअर

(B) सी. एल. स्टीवेन्सन

(C) जी. ई. मूर

(D) आर. एम. हेअर

67. 'यदि आप सुख के पीछे भागते हैं तो आप उसे प्राप्त करने में असफल ही होते हैं.

उपर्युक्त विरोधाभास (Paradox) कहलाता है.

(A) तार्किक विरोधाभास

(B) सुखवाद का विरोधाभास

(C) बौद्धिक विरोधाभास

(D) आध्यात्मिक (Spiritual) विरोधाभास

68. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प काण्ट को स्वीकार्य नहीं है?

(A) विवेकशील कर्ताओं में भी नैतिक निर्णयों के बारे में वास्तविक मतभेद हो सकते हैं

(B) शुभ कर्म-फल सापेक्ष नहीं होता है

(C) नैतिक नियम बुद्धि का आदेश है

(D) 'मुझे करना चाहिए' यह 'मैं कर सकता हूँ' की पूर्वमान्यता पर आश्रित है.

69. बटलर स्वीकार करता है—

(A) संवेगवाद (Emotivism)

(B) प्रकृतिवाद (Naturalism)

(C) अन्तर्ज्ञानवाद (Intuitionism)

(D) परामर्शवाद (Prescriptivism)

70. दण्ड का कौनसा सिद्धान्त अपराध को मनोरोग के रूप में स्वीकार करता है?

(A) निवर्तनवादी (Deterrent)

(B) प्रतिकारवादी (Retributive)

(C) धर्मशास्त्र

(D) सुधारवादी (Reformative)

71. **कथन (A) :** चार्वाक के अनुसार 'सुख ही जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य है.'

कारण (R) : यह जगत् केवल चार भूतों के संयोग से बना है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए.

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

72. चार्वाक के अनुसार विचार कीजिए :

(1) व्याप्ति की स्थापना सम्भव नहीं

(2) जगत पंचमहाभूतों से बना है

(3) पाप-पुण्य नहीं है

(4) धर्माश्रित काम जीवन का लक्ष्य है

सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (3)

(B) (1), (2) और (3)

(C) (1) और (2)

(D) (2) और (4)

73. निम्नांकित में कौन यह मानता है कि सत् नित्यानित्य (Eternal and Non-eternal) है?

(A) सौत्रान्तिक (B) योगाचार

(C) जैन दर्शन (D) अद्वैत वेदान्त

74. जैन दर्शन के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा चार प्रकार के कर्म-बन्ध में सम्मिलित नहीं है?

(A) प्रकृति (B) स्थिति

(C) प्रदेश (D) कषाय

75. सूची-I का सही-II के साथ मिलान कीजिए और नीचे दिए गए कूट के अनुसार सही उत्तर दीजिए :

सूची-I

(a) सौत्रान्तिक

(b) योगाचार

(c) शून्यवाद मनोविज्ञान

(d) वैभाषिक

सूची-II

1. बाह्यानुमेयवाद
2. बाह्य प्रत्यक्षवाद
3. क्लिष्ट
4. सम्वृति सत्य

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	2	1	3	4
(C)	3	2	1	4
(D)	4	3	2	1

76. निम्नलिखित में से असत्य युग्म का चुनाव कीजिए—

(A) नागार्जुन —सत्यद्वय

(B) विज्ञानवाद —वस्तुनिष्ठ प्रत्ययवाद

(C) लंकावतार —तथागतगर्भ

(D) वैभाषिक —असंस्कृत धर्म

77. 'अर्थक्रियासामर्थ्यलक्षणं परमार्थसत्' (अर्थक्रिया सामर्थ्य परमार्थ सत् का लक्षण है)

उपर्युक्त कथन किस दार्शनिक का है?

(A) धर्मकीर्ति (B) नागार्जुन

(C) समन्तभद्र (D) अकलंक

78. सांख्य के अनुसार विचार कीजिए :

(1) परम पुरुष सृष्टि का निमित्त कारण है और प्रकृति इसका उपादान कारण (Material Cause) है.

(2) पुरुषज्ञता (Knower), भोक्ता (Enjoyer) और कर्ता (Doer) है.

(3) त्रिगुण प्रकृति के अन्तरंग अंग है.

(4) प्रकृति का विकास रेखीय है.

नीचे दिए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए.

कूट :

(A) (1) और (4)

(B) (2) और (3)

(C) केवल (3)

(D) (3) और (4)

79. निम्नलिखित में कौनसा विकल्प सांख्य को स्वीकार्य नहीं है?

(A) कार्य, कारण का वास्तविक रूपान्तरण (Transformation) है

(B) न पूर्ण विनाश है और न नूतन उत्पत्ति

(C) प्रकृति परिणामवाद

(D) कारण और कार्य में किसी भी प्रकार का भेद नहीं है

80. योग के अनुसार ईश्वर है—

(A) ध्यान का श्रेष्ठ विषय

(B) निमित्तोपादन कारण

(C) योग का सर्वोच्च लक्ष्य

(D) एक विचार मात्र

81. निम्नलिखित में कौनसा योग द्वारा बताई गई चित्रभूमि में सम्मिलित नहीं है?

(A) एकाग्र (B) विकल्प

(C) क्षिप्त (D) निरुद्ध

82. न्याय दर्शन में भूयोदर्शन का अर्थ है—

(A) आत्म-साक्षात्कार

(B) भूमि दर्शन

(C) पुनः-पुनः निरीक्षण

(D) अलौकिक प्रत्यक्ष

83. 'अग्नि शीतल है, क्योंकि यह एक द्रव्य (Substance) है.'

उपर्युक्त कथन दृष्टान्त है—

(A) विरुद्ध हेत्वाभास का

(B) सत्प्रतिपक्ष हेत्वाभास का

(C) असिद्ध हेत्वाभास का

(D) बाधित हेत्वाभास का

84. वैशेशिकों के अनुसार, एक वस्तु का दूसरी वस्तु के रूप में अभाव कहलाता है—

(A) अन्योन्याभाव

(B) अत्यन्ताभाव

(C) प्रागभाव

(D) प्रध्वंसभाव

85. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए :

सूची-I

(a) अख्याति
(b) अन्यथाख्याति
(c) विपरीतख्याति
(d) सत्ख्याति

सूची-II

1. न्याय 2. प्रभाकर
3. रामानुज 4. कुमारिल

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	1	2
(B)	2	1	4	3
(C)	1	4	3	2
(D)	3	2	4	1

86. ज्ञाततावाद को स्वीकार करते हैं—
(A) प्रभाकर (B) न्याय दर्शन
(C) कुमारिल (D) शंकर

87. शंकर के अनुसार निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
1. जगत् ब्रह्म का परिणाम और माया का विवर्त है
2. माया अपर ब्रह्म की शक्ति है
3. ब्रह्म ज्ञान का आश्रय है
4. चेतन्य और ज्ञान तद्रूप है

नीचे दिए गए कूट के अनुसार सही उत्तर चुनिए.

कूट :
(A) (1), (2) और (3)
(B) (2) और (3)
(C) (1) और (4)
(D) (2) और (4)

88. अद्वैत वेदान्त में मिथ्या का अर्थ है—
(A) सदसद विलक्षण
(B) सत् और असत् दोनों
(C) वंध्यापुत्र की भाँति असत्
(D) सत्

89. निम्नलिखित में से कौनसा सुकरात (Socrates) को स्वीकार्य नहीं है?
(A) ज्ञान सद्गुण (Virtue) है
(B) सद्गुण ज्ञान (Knowledge) है
(C) सद्गुण अनेक हैं
(D) बिना ज्ञान के सद्गुण असम्भव है

90. प्लेटो के अनुसार विज्ञान अथवा प्रत्यय है—
(A) ज्ञानमीमांसीय प्रत्यय
(B) तत्त्वमीमांसीय सत् (Metaphysical real)
(C) मानसिक (Mental)
(D) कल्पना (Imagination)

91. अरस्तू के अनुसार निम्नलिखित विकल्पों में कौनसा सही है?
(A) पदार्थ (Matter) वास्तविकता है
(B) सामान्य प्रमुख द्रव्य (Substance) है
(C) आकार वैविध्य (Diversity) का सिद्धान्त है
(D) द्रव्य वह है जिसका अन्य सभी विधेय है

92. एक्वीनस मानता है कि—
(A) प्रामाणिक ज्ञान प्रत्ययात्मक (Conceptual) ज्ञान है
(B) प्रत्ययों (Concepts) का इन्द्रिय-प्रत्यक्ष में कोई आधार नहीं
(C) सामान्य विशेषों से स्वतन्त्र अस्तित्वान है
(D) सामान्य अवास्तविक (Unreal) है

93. देकार्त है—
(A) संशयवादी (Sceptic)
(B) बुद्धिवादी और प्रत्ययवादी (Rationalist and idealist)
(C) बुद्धिवादी और वस्तुवादी (Rationalist and Realist)
(D) बहुतत्ववादी (Pluralist)

94. निम्नलिखित में से गलत युग्म चुनिए :
(A) देकार्त —द्वैतवाद (Dualism)
(B) स्पिनोजा —ईश्वरवाद (Theism)
(C) लाइब्नित्ज —बहुतत्त्ववाद (Pluralism)
(D) ह्यूम —अनुभववाद (Empiricism)

95. निम्नलिखित में से कौनसा स्पिनोजा को स्वीकार्य नहीं है?
(A) नियतिवाद (Determinism)
(B) बुद्धिवाद (Rationalism)
(C) सर्वेश्वरवाद (Pantheism)
(D) प्रयोजनवाद (Teleology)

96. ह्यूम के अनुसार हमारा ईश्वर में विश्वास आश्रित है—
(A) हमारी सुख की अभिलाषा और मृत्यु के भय पर
(B) अनुभव (Experience) पर
(C) चिन्तन (Reasoning) पर
(D) सत्य के प्रति विशुद्ध प्रेम पर

97. लाइब्नित्ज के अनुसार विचार कीजिए :
कथन (A) : चिदणु में कुछ भी क्षय नहीं होता, सब कुछ इसके सब सोपानों (Stages) में सुरक्षित रहता है.
कारण (R) : चिदणु (Monads) गवाक्षहीन (Windowless) है.

निम्नांकित कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए.

कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

98. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प काण्ट के 'वस्तु निजस्वरूप' (Things-in-themselves) के सम्बन्ध में सही नहीं है?
(A) इंद्रिय प्रत्यक्ष (Sense perception) के द्वारा नहीं जाना जाता
(B) प्रत्ययों (Concepts) के द्वारा नहीं जाना जाता
(C) न तो ज्ञात है और न ही किसी भी रूप में चिन्तनीय (Thinkable) है
(D) अज्ञात है, परन्तु नकारात्मक रूप से चिन्तनीय है

99. बर्कले के आत्मा के बारे में निम्नांकित विचारों से त्रुटिपूर्ण विकल्प चुनिए :
(A) आत्मा (Spirit) अविभाज्य सत्ता है
(B) यह सक्रिय सत्ता है
(C) आत्मा का कोई भी प्रत्यय नहीं बनाया जा सकता
(D) हम आत्मा का साक्षात् प्रत्यक्ष कर सकते हैं

100. लॉक के अनुसार रंग का विचार (प्रत्यय) ग्रहण किया जाता है—
(A) एक इन्द्रिय (One sense) से
(B) एकाधिक इन्द्रियों (More than one sense) से
(C) संवेदन और चिन्तन (Sensation and reflection)
(D) केवल चिन्तन (Reflection) से

उत्तर व्याख्या सहित

झारखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, 2006 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य हिन्दी

(स्मृति पर आधारित)

निर्धारित समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 150**

नोट – (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

(ii) प्रत्येक प्रश्न के पूर्णांक उसके अंत में दाहिनी ओर अंकित हैं.

(iii) पत्र-लेखन में अपना नाम, पता अथवा अनुक्रमांक न लिखें. यदि अनिवार्य हो, तो क्ष त्र ज्ञ (XYZ) लिख सकते हैं.

प्रश्न 1. भारत के मूल निवासी दस्यु थे. **मोहनजोदड़ो की खुदाई में जो नगर मिले हैं, मुंशी उन्हीं को उनका मूल स्थान मानते हैं.** यह एक सुसंस्कृत और विकसित संस्कृति थी. दस्युओं के राजा शम्बर के पास सौ सुदृढ़ दुर्ग थे. **आरम्भिक संघर्ष, युद्ध और विग्रह के बाद अन्ततः सम्मिलन, समाहार और सांस्कृतिक अन्तरावलम्बन की प्रक्रिया शुरू हुई.** आर्यों के इतिहास की एक मुख्य समस्या यह थी कि विजित दस्युओं के साथ क्या और कैसा व्यवहार किया जाए. **यदि उनकी हत्या कर दी जाए, तो सेवा-चाकरी कौन करेगा?** यदि उन्हें जिन्दा रखा जाता है, तो समाज में उनका पद और हैसियत क्या होगी? **दासी से उत्पन्न पुत्र का कुटुम्ब में क्या स्थान होगा?** इसी यक्ष-प्रश्न के सन्दर्भ में वशिष्ठ और विश्वामित्र दो परस्पर विरोधी विचार-दृष्टियों के संघर्ष के प्रतीक-पुरुष के रूप में सामने आते हैं. **वशिष्ठ आर्य संस्कृति और रक्तशुद्धता के हामी थे,** जबकि विश्वामित्र एक सामाजिक संस्कृति के पक्षधर थे जिसमें दस्युओं के समाज, रीति-व्यवहार और जीवन-पद्धति की एक विशिष्ट भूमिका थी.

(क) इस गद्यांश के गहरे छपे (Bold) अंशों की व्याख्या कीजिए. 3 × 5 = 15

(ख) आर्यों और दस्युओं के सम्बन्धों के बारे में पाँच वाक्य लिखिए. 5

उत्तर–

प्रश्न 2. स्वतंत्रता न तो मात्र एक शब्द है और न ही सिर्फ एक सियासती छलावा! स्वतंत्रता अगर सचमुच ही मानवीय व्यक्तित्व और उसकी सृजनात्मकता की सच्ची तृप्ति है, तो फिर उसमें मानव-जाति के बीच सही विचारों का सृजन और सम्बन्धों का विकास निहित है. स्वतन्त्रता पाकर आदमी दिमागी जकड़न और सीलन में पड़ा रहे, अतीत और बेबसी की लीपापोती करता रहे, तो फिर स्वतन्त्रता और उसकी सम्पूर्णता का बोध नहीं हो सकता. स्वाधीनता की अन्तिम परिणति स्खलन नहीं होती. यह दायित्व को और भी बुलन्द करती है. आदमी और आदमी के बीच की खाई को पाटने तथा बराबरी और भाईचारे का संकल्प ही इस राजनीतिक और वैचारिक क्रान्ति की सार्थकता हो सकती है. आजादी किसी दल-विशेष की नहीं होती, न ही किसी वर्ग या जाति विशेष की. वह तो सभी की होती है, सभी के हित में सभी को अवसर देने के लिए. उससे सम्पूर्ण सामाजिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के अवसर सामने आते हैं. इस अवसर को चूक जाने का मतलब होगा– आजादी को न पहचान पाना, उसकी कदर न कर पाना! आजादी व्यक्ति की प्रगति के लिए होती है, व्यक्तिगत प्रगति के लिए नहीं.

(क) इस अवतरण का उचित शीर्षक सुझाइए. 5

(ख) इस गद्यांश का सारांश लगभग 50 शब्दों में लिखिए. 15

उत्तर

प्रश्न 3. (क) अर्द्ध सरकारी-पत्र (Demi Official Letter) क्या होता है? उसका एक प्रारूप प्रस्तुत कीजिए. 10

(ख) परिपत्र (Circular) किसे कहते हैं? उसका एक प्रारूप तैयार कीजिए. 10

उत्तर–

(iv) बहुत-सी भाषाओं को जानने वाला

(v) किसी बड़े आदमी के निधन की वार्षिक तिथि

(vi) पसीने से उत्पन्न होने वाला

(vii) गोद लिया हुआ पुत्र

(viii) जिसे बाहरी जगत् का ज्ञान न हो

(ई) निम्नलिखित वाक्यों एवं गलत वर्तनी वाले शब्दों को शुद्ध कीजिए– 10

(i) आपके आर्शीवाद की आवश्यकता है

(ii) मेरे को दिल्ली जाना है.

(iii) मैंने एक लोहे की बाल्टी खरीदी.

(iv) पूज्यनीय मामाजी को नमस्कार कहना.

(v) नेताजी बेफालतू में कार्यकर्त्ता को डाँटने लगे.

उत्तर–

प्रश्न 4. (अ) निम्नलिखित शब्दों से पाँच उपसर्ग छाँटिए– 10

(i) दुर्निवार (v) लावारिस

(ii) अत्युक्ति (vi) हिलोर

(iii) बिकाऊ (vii) उनतीस

(iv) अधोगति (viii) हरएक

(आ) किन्हीं पाँच शब्दों के विलोम लिखिए– 10

(i) उपसर्ग (v) पूर्ववर्ती

(ii) एषणा (vi) भूगोल

(iii) कल्पनातीत (vii) सुबोध

(iv) रोगी (viii) श्रोता

(इ) निम्नलिखित वाक्यांशों में से किन्हीं पाँच के लिए एक-एक शब्द लिखिए– 10

(i) अतिथि की सेवा करने वाला

(ii) जिसे पराजित न किया जा सके

(iii) वह कवि जो तत्क्षण कविता कर सके

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से पाँच मुहावरों और पाँच लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए– 30

कालिख पोतना

कहीं का ईंट कहीं का रोड़ा, भानुमती ने कुनबा जोड़ा

उड़ती चिड़िया पहचानना

ओछे की प्रीति बालू की भीति

घूरे के दिन फिरना

अन्धे के आगे रोवे अपने नैना खोवे

नहले पर दहला मारना

लेने के देने पड़ना

आधी छोड़ सारी को धावै, आधी मिले न पूरी पावै

नक्कारखाने में तूती की आवाज

गवाह चुस्त मुद्दई सुस्त

होनहार बिरवान के होत चीकने पात

आड़े हाथों लेना

गुड़ खाये, गुलगुलों से परहेज

नमक-मिर्च लगाना

उत्तर–(मुहावरे)

प्रश्न 6. हिन्दी भाषा में कार्यालयी कार्यों के त्वरित निष्पादन के लिए कम्प्यूटर के महत्व पर प्रकाश डालिए. 20

उत्तर

●●●

उपकार नवीन प्रस्तुति

हिमाचल प्रदेश

एक दृष्टि में

(नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित)

लेखक : एम. के. दीक्षित

कोड नं. 1446 मूल्य : 60/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

E-mail : publisher@upkar.in

Website : www.upkar.in

नागर विमानन सेवाएं : नई ऊँचाइयों की ओर–मुख्य-मुख्य बातें
(Civil Aviation Services : Scaling New Heights–Highlights)

✍ डॉ. ओ. पी. राजपूत डी.एस-सी.

देश की निरन्तर तेज गति से बढ़ती मानव जनसंख्या, वृद्धि दर @ 1·9% वार्षिक को ध्यान में भी रखते हुए नागर विमानन क्षेत्र में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है, विशेषकर वर्ष 2007-08 के दौरान. इस क्षेत्र के अपने कार्यकलाप की वृद्धि से इसकी वृद्धि दर विश्व में उत्कृष्ट रही है. यात्री यातायात में 32·51% की वृद्धि हुई है जो एक स्वस्थ प्रवाह है. छोटे शहरों और कस्बों के बीच विमान सेवा सम्पर्कता में क्षेत्रीय एयरलाइनों के आने से भी वृद्धि हुई है. इस क्षेत्र में भविष्य में भी भारी निरन्तर वृद्धि एवं स्थायित्व बनाए रखने की जरूरत है. देश के दुर्गम/पहाड़ी क्षेत्रों में सम्पर्कता सुविधा प्रदान करने हेतु हेलीकॉप्टरों के प्रचालन को प्रारम्भ किया जा रहा है, इसीलिए वर्ष 2008 को **"Helicopter Services Year, 2008"** घोषित किया गया. यद्यपि नागर विमानन सेवाओं में बहुआयामी संवृद्धि ने देश के सम्मुख बदलती हुई प्रकृति की चुनौतियाँ खड़ी की हैं, अतः इस संवृद्धि को सभी स्टेकधारकों की सहायता, समन्वय और सहयोग से भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक अग्रणियों की श्रेणी में लाया जा सकेगा. उल्लेखनीय है कि भारत ने विश्व विमानन मार्केट में वर्ष 2007–08 में **9वाँ** स्थान प्राप्त किया, जबकि वर्ष 2006 में इसका **12वाँ** स्थान था. एयरलाइन कारोबार में 27% की वृद्धि हुई है, जो वृद्धि घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय दोनों सेक्टरों में उदारीकरण की नीति के कारण हुई है.

नागर विमानन मंत्रालय (Ministry of Civil Aviation–**GOI** Government of India) की वार्षिक रिपोर्ट 2007–08 के आधार पर नागर विमानन सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों की ओर (Scaling New Heights) कदम बढ़े हैं. इसके अन्तर्गत अनेक गतिविधियों द्वारा विभिन्न उल्लेखनीय सफलताएं भी मिली हैं, जिनको संक्षेप में निम्नवत् दर्शाया जा सकता है–

प्रमुख उपलब्धियाँ/गतिविधियाँ (Major Achievements/Activities)

■ **नागर विमानन मंत्रालय का संरचनात्मक/संगठनात्मक ढाँचा एवं क्रियाकलाप** (Infrastructure/Organizational Set–Up & Functions of Ministry of Civil Aviation, **GOI**)–

☛ Ministry of Civil Aviation **(GOI)** का मुख्यालय (Hq.)–सफदरजंग एयरपोर्ट कॉम्प्लैक्स के राजीव गांधी भवन, नई दिल्ली स्थित है जिसके चारों ओर हरे-भरे बगीचे तथा शांत वातावरण है.

☛ मंत्रालय के मुख्य कार्यों एवं उत्तरदायित्वों में नागर विमानन के विकास एवं विनियमन हेतु राष्ट्रीय नीतियों और कार्यक्रमों को तैयार करना एवं सम्बन्धित क्षेत्र में यातायात के नियमित विकास और विस्तार के लिए योजनाएं बनाना और उन्हें लागू करना है.

☛ संगठन (Organisation) के अन्तर्गत–(i) **Attached/Subordinate Organisations** में–**DGCA** (Directorate General of Civil Aviation), **BCAS** (Bureau of Civil Aviation Security) एवं—**CRS** (Commission on Railway Safety); (ii) Autonomous Body–**IGRUA** (Indira Gandhi Rashtriya Urban Academy) तथा (iii) Public Sector Undertakings में– **NACIL** (National Aviation Company of India Ltd.) **AAI** (Airport Authority of India), **PHHL** (Pawan Hans Helicopters Ltd.) and Alliance Air, **HCIL** (Hotel Corporation of India) एवं **'AICL'** (Air India Charters Ltd.), (All three later Subsidiary of **NACIL**).

☛ **Website of Ministry of Civil Aviation**–http://civil avia·nic·in

■ **एयर इंडिया एवं इंडियन एयरलाइन्स का विलय (Merger of Air India & Indian Airlines)**–

☛ **NACIL** (नेशनल एविएशन कम्पनी ऑफ इण्डिया लिमिटेड) एक नई कम्पनी की स्थापना 30 मार्च, 2007 को, मुख्यालय (Hq.) मुम्बई में की गई, इस नई एयरलाइन का ब्रान्ड नाम 'Air India' तथा लोगों (Logo)–महाराजा (Maharaja) है. इसे Air India और Indian Airlines का विलय कर बनाया गया (Certified on 27 Aug, 2007) कर्मचारियों की कठिनाइयों को दूर करने हेतु एक त्रिस्तरीय शिकायत निवारण व्यवस्था (A Three Tier Grievances Redressal Machinery) का गठन किया गया.

■ **पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (Pawan Hans Helicopters Limited 'PHHL')** –Est. in October, 1985–Registered Office, New Delhi

☛ **PHHL** की स्थापना, अक्टूबर 1985 में–एक सरकारी कम्पनी के रूप में **HCIL** (Helicopter Corporation of India Limited) के नाम से की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य समुद्र में तेल की खोज हेतु तेल क्षेत्र में हेलीकॉप्टर सहायता सेवाएं उपलब्ध करना, पहाड़ी एवं दुर्गम क्षेत्रों में परिचालन करना, पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु चार्टर उड़ानें उपलब्ध कराना था. इसके क्षेत्रीय कार्यालय नई दिल्ली तथा मुम्बई में स्थित हैं.

☛ **PHHL** एशिया की एक विशालतम हेलीकॉप्टर परिचालक के रूप में उभर कर आई है, जिसके बेड़े (Fleets) में 35 हेलीकाप्टर्स हैं.

☛ **PHHL** देश की अन्य राज्य सरकारें, जैसे–पंजाब, मेघालय, सिक्किम, त्रिपुरा, अरुणांचल प्रदेश, लक्षद्वीप, अण्डमान व निकोबार द्वीप समूहों में हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रदान कराती हैं. अमरनाथ धाम हेतु भी हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराए हैं.

☛ **PHHL** प्रदूषण रोकथाम, सतर्कता, राजभाषा (हिन्दी) प्रयोग, प्रशिक्षण आदि मदों पर विशेष ध्यान दे रहा है.

■ **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (इग्रुआ–IGRUA)**–

☛ **IGRUA** (इग्रुआ) की स्थापना फुर्सतगंज, रायबरेली (उत्तर प्रदेश) में, देश में वाणिज्यिक पायलटों के उड़ान एवं स्थल प्रशिक्षण के सुधार लाने के उद्देश्य से की गई थी.

☛ **'Indira Gandhi Rashtriya Uran Academy' (IGRUA)** द्वारा अनेक पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जैसे–B.Sc. (Aviation) Degree Course, इन्स्ट्रूमेण्ट रेटिंग पाठ्यक्रम, मल्टीइंजन एन्डोर्समेन्ट पाठ्यक्रम, डिप्लोमाधारियों को एयरोनॉटिकल इंजीनियरी में विमान पर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग प्रदान करना, आदि.

☛ **'इग्रुआ'** प्रतिवर्ष 100 पायलटों को 1 वर्ष में प्रशिक्षण की योजना तैयार कर रहा, है जो अब तक प्रतिवर्ष 40 पायलटों को 2 वर्षों में प्रशिक्षण देता था. साथ ही **'इग्रुआ'** का प्रबन्धन **मैसर्स सी ए ई** (M/s **CAE**) कनाडा में सौंपा जाना निर्धारित किया गया है.

☛ प्रदूषण नियंत्रण हेतु अनेक कदम उठाए गए हैं, जैसे– पास के वायुप्रदूषण पर नियंत्रण, गंदे पानी का निपटारा, ठोस कचरों को इस तरह जलाना, ताकि कम-से-कम धुआँ हो, हरा-भरा बनाए रखने हेतु अकादमी परिसर में वृक्षारोपण आदि.

☛ वर्ष 2007 (जनवरी–दिसम्बर) के दौरान उड़ान घण्टों की संख्या (King Air C–90A, Zin Z–242 L तथा Trinidad TB–20) कुल 8487·50 hrs, Flown की रही, जबकि पिछले 7 वर्षों के दौरान 284 ट्रेनीज को Pilot Trained प्रशिक्षण पूरा किया गया.

■ **भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (Airports Authority of India–AAI)**–(w·e·f· 1 Apirl. 1995, Under Act of Parliament **AAI Act,** 1994)–

☛ **'AAI'** के प्रमुख कार्यों में संचार, दिक्चालन एवं निगरानी सुविधाओं का प्रावधान, अन्तर्राष्ट्रीय एवं अतंर्देशीय हवाई अड्डों पर कार्गो टर्मिनलों का विकास एवं प्रबन्धन,

यात्री सुविधाओं एवं सूचना प्रणालियों का प्रावधान आदि, सम्मिलित हैं.

- Trivendrum International Airport (Kerala) को **'ISO–14001 : 2004'** के अन्तर्गत "Airfield Environment Management System Compliance Certificate" प्राप्त हुआ, जो आस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैण्ड की 'Joint Accreditation System' से इस प्रमाणन को प्राप्त करने वाला हवाई अड्डा दक्षिण भारत का **'दूसरा'** (Second) तथा देश का **'चौथा'** (Fourth) हवाई अड्डा है.
- संगठन में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा की प्रवृत्ति बढ़ाने हेतु 12–16 नवम्बर, 2007 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह (Vigilance Awareness Week) मनाया गया. साथ ही, हिन्दी पखवाड़ा (Hindi Fortnight)–14 से 30 सितम्बर, 2007 भी मनाया गया, जो राजभाषा नीति (Official Language Policy–GOI) के तहत् हिन्दी को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया गया.

■ **रेल संरक्षा आयोग (Commission of Railway Safety–CRS)**

- रेल संरक्षा आयोग **(CRS)** मई 1967 में पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय के नियंत्रण में आया, जो बाद में नागर विमानन मंत्रालय (Ministry of Civil Aviation–**GOI**) कहलाया.
- आयोग **(CRS)** के अधीन **9** Circle Offices हैं, जिसमें **दो** Circle Offices के मुख्यालय मुम्बई तथा **3** Circle Offices के मुख्यालय कोलकाता में हैं तथा बेंगलुरु, दिल्ली, लखनऊ और सिकन्दराबाद में एक-एक मुख्यालय है. प्रत्येक सर्किल एक रेल संरक्षा आयुक्त के प्रभार में है. रेल अधिनियम, 1989 के अधीन प्रत्येक आयुक्त एक स्वतंत्र सांविधिक अधिकारी है.
- आयोग द्वारा रेल प्रशासन में लाइन निर्माण एवं संरक्षा के सभी उपाय किए जाते हैं, साथ ही संरक्षा मानकों को लागू करने, कार्य/निरीक्षण, सलाह देना एवं सतर्क करना भी मुख्य कार्यों में आते हैं.

■ **नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (BCAS–**Bureau of Civil Aviation Security)–

- **'BCAS'** Ministry of Civil Aviation **(GOI)** का एक सम्बद्ध कार्यालय है, जिसका मुख्य उद्देश्य गैर-कानूनी हस्तक्षेप के कार्यों के विरुद्ध नागरिक विमानन प्रचालनों की सुरक्षा करना है. इस ब्यूरो **(BCAS)** का मुख्यालय (Hq.) नई दिल्ली में है.
- आधुनिकीकरण के क्षेत्र में **BCAS** ने डाटाबेस तथा इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग के विकास व प्रशासन के फलस्वरूप कम्प्यूटरों पर सारा अभिलेखीकरण हिन्दी तथा अंग्रेजी में किया जाता है और कार्यालयी 'Human Resource Management Software Package' भी केन्द्रीय सूचना केन्द्र से प्राप्त वित्तीय सहायता द्वारा प्रतिष्ठापित किया जा रहा है.
- कर्मचारी शिकायत प्रकोष्ठ (Staff Grievance Cell), राजभाषा कार्यान्वयन हिन्दी पखवाड़ा, हिन्दी कार्यशाला, हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को सुनिश्चित करने, **चारों** क्षेत्रीय कार्यालयों का हिन्दी निरीक्षण आदि कार्य **BCAS** द्वारा वर्ष (2007–08) के दौरान समय से प्राप्त शिकायतों पर तुरन्त कार्यवाही की गईं.
- **BCAS** द्वारा वर्ष 2007 में स्क्रीनरों के प्रमाणन (Certification of Screeners) हेतु 123 परीक्षण आयोजित किए. इसमें **APSU**/Airlines कम्पनियों के कुल 3140 स्क्रीनरों ने भाग लिया और 1832 स्क्रीनरों को प्रमाणित किया गया.

■ **नैसिल (NACIL–National Aviation Company of India Ltd.)**

- **नैसिल (NACIL)**–एक नई कम्पनी दो राष्ट्रीय वाहकों Air India एवं Indian Air Lines के विलय से 30 मार्च, 2007 को (Companies Act, 1956 के तहत् गठित किया गया, जिसका पंजीकृत मुख्यालय (Hq.) एयरलाइन्स हाउस, रकाबगंज, नई दिल्ली है. तथा Corporate Office–मुम्बई में है. इस **NACIL** को नियमित कार्य हेतु Ministry of Corporate Affairs द्वारा Sections 391–394 के अन्तर्गत अनुमोदित कर 27 अगस्त, 2007 से प्रभावी किया गया.
- 21 फरवरी, 2007 को, एयर इण्डिया को **'Amity Corporate Excellence Award'**–Amity University, Noida (U.P.) द्वारा प्रदान किया गया.
- **NACIL** द्वारा **'Air India Cargo Aircraft'** के माध्यम से कार्गो प्रचालनों हेतु दो A–310 यात्री विमानों को माल-वाहक विमानों में परिवर्तित किया गया है.
- **NACIL** द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 12–16 नवम्बर, 2007 को मनाया, साथ ही राजभाषा कार्यान्वयन कार्यक्रम, हिन्दी के प्रचार-प्रसार, हिन्दी पखवाड़ा 1–14 Sept., 2007, आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए.

अन्य गतिविधियाँ (Other Activities)

■ **महिला कल्याण (Women Welfare)**–

- Ministry of Women & Child Development **(GOI)** के निर्देशानुसार Ministry of Civil Aviation **(GOI)** में एक **'Gender Budgeting Cell'** का गठन किया गया है, जिसमें महिला उप-सचिव की अध्यक्षता में प्रमुख अधिकारी के तौर यह Cell महिला कर्मचारियों से सम्बन्धित कार्य की समीक्षा कर, उन्हें कार्य सम्बन्धी सुविधाएं प्रदान करेगी.
- **NACIL** (National Aviation Company of India Ltd.) अर्थात् विलयित Air India Ltd. NACIL (A) तथा Indian Airlines Ltd. NACIL (I) में महिला कर्मचारियों के कल्याण हेतु अनेक कार्य किए गए हैं. **HRD** (Human Resource Development) के कल्याण अनुभाग में एक महिला सेल (Women Cell) है, जो महिला कर्मचारियों की शिकायतें दर्ज करती है. **NACIL (I)** में 31 दिसम्बर, 2007 को 6 **SHDO** कर्मचारियों सहित कुल 17,783 कर्मचारी थे, जिसमें से 3212 महिला कर्मचारी थे. महिलाएं कम्पनी की कुल श्रमशक्ति के 18·06% हैं.
- पवनहंस हेलिकॉप्टर्स लिमिटेड द्वारा सभी कार्यालयों में अलग से महिला सेलों का गठन किया गया है जो महिलाओं को प्रशिक्षण, कौशल सुधार हेतु बाहरी विशिष्ट संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कराती है. इसके अलावा **IGRUA** (Indira Gandhi Rashtriya Uran Academy) में 3 महिला कर्मचारी हैं और उनमें कल्याण का कार्य सामान्य प्रशासनिक चैनल के माध्यम से किया जाता है.

■ **विकलांग व्यक्तियों हेतु सुविधाएं (Facilities to Disabilities Persons)**–

- विकलांग व्यक्ति अधिनियम, 1995 (समान अवसर, अधिकारों के रक्षापूर्ण हिस्सेदारी) के अधीन प्रावधानों के कार्यान्वयन पर सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए दिशा-निर्देशों पर अनुसरण किया जाता है.
- विकलांग व्यक्तियों/यात्रियों को लिफ्ट सुविधाएं, वायुयात्रा में रियायत (Indian Airlines द्वारा 50% तथा 80% तक लोकोमीटर विकलांगता वाले शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को), दृष्टिहीनों को 50% रियायत हैं.

सारांश (Summary)

उपर्युक्त विवरण से संक्षेप में यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि वर्ष 2007–08 के दौरान नागर विमानन मंत्रालय (Ministry of Civil Aviation, Government of India–**GOI**) द्वारा अनेक उल्लेखनीय कार्य विभिन्न क्षेत्रों, जैसे–अन्तर्राष्ट्रीय और अंतर्देशीय एयरलाइन्स, बेहतर सम्पर्क, आधुनिक एयरपोर्ट सुविधाएं; प्रशिक्षण, विकलांगों हेतु सुविधाएं, प्रदूषण रोकथाम, सर्तकता, राजभाषा (हिन्दी) प्रयोग, उड़ान क्षमता में वृद्धि, खेल (क्रिकेट/हॉकी/शतरंज आदि टूर्नामेंट) में भाग लेने वाली टीमों को सुविधा प्रदान करने, मानव संसाधन विकास सम्बन्धी पहलें (Initiatives) आदि में किए गए हैं जिससे नागर विमानन क्षेत्र में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है, जो विश्व स्तर पर उत्कृष्ट रही है और यात्री यातायात में 32·51% की वृद्धि हुई है. वर्ष 2008 को हेलीकॉप्टर सेवा वर्ष **(Year of Helicopter Services, 2008)** घोषित किया गया. निःसंदेह ! इस क्षेत्र में बहुआयामी संवृद्धि ने हम सबके सामने बदलती हुई प्रकृति की चुनौतियाँ खड़ी की हैं. अतः, भविष्य में इन चुनौतियों का सामना करने हेतु आपसी सहयोग, सहायता एवं समन्वय की जरूरत होगी.

शेष पृष्ठ 805 पर

तर्कक्षमता

(स्मृति पर आधारित)

निर्देश—(प्रश्न 1 से 5 तक) नीचे दिए हुए प्रश्नों में +, –, ×, ÷ एवं = के चिह्नों को निम्नलिखित अर्थों में प्रयोग किया गया है—

A + B का अभिप्राय है कि A, B से बड़ा है;

A – B का अभिप्राय है कि A, B से बड़ा या उसके बराबर है;

A × B का अभिप्राय है कि A, B के बराबर है;

A ÷ B का अभिप्राय है कि A, B से छोटा है; एवं

A = B का अभिप्राय है कि A, B से छोटा या उसके बराबर है.

प्रत्येक प्रश्न के लिए आपको दिए हुए वक्तव्यों को सत्य मानकर निर्णय लेना है कि दिए हुए दोनों निष्कर्षों में से कौनसा (कौनसे) सत्य है(हैं). उत्तर दीजिए—

(A) यदि केवल निष्कर्ष I सत्य है;

(B) यदि केवल निष्कर्ष II सत्य है;

(C) यदि या तो निष्कर्ष I या निष्कर्ष II सत्य है; एवं

(D) यदि न तो निष्कर्ष I और न ही निष्कर्ष II सत्य है.

1. **वक्तव्य :**
D = S, N + V, D × R, R + V
निष्कर्ष : I. S + V
II. D + N

2. **वक्तव्य :**
K × P, M ÷ J, C ÷ P, K = M
निष्कर्ष : I. M + P
II. M × P

3. **वक्तव्य :**
L – R, N × M, L ÷ M, N = P
निष्कर्ष : I. M + R
II. R + P

4. **वक्तव्य :**
W + K, S = Z, X – W, S × K
निष्कर्ष : I. K × Z
II. X + K

5. **वक्तव्य :**
P ÷ Q, W – N, P – N, T + W
निष्कर्ष : I. P × W
II. Q ÷ W

निर्देश—(प्रश्न 6 से 10 तक) नीचे दिए हुए प्रत्येक प्रश्न में दो या तीन वक्तव्य दिए गए हैं. इनके नीचे चार निष्कर्ष दिए गए हैं. इन निष्कर्षों को I, II, III एवं IV द्वारा अंकित किया गया है. आपको दिए हुए निष्कर्षों को यदि वे साधारणतः ज्ञात तथ्यों से भिन्न भी हों, तो भी सत्य मानना है एवं उसके पश्चात् निश्चित करना है कि चारों निष्कर्षों में से कौनसा(कौनसे) तार्किक रूप से दिए हुए वक्तव्यों से निकलता है(निकलते हैं).

6. **वक्तव्य :** कुछ गीत भीड़ हैं.
कुछ भीड़ दीर्घ हैं.
निष्कर्ष : I. कुछ गीत दीर्घ हैं.
II. कोई भी गीत दीर्घ नहीं है.
III. केवल दीर्घ गीत हैं.
IV. केवल गीत दीर्घ हैं.
(A) केवल I निकलता है
(B) केवल III निकलता है
(C) या तो I या II निकलता है
(D) या तो III या IV निकलता है

7. **वक्तव्य :** कुछ चार्ट बरछे हैं.
सभी बरछे ठेले हैं.
कुछ ठेले तीव्र हैं.
निष्कर्ष : I. कुछ चार्ट ठेले हैं.
II. कुछ ठेले बरछे हैं
III. कुछ बरछे तीव्र हैं.
IV. कुछ तीव्र चार्ट हैं.
(A) केवल I एवं II निकलते हैं
(B) केवल I एवं III निकलते हैं
(C) केवल II एवं III निकलते हैं
(D) केवल I, III एवं IV निकलते हैं

8. **वक्तव्य :** सभी रिक्तियाँ शहतीर हैं.
सभी पुल शहतीर हैं.
सभी पुल गाय हैं.
निष्कर्ष : I. कुछ गाय शहतीर हैं.
II. कुछ रिक्तियाँ गाय हैं.
III. कुछ रिक्तियाँ पुल हैं.
IV. कुछ पुल गाय नहीं हैं.
(A) केवल I निकलता है
(B) केवल II निकलता है
(C) केवल I, II एवं III निकलते हैं
(D) कोई नहीं निकलता है

9. **वक्तव्य :** कुछ चीनी रूसी नहीं हैं.
सभी रूसी अफ्रीकी हैं.
कुछ अफ्रीकी भारतीय हैं.
निष्कर्ष : I. कुछ चीनी अफ्रीकी नहीं हैं.
II. कुछ चीनी भारतीय नहीं हैं.
III. सभी रूसी भारतीय हैं.
IV. कुछ भारतीय चीनी हैं.
(A) केवल II निकलता है
(B) केवल III निकलता है
(C) केवल IV निकलता है
(D) या तो II या IV निकलता है

10. **वक्तव्य :** सभी चाक पनीर हैं.
कोई भी पनीर जलपोत नहीं है.
कुछ झुण्ड जलपोत हैं.
निष्कर्ष : I. कुछ झुण्ड चाक नहीं हैं.
II. कुछ झुण्ड पनीर हैं.
III. कुछ पनीर झुण्ड नहीं हैं.
IV. कोई भी चाक जलपोत नहीं है.
(A) I, II एवं IV निकलते हैं
(B) या तो II या III एवं IV निकलते हैं
(C) II एवं III निकलते हैं
(D) II एवं IV निकलते हैं

निर्देश—(प्रश्न 11 से 15 तक) किसी शब्द-विन्यास मशीन में जब कुछ विशेष शब्द निवेश किए गए, तो वह उनको एक विशेष नियम का पालन करते हुए क्रमबद्ध कर देती है. निवेश एवं क्रमबद्ध करने की स्टेपों का चित्रण निम्नवत् है—

निवेश : CRI END YAM STU THE
स्टेप I : YAM THE CRI END STU
स्टेप II : YAM THE STU END CRI
स्टेप III : STU CRI YAM THE END
स्टेप IV : STU CRI END THE YAM

एवं इसी प्रकार मशीन आगे चलती जाती है. तर्क का अध्ययन कीजिए एवं प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

11. यदि किसी निवेश की स्टेप VII 'OVER THE PRE NEW BONE' है, तो उस निवेश की स्टेप IV क्या है?
(A) BONE THE PRE OVER NEW
(B) THE PRE BONE NEW OVER
(C) THE BONE PRE OVER NEW
(D) PRE BONE THE OVER NEW

12. नीचे दिए गए निवेश के लिए—
SYM REACH LAD PHOTO CAL

निम्नलिखित विन्यास कौनसा स्टेप होगा?

REACH LAD PHOTO SYM CAL

(A) VI (B) V

(C) IV (D) III

13. यदि किसी दिए हुए निवेश की स्टेप VI 'MAP IND PAK RUS ENG' है, तो निवेश क्या होगा?

(A) IND MAP PAK RUS ENG

(B) IND MAP ENG RUS PAK

(C) ENG RUS IND PAK MAP

(D) RUS MAP IND ENG PAK

14. निम्नलिखित निवेश की स्टेप VIII क्या होगी?

निवेश : BANK CRIS ATTRACT WITH PRIZE

(A) PRIZE WITH CRIS ATTRACT

(B) CRIS BANK PRIZE WITH ATTRACT

(C) PRIZE WITH BANK ATTRACT CRIS

(D) CRIS BANK ATTRACT WITH PRIZE

15. कौनसे स्टेप में हमें वही विन्यास प्राप्त होगा, जोकि निवेश है?

(A) VIII (B) IX

(C) X (D) XI

निर्देश—(प्रश्न 16 से 20 तक) नीचे दिए हुए प्रत्येक प्रश्न में एक वक्तव्य दिया गया है जिसके नीचे तीन पूर्वानुमान दिए गए हैं. इन पूर्वानुमानों को I, II एवं III अंकित किया गया है. किसी भी पूर्वानुमान को यदा-कदा मान या स्वीकार कर लिया जाता है. आपको वक्तव्य एवं पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर निर्णय लेना है कि पूर्वानुमानों में से कौनसा वक्तव्य में अन्तर्निहित है. तब निश्चित करना है (A), (B), (C) या (D) में से कौनसा उत्तर सही है?

16. **वक्तव्य :** पिछले सात दिनों में टिकटों की बिक्री को देखते हुए सरकस अधिकारियों ने खेल को अगले पन्द्रह दिन तक चालू रखने का निर्णय लिया. इनमें सप्ताहों के अन्त के दो दिन भी शामिल हैं.

पूर्वानुमान :

I. लोग सप्ताह के अन्तिम दिनों में खेल देखने नहीं आएंगे.

II. सरकस आने वाले लोगों की औसत संख्या लगभग वही होगी जो पिछले सात दिन थी.

III. दूसरे स्थानों पर पर्याप्त प्रतिक्रियाएं नहीं होंगी.

(A) कोई भी अन्तर्निहित नहीं है

(B) केवल II अन्तर्निहित है

(C) I एवं II दोनों अन्तर्निहित हैं

(D) केवल III अन्तर्निहित है

17. **वक्तव्य :** टेलीफोन कम्पनी ने ग्राहकों को नोटिस भेजकर सूचित किया कि जो देय तिथि तक बिल का भुगतान नहीं करेंगे उनसे प्रत्येक अदायगी दिन के लिए जुर्माना लिया जाएगा.

पूर्वानुमान :

I. अधिकांश लोग जुर्माने से बचने के लिए देय तिथि तक अपने बिलों का भुगतान कर देंगे.

II. जुर्माने के रूप में इकट्ठा किया हुआ धन देरी से हुए भुगतान से हुई हानि को पूरा कर देगा.

III. लोग सामान्यतः इस प्रकार के नोटिसों की ओर ध्यान देते हैं.

(A) केवल I एवं II अन्तर्निहित हैं

(B) केवल II एवं III अन्तर्निहित हैं

(C) केवल I एवं III अन्तर्निहित हैं

(D) सभी अन्तर्निहित हैं

18. **वक्तव्य :** राष्ट्रीय विमानवाहक ने टाउन 'A' से टाउन 'B' की साप्ताहिक वायुसेवा आरम्भ करने का निर्णय लिया है.

पूर्वानुमान :

I. संचालन को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए पर्याप्त यात्री होंगे.

II. अन्य वाहक इस प्रकार की सेवा आरम्भ नहीं करेंगे.

III. इन टाउनों के आस-पास रहने वाले व्यक्ति हवाई यात्रा का खर्चा बर्दाश्त कर सकते हैं.

(A) केवल I अन्तर्निहित है

(B) II एवं III दोनों अन्तर्निहित हैं

(C) I एवं II दोनों अन्तर्निहित हैं

(D) सभी अन्तर्निहित हैं

19. **वक्तव्य :** मित्रों के एक समूह ने लोगों की भीड़ से बचने के लिए अगले अवकाश के समय दम दमा लेक पिकनिक पर जाने का निर्णय लिया.

पूर्वानुमान :

I. सामान्यतः अधिक लोग दम दमा झील नहीं जाते हैं.

II. लोग दम दमा झील के अलावा अन्य स्थानों को पसन्द करते हैं.

III. बहुत से लोगों को दम दमा झील के बारे में पता नहीं है.

(A) केवल I अन्तर्निहित है

(B) केवल II अन्तर्निहित है

(C) केवल I एवं II अन्तर्निहित हैं

(D) सभी अन्तर्निहित हैं

20. **वक्तव्य :** "तुरन्त आधिपत्य के लिए न्यायालय क्षेत्र में एक दो शयनकक्ष फ्लैट की आवश्यकता है"

—एक विज्ञापन.

पूर्वानुमान :

I. न्यायालय क्षेत्र में फ्लैट उपलब्ध हैं.

II. कुछ व्यक्ति विज्ञापन का जवाब देंगे.

III. इस प्रकार के विज्ञापन देने की एक प्रथा है.

(A) केवल I एवं II अन्तर्निहित हैं

(B) केवल II अन्तर्निहित है

(C) केवल III अन्तर्निहित है

(D) सभी अन्तर्निहित हैं

निर्देश—(प्र. 21 और 22) शृंखला को पूरा कीजिए—

21. p q – r q p – q r r q – p – r r q p p – r

(A) r q p q r (B) q p r r q

(C) q r p r p (D) r p p q q

22. n n t – q q n – t t – q n n – t q –

(A) n n q t q (B) q n t n q

(C) t n q t q (D) t t q t q

निर्देश—(प्र. 23 और 24) नीचे दी हुई सूचना को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए—

P + Q से तात्पर्य है कि P, Q का भाई है;

P – Q से तात्पर्य है कि P, Q की बहन है;

P × Q से तात्पर्य है कि P, Q का पिता है; एवं

P ÷ Q से तात्पर्य है कि P, Q की माँ है.

23. A ÷ B – C × D, तब A है D की—

(A) बहन (B) चाची

(C) माँ (D) दादी

24. निम्नलिखित में से कौनसा यह दर्शाता है कि V, Y की दादी है?

(A) V × R + K ÷ Y

(B) V ÷ R × K – Y

(C) V ÷ R ÷ K × Y

(D) V × R – K ÷ Y

25. शब्द STRAIGHT FORWARD में अक्षरों के ऐसे कितने युग्म हैं जिनके बीच में अक्षरों की संख्या अंग्रेजी की वर्णमाला में उन अक्षरों के बीच के अक्षरों की संख्या के बराबर है ?

(A) 4 (B) 5

(C) 6 (D) 7

निर्देश—(प्रश्न 26 से 30 तक) नीचे दिए हुए प्रश्नों में, शब्दों में एक निश्चित सम्बन्ध है. आपका कार्य उस विकल्प को ज्ञात करना है जिसके शब्दों में वही सम्बन्ध है.

26. दूध : मक्खन
(A) केला : फल
(B) जूस : स्वास्थ्य
(C) लकड़ी : कागज
(D) मिर्च : मसाले

27. हैट : शीर्ष परिधान
(A) शार्क : मछली
(B) मगरमच्छ : कछुआ
(C) जूता : जुराबें
(D) दस्ताना : हाथ

28. घोड़ा : गाय
(A) दूध : आइसक्रीम
(B) मंगल : चन्द्रमा
(C) बर्फ : जल
(D) गुलाबी : नीला

29. बाल : सिर
(A) दाँत : मुँह
(B) चाय-पत्तियाँ : पर्वत ढलान
(C) हाथ : बाँह
(D) पटरी : सड़क

30. अग्र : पश्च
(A) आकाश : अन्तरिक्ष
(B) स्थल : समुद्र
(C) उत्तर : दक्षिण
(D) चेहरा : गर्दन

निर्देश—(प्रश्न 31 से 35 तक) प्रश्नों के उत्तर देने के लिए निम्नलिखित सूचना को ध्यानपूर्वक पढ़िए—

A, B, C, D एवं E, P, Q, R, S एवं T के पुत्र हैं, परन्तु इसी क्रम में नहीं. नीचे दी हुई सूचना के आधार पर सही माँ एवं पुत्र का मिलान कीजिए—

Q, B या C की माँ नहीं है. A या E की माँ T नहीं है. C, R का पुत्र नहीं है. E, Q या S का पुत्र नहीं है तथा उसकी माँ का नाम 'R' अक्षर से आरम्भ नहीं होता है. A की माँ Q या R नहीं है.

31. S का पुत्र कौन है?
(A) A (B) B
(C) C (D) D

32. C की माँ कौन है?
(A) P (B) R
(C) S (D) T

33. Q का पुत्र कौन है?
(A) A (B) D
(C) B (D) E

34. P का पुत्र कौन है?
(A) B (B) C
(C) D (D) E

35. R का पुत्र कौन है?
(A) E (B) A
(C) B (D) D

निर्देश—(प्रश्न 36 से 40 तक) नीचे दी हुई प्रत्येक शृंखला में दो पद कोष्ठकों में दिए गए हैं. उत्तर-पृष्ठ में अंकित कीजिए—

(A) यदि कोष्ठकों में दिए हुए दोनों पद सही हैं;
(B) यदि पहले कोष्ठक में दिया हुआ पद सही है एवं दूसरे कोष्ठक में दिया हुआ पद गलत है;
(C) यदि पहले कोष्ठक में दिया हुआ पद गलत है एवं दूसरे कोष्ठक में दिया हुआ पद सही है; एवं
(D) यदि दोनों कोष्ठकों में दिए हुए पद गलत हैं.

36. 5, 17, (30), 73, 129, (225)
37. 11, 29, (55), 89, (131), 181
38. 3, 12, 28, 32, (42), (57), 61, 70, 86
39. 2, 3, 6, (11), 18, (27), 38
40. 4, 14, (18), (24), 31, 36, 38, 48, 53

निर्देश—(प्रश्न 41 से 45 तक) नीचे दिए हुए प्रत्येक प्रश्न में अक्षरों के चार समूह दिए गए हैं. इनमें से तीन किसी वजह से एक जैसे हैं, जबकि एक उस वजह से अन्य तीनों से भिन्न है. विषम को ज्ञात कीजिए.

41. (A) YNHIA (B) SGRFI
(C) ISEPU (D) FHUJU

42. (A) PROUD (B) DRIVER
(C) WHEAT (D) TRAIN

43. (A) CXHIA (B) RCFGL
(C) MTOWF (D) CPRSV

44. (A) JOT (B) OUT
(C) TEN (D) DIN

45. (A) HR (B) GT
(C) KP (D) FU

निर्देश—(प्रश्न 46 से 49 तक) निम्नलिखित सूचना को ध्यान से पढ़कर उसके नीचे दिए हुए प्रश्नों का उत्तर दीजिए—

यदि पाँच परीक्षार्थी P, Q, R, S एवं T की स्थितियों को उनके संख्यात्मक योग्यता में प्राप्तांकों के बढ़ते हुए क्रम में क्रमबद्ध किया जाए, तो T चौथा एवं S प्रथम है. जब उनकी स्थितियों को उनके सामान्य जानकारी में प्राप्तांकों के बढ़ते हुए क्रम में क्रमबद्ध किया जाता है, तो P, T का स्थान ले लेता है एवं T, Q का स्थान ले लेता है. R की स्थिति दोनों क्रमों में वही रहती है. Q के प्राप्तांक एक परीक्षण में सबसे कम तथा दूसरे में सबसे ज्यादा हैं. P के प्राप्तांक संख्यात्मक योग्यता में R से अधिक हैं.

46. सामान्य जानकारी में किसने सबसे अधिक अंक प्राप्त किए हैं?
(A) Q (B) T
(C) S (D) R

47. संख्यात्मक योग्यता में किसने सबसे अधिक अंक प्राप्त किए हैं?
(A) S (B) R
(C) P (D) Q

48. निम्नलिखित में से किस समूह के परीक्षार्थियों ने अपनी स्थिति में सामान्य जानकारी में संख्यात्मक योग्यता की अपेक्षा सुधार कर लिया?
(A) SPT (B) PSR
(C) QST (D) SPQ

49. सामान्य जानकारी में किसके प्राप्तांक, R के सामान्य जानकारी में प्राप्तांकों से अधिक हैं?
(A) केवल P के
(B) P, Q एवं S के
(C) P, S एवं T के
(D) P, Q एवं T के

निर्देश—(प्रश्न 50 से 54 तक) निम्नलिखित सूचना को ध्यान से पढ़कर दिए हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

नीचे दिए हुए प्रत्येक प्रश्न में दो संकेत शब्द कोड भाषा में लिखे गए हैं. कोड समानक के अक्षर आवश्यक रूप से उसी क्रम में नहीं हैं जिसमें कि संकेत शब्द के अक्षर हैं जिनके वे प्रतीक हैं. उनके नीचे एक तीसरा शब्द दिया गया है जिसको चार विभिन्न कोड भाषाओं में उस भाषा को भी सम्मिलित करते हुए जिसमें संकेत शब्द लिखे गए हैं, लिखा गया है. वह विकल्प ज्ञात कीजिए जो संकेत शब्द के कोड में तीसरे शब्द का कोड समानक हो. वही आपका उत्तर है.

50. MASTER bnpqvx
SECOND abjnow
NORTH
(A) abnvx (B) bnqvx
(C) amvwx (D) abnwx

51. STEAL fjkps
EARN fnpt
BLEAK
(A) fgjmp (B) gnkpt
(C) fgjkp (D) fjnps

52. COLUMN aioqrw
BIRTH gmtvx
LENGTH
(A) grtuvx (B) aimvwy
(C) mrstwx (D) kmnrvw

53. POSTMAN bfglrvz
OMEN dfrz
NORTH
(A) bclrz (B) bcfoz
(C) dfrvz (D) dfgrz

54. RAISE nprtu
CLASH bruxy
SLATE
(A) mruxy (B) mnruy
(C) nprty (D) npruy

55. किसी कोड में CAMEL को XPOGT एवं RABBITS को YPUULFZ लिखा गया है. उस कोड में AIR-MAIL को क्या लिखा जाएगा?
(A) PIYOPLT (B) PLYOPTL
(C) PLROPLT (D) PLYOPLT

निर्देश—(प्रश्न 56 से 60 तक) नीचे दिए हुए प्रत्येक प्रश्न में, चारों वैकल्पिक समूहों में से संख्याओं का वह समूह छाँटिए जो दिए हुए समूह जैसा है—

56. दिया हुआ सैट : (12, 123, 25)
(A) (16, 129, 30)
(B) (16, 117, 25)
(C) (8, 77, 15)
(D) (8, 121, 35)

57. दिया हुआ सैट : (46, 57, 68)
(A) (35, 64, 38)
(B) (26, 44, 62)
(C) (28, 48, 74)
(D) (45, 56, 48)

58. दिया हुआ सैट : (36, 64, 84)
(A) (24, 45, 58)
(B) (32, 68, 82)
(C) (28, 62, 76)
(D) (16, 25, 54)

59. दिया हुआ सैट : (194, 142, 98)
(A) (158, 134, 92)
(B) (62, 34, 14)
(C) (184, 128, 78)
(D) (74, 38, 18)

60. दिया हुआ सैट : (34, 50, 66)
(A) (50, 68, 86)
(B) (38, 50, 76)
(C) (36, 50, 78)
(D) (50, 64, 98)

शेष पृष्ठ 667 का

बार पुनः भीषण आँधी की चपेट में है. जनवरी 2009 से शुरू हुई जबर्दस्त आँधी सितम्बर 2009 तक थमी नहीं थी. शनि की विषुवत् रेखा के 35° दक्षिण में 'स्टॉर्म एले' से उठी यह आँधी इस ग्रह पर सर्वाधिक समय तक चलने वाली आँधी बताई जा रही है. इसका पता 2004 से शनि की परिक्रमा कर रहे अमरीकी प्रोब यान 'कैसिनी' ने लगाया था. इसकी गति 3000 किमी प्रति घण्टा तक मानी जा रही है.

अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन हेतु डिस्कवरी की उड़ान—अन्तरिक्ष में निर्माणाधीन अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन (ISS) तथा वहाँ रह रहे अन्तरिक्ष यात्रियों के लिए आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति के लिए सात अन्तरिक्ष यात्रियों के साथ अमरीकी स्पेस शटल 'डिस्कवरी' 30 अगस्त–11 सितम्बर, 2009 को आईएसएस की उड़ान पर रही. 30 अगस्त, 2009 को केप केनेवरल स्थित केनेडी स्पेस सेंटर से इसने उड़ान भरी थी. 9 दिन तक आईएसएस के साथ संलग्न रहने के पश्चात् इसकी वापसी यात्रा 9 सितम्बर को शुरू हुई तथा धरती पर इसकी सुरक्षित लैंडिंग 11 सितम्बर, 2009 को हुई.

डिस्कवरी की इस यात्रा द्वारा आईएसएस पर जाने वाले सात अन्तरिक्ष यात्रियों में से एक माइकल बैरेट वहीं रुक गए हैं, जबकि वहाँ पहले से रह रहे अन्तरिक्ष यात्रियों में से एक डिस्कवरी की वापसी उड़ान द्वारा धरती पर वापस आए हैं.

विविध
(Miscellaneous)

लैक्मे फैशन वीक—फैशन जगत् का वार्षिक आयोजन 'लैक्मे फैशन वीक-2009' मुम्बई में सितम्बर 2009 को आयोजित किया गया.

बुंदानून : बोतल बन्द पानी पर प्रतिबन्ध लगाने वाला विश्व का पहला शहर

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आस्ट्रेलिया के बुंदानून (Bundanoon) शहर में प्लास्टिक की बोतलों में पानी की बिक्री को प्रतिबन्धित किया गया है. ऐसा प्रतिबन्ध आरोपित करने वाला यह विश्व का पहला शहर है. सिडनी के दक्षिण में स्थित इस छोटे शहर में बोतल बन्द पानी की बिक्री 26 सितम्बर, 2009 से प्रतिबन्धित की गई है. इसके स्थान पर पुनः इस्तेमाल किए जाने योग्य बोतलों का इस्तेमाल अब वहाँ किया जाएगा. पर्यावरण सुरक्षा के लिए उठाए गए इस कदम को शहर की आम जनता का भरपूर सहयोग मिला है.

नौसैनिक पोत 'कोच्चि' का जलावतरण—मुम्बई स्थित मझगाँव डौक्स लि. में निर्मित कोलकाता श्रेणी के दूसरे युद्धपोत 'कोच्चि' का जलावतरण नौसेनाध्यक्ष एडमिरल निर्मल कुमार वर्मा की पत्नी मधुलिका ने 18 सितम्बर, 2009 को मुम्बई के तट पर किया. परमाणु हमले में सक्षम व सतह-से-सतह पर मार करने वाली सुपर सोनिक ब्रम्होस मिसाइल से युक्त 6500 टन विस्थापन क्षमता वाले इस युद्धपोत को 2012 में नौसेना में शामिल किए जाने की सम्भावना है.

आरोग्य-2009—आठवाँ स्वास्थ्य मेला आरोग्य-2009 नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 18–21 सितम्बर, 2009 को सम्पन्न हुआ.

डाक विभाग जारी करेगा सोने के डाक टिकट

भारतीय डाक विभाग अब देश के ऐतिहासिक गौरव की झांकी सोने की परत चढ़े संग्रहणीय डाक टिकटों पर प्रदर्शित करने जा रहा है. 'द गोल्डन प्राइड ऑफ इंडिया' नाम से जारी इन डाक टिकटों पर स्विस चाँदी पर 24 कैरेट सोने की परत होगी. इन टिकटों पर भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम से लेकर देश की अब तक की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का चित्रण किया जाएगा. लगभग 6-6 हजार रुपए मूल्य के इन संग्रहणीय टिकटों का आकार मूल डाक टिकटों के समान ही होगा. ऐसे 7500 डाक टिकट ही स्विट्जरलैण्ड से छपवाए जा रहे हैं, जो उपभोक्ताओं को बुकिंग के जरिए उपलब्ध हो सकेंगे.

सऊदी अरब में पहला सहशिक्षण विश्वविद्यालय—सदियों की सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए सऊदी अरब ने देश में पहला सहशिक्षण विश्वविद्यालय स्थापित किया है, जिसमें छात्राओं को बिना बुर्के के कक्षाओं में आने की अनुमति दी जाएगी. भविष्य के वैज्ञानिक, इंजीनियर और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ तैयार करने के उद्देश्य से इस अत्याधुनिक शोध और प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना 10 अरब डॉलर की लागत से की गई है. इसका उद्घाटन सऊदी अरब के शाह अब्दुल्ला बिन अब्दुल अजीज ने 23 सितम्बर, 2009 को किया.

ईरान द्वारा कम व मध्यम दूरी की मिसाइलों के परीक्षण—पश्चिमी देशों के साथ तनाव के दौर के बीच ईरान ने कम एवं मध्यम दूरी की मिसाइलों का परीक्षण सितम्बर 2009 के अंतिम सप्ताह में किया. कम दूरी की परीक्षित मिसाइलों में टोंडार-69, फतेह-110 व जेलजाल शामिल हैं. 100 से 400 किमी की दूरी तक मारक क्षमता वाली इन मिसाइलों के 27 सितम्बर के परीक्षण के अगले ही दिन 2000 किमी तक की दूरी तक की मारक क्षमता वाली साज्जिल व शहाब-3 मिसाइलों के परीक्षण उसने किए. ●●●

Read Upkar's

LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH
(English-Hindi Medium)

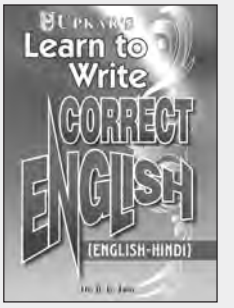

Rs. 199·00

CORRECT ENGLISH: HOW TO WRITE IT
(English Medium)

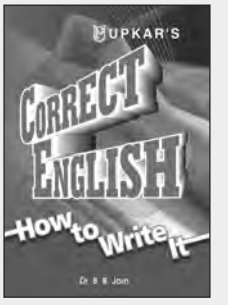

Rs. 195·00

LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH
(English-Bangla)

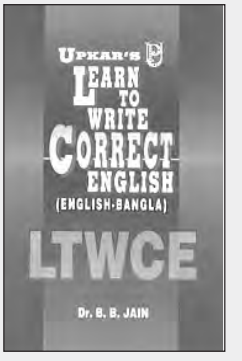

Rs. 210·00

By : Dr. B.B. Jain

As the Latest and All Comprehensive Books for All Competitive Examinations.

Purchase from nearest bookseller or get the copy by V.P.P. sending M. O. of Rs. 100/- on the following address

UPKAR PRAKASHAN, AGRA–2

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विशेषज्ञ अधिकारी परीक्षा, 26-7-2009 का हल प्रश्न-पत्र

तर्कशक्ति परीक्षा

(स्मृति पर आधारित)

1. ELRU के अक्षरों से अंग्रेजी के कितने अर्थ पूर्ण शब्द बन सकते हैं जब कि प्रत्येक शब्द में प्रत्येक अक्षर सिर्फ एक बार प्रयोग किया जाए?
(A) एक भी नहीं (B) एक
(C) दो (D) तीन
(E) तीन से अधिक

2. शब्द STAPLER में ऐसे कितने अक्षर-युग्म हैं जिनमें प्रत्येक के बीच उतने ही अक्षर हैं जितने कि अंग्रेजी वर्णमाला में उनके बीच होते हैं?
(A) एक भी नहीं (B) एक
(C) दो (D) तीन
(E) तीन से अधिक

3. नीचे दिए गए पाँच में से कोई चार किसी प्रकार समान हैं तथा एक समूह की रचना करते हैं. कौनसा एक उस समूह के अन्तर्गत नहीं आता ?
(A) Magenta (B) Purple
(C) Pink (D) Grey
(E) Blue

4. यदि किसी सांकेतिक भाषा में DOUBT को 53146 तथा TEAM को 6972 लिखा जाता है तो उसी भाषा में ABODE को किस प्रकार लिखा जाएगा?
(A) 74659 (B) 73459
(C) 75439 (D) 74359
(E) इनमें से कोई नहीं

5. नीचे दिए गए पाँच में से कोई चार किसी प्रकार समान हैं तथा अतः एक समूह की रचना करते हैं. कौनसा एक उस समूह के अन्तर्गत नहीं आता है?
(A) Sitar (B) Flute
(C) Violin (D) Santoor
(E) Sarod

6. यदि संख्या 69143875 के अंकों को घटते क्रम में लिखा जाए तो कितने अंकों की स्थिति में परिवर्तन नहीं होगा?
(A) एक भी नहीं (B) एक
(C) दो (D) तीन
(E) तीन से अधिक

7. यदि किसी सांकेतिक भाषा में 'where are you' को 'pit ka ta'; 'are they there' को 'sa da ka' तथा 'they may come' को 'da na ja' लिखा जाता है तो उसी भाषा में 'there' के लिए क्या कूट है?
(A) da
(B) sa
(C) ka
(D) जानकारी अधूरी है
(E) इनमें से कोई नहीं

8. यदि किसी सांकेतिक भाषा में 'DOCUMENTS' के लिए 'VDPENRSMD' लिखा जाता है तो उसी भाषा में 'ADVERTISE' को किस प्रकार लिखेंगे?
(A) FWEBSDRHS
(B) FWENSSHRD
(C) BEDFSDRHS
(D) FWEBSFMLD
(E) इनमें से कोई नहीं

9. निम्नलिखित अक्षर श्रेणी में अगला अक्षर क्या होगा?
A B C D E F Z Y X W V U A B C D E Z Y X V U A B C D E Z Y X W V
(A) U (B) A
(C) B (D) Z
(E) इनमें से कोई नहीं

10. P, Q, R, S और T में से प्रत्येक के प्राप्तांक अलग-अलग हैं. Q के प्राप्तांक केवल T से अधिक हैं तथा P के प्राप्तांक S से अधिक परन्तु R से कम हैं. सबसे अधिक प्राप्तांक किसके हैं?
(A) P (B) S
(C) R (D) T
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 11 से 14 तक) प्रत्येक प्रश्न नीचे दी गई श्रेणी पर आधारित है.

7 M 4 P % J V 1 K 3 @ E W 2 Q © 6 T A ★ 8 Z I 5 $ F U # 9 H N

11. उपर्युक्त व्यवस्था में बाईं ओर से 19वें तत्व के बाईं ओर 6वाँ तत्व क्या है?
(A) $ (B) T
(C) W (D) A
(E) इनमें से कोई नहीं

12. उपर्युक्त व्यवस्था में ऐसे कितने व्यन्जन हैं जिनमें से प्रत्येक के ठीक पहले कोई संकेत हो तथा ठीक बाद में कोई संख्या हो?
(A) एक भी नहीं (B) एक
(C) दो (D) तीन
(E) तीन से अधिक

13. उपर्युक्त व्यवस्था में ऐसी कितनी संख्याएं हैं जिनमें से प्रत्येक के ठीक पहले कोई व्यन्जन हो तथा ठीक बाद में भी कोई व्यन्जन हो?
(A) एक भी नहीं (B) एक
(C) दो (D) तीन
(E) तीन से अधिक

14. यदि उपर्युक्त व्यवस्था में से सभी संकेत हटा दिए जाएं तो दाईं ओर से 12वाँ तत्व कौनसा होगा ?
(A) Q (B) 6
(C) 2 (D) T
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 15 से 18 तक) नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न में तीन कथन और उसके तीन निष्कर्ष I, II और III दिए गए हैं. आपको दिए गए तीनों कथनों को सत्य मानना है भले ही वे सर्वज्ञात तथ्यों से भिन्न प्रतीत होते हों. सभी निष्कर्षों को पढ़िए फिर तय कीजिए कि दिए गए निष्कर्षों में से कौनसा निष्कर्ष दिए गए कथनों का तर्कसंगत रूप से अनुसरण करता है, चाहे सर्वज्ञात तथ्य कुछ भी हों.

15. **कथन**– सभी स्टोर टोकरियाँ हैं.
कुछ टोकरियाँ छड़ियाँ हैं.
सभी छड़ियाँ चेनें हैं.
निष्कर्ष–
I. कुछ चेनें स्टोर हैं.
II. कुछ छड़ियाँ स्टोर हैं.
III. कुछ चेनें टोकरियाँ हैं.
(A) कोई अनुसरण नहीं करता है
(B) केवल I अनुसरण करता है
(C) केवल II अनुसरण करता है
(D) केवल III अनुसरण करता है
(E) केवल II व III अनुसरण करते हैं

16. **कथन**– कुछ डेस्क कुर्सियाँ हैं.
सभी कुर्सियाँ रस्सियाँ हैं.
कुछ रस्सियाँ दीवारें हैं.
निष्कर्ष– I. कुछ रस्सियाँ डेस्क हैं.
II. कुछ दीवारें कुर्सियाँ हैं.
III. कुछ रस्सियाँ कुर्सियाँ हैं.
(A) केवल I व II अनुसरण करते हैं
(B) केवल I व III अनुसरण करते हैं

(C) केवल II व III अनुसरण करते हैं
(D) I, II व III सभी अनुसरण करते हैं
(E) इनमें से कोई नहीं

17. **कथन**– सभी कमरे तारें हैं.
सभी तारें सड़कें हैं.
सभी सड़कें कारें हैं.
निष्कर्ष– I. कुछ कारें कमरे हैं.
II. कुछ सड़कें कमरे हैं.
III. कुछ कारें तारें हैं.
(A) केवल I व II अनुसरण करते हैं
(B) केवल II व III अनुसरण करते हैं
(C) केवल I व III अनुसरण करते हैं
(D) I, II व III सभी अनुसरण करते हैं
(E) इनमें से कोई नहीं

18. **कथन**– सभी मेज पेंसिलें हैं.
कोई पेंसिल बॉक्स नहीं है.
कुछ बॉक्स मैट हैं.
निष्कर्ष– I. कुछ मैट पेंसिलें हैं.
II. कुछ बॉक्स मेज हैं.
III. कुछ मैट मेज हैं.
(A) कोई अनुसरण नहीं करता है
(B) केवल I अनुसरण करता है
(C) केवल II अनुसरण करता है
(D) केवल III अनुसरण करता है
(E) केवल I व II अनुसरण करते हैं

निर्देश–(प्रश्न 19 से 24 तक) निम्नलिखित जानकारी को ध्यान से पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

शब्द और संख्या व्यवस्था की एक मशीन को जब शब्दों और संख्याओं की एक इनपुट लाइन दी जाए तो वह प्रत्येक चरण में एक खास नियम का पालन करते हुए उन्हें पुनर्व्यवस्थित करती है. नीचे इनपुट और पुनर्व्यवस्था का एक उदाहरण दिया गया है.

इनपुट jug 91 stable 24 46 32 over cake
चरण I 91 jug stable 24 46 32 over cake
चरण II 91 cake jug stable 24 46 32 over
चरण III 91 cake 46 jug stable 24 32 over
चरण IV 91 cake 46 jug 32 stable 24 over
चरण V 91 cake 46 jug 32 over stable 24
चरण VI 91 cake 46 jug 32 over 24 stable

और चरण VI पुनर्व्यवस्था का अन्तिम चरण है.

उपर्युक्त चरणों में अपनाए गए नियमों के अनुसार, निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में दिए गए इनपुट के लिए उचित चरण का पता लगाइए.

19. **इनपुट :**
break 72 pot new 28 36 17 store
निम्नलिखित में से अन्तिम से पहला चरण कौनसा होगा?
(A) IV (B) V
(C) VI (D) VII
(E) इनमें से कोई नहीं

20. एक इनपुट का चरण II है :
86 and 12 16 38 gone now far
पुनर्व्यवस्था को पूरा करने के लिए और कितने चरण चाहिए ?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) छः
(E) इनमें से कोई नहीं

21. एक इनपुट का चरण III है.
75 bond 69 12 yes town go 36
निम्नलिखित में से कौनसा निश्चित रूप से इनपुट है?
(A) 12 yes bond 75 69 ti wn go 36
(B) bond 12 69 yes town go 36 75
(C) 69 bond 75 12 yes town go 36
(D) निर्धारित नहीं किया जा सकता
(E) इनमें से कोई नहीं

22. **इनपुट :**
32 for all get 12 19 high 45
निम्नलिखित में से चरण IV कौन सा होगा?
(A) 45 32 for all get 12 19 high
(B) 45 all 32 for get 12 19 high
(C) 45 all 32 for 19 get 12 high
(D) ऐसा कोई चरण नहीं होगा
(E) इनमें से कोई नहीं

23. एक इनपुट का चरण II है :
59 come sow time 15 20 you 38
निम्नलिखित में से कौनसा अन्तिम चरण होगा?
(A) IV (B) VI
(C) V (D) VII
(E) इनमें से कोई नहीं

24. **इनपुट :**
new coat buy 16 23 49 tower 84
पुनर्व्यवस्था को पूरा करने के लिए और कितने चरण चाहिए?
(A) चार (B) पाँच
(C) छः (D) सात
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 25 से 30 तक) निम्नलिखित प्रश्नों में ★, $, %, @ और © प्रतीकों का नीचे बताए अनुसार निम्नलिखित अर्थों में प्रयोग किया गया है–

'P $ Q' का अर्थ है 'P, Q से छोटा नहीं है'.
'P % Q' का अर्थ है 'P, Q से बड़ा नहीं है'.
'P @ Q' का अर्थ है 'P, Q से न तो छोटा है न बराबर'.
'P © Q' का अर्थ है 'P, Q से न तो बड़ा है न बराबर'.
'P ★ Q' का अर्थ है 'P, Q से न तो बड़ा है न छोटा'.

अब निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में दिए गए कथनों को सत्य मानते हुए पता लगाइए कि उनके नीचे दिए गए तीन निष्कर्ष I, II और III में से कौनसा निश्चित रूप से सत्य है और तदनुसार अपना उत्तर दीजिए.

25. **कथन**– K @ T, T $ R, R ★ J
निष्कर्ष– I. J ★ T
II. J © T
III. R © K
(A) केवल I सत्य है
(B) केवल II सत्य है
(C) केवल III सत्य है
(D) केवल या तो I या II व III सत्य हैं
(E) इनमें से कोई नहीं

26. **कथन**– D © R, R % F, F @ E
निष्कर्ष– I. E © R
II. F @ D
III. F $ D
(A) केवल I सत्य है
(B) केवल II सत्य है
(C) केवल III सत्य है
(D) केवल I व II सत्य हैं
(E) इनमें से कोई नहीं

27. **कथन**– M ★ D, D $ T, T @ N
निष्कर्ष– I. N © D
II. T % M
III. N © M
(A) केवल I व II सत्य हैं
(B) केवल II सत्य हैं
(C) केवल II व III सत्य हैं
(D) केवल I व III सत्य हैं
(E) I, II व III सभी सत्य हैं

28. **कथन**– W $ H, H @ M, M % T
निष्कर्ष– I. T @ H
II. M % W
III. T @ W
(A) कोई सत्य नहीं है
(B) केवल I सत्य है
(C) केवल II सत्य है
(D) केवल III सत्य है
(E) केवल II व III सत्य हैं

29. **कथन**– B % R, R @ K, K $ N
निष्कर्ष– I. N © R
II. N % R
III. N © B
(A) कोई सत्य नहीं है
(B) केवल III सत्य है
(C) केवल I सत्य है
(D) केवल I व II सत्य हैं
(E) केवल II सत्य है

30. **कथन**– J © D, D ★ H, H % F
निष्कर्ष– I. H @ J
II. F $ D
III. F @ J
(A) केवल I व II सत्य हैं
(B) केवल I व III सत्य हैं
(C) केवल II व III सत्य हैं
(D) I, II व III सभी सत्य हैं
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 31 से 35 तक) इनमें से प्रत्येक प्रश्न में एक अक्षर समूह और उसके बाद अंकों और प्रतीकों के चार संयोजन (A), (B), (C) व (D) दिए गए हैं. अक्षरों को नीचे दी गई योजना और शर्तों के अनुसार अंकों/प्रतीकों के कोड दिए जाएंगे. आपको पता लगाना है कि कौनसा संयोजन अक्षरों के समूह का सही ढंग से निरूपण करता है और तदनुसार अपना उत्तर दर्शाना है. यदि कोई भी संयोजन सही न हो तो आपका उत्तर होगा (E) अर्थात् 'इनमें से कोई नहीं'.

अक्षर	:	L	T	B	E	F	R	P	H	I	J	N	A	Q	D	U
अंक/प्रतीक कोड	:	3	5	#	4	2	1	9	%	$	6	7	8	★	↑	@

शर्तों–
(i) यदि पहला अक्षर स्वर है और अन्तिम अक्षर व्यंजन है, तो उनके कोड परस्पर बदल जाएंगे
(ii) यदि पहला और अन्तिम अक्षर स्वर है, दोनों को © कोड दिया जाएगा.
(iii) यदि पहला अक्षर व्यंजन है और अन्तिम अक्षर स्वर है, तो दोनों को स्वर का कोड दिया जाएगा.

31. TFJNLA
(A) 526738 (B) 526735
(C) 826738 (D) 826735
(E) इनमें से कोई नहीं

32. EFUHDI
(A) 42@%↑$ (B) $2@%↑$
(C) 42@%↑4 (D) ©2@%↑©
(E) इनमें से कोई नहीं

33. RPIUBL
(A) 19$@#3 (B) 39$@#1
(C) ©9$@#© (D) 39$@#3
(E) इनमें से कोई नहीं

34. JQEBFI
(A) 6★4#2$ (B) $★4#2$
(C) 6★4#26 (D) $★4#26
(E) इनमें से कोई नहीं

35. UHFRND
(A) @%217↑ (B) ©%217↑
(C) ↑%217↑ (D) @%217@
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 36 से 40 तक) इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए इस जानकारी को ध्यान से पढ़िए.

सात मित्र A, B, C, D, E, F व G सोमवार से रविवार तक अलग-अलग दिन स्टेज शो का प्रदर्शन करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि उसी क्रम में. प्रत्येक एक भिन्न आइटम दिखाता है यथा संगीत, नृत्य, मिमिक्री, नाटक, वाद-विवाद, स्पीच और मोनोलॉग, लेकिन जरूरी नहीं कि उसी क्रम में 'B' गुरुवार को 'नाटक' का प्रदर्शन करता है और 'E' रविवार को 'संगीत' का. 'G' 'मिमिक्री' का प्रदर्शन मंगलवार या शनिवार को नहीं करता है. 'C' का प्रदर्शन 'G' के प्रदर्शन के अगले दिन होता है. 'D' अपना प्रदर्शन सोमवार को करता है लेकिन वह 'नृत्य' या 'वाद-विवाद' नहीं करता. 'A' 'मोनोलॉग' दिखाता है जो 'स्पीच' के अगले दिन होता है. 'नृत्य' का प्रदर्शन शनिवार को नहीं होता.

36. 'नृत्य' कौन करता है?
(A) C (B) F
(C) D (D) C या D
(E) इनमें से कोई नहीं

37. 'D' कौनसी आइटम किस दिन प्रदर्शन करता है?
(A) मिमिक्री – सोमवार
(B) संगीत – मंगलवार
(C) नाटक – बुधवार
(D) स्पीच – सोमवार
(E) इनमें से कोई नहीं

38. 'A' सप्ताह के किस दिन प्रदर्शन करता है?
(A) मंगलवार (B) बुधवार
(C) शुक्रवार (D) शनिवार
(E) इनमें से कोई नहीं

39. 'G' सप्ताह के किस दिन प्रदर्शन करता है?
(A) बुधवार
(B) शनिवार
(C) मंगलवार
(D) निर्धारित नहीं किया जा सकता
(E) इनमें से कोई नहीं

40. 'वाद-विवाद' का प्रदर्शन कौन करता है?
(A) B (B) D
(C) F (D) C
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 41 से 45 तक) महत्वपूर्ण प्रश्नों के बारे में निर्णय करते समय **'ठोस'** और **'कमजोर'** तर्क में प्रभेद कर सकना वांछनीय होता है. **'ठोस'** तर्क महत्वपूर्ण और प्रश्न से सीधे सम्बन्धित होते हैं. **'कमजोर'** तर्क कम महत्वपूर्ण होते हैं और प्रश्न से सीधे सम्बन्धित नहीं भी हो सकते हैं या फिर प्रश्न के किसी नगण्य पहलू से सम्बन्धित हो सकते हैं.

नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न के बाद दो तर्क I और II दिए गए हैं. आपको यह तय करना है कि कौनसा तर्क **'ठोस'** है और कौनसा तर्क **'कमजोर'** है. उत्तर दीजिए–
(A) यदि केवल तर्क I ठोस है.
(B) यदि केवल तर्क II ठोस है.
(C) यदि या तो तर्क I या तर्क II ठोस है.
(D) यदि न तो तर्क I और न ही तर्क II ठोस है.
(E) यदि तर्क I और तर्क II दोनों ठोस हैं.

41. **कथन**–क्या सरकार को निजी प्रयोग के लिए कारों की रजिस्ट्रेशन को पूरे देश में तत्काल प्रभाव से रोक देना चाहिए?
तर्क–
I. नहीं, सरकार को ऐसा करने का प्राधिकार नहीं है.
II. हाँ, भारत के बड़े शहरों की सड़कों पर भीड़ कम करने का यही एकमात्र तरीका है.

42. **कथन**–क्या भारत के सभी निजी अस्पतालों का प्रबन्धन सरकार को अपने हाथ में ले लेना चाहिए?

तर्क–

I. हाँ, इससे इन अस्पतालों द्वारा रोगियों को दी जाने वाली सेवा में काफी ज्यादा सुधार होगा.

II. नहीं, इन अस्पतालों का प्रबन्ध करने के सरकार के पास पर्याप्त वित्तीय और मानव संसाधन नहीं हैं.

43. **कथन**–क्या सरकार को भारत की सभी बड़ी नदियों पर बहुत से स्थानों पर बड़े बाँध बनाने चाहिए?

तर्क–

I. नहीं, इससे सारे देश का इको-सिस्टम बर्बाद हो जाएगा.

II. हाँ, पूरे देश में सिंचाई के लिए पर्याप्त जल-आपूर्ति सुनिश्चित हो जाएगी.

44. **कथन**–क्या सरकार को लाभ कमाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के सभी उपक्रमों में अपनी हिस्सेदारी के बड़े हिस्से को बेच देना चाहिए?

तर्क–

I. नहीं, सरकार को इन उपक्रमों का नियंत्रण नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि ये लाभ कमाने वाली संस्थाएं हैं.

II. हाँ, इससे सरकार को विशाल बजटीय घाटे को कम करने और अपने संसाधनों को बढ़ाने में मदद मिलेगी.

45. **कथन**–क्या भारत के सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए दाखिले का एकरूप मानदंड होना चाहिए?

तर्क–

I. हाँ, इससे इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिल हुए छात्रों की गुणवत्ता सुनिश्चित होगी.

II. नहीं, यह विशेषकर सम्भव नहीं है.

निर्देश–(प्रश्न 46 से 50 तक) नीचे एक परिच्छेद दिया गया है और उसके नीचे उस परिच्छेद में दिए गए तथ्यों के आधार पर निकाले जा सकने वाले कुछ सम्भावित अनुमान दिए गए हैं. आप हर एक अनुमान की परिच्छेद के सन्दर्भ में अलग-अलग परीक्षा कर उसकी सत्यता या असत्यता की मात्रा निश्चित कीजिए. **उत्तर दीजिए**–

(A) यदि अनुमान ''निश्चित रूप से सत्य'' है अर्थात् वह दिए गए तथ्यों का उचित रूप से अनुसरण करता है.

(B) यदि अनुमान ''सम्भवतः सत्य है'' यद्यपि दिए गए तथ्यों के सन्दर्भ में ''निश्चित रूप से सत्य'' नहीं है.

(C) यदि ''दिए हुए तथ्य काफी नहीं हैं'' अर्थात् दिए हुए तथ्यों से अनुमान सत्य है अथवा असत्य यह आप नहीं कह सकते हैं.

(D) यदि अनुमान ''सम्भवतः असत्य'' है यद्यपि दिए गए तथ्यों के सन्दर्भ में ''निश्चित रूप से असत्य'' नहीं है.

(E) यदि अनुमान ''निश्चित रूप से असत्य'' है अर्थात् दिए हुए तथ्यों का सम्भवतः अनुसरण नहीं करता है अथवा वह दिए गए तथ्यों के विपरीत जाता है.

साहूकारों के युगों-पुराने भय ने भारतीयों में एक स्वाभाविक वित्तीय अनुशासन पैदा कर दिया है. लेकिन पिछले चार वर्षों में हुए अत्यधिक विकास से बहुतों के मन में सुरक्षा की मिथ्या भावना घर कर गई है और उन पर कर्ज पाश में फंसने का खतरा पैदा हो गया है. बाजारों के फ्लोटिंग दर वाले दौर में प्रवेश करने के बाद उधारकर्ताओं के जोखिम कई गुणा बढ़ गए हैं और वित्तीय नवीनता के साथ बनाए गए उत्पादों, से उनकी देयताएं शुरूआती उधारों से काफी ज्यादा बढ़ गई हैं. भावी उधारकर्ता शायद अपने पूर्ववर्तियों द्वारा अतीत में की गई गलतियों से कोई सबक ले सकें.

46. पहले के उधारदाताओं ने उधारकर्ताओं को वित्तीय सुरक्षा प्रदान की.

47. फ्लोटिंग ब्याज दर पर ऋण लेने पर उधारकर्ताओं को जोखिम अधिक होता है.

48. नए वित्तीय उत्पाद उधारकर्ताओं की देयता कम कर देते हैं.

49. भावी उधारकर्ताओं को उधार लेने से पहले दूसरों के अनुभव से सीखने की जरूरत है.

50. आकर्षक वित्तीय उत्पाद उधारकर्ताओं पर कम बोझ डालते हैं.

उत्तर व्याख्या सहित

गुड़गाँव ग्रामीण बैंक ऑफीसर्स परीक्षा, 12-7-2009 का हल प्रश्न-पत्र

संख्यात्मक अभियोग्यता

(स्मृति पर आधारित)

निर्देश–(प्रश्न 1 से 10 तक) निम्नलिखित प्रश्नों में प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा?

1. 600 का 45% + 480 का ?% = 390
(A) 20 (B) 25
(C) 30 (D) 40
(E) इनमें से कोई नहीं

2. $4\frac{2}{3} + 7\frac{1}{6} - 5\frac{2}{9} = ?$
(A) $6\frac{2}{3}$ (B) $6\frac{2}{9}$
(C) $6\frac{11}{18}$ (D) $6\frac{7}{18}$
(E) इनमें से कोई नहीं

3. $252 \div 7 \times 139 = ?$
(A) 4904 (B) 5104
(C) 5014 (D) 5004
(E) इनमें से कोई नहीं

4. $1260 \div 14 \div 9 = ?$
(A) 10 (B) 810
(C) 81 (D) 9
(E) इनमें से कोई नहीं

5. $3\frac{7}{9} \times 1\frac{10}{17} + 5 = ?$
(A) 6 (B) 15
(C) 11 (D) 9
(E) इनमें से कोई नहीं

6. $136 \times 12 \times 8 = ?$
(A) 12066 (B) 13064
(C) 13066 (D) 13046
(E) इनमें से कोई नहीं

7. 320 का 70% + 240 का 45% = ?
(A) 322 (B) 330
(C) 336 (D) 338
(E) इनमें से कोई नहीं

8. $29{\cdot}92 \times 2{\cdot}4 + 21{\cdot}28 \times 4{\cdot}5 = ?$
(A) 167·568 (B) 176·568
(C) 176·658 (D) 167·658
(E) इनमें से कोई नहीं

9. $7523 + 2963 - 3847 = ? + 4253$
(A) 2368 (B) 2386
(C) 2638 (D) 2683
(E) इनमें से कोई नहीं

10. 180 के $\frac{7}{8}$ के $\frac{8}{9}$ का $\frac{4}{7} = ?$
(A) 72 (B) 66
(C) 60 (D) 80
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 11 से 15 तक) निम्नलिखित संख्या शृंखला में प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा?

11. 8, 12, 18, ?, 40·5
(A) 24 (B) 27
(C) 26 (D) 28
(E) इनमें से कोई नहीं

12. 13, 22, 52, 165, ?
(A) 648 (B) 468
(C) 334 (D) 668
(E) इनमें से कोई नहीं

13. 7, 8, 18, 57, ?
(A) 232 (B) 228
(C) 234 (D) 226
(E) इनमें से कोई नहीं

14. 7, 11, 19, 35, ?
(A) 71 (B) 69
(C) 65 (D) 73
(E) इनमें से कोई नहीं

15. 5, 11, 23, ?, 95
(A) 45 (B) 49
(C) 47 (D) 46
(E) इनमें से कोई नहीं

16. एक आयत का क्षेत्रफल 252 सेमी^{2} है. इसकी लम्बाई और चौड़ाई का अनुपात क्रमशः 9 : 7 है. इसकी परिधि कितनी है?
(A) 64 सेमी (B) 68 सेमी
(C) 128 सेमी (D) 96 सेमी
(E) इनमें से कोई नहीं

17. एक द्विअंकी संख्या के अंकों के स्थान परस्पर बदल दिए जाएं तो बनी हुई संख्या मूल संख्या से 18 अधिक है. अंकों का योग 6 है, तो मूल संख्या क्या है?
(A) 64 (B) 46
(C) 42 (D) 24
(E) इनमें से कोई नहीं

18. एक संख्या का 60% एक दूसरी संख्या का चार बटा पाँच है. पहली और दूसरी संख्या के बीच का क्रमशः अनुपात क्या है?
(A) 3 : 4 (B) 3 : 5
(C) 5 : 3 (D) 2 : 3
(E) इनमें से कोई नहीं

19. 4 बैग और 3 बॉक्स की कीमत 555 रु. है और 3 बैग और 4 बॉक्स की कीमत 460 रु. है. 1 बैग की कीमत क्या है?
(A) 120 रु. (B) 150 रु.
(C) 140 रु. (D) 160 रु.
(E) इनमें से कोई नहीं

20. A और B मिलकर एक काम 12 दिन में पूरा कर सकते हैं. अकेला A इसी काम को 18 दिन में पूरा कर सकता है. अकेला B यह काम कितने दिन में पूरा कर सकता है?
(A) 24 (B) 36
(C) 18 (D) 30
(E) इनमें से कोई नहीं

21. स्कोर्स के निम्नलिखित सेट के औसत का पता लगाइए–
72, 81, 93, 69, 75, 87, 63, 84, 78
(A) 83 (B) 82
(C) 76 (D) 78
(E) इनमें से कोई नहीं

22. 250 मीटर लम्बी एक ट्रेन एक सिग्नल के खम्भे को 15 सेकण्ड में पार करती है. ट्रेन की गति कितने किमी/प्रति घण्टा है?
(A) 48 (B) 60
(C) 72 (D) 64
(E) इनमें से कोई नहीं

23. 12 प्लेट और 9 चम्मच की कीमत 339 रु. है, तो 4 प्लेट और 3 चम्मच की कीमत क्या होगी?
(A) 130 रु.
(B) 127 रु.
(C) 133 रु.
(D) निर्धारित नहीं किया जा सकता है
(E) इनमें से कोई नहीं

24. 64 बच्चों के बीच समानतः चाकलेट बाँटे गए हैं. प्रत्येक बच्चे को 7 चाकलेट देने के बाद 15 चाकलेट बच गए. कुल कितने चाकलेट थे?
(A) 448 (B) 436
(C) 463 (D) 446
(E) इनमें से कोई नहीं

25. मनीष से 25 किग्रा चावल 32 रु. प्रति किग्रा और 15 किग्रा चावल 36 रु. प्रति किग्रा खरीदे. दोनों किस्मों का मिश्रण कर उसने उसे 40·20 रु. प्रति किग्रा बेचा. उसे कितने प्रतिशत लाभ हुआ?
(A) 25 (B) 40
(C) 30 (D) 20
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 26 से 30 तक) नीचे प्रत्येक प्रश्न के बाद दो कथन I और II दिए गए हैं. आपको यह तय करना है कि कथन में दिया गया डाटा प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है या नहीं. सम्भाव्य उत्तरों के बीच चुनाव करने के लिए आपको डाटा और अपने गणित के ज्ञान का उपयोग करना चाहिए. उत्तर दीजिए–

(A) यदि केवल कथन I प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है, जबकि केवल कथन II पर्याप्त नहीं है.
(B) यदि केवल कथन II प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है, जबकि केवल कथन I पर्याप्त नहीं है.
(C) यदि या तो केवल कथन I या केवल कथन II प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है.
(D) यदि आप कथन I और II दोनों से मिलकर भी उत्तर नहीं पा सकते हैं और अधिक डाटा की आवश्यकता है.
(E) यदि प्रश्न का उत्तर देने के लिए कथन I और कथन II दोनों आवश्यक है.

26. वृत्त का क्षेत्रफल कितना है?
I. वृत्त की परिधि 88 सेमी है.
II. वृत्त का व्यास, एक वर्ग की भुजा के समान है जिसका क्षेत्रफल 784 सेमी^{2} है.

27. राजन की वर्तमान आयु क्या है?
I. राजन और मदन की वर्तमान आयु का अनुपात क्रमशः 3 : 4 है.
II. 5 वर्ष बाद राजन और मदन की आयु का अनुपात क्रमशः 4 : 5 होगा.

28. प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज की दर क्या है?
I. 10 वर्ष में उपचित साधारण ब्याज राशि के समान है.
II. 2 वर्ष में उपचित चक्रवृद्धि ब्याज 1,050 रु. है.

29. नंदिता और उसके भाई के बीच बाँटे जाने वाले 20,000 रु. के लाभ में नंदिता का हिस्सा कितना है?
I. नंदिता ने 50,000 रु. का निवेश किया है.
II. नंदिता द्वारा निवेशित राशि उसके भाई द्वारा निवेशित राशि का 40% है.

30. कितनी महिलाएं 10 दिन में काम पूरा कर सकती हैं?
I. एक दिन में एक महिला द्वारा किया गया काम एक दिन में एक पुरुष द्वारा किए गए काम का 75% है.
II. एक दिन में एक महिला द्वारा किया गया काम एक दिन में एक बच्चे द्वारा किए गए काम का 150% है.

निर्देश–(प्रश्न 31 से 35 तक) निम्नलिखित प्रश्नों में प्रश्नचिह्न के स्थान पर **लगभग** क्या मूल्य आएगा? (तथ्यतः मूल्य की गणना अपेक्षित नहीं है.)

31. $8999 - 315 \times 8{\cdot}005 = ?$
(A) 6480 (B) 6460
(C) 6570 (D) 6520
(E) 6550

32. 2102 का 85·05% = ?
(A) 1750 (B) 1795
(C) 1755 (D) 1775
(E) 1785

33. $27{\cdot}07 \times 1499{\cdot}09 \div 24{\cdot}99 = ?$
(A) 1630 (B) 1640
(C) 1620 (D) 1560
(E) 1590

34. $33{\cdot}003 \times 25{\cdot}005 \div 5{\cdot}001 = ?$
(A) 160 (B) 165
(C) 168 (D) 162
(E) 161

35. $(22{\cdot}01)^2 - (17{\cdot}95)^2 = ?$
(A) 152 (B) 172
(C) 155 (D) 160
(E) 168

निर्देश–(प्रश्न 36 से 40 तक) 400 बच्चों के एक स्कूल में, लड़कों और लड़कियों का अनुपात क्रमशः 9 : 11 है. प्रत्येक बच्चा या तो गायन की कक्षा या नृत्य की कक्षा या दोनों में जाता है. 40% लड़के केवल गायन की कक्षा में जाते हैं. कुल 20% बच्चे दोनों कक्षाओं में आते हैं, जिनमें से 25% लड़के हैं. 45% लड़कियाँ केवल नृत्य की कक्षा में जाती हैं.

36. केवल नृत्य की कक्षा में कुल कितने बच्चे जाते हैं?
(A) 213 (B) 189
(C) 133 (D) 187
(E) इनमें से कोई नहीं

37. नृत्य की कक्षा में जाने वाली लड़कियों की कुल संख्या कितनी है?
(A) 161 (B) 121
(C) 99 (D) 60
(E) इनमें से कोई नहीं

38. कितनी लड़कियाँ केवल गायन की कक्षा में जाती हैं?
(A) 99 (B) 72
(C) 61 (D) 60
(E) इनमें से कोई नहीं

39. कुल कितने लड़के गायन की कक्षा में जाते हैं?
(A) 92 (B) 88
(C) 80 (D) 90
(E) इनमें से कोई नहीं

40. केवल गायन की कक्षा में जा रहे बच्चों की कुल संख्या, स्कूल के कुल बच्चों की संख्या का कितना प्रतिशत है?
(A) 46·75 (B) 33·25
(C) 46·25 (D) 33·75
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 41 से 45 तक) इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए नीचे दी गई सारणी का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए.

विगत वर्षों में छः राज्यों की जनसंख्या
(हजारों में)

वर्ष	राज्य					
	A	B	C	D	E	F
1992	125	210	85	150	98	138
1995	135	225	89	170	110	152
1998	142	240	93	180	130	160
2001	148	250	99	215	140	175
2004	155	270	105	230	145	190
2007	160	290	110	240	160	198

41. 1998 में सभी राज्यों की मिलकर औसत जनसंख्या कितनी थी?
(A) 157500 (B) 175000
(C) 157200 (D) 172500
(E) इनमें से कोई नहीं

42. 2001 में राज्य C की जनसंख्या उस वर्ष सभी राज्यों की कुल जनसंख्या का **लगभग** कितना प्रतिशत है?
(A) 12 (B) 11
(C) 10 (D) 8
(E) 13

43. 1995 से 2007 में राज्य C की जनसंख्या में **लगभग** कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है?
(A) 29 (B) 30
(C) 28 (D) 20
(E) 24

44. 2001 से 2004 तक किस राज्य की जनसंख्या में प्रतिशत वृद्धि अधिकतम हुई थी?
(A) C (B) B
(C) D (D) F
(E) इनमें से कोई नहीं

45. सभी वर्षों के लिए मिलकर राज्य D की औसत जनसंख्या कितनी है?
(A) 195700 (B) 197500
(C) 175900 (D) 179500
(E) इनमें से कोई नहीं

50. किस वर्ष के दौरान नहीं बेची गई मदों का प्रतिशत सर्वाधिक था?
(A) 2004 (B) 2006
(C) 2008 (D) 2002
(E) इनमें से कोई नहीं

उत्तर व्याख्या सहित

निर्देश–(प्रश्न 46 से 50 तक) इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए नीचे दिए गए ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए.

विगत वर्षों में एक कम्पनी द्वारा विनिर्मित और बेची गई मदों की संख्या (लाखों में)

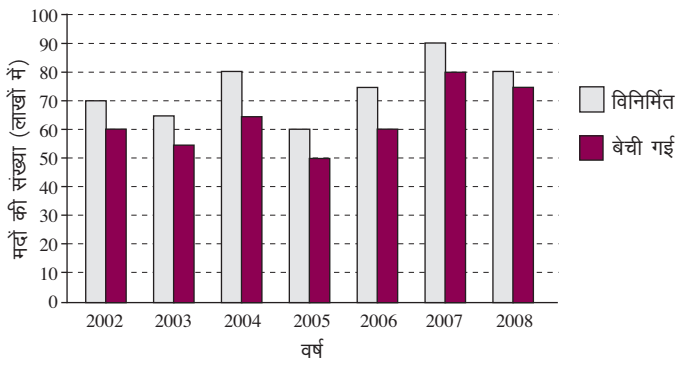

46. सभी वर्षों के लिए मिलकर नहीं बेची गई मदों की **लगभग** औसत संख्या कितनी है ?
(A) 10,50,000 (B) 10,55,000
(C) 10,43,000 (D) 10,40,000
(E) 10,70,000

47. सभी वर्षों के लिए मिलकर बेची गई मदों की **लगभग** औसत संख्या कितनी है?
(A) 60 लाख (B) 61 लाख
(C) 63 लाख (D) 67 लाख
(E) 69 लाख

48. 2007 में विनिर्मित मदों की संख्या, सभी वर्षों में मिलकर विनिर्मित मदों की कुल संख्या का कितना प्रतिशत है? (दशमलव के बाद दो अंकों तक पूर्णांकित)
(A) 17·31 (B) 13·71
(C) 17·03 (D) 13·97
(E) इनमें से कोई नहीं

49. सभी वर्षों में मिलकर, बेची गई मदों की कुल संख्या और विनिर्मित मदों की कुल संख्या के बीच का क्रमशः अनुपात क्या है?
(A) 87 : 104 (B) 89 : 102
(C) 87 : 102 (D) 89 : 104
(E) इनमें से कोई नहीं

कि लोकतंत्रीय समाजवाद क्या है ?

☛ लोकतंत्रीय समाजवाद (Democratic Socialism) का उद्देश्य लोकतांत्रिक अर्थात् संसदीय लोकतंत्र के माध्यम से समाजवाद की स्थापना है. इसमें वर्ग संघर्ष और हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है. इसका विश्वास है कि जनसाधारण को समाजवादी उद्देश्यों के प्रति जागरूक कर उनका समर्थन प्राप्त किया जा सकता है तथा नियम आदि बनाकर इन उद्देश्यों को पूरा किया जा सकता है. भारत में इस सिद्धान्त को अपनाया गया है.

कि 'राष्ट्रीय कृषि विकास योजना' (RKVY) के क्या उद्देश्य हैं ?

☛ कृषि क्षेत्र में विकास हेतु यह एक नई योजना 'राष्ट्रीय कृषि विकास योजना' (**RKVY**) भारत सरकार के कृषि मंत्रालय/विभाग द्वारा मुख्य उद्देश्यों हेतु शुरू की गई है, जैसे–खाद्य फसलों के एकीकृत विकास हेतु जिसमें मोटे अनाज (Coarse cereals), सूक्ष्म अनाज (minor millets), दलहनें; कृषि यंत्रीकरण; मृदा स्वास्थ्य एवं उत्पादकता, वर्षा आधारित खेती पद्धति विकास, एकीकृत कीट प्रबन्धन (IPM), मार्केट ढाँचा, बागवानी, पशुपालन, डेयरिंग एवं फिशरीज आदि पर. इस नई योजना द्वारा संस्थाओं को मदद देकर कृषि एवं बागवानी इत्यादि क्षेत्रों; जैविक एवं जैव-उर्वरकों, इन्नोवेटिव स्कीम्स को प्रोत्साहित किया जाएगा. वर्ष 2007-08 में 1500 करोड़ रुपए बजट का प्रावधान रखा गया और वर्ष 2008-09 हेतु 2,891·70 करोड़ रुपए 31 मार्च, 2009 तक रिलीज किए गए.

कि 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन' (NFSM–National Food Security Mission) क्या है ?

☛ वर्तमान में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (**NFSM**) देश के 17 राज्यों के 312 पहचानित जिलों में चालू किया गया है जिसमें चावल, गेहूँ, दलहन मुख्य रूप से फसलें ली गई हैं. अर्थात् NFSM–Rice, NFSM–Wheat, NFSM–Pulses मिशन हैं. इस मिशन में इन फसलों के HYVs बीज, बीज मिनीकिट्स, सूक्ष्म-तत्वों, चूना, कोनोवीडर्स, जीरो-टिल सीडड्रिल्स, सीड-ड्रिल्स, रोटावेटर्स, डीजल पम्प सैट्स, पॉवर वीडर्स, नैक-सैप स्प्रेयर्स, पादप सुरक्षा हेतु रसायन, बायोपैस्टीसाइड्स, फारमर्स फील्ड स्कूल्स आदि की व्यवस्था है. वर्ष 2008-09 हेतु इस प्रोग्राम के अन्तर्गत 883·26 करोड़ रुपए भारत सरकार द्वारा रिलीज किए गए.

कि कृषि क्षेत्र हेतु 'India's Vision, 2020' क्या है ?

☛ पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने **'India's Vision, 2020'** के बारे में कहा है "A vision is not a Project Report or Plan Target; but it is an articulation of the desired end results in broader term." 'India's Vision, 2020' में कहा गया है कि वर्ष 2020 तक मानव जनसंख्या अधिक होगी, अच्छे शिक्षित, तन्दुरुस्त एवं धनधान्य व्यक्ति होंगे, अपेक्षाकृत अपने पुराने लम्बे ऐतिहासिक समय की तुलना में. कृषि में खाद्यान्न उत्पादन इस अवधि में दोगुना करना होगा. वर्ष 2008-09 में, जो खाद्यान्न उत्पादन 229·85 मिलियन टन देश में आँका गया है उसे भविष्य में बढ़ाना होगा, चूँकि वर्ष 2050 तक भोजन माँग 350 मिलियन टन, 1·7 बिलियन जनसंख्या की पूरी करनी होगी. एक सोचनीय विषय है कि कृषि की हिस्सेदारी वर्ष 1950-51 में 52% कुल **GDP** (Gross Domestic Product) में थी वह अब घटकर वर्ष 2007-08 में मात्र 17·8% अर्थात् एक-तिहाई रह गई है जिसे बढ़ाना होगा. अतः कृषि क्षेत्र में अब देश में **'दूसरी/सतत् हरित क्रान्ति'** (Second/Evergreen Revolution) लानी होगी, तभी बढ़ती जनसंख्या वृद्धि दर @2·1% वार्षिक, अपेक्षाकृत कृषि क्षेत्र का **GDP** में हिस्सेदारी 17·8% के, को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो पाएगी. जिस हेतु फसलों का विविधीकरण (Crop diversification) एवं सघनीकरण (Intensification) करना होगा. इस सन्दर्भ में फसल प्रणाली अनुसंधान निदेशालय (**ICAR**) मोदीपुरम, मेरठ (उ. प्र.) पूरे देश में कार्य कर रहा है.

कि किन व्यक्तियों पर संयुक्त रूप से आरोप लगाया जा सकेगा ?

☛ निम्न व्यक्तियों पर एक साथ आरोप लगाया जा सकेगा–

(1) वे व्यक्ति जिन पर एक ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए एक ही अपराध का अभियोग हो.

(2) वे व्यक्ति जिन पर किसी अपराध का अभियोग है तथा वे व्यक्ति जिन पर ऐसे अपराध का दुष्प्रेरण अथवा प्रयत्न का अभियोग है.

(3) वे व्यक्ति जिन पर बारह मास की अवधि के अन्दर संयुक्त रूप से उनके द्वारा किए गए धारा 219 के अर्थ में एक ही किस्म के एक से अधिक अपराधों का अभियोग है.

(4) वे व्यक्ति जिन पर एक ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए भिन्न अपराधों का अभियोग है.

कि किसी अपराध का संज्ञान कौन कर सकेगा ?

☛ कोई ऐसा मजिस्ट्रेट, जोकि प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट या विशेषतया सशक्त कृत द्वितीय वर्ग मजिस्ट्रेट किसी अपराध का संज्ञान कर सकेगा. कोई मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट किसी द्वितीय वर्ग मजिस्ट्रेट को ऐसे अपराधों का जिनकी जाँच या विचारण करना उसकी क्षमता के अन्दर है, उसको संज्ञान करने के लिए सशक्त कर सकता है.

कि क्या बिना मिट्टी के फल और सब्जियों को उगाना सम्भव है ?

☛ प्रश्न अटपटा लगता है. बिना मिट्टी और पानी के फसल उगाना एक मजाक-सा लगता है, परन्तु यह मजाक अब यथार्थ बन गया है. यदि आप दसवीं मंजिल पर छोटे-से फ्लैट में रहते हैं, तो बागवानी की आपकी इच्छा अब पूरी हो जाएगी. नासा ने ऐसी विधि का विकास कर लिया है.

नासा के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार 'गैजेट' में बागवानी के लिए मिट्टी की जरूरत नहीं होती है. गैजेट में फल या सब्जी का पौधा रोपें और फसल पकने की प्रतीक्षा करें. वैज्ञानिकों के अनुसार, इस 'पावर प्लांट ग्रोइंग मशीन' में पौधों की जड़ों को मशीन का एक भाग पौष्टिक पदार्थ से सींचता रहेगा, जिससे पौधे तेजी से बढ़ेंगे और बड़े आकार के फल देंगे.

नासा ने यह 'गैजेट' अंतरिक्ष यात्रियों के लिए विकसित किया है, जिससे कि वे लम्बी अंतरिक्ष यात्राओं में ताजे फल और सब्जियों का मजा ले सकें. प्रयोगों में पाया गया है कि गैजेट में पैदा होने वाली फसल, खेतों की पैदावार से अधिक पौष्टिक और इनके दाने आकार में बड़े होते हैं. अब यह मशीन जनसामान्य के लिए भी उपलब्ध है.

●●●

UPKAR'S
COMPUTER GENERAL AWARENESS
(Useful for Various Competitive Exams.)
By : Dr. Alok Kumar
Code No. 1630 Rs. 40/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2
E-mail : publisher@upkar.in Website : www.upkar.in

प्रश्न–तीसरी दुनिया के देश कौनसे हैं?

उत्तर

प्रश्न–अंटार्कटिका में भारत की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

प्रश्न–'खरीफ' मौसम में उगाई जाने वाली फसलों–ज्वार (दाना/चरी), मक्का, बाजरा आदि को टिड्डा (**Locusts**) सर्वाधिक नुकसान करता है. इसके नियंत्रण हेतु उपाय क्या हैं?

उत्तर

प्रश्न–वर्षा जल (**Rain Water**), जो भवनों/इमारतों की छतों (**Roof-tops**) के द्वारा नीचे आता है और उसे आर.सी.सी. (**RCC**) टैंक में इकट्ठा किया जाता है, उस एकत्रित वर्षा जल की गणना का क्या तरीका है?

उत्तर

प्रश्न–वयस्क मताधिकार का क्या अर्थ है?

उत्तर

प्रश्न–क्या युद्ध में भी रोबोट की कोई भूमिका हो सकती है?

उत्तर

प्रश्न–क्या कोई अपने विरुद्ध सक्षम साक्षी हो सकेगा ?

उत्तर

प्रश्न–'रिलेटिव लीफ ग्रोथ रेट' (**RLGR–Relative Leaf Growth Rate**) फसलों में किस प्रकार ज्ञात करते हैं ?

उत्तर

●●●

प्रश्न–लोक सभा में सांसदों की संख्या एवं उनको दिए जाने वाला वेतन कितना है? *– अमन खान, जालौन*

उत्तर

प्रश्न–भारत में वर्तमान में कुल कितने राष्ट्रीय राजमार्ग हैं ? सबसे बड़ा और सबसे छोटा राजमार्ग कौनसा है?

– रमणी कौर, रावतसर (राजस्थान)

उत्तर

प्रश्न–एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल की स्थापना किसने की थी? इससे सम्बन्धित विभिन्न क्रिया-कलापों की जानकारी दीजिए.

– सुमित कुमार, शहडोल (मध्य प्रदेश)

उत्तर

प्रश्न–कन्याकुमारी और कश्मीर में दिन-रात की अवधि में अन्तर का क्या कारण है ? स्पष्ट करने की कृपा करें.

– ऊषा रंजन कुमार (झारखण्ड)

उत्तर

प्रश्न–अबुल फज़ल कौन थे? उनकी इतिहास प्रसिद्ध कृति का क्या महत्व है?

– रिजवाना खाँ, अलवर (राजस्थान)

उत्तर

प्रश्न–कुमारजीव कौन था?

– दिलीप कुमार मिश्रा, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)

उत्तर

प्रश्न–फ्रांस और जर्मनी के मध्य सीमा रेखा को किस नाम से जाना जाता है ?

– चन्द्रभान बिश्नोई, जोधपुर (राजस्थान)

उत्तर

प्रश्न–आँवला (Aonla) की उन्नत किस्में कौन-कौनसी हैं? लक्ष्मी–52 प्रजाति आँवले में क्या गुण होते हैं?

– प्रदीप कुमार, श्यामगढ़ (म.प्र.)

उत्तर

प्रश्न–मेरी ऊँचाई 5 फीट से एक इंच कम है. क्या रेलवे की विभिन्न नौकरियों के लिए, ऊँचाई के आधार पर उपयुक्त हूँ?

– नीरज कुमार, भागलपुर (बिहार)

उत्तर

●●●

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

21वीं सदी का विश्व

✍ बलवंत राम

इक्कीसवीं सदी के गर्भ से उपजी विचारधारा परम्परागत अर्थात् 20वीं सदी की राजनैतिक परम्पराओं, लोकतान्त्रिक एवं राजनीति की आधारशिला और राष्ट्र के मूल विचार को भी खारिज कर रही है. बीसवीं सदी की पारम्परिक राजनीति के पड़ावों से अछूती रही आज की पीढ़ी के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भों के बिना भविष्य की कल्पना कर पाना कठिन है. ऑनलाइन स्टडी अथवा ई-गुरु एवं ई-ट्यूटरिंग, माइक्रोसॉफ्ट विण्डोज, कॉल सेण्टरों, एच-1 बी वीजा के बिना उज्ज्वल भविष्य का सपना असम्भव लगने लगा है. ग्लोबल बाजारों की पिघलन, धार्मिक आतंकवाद के संगठित उत्थान जैसी घटनाओं के साथ नैनो तकनीकी, आधुनिक परमाणु पनडुब्बी, स्टेम-सेल प्रत्यारोपण आदि नई वैज्ञानिक ईजादों ने एकदम नई तरह की ऐसी आर्थिक धार्मिक और नैतिक स्थितियाँ रच दी हैं, जिनकी कल्पना गांधी, पटेल, लेनिन गोलवलकर के वक्त में असम्भव थी.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

इक्कीसवीं सदी में विज्ञान की विजय पताका चारों ओर लहरा रही है. ब्रह्मांड बनने की गुत्थी सुलझाने के लिए अब तक के सबसे महत्वपूर्ण, सबसे खर्चीले और सबसे महाप्रयोग 'बिग बैंग-2' का पहला चरण जिनेवा के पास सीआईआरएस लैब में शुरू हो गया है. कम्प्यूटर का उपयोग ई.सी.जी., रोबोट, रक्तचाप आदि कार्यों के लिए किया जाने लगा है. युद्ध कला में अत्याधुनिक मानव-रहित युद्धक विमान ड्रोन्स का इस्तेमाल आम होता जा रहा है. आईपॉड और एमपीथ्री की दुनिया पूरी तरह से बदल चुकी है. आज एक साथ कई सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है.

भारत आर्थिक विकास की नई ऊँचाइयाँ नापते हुए विश्व की महान् आर्थिक ताकत बनने के सपने को मूर्त रूप देने में लगा है. चन्द्रमा पर चुनौतीपूर्ण अभियान के बाद इसरो ने अगले छह साल के भीतर मंगल पर अन्तरिक्ष यान भेजने के लिए तैयारियाँ शुरू कर दी हैं. देश के पहले अन्तरिक्ष कार्यक्रम चन्द्रयान-1 ने युवा वैज्ञानिकों की कल्पना को पंख लगा दिए हैं और उन्होंने मंगल ग्रह तक अभियान के लिए अन्तरिक्ष विज्ञान और इसरो की योजनाओं में भागीदारी की है.

महिला सशक्तिकरण

इक्कीसवीं सदी के प्रथम दशक में महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहराया है. जहाँ कोंडोलिजा राइस और हिलेरी क्लिंटन ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमरीका की विदेश मंत्री के पद को सुशोभित किया है. वहीं अन्तरिक्ष में सुनीता विलियम्स ने अपनी सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं. भारत में देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक आईसीआईसीआई के मुखिया के पद पर सुश्री चंदा कोचर विराजमान हुई हैं. शिक्षा के बढ़ते प्रचार की वजह से महिलाओं को अपनी इच्छा के अनुकूल अपने भविष्य का निर्माण करने के अवसर मिलने लगे हैं.

सुधरते हुए आपसी रिश्ते

दिसम्बर 2008 में रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की भारत यात्रा के दौरान रूस और भारत के बीच जो समझौते हुए और जिन अटके हुए मुद्दों पर दोनों देशों के बीच बात आगे बढ़ी है, वे भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं. इक्कीसवीं सदी में तेल महाशक्ति के रूप में हासिल नई धाक को रूसी हाल तक रूसी कायदे से हजम नहीं कर पाए थे. तेल की कीमतें गिरने के साथ रूस की आर्थिक स्थिति भी कमजोर पड़ने लगी है. वैसे तेल के मामले में भारत रूस के भीतर सखालिन और दूसरे इलाकों में एक बड़े निवेशक के रूप में उभरा है. स्पेस टेक्नोलॉजी और एटमी एनर्जी रूस के दो सबसे अग्रणी क्षेत्र हैं और दोनों में ही भारत आगामी दशकों में जबर्दस्त निवेश करने जा रहा है. इस समझदारी की बुनियाद पर मेदवेदेव ने अपनी इस यात्रा में भारत के साथ जिन सम्बन्धों की नींव रखी है, उनसे दोनों देशों की दोस्ती नए मुकाम पर पहुँचने की उम्मीद की जा सकती है.

इक्कीसवीं सदी में भारत-अमरीका परमाणु समझौता एक महत्वपूर्ण घटना है. परमाणु समझौते से परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग का रास्ता खुल गया है एवं अत्याधुनिक कम्प्रेसर, टेस्टिंग सिस्टम, ऊर्जा उत्पादन की सुविधाएँ प्राप्त होंगी. अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा है कि अमरीका-चीन सम्बन्ध 21वीं सदी की दिशा निर्धारित करेंगे. अमरीका और चीन के बीच गहरे और मजबूत सम्बन्ध 21वीं सदी को दिशा देंगे. दोनों देशों के बीच जारी यह बातचीत विश्व की अन्य द्विपक्षीय वार्ताओं की तरह महत्वपूर्ण है और यह परमाणु हथियार से सम्पन्न उत्तर कोरिया से निपटने के लिए सहायक होगा.

सामाजिक क्रान्ति

अमरीका में राष्ट्रपति बराक ओबामा का चुनाव वास्तव में 21वीं सदी की दुनिया में एक विस्मयकारी ऐतिहासिक परिघटना है. ओबामा का चुनाव विश्व-भर में नई आशाओं और विश्वास के साथ देखा जा रहा है. खासकर विकासशील देशों के बारे में यह कहना सबसे सटीक होगा. यह कोई मामूली बात नहीं, जहाँ श्वेत-अश्वेत के अस्तित्व को लेकर बरसों-बरस पहले एक आवाज उठी. बराक ओबामा की विजय, मार्टिन लूथर किंग के सपने के सच होने जैसा है. बराक ओबामा के अमरीकी राष्ट्रपति चुने जाने से जहाँ विश्व में नस्लभेद के समाप्त होने की आशा जगी है, लेकिन आज भी आस्ट्रेलिया महाद्वीप रंगभेद सिन्ड्रोम से ग्रस्त नजर आ रहा है.

परमाणु हथियारों का खतरा

विश्व में शान्ति की स्थापना आज की प्रमुख आवश्यकता है. विश्व के सभी देश अपनी प्रगतिशीलता और शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए शस्त्र एकत्रित करने में लगे हैं. द्वितीय विश्वयुद्ध में अमरीका द्वारा 6 तथा 9 अगस्त, 1945 को हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमले की विभीषिका को देखते हुए इसका खतरा हमेशा से ही मानव-जाति पर मँडराता रहा है. आज विश्व के अनेक देशों ने उनसे भी शक्तिशाली बमों का निर्माण कर लिया है, जिनसे कई देशों को एक साथ क्षणभर में ही नष्ट किया जा सकता है.

अशांत एशिया

चाहे पश्चिम एशिया हो या मध्य एशिया हो या फिर दक्षिण एशिया, पूरे क्षेत्र में अशांति का दौर जारी है. कई देश बिग ब्रदर सिन्ड्रोम से ग्रस्त हैं. पाकिस्तान में इन दिनों आतंकवादियों के खिलाफ अमरीकी और पाकिस्तानी सेनाओं का अभियान चल रहा है, तो दूसरी तरफ अफगानिस्तान में हजारों नाटो सैनिक तालिबान लड़ाकों के सामने हैं. जाहिर है कि इस मुहिम का आम नागरिकों पर प्रभाव पड़ रहा है. पाकिस्तान में सेना और आतंकियों के बीच संघर्ष की वजह से विस्थापित लोगों की संख्या 25 लाख से भी ऊपर पहुँच गई है, जो पूरे विश्व में देश के अन्दर विस्थापितों की सबसे ज्यादा संख्या है. पाकिस्तान ने आतंकवाद की जिस आग को न केवल हवा दी, आज

वह स्वयं आतंक की आग में बुरी तरह झुलसा हुआ अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है. अलकायदा, तालिबान और अन्य जिहादी संगठनों की मौजूदगी वाला आतंकी सिंडिकेट पूरे विश्व के लिए एक बड़ा खतरा है. कभी कश्मीर के बहाने भारत तक ही केन्द्रित बताया जाने वाला लश्करे-तैयबा अब अन्तर्राष्ट्रीय संगठन बनकर पूरी दुनिया के लिए खतरा बन रहा है.

अपनी मनमानी के लिए विख्यात उत्तर कोरिया ने खुद को बदलते समय से अलग रखकर विश्व जनमत के खिलाफ खड़े होकर जो दूसरा नाभिकीय परीक्षण किया है, इस परीक्षण से उत्तर कोरिया न सिर्फ दक्षिण एशिया की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् सहित विश्व जनमत को ठेंगा दिखा रहा है. ईरान को भी लेकर यही आशंका व्यक्त की जा रही है कि वह परमाणु बम बनाने की तकनीक एजेन्सी के समझौते से बँधे होने और परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर करने के बावजूद परमाणु बम ईजाद कर रहा है.

नेपाल भी प्रचंड के इस्तीफे के बाद अस्थिर हो चला है. 2007 में राजशाही के खात्मे के साथ उम्मीद बँधी थी कि अब लोकतान्त्रिक सरकार मुल्क को स्थिरता देगी और नेपाल आर्थिक मजबूती की पटरी पर खड़ा होगा, लेकिन माओवादी नेताओं की हठधर्मिता, अदूरदृष्टि और भारत विरोधी नीति ने फिर एक बार देश को राजनीतिक उलझन में फँसा कर अस्थिर कर दिया है. श्रीलंका तमिल टाइगरों के खात्मे के बाद अलग तरह की समस्याओं से जूझ रहा है. वहाँ आन्तरिक रूप से विस्थापित लगभग दो लाख अस्सी हजार लोगों के बीमार होने, भूखे रहने और कुपोषण जैसी समस्या से ग्रसित होने की खबरें मिल रही हैं. लिट्टे सुप्रीमो वी. प्रभाकरण और लिट्टे के सफाए के बाद मुल्क के सामने अब अधिकारों के विकेन्द्रीकरण की चुनौती सामने है. जब तक तमिलों को संविधान के दायरे में जायज अधिकार देकर उन्हें मुख्यधारा में नहीं लाया जाता, तब तक श्रीलंका में स्थायी शान्ति की उम्मीद करना बेमानी होगी.

बांग्लादेश में हाल ही में बांग्लादेश रेंजर्स के विद्रोह में सौ से अधिक लोगों की जानें गईं. वहाँ कट्टरपंथी जमातें जड़ें जमाए हुए हैं. आतंकी गुटों का ढाँचा बरकरार है और कब वहाँ अशान्ति फैल जाए, कहना कठिन है. इस समय म्यांमार भी अन्तर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप का केन्द्र बना हुआ है. लोकतन्त्र बहाली आन्दोलन नेता आंग सान सू की 13 साल से जेल में या नजरबंदी की हालत में है. विश्व समुदाय, विशेष रूप से अमरीकी चेतावनियों और प्रतिबन्धों को धता बताते हुए सैनिक शासक मनमानी कर रहे हैं दुनिया के सबसे बड़े पाँचवें तेल उत्पादक देश ईरान में महमूद अहमदीनेजाद के दोबारा राष्ट्रपति बनने पर ईरान की सड़कों से लेकर यूरोप के अनेक देशों में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. इन प्रदर्शनों में कई लोग हलाक हो गए हैं. ईरान की ध्वस्त हो चुकी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में लम्बा समय लगेगा.

इस बीच चीन में भी हिंसा और अशान्ति के स्वर उभरने लगे हैं. शिनजियांग प्रान्त के उरूम्की इलाके में जातीय दंगों में 184 लोगों के मारे जाने से भारी तनाव है. आज तिब्बत चीनी सैनिक ताकत के प्रदर्शन का एक मंच बन गया है. दलाई लामा ने भी स्वतन्त्र तिब्बत का सपना देखना छोड़ दिया है और चीन से बातचीत को तैयार हैं, क्योंकि उन्होंने अहसास किया है कि कुछ सालों में हान आबादी बहुसंख्यक हो जाएगी तथा तिब्बती अल्पसंख्यक हो जाएंगे. तिब्बतियों के अलग-थलग पड़ने से चीन उत्साहित है और दलाई लामा से ईमानदारीपूर्वक वार्ता में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं रह गई है. 1959 को शुरू किए गए असफल तिब्बती आन्दोलन को आज 50 वर्ष पूरे हो गये हैं, लेकिन तिब्बत की आजादी एक सपने से ज्यादा कुछ नहीं हो सकती. चीन निर्णायक रूप से पराजित हो जाए और खतरनाक हान साम्राज्य तथा दुनिया की सबसे बड़ी फौज नाखूनों-पत्थरों तक से लड़ने का हौसला खो बैठे. केवल तभी तिब्बत आजाद हो सकता है.

भारत और चीन एशिया महाद्वीप की बड़ी शक्तियों के साथ-साथ दोनों पड़ोसी राष्ट्र एवं संसार की सबसे बड़ी आबादी वाले राष्ट्र भी हैं. दोनों के सम्बन्धों का अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टि से महत्व है. दोनों देशों के बीच व्यापार करीब 34 मिलियन डॉलर तक पहुँच गया है, लेकिन समय-समय पर भारत-चीन साझीदारी की घोषणाओं के बावजूद दोनों देशों के सम्बन्ध दिन-ब-दिन जटिल बनते जा रहे हैं, क्योंकि दोनों एशियाई ताकतें अपनी वैश्विक हैसियत को मुखर ढंग से पेश कर रही हैं. दोनों के बीच सीमा विवाद पर तनाव हाल में इसलिए भी बढ़ा, क्योंकि चीन ने एक ऐसे क्षेत्र पर एतराज जताया, जिसके बारे में माना गया कि उसका निपटारा हो चुका है. अमरीका से भारत की बढ़ती नजदीकी चीन में नकारात्मक प्रतिक्रिया पैदा कर रही है कि भारत, जापान, आस्ट्रेलिया जैसे एशिया-प्रशान्त क्षेत्र के लोकतान्त्रिक देश तथा अमरीका मिल-जुलकर साझा खतरों का सामना करें. कारण चाहे जो हो, भारत और चीन दोनों का कड़ा रुख क्षेत्रीय स्थिरता के लिए ठीक नहीं. आगामी समय में यह बलवती सम्भावना है कि दोनों देश के सम्बन्ध वैश्विक राजनीति की राह तय करेंगे. कुछ समय पहले बीजिंग में प्रणब मुखर्जी ने सही कहा था कि भारत-चीन सम्बन्ध एक अधिक महत्वपूर्ण फैक्टर होगा, जो 21वीं शताब्दी के मानव इतिहास की दिशा तय करेगा. यदि मौजूदा संकेतकों पर जाएं, तो मानव इतिहास के लिए अगला समय कुछ कठिनाई भरा नजर आता है.

हमास द्वारा भड़काऊ कार्यवाही के जवाब में इजराइल द्वारा भीषण हमले में लगभग 1300 लोग मौत के शिकार हुए और लगभग 5000 लोग घायल हुए. इन हमलों के दूरगामी दुष्परिणाम सामने आएंगे. पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से न केवल कच्चे तेल की सप्लाई पर आशंका के बादल छाएंगे और उनके मूल्य में वृद्धि होगी, बल्कि राख के नीचे जो आग दबी हुई थी, वह फिर सतह पर आकर झुलसने लगेगी. फिलिस्तीन विवाद काफी पुराना है और उसका निपटारा युद्ध या ताकत के बल पर नहीं, बल्कि शान्ति वार्ता के जरिए ही सम्भव है. जब तक दोनों पक्ष यह अहसास नहीं करते, तब तक शान्ति एक मृग-मरीचिका ही बनी रहेगी.

21वीं सदी में तेल की सम्पदा से इतने अधिक समृद्ध अधिकतर अरब देशों में कम्प्यूटर और इंटरनेट के इस युग में भी आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा अशिक्षित है, कुपोषित है और भयानक भ्रष्टाचार में जीने के लिए विवश है. अधिकांश स्थानों पर लोग अपने वास्तविक प्रतिनिधि को चुनने में असमर्थ हैं. एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने अपनी रपट में इस क्षेत्र की त्रासदी को रेखांकित किया है.

आर्थिक मंदी का दौर

आज पूरा यूरोप आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा है. आर्थिक विकास माइनस में है और बेरोजगारी बढ़ रही है. तीस के दशक की आर्थिक मंदी के बाद अमरीकी अर्थव्यवस्था पहली बार बुरे दौर से गुजर रही है. दिसम्बर 2007 से उत्पन्न सब प्राइम संकट के चलते अमरीका के लगभग 20 बड़े वित्तीय संस्थान दिवालिया हो चुके हैं. ग्लोबलाइजेशन, विश्व बाजार, खुला संसार ये सारी बातें अचानक ही थम-सी गई हैं. एक अहम् बात यह भी है कि बिना कारगर उपाय के अमरीकी वित्तीय संस्थान ज्यादा समय तक सरकारी राहत पैकेज के दम पर सांस नहीं ले सकेंगे.

रक्षा बजट में भारी बढ़ोतरी

वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद अधिकांश देशों के रक्षा बजट में भारी बढ़ोतरी हुई है. वर्ष 2008 के रक्षा क्षेत्र में सभी देशों द्वारा कुल 46 खरब डॉलर की

राशि खर्च की गई. स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि रक्षा क्षेत्र में 607 अरब डॉलर खर्च के साथ अमरीका एक बार फिर इस सूची में शीर्ष स्थान पर है, जबकि चीन ने ब्रिटेन को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया है तथा फ्रांस तीसरे स्थान पर है. भारत भी 30 अरब डॉलर के साथ सर्वाधिक रक्षा बजट वाले शीर्ष दस देशों की सूची में शामिल हो गया है.

ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती

इक्कीसवीं शताब्दी में पृथ्वी की आबादी तकरीबन सात अरब का आँकड़ा पार कर चुकी है. जाहिर है कि इस दौर में रोजमर्रा के कामों में ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ेगा ही. हवाई जहाज, टेलीविजन और बाद में हर मर्ज की दवा बन चुका इंटरनेट, सभी को ऊर्जा जीवाश्म से मिलती है और इसका परिणाम हम ग्लोबल वार्मिंग के रूप में देख रहे हैं. वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में हमें प्रकृति में आश्चर्यजनक और भयावह परिवर्तन और देखने को मिलेंगे. ऐसे में औद्योगीकरण को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी. क्लाइमेट चेंज के कारण विभिन्न देशों में कृषि के साथ अन्य उत्पादों के उत्पादन पैटर्न प्रभावित होने का खतरा है और गरीब देशों में इसका सर्वाधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा.

आज एड्स की बीमारी सम्पूर्ण विश्व के सामने एक गम्भीर चुनौती बन चुकी है. विश्व में प्रति मिनट 10 लोग एड्स के शिकार हो रहे हैं. दुनिया में मनोरोगों का आँकड़ा बहुत तेजी से ऊपर जा रहा है. विश्व भर में करीब 12·1 करोड़ लोग इसके शिकार हैं. आज स्वाइन फ्लू जैसी बीमारियाँ चुनौती के तौर पर हमारे सामने हैं. दुनिया में गरीब और अमीर के बीच खाई बढ़ रही है. वैज्ञानिक प्रगति के साथ-साथ सुरक्षा के लिहाज से कई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं. विभिन्न स्थानों पर आजकल होने वाले आतंकी हमलों में साइबर तकनीक का जमकर इस्तेमाल हो रहा है. ऐसे में यह जरूरी है कि साइबर सुरक्षा को और ज्यादा चाक-चौबंद किया जाए. इसी क्रम में सार्वजनिक तौर पर मौजूद साइबर कैफे का सुरक्षा कवच भी ज्यादा मजबूत बनाए जाने की व्यवस्था होनी चाहिए.

जहाँ अफगानिस्तान जो कुछ ही साल पहले तालिबान की सख्त गिरफ्त से मुक्त होकर धीरे-धीरे पाबंदी की मानसिकता से मुक्त हो रहा है तथा खुद को एक नए राष्ट्र के रूप में ढाल रहा है, वहीं इराक से 2011 तक अमरीकी सैनिकों की स्वदेश वापसी के साथ जनजीवन सामान्य होने की उम्मीद बनी हुई है. पाकिस्तान के तालिबान कमाण्डर बैतुल्ला महसूद के अमरीकी मिसाइल हमले में मारा जाना पाकिस्तान के लिए बड़ी राहत की बात है. पाकिस्तान-अफगानिस्तान में आतंकवाद विरोधी युद्ध अपने निर्णायक दौर में पहुँच रहा है. इस वक्त महत्वपूर्ण यही है कि पाकिस्तानी सेना में मौजूद तालिबान समर्थक तत्व किसी भी कीमत पर तालिबान पर दबाव हल्का न होने दें वरना किसी दूसरे कमाण्डर के नेतृत्व में वे फिर उतने ही मजबूत हो सकते हैं.

अब अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन पर सहमति का समय आ गया है. विश्व के सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होना होगा तथा गहरी जड़ें जमाए आतंकवादी गुटों से निपटने के लिए जबर्दस्त जमीनी काम की जरूरत पड़ेगी. ऐसा करते हुए सभी देशों को इन ताकतों की सम्भावित प्रतिक्रिया से निपटने के लिए भी पूरी तैयारी करनी होगी.

सम्पूर्ण निरस्तीकरण दशकों तक संयुक्त राष्ट्र संघ की कार्यसूची में शामिल रहा है, लेकिन परमाणु अस्त्रों के आगमन से यह कार्यसूची अत्यन्त जटिल बन गई है. पूरी दुनिया इसी आशंका को लेकर थरथरा रही है कि यदि अलकायदा जैसे आतंकवादी संगठनों ने परमाणु अस्त्रों को या इसकी टेक्नोलॉजी को हासिल कर लिया, तो पूरी दुनिया कभी भी आग के शोलों में बदल सकती है. इसलिए पूरे विश्व की यह जिम्मेदारी है कि वह ऐसे देशों की परमाणु शक्ति अपने संरक्षण में ले जहाँ आतंकवाद पनपने के खतरे छिपे हुए हैं. जिस प्रकार चीन, अमरीका, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन इन पाँच परमाणु शक्ति सम्पन्न पी-5 देशों की यह जिम्मेदारी है कि परमाणु शक्ति का प्रयोग केवल विकास और शान्तिपूर्ण कार्यों के लिए किया जाए और साथ ही किसी भी स्तर पर किसी ऐसे दूसरे देश को यह परमाणु शक्ति हासिल न करने दें, जो अन्तर्राष्ट्रीय नियमों को धता बताता रहा हो.

जापान पर विश्व के पहले परमाणु हमले की 64वीं बरसी पर सभी देशों को परमाणु रहित विश्व बनाने का संकल्प लेना होगा. अब अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन पर सहमति का समय आ गया है. विश्व के देशों के बीच खुला व्यापार हो, हमें मार्टिन लूथर किंग के प्रेम और गांधी के अहिंसा के सिद्धान्तों को अपनाना ही होगा. हमें बीजिंग ओलम्पिक खेलों का स्लोगन **'वन वर्ल्ड वन ड्रीम'** को हकीकत में बदलना होगा, जिसका मतलब है 'एक संसार एक सोच' ! इस आस्था के बल पर शीघ्र ही वह दिन भी आएंगे जब धरती पर शान्ति होगी और मनुष्य मात्र के प्रति सद्भावना. तभी विश्व के हर देश में, हर महाद्वीप में 21वीं सदी में रामराज्य स्थापित हो सकेगा. ●●●

शेष पृष्ठ 783 का

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **NACIL** (National Aviation Company of India Ltd.), **Hq.**–मुम्बई, **स्थापना** नई कम्पनी के रूप में 30 मार्च, 2007 को (**ब्रान्ड नेम**–Air India) की गई, जिसका लोगो (Logo) है–
   (A) महाराजा
   (B) इग्रुआ
   (C) पवनहंस
   (D) इनमें से कोई नहीं
2. 'इग्रुआ' (**IGRUA**–इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी) द्वारा देश में वाणिज्यिक पायलटों के उड़ान एवं स्थल प्रशिक्षण में सुधार लाने के उद्देश्य से स्थापना कहाँ की गई ?
   (A) जयपुर (राजस्थान)
   (B) फुर्सतगंज, रायबरेली (उत्तर प्रदेश)
   (C) भोपाल (मध्य प्रदेश)
   (D) पटना (बिहार)
3. **AAI** (Airport Authority of India)–**AAI** Act. 1994 के तहत् स्थापना, देश में कब से कार्यरत् है ?
   (A) 1 अप्रैल, 1995
   (B) 1 अप्रैल, 1997
   (C) 1 मई, 1998
   (D) 2 अक्टूबर, 2000
4. पवनहंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (Pawan Hans Helicopters Ltd.–**PHHL**) (रजिस्टर्ड ऑफिस, नई दिल्ली) एक सरकारी कम्पनी के रूप में स्थापना की गई थी–
   (A) अक्टूबर, 1975 में
   (B) अक्टूबर, 1977 में
   (C) अक्टूबर, 1985 में
   (D) अक्टूबर, 2000 में
5. नागर विमानन मंत्रालय (Ministry of Civil Aviation, **GOI**) द्वारा विकलांग व्यक्तियों हेतु समान अवसर, अधिकारों के रक्षापूर्ण हिस्सेदारी हेतु विकलांग व्यक्ति अधिनियम बनाया हुआ है, जो ..... है–
   (A) Protection of Rights, Act 1995
   (B) Protection of Rights, Act 1996
   (C) Protection of Rights, Act 1998
   (D) None of These

उत्तरमाला

●●●

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

1. एस. चन्द्रशेखर का नाम निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से जुड़ा है ?
   (A) ब्रह्माण्ड विज्ञान
   (B) रसायन विज्ञान
   (C) तरल यांत्रिकी
   (D) खगोल भौतिकी

2. संविधान में किस पर महाभियोग चलाने के लिए कोई प्रावधान नहीं है ?
   (A) भारत के मुख्य न्यायाधीश
   (B) किसी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
   (C) राज्यपाल
   (D) उपराष्ट्रपति

3. कोसोवो ने निम्नलिखित में से किस देश से अपनी स्वाधीनता की घोषणा की ?
   (A) मैसीडोनिया
   (B) क्रोएशिया
   (C) बुल्गारिया
   (D) सर्बिया

4. ओगाडन क्षेत्र के लिए निम्नलिखित में से किन दो देशों ने लड़ाई लड़ी ?
   (A) एरीट्रिया और सूडान
   (B) इथियोपिया और सोमालिया
   (C) केन्या और सोमालिया
   (D) इथियोपिया और सूडान

5. गोल्डन थ्रेशोल्ड (Golden Threshold) निम्नलिखित में से किसकी रचना है ?
   (A) सरोजिनी नायडू
   (B) एनी बेसेंट
   (C) अरुणा आसफ अली
   (D) विजयलक्ष्मी पण्डित

6. यूरोपीय संघ के निम्नलिखित सदस्यों में किस सदस्य राष्ट्र ने अन्य सदस्यों द्वारा स्वीकृत लिस्बन संधि को स्वीकार करने से इनकार कर दिया ?
   (A) आयरलैण्ड (B) फ्रांस
   (C) जर्मनी (D) इटली

7. गीता चन्द्रन निम्नलिखित में से किस रूप में प्रसिद्ध हैं ?
   (A) वायलिन वादक
   (B) शास्त्रीय कर्नाटक गायिका
   (C) फिल्म अभिनेत्री
   (D) भरतनाट्यम् नृत्यांगना

8. भारत में मुद्रास्फीति निम्नलिखित में से किस सूचकांक पर मापी जाती है ?
   (A) निर्वाह व्यय सूचकांक (COLI)
   (B) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI)
   (C) थोक मूल्य सूचकांक (WPI)
   (D) इनमें से कोई नहीं

9. निम्नलिखित में से कौनसा जनपद इलाहाबाद जनपद के साथ सीमा नहीं बनाता है ?
   (A) चित्रकूट
   (B) सोनभद्र
   (C) जौनपुर
   (D) सन्त रविदास नगर

10. 'नचिकेता' आख्यान का उल्लेख किसमें मिलता है ?
    (A) अथर्ववेद में
    (B) वृहदारण्यक उपनिषद् में
    (C) कठोपनिषद् में
    (D) शतपथ ब्राह्मण में

11. सुभाष चन्द्र बोस को 'देशनायक' किसने कहा था ?
    (A) रबीन्द्रनाथ टैगोर ने
    (B) महात्मा गांधी ने
    (C) जयप्रकाश नारायण ने
    (D) जवाहरलाल नेहरू ने

12. निम्नलिखित में किस देश को 'यूरेनियम सिटी' स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है ?
    (A) संयुक्त राज्य अमरीका
    (B) रूस
    (C) कनाडा
    (D) आस्ट्रेलिया

13. 'नरगिस' नाम दिया गया है–
    (A) जापान सागर में सुनामी को
    (B) इरावदी डेल्टा क्षेत्र में आए विध्वंसक चक्रवात को
    (C) अमेजन बेसिन में विध्वंसक बाढ़ को
    (D) मैक्सिको की खाड़ी में विध्वंसक हरीकेन को

14. फर्नाण्डो लुगो किस देश के राष्ट्रपति चुने गए हैं ?
    (A) ब्राजील के (B) सोमालिया के
    (C) परागुए के (D) अर्जेन्टीना के

15. निम्नलिखित में से कौनसा देश करोड़ों प्रतिशत मुद्रास्फीति की चपेट में है जिसके चलते वहाँ मुद्रा का मूल्य नगण्य रह गया है ?
    (A) इथियोपिया (B) सोमालिया
    (C) कीनिया (D) जिम्बाब्वे

16. 'बिम्सटेक' (BIMSTEC) कितने देशों का पारस्परिक आर्थिक सहयोग के लिए बनाया गया संगठन है ?
    (A) 5 (B) 7
    (C) 9 (D) 10

17. 'ओरेन्ज क्रान्ति' निम्नलिखित में से किस देश से सम्बद्ध है ?
    (A) सूडान (B) तुर्की
    (C) यूक्रेन (D) ब्राजील

18. निम्नलिखित में से किस एक के साथ 'टेनिस कोर्ट ओथ' सम्बद्ध है ?
    (A) अमरीकी क्रान्ति
    (B) फ्रांसीसी क्रान्ति
    (C) इंगलिश क्रान्ति
    (D) रूसी क्रान्ति

19. आर्यभट्ट को कहाँ से छोड़ा गया था ?
    (A) श्रीहरिकोटा से
    (B) चांदीपुर से
    (C) तिरुवनन्तपुरम् से
    (D) इनमें से कोई नहीं

20. प्रसिद्ध कंदरिया महादेव मन्दिर कहाँ अवस्थित है ?
    (A) नासिक में
    (B) अमरावती में
    (C) खजुराहो में
    (D) हरिद्वार में

21. क्रोमवेल धारा किस महासागर में प्रवाहित होती है ?
    (A) प्रशान्त महासागर
    (B) अटलाण्टिक महासागर में
    (C) हिन्द महासागर में
    (D) आर्कटिक महासागर में

22. भारत में बीमा कम्पनियों के लिए मुख्य विनियामक प्राधिकरण निम्नलिखित में से कौनसा है ?
    (A) RBI (B) SEBI
    (C) IRDA (D) LIC

23. नौसेना की दक्षिण कमान स्थित है–
    (A) विशाखापतनम् में
    (B) तिरुवनन्तपुरम् में
    (C) कोचीन (कोच्चि) में
    (D) मुम्बई में

24. जूलेस रिमेट कप (Jules Rimet Cup) किस खेल से सम्बन्धित है ?
(A) हॉकी (B) टेनिस
(C) बास्केटबाल (D) फुटबाल

25. उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली 'एल जी' (LG) कम्पनी मूलतः किस देश की है ?
(A) चीन की
(B) जापान की
(C) दक्षिण कोरिया की
(D) मलेशिया की

26. निम्नलिखित में से कौनसी एक कम्बोडिया की राजधानी है ?
(A) हो ची मिन्ह सिटी (B) हेनोई
(C) सेमा रंग (D) नोम पेन्ह

27. पार्श्व में दिया गया चित्र किसका है ?
(A) एस. के. वानखेड़े
(B) लाला अमरनाथ
(C) राजसिंह डूंगरपुर
(D) सी. के. नायडू

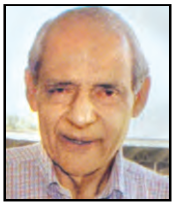

28. पार्श्व में दिए गए चित्र को पहचानिए–
(A) दिगम्बर कामत
(B) पांझयू फॉम
(C) पी. सी. जोरमसंगलियाना
(D) पवन चामलिंग

●●●

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के नियम

1. इसमें सभी विद्यार्थी अथवा किसी प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले प्रत्याशी भाग ले सकेंगे.
2. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्याशियों को निर्धारित तिथि तक अपने उत्तर भेजना आवश्यक है. प्रविष्टियाँ सामान्य डाक से ही भेजी जाएं तथा लिफाफे पर बाईं ओर **'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता'** अवश्य लिखें.
3. प्रतियोगिता के उत्तर पत्रिका में दिए गए प्रपत्र पर ही मान्य होंगे.
4. प्रश्न के क्रमांक के आगे चार खाने बने हैं. प्रतियोगी जिस उत्तर को ठीक समझें उस कॉलम में केवल गुणा (×) का चिह्न लगाएं. एक प्रश्न का एक से अधिक उत्तर देने पर वह प्रश्न निरस्त कर दिया जाएगा.
5. प्रतियोगी जितने प्रश्न हल करें उनकी संख्या स्वयं अवश्य लिखें.
6. अशुद्ध उत्तर देने पर अंक काटे जाएंगे.
7. सर्वाधिक शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगी को प्रथम पुरस्कार स्वरूप 700 रुपए दिए जाएंगे. उससे कम शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगियों को क्रमशः द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा, जो क्रमशः 500 रुपए व 300 रुपए का होगा. यदि किसी पुरस्कार को प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों की संख्या एक से अधिक होगी, तो पुरस्कार राशि उनमें समान रूप से विभक्त कर दी जाएगी.
8. पुरस्कार के विषय में सम्पादक का निर्णय सर्वमान्य होगा. किसी भी दशा में वह न्यायालय का विषय नहीं होगा.

प्रतियोगिता प्रवेश प्रारूप

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–135 का हल भेजने की अन्तिम तिथि 10 नवम्बर, 2009

नाम श्री/कु./श्रीमती _____

पूरा पता _____

_____

_____

राज्य ..... पिन कोड नं. ☐☐☐☐☐☐

_____

आयु ..... शैक्षणिक योग्यता .....

प्रतियोगिता परीक्षा जिसकी तैयारी कर रहे/रही हैं _____

_____

मैंने प्रतियोगिता दर्पण द्वारा आयोजित **सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता** के नियमों का अध्ययन कर लिया है और मैं उनसे सहमत हूँ।

.....
(हस्ताक्षर)

परिणाम

कुल हल किए प्रश्नों की संख्या _____

शुद्ध हल प्रश्नों की संख्या _____

अशुद्ध हल प्रश्नों की संख्या _____

अर्जित अंक _____

उत्तर-पत्र

प्रश्न संख्या	A	B	C	D	प्रश्न संख्या	A	B	C	D
1.	☐	☐	☐	☐	15.	☐	☐	☐	☐
2.	☐	☐	☐	☐	16.	☐	☐	☐	☐
3.	☐	☐	☐	☐	17.	☐	☐	☐	☐
4.	☐	☐	☐	☐	18.	☐	☐	☐	☐
5.	☐	☐	☐	☐	19.	☐	☐	☐	☐
6.	☐	☐	☐	☐	20.	☐	☐	☐	☐
7.	☐	☐	☐	☐	21.	☐	☐	☐	☐
8.	☐	☐	☐	☐	22.	☐	☐	☐	☐
9.	☐	☐	☐	☐	23.	☐	☐	☐	☐
10.	☐	☐	☐	☐	24.	☐	☐	☐	☐
11.	☐	☐	☐	☐	25.	☐	☐	☐	☐
12.	☐	☐	☐	☐	26.	☐	☐	☐	☐
13.	☐	☐	☐	☐	27.	☐	☐	☐	☐
14.	☐	☐	☐	☐	28.	☐	☐	☐	☐

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक–366 का परिणाम

विषय : 21वीं सदी का विश्व

प्रथम बलवंत राम
ग्राम + पोस्ट–सूपी
जिला-बागेश्वर (उत्तराखण्ड)
पिन–263679

द्वितीय श्रीमती ज्योति महेश्वरी
बीसलपुर रोड, बरेली (उ. प्र.)
पिन–243006

तृतीय शशांक शेखर त्रिपाठी
145B/12I/4, कैलाशपुरी,
सलोरी, इलाहाबाद (उ. प्र.)
पिन–211004

प्रथम

द्वितीय

तृतीय

अन्य प्रशंसित निबन्ध

1. रश्मि गुप्ता
   मोहल्ला–सदर मेरठ केण्ट (उ. प्र.)
2. पवन कुमार निगम
   S/o श्री मूलचन्द निगम
   (डाक बंगला के पीछे)
   महोबा (उ. प्र.)
3. मनीष कुमार मीणा
   C/o श्री अमर सिंह मीणा
   वार्ड नं. 8, राणी सती रोड,
   मुकुन्दगढ़ मण्डी,
   जिला–झुंझुनू (राजस्थान)
   पिन–333705
4. सुनील कुमार
   S/o श्री ताराचन्द
   वार्ड नं. 15, डॉ. बी. आर.
   अम्बेडकर नगर, नीम का थाना
   जिला–सीकर (राजस्थान)
   पिन–332713
5. राजू
   S/o श्री रम्मू सरोज
   ग्राम + पोस्ट–लालगंज अझारा
   जिला–प्रतापगढ़ (उ. प्र.)
   पिन–230132
6. श्वेता भट्ट
   D/o श्री गोपेश कुमार भट्ट
   अलवर (राजस्थान)
   पिन–301001
7. तरुण जी
   C/o श्री अवय कुमार ठाकुर
   ग्राम + पोस्ट–बौरा
   Via जनकपुर रोड (पुपरी)
   जिला–सीतामढ़ी (बिहार)
   पिन–843320
8. शुभा साहू
   D/o श्री पी. एल. साहू
   जिला–राजनांद गाँव (छत्तीसगढ़)
   पिन–491665
9. मयंक श्रोत्रिय
   MM9G, C-163 आशियाना
   फेज–Ist कांठ रोड
   मुरादाबाद (उ. प्र.)
   पिन–244001
10. विवेक कुमार
    S/o श्री वासुदेव
    ग्राम–बैरमपुर, पोस्ट–दमापुर
    जिला–फतेहपुर (उ. प्र.)

➠ उपर्युक्त प्रशंसित निबन्ध प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की सौ रुपए मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. कृपया अपनी पसंद की पुस्तक सूचित करें. यदि सौ रुपए से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से सौ रुपए पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–134 का सर्वशुद्ध हल एवं पुरस्कार विजेता

प्रतियोगिता के नियमानुसार प्रवेश प्रारूप-पत्र पर प्राप्त हलों के परीक्षण के उपरान्त निम्नलिखित प्रतियोगी पुरस्कार प्राप्त करने में सफल हुए हैं. **'प्रतियोगिता दर्पण'** उनकी सफलता पर शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है तथा उनकी खोजपूर्ण प्रवृत्ति के प्रति आभार व्यक्त करती है.

पुरस्कृत विजेता

प्रथम पुरस्कार

1. सीमा देवी, अतर्रा, जि.-बाँदा (उ.प्र.)
2. विभा पाठक, पलामू (झारखण्ड)
3. रोहिताष सिंह, चुरू (राज.)
4. जसप्रीत सिंह, श्रीगंगानगर (राज.)
5. प्रियंका काँवत, सीकर (राज.)
6. दीपक कुमार जेवरिया
   झुंझुनू (राज.)–333 504
7. अतुल कुमार अग्रवाल
   दुर्ग (छत्तीसगढ़)–497 001
8. निशा रानी, दिलशाद गार्डन, दिल्ली
9. श्रवण कुमार ठाकुर, नई दिल्ली
10. ब्रह्म शंकर गुप्ता, लखनऊ (उ.प्र.)
11. प्रतिभा रानी, बिजनौर (उ.प्र.)
12. मनोज कुमार शर्मा, बरेली (उ.प्र.)
13. पूजा मिश्रा, बाराबंकी (उ.प्र.)
14. सुभाष चन्द्र पाठक, बलरामपुर (उ.प्र.)
15. प्रेम सिंह बिष्ट, देहरादून (उत्तराखण्ड)
16. गुंजन कुमार ठाकुर, भागलपुर (बिहार)
17. निखिलेश क्रान्ति, पटना (बिहार)
18. संतोष कुमार (पटना (बिहार)
19. कौस्तुममणि पाण्डेय, सतना (म.प्र.)
20. कल्पना कुमारी, पटना (बिहार)

नोट–प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार राशि को जोड़कर 20 प्रथम पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में बराबर-बराबर बाँट दिया गया है.

सर्वशुद्ध हल

उपकार
शीघ्र प्रकाशित
संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग
प्रारम्भिक परीक्षा
सामान्य अध्ययन
(विषयवार व्याख्यात्मक उत्तरों सहित)
सम्पादक मण्डल : प्रतियोगिता दर्पण
कोड नं. 1494 मूल्य : 310/-
यह पुस्तक विषय विशेषज्ञों द्वारा संकलित की गई एक सम्पूर्ण एवं अपरिहार्य अध्ययन सामग्री का अद्भुत स्रोत है. प्रतियोगिता दर्पण के सम्पादक मण्डल का पूर्ण विश्वास है कि इस पुस्तक के अध्ययनोपरांत सिविल सेवा परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की सफलता सुनिश्चित हो जाएगी.
साथ में निःशुल्क पुस्तिका
सिविल सेवा परीक्षा में सफलता
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : publisher@upkar.in
Website : www.upkar.in

English Language

(Based on Memory)

Directions—(Q. 1–8) Read the following passage carefully and answer the questions given below it. Certain words/phrases have been printed in **bold** to help you locate them while answering some of the questions.

A new analysis has determined that the threat of global warming can still be greatly **diminished** if nations cut emissions of heat-trapping greenhouse gases by 70% this century. The analysis was done by scientists at the National Center for Atmospheric Research (NCAR). While global temperatures would rise, the most dangerous potential aspects of climate change, including **massive** losses of Arctic sea ice and permafrost and **significant** sea-level rise, could be partially avoided.

"This research indicates that we can no longer avoid significant warming during this century," said NCAR scientist Warren Washington, the study paper's lead author. "But, if the world were to implement this level of emission cuts, we could stabilize the threat of climate change", he added.

Average global temperatures have warmed by close to 1 degree Celsius since the pre-industrial era. Much of the warming is due to human-produced emissions of greenhouse gases, **predominantly** carbon dioxide. This heat-trapping gas has increased from a pre-industrial level of about 284 parts per million (ppm) in the atmosphere to more than 380 ppm today. With research showing that additional warming of about 1 degree C may be the threshold for dangerous climate change, the European Union has called for **dramatic** cuts in emissions of carbon dioxide and other greenhouse gases.

To examine the impact of such cuts on the world's climate, Washington and his colleagues ran a series of global studies with the NCAR-based Community Climate System Model (CCSM). They assumed that carbon dioxide levels could be held to 450 ppm at the end of this century. In contrast, emissions are now on track to reach about 750 ppm by 2100 if unchecked. The team's results showed that if carbon dioxide were held to 450 ppm, global temperatures would increase by 0·6 degrees Celsius above current readings by the end of the century. In contrast, the study showed that temperatures would rise by almost four times that amount, to 2·2 degrees Celsius above current readings, if emissions were allowed to continue on their present course. Holding carbon dioxide levels to 450 ppm would have other impacts, according to the climate modeling study.

Sea-level rise due to thermal expansion as water temperatures warmed would be 14 centimetres (about 5·5 inches) instead of 22 centimetres (8·7 inches). Also, Arctic ice in the summertime would **shrink** by about a quarter in volume and stabilize by 2100, as **opposed** to shrinking atleast three-quarters and continuing to melt, and Arctic warming would be reduced by almost half.

1. Why has the European Union called for dramatic cuts in carbon dioxide and greenhouse gas emissions ?
   (A) As global warming is not an issue of concern
   (B) As the temperatures may rise almost by an additional one degree and this may lead to severe climate change
   (C) As the NCAR has forced the European Union to announce the cuts
   (D) As all the nations have decided to cut emissions of carbon dioxide
   (E) None of these
2. What would **not** be one of the impacts of cutting greenhouse gas emissions ?
   (A) Temperatures will stop soaring
   (B) Ice in the Arctic sea would melt at a slower pace
   (C) The rise in sea level would be lesser
   (D) All of the above would be the impact
   (E) None of these
3. What would be the impact of holding the carbon dioxide level at 450 ppm at the end of this century ?
   1. Global temperatures would increase by 0·6 degrees Celcius.
   2. Arctic warming would be reduced by half.
   3. Thermal expansion will stop completely.
   (A) Only 1
   (B) Only 1 and 2
   (C) Only 2 and 3
   (D) All the three 1, 2 and 3
   (E) None of these
4. What does the scientist Warren Washington mean when he says "we could stabilize the threat of climate change" ?
   (A) Climate change can be stopped completely
   (B) Climate change can be regularized
   (C) Climate change and its effects can be studied extensively
   (D) The ill-effects of the change in climate can be minimized
   (E) None of these
5. Why did Washington and his colleagues conduct a series of studies ?
   (A) Because they realized that the temperature increase was almost about 1 degree
   (B) So that they could stabilize the climate change
   (C) So that they could help the European Union in cutting the carbon dioxide emissions
   (D) Because they found out that the greenhouse gas emissions could be cut by 70%
   (E) None of these
6. What would be the impact of unchecked greenhouse gas and carbon dioxide emissions ?

(A) The temperature would rise from the current temperature by 2·2 degrees Celsius

(B) The sea-level would rise by about 5·5 inches

(C) The arctic ice would stabilize by 2100

(D) The arctic ice would reduce by one-fourth

(E) None of these

7. What can be the most appropriate title of the above passage ?

(A) A study of the rise in water level

(B) A study of rise in temperatures

(C) A study of the effects of greenhouse gas emissions

(D) A study of the Arctic region

(E) A study of change in seasons

8. Which of the following statements is true in context of the passage ?

(A) At present the carbon dioxide emission is about 284 ppm

(B) The carbon dioxide emissions will be about 450 ppm at the end of this century if unchecked

(C) The carbon dioxide emission was about 380 ppm during the pre-industrial era

(D) The carbon dioxide emissions will be about 750 ppm at the end of this century if unchecked

(E) None of these

Directions—(Q. 9–12) Choose the word which is **MOST SIMILAR** in **MEANING** to the word printed in **bold** as used in the passage.

9. **predominantly**

(A) clearly (B) aggressively
(C) mainly (D) firstly
(E) faintly

10. **massive**

(A) tall (B) tough
(C) total (D) little
(E) severe

11. **shrink**

(A) contract (B) physician
(C) wither (D) shrivel
(E) reduce

12. **dramatic**

(A) unprecedented
(B) thrilling
(C) spectacular
(D) effective
(E) feeble

Directions—(Q. 13–15) Choose the word which is **MOST OPPOSITE** in **MEANING** to the word printed in **bold** as used in the passage.

13. **opposed**

(A) resistant (B) against
(C) favouring (D) similar
(E) agree

14. **diminished**

(A) created (B) rose
(C) increased (D) lessen
(E) finished

15. **significant**

(A) substantial
(B) miniscule
(C) incoherent
(D) unimportant
(E) irrelevant

Directions—(Q. 16–20) Which of the phrases (A), (B), (C) and (D) given below each sentence should replace the phrase printed in **bold** in the sentence to make it grammatically correct ? If the sentence is correct as it is given and No Correction is Required, mark (E) as the answer.

16. Naturally, with everything **gone so well** for them, it was time for celebration.

(A) go so well
(B) going so well
(C) gone as well
(D) going as well
(E) No Correction Required

17. The ban was imposed by the state's commercial taxes department last Friday after protests by a certain community, which **had threat to burn** cinema halls screening the controversial movie.

(A) had threats of burning
(B) had threated to burn
(C) had threatened to burn
(D) had threatened to burning
(E) No Correction Required

18. Rakesh, an avid football player who captained his team in school and college, **will inaugurate** the match tomorrow in Pune.

(A) will be inaugurate
(B) is inauguration
(C) will inaugurating
(D) is inaugurate
(E) No Correction Required

19. At a musical night organised for them, the artistic side of the doctors **came as forward**, as they sang beautifully and made the evening truly memorable.

(A) come forward
(B) come to the fore
(C) came to the forth
(D) came to the fore
(E) No Correction Required

20. Although scared of heights, she **gather all her courage** and stood atop the 24-storey building to participate in the activities.

(A) gathered all her courage
(B) gathered all courageous
(C) gather all courageous
(D) is gathered all courage
(E) No Correction Required

Directions—(Q. 21–25) Each question below has two blanks, each blank indicating that something has been omitted. Choose the set of words for each blank which best fits the meaning of the sentence as a whole.

21. Along with a sharp rise in ……, a recession would eventually result in more men, women and children living in ……

(A) crime, apathy
(B) fatalities, poor
(C) deaths, slums
(D) unemployment, poverty
(E) migrations streets

22. Behaving in a …… and serious way, even in a …… situation, makes people respect you.

(A) calm, difficult
(B) steady, angry
(C) flamboyant, tricky
(D) cool, astounding
(E) silly, sound

23. An airplane with …… passengers on board made an unscheduled …… as the airport to which it was heading was covered with thick fog.

(A) irritable, slip
(B) faulty, stop
(C) variety, halt
(D) tons, wait
(E) numerous, landing

24. The government has …… to provide financial aid to the ones …… by severe floods in the city.
(A) desired, troubled
(B) promised, havoc
(C) failed, affected
(D) wanted, struck
(E) decided, ill

25. Deemed universities …… huge fees, but have not been successful in providing …… education to our students.
(A) collect, maintaining
(B) pay, better
(C) ask, good
(D) charge, quality
(E) demand, quantitative

Directions—(Q. 26–30) Rearrange the following six sentences 1, 2, 3, 4, 5 and 6 in the proper sequence to form a meaningful paragraph; then answer the questions given below them.

1. In turn the buyer is called the franchisee.
2. These two parties are called the franchisor and franchisee.
3. This means that it gives permission for the buyer to use its name and sell its products.
4. He pays money to the franchisor, and agrees to obey the rules the franchisor makes.
5. A franchising agreement includes two parties.
6. The franchisor is the business house/entity which grants the franchisee license.

26. Which of the following should be the **LAST (SIXTH)** sentence after rearrangement ?
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5
(E) 6

27. Which of the following should be the **THIRD** sentence after rearrangement ?
(A) 5 (B) 6
(C) 1 (D) 4
(E) 2

28. Which of the following should be the **FOURTH** sentence after rearrangement ?
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5
(E) 6

29. Which of the following should be the **FIRST** sentence after rearrangement ?
(A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4
(E) 5

30. Which of the following should be the **SECOND** sentence after rearrangement ?
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5
(E) 6

Directions—(Q. 31–40) Read each sentence to find out whether there is any grammatical error or idiomatic error in it. The error, if any, will be in one part of the sentence. The **letter** of that part is the answer. If there is no error, the answer is (E). (Ignore errors of punctuation, if any).

31. The angry at being / left out of (A) (B)
the bonanza / is palpable among/ (C)
employees of the organization. (D)
No error (E)

32. There are just too few trains / for (A)
the ever-grow / number of (B) (C)
passengers / in the city. No error (D) (E)

33. If all goes well, / the exami- (A)
nation scheduled for next month / (B)
is all set to be completely free / (C)
from annoying power cuts and (D)
disruptions. No error (E)

34. His comments came after / the (A)
research group said that its / (B)
consumer confidence index were/ (C)
slumped to its lowest level. (D)
No error (E)

35. The buzz at the party was / that a (A)
famous / filmstar and politician, (B) (C)
would / probable drop by for a (D)
while. No error (E)

36. The President has denied / that (A)
the economy is in recession / or (B)
was go into one / despite a spate (C)
of downcast reports. No error (D) (E)

37. Aggression in some teenage (A)
boys / may be linkage to overly / (B)
large glands in their brains, / a (C)
new study has found. No error (D) (E)

38. The opposition disrupted pro- (A)
ceedings / in both Houses of (B)
Parliament / for the second (C)
consecutive day / above the
plight of farmers in the country. (D)
No error (E)

39. In response to the growing crisis / (A)
the agency is urgently asking (B)
for / more contributions, to make (C)
up for / its sharp decline in (D)
purchasing power. No error (E)

40. The tennis player easy through / (A)
the opening set before her oppo- (B)
nent, / rallied to take the final (C)

two sets / for the biggest victory (D)
of her young career. No error (E)

Directions—(Q. 41–50) In the following passage there are blanks, each of which has been **numbered**. These **numbers** are printed below the passage and against each, five words are suggested, one of which fits the blank appropriately. Find out the appropriate word in each case.

In economics, the term recession generally describes the reduction of a country's Gross Domestic Product (GDP) for atleast two quarters. A recession is …(**41**)… by rising unemployment, increase in government borrowing, …(**42**)… of share and stock prices and falling investment. All of these characteristics have effects on people. Some recessions have been anticipated by stock market declines. The real-estate market also usually …(**43**)… before a recession. However real-estate declines can last much longer than recessions. During an economic decline, high …(**44**)… stocks such as financial services, pharmaceuticals and tobacco …(**45**)… to hold up better. However when the economy starts to recover growth, stocks tend to recover faster. There is significant disagreement about how health care and utilities tend to …(**46**)….

In 2008, an economic recession was suggested by several important indicators of economic downturn. These …(**47**)… high oil prices, which led to …(**48**)… high food prices due to a dependence of food production on petroleum, as well as using food crop products such as ethanol and biodiesel as an …(**49**)… to petroleum and global inflation; a substantial credit crisis leading to the drastic bankruptcy of large and well …(**50**)… investment banks as well as commercial banks in various, diverse nations around the world; increased unemployment and signs of contemporaneous economic downturns in major economies of the world, a global recession.

41. (A) visualized
(B) characterized
(C) imagined
(D) depict
(E) shown

42. (A) decrease (B) abundance
(C) increase (D) variance
(E) more

43. (A) strengthens
(B) volatile
(C) weakens
(D) initiates
(E) awakens

44. (A) result (B) payment
(C) maintained (D) yield
(E) heavy

45. (A) yearn (B) made
(C) are (D) want
(E) tend

46. (A) increased (B) fight
(C) distribute (D) recover
(E) wait

47. (A) included (B) encompass
(C) meant (D) show
(E) numbered

48. (A) healthy (B) nutritious
(C) fearful (D) dangerous
(E) abnormally

49. (A) element (B) integral
(C) alternative (D) variant
(E) substitute

50. (A) created (B) established
(C) wealthy (D) costly
(E) stand

Answers with Hints

●●●

उपकार

प्रैक्टिस वर्क बुक

सामान्य अध्ययन

(मुख्य परीक्षा)

सम्पादक मण्डल : प्रतियोगिता दर्पण

कोड नं. 164 मूल्य : 110/-

प्रमुख आकर्षण

☞ संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के लिए उपयोगी

☞ पिछले वर्षों के प्रश्नों का समावेश

☞ निश्चित शब्द सीमा में उत्तर लिखने का अभ्यास

☞ अति-विशिष्ट प्रश्नों का समावेश

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

E-mail : publisher@upkar.in
Website : www.upkar.in

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक महेन्द्र जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2 से प्रकाशित